हिंदी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली

बी॰ए॰ (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम

चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति

(LOCF)

(जुलाई, 2019 से आरंभ)

सी.बी.सी.एस.

(चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)

(LOCF)

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्रों का क्रम इस प्रकार होगा :

हिंदी कोर पाठ्यक्रम (HCC)

- **सेमेस्टर-1 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-1 : हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास **BAHHCC01**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-2 : हिंदी कविता (आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य) **BAHHCC02**
- **सेमेस्टर-2 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-3 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल) **BAHHCC03**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-4 : हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य) **BAHHCC04**
- **सेमेस्टर-3 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-5 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) **BAHHCC05**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-6 : हिंदी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक) **BAHHCC06**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-7 : हिंदी कहानी **BAHHCC07**
- **सेमेस्टर-4 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-8 : भारतीय काव्यशास्त्र **BAHHCC08**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-9 : हिंदी कविता (छायावाद के बाद) **BAHHCC09**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-10 : हिन्दी उपन्यास **BAHHCC10**
- **सेमेस्टर-5 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-11 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र **BAHHCC11**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-12 : हिंदी नाटक/एकांकी **BAHHCC12**
- **सेमेस्टर-6 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-13 : हिन्दी आलोचना **BAHHCC13**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-14 : हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ **BAHHCC14**

हिंदी सामान्य (Generic) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HGEC)

- **सेमेस्टर 1**

  1. लोकप्रिय साहित्य **BAHHGEC01 अथवा** हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन **BAHHGEC02**

- **सेमेस्टर 2**

  2. रचनात्मक लेखन **BAHHGEC03 अथवा** पटकथा तथा संवाद लेखन **BAHHGEC04**

- **सेमेस्टर 3**

  3. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद **BAHHGEC05 अथवा** भाषा और समाज **BAHHGEC06**

- **सेमेस्टर 4**

  4. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य **BAHHGEC07 अथवा** भाषा शिक्षण **BAHHGEC08**

हिंदी विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HDSEC)

- **सेमेस्टर 5**

  1. हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा **BAHHDSEC01 अथवा** अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य **BAHHDSEC02 अथवा** भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत **BAHHDSEC03**

- **सेमेस्टर 5**

  2. हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण **BAHHDSEC04 अथवा**
     कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश **BAHHDSEC05 अथवा**
     भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा **BAHHDSEC06**

- **सेमेस्टर 6**

  3. लोकनाट्य **BAHHDSEC07 अथवा** हिन्दी की भाषिक विविधताएँ **BAHHDSEC08 अथवा**
     भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन **BAHHDSEC09**

  4. शोध-प्रविधि **BAHHDSEC10 अथवा** अवधारणात्मक साहित्यिक पद **BAHHDSEC11 अथवा**
     हिंदी रंगमंच **BAHHDSEC12**

हिंदी कौशल-संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HSEC)

(कोई दो : क और ख वर्ग से एक-एक का चयन½

- **सेमेस्टर 3**

(क)

1. विज्ञापन और हिंदी भाषा **BAHHSEC01**
2. कम्प्यूटर और हिंदी भाषा **BAHHSEC02**
3. सोशल मीडिया **BAHHSEC03**
4. अनुवाद-कौशल **BAHHSEC04**

- **सेमेस्टर 4**

(ख)

1. कार्यालयी हिंदी **BAHHSEC05**
2. भाषायी दक्षता : समझ और संभाषण **BAHHSEC06**
3. भाषा और समाज **BAHHSEC07**

- एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : आधुनिक भारतीय भाषा संप्रेषण/अंग्रेजी **हिंदी भाषा और संप्रेषण BAHAECC01**
- एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : पर्यावरण विज्ञान

Introduction

Content: हिन्दी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है| साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को सम्वेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक सम्वेदन प्रदान करता है| ज्ञान की शाखाओं के साथ आज विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और सम्वेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सकें| साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस संदर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है| भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं| इस प्रकार हिन्दी (ऑनर्स) का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है|

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning
>> Aims of Bachelor's degree programme in (CBCS) B.A.(HONS.) HINDI

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है । हिन्दी पढ़ने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरूरी है| आज हम भूमंडलीकृत समाज के सदस्य हैं अत: पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश-विदेश के साहित्य में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और व्यावसायिक योग्यता उत्पन्न करना भी! यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा । हिंदी साहित्य की नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके|

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning
>> Aims of Bachelor's degree programme in (CBCS) B.A.(HONS.) HINDI

Content: ॰

Graduate Attributes in Subject
>> Disciplinary knowledge

Content: भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन-विश्लेषण द्वारा इतिहास, समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, भाषाविज्ञान आदि विषयों का तुलनात्मक ज्ञान विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject
>> Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject
>> Critical thinking

Content: अंतर-अनुशासनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन करने से आलोचनात्मक विवेक विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject
>> Problem solving

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है | साहित्यिक कृतियों में उपस्थित संभावनाओं के माध्यम से जीवन से संबन्धित समस्याओं का हल निकालने में सहायता मिलती है |

Graduate Attributes in Subject
>> Research-related skills

Content: भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृतिपरक अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में शोध संबंधी क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject
>> Reflective thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास होने के साथ-साथ समाज और आत्म के अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है|

Graduate Attributes in Subject
>> Moral and ethical awareness/reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है |

Graduate Attributes in Subject
>> Multicultural competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहु-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है |

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-
1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
2) भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
3) उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
4) छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।
5) व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाज़ार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके|
6) हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा ।
7) साहित्य के सौन्दर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना |
8) साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना | कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को

प्रोत्साहित करना |
9) साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके|
10) साहित्य विवेक का निर्माण

Teaching-Learning Process

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें । साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके| इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है -
कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा
सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
साहित्यिकता की समझ देना
प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
कक्षाओं में पठन- पाठन पद्धति
लिखित परीक्षा
आंतरिक मूल्यांकन
शोध - सर्वेक्षण
वाद –विवाद
कम्प्यूटर आदि का व्यावहारिक ज्ञान
दृश्य श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
काव्य वाचन,पठन और आलोचनात्मक मूल्यांकन
कथा पाठ और वाचन में अंतर समझाना
आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

Assessment Methods

Content: (1) हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्यांकन ।
(2) भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण
(3) विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्यांकन
(4) पी.पी.टी. (power point presentation) बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना । इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा ।
(5) भाव विश्लेषण के लिए विधा आधारित प्रश्नोत्तरी कर मूल्यांकन करना ।
(6)पारम्परिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन
(7)समूह-परिचर्चा

पाश्चात्य काव्यशास्त्र
(BAHHCC11)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना

चिंतन के नए आयामों की ओर आकर्षण विकसित करना
साहित्यिकता की नई समझ की ओर कदम बढ़ाना

Course Learning Outcomes

प्राचीन से आधुनिकता की ओर आते हुए विकसित हो रहे पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी

नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त होगा

Unit 1

इकाई -1. (क) अरस्तू - अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत , त्रासदी

(ख) लौंजाइनस- उदात्त की अवधारणा, उदात्त के बाह्य श्रोत, उदात्त के आतंरिक स्रोत , उदात्त के अवरोधक

Unit 2

इकाई -2 (क) वर्डस्वर्थ और कॉलरिज - कविता सम्बन्धी मान्यताएं , काव्यभाषा सम्बन्धी मान्यताएं , कॉलरिज का कल्पना- सिद्धांत

(ख) टी. एस. इलियट-- परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा , निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सहसंबंध

Unit 3

इकाई-3

सामान्य परिचय - स्वच्छन्दतावाद , मार्क्सवादी आलोचना, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

Unit 4

इकाई 4

काव्य-उपादान - बिंब, प्रतीक, विसंगति और विडम्बना, यथार्थ, फैंटेसी , मिथक

References

साहित्य सिद्धान्त - रामअवध द्विवेदी

पाश्चात्य साहित्य - चिंतन - निर्मला जैन

साहित्य सिद्धान्त - रेनेवेलेक
पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा

Additional Resources:
आस्था के चरण - नगेंद्र
हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
आलोचना से आगे - सुधीश पचौरी
मिथकीय अवधारणा और यथार्थ - रमेश गौतम

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पारिभाषिक शब्दावली

भारतीय काव्यशास्त्र
(BAHHCC08)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी

आधुनिक हिन्दी आलोचना में भारतीय काव्यशास्त्र का प्रदेय

Course Learning Outcomes

संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा

Unit 1

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (आचार्य भरतमुनि से पंडित जगन्नाथ तक)

2. काव्य- लक्षण, काव्य- हेतु ,काव्य- प्रयोजन

Unit 2

3. रस : स्वरूप और लक्षण, रस के अंग तथा रस के भेद

4. शब्द- शक्तियाँ

5. गुण एवं दोष : लक्षण और भेद

Unit 3

6. अलंकार

शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति

अर्थालंकार : उपमा, रूपक, अपह्नुती, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, व्यतिरेक, विरोधाभास, विभावना, विशेषोक्ति, अत्युक्ति

7. छंद

(क) समवर्णिक - भुजंगप्रयात, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीड़ित, सवैया (भेद सहित), घनाक्षरी

(ख) सममात्रिक - उल्लाला ,चौपाई, रोला, हरिगीतिका

(ग) अर्द्ध- सममात्रिक - बरवै, दोहा, सोरठा

(घ) विषम सममात्रिक - कुंडलिया, छप्पय

Unit 4

8. काव्य-रूप : दृश्यकाव्य (रूपक) एवं उपरूपक , श्रव्यकाव्य : पद्य, गद्य, चम्पू, प्रबंध एवं मुक्तक

References

काव्य दर्पण -रामदहिन मिश्र

रस मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

रस- सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र

साहित्य सहचर - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

Additional Resources:

काव्य के तत्त्व - देवेंद्रनाथ शर्मा

काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र

साधारणीकरण और काव्यास्वाद - राजेंद्र गौतम

साहित्य का स्वरूप - नित्यानंद तिवारी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी आलोचना
(BAHHCC13)

Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आलोचना की सैद्धांतिक और व्यवहारिक समझ विकसित करना

रचना का विश्लेषण करने में सक्षम बनाना
रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना
रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना

Course Learning Outcomes

विद्यार्थियों में आलोचना की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी

रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी
रचना के गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे
रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा

Unit 1

हिंदी आलोचना का विकास : भारतेंदु युग से द्विवेदी युग तक

Unit 2

छायावादयुगीन आलोचना : पाठ आधारित

रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था,
प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य,
प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद,
हजारीप्रसाद द्विवेदी - आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ

Unit 3

नई कविता के युग की आलोचना : पाठ आधारित

रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामन्त-विरोधी मूल्य,
अज्ञेय : दूसरा सप्तक की भूमिका,
मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष,
विजयदेव नारायण साही : शमशेर की काव्यानुभूति की बनावट

Unit 4

नव लेखन के युग की आलोचना (कथा आलोचना) : पाठ आधारित

नामवर सिंह - नयी कहानी : सफलता और सार्थकता,

सुरेंद्र चौधरी - कहानी की पाठ-प्रक्रिया : कथा के स्तरों का प्रश्न,

नेमिचंद्र जैन - संदर्भ की खोज,

निर्मल वर्मा - रेणु : समग्र मानवीय दृष्टि

References

रामविलास शर्मा - भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परम्परा

रामविलास शर्मा - महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण
आचार्य रामचंद्र शुक्ल - चिंतामणि
रामविलास शर्मा - परम्परा का मूल्यांकन
अज्ञेय (संपा.) - दूसरा सप्तक
गजानन माधव मुक्तिबोध - नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध

Additional Resources:

आचार्य रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका
नामवर सिंह - दूसरी परम्परा की खोज
नामवर सिंह - कहानी : नयी कहानी
निर्मल वर्मा - शब्द और स्मृति
नेमिचंद्र जैन - अधूरे साक्षात्कार
विजयदेव नारायण साही - छठवाँ दशक
सुरेंद्र चौधरी - हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ
कृष्णदत्त शर्मा - मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि
विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी आलोचना

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन।

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

हिंदी उपन्यास
(BAHHCC10)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी

प्रमुख साहित्यकार और उनके उपन्यासों की चर्चा
कथा साहित्य विश्लेषण पद्धति

Course Learning Outcomes

उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति

हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान
प्रमुख लेखकों के उपन्यास का परिचय

Unit 1

1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास,

प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान (श्रीनिवासदास, प्रेमचंद, फनीश्वरनाथ रेणु, जैनेन्द्र, यशपाल, अज्ञेय, श्रीलाल शुक्ल, मन्नू भंडारी, मैत्रेयी पुष्पा)

Unit 2

2. प्रेमचंद - कर्मभूमि

Unit 3

3. भगवतीचरण वर्मा - चित्रलेखा

Unit 4

4. मन्नू भण्डारी : आपका बंटी

References

प्रेमचंद: उपन्यास संबंधी निबंध- (विविध प्रसंग भाग-3)

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

उपन्यास और लोकजीवन- राल्फ फॉक्स

हिंदी उपन्यास- सं. भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया

कथा समय में तीन हमसफर – निर्मला जैन

हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

प्रेमचंद: एक विवेचन- इंद्रनाथ मदान

उपन्यास का उदय- इयान वाट

उपन्यास के पहलू- ई. एम. फॉस्टर

विविध प्रसंग- प्रेमचंद

कलम का सिपाही – अमृत राय

कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा

Additional Resources:

आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा

प्रेमचंद- सं. सत्येंद्र

सृजनशीलता का संकट- नित्यानंद तिवारी

हिन्दी उपन्यास- सं . नामवर सिंह

आलोचना की सामाजिकता- मैनेजर पाण्डेय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

हिन्दी कथा साहित्य

हिंदी कविता (आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य)
(BAHHCC02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना |
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों - अमीर खुसरों और विद्यापति की विशिष्ट भूमिका रही है | इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना |
3. भक्तिकाल के अंतर्गत - संतकाव्य, प्रेमाख्यानक काव्य, राम-काव्य और कृष्णकाव्य के प्रमुख कवियों - कबीर, मंझन, तुलसीदास और सूरदास का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना |
4. भक्तिकाल में मीरा का महत्वपूर्ण स्थान है | युगीन सन्दर्भों में उनका काव्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है | स्त्री-विमर्श की दृष्टि से भी मीरा-काव्य विशिष्ट है |

Course Learning Outcomes

1. आदिकाल के परिवेश - राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हो सकेंगे |
2. आदिकाल में अमीर खुसरो के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे |
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है | इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा |
4. भक्तिकाल साहित्य सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है|

Unit 1

(क) अमीर खुसरो – अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व, डॉ. परमानंद पांचाल

कव्वाली – (1)

गीत – (4), (13)

दोहे – 3 दोहे (पृष्ठ 86) (1) गोरी सोवे (2) खुसरो रैन (3) चकवा चकवी

(ख) विद्यापति – विद्यापति की पदावली; संपादक- आचार्य श्रीरामलोचन शरण

वंदना – 1 राधा की वंदना

श्रीकृष्ण का प्रेम - 35 (प्रेम प्रसंग)

राधा का प्रेम – 36

Unit 2

(क) कबीरदास – कबीर ग्रंथावली, संपादक- डॉ. माता प्रसाद गुप्त

(लोकभारती प्रकाशन, प्रथम संस्करण, फरवरी 1969)

साँच कौ अंग (साखी 2, 16)

भ्रम बिधौंसण कौ अंग (1, 10)

भेष कौ अंग (2, 12)

साध साषीभूत कौ अंग (3, 4)

सारग्राही कौ अंग (3, 4)

संमथाई कौ अंग (9)

-

पद संख्या 64 – काहे री नलनी...

-

पद संख्या 66 – अब का डरूँ...

(ख) मंझन – मंझन-कृत 'मधुमालती' ; संपादक माता प्रसाद गुप्त

नख-शिख वर्णन

1 केश वर्णन (79)

2 नासिका वर्णन (83)

3 अधर वर्णन (87)

4 दंत वर्णन (94)

5 त्रिबली वर्णन (97)

Unit 3

(क) सूरदास : सूरसागर सार : (संपादक) धीरेन्द्र वर्मा , इलाहाबाद – 211003; अष्टम संस्करण सन 1990)

विनय तथा भक्ति पद संख्या – 25 (मेरो मन अनत ...)

गोकुल-लीला पद संख्या 7 (जसोदा हरि पालनै ...)

पद संख्या 18 (सोभित कर ...)

राधा-कृष्ण पद संख्या 1 (खेलत हरि निकसे...)

वृन्दावन - लीला पद संख्या 42 (मुरली तऊ गुपालहि भावति...)

रासलीला पद संख्या 97 (आजु हरि...)

उद्धव-संदेश पद संख्या 141 (ऊधौ मन माने ...)

पद संख्या 158 (अति मलीन ...)

पद संख्या 187 (ऊधौ मोहिँ ब्रज...)

(ख) मीराँबाई की पदावली (संपादक : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मलेन; प्रयाग , बाइसवां संस्करण 2008 ई.)

पद संख्या –5 (तनक हरि चितवाँ ...)

14 (आली री म्हारे ...)

19 (माई साँवरे रँग राँची ...)

22 (माई री म्हा लियाँ ...)

25 (मीरा लागौ रंग...)

31 (माई म्हाँ गोविन्दा...)

36 (पग बाँध घूँघरयाँ ...)

39 (माई म्हाँ गोविन्द गुण...)

70 (हेरी, म्हा तो दरद दिवाँणी ...)

76 (पतियाँ मैं कैसे...)

Unit 4

इकाई – 4 गोस्वामी तुलसीदास

अयोध्याकाण्ड (**कवितावली,** गीताप्रेस, गोरखपुर)

References

- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचंद्र शुक्ल
- त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी

- कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर – संपा. विजेयेंद्र स्नातक
- सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
- सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय
- तुलसी-काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
- मध्ययुगीन प्रेमाख्यान – श्याम मनोहर पाण्डेय
- सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
- आलोचना के परिसर – गोपेश्वर सिंह
- मीरा : जीवन और काव्य –सी.एल.प्रभात
- लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी
- मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी

Additional Resources:

- राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य – कैलाश नारायण तिवारी
- मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्यचेतना – पूरनचंद टंडन
- तुलसीदास का काव्य-विवेक और मर्यादाबोध – कमलानन्द झा
- भक्ति आन्दोलन और काव्य – गोपेश्वर सिंह

Teaching Learning Process

- निर्धारित पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन.
- निर्धारित कवियों पर विचार-विमर्श
- पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना.
- कवियों की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना
- तत्कालीन परिस्थियों में कवियों का विश्लेषण

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक)
(BAHHCC06)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आधुनिक कविता से परिचय

रचना-प्रक्रिया और विश्लेषण
प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का अध्ययन

Course Learning Outcomes

आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी

साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण
कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी

Unit 1

1. मैथिलीशरण गुप्त

यशोधरा (चुने हुए अंश)

- सिद्धार्थ
- महाभिनिष्क्रमण
- सखी वे मुझसे कहकर जाते.....5,6,7,8,9
- अब कठोर, हो वज्रादपि.....7,8,9,10, 11, 12,13,14
- मानिनी, मान तजो लो, रही तुम्हारी बान
- दीन न हो गोपी

Unit 2

जयशंकर प्रसाद

उठ उठ री लघु, मधुप गुनगुना कर, तुम्हारी आँखों का बचपन, अरे कहीं देखा है तुमने, अरी वरुणा की शांत कछार, ले चल मुझे भुलावा दे कर,पेशोला की प्रतिध्वनि

Unit 3

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

संध्या सुंदरी, बादल राग : छह, वह तोड़ती पत्थर, खेत जोत कर घर आए हैं, बांधों न नाव, स्नेह निर्झर, वर दे, मैं अकेला, दुरित दूर करो नाथ

Unit 4

इकाई-4

1. रामधारी सिंह दिनकर----' रश्मिरथी ' : तीसरे सर्ग से कृष्ण - कर्ण संवाद

2. सुभद्राकुमारी चौहान--- ठुकरा दो या प्यार करो, वीरों का कैसा हो वसंत, मुरझाया फूल, मेरे पथिक, झाँसी की रानी की समाधि पर, अनोखा दान, बालिका

References

जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी

मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन - नगेन्द्र
निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा
युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा
जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी
प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर
छायावाद- नामवर सिंह

Additional Resources:

मोनोग्राफ- मैथिलीशरण गुप्त, निराला, प्रसाद, दिनकर, सुभद्राकुमारी चौहान

हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता- वाचन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

काव्य, कविता, आधुनिकता, नवजागरण, स्वतन्त्रता आदि

हिंदी कविता (छायावाद के बाद)
(BAHHCC09)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी साहित्य के इतिहास के छायावादी कविता के बाद के समय को सशक्त ढंग से प्रस्तुत करना रहा है । हिंदी विशेष को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे हिंदी कविता के प्रत्येक बदलते परिदृश्य को पाठ्यक्रम के अनुक्रम में अच्छे से जान सकें । पाठ्यक्रम का यह पक्ष आधुनिक हिंदी कविता के स्वर्ण युग माने जाने वाले छायावाद की बाद की कविता के पक्ष को उजागर करता है । इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य को निम्नांकित बिंदुओं के माध्यम से जाना जा सकता है :-

1. छायावाद के बाद की कविताओं में निहित भाव सौंदर्य से विद्यार्थियों को परिचित करना ।
2. कविता के मूल भावपक्ष को हृदयगंम करने में सक्षम बनाना ।
3. कवि की अनुभूतियों तथा कल्पना को समझने योग्य बनाना ।
4. विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना ।
5. कविताओं के माध्यम से युग बोध पर विचार कराना ।
6. कविता में व्यक्त जीवन के गुण- दोष इत्यादि का बोध कराना ।
7. कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण करना ।

Course Learning Outcomes

सीखने-सिखाने की इस प्रक्रिया में निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे :-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी कविता को काल विशेष के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।
2. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी कविता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय में इस पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है ।
3. छात्र कविता सीखने के साथ साथ वैचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे ।
4. कविता के दोनों पक्षों भाव सौंदर्य और कला सौंदर्य को जाना जा सकेगा ।
5. आज भूमंडलीकरण का युग है । हिंदी कविता अन्य देशों में भी मानवीय आचरण को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है । यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध पहलुओं को हृदयंगम करने में समर्थ है ।

Unit 1

इकाई-1

(क) अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, सम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, साँप ।

स्रोत :- चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली ।

(ख) नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम,
गुलाबी चूड़ियाँ

स्रोत: - प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन : संपादक नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 2

इकाई-2

(क) रघुवीर सहाय : अधिनायक, रामदास, स्वाधीन व्यक्ति ।

स्रोत :- रघुवीर सहाय रचनावली, खण्ड-1, संपा. सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

(ख) दुष्यन्त कुमार : कहाँ तो तय था, हो गयी है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए, वो आदमी नहीं है, बाढ़ की संभावनाएं ।

स्रोत:- साये में धूप, दुष्यन्त कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 3

इकाई-3

(क) केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में ।

स्रोत:- यहाँ से देखो,केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

पानी की प्रार्थना, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर ।

स्रोत:- तालस्तॉय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

(ख) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद ।

स्रोत:- संसद से सड़क तक - धूमिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 4

इकाई-4

1 भवानी प्रसाद मिश्र - गीत फ़रोश, झुर्रियों से भरता हुआ

2 राजेश जोशी : बच्चे काम पर जा रहे हैं,

आदतों के बारे में

3 अरुण कमल : नये इलाके में, धार

References

1. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव
5. समकालीन काव्य-यात्रा – नन्दकिशोर नवल
6. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
7. समकालीन हिंदी कविता – रवींद्र भ्रमर
8. उत्तरछायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा
9. सुन्दर का स्वप्न – अपूर्वानन्द

Additional Resources:

1. समकालीन और साहित्य – राजेश जोशी
2. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरुप चतुर्वेदी
3. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा
4. हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
5. हिंदी नवगीत- युगीन सन्दर्भ – रामनारायण पटेल
6. नयी कविता और उसका मूल्यांकन – सुरेशचंद्र सहगल
7. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
8. छठवां दशक – विजय देव नारायण साही
9. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है । कालक्रम से विद्यार्थी छायावाद के बाद के युगबोध को ठीक से जान सकेंगे जो वर्तमान संदर्भो के अनुकूल होगा । छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे । हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है । ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है । साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है –

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइन्मेंट

Keywords

'आधुनिक', 'नयी कविता', 'समकालीनता', 'नवगीत', 'उत्तर छायावाद', 'काव्यभाषा', 'अस्तित्ववाद', 'प्रयोगवाद'।

हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य)
(BAHHCC04)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

- उत्तर मध्यकालीन कविता का अध्ययन समयावधि के साहित्य स्थिति से अवगत कराएगा
- सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन-विश्लेषण की जानकारी देना

Course Learning Outcomes

- हिन्दी के उत्तर-मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा |
- ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा |

Unit 1

1. केशवदास - रामचंद्रिका वन-गमन वर्णन
2. रहीम (अब्दुर्रहीम खानखानाँ) - रहीम ग्रंथावली ,संपादक : विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश

दोहावली - छंद संख्या 39, 49, 87, 126, 130, 166, 167, 175, 180, 212, 220, 222

Unit 2

3. बिहारी - बिहारी रत्नाकार : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकार' , शिवाला, वाराणसी

छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347, 363, 388

Unit 3

4. घनानंद - घनानंद (ग्रंथावली) ; संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; वाणी वितान; बनारस- 1

सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41, 49, 54)

Unit 4

(क) 5. भूषण - शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

छंद संख्या –50, 104, 411, 420, 443, 512, 515

(ख) 6. गिरिधर कविराय - गिरिधर कविराय ग्रंथावली; संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त

छंद संख्या – 11,16, 36, 70, 71, 89, 99

References

- बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) - संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त
- घनांनंद और स्वछंदतावादी काव्यधारा - मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
- कविवर बिहारलाल और उनका युग - रणधीर प्रसाद सिंह
- भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास - रामस्वरूप शास्त्री
- हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल - महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास , भाग - 6- संपा. डॉ. नगेन्द्र
- घनांनंद ग्रंथावली - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Additional Resources:

- सनेह को मारग - इमरै बंघा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन - कैलाश नारायण तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास(आदिकाल से रीतिकाल तक) - पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

मध्यकालीनता, सामंतवाद, इतिहास

हिंदी कहानी
(BAHHCC07)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी

कहानी विश्लेषण की समझ
कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विश्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार

Course Learning Outcomes

हिन्दी कथा साहित्य का परिचय

कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ

Unit 1

उसने कहा था - गुलेरी

पूस की रात - प्रेमचंद

छोटा जादूगर - प्रसाद

Unit 2

पाजेब - जैनेन्द्र

तीसरी कसम - रेणु

चीफ की दावत - भीष्म साहनी

Unit 3

माया का मर्म - निर्मल वर्मा

वापसी - उषा प्रियम्वदा

सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती

Unit 4

जंगल जातकम - काशीनाथ सिंह

दोपहर का भोजन - अमरकान्त

घुसपैठिए - ओमप्रकाश वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी - नामवर सिंह

नयी कहानी की भूमिका - कमलेश्वर

एक दुनिया समानान्तर - राजेंद्र यादव

हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय

कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी

नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी

हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश

हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ - सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

Additional Resources

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ - गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त

कहानी का लोकतन्त्र - पल्लव

पत्रिकाएँ - पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य

ई पत्रिका - हिन्दी समय, गद्य कोश

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कहानी

हिंदी नाटक/एकांकी
(BAHHCC12)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आधुनिक हिन्दी नाटक और एकांकी के उद्भव और विकास की जानकारी देना.
नाट्य-विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना.
पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों और एकांकियों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा को खोजने का प्रयास करना.

Course Learning Outcomes

सम्बंधित नाटककारों के युग की सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक-धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगे.
विद्यार्थियों में भारत की एकता और सामाजिक समरसता के भाव का विकास होगा.
स्त्री-सशक्तिकरण के भाव को बल मिलेगा.
नैतिक मूल्यों का विकास होगा.
साहित्य, कला, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी.

Unit 1

भारत- दुर्दशा - भारतेन्दु

Unit 2

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

Unit 3

बकरी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

Unit 4

दीपदान- रामकुमार वर्मा

स्ट्राइक - भुवनेश्वर

सूखी डाली - उपेंद्रनाथ अश्क

तीन अपाहिज - विपिन कुमार अग्रवाल

References

नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना - सत्येंद्र तनेजा

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - संपा. नेमिचन्द जैन

हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार

हिंदी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा

हिंदी के प्रतीक नाटक - रमेश गौतम

हिंदी नाटकों में विद्रोह की परंपरा - किरणचंद शर्मा

जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन - विनोद शाही

प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना - गोविन्द चातक

Additional Resources:

हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी

नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा

नई रंगचेतना और बकरी - कुसुमलता

एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, एन॰एस॰डी भ्रमण

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

नाटक रंगमंच रंगकर्म पाठ प्रदर्शन

हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ
(BAHHCC14)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

अन्य गद्य विधाओं की जानकारी

विश्लेषण पद्धति
प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओं का अवलोकन

Course Learning Outcomes

कथेतर साहित्य का परिचय

विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

Unit 1

इकाई-1 निबंध

बालकृष्ण भट्ट - जातियों का अनूठापन (National charter) (भट्ट निबंधमाला, द्वितीय भाग, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊँट (राजकमल प्रकाशन, 1988)

सरदार पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम

रामचंद्र शुक्ल - अतीत की स्मृति

Unit 2

इकाई -2 निबंध

हजारीप्रसाद द्विवेदी - भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

विद्यानिवास मिश्र - तुम चन्दन हम पानी

हरिशंकर परसाई - वैष्णव की फिसलन

महादेवी वर्मा - हमारी श्रृंखला की कड़ियाँ

Unit 3

इकाई-3 जीवनी/आत्मकथा

पांडेय बेचन शर्मा - अपनी खबर, आत्माराम एंड संस

रामविलास शर्मा - 'निराला की साहित्य साधना' भाग-1 से 'नए संघर्ष'

शीर्षक अध्याय

Unit 4

इकाई - 4 संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा-वृत्तांत

संस्मरण : अज्ञेय के साथ - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से

रेखाचित्र : सुभान खाँ - रामवृक्ष बेनीपुरी, माटी की मूरतें, ग्रंथावली से

यात्रा वृत्तांत : राहुल सांकृत्यायन - अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

References

सहायक ग्रंथ

- हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- रामचंद्र शुक्ल संचयन - सं. नामवर सिंह (साहित्य अकादेमी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध - सं. नामवर सिंह (नेशनल बुक ट्रस्ट,इंडिया)
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण - विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भारतेन्दु युग - रामविलास शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य - हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री - पाल बसीन
- साहित्य से संवाद - गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया - विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, साहित्यिकता की समझ

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

सभी विधाएँ, यथार्थ, कल्पना, तथ्य, घटना आदि

हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास
(BAHHCC01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी (विशेष) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना रहा है । भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है । हिंदी (विशेष) को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत अवश्यक है । साथ ही पूरी दुनिया ने वैश्वीकरण युग में प्रवेश कर लिया है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा । क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है । साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा ।

Course Learning Outcomes

प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1) उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा ।

2) हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा ।

3) कंप्यूटर को हिंदी भाषा से जोड़ने पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है ।

4) वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ-साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा । अत: यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के भी अनुकूल है ।

5) भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा ।

6) शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है । यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है ।

Unit 1

इकाई -1 : हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका

- भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्यभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- हिंदी शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)

Unit 2

इकाई -2 : हिंदी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क-भाषा, संचार भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरुप
- हिंदी का अंतरराष्ट्रीय सन्दर्भ

Unit 3

इकाई-3 : लिपि का इतिहास

- भारत में लिपि का इतिहास
- भाषा और लिपि का अंत: संबंध
- परिभाषा, स्वरुप एवं आवश्यकता
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भाव लिपि, ध्वनि-लिपि)

Unit 4

इकाई- 4 : देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
- देवनागरी लिपि और कंप्यूटर

References

1. हिंदी भाषा का विकास- धीरेन्द्र वर्मा
2. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
3. हिंदी भाषा – भोलानाथ तिवारी
4. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
5. आधुनिक हिन्दी के विविध आयाम - प्रो॰ कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ-संपादक - रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव

Additional Resources:

1. भारतीय पुरालिपि- डॉ. रामबलि पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
2. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
3. लिपि की कहानी – गुणाकर मुले

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

1. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि आधारित परियोजना कार्य ।
2. हिंदी भाषा की विभिन्न बोलियों का व्यावहारिक अध्ययन प्रस्तुत करना ।
3. हिंदी भाषा की विविध बोलियों की विशेषताओं का व्यावहारिक अध्ययन ।
4. चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनिलिपि के भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण ।
5. लिपि के विकास की ऐतिहासिक परम्परा का नमूनों सहित विश्लेषण ।
6. कंप्यूटर में हिंदी सीखने के लिए हिंदी की टंकण व्यवस्था एवं विभिन्न फ़ॉन्ट्स का व्यावहारिक ज्ञान ।

Keywords

लिपि', 'देवनागरी', 'भारोपीय', 'भाषा परिवार', 'संस्कृत', 'पालि', 'प्राकृत', 'अपभ्रंश', 'बोलियाँ', 'राष्ट्रभाषा', 'राजभाषा', 'संपर्क भाषा', 'चित्रलिपि', 'भावलिपि', 'आदिकाल', 'मध्यकाल', 'आधुनिककाल', 'ध्वनिलिपि', 'मानकीकरण', 'हिंदी कंप्यूटर', 'हिंदी फॉन्ट' ।

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)
(BAHHCC03)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी

- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course Learning Outcomes

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विश्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्धति

Unit 1

हिंदी साहित्य : इतिहास-लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल-विभाजन एवं नामकरण

Unit 2

आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3

भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति- आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)
3. अन्य काव्य

Unit 4

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन- पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)

- काव्य- प्रवृत्तियाँ

1. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
2. रीतिमुक्त काव्य
3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा. अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध - मुकेश गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार - संपा. गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य का अतीत - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - संपा. डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
(BAHHCC05)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय

साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course Learning Outcomes

विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है ।

साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ-साथ समाज के विकास को भी चिन्हित करना है ।
साहित्येतिहास के बिना साहित्य-विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं । अतः साहित्य-विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है ।

Unit 1

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण काल, नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेन्दु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिन्दी साहित्य से उनका संबंध

Unit 2

- कथा साहित्य
- नाटक
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा आख्यान, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, साक्षात्कार साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन)
- आलोचना

Unit 3

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

Unit 4

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेतर साहित्य
- आलोचना और साहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मिता विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

References

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह

2. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलास शर्मा
4. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
6 . हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7 . आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
8 . छायावाद - नामवर सिंह
9. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
10. तारसप्तक और दूसरा सप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण की भूमिकाएँ - संपादक-अज्ञेय
11. हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास - राजेंद्र गौतम
12 हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - रसाल सिंह

Additional Resources:

शिवसिंह सरोज - शिवसिंह सेंगर

हिंदी नवरत्न - मिश्र बंधु

हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

समकालीन हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी साहित्य का इतिहास - संपादक - डॉ. नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी

हिंदी नाटक : नयी परख - संपादक - रमेश गौतम

कथेतर - माधव हाड़ा

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
समूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य, आधुनिक साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्य विवेक, कालजयी, साहित्येतिहास दृष्टियाँ, समाज और साहित्य की पहचान आदि ।

अवधारणात्मक साहित्यिक पद
(BAHHDSEC11)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय और पश्चिमी साहित्य की आलोचना के विशिष्ट पारिभाषिक शब्दों से परिचित करना है। इनमें से कई शब्द आलोचकों के आलेखों में अपना विशिष्ट स्थान रखने के कारण पारिभाषिक बन गए।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने-पढ़ाने की दिशा में निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे –

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में भारतीय और पश्चिमी आलोचना सिद्धांतों के बीज शब्दों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
2. साहित्य की आलोचना के प्रतिमानों में आने वाले पारिभाषिक शब्दों के विशिष्ट अर्थबोध को विस्तार से समझा जा सकता है।
3. पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थी इन बीज शब्दों के मूल सिद्धांतों का भी सहज विश्लेषण कर पाने में समर्थ हो सकेंगे।
4. अवधारणामूलक शब्दों का ज्ञान प्राप्त करके विद्यार्थी आलोचना की सैद्धांतिकता का सहज विश्लेषण कर सकेगा।

Unit 1

शब्द-शक्ति, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

अलंकार की अवधारणा, शब्दालंकार और अर्थालंकार

छंद की अवधारणा, मात्रिक और वर्णिक

Unit 2

रस और रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य, नाटक

Unit 3

शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, मानववाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवादी यथार्थवाद, जादुई यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

Unit 4

विरेचन, त्रासदी, कल्पना, बिम्ब , प्रतीक, आधुनिकता और आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकता, निबंध, कहानी,उपन्यास

References

- **हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह**
- **पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन**
- **हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, अमरनाथ**
- **साहित्यशास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश, राजेंद्र द्विवेदी**
- **मानविकी पारिभाषिक कोश, सं. डॉ. नगेंद्र**
- **भारतीय काव्यशास्त्र , सत्यदेव चौधरी**
- **नामवर के विमर्श, सुधीश पचौरी**
- **साहित्य सिद्धान्त, रामअवध द्विवेदी**
- **एक साहित्यिक की डायरी, मुक्तिबोध**
- **काव्यांग विवेचन, बलभद्र तिवारी**
- **संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, गोपीचन्द नारंग**
- **A Dictionary of Modern Critical Terms, Roger Fowler**

- **A Glossary of Literary Terms, M.A. Abraham**

Additional Resources:

Additional Resources:

- From work to text, Ronald Barthes
- Of Grammatology, J. Derrida
- Tension in Poetry, Allen Tate
- Style and Stylistics, Grahm Hough
- The Principals of Literary Criticism, I.A. Richards

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
(BAHHDSEC02)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान

प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण

Course Learning Outcomes

अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान

विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना
प्रमुख कृतियों का परिचय

Unit 1

इकाई - 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)

दलित स्त्रीवाद, लिंगभेद, पितृसत्ता

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

Unit 2

विमर्शमूलक कथा साहित्य : (1) ओमप्रकाश बाल्मीकि - सलाम (2)हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158-167 (3) ब्रजमोहन - क्रांतिवीर मदारी पासी, पृष्ठ संख्या : 44-57 (4) नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

Unit 3

विमर्शमूलक कविता :

क) दलित कविता : (1) हीरा डोम (अछूत की शिकायत), (2) मलखान सिंह (सुनो ब्राह्मण), (3) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा),(4) असंगघोष (मैं दूंगा माकूल जवाब)

ख)स्त्री कविता : (1)अनामिका (स्त्रियां), (2) निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो),(3) कात्यायनी (सात भाइयों के बीच चम्पा), (4) सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ)

Unit 4

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1 प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक

2 तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारम्भ पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3 महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न'

4॰ श्यौराज सिंह 'बेचैन' - मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)

References

सहायक ग्रन्थ

अम्बेडकर रचनावली - भाग-1

मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अम्बेडकर (अनुवादक श्यौराज सिंह 'बेचैन')

·गुलामगीरी- ज्योतिबा फुले

ज्योतिबा फुले : सामाजिक क्रांति के अग्रदूत - डॉ नामदेव

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार लिम्बाले

·दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय

·हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ - रजत रानी 'मीनू'

अस्मितामूलक विमर्श - रजत रानी मीनू

स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउवा

उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान

औरत होने की सजा -अरविंद जैन

नारीवादी राजनीति -जिनी निवेदिता

स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह

स्त्री स्वर : अतीत और वर्तमान - डॉ नीलम, डॉ नामदेव

आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता

सामाजिक न्याय और दलित साहित्य- श्यौराज सिंह 'बेचैन' (स॰)

Additional Resources:

दलित दस्तक

सम्यक भारत

अंबेडकर इन इंडिया

बहुरी नहीं आवना

नेशनल दस्तक (वेब लिंक)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म और डॉक्यूमेंट्री

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

अस्मितामूलक विमर्श से जुड़े तथ्य

कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश
(BAHHDSEC05)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी

Course Learning Outcomes

कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों से परिचित हो पाएंगे

Unit 1

कोश परिचय

अर्थ और परिभाषा

उपयोगिता और महत्व

हिंदी कोश के उपयोग के नियम (वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ, अनुस्वार एवं अनुनासिक, संयुक्त व्यंजन वर्ण)

Unit 2

कोश निर्माण

शब्द संकलन एवं चयन

प्रविष्टि (वर्तनी, क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)

शब्द का अर्थ और विस्तार

शब्द प्रयुक्तियाँ

Unit 3

कोश के प्रकार

कोश: वर्गीकरण के आधार

विषय के आधार पर(भूगोल कोश, इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश आदि)

भाषा के आधार पर (एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)

आकार के आधार पर (सामान्य और विश्वकोश)

पारिभाषिक शब्दावली

Unit 4

प्रमुख कोशों का परिचय

हिंदी-हिंदी शब्दकोश- वृहत हिंदी शब्दकोश, ज्ञानमंडल

अँग्रेजी-हिंदी शब्दकोश- फादर कामिल बुल्के

हिंदी-अँग्रेजी शब्दकोश- भोलानाथ तिवारी और महेंद्र चतुर्वेदी

विश्वकोश- हिंदी शब्दसागर- नागरी प्रचारिणी सभा

ई-कोश

References

कोश विज्ञान- भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना, प्रकार और रूप – रामचन्द्र वर्मा

हिंदी कोश साहित्य-अचलानंद जखमोला

हिंदी शब्दसागर- नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग

हिंदी साहित्य कोश- धीरेंद्र वर्मा

कोश- विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग- राम आधार सिंह

कोश निर्माण: प्रविधि एवं प्रयोग- त्रिभुवन नाथ शुक्ल

Lexicography: An Introduction- Howarel Jackson

भारत में कोश-निर्माण पर विशेष- गवेषणा; अंक-93; जनवरी- मार्च, 2009

नवीन कोश बनाम प्राचीन कोश- पुष्पलता तनेजा;'भाषा' हिन्दी पत्रिका में लेख

Additional Resources:

www.archive.org (hindishabdsagar)

www.britannika.com

www.e.vikipedia.org

www.encyclopedia.centre.com

www.culturepedia.com

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कोश विज्ञान से संबन्धित शब्द

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत
(BAHHDSEC03)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच के महत्वपूर्ण पक्षों का अध्ययन-विश्लेषण

नाटक-रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं का परिचय प्राप्त होगा
प्रदर्शनकारी कलाओं के साथ संवाद होगा

Course Learning Outcomes

रंगमंच की विभिन्न पद्धतियों और उनके चिंतकों से परिचय का अवसर प्राप्त होगा

नाटक-रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं के विश्लेषण का अवसर प्राप्त होगा

Unit 1

नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्यतत्व (भारतीय एवं पाश्चात्य), नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध, दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन तथा नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

Unit 2

रंगकर्म: नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्म, नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

Unit 3

पश्चिमी नाट्यभेद- त्रासदी, कामदी, मेलोड्रामा एवं फार्स (सामान्य परिचय),नाटक के संदर्भ में भारतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

Unit 4

प्राचीन भारतीय नाट्यरूप- रूपक, उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय), आधुनिक भारतीय नाट्यरूप- एकांकी, काव्य-नाटक, रेडियो-नाटक, नुक्कड़-नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय)

References

रंगमंच- बलवंत गार्गी

रंगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक

रंगदर्शन- नेमिचन्द्र जैन

रंगमंच देखना और जानना- लक्ष्मीनारायण लाल

भरत और भारतीय नाट्यकला- सुरेन्द्रनाथ दीक्षित

नाट्यशास्त्र विश्वकोश- राधावल्लभ त्रिपाठी

Additional Resources:

रंगकर्म- वीरेंद्र नारायण

रंग-स्थापत्य- एच. वी. शर्मा

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच- सीताराम चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्दावली

भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन
(BAHHDSEC09)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

भारतीय साहित्य का ज्ञान

व्यक्तित्व विकास में सहायक
अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

Unit 1

- वाल्मीकि - 'सप्तपर्णा' ; रामकाव्य का जन्म ; पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास - 'उत्तरमेघ' ; नागार्जुन की चुनी हुई रचनाएँ ; पृष्ठ 345-349 ; छंद सं. 22 से 27, 37,47 ; भगवतशरण उपाध्याय/ नागार्जुन कृत अनुवाद
- गाथा सप्तशती ; डॉ. हरिराम आचार्य ; प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर;
प्रथम शतक ; श्लोक संख्या 4, 6, 33, 45, 49, 58, 77;
षष्ठ शतक; श्लोक संख्या 30, 35, 38

Unit 2

(क) नामदेव - साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित 'हिंदी ज्ञानेश्वरी' से, आलवार पद्य शंकरदेव की रचनाएँ
मध्यकालीन तेलुगु कवि वेमना - साहित्य अकादमी
(ख) लल द्यद - भाषा, साहित्य और संस्कृति - विमलेश कांति वर्मा
कश्मीरी साहित्य का इतिहास ; पृष्ठ 30-44; शशि शेखर तोशखानी ; जे एण्ड के अकादमी ऑफ आर्ट कल्चर एंड लैंग्वेजेज़े ; नहर मार्ग, जम्मू ; प्रथम संस्करण 1985;

- मुझ पर वे चाहे हंसे...
- गुरू ने मुझसे कहा...
- हम ही थे ...
- पिया को खोजने...
- देव फिर पूजा कैसी...
- यह देवता भी पत्थर ही है...
- मैं सीधे पथ से ही आयी...

Unit 3

(क) रवींद्रनाथ टैगोर गीताजंलि के कुछ अंश साहित्य के 'रवींद्र रचना संचयन' से ; साहित्य अकादमी ; प्रकाशन वर्ष 1987; भारत तीर्थ, धूलि मंदिर ; पृष्ठ 131-135
(ख) सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ ; साहित्य अकादमी ; संस्करण 1983 ; 'स्वतंत्रता का गान' पृष्ठ 46-47
(ग) वल्लतोल की कविताएँ ; साहित्य अकादमी 1959; 'क्षमा प्रार्थना' ; पृष्ठ 82, 83, 84

Unit 4

(क) उपन्यास -अंश : शिवाजी सावंत कृत 'मृत्युंजय' ; संस्करण 39 ; वर्ष 2012 ; भारतीय ज्ञानपीठ ; प्रथम खण्ड (कर्ण); पृष्ठ 19-117
(ख) जीवनी-अंश : नारायण देसाई कृत 'अग्निकुंड में खिला गुलाब' ; पृष्ठ 95-107
(ग) नाटक : हयवदन ; गिरीश कर्नाड ; राधाकृष्ण प्रकाशन ; संस्करण-1977 ; पृष्ठ 17- 73
(घ) कहानी : तक्शी शिवशंकर पिल्लै - खून का रिश्ता (मलयालम कहानियाँ)
भारतीय शिखर कथा कोश, संपादक - कमलेश्वर

References

- आज का भारतीय साहित्य - प्रभाकर माचवे
- वैदिक संस्कृति का विकास - तर्क तीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास -डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य कोश - डॉ. नगेन्द्र
- भाषा, साहित्य और संस्कृति - सं. विमलेश कांति वर्मा
- बांग्ला साहित्य का इतिहास - सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन
- मलयालम साहित्य का इतिहास - पी. के. परमेश्वरन नायर
- कन्नड़ साहित्य का इतिहास - एस. मुगली
- तमिल साहित्य का इतिहास - मु. वरदराजन
- साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
- उर्दू भाषा और साहित्य - फिराक गोरखपुरी

Additional Resources:

- भारतीय साहित्य - दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन - गौरीशंकर पंड्या
- अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम - संपा. सतीश कुमार मेहरा

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

- लिखित परीक्षा
- आंतरिक मूल्यांकन पद्धति

भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा
(BAHHDSEC06)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय

अखिल भारतीय साहित्य की अवधारणा और व्यावहारिकता की समझ

Course Learning Outcomes

अखिल भारतीय साहित्य की समझ विकसित होगी

एकसूत्रता में सांस्कृतिक विविधता की समझ

Unit 1

भारतीय अस्मिता का स्वरूप : भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक

भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता

विविधता में एकता के अंतः सूत्र : भाषा, संस्कृति और साहित्य का अन्तस्संबंध

भारतीय साहित्य की संकल्पना, भारतीय साहित्य के आधार- तत्त्व

भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप

Unit 2

भारतीय साहित्य का परिचय

वैदिक साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य

पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य

प्राचीन तमिल साहित्य

Unit 3

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

आधुनिकता-पूर्व भारतीय साहित्य : तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया, असमिया, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, हिंदी

Unit 4

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

आधुनिक भारतीय साहित्य, भारतीय साहित्य के प्रमुख आन्दोलन - भक्ति आन्दोलन, नवजागरण एवं राष्ट्रीय आन्दोलन, स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य, उत्तर-आधुनिक संदर्भ

References

आज का भारतीय साहित्य - प्रभाकर माचवे

वैदिक संस्कृति का विकास - तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास- डॉ॰ नगेंद्र
भारतीय साहित्य कोश- डॉ॰ नगेंद्र
भाषा, साहित्य और संस्कृति-संपा॰ विमलेशकान्ति वर्मा
बांग्ला साहित्य का इतिहास-सुकुमार सेन ; अनु॰ निर्मला जैन
मलयालम साहित्य का इतिहास-पी॰ के॰ परमेश्वरन नायर
कन्नड़ साहित्य का इतिहास-एस॰ मुगली
तमिल साहित्य का इतिहास-मु॰ वरदराजन
साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी॰ डी॰
उर्दू भाषा और साहित्य-फ़िराक़ गोरखपुरी

Additional Resources:

भारतीय साहित्य - दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन

भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप-दर्शन गौरीशंकर पांडया
अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम - संपा॰ सतीश कुमार मेहरा
भारतीय भाषा साहित्य - विभूति मिश्र

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

लोकनाट्य
(BAHHDSEC07)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी

कुछ प्रमुख नाट्य कृतियों से विश्लेषण क्षमता पुष्ट होगी
लोक-भावना और भारत-बोध के बीच संवाद होगा

Course Learning Outcomes

पर्यटन, लोक-संगीत, विभिन्न नाट्य रूपों में रुचि जाग्रत होगी

लोक-भावना और भारत-बोध के बीच संवाद होगा

भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी

Unit 1

लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और इतिहास

(प्रमुख रूपों का परिचय एवं पाठ) लोकनाट्य रामलीला, सांग, ख्याल, माच,अंकिया, पांडवानी, बिदेसिया एवं नौटंकी

Unit 2

बिदेसिया – भिखारी ठाकुर

Unit 3

सांग - नल दमयंती : लख्मीचंद

Unit 4

माच - राजा भरथरी : सिद्धेश्वर सेन

References

वाचिक कविता: भोजपुरी- पंडित विद्यानिवास मिश्र

महाकवि शंकरदेव: विचारक एवं समाजसुधारक – डॉ. कृष्ण नारायण प्रसाद ' मागध'

भारत के लोकनाट्य- शिवकुमार 'मधुर'

मध्यप्रदेश लोक-कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

परम्पराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

भारतीय लोकरंगमंच- डॉ. पूर्णचन्द्र शर्मा

नाटक और रंगमंच- डॉ. सीताराम झा 'श्याम'

भोजपुरी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति – विजय कुमार

Additional Resources:

पूर्वांचल प्रसंग-महावीर सिंह

पांडवानी महाभारत की लोकनाट्य शैली- निरंजन महावर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप से देखना

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्द

शोध-प्रविधि
(BAHHDSEC10)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूकता बढ़ाना

शोध के स्वरूप की जानकारी देना
शोध की आवश्यकता को समझाना
शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझाना
व्यावहारिक शोध का प्रारूप तैयार करना सिखाना

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूकता को बढ़ा सकेंगे
- शोध के स्वरूप की व्यावहारिक समझ बढ़ेगी
- शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझ सकेंगे
- व्यावहारिक शोध का प्रारूप तैयार करना सीख सकेंगे

Unit 1

शोध प्रविधि : स्वरूप और परिचय

शोध से अभिप्राय : स्वरूप और विशेषताएँ
शोध के प्रकार
हिन्दी में शोध: दशा और दिशा

Unit 2

- शोध में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और परिकल्पना
- शोध में सत्य और तथ्य
- शोध और आलोचना
- प्रमुख शोध पद्धतियाँ : तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक/ शैलीवैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक, अंतर-अनुशासनात्मक

Unit 3

शोध में विषय चयन

शोध और तथ्य विश्लेषण
शोध और निष्कर्ष
शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण प्रक्रिया

Unit 4

शोध सम्बन्धी समस्याएँ

एक अच्छे शोधार्थी के गुण
शोध के साधन और उपकरण
संदर्भ सूची निर्माण की प्रक्रिया

Practical

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत

15 अंक : एक शोध-सर्वे और मौलिक निष्कर्ष प्रस्तुति के लिए निर्धारित किए जाएँ|
10 अंक : सैद्धांतिक जानकारी हेतु टेस्ट का प्रावधान

References

- W. Lawrence Neuman, Social Research Methods: Qualitative and Quantitative Approaches, University of Wisconsin, Whitewater2011 Pearson
- विनय मोहन शर्मा - शोध प्रविधि
- सावित्री सिन्हा - अनुसंधान का स्वरूप
- सावित्री सिन्हा/ विजयेंद्र स्नातक - अनुसंधान की प्रक्रिया
- भ. ह. राजूरकर/ राजमल बोरा - हिंदी अनुसंधान का स्वरूप
- बैजनाथ सिंहल - शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि

Additional Resources:

C. R. Kothari (2004), *Research methodology methods & techniques,* New Delhi: New Age International (P)

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) सामूहिक परिचर्चा

3) परियोजना कार्य

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइन्मेंट

हिंदी की भाषिक विविधताएँ
(BAHHDSEC08)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विभिन्न भाषाई रूपों मे साहित्य की समझ

बोलियों और हिन्दी के विविध रूपों की समझ
साहित्यिकता और भाषाई संस्कृति की समझ

Course Learning Outcomes

प्रमुख रचनाकारों और प्रस्तुतियों से लाभान्वित होना

विश्लेषण क्षमता
साहित्यिकता की समझ विकसित करना
पर्यटन, नृत्य-संगीत आदि में रूचि का अवसर

Unit 1

(क) वाचिक हिंदी के क्षेत्रीय रूप - बिहारी , बम्बइया, दक्षिण भारतीय, हरियाणवी, पंजाबी, हिंग्लिश

सिनेमा, साहित्य और मीडिया, नए मीडिया में हिंदी की विविध छवियाँ

(ख) साहित्यिक भाषा के रूप में हिंदी की विविधता - कबीर , अमीर खुसरो , बुल्ले शाह, गद्य और आधुनिक साहित्यिक हिंदी

Unit 2

(क) कबीर - हमन हैं इश्क मस्ताना, अमीर खुसरो की मुकरियां

(ख) वली दकनी - किया मुझ इश्क ने जालिम कूं आब आहिस्ता- आहिस्ता
कि आतिश गुल कूं करती है गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

वफ़ादारी ने दिलबर की बुझाया आतिश-ए-गम कूं
कि गर्मी दफ़ा करता है, गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

अजब कुछ लुरु रखता है शब्-ए-खल्वित में गुलरू सूँ,
ख़िताब अहिस्ता - अहिस्ता, जवाब आहिस्ता - आहिस्ता

मेरे दिल कूँ किया बेखुद तेरी अंखियों ने आखरि कूँ,
कि ज्यूँ बेहोश करती है शराब आहिस्ता - आहिस्ता

हुआ तुझ सूँ ऐ आतिशी रू दिल मीरा पानी,
कि ज्यूँ गलता है आतिश सूँ गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

अदा-ओ-नाज सूँ आता है वो रौशन जबीं घर सूँ ,
कि ज्यूँ माश्रिक सूँ निकले आफताब आहिस्ता- आहिस्ता

'वली' मुझ दिल में आता है खयाल-ए-यार-ए-बेपरवाह,
कि ज्यूँ अंखियां में आता है ख्वाब आहिस्ता - आहिस्ता

Unit 3

(क) बनारसीदास और अर्द्धकथानक

(ख) ग़ालिब की शायरी

Unit 4

(क) इंशा अल्ला खां - रानी केतकी की कहानी

(ख) फणीश्वरनाथ रेणु - पंचलैट

References

हिंदी भाषा - किशोरीदास बाजपेयी

उर्दू का आरंभिक युग - शम्सुर्रहमान फारुकी

भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

Additional Resources:

उर्दू भाषा और साहित्य - फ़िराक गोरखपुरी

राही मासूम रजा ---सिनेमा और संस्कृति

जानकी प्रसाद शर्मा - उर्दू साहित्य की परम्परा

भाषाई अस्मिता और हिंदी - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वाचन, प्रस्तुति देखना

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्द

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा
(BAHHDSEC01)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- हिन्दी की मौखिक साहित्य की परंपरा से अवगत हो सकेंगे
- लोक साहित्य परंपरा के अध्ययन से भारतीय लोक-जीवन को करीब से जानने का अवसर प्राप्त होगा

Course Learning Outcomes

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोकसंगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

Unit 1

मौखिक साहित्य की अवधारणा: सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप- लोक-गीत, लोक-कथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ , बुझौवल और मुहावरे, हिन्दी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय), मौखिक साहित्य और समाज।

Unit 2

लोकगीत- वाचिक और मुद्रित

संस्कार-गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि।

सोहर भोजपुरी: संस्कार गीत – श्री हंस कुमार तिवारी – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पृष्ठ -8, गीत संख्या-04

सोहर अवधी– हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय- पृष्ठ- 110, 111 (साहित्य भवन,इलाहाबाद)

यज्ञोपवीत- भारतीय लोक-साहित्य; परंपरा और परिदृश्य- विद्या सिन्हा, पृष्ठ-88-89

विवाह – भोजपुरी- भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ- 116

ऋतुसंबंधी गीत : बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि।

पाठ: हिन्दी प्रदेश के लोकगीत: कृष्णदेव उपाध्याय, पृष्ठ-205

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य: शंकर लाल यादव, पृष्ठ-231

वाचिक कविता: भोजपुरी : पंडित विद्यानिवास मिश्र, पृष्ठ-51

श्रम संबंधी गीत : कटनी, जँतसर, दँवनी, रोपनी इत्यादि।

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत- हिंदी प्रदेश के लोकगीत :कृष्णदेव उपाध्याय, पृष्ठ-134-135

जंतसारी: भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ- 140-141

विविध गीत : घुघुति- कुमाउनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत: पंडित रामनरेश त्रिपाठी,पृष्ठ- 802-803

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाओं एवं लोकगाथाओं आल्हा, लोरिक, सारंगा-सदावृक्ष, बिहुला

राजस्थानी लोक कथा नं. 2 , हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11

सोलहवां भाग

मालवी लोककथाएँ नं. 2 हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

अवधी लोककथा नं. 2 हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

Unit 4

लोकनाट्य: विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला; रासलीला मालवा का नाच,राजस्थान का ख़्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी,भांड, रासलीला, बिहार-बिदेसिया, हरियाणा सांग **(क)** पाठ: संक्षिप्त पद्मावत सांग रागिनी संख्या 1,3,6,7,8, 13,14, 17,18, 19, 28, 34, 37, 38, 43, 58, 60, 67 (लखमीचन्द ग्रंथावली, सं. प्रो. पूरंचन्द शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी)

(ख)बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

References

- हिंदी प्रदेश के लोकगीत- कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य- शंकर लाल यादव
- मीट माई पीपल- देवेंद्र सत्यार्थी
- मालवी लोकसाहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
- रसमंजरी – सुचिता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान,मारीसस
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- वाचिक कविता : भोजपुरी , पंडित विद्यानिवास मिश्र
- भारतीय लोकसाहित्य: परंपरा और परिदृश्य- विद्या सिन्हा
- कविता कौमुदी : ग्रामगीत- पंडित रामनरेश त्रिपाठी
- हिंदी का लोक : कुछ रस, कुछ रंग - रसाल सिंह

Additional Resources:

- लखमीचंद का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- सूत्रधार – संजीव
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोक-कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा
- चीनी लोककथाएँ – अनिल राय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
(BAHHDSEC04)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा के समुचित ज्ञान के लिए व्याकरण का सही ज्ञान होना अत्यंत अनिवार्य है । ध्वनि, शब्द, पद, वाक्यांश का न केवल ज्ञान होना चाहिए वरन किसी भी भाषा को एकरूप बनाने में व्याकरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । व्याकरण भाषा को विश्रृंखल होने से रोकता है । वर्तमान समय में हिंदी भाषा के वैश्वीकृत होते रूप को सुदृढ़ करने हेतु व्याकरण को व्यावहारिक बनाना भी अनिवार्य हो गया है । यह पाठ्यक्रम व्याकरण के सैद्धांतिक रूप के साथ - साथ व्यावहारिक शिक्षा पर बल देता है । व्यावहारिक व्याकरण का उद्देश्य न केवल भाषा का शुद्ध प्रयोग करना सिखाना है वरन अभ्यास के माध्यम से उसे प्रयोग में भी ठीक प्रकार से लाना है ।

व्यावहारिक व्याकरण के निम्नलिखित उद्देश्य है :-

1) विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित करना ।

2) हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना ।

3) भाषा के मानक रूप को स्थायित्व देने पर बल देना ।

4) भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान होना ।

5) ध्वनि, वर्ण, शब्द, पद, वाक्य एवं व्याकरण के अन्य नियमों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण' पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे –

1) हिंदी भाषा वर्तमान समय में तेजी से वैश्वीकृत हो रही है । अतः हिंदी के स्वरुप को आधार रूप से ही सुगठित बनाने की प्रक्रिया पर बल देना चाहिए । यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा को आधार रूप से व्यवस्थित करेगा ।

2) यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भाषागत रूप को शुद्ध करने का पूर्ण प्रयास करता है ।

3) विद्यार्थियों में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

4) हिंदी भाषा के व्याकरणिक रूप को स्थिर किया जा सकेगा ।

5) भाषा का अनुशासनबद्ध होना अत्यंत आवश्यक है । व्यावहारिक व्याकरण अपने सैद्धांतिक रूप के साथ- साथ इसके प्रयोग रूप को भी मान्यता प्रदान करता है ।

6) मौखिक अभिव्यक्ति के मानक, अमानक रूपों को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जाना जा सकता है ।

7) हिंदी भाषा को संतुलित रूप प्रदान करने में और सर्वमान्य भाषा का प्रयोग करने में यह पाठ्यक्रम सक्षम है ।

Unit 1

इकाई -1 भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा, महत्व और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि और वर्ण
- हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर, व्यंजन और मात्राएं)

Unit 2

इकाई -2 शब्द- विचार

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियां (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) केवल परिभाषा एवं भेद
- शब्दों का रूपांतरण, शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द-निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)

Unit 3

इकाई -3 पद - विचार

- पद का स्वरुप
- शब्द और पद में अंतर
- विकारी शब्दों की रूप रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
- अविकारी शब्द (अव्यय)

Unit 4

इकाई -4 वाक्य - विचार

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर)
- वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम- चिह्न)
- वाक्यगत अशुद्धियां

References

1. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा
2. भारतीय पुरालिपि - डॉ. राजबलि पाण्डेय
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक - डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
5. लिपि की कहानी - गुणाकर मुले
6. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

Additional Resources:

1. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
3. हिंदी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
4. हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
5. Hindi Linguistic - R.N.Shrivastava
6. A Grammer of the Hindi Language-Kellog

Teaching Learning Process

'हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण' पाठ्यक्रम को ठीक प्रकार से संचालित करने हेतु सिद्धांत के अतिरिक्त 'प्रयोग' पर अधिक बल देना चाहिए । उदाहरणों को समझाने हेतु चित्रों का प्रयोग किया जा सकता है एवं पी.पी.टी (power point presentation) तथा दृश्य –श्रव्य माध्यम इत्यादि के द्वारा प्रभावी बनाया जा सकता है । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

भाषा', 'व्याकरण', 'ध्वनि', 'वर्ण', 'स्वर', 'व्यंजन', 'मात्रा', 'शब्द', 'संज्ञा', 'सर्वनाम', 'विशेषण', 'क्रिया' 'उपसर्ग', 'प्रत्यय', 'संधि', 'समास', 'पद', 'विकारी' 'शब्द', 'अविकारी शब्द', 'अव्यय', 'वाक्य', 'वाक्य संरचना', 'पदक्रम' 'अन्विति', 'विराम चिह्न', 'वाक्यगत अशुद्धियां' ।

हिंदी रंगमंच
(BAHHDSEC12)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना

हिन्दी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes

रंगमंच के विकास के साथ - साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पाएंगे
पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी
भारतबोध विकसित होगा

Unit 1

(क) पारंपरिक रंगमंच

रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, पांडवानी, अंकिया, सांग, ख्याल, माच (सामान्य परिचय)

(ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन परंपरा और आधुनिक रंगमंच

Unit 2

हिंदी रंगमंच की विकास यात्रा

(क)हिन्दी रंगमंच : पारसी थिएटर, भारतेन्दु युगीन रंगमंच, माधव प्रसाद शुक्लयुगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर

(ख) रंग संस्थाएँ : रंग- प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,

रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल; भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ ।

Unit 3

आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध, यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक शैली

Unit 4

प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि :राधेश्याम कथावाचक, श्यामानंद जालान, सत्यदेव दुबे, ब. व. कारंत, इब्राहिम अल्काजी

References

परंपराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

मेरा नाटक काल- राधेश्याम कथावाचक

पारसी हिंदी रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

पहला रंग- देवेंद्र राज अंकुर

भिखारी ठाकुर: भोजपुरी के भारतेन्दु- भगवत प्रसाद द्विवेदी

नाटक और रंगमंच – सीताराम झा 'श्याम'

अंकिया नाट- विरंचिकुमार बरुआ (सं)

असमिया साहित्य चानेकी – हेमचन्द्र गोस्वामी

Additional Resources:

कंटेम्प्रेरी इंडियन थिएटर: इंटरव्यू विद प्लेराइटर्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी

पांडवानी महाभारत की एक लोकनाट्य शैली – निरंजन महावर

छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा- महावीर अग्रवाल

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, व्यावहारिक ज्ञान के लिए एन॰एस॰ डी॰ भ्रमण, ऑनलाइन विडियो

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

रंगमंच संबंधी पारिभाषिक शब्दावली

अनुवाद-कौशल
(BAHHSEC04)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी देना

विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी

विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन
प्रयोगात्मक कार्य

Unit 1

अनुवाद का स्वरूप, महत्व और प्रकार

भारत का भाषायी परिदृश्य

अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएं, अनुवाद- संबंधी संस्थाएं और उनके कार्य, अनुवाद कार्य में प्राकाशनाधिकार

Unit 2

अनुवाद की सामग्री; विभिन्न प्रयुक्तियाँ

अनुवाद प्रक्रिया

अनुवाद के उपकरण

Unit 3

अभ्यास 01 (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी)

सर्जनात्मक साहित्य

ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य

सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अभ्यास- 02 (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी)

जनसंचार

प्रशासनिक अनुवाद

बैंकिंग अनुवाद

विधि अनुवाद

References

अनुवाद के भाषिक सिद्धान्त- कैटफोर्ड, जे. सी. सिद्धान्त (अनुवादक : डॉ. रविशंकर दीक्षित)

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुवाद के सिद्धांत – रेड्डी आर. आर ; (अनुवाद: डॉ. जे. एल. रेड्डी)

साहित्य अकादमी, मंडी हाउस, नई दिल्ली

Additional Resources:

अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : गोपीनाथन जी. , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. नगेंद्र

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा- सुरेश कुमार ; वाणी प्रकाशन, दिल्ली

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, परियोजना कार्य

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा
(BAHHSEC02)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत अवश्यक है । पूरी दुनिया ने वैश्वीकृत युग में प्रवेश कर लिया है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा । क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है । साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

- विद्यार्थी कंप्यूटर को हिंदी माध्यम से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा और कंप्यूटर के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
- हिंदी के विभिन्न फॉन्ट सीखकर कंप्यूटर पर सुगमता से कार्य कर सकेगा ।
- हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइट्स का प्रयोग कर सकेगा ।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियों और संभावनाओं को जान पाएगा।
- ई-गवर्नेंस, ई-लर्निंग, एस.एम.एस.(SMS) की हिंदी का प्रयोग कर पाएगा।
- हिंदी के माध्यम से कंप्यूटर की दुनिया से परिचित हो जाएगा।
- राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकेगा
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है । अनेक चुनौतियों का सामना सशक्त भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित हो सकेगा ।
- छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।

Unit 1

इकाई-1 कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

- कंप्यूटर का परिचय और विकास के विभिन्न चरण
- कंप्यूटर में हिंदी आरम्भ
- कंप्यूटर में हिंदी के विविध फॉण्ट
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

Unit 2

इकाई-2 हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- इन्टरनेट पर हिंदी एवं इंटरनेट में प्रयोग होने वाली हिंदी
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा
- हिंदी और वेब डिज़ाइनिंग
- हिंदी की विभिन्न वेबसाइट

Unit 3

इकाई-3 हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस

- राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार में कम्प्यूटर की भूमिका
- ई-गवर्नेंस में हिंदी का प्रयोग

- कंप्यूटर के माध्यम से हिंदी शिक्षण और ई-लर्निंग
- सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में प्रयोग होने वाली हिंदी भाषा

Unit 4

इकाई- 4 हिंदी भाषा और कंप्यूटर : विविध पक्ष

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ
- एस. एम .एस .की हिंदी
- न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
- हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड

References

1. आधुनिक जनसंचार और हिंदी - हरिमोहन
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा
3. कंप्यूटर और हिंदी - हरिमोहन
4. हिंदी भाषा और कंप्यूटर - संतोष गोयल
5. कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत - पी. के. शर्मा
6. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद - संपा. संजय द्विवेदी
7. जनसंचार और मास कल्चर - जगदीश्वर चतुर्वेदी

Additional Resources:

1. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज - संपा. संजय द्विवेदी
2. नए ज़माने की पत्रकारिता - सौरभ शुक्ला
3. पत्रकारिता से मीडिया तक - मनोज कुमार
4. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ - जवरीमल्ल पारख

Teaching Learning Process

सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपूर्णता प्राप्त कर सकें । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

1. हिंदी भाषा और कंप्यूटर आधारित परियोजना कार्य ।
2. कंप्यूटर के विकास की ऐतिहासिक परम्परा और हिंदी का विश्लेषण ।
3. कंप्यूटर में हिंदी सीखने के लिए हिंदी की टंकण व्यवस्था एवं विभिन्न फ़ॉन्ट्स का व्यावहारिक ज्ञान देना ।
4. दृश्य – श्रव्य माध्यमों के प्रभावी रूप द्वारा शिक्षण
5. कक्षा में मौखिक और लिखित परीक्षा

Keywords

'प्रौद्योगिकी', 'इंटरनेट','फॉन्ट', 'ई-लर्निंग', 'एस.एम.एस', 'की-बोर्ड', 'देवनागरी', 'वेबसाइट्स','वेब डिज़ाइनिंग', 'ई-गवर्नेंस', 'राजभाषा', 'न्यू मीडिया'

कार्यालयी हिंदी
(BAHHSEC05)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र लेखन का ज्ञान कराना
कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र हिन्दी से अंग्रेजी तथा अग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास कराना
कार्यालयी मसौदे और पत्राचार का औपचारिक ज्ञान

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा की सैद्धान्तिक व व्यावहारिक जानकरी होगी

हिन्दी की आवश्यकताओं और रोजगार क्षेत्रों की मांग का अनुमान कर सकेंगे

Unit 1

कार्यालयी हिन्दी

- कार्यालयी हिन्दी : अभिप्राय तथा उद्देश्य
- सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी में सम्बन्ध और अंतर
- कार्यालयी हिन्दी : स्थिति और सम्भावनाएँ
- कार्यालयी हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : राजकीय, सरकारी, अर्ध-सरकारी, सार्वजनिक उपक्रम

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम, अनुभाग के नाम
- मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले सम्बोधन और निर्देश
- औपचारिक पदावली/अभिव्यक्तियाँ

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार

- पत्राचार के विविध रूप : सामान्य परिचय
- पत्र
- ज्ञापन
- परिपत्र
- अशासनिक पत्र
- अनुस्मारक
- पृष्ठांकन(एंडोर्समेंट)
- अधिसूचना
- निविदा
- संकल्प(रेजोल्यूशन)
- प्रेस विज्ञप्ति
- घोषणा(प्रोक्लेमेशन)
- आवेदन

Unit 4

टिप्पण, प्रारूपण,संक्षेपण, प्रतिवेदन, अनुवाद अभ्यास

- प्रारूपण: तत्व,प्रक्रिया, लेखन विधि
- टिप्पण: प्रकार, लेखन विधि
- संक्षेपण: तत्व,प्रकार, लेखन विधि
- प्रतिवेदन: तत्व, लेखन विधि
- अनुवाद अभ्यास (हिन्दी-अंग्रेजी)

References

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग, लेखक - डॉ. दंगल झाल्टे

2. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पांडेय

4. प्रारूपण, शासकीय प्रचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी

6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम, लेखक : डॉ. महेंद्र सिंह राणा

Additional Resources:

अतिरिक्त स्रोत : नेट

http://rajbhasha.gov.in/sites/default/files/saralshabdavali.pdf

---

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

प्रोजेक्ट के रूप में

कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र का हिन्दी से अंग्रेजी तथा अग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास कराया जाए ।
कार्यालयी पत्राचार का औपचारिक अभ्यास कराया जाए ।

Keywords

कार्यालयी हिंदी, राजकीय, निजी, अनुवाद, पत्र-लेखन, प्रारूपण, संक्षेपण, टिप्पण, हिंदी - तकनीकी दक्ष आदि ।

भाषा और समाज
(BAHHSEC07)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषा और समाज का अन्तःसम्बन्ध स्पष्ट करते हुए भाषा और समाज के विविध पहलुओं को जानना | भाषा व्यवस्था और उसके विविध रूपों से अवगत होना तथा भाषा के समाजशास्त्र के विविध रूपों का अध्ययन करना ताकि समाज में आ रहे बदलावों को समझा जा सके |

Course Learning Outcomes

भाषा और समुदाय को बदलते भारतीय परिवेश में जानना | भाषा और जातीयता के विविध रूपों का विश्लेषण करना, द्विभाषिकता और बहुभाषिकता के विविध प्रारूपों से अवगत होना तथा उनका सन्दर्भगत विवेचन | भाषा और संस्कृति के मूल बिन्दुओं की गहन जानकारी प्राप्त करना | भाषा सर्वेक्षण, उनके विविध रूप तथा भाषा नमूनों का विश्लेषण करना तथा भाषा के नवीन प्रयोग का अध्ययन करना |

Unit 1

इकाई -1

भाषा, समाज और संस्कृति

भाषा और समाज का अन्तःसम्बन्ध

भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार

भाषा समाज विज्ञान और उसके विविध स्वरुप

भाषा का समाजशास्त्र

Unit 2

इकाई -2

भाषायी विविधता और भाषिक समुदाय

भाषा और समुदाय

भाषा, परिवेश और जाति

भाषा और जातीयता

द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन और क्रियोल)

Unit 3

इकाई -3

भाषा और सामाजिक व्यवहार

भाषा और वर्ग

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग

भाषायी अस्मिता और जेंडर

भाषा और संस्कृति

Unit 4

इकाई -4

भाषा सर्वेक्षण

भाषा सर्वेक्षण स्वरूप और प्रविधि

भाषा नमूनों का सर्वेक्षण

भाषा नमूनों का विश्लेषण

भाषा के नवीन प्रयोग

References

भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह

Additional Resources:

आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पांडेय

Socio Linguistics: An Introduction to Language and Society -- Peter Trudgill

Socio Linguistics – R.A Hudson

An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh

The Shadow of Language – George Yule

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

भाषाई दक्षता : समझ और संभाषण
(BAHHSEC06)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषा का न केवल ज्ञान रखना , प्रत्युत उसमें दक्षता एवं निपुणता प्राप्त करना प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है । इसमें पारंगत होने के लिए जहां एक ओर इसके साहित्य का अवगाहन आवश्यक है ,वहां इसके परिमार्जित और परिष्कृत रूप से परिचित होना तथा उसे व्यवहृत करना भी जरूरी है । हिन्दी उच्च माध्यम की भाषा है । देश की राजभाषा , राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क की भाषा है । व्यावसायिकता के इस युग में जहां भाषा के रोज़गारमूलक आयाम देश-विदेश में प्रशस्त हो उठे हैं तो आज जरूरत है उसकी क्षमता को , उसकी शक्ति को , उसके बहुमुखी आयामों को जानें और पहचानें । भाषा – दक्षता : समझ और संभाषण पाठ्यक्रम इसी उद्धेश्य की पूर्ति की दिशा में एक कदम है । जो कि सराहनीय है ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने पढ़ाने की दिशा मे निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे ।

1. स्नातक स्तर के छात्रों को भाषा -दक्षता: समझ और संभाषण से संबंधित अनेकों पहलुओं से अवगत करवाया जाऐगा ।
2. भाषायी दक्षता : समझ और संभाषण के अनेकों आयामों , उसके महत्व , प्रयोग विस्तार , शैली , भाषिक संस्कृति की समझ विकसित हो सकेगी ।
3. भाषा के शुद्ध उच्चारण , सामान्य लेखक , रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे ।
4. व्याकरणिक रूपों की चर्चा करने के साथ-साथ भाषा के व्यावहारिक रूप को भी समझ सकेंगे ।
5. भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप , भाषण, पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा का भी अध्ययन कर सकेंगे ।

इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत कर आशा करते हैं कि स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाषाई दक्षता के हर पहलू से परिचित हो सकेंगें । हिन्दी भाषा को समझने , उसके शुद्ध रूप ,तकनीकी रूप और ज्ञानवृद्धि के साथ भाषा में दक्षता प्राप्त कर सकेंगें ।

Unit 1

इकाई -1 : भाषायी दक्षता के आयाम

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्व
- श्रवण और वाचन
- पठन और लेखन

Unit 2

इकाई – 2 : भाषायी दक्षता के कारक तत्व

- भाषिक सरंचना की समझ
- भाषा व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)
- भाषिक संस्कृति (आयु , लिंग , शिक्षा , वर्ग)
- विषय क्षेत्र

Unit 3

इकाई-3 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन , लक्ष्य – निर्धारण , नियोजन के स्तर पर
- शब्द- सामर्थ्य – सामान्य एवं तकनीकी शब्द
- सुनना और बोलना प्रभावी श्रवण के आयाम , शुद्ध उच्चारण , भाषण, एकालाप , वार्तालाप
- पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य – केंद्रित पठन , सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

Unit 4

इकाई-4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

- किसी एक विषय पर – भाषण ,समूह चर्चा , वार्तालाप या टिप्पणी
- किसी एक विषय का भाव-विस्तार या पल्लवन

- द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित
- समीक्षा- पुस्तक-समीक्षा ,फिल्म-समीक्षा

Practical

आज आवश्यकता है भाषा की क्षमता को , उसकी शक्ति को , उसके बहुमुखी आयामों को पहचानें और नई प्रयोगमूलक , व्यवहारमूलक, प्रशासनमूलक तथा रोज़गारमूलक दृष्टि को विकसित करें । हिन्दी को केवल साहित्य का विषय बनाकर न देखें बल्कि व्यवसायिक दृष्टि से इसके महत्व को भी जानें । बच्चों को भाषा दक्षता : समझ और संभाषण पाठ्यक्रम के अंतर्गत परियोजना कार्य दिया जा सकता है -

1. शैक्षिक भ्रमण
2. व्यावसायिक संबंधित क्षेत्रों की भाषा में परियोजना कार्य दिया जा सकता है जैसे – बैंकिंग की भाषा , इंजीनियरिंग की भाषा, मेडिकल की भाषा, खेलकूद की भाषा आदि कितने ही ऐसे क्षेत्र हैं ।

References

- कम्प्यूटर एसिस्टेड लैंग्वेज लर्निंग , मीडिया डिज़ाइन एंड एप्लीकेशंस – कीथ कैमेरॉन
- भाषा शिक्षण- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

Additional Resources:

- सृजनात्मक साहित्य - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावसायिक हिंदी - दिलीप सिंह
- प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे
- आधुनिक पत्रकारिता- डॉ. अनुज तिवारी
- व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग- डॉ. ओम प्रकाश
- जनमाध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जवरीमल्ल पारिख
- जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी
- संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट औए असाइनमेंट

Keywords

भाषायी दक्षता , भाषिक सरंचना , शैली , आकलन , द्रुतवाचन , स्वाध्याय , वार्तालाप, टिप्पणी , विषय का भाव-विस्तार , पल्लवन , समीक्षा पाठ्यक्रम से संबंधित इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को बताया और समझाया जाएगा ।

विज्ञापन और हिंदी भाषा
(BAHHSEC01)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

बाज़ार, विज्ञापन और वाणिज्य की जानकारी

हिन्दी में विज्ञापन निर्माण, प्रसार और प्रभाव का अध्ययन-विश्लेषण

Course Learning Outcomes

विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन -विश्लेषण का अवसर मिलेगा

निर्माण और प्रभाव को सामाजिक आवश्यकताओं पर विश्लेषित करना
इन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की दक्षता ।

Unit 1

विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

विज्ञापन : अर्थ और परिभाषा

विज्ञापन का महत्व

विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण

विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

Unit 2

विज्ञापन: विविध माध्यम

सामान्य परिचय

विज्ञापन माध्यम का चयन

प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविज़न के लिए कॉपी लेखन

Unit 3

विज्ञापन की भाषा

विज्ञापन की भाषा का स्वरूप

विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ

विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर

हिंदी विज्ञापनों की भाषा

Unit 4

विज्ञापन निर्माण का अभ्यास

प्रिंट माध्यम: वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन निर्माण

रेडियो जिंगल लेखन

टेलीविज़न के लिए स्टोरी बोर्ड का निर्माण

References

जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ

जनसंचार माध्यम: भाषा और साहित्य: सुधीश पचौरी

डिजिटल युग में विज्ञापन- सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Additional Resources:

ब्रेक के बाद- सुधीश पचौरी

मीडिया की भाषा- वसुधा गाडगिल

विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा

विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी

संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौन्दर्य-बोध – कृष्ण कुमार रत्तू

www.adbrands.net

www.afaqs.com

www.adgully.com

www.cnbc.com

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, विज्ञापनों के लिए जनसंचार माध्यमों का प्रयोग

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

सोशल मीडिया
(BAHHSEC03)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

सोशल मीडिया का विकास के साथ - साथ भाषा, समाज और संस्कृति की जानकारी

सोशल मीडिया की आचार-संहिता

सोशल मीडिया के विभिन्न प्रभाव

Course Learning Outcomes

बाज़ार, सोशल मीडिया और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी

Unit 1

सोशल मीडिया : अवधारणा

सोशल मीडिया का स्वरूप और प्रकार

सोशल मीडिया का विकास

सोशल मीडिया, भाषा, समाज और संस्कृति

सोशल मीडिया की आचार-संहिता

सोशल मीडिया का प्रभाव

Unit 2

सोशल मीडिया और लोकतंत्र

जनभागीदारी, जनजागरूकता एवं सोशल मीडिया

जनांदोलन और सोशल मीडिया

जनसंपर्क, जनमत-निर्माण और सोशल मीडिया

सोशल मीडिया और गवर्नेंस

Unit 3

सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य

ब्रांड- मेकिंग और ब्रांड बाज़ार

बाजार और बाजार की रणनीति उपभोक्ता जागरूकता

व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा

Unit 4

सोशल मीडिया : विविध पक्ष

सोशल मीडिया और स्त्री

सोशल मीडिया और युवा वर्ग

सोशल मीडिया और बालमन

राजनीति और सोशल मीडिया

References

सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद- सं. संजय द्विवेदी

मीडिया भूमंडलीकरण और समाज- सं. संजय द्विवेदी

Additional Resources:

सोशल मीडिया और स्त्री – रमा

वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेट- जगदीश्वर चतुर्वेदी

क्लास रिपोर्टर – जयप्रकाश त्रिपाठी

सीढ़ियाँ चढ़ता मीडिया – माधव हाड़ा

नए जमाने की पत्रकारिता- सौरभ शुक्ला

पत्रकारिता से मीडिया तक-मनोज कुमार

कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्द

पटकथा तथा संवाद लेखन
(BAHHGEC04)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

1.विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझाना ।

2.विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना ।

Course Learning Outcomes

1.पटकथा क्या है समझेंगे ।

2.पटकथा और संवाद लेखन में दक्षता हासिल करेंगे ।

3 कहानी , उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं को पटकथा में रूपांन्तरित करना सिखेंगे ।

4. भविष्य में पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे ।

Unit 1

पटकथा अवधारणा और स्वरूप

Unit 2

फीचर फिल्म, टी.वी धारावाहिक, कहानी,एवं डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

Unit 3

संवाद सैद्धांतिकी और संरचना

Unit 4

फीचर फिल्म, टी.वी धारावाहिक, कहानी,एवं डॉक्यूमेंट्री का संवाद- लेखन

References

सहायक ग्रंथ

पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोशी
कथा-पटकथा-मन्नू भंडारी
रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
टेलीविजन लेखन - असग़र वजाहत ,प्रभात रंजन

Teaching Learning Process

1. कक्षाओं में पठन - पाठन की पद्धति

2. कक्षा में प्रस्तुतियां
3.व्यवहारिक कार्य और परिचर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, टीवी और पटकथा से जुडी शब्दावली

भाषा और समाज

(BAHHGEC06)

Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भाषा और समाज के अंतरसंबंध की जानकारी

समाज में भाषा के व्यवहार की जानकारी
सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास

Course Learning Outcomes

समाजभाषाविज्ञान का अध्ययन

सम्प्रेषण की सामाजिक समझ
भाषा के समाजशास्त्र का अध्ययन

Unit 1

भाषा, समाज और संस्कृति

भाषा और समाज का अंतर्संबंध

भाषा- व्यवस्था और भाषा-व्यवहार

समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप

भाषा का समाजशास्त्र

Unit 2

भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय

भाषा और समुदाय

भाषा और जाति

भाषा और जातीयता

बहुभाषिकता, कोड-मिश्रण एवं कोड-परिवर्तन

पिजिन व क्रियोल

Unit 3

भाषा और सामाजिक व्यवहार

भाषा और वर्ग

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग

भाषाई अस्मिता और जेंडर

भाषा और संस्कृति

Unit 4

भाषा सर्वेक्षण

भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि

भाषा नमूनों का सर्वेक्षण

भाषा नमूनों का विश्लेषण

भाषा का नवीन प्रयोग

References

भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह

आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पांडेय

Additional Resources:

Socio Linguistics: An Introduction to Language and Society -- Peter Trudgill

Socio Linguistics – R.A Hudson

An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh

The Shadow of Language – George Yule

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

भाषाविज्ञान के पारिभाषिक शब्द

भाषा शिक्षण
(BAHHGEC08)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- विद्यार्थी को भाषा शिक्षण की अवधारणा, महत्व, राष्ट्रीय, सामाजिक और शैक्षिक संदर्भों से परिचित कराना।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाओं का ज्ञान देना।
- हिन्दी शिक्षण के अंतर्गत विभिन्न भाषाई कौशलों का परिचय देना।
- भाषा परीक्षण की विभिन्न विधियों और पद्धतियों की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे। साथ ही भाषा शिक्षण की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भों को जान सकेंगे।
- विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण,मीडिया,अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर सकेंगे। वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

Unit 1

भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षणः अभिप्राय और उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण और प्रशिक्षण

- अर्जन और अधिगम

Unit 2

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

- प्रथम भाषा,मातृ भाषा तथा अन्य भाषा(द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- मातृ भाषा तथा अन्य भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- मातृ भाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा का शिक्षण
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

Unit 3

हिन्दी शिक्षण

- भाषा कौशल- सुनना,बोलना,पढ़ना-लिखना
- हिन्दी का मातृ भाषा के रूप में शिक्षण
- द्वितीय भाषा के रूप में शिक्षण
- विदेशों में हिन्दी भाषा शिक्षण

Unit 4

भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

Practical

- विद्यार्थी शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर हिन्दी शिक्षण की कक्षाओं का निरीक्षण कर सकते हैं और इसके प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं।
- यदि संभव हो सके तो आस-पास के स्कूलों में हिन्दी भाषा तथा विदेशी भाषा संबंधी कक्षाओं में शिक्षण कार्य करना।

References

- भाषा शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष- संपादक अमर बहादुर सिंह
- भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- संपादक ब्रजेश्वर वर्मा
- हिन्दी भाषा शिक्षण-भोलानाथ तिवारी

Additional Resources:

- हिन्दी शिक्षणः अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य-संपादक सतीश कुमार मेहरा, सूरजभान सिंह

- अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान- संपादक रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,भोलानाथ तिवारी,कृष्ण कुमार गोस्वामी
- भाषा शिक्षण-लक्ष्मी नारायण शर्मा
- हिन्दी शिक्षण-सावित्री सिंह
- Focus Group On Teaching Of Indian Languages- NCERT, 2005

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

रचनात्मक लेखन
(BAHHGEC03)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल का विकास करना

Course Learning Outcomes

रचनात्मकता का विकास
विभिन्न क्षेत्रों जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा, लेखन एवं कला के क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में सहायक

Unit 1

रचनात्मक लेखन : अवधारणा , स्वरूप एवं सिद्धांत
भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य ,पत्रकारिता ,विज्ञापन , मीडिया विविध गद्य - अभिव्यक्तियाँ
जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति

Unit 2

(क) रचनात्मक लेखन : भाषा - संदर्भ
भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक -लिखित, मानक
भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग - सापेक्ष, समूह - सापेक्ष
(ख) रचनात्मक लेखन : रचना - कौशल - विश्लेषण
रचना- सौष्ठव : शब्द - शक्ति , बिम्ब , अलंकरण और वक्रताएँ

Unit 3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन
(क) कविता : संवेदना , काव्यरूप ,भाषा- सौष्ठव , छंद , लय , गति और तुक
(ख) कथा साहित्य : वस्तु , पात्र , परिवेश एवं विमर्श
(ग) नाट्य साहित्य : वस्तु , पात्र , परिवेश एवं रंगकर्म
(घ) विविध गद्य - विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि

Unit 4

सूचना - तंत्र के लिए लेखन
प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृतांत , साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा आदि
लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक आदि

References

- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम - रघुवंश
- रचनात्मक लेखन : संपा. रमेश गौतम
- कला की जरूरत - अन्र्स्ट फिशर, अनु. रमेश उपाध्याय
- सृजनशीलता और सौंदर्यबोध - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

Additional Resources:

- कविता-रचना-प्रक्रिया - कुमार विमल
- कविता से साक्षात्कार - मलयज
- कविता क्या है - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- एक कवि की नोट बुक - राजेश जोशी
- उपन्यास की रचना - गोपाल राय

◆ उपन्यास सृजन की समस्याएँ - शमशेरसिंह नरूला

◆ हिंदी कहानी का शैली विज्ञान बैकुंठनाथ ठाकुर
◆रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
◆पत्रकारी लेखन के आयाम - मनोहर प्रभाकर
◆सर्जक का मन - नंदकिशोर आचार्य
◆शब्द-शक्ति विवेचन - रामलखन शुक्ल
◆राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन - एच.आर.एफ. कीटिंग

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

- लिखित परीक्षा
- आंतरिक मूल्यांकन पद्धति

Keywords

मीडिया
विज्ञापन
प्रतीक
बिम्ब
शब्द शक्ति
सूचना तंत्र

लोकप्रिय साहित्य
(BAHHGEC01)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्य के लोकप्रिय पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी

लोकप्रियता, जनप्रियता और बाज़ार की आवश्यकता को समझ सकेंगे

पाठक वर्ग को बनाने में इस पक्ष की भूमिका का अवलोकन कर सकेंगे

Course Learning Outcomes

भारतीय लोकप्रिय और जनप्रिय साहित्य के करीब जा सकेंगे जो देश की आंतरिक धारा का आधार है |

सामान्य पाठक वर्ग के अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा |

Unit 1

लोकप्रिय और जनप्रिय साहित्य की अवधारणा

Unit 2

हिन्दी के तिलस्मी और जासूसी साहित्य का सामाजिक आशय

Unit 3

भावनात्मक उपन्यास और गुलशन नंदा, जनप्रिय उपन्यास और यथार्थबोध –इब्ने शफी बीए, जनप्रिय लेखक ओमप्रकाश शर्मा, सुरेन्द्र मोहन पाठक और वेदप्रकाश शर्मा

Unit 4

कवि सम्मेलनी कविता : स्वरूप एवं प्रमुख लोकप्रिय कवि – बेढब बनारसी, काका हाथरसी से आज तक के लोकप्रिय गीतकार और हास्यकवि

References

आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पाण्डेय

समकालीन कविता और सौंदर्यबोध - रोहिताश्व
'पाखी' पत्रिका का अंक - अप्रैल 2015
'उपन्यास और प्रतिरोध' ['अभिनव भारती' (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की शोध-पत्रिका का विशेषांक वर्ष 2008)]

Additional Resources:

तिलस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद - विरोधी चरित्र - प्रदीप सक्सेना

Popular Literature : A History and Guide by Victor E. Neuburg (The Woburn Press,. London, 1977)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान

सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी का वैश्विक परिदृश्य
(BAHHGEC07)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति

हिंदी का विकास और चुनौतियाँ

Course Learning Outcomes

हिंदी की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति का परिचय

विकास के नए क्षेत्र : उपलब्धियां और चुनौतियाँ

Unit 1

वैश्वीकरण, हिंदी भाषा, संस्कृति और साहित्य

हिंदी के प्रचार - प्रसार में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका

Unit 2

हिन्दी भाषा का विश्व - संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र में हिंदी

Unit 3

हिंदी के वैश्विक प्रसार में हिंदी सिनेमा और गीतों की लोकप्रियता

हिंदी के वैश्विक प्रसार में हिंदी टेलिविज़न और रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण

सोशल नेटवर्किंग साइट्स, हिंदी ब्लॉग्स, ई-पत्रिकाएँ, फेसबुक, व्हाट्स एप, ट्विट्टर (twitter)

Unit 4

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मलेन : परिकल्पना, उद्देश्य और महत्त्व

21 वीं सदी में हिन्दी की वैश्विक चुनौतियाँ

References

हिंदी भाषा का समाजशास्त्र- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

हिंदी की भागीरथ यात्रा – कन्हैयालाल गाँधी

प्रवासी हिंदी साहित्य – कमल किशोर गोयनका

Additional Resources:

मॉरिशस का हिंदी साहित्य – मुनीश्वर चिंतामणि

प्रवासी साहित्य: जोहान्सबर्ग से आगे – (संपा.) कमल किशोर गोयनका

प्रवासी लेखन: नयी ज़मीन, नया आसमान – अनिल जोशी

सूरीनाम हिन्दुस्तानी – भावना सक्सेना

फीज़ी का सर्जनात्मक हिंदी साहित्य –विमलेश कांति वर्मा

फीज़ी में हिंदी: स्वरुप और विकास - विमलेश कांति वर्मा

Additional Resources:**पत्रिका- वाक्, वर्ष 2007, अंक 2**

विश्व हिन्दी पत्रिका , 2018

वेबसाईट / www.vishwahindi.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं **में पठन-पाठन पद्धति**

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

प्रवासी साहित्य, विश्व हिंदी सम्मलेन, हिंदी भाषा शिक्षण, संयुक्त राष्ट्र संघ, गिरमिटिया देश, सार्क, ब्लॉग्स,

ई-पत्रिकाएँ

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद
(BAHHGEC05)

Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद की समझ विकसित करना

व्यावहारिक और क्षेत्र विशेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course Learning Outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी

क्षेत्र विशेष की माँग से परिचित होंगे

Unit 1

भारत का भाषायी परिदृश्य और अनुवाद का महत्व

अनुवाद का स्वरूप

अनुवाद के उपकरण- कोश ग्रंथ

अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2

प्रयुक्ति की अवधारणा; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र

विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ

विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3

अनुवाद व्यवहार-1 (अँग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अँग्रेजी)

सर्जनात्मक साहित्य

ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य

सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अनुवाद व्यवहार 2 (अँग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अँग्रेजी)

जनसंचार

प्रशासनिक अनुवाद और बैंकिंग अनुवाद

विधि अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र

अनुवाद के सिद्धान्त – रामालु रेड्डी

अनुवाद (व्यवहार से सिद्धान्त की ओर)- हेमचन्द्र पाण्डेय

कार्यालय प्रदीपिका- हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद- सुरेश सिंहल

काव्यानुवाद: सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल

कोश विशेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेश कांति वर्मा

अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेश कांति वर्मा

The Theory and Practice of Translation- Nida E.

Language, Structure & Translation- Nida E.

Routledge Encyclopedia of Translation- Baker, Mona

Translation Evaluation- House, Juliance

Machine Translation: Its scope and Limits- Wilks, Vorick

Translation and Interpreting- Baker H.

Revising and Editing for Translators- Mossop B.

Introducing Translation Studies: Theories and Applications- Munday J.

The Routledge Companion to Translation Studies- Munday J

Comprehensive English- Hindi Dictionary- Raghubir

Oxford Hindi- English Dictionary- R.S. Mc Gregor

English- Hindi Dictionary- Hardeo Bahari

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
(BAHHGEC02)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी सिनेमा जगत की जानकारी

सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course Learning Outcomes

हिन्दी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ

सिनेमा निर्माण, प्रसार और कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1

सिनेमाः सामान्य परिचय

1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा, सिनेमा की इतिहास यात्रा-वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य

2. सिनेमा की भाषा (विजुअल्स और शॉट के आधार पर), शॉट के तत्व, दृश्य, क्रम, आदि
3. सिनेमा के प्रकार- व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।
4. सिनेमा की विषयवार कोटियाँ- सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक,राजनीतिक, पारिवारिक,कामेडी और हॉरर

Unit 2

सिनेमा अध्ययन

1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. सिनेमा में यथार्थ और उसका ट्रीटमेंट, हाइपर रियल
3. हिंदी सिनेमा के दर्शकों की विविध कोटियां, जनता की माँग और पसंद
4. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3

सिनेमाः अंतर्वस्तु और तकनीक

1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3.निर्देशक और निर्देशन (विख्यात निर्देशकों की चुनिंदा फिल्मों का अध्ययन)
4. सिनेमा और सेंसरबोर्ड, सिनेमा प्रसारण अधिनियम

Unit 4

सिनेमा अध्ययन की दिशाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्गति, पार, भूमिका, जुबैदा, अमर अक़बर एंथनी, गुलाबी गैंग, पीकू, मधुमती, माय नेम इज़ ख़ान)
3. सिनेमा के दृश्य, तकनीक, कहानी, स्पेशल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा
4. सिनेमा की भाषा का समाजशास्त्र

References

1. बालीवुड: ए हिस्ट्री, मिहिर बोस, टेम्पस, नई दिल्ली.

2. 70 इयर्स आफ़ इंडियन सिनेमा, टी.एम. रामचंद्रन,
3. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विश्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

हिंदी भाषा और संप्रेषण
(BAHAECC01)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC)
Credit:4

Course Objective(2-3)

- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व समझने के साथ-साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पठन में भी सक्षम हो सकेंगे |

Unit 1

भाषिक सम्प्रेषण: स्वरूप और सिद्धांत

- सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
- अभाषिक संप्रेषण

Unit 2

सम्प्रेषण के प्रकार

- मौखिक और लिखित संप्रेषण
- वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक संप्रेषण
- भ्रामक संप्रेषण और प्रभावी संप्रेषण में अंतर
- संप्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

Unit 3

सम्प्रेषण के माध्यम

- एकालाप और संलाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा
- मशीनी माध्यम: ई-मेल, सोशल मीडिया, एस.एम.एस., इंटरनेट, फीडबैक

Unit 4

मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

- बोलना : भाषण, वॉयस ओवर, वाद-विवाद
- लिखना: पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, पल्लवन, संक्षेपण
- पढ़ना: कविता पठन, नाट्यांश पठन, समाचार वाचन
- समझना: विवरण, वर्णन, विश्लेषण, व्याख्या

References

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार
- प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्यानिवास मिश्र
- संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Additional Resources:

- कुछ पूर्वग्रह-अशोक वाजपेयी
- भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली

बी॰ए॰ (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम

चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति

(LOCF)

(जुलाई, 2019 से आरंभ)

सी.बी.सी.एस.

(चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)

(LOCF)

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्रों का क्रम इस प्रकार होगा :

हिंदी कोर पाठ्यक्रम (HCC)

- **सेमेस्टर-1 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-1 : हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास **BAHHCC01**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-2 : हिंदी कविता (आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य) **BAHHCC02**
- **सेमेस्टर-2 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-3 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल) **BAHHCC03**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-4 : हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य) **BAHHCC04**
- **सेमेस्टर-3 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-5 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) **BAHHCC05**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-6 : हिंदी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक) **BAHHCC06**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-7 : हिंदी कहानी **BAHHCC07**
- **सेमेस्टर-4 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-8 : भारतीय काव्यशास्त्र **BAHHCC08**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-9 : हिंदी कविता (छायावाद के बाद) **BAHHCC09**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-10 : हिन्दी उपन्यास **BAHHCC10**
- **सेमेस्टर-5 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-11 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र **BAHHCC11**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-12 : हिंदी नाटक/एकांकी **BAHHCC12**
- **सेमेस्टर-6 :**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-13 : हिन्दी आलोचना **BAHHCC13**
  - हिन्दी कोर प्रश्नपत्र-14 : हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ **BAHHCC14**

हिंदी सामान्य (Generic) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HGEC)

- **सेमेस्टर 1**

  1. लोकप्रिय साहित्य **BAHHGEC01 अथवा** हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन **BAHHGEC02**

- **सेमेस्टर 2**

  2. रचनात्मक लेखन **BAHHGEC03 अथवा** पटकथा तथा संवाद लेखन **BAHHGEC04**

- **सेमेस्टर 3**

  3. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद **BAHHGEC05 अथवा** भाषा और समाज **BAHHGEC06**

- **सेमेस्टर 4**

  4. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य **BAHHGEC07 अथवा** भाषा शिक्षण **BAHHGEC08**

हिंदी विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HDSEC)

- **सेमेस्टर 5**

  1. हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा **BAHHDSEC01 अथवा** अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य **BAHHDSEC02 अथवा** भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत **BAHHDSEC03**

- **सेमेस्टर 5**

  2. हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण **BAHHDSEC04 अथवा**
     कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश **BAHHDSEC05 अथवा**
     भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा **BAHHDSEC06**

- **सेमेस्टर 6**

  3. लोकनाट्य **BAHHDSEC07 अथवा** हिन्दी की भाषिक विविधताएँ **BAHHDSEC08 अथवा**
     भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन **BAHHDSEC09**

  4. शोध-प्रविधि **BAHHDSEC10 अथवा** अवधारणात्मक साहित्यिक पद **BAHHDSEC11 अथवा**
     हिंदी रंगमंच **BAHHDSEC12**

हिंदी कौशल-संवर्द्धक ऐच्छिक पाठ्यक्रम (HSEC)

(कोई दो : क और ख वर्ग से एक-एक का चयन½

- **सेमेस्टर 3**

(क)

1. विज्ञापन और हिंदी भाषा **BAHHSEC01**
2. कम्प्यूटर और हिंदी भाषा **BAHHSEC02**
3. सोशल मीडिया **BAHHSEC03**
4. अनुवाद-कौशल **BAHHSEC04**

- **सेमेस्टर 4**

(ख)

1. कार्यालयी हिंदी **BAHHSEC05**
2. भाषायी दक्षता : समझ और संभाषण **BAHHSEC06**
3. भाषा और समाज **BAHHSEC07**

- एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : आधुनिक भारतीय भाषा संप्रेषण/अंग्रेजी **हिंदी भाषा और संप्रेषण BAHAECC01**
- एक अनिवार्य प्रश्नपत्र : पर्यावरण विज्ञान

Introduction

Content: हिन्दी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है| साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को सम्वेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक सम्वेदन प्रदान करता है| ज्ञान की शाखाओं के साथ आज विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और सम्वेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सकें| साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस संदर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है| भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं| इस प्रकार हिन्दी (ऑनर्स) का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है|

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning
>> Aims of Bachelor's degree programme in (CBCS) B.A.(HONS.) HINDI

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है । हिन्दी पढ़ने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरूरी है| आज हम भूमंडलीकृत समाज के सदस्य हैं अत: पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश-विदेश के साहित्य में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और व्यावसायिक योग्यता उत्पन्न करना भी! यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा । हिंदी साहित्य की नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके|

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning
>> Aims of Bachelor's degree programme in (CBCS) B.A.(HONS.) HINDI

Content: ॰

Graduate Attributes in Subject
>> Disciplinary knowledge

Content: भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन-विश्लेषण द्वारा इतिहास, समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, भाषाविज्ञान आदि विषयों का तुलनात्मक ज्ञान विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject
>> Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject
>> Critical thinking

Content: अंतर-अनुशासनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन करने से आलोचनात्मक विवेक विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject
>> Problem solving

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है | साहित्यिक कृतियों में उपस्थित संभावनाओं के माध्यम से जीवन से संबन्धित समस्याओं का हल निकालने में सहायता मिलती है |

Graduate Attributes in Subject
>> Research-related skills

Content: भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृतिपरक अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में शोध संबंधी क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject
>> Reflective thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास होने के साथ-साथ समाज और आत्म के अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है|

Graduate Attributes in Subject
>> Moral and ethical awareness/reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है |

Graduate Attributes in Subject
>> Multicultural competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहु-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है |

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-
1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
2) भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
3) उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
4) छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।
5) व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाज़ार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके|
6) हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा ।
7) साहित्य के सौन्दर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना |
8) साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना | कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को

प्रोत्साहित करना |
9) साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके|
10) साहित्य विवेक का निर्माण

Teaching-Learning Process

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें । साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके| इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है -
कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा
सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
साहित्यिकता की समझ देना
प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
कक्षाओं में पठन- पाठन पद्धति
लिखित परीक्षा
आंतरिक मूल्यांकन
शोध - सर्वेक्षण
वाद –विवाद
कम्प्यूटर आदि का व्यावहारिक ज्ञान
दृश्य श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
काव्य वाचन,पठन और आलोचनात्मक मूल्यांकन
कथा पाठ और वाचन में अंतर समझाना
आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

Assessment Methods

Content: (1) हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्यांकन ।
(2) भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण
(3) विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्यांकन
(4) पी.पी.टी. (power point presentation) बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना । इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा ।
(5) भाव विश्लेषण के लिए विधा आधारित प्रश्नोत्तरी कर मूल्यांकन करना ।
(6)पारम्परिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन
(7)समूह-परिचर्चा

पाश्चात्य काव्यशास्त्र
(BAHHCC11)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना

चिंतन के नए आयामों की ओर आकर्षण विकसित करना
साहित्यिकता की नई समझ की ओर कदम बढ़ाना

Course Learning Outcomes

प्राचीन से आधुनिकता की ओर आते हुए विकसित हो रहे पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी

नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त होगा

Unit 1

इकाई -1. (क) अरस्तू - अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत , त्रासदी

(ख) लौंजाइनस- उदात्त की अवधारणा, उदात्त के बाह्य श्रोत, उदात्त के आतंरिक स्रोत , उदात्त के अवरोधक

Unit 2

इकाई -2 (क) वर्डस्वर्थ और कॉलरिज - कविता सम्बन्धी मान्यताएं , काव्यभाषा सम्बन्धी मान्यताएं , कॉलरिज का कल्पना- सिद्धांत

(ख) टी. एस. इलियट-- परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा , निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सहसंबंध

Unit 3

इकाई-3

सामान्य परिचय - स्वच्छन्दतावाद , मार्क्सवादी आलोचना, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

Unit 4

इकाई 4

काव्य-उपादान - बिंब, प्रतीक, विसंगति और विडम्बना, यथार्थ, फैंटेसी , मिथक

References

साहित्य सिद्धान्त - रामअवध द्विवेदी

पाश्चात्य साहित्य - चिंतन - निर्मला जैन

साहित्य सिद्धान्त - रेनेवेलेक
पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा

Additional Resources:
आस्था के चरण - नगेंद्र
हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
आलोचना से आगे - सुधीश पचौरी
मिथकीय अवधारणा और यथार्थ - रमेश गौतम

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पारिभाषिक शब्दावली

भारतीय काव्यशास्त्र
(BAHHCC08)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी

आधुनिक हिन्दी आलोचना में भारतीय काव्यशास्त्र का प्रदेय

Course Learning Outcomes

संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा

Unit 1

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (आचार्य भरतमुनि से पंडित जगन्नाथ तक)

2. काव्य- लक्षण, काव्य- हेतु ,काव्य- प्रयोजन

Unit 2

3. रस : स्वरूप और लक्षण, रस के अंग तथा रस के भेद

4. शब्द- शक्तियाँ

5. गुण एवं दोष : लक्षण और भेद

Unit 3

6. अलंकार

शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति

अर्थालंकार : उपमा, रूपक, अपह्नुती, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, व्यतिरेक, विरोधाभास, विभावना, विशेषोक्ति, अत्युक्ति

7. छंद

(क) समवर्णिक - भुजंगप्रयात, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीड़ित, सवैया (भेद सहित), घनाक्षरी

(ख) सममात्रिक - उल्लाला ,चौपाई, रोला, हरिगीतिका

(ग) अर्द्ध- सममात्रिक - बरवै, दोहा, सोरठा

(घ) विषम सममात्रिक - कुंडलिया, छप्पय

Unit 4

8. काव्य-रूप : दृश्यकाव्य (रूपक) एवं उपरूपक , श्रव्यकाव्य : पद्य, गद्य, चम्पू, प्रबंध एवं मुक्तक

References

काव्य दर्पण -रामदहिन मिश्र

रस मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

रस- सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र

साहित्य सहचर - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

Additional Resources:

काव्य के तत्त्व - देवेंद्रनाथ शर्मा

काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र

साधारणीकरण और काव्यास्वाद - राजेंद्र गौतम

साहित्य का स्वरूप - नित्यानंद तिवारी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी आलोचना
(BAHHCC13)

Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आलोचना की सैद्धांतिक और व्यवहारिक समझ विकसित करना

रचना का विश्लेषण करने में सक्षम बनाना
रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना
रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना

Course Learning Outcomes

विद्यार्थियों में आलोचना की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी

रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी
रचना के गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे
रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा

Unit 1

हिंदी आलोचना का विकास : भारतेंदु युग से द्विवेदी युग तक

Unit 2

छायावादयुगीन आलोचना : पाठ आधारित

रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था,
प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य,
प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद,
हजारीप्रसाद द्विवेदी - आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ

Unit 3

नई कविता के युग की आलोचना : पाठ आधारित

रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामन्त-विरोधी मूल्य,
अज्ञेय : दूसरा सप्तक की भूमिका,
मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष,
विजयदेव नारायण साही : शमशेर की काव्यानुभूति की बनावट

Unit 4

नव लेखन के युग की आलोचना (कथा आलोचना) : पाठ आधारित

नामवर सिंह - नयी कहानी : सफलता और सार्थकता,

सुरेंद्र चौधरी - कहानी की पाठ-प्रक्रिया : कथा के स्तरों का प्रश्न,

नेमिचंद्र जैन - संदर्भ की खोज,

निर्मल वर्मा - रेणु : समग्र मानवीय दृष्टि

References

रामविलास शर्मा - भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परम्परा

रामविलास शर्मा - महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण
आचार्य रामचंद्र शुक्ल - चिंतामणि
रामविलास शर्मा - परम्परा का मूल्यांकन
अज्ञेय (संपा.) - दूसरा सप्तक
गजानन माधव मुक्तिबोध - नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध

Additional Resources:

आचार्य रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका
नामवर सिंह - दूसरी परम्परा की खोज
नामवर सिंह - कहानी : नयी कहानी
निर्मल वर्मा - शब्द और स्मृति
नेमिचंद्र जैन - अधूरे साक्षात्कार
विजयदेव नारायण साही - छठवाँ दशक
सुरेंद्र चौधरी - हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ
कृष्णदत्त शर्मा - मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि
विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी आलोचना

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर सेमिनार का आयोजन।

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

हिंदी उपन्यास
(BAHHCC10)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी

प्रमुख साहित्यकार और उनके उपन्यासों की चर्चा
कथा साहित्य विश्लेषण पद्धति

Course Learning Outcomes

उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति

हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान
प्रमुख लेखकों के उपन्यास का परिचय

Unit 1

1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास,

प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान (श्रीनिवासदास, प्रेमचंद, फनीश्वरनाथ रेणु, जैनेन्द्र, यशपाल, अज्ञेय, श्रीलाल शुक्ल, मन्नू भंडारी, मैत्रेयी पुष्पा)

Unit 2

2. प्रेमचंद - कर्मभूमि

Unit 3

3. भगवतीचरण वर्मा - चित्रलेखा

Unit 4

4. मन्नू भण्डारी : आपका बंटी

References

प्रेमचंद: उपन्यास संबंधी निबंध- (विविध प्रसंग भाग-3)

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

उपन्यास और लोकजीवन- राल्फ फॉक्स

हिंदी उपन्यास- सं. भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया

कथा समय में तीन हमसफर – निर्मला जैन

हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

प्रेमचंद: एक विवेचन- इंद्रनाथ मदान

उपन्यास का उदय- इयान वाट

उपन्यास के पहलू- ई. एम. फॉस्टर

विविध प्रसंग- प्रेमचंद

कलम का सिपाही – अमृत राय

कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा

Additional Resources:

आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा

प्रेमचंद- सं. सत्येंद्र

सृजनशीलता का संकट- नित्यानंद तिवारी

हिन्दी उपन्यास- सं . नामवर सिंह

आलोचना की सामाजिकता- मैनेजर पाण्डेय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

हिन्दी कथा साहित्य

हिंदी कविता (आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य)
(BAHHCC02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना |
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों - अमीर खुसरों और विद्यापति की विशिष्ट भूमिका रही है | इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना |
3. भक्तिकाल के अंतर्गत - संतकाव्य, प्रेमाख्यानक काव्य, राम-काव्य और कृष्णकाव्य के प्रमुख कवियों - कबीर, मंझन, तुलसीदास और सूरदास का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना |
4. भक्तिकाल में मीरा का महत्वपूर्ण स्थान है | युगीन सन्दर्भों में उनका काव्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है | स्त्री-विमर्श की दृष्टि से भी मीरा-काव्य विशिष्ट है |

Course Learning Outcomes

1. आदिकाल के परिवेश - राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हो सकेंगे |
2. आदिकाल में अमीर खुसरो के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे |
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है | इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा |
4. भक्तिकाल साहित्य सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है|

Unit 1

(क) अमीर खुसरो – अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व, डॉ. परमानंद पांचाल

कव्वाली – (1)

गीत – (4), (13)

दोहे – 3 दोहे (पृष्ठ 86) (1) गोरी सोवे (2) खुसरो रैन (3) चकवा चकवी

(ख) विद्यापति – विद्यापति की पदावली; संपादक- आचार्य श्रीरामलोचन शरण

वंदना – 1 राधा की वंदना

श्रीकृष्ण का प्रेम - 35 (प्रेम प्रसंग)

राधा का प्रेम – 36

Unit 2

(क) कबीरदास – कबीर ग्रंथावली, संपादक- डॉ. माता प्रसाद गुप्त

(लोकभारती प्रकाशन, प्रथम संस्करण, फरवरी 1969)

साँच कौ अंग (साखी 2, 16)

भ्रम बिधौंसण कौ अंग (1, 10)

भेष कौ अंग (2, 12)

साध साषीभूत कौ अंग (3, 4)

सारग्राही कौ अंग (3, 4)

संमथाई कौ अंग (9)

-

पद संख्या 64 – काहे री नलनी...

-

पद संख्या 66 – अब का डरूँ...

(ख) मंझन – मंझन-कृत 'मधुमालती' ; संपादक माता प्रसाद गुप्त

नख-शिख वर्णन

1 केश वर्णन (79)

2 नासिका वर्णन (83)

3 अधर वर्णन (87)

4 दंत वर्णन (94)

5 त्रिबली वर्णन (97)

Unit 3

(क) सूरदास : सूरसागर सार : (संपादक) धीरेन्द्र वर्मा , इलाहाबाद – 211003; अष्टम संस्करण सन 1990)

विनय तथा भक्ति पद संख्या – 25 (मेरो मन अनत ...)

गोकुल-लीला पद संख्या 7 (जसोदा हरि पालनै ...)

पद संख्या 18 (सोभित कर ...)

राधा-कृष्ण पद संख्या 1 (खेलत हरि निकसे...)

वृन्दावन - लीला पद संख्या 42 (मुरली तऊ गुपालहि भावति...)

रासलीला पद संख्या 97 (आजु हरि...)

उद्धव-संदेश पद संख्या 141 (ऊधौ मन माने ...)

पद संख्या 158 (अति मलीन ...)

पद संख्या 187 (ऊधौ मोहिँ ब्रज...)

(ख) मीराँबाई की पदावली (संपादक : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मलेन; प्रयाग , बाइसवां संस्करण 2008 ई.)

पद संख्या –5 (तनक हरि चितवाँ ...)

14 (आली री म्हारे ...)

19 (माई साँवरे रँग राँची ...)

22 (माई री म्हा लियाँ ...)

25 (मीरा लागौ रंग...)

31 (माई म्हाँ गोविन्दा...)

36 (पग बाँध घूँघरयाँ ...)

39 (माई म्हाँ गोविन्द गुण...)

70 (हेरी, म्हा तो दरद दिवाँणी ...)

76 (पतियाँ मैं कैसे...)

Unit 4

इकाई – 4 गोस्वामी तुलसीदास

अयोध्याकाण्ड (**कवितावली,** गीताप्रेस, गोरखपुर)

References

- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचंद्र शुक्ल
- त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी

- कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर – संपा. विजेयेंद्र स्नातक
- सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
- सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय
- तुलसी-काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
- मध्ययुगीन प्रेमाख्यान – श्याम मनोहर पाण्डेय
- सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
- आलोचना के परिसर – गोपेश्वर सिंह
- मीरा : जीवन और काव्य –सी.एल.प्रभात
- लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी
- मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी

Additional Resources:

- राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य – कैलाश नारायण तिवारी
- मध्यकालीन कृष्ण काव्य की सौंदर्यचेतना – पूरनचंद टंडन
- तुलसीदास का काव्य-विवेक और मर्यादाबोध – कमलानन्द झा
- भक्ति आन्दोलन और काव्य – गोपेश्वर सिंह

Teaching Learning Process

- निर्धारित पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन.
- निर्धारित कवियों पर विचार-विमर्श
- पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना.
- कवियों की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना
- तत्कालीन परिस्थियों में कवियों का विश्लेषण

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक)
(BAHHCC06)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आधुनिक कविता से परिचय

रचना-प्रक्रिया और विश्लेषण
प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का अध्ययन

Course Learning Outcomes

आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी

साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण
कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी

Unit 1

1. मैथिलीशरण गुप्त

यशोधरा (चुने हुए अंश)

- सिद्धार्थ
- महाभिनिष्क्रमण
- सखी वे मुझसे कहकर जाते.....5,6,7,8,9
- अब कठोर, हो वज्रादपि.....7,8,9,10, 11, 12,13,14
- मानिनी, मान तजो लो, रही तुम्हारी बान
- दीन न हो गोपी

Unit 2

जयशंकर प्रसाद

उठ उठ री लघु, मधुप गुनगुना कर, तुम्हारी आँखों का बचपन, अरे कहीं देखा है तुमने, अरी वरुणा की शांत कछार, ले चल मुझे भुलावा दे कर,पेशोला की प्रतिध्वनि

Unit 3

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

संध्या सुंदरी, बादल राग : छह, वह तोड़ती पत्थर, खेत जोत कर घर आए हैं, बांधों न नाव, स्नेह निर्झर, वर दे, मैं अकेला, दुरित दूर करो नाथ

Unit 4

इकाई-4

1. रामधारी सिंह दिनकर----' रश्मिरथी ' : तीसरे सर्ग से कृष्ण - कर्ण संवाद

2. सुभद्राकुमारी चौहान--- ठुकरा दो या प्यार करो, वीरों का कैसा हो वसंत, मुरझाया फूल, मेरे पथिक, झाँसी की रानी की समाधि पर, अनोखा दान, बालिका

References

जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी

मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन - नगेन्द्र
निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा
युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा
जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे वाजपेयी
प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर
छायावाद- नामवर सिंह

Additional Resources:

मोनोग्राफ- मैथिलीशरण गुप्त, निराला, प्रसाद, दिनकर, सुभद्राकुमारी चौहान

हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता- वाचन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

काव्य, कविता, आधुनिकता, नवजागरण, स्वतन्त्रता आदि

हिंदी कविता (छायावाद के बाद)
(BAHHCC09)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी साहित्य के इतिहास के छायावादी कविता के बाद के समय को सशक्त ढंग से प्रस्तुत करना रहा है । हिंदी विशेष को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे हिंदी कविता के प्रत्येक बदलते परिदृश्य को पाठ्यक्रम के अनुक्रम में अच्छे से जान सकें । पाठ्यक्रम का यह पक्ष आधुनिक हिंदी कविता के स्वर्ण युग माने जाने वाले छायावाद की बाद की कविता के पक्ष को उजागर करता है । इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य को निम्नांकित बिंदुओं के माध्यम से जाना जा सकता है :-

1. छायावाद के बाद की कविताओं में निहित भाव सौंदर्य से विद्यार्थियों को परिचित करना ।
2. कविता के मूल भावपक्ष को हृदयगंम करने में सक्षम बनाना ।
3. कवि की अनुभूतियों तथा कल्पना को समझने योग्य बनाना ।
4. विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना ।
5. कविताओं के माध्यम से युग बोध पर विचार कराना ।
6. कविता में व्यक्त जीवन के गुण- दोष इत्यादि का बोध कराना ।
7. कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण करना ।

Course Learning Outcomes

सीखने-सिखाने की इस प्रक्रिया में निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे :-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी कविता को काल विशेष के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।
2. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी कविता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय में इस पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है ।
3. छात्र कविता सीखने के साथ साथ वैचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे ।
4. कविता के दोनों पक्षों भाव सौंदर्य और कला सौंदर्य को जाना जा सकेगा ।
5. आज भूमंडलीकरण का युग है । हिंदी कविता अन्य देशों में भी मानवीय आचरण को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है । यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध पहलुओं को हृदयंगम करने में समर्थ है ।

Unit 1

इकाई-1

(क) अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, सम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, साँप ।

स्रोत :- चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली ।

(ख) नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम,
गुलाबी चूड़ियाँ

स्रोत: - प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन : संपादक नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 2

इकाई-2

(क) रघुवीर सहाय : अधिनायक, रामदास, स्वाधीन व्यक्ति ।

स्रोत :- रघुवीर सहाय रचनावली, खण्ड-1, संपा. सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

(ख) दुष्यन्त कुमार : कहाँ तो तय था, हो गयी है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए, वो आदमी नहीं है, बाढ़ की संभावनाएं ।

स्रोत:- साये में धूप, दुष्यन्त कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 3

इकाई-3

(क) केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में ।

स्रोत:- यहाँ से देखो,केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

पानी की प्रार्थना, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर ।

स्रोत:- तालस्तॉय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

(ख) धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद ।

स्रोत:- संसद से सड़क तक - धूमिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

Unit 4

इकाई-4

1 भवानी प्रसाद मिश्र - गीत फ़रोश, झुर्रियों से भरता हुआ

2 राजेश जोशी : बच्चे काम पर जा रहे हैं,

आदतों के बारे में

3 अरुण कमल : नये इलाके में, धार

References

1. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा
3. आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव
5. समकालीन काव्य-यात्रा – नन्दकिशोर नवल
6. कविता की जमीन और जमीन की कविता – नामवर सिंह
7. समकालीन हिंदी कविता – रवींद्र भ्रमर
8. उत्तरछायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा
9. सुन्दर का स्वप्न – अपूर्वानन्द

Additional Resources:

1. समकालीन और साहित्य – राजेश जोशी
2. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरुप चतुर्वेदी
3. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा
4. हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
5. हिंदी नवगीत- युगीन सन्दर्भ – रामनारायण पटेल
6. नयी कविता और उसका मूल्यांकन – सुरेशचंद्र सहगल
7. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
8. छठवां दशक – विजय देव नारायण साही
9. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है । कालक्रम से विद्यार्थी छायावाद के बाद के युगबोध को ठीक से जान सकेंगे जो वर्तमान संदर्भो के अनुकूल होगा । छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे । हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है । ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है । साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है –

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइन्मेंट

Keywords

'आधुनिक', 'नयी कविता', 'समकालीनता', 'नवगीत', 'उत्तर छायावाद', 'काव्यभाषा', 'अस्तित्ववाद', 'प्रयोगवाद'।

हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य)
(BAHHCC04)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

- उत्तर मध्यकालीन कविता का अध्ययन समयावधि के साहित्य स्थिति से अवगत कराएगा
- सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन-विश्लेषण की जानकारी देना

Course Learning Outcomes

- हिन्दी के उत्तर-मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा |
- ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा |

Unit 1

1. केशवदास - रामचंद्रिका वन-गमन वर्णन
2. रहीम (अब्दुर्रहीम खानखानाँ) - रहीम ग्रंथावली ,संपादक : विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश

दोहावली - छंद संख्या 39, 49, 87, 126, 130, 166, 167, 175, 180, 212, 220, 222

Unit 2

3. बिहारी - बिहारी रत्नाकार : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकार' , शिवाला, वाराणसी

छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347, 363, 388

Unit 3

4. घनानंद - घनानंद (ग्रंथावली) ; संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; वाणी वितान; बनारस- 1

सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41, 49, 54)

Unit 4

(क) 5. भूषण - शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

छंद संख्या –50, 104, 411, 420, 443, 512, 515

(ख) 6. गिरिधर कविराय - गिरिधर कविराय ग्रंथावली; संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त

छंद संख्या – 11,16, 36, 70, 71, 89, 99

References

- बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) - संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त
- घनांनंद और स्वछंदतावादी काव्यधारा - मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
- कविवर बिहारलाल और उनका युग - रणधीर प्रसाद सिंह
- भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास - रामस्वरूप शास्त्री
- हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल - महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास , भाग - 6- संपा. डॉ. नगेन्द्र
- घनांनंद ग्रंथावली - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Additional Resources:

- सनेह को मारग - इमरै बंघा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन - कैलाश नारायण तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास(आदिकाल से रीतिकाल तक) - पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

मध्यकालीनता, सामंतवाद, इतिहास

हिंदी कहानी
(BAHHCC07)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी

कहानी विश्लेषण की समझ
कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विश्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार

Course Learning Outcomes

हिन्दी कथा साहित्य का परिचय

कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ

Unit 1

उसने कहा था - गुलेरी

पूस की रात - प्रेमचंद

छोटा जादूगर - प्रसाद

Unit 2

पाजेब - जैनेन्द्र

तीसरी कसम - रेणु

चीफ की दावत - भीष्म साहनी

Unit 3

माया का मर्म - निर्मल वर्मा

वापसी - उषा प्रियम्वदा

सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती

Unit 4

जंगल जातकम - काशीनाथ सिंह

दोपहर का भोजन - अमरकान्त

घुसपैठिए - ओमप्रकाश वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी - नामवर सिंह

नयी कहानी की भूमिका - कमलेश्वर

एक दुनिया समानान्तर - राजेंद्र यादव

हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय

कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी

नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी

हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश

हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ - सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

Additional Resources

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ - गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त

कहानी का लोकतन्त्र - पल्लव

पत्रिकाएँ - पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य

ई पत्रिका - हिन्दी समय, गद्य कोश

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कहानी

हिंदी नाटक/एकांकी
(BAHHCC12)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

आधुनिक हिन्दी नाटक और एकांकी के उद्भव और विकास की जानकारी देना.
नाट्य-विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना.
पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों और एकांकियों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा को खोजने का प्रयास करना.

Course Learning Outcomes

सम्बंधित नाटककारों के युग की सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक-धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगे.
विद्यार्थियों में भारत की एकता और सामाजिक समरसता के भाव का विकास होगा.
स्त्री-सशक्तिकरण के भाव को बल मिलेगा.
नैतिक मूल्यों का विकास होगा.
साहित्य, कला, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी.

Unit 1

भारत- दुर्दशा - भारतेन्दु

Unit 2

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

Unit 3

बकरी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

Unit 4

दीपदान- रामकुमार वर्मा

स्ट्राइक - भुवनेश्वर

सूखी डाली - उपेंद्रनाथ अश्क

तीन अपाहिज - विपिन कुमार अग्रवाल

References

नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना - सत्येंद्र तनेजा

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - संपा. नेमिचन्द जैन

हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार

हिंदी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा

हिंदी के प्रतीक नाटक - रमेश गौतम

हिंदी नाटकों में विद्रोह की परंपरा - किरणचंद शर्मा

जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन - विनोद शाही

प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना - गोविन्द चातक

Additional Resources:

हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी

नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा

नई रंगचेतना और बकरी - कुसुमलता

एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, एन॰एस॰डी भ्रमण

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

नाटक रंगमंच रंगकर्म पाठ प्रदर्शन

हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ
(BAHHCC14)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

अन्य गद्य विधाओं की जानकारी

विश्लेषण पद्धति
प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओं का अवलोकन

Course Learning Outcomes

कथेतर साहित्य का परिचय

विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

Unit 1

इकाई-1 निबंध

बालकृष्ण भट्ट - जातियों का अनूठापन (National charter) (भट्ट निबंधमाला, द्वितीय भाग, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊँट (राजकमल प्रकाशन, 1988)

सरदार पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम

रामचंद्र शुक्ल - अतीत की स्मृति

Unit 2

इकाई -2 निबंध

हजारीप्रसाद द्विवेदी - भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

विद्यानिवास मिश्र - तुम चन्दन हम पानी

हरिशंकर परसाई - वैष्णव की फिसलन

महादेवी वर्मा - हमारी श्रृंखला की कड़ियाँ

Unit 3

इकाई-3 जीवनी/आत्मकथा

पांडेय बेचन शर्मा - अपनी खबर, आत्माराम एंड संस

रामविलास शर्मा - 'निराला की साहित्य साधना' भाग-1 से 'नए संघर्ष'

शीर्षक अध्याय

Unit 4

इकाई - 4 संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा-वृत्तांत

संस्मरण : अज्ञेय के साथ - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से

रेखाचित्र : सुभान खाँ - रामवृक्ष बेनीपुरी, माटी की मूरतें, ग्रंथावली से

यात्रा वृत्तांत : राहुल सांकृत्यायन - अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

References

सहायक ग्रंथ

- हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- रामचंद्र शुक्ल संचयन - सं. नामवर सिंह (साहित्य अकादेमी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध - सं. नामवर सिंह (नेशनल बुक ट्रस्ट,इंडिया)
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण - विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भारतेन्दु युग - रामविलास शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य - हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री - पाल बसीन
- साहित्य से संवाद - गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया - विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, साहित्यिकता की समझ

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

सभी विधाएँ, यथार्थ, कल्पना, तथ्य, घटना आदि

हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास
(BAHHCC01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी (विशेष) प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना रहा है । भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है । हिंदी (विशेष) को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत अवश्यक है । साथ ही पूरी दुनिया ने वैश्वीकरण युग में प्रवेश कर लिया है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा । क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है । साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा ।

Course Learning Outcomes

प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1) उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा ।

2) हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा ।

3) कंप्यूटर को हिंदी भाषा से जोड़ने पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है ।

4) वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ-साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा । अत: यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के भी अनुकूल है ।

5) भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा ।

6) शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है । यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है ।

Unit 1

इकाई -1 : हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका

- भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्यभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- हिंदी शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)

Unit 2

इकाई -2 : हिंदी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क-भाषा, संचार भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरुप
- हिंदी का अंतरराष्ट्रीय सन्दर्भ

Unit 3

इकाई-3 : लिपि का इतिहास

- भारत में लिपि का इतिहास
- भाषा और लिपि का अंत: संबंध
- परिभाषा, स्वरुप एवं आवश्यकता
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भाव लिपि, ध्वनि-लिपि)

Unit 4

इकाई- 4 : देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
- देवनागरी लिपि और कंप्यूटर

References

1. हिंदी भाषा का विकास- धीरेन्द्र वर्मा
2. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
3. हिंदी भाषा – भोलानाथ तिवारी
4. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
5. आधुनिक हिन्दी के विविध आयाम - प्रो॰ कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ-संपादक - रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव

Additional Resources:

1. भारतीय पुरालिपि- डॉ. रामबलि पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
2. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
3. लिपि की कहानी – गुणाकर मुले

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

1. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि आधारित परियोजना कार्य ।
2. हिंदी भाषा की विभिन्न बोलियों का व्यावहारिक अध्ययन प्रस्तुत करना ।
3. हिंदी भाषा की विविध बोलियों की विशेषताओं का व्यावहारिक अध्ययन ।
4. चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनिलिपि के भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण ।
5. लिपि के विकास की ऐतिहासिक परम्परा का नमूनों सहित विश्लेषण ।
6. कंप्यूटर में हिंदी सीखने के लिए हिंदी की टंकण व्यवस्था एवं विभिन्न फ़ॉन्ट्स का व्यावहारिक ज्ञान ।

Keywords

लिपि', 'देवनागरी', 'भारोपीय', 'भाषा परिवार', 'संस्कृत', 'पालि', 'प्राकृत', 'अपभ्रंश', 'बोलियाँ', 'राष्ट्रभाषा', 'राजभाषा', 'संपर्क भाषा', 'चित्रलिपि', 'भावलिपि', 'आदिकाल', 'मध्यकाल', 'आधुनिककाल', 'ध्वनिलिपि', 'मानकीकरण', 'हिंदी कंप्यूटर', 'हिंदी फॉन्ट' ।

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)
(BAHHCC03)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी

- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course Learning Outcomes

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विश्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्धति

Unit 1

हिंदी साहित्य : इतिहास-लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल-विभाजन एवं नामकरण

Unit 2

आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3

भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति- आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)
3. अन्य काव्य

Unit 4

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन- पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)

- काव्य- प्रवृत्तियाँ

1. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
2. रीतिमुक्त काव्य
3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा. अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध - मुकेश गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार - संपा. गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य का अतीत - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - संपा. डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
(BAHHCC05)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय

साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course Learning Outcomes

विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है ।

साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ-साथ समाज के विकास को भी चिन्हित करना है ।
साहित्येतिहास के बिना साहित्य-विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं । अतः साहित्य-विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है ।

Unit 1

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण काल, नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेन्दु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिन्दी साहित्य से उनका संबंध

Unit 2

- कथा साहित्य
- नाटक
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा आख्यान, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, साक्षात्कार साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन)
- आलोचना

Unit 3

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

Unit 4

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेतर साहित्य
- आलोचना और साहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मिता विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

References

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह

2. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलास शर्मा
4. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
6 . हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7 . आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
8 . छायावाद - नामवर सिंह
9. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
10. तारसप्तक और दूसरा सप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण की भूमिकाएँ - संपादक-अज्ञेय
11. हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास - राजेंद्र गौतम
12 हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - रसाल सिंह

Additional Resources:

शिवसिंह सरोज - शिवसिंह सेंगर

हिंदी नवरत्न - मिश्र बंधु

हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

समकालीन हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी साहित्य का इतिहास - संपादक - डॉ. नगेन्द्र

हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी

हिंदी नाटक : नयी परख - संपादक - रमेश गौतम

कथेतर - माधव हाड़ा

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
समूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य, आधुनिक साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्य विवेक, कालजयी, साहित्येतिहास दृष्टियाँ, समाज और साहित्य की पहचान आदि ।

अवधारणात्मक साहित्यिक पद
(BAHHDSEC11)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय और पश्चिमी साहित्य की आलोचना के विशिष्ट पारिभाषिक शब्दों से परिचित करना है। इनमें से कई शब्द आलोचकों के आलेखों में अपना विशिष्ट स्थान रखने के कारण पारिभाषिक बन गए।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने-पढ़ाने की दिशा में निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे –

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में भारतीय और पश्चिमी आलोचना सिद्धांतों के बीज शब्दों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
2. साहित्य की आलोचना के प्रतिमानों में आने वाले पारिभाषिक शब्दों के विशिष्ट अर्थबोध को विस्तार से समझा जा सकता है।
3. पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थी इन बीज शब्दों के मूल सिद्धांतों का भी सहज विश्लेषण कर पाने में समर्थ हो सकेंगे।
4. अवधारणामूलक शब्दों का ज्ञान प्राप्त करके विद्यार्थी आलोचना की सैद्धांतिकता का सहज विश्लेषण कर सकेगा।

Unit 1

शब्द-शक्ति, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

अलंकार की अवधारणा, शब्दालंकार और अर्थालंकार

छंद की अवधारणा, मात्रिक और वर्णिक

Unit 2

रस और रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य, नाटक

Unit 3

शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, मानववाद, आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवादी यथार्थवाद, जादुई यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

Unit 4

विरेचन, त्रासदी, कल्पना, बिम्ब , प्रतीक, आधुनिकता और आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकता, निबंध, कहानी,उपन्यास

References

- **हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, बच्चन सिंह**
- **पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन**
- **हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, अमरनाथ**
- **साहित्यशास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश, राजेंद्र द्विवेदी**
- **मानविकी पारिभाषिक कोश, सं. डॉ. नगेंद्र**
- **भारतीय काव्यशास्त्र , सत्यदेव चौधरी**
- **नामवर के विमर्श, सुधीश पचौरी**
- **साहित्य सिद्धान्त, रामअवध द्विवेदी**
- **एक साहित्यिक की डायरी, मुक्तिबोध**
- **काव्यांग विवेचन, बलभद्र तिवारी**
- **संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, गोपीचन्द नारंग**
- **A Dictionary of Modern Critical Terms, Roger Fowler**

- **A Glossary of Literary Terms, M.A. Abraham**

Additional Resources:

Additional Resources:

- From work to text, Ronald Barthes
- Of Grammatology, J. Derrida
- Tension in Poetry, Allen Tate
- Style and Stylistics, Grahm Hough
- The Principals of Literary Criticism, I.A. Richards

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
(BAHHDSEC02)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान

प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण

Course Learning Outcomes

अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान

विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना
प्रमुख कृतियों का परिचय

Unit 1

इकाई - 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)

दलित स्त्रीवाद, लिंगभेद, पितृसत्ता

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

Unit 2

विमर्शमूलक कथा साहित्य : (1) ओमप्रकाश बाल्मीकि - सलाम (2)हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158-167 (3) ब्रजमोहन - क्रांतिवीर मदारी पासी, पृष्ठ संख्या : 44-57 (4) नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

Unit 3

विमर्शमूलक कविता :

क) दलित कविता : (1) हीरा डोम (अछूत की शिकायत), (2) मलखान सिंह (सुनो ब्राह्मण), (3) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा),(4) असंगघोष (मैं दूंगा माकूल जवाब)

ख)स्त्री कविता : (1)अनामिका (स्त्रियां), (2) निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो),(3) कात्यायनी (सात भाइयों के बीच चम्पा), (4) सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ)

Unit 4

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1 प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक

2 तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारम्भ पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3 महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न'

4॰ श्यौराज सिंह 'बेचैन' - मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)

References

सहायक ग्रन्थ

अम्बेडकर रचनावली - भाग-1

मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अम्बेडकर (अनुवादक श्यौराज सिंह 'बेचैन')

·गुलामगीरी- ज्योतिबा फुले

ज्योतिबा फुले : सामाजिक क्रांति के अग्रदूत - डॉ नामदेव

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार लिम्बाले

·दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय

·हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ - रजत रानी 'मीनू'

अस्मितामूलक विमर्श - रजत रानी मीनू

स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउवा

उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान

औरत होने की सजा -अरविंद जैन

नारीवादी राजनीति -जिनी निवेदिता

स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह

स्त्री स्वर : अतीत और वर्तमान - डॉ नीलम, डॉ नामदेव

आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता

सामाजिक न्याय और दलित साहित्य- श्यौराज सिंह 'बेचैन' (स॰)

Additional Resources:

दलित दस्तक

सम्यक भारत

अंबेडकर इन इंडिया

बहुरी नहीं आवना

नेशनल दस्तक (वेब लिंक)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म और डॉक्यूमेंट्री

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

अस्मितामूलक विमर्श से जुड़े तथ्य

कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश
(BAHHDSEC05)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी

Course Learning Outcomes

कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों से परिचित हो पाएंगे

Unit 1

कोश परिचय

अर्थ और परिभाषा

उपयोगिता और महत्व

हिंदी कोश के उपयोग के नियम (वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ, अनुस्वार एवं अनुनासिक, संयुक्त व्यंजन वर्ण)

Unit 2

कोश निर्माण

शब्द संकलन एवं चयन

प्रविष्टि (वर्तनी, क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)

शब्द का अर्थ और विस्तार

शब्द प्रयुक्तियाँ

Unit 3

कोश के प्रकार

कोश: वर्गीकरण के आधार

विषय के आधार पर(भूगोल कोश, इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश आदि)

भाषा के आधार पर (एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)

आकार के आधार पर (सामान्य और विश्वकोश)

पारिभाषिक शब्दावली

Unit 4

प्रमुख कोशों का परिचय

हिंदी-हिंदी शब्दकोश- वृहत हिंदी शब्दकोश, ज्ञानमंडल

अँग्रेजी-हिंदी शब्दकोश- फादर कामिल बुल्के

हिंदी-अँग्रेजी शब्दकोश- भोलानाथ तिवारी और महेंद्र चतुर्वेदी

विश्वकोश- हिंदी शब्दसागर- नागरी प्रचारिणी सभा

ई-कोश

References

कोश विज्ञान- भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना, प्रकार और रूप – रामचन्द्र वर्मा

हिंदी कोश साहित्य-अचलानंद जखमोला

हिंदी शब्दसागर- नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग

हिंदी साहित्य कोश- धीरेंद्र वर्मा

कोश- विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग- राम आधार सिंह

कोश निर्माण: प्रविधि एवं प्रयोग- त्रिभुवन नाथ शुक्ल

Lexicography: An Introduction- Howarel Jackson

भारत में कोश-निर्माण पर विशेष- गवेषणा; अंक-93; जनवरी- मार्च, 2009

नवीन कोश बनाम प्राचीन कोश- पुष्पलता तनेजा;'भाषा' हिन्दी पत्रिका में लेख

Additional Resources:

www.archive.org (hindishabdsagar)

www.britannika.com

www.e.vikipedia.org

www.encyclopedia.centre.com

www.culturepedia.com

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कोश विज्ञान से संबन्धित शब्द

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत
(BAHHDSEC03)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच के महत्वपूर्ण पक्षों का अध्ययन-विश्लेषण

नाटक-रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं का परिचय प्राप्त होगा
प्रदर्शनकारी कलाओं के साथ संवाद होगा

Course Learning Outcomes

रंगमंच की विभिन्न पद्धतियों और उनके चिंतकों से परिचय का अवसर प्राप्त होगा

नाटक-रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं के विश्लेषण का अवसर प्राप्त होगा

Unit 1

नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्यतत्व (भारतीय एवं पाश्चात्य), नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध, दृश्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन तथा नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

Unit 2

रंगकर्म: नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्म, नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

Unit 3

पश्चिमी नाट्यभेद- त्रासदी, कामदी, मेलोड्रामा एवं फार्स (सामान्य परिचय),नाटक के संदर्भ में भारतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

Unit 4

प्राचीन भारतीय नाट्यरूप- रूपक, उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय), आधुनिक भारतीय नाट्यरूप- एकांकी, काव्य-नाटक, रेडियो-नाटक, नुक्कड़-नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय)

References

रंगमंच- बलवंत गार्गी

रंगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक

रंगदर्शन- नेमिचन्द्र जैन

रंगमंच देखना और जानना- लक्ष्मीनारायण लाल

भरत और भारतीय नाट्यकला- सुरेन्द्रनाथ दीक्षित

नाट्यशास्त्र विश्वकोश- राधावल्लभ त्रिपाठी

Additional Resources:

रंगकर्म- वीरेंद्र नारायण

रंग-स्थापत्य- एच. वी. शर्मा

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच- सीताराम चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सभी शब्दावली

भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन
(BAHHDSEC09)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

भारतीय साहित्य का ज्ञान

व्यक्तित्व विकास में सहायक
अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

Unit 1

- वाल्मीकि - 'सप्तपर्णा' ; रामकाव्य का जन्म ; पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास - 'उत्तरमेघ' ; नागार्जुन की चुनी हुई रचनाएँ ; पृष्ठ 345-349 ; छंद सं. 22 से 27, 37,47 ; भगवतशरण उपाध्याय/ नागार्जुन कृत अनुवाद
- गाथा सप्तशती ; डॉ. हरिराम आचार्य ; प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर;
प्रथम शतक ; श्लोक संख्या 4, 6, 33, 45, 49, 58, 77;
षष्ठ शतक; श्लोक संख्या 30, 35, 38

Unit 2

(क) नामदेव - साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित 'हिंदी ज्ञानेश्वरी' से, आलवार पद्य शंकरदेव की रचनाएँ
मध्यकालीन तेलुगु कवि वेमना - साहित्य अकादमी
(ख) लल द्यद - भाषा, साहित्य और संस्कृति - विमलेश कांति वर्मा
कश्मीरी साहित्य का इतिहास ; पृष्ठ 30-44; शशि शेखर तोशखानी ; जे एण्ड के अकादमी ऑफ आर्ट कल्चर एंड लैंग्वेजेज़े ; नहर मार्ग, जम्मू ; प्रथम संस्करण 1985;

- मुझ पर वे चाहे हंसे...
- गुरू ने मुझसे कहा...
- हम ही थे ...
- पिया को खोजने...
- देव फिर पूजा कैसी...
- यह देवता भी पत्थर ही है...
- मैं सीधे पथ से ही आयी...

Unit 3

(क) रवींद्रनाथ टैगोर गीताजंलि के कुछ अंश साहित्य के 'रवींद्र रचना संचयन' से ; साहित्य अकादमी ; प्रकाशन वर्ष 1987; भारत तीर्थ, धूलि मंदिर ; पृष्ठ 131-135
(ख) सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ ; साहित्य अकादमी ; संस्करण 1983 ; 'स्वतंत्रता का गान' पृष्ठ 46-47
(ग) वल्लतोल की कविताएँ ; साहित्य अकादमी 1959; 'क्षमा प्रार्थना' ; पृष्ठ 82, 83, 84

Unit 4

(क) उपन्यास -अंश : शिवाजी सावंत कृत 'मृत्युंजय' ; संस्करण 39 ; वर्ष 2012 ; भारतीय ज्ञानपीठ ; प्रथम खण्ड (कर्ण); पृष्ठ 19-117
(ख) जीवनी-अंश : नारायण देसाई कृत 'अग्निकुंड में खिला गुलाब' ; पृष्ठ 95-107
(ग) नाटक : हयवदन ; गिरीश कर्नाड ; राधाकृष्ण प्रकाशन ; संस्करण-1977 ; पृष्ठ 17- 73
(घ) कहानी : तक्शी शिवशंकर पिल्लै - खून का रिश्ता (मलयालम कहानियाँ)
भारतीय शिखर कथा कोश, संपादक - कमलेश्वर

References

- आज का भारतीय साहित्य - प्रभाकर माचवे
- वैदिक संस्कृति का विकास - तर्क तीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास -डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य कोश - डॉ. नगेन्द्र
- भाषा, साहित्य और संस्कृति - सं. विमलेश कांति वर्मा
- बांग्ला साहित्य का इतिहास - सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन
- मलयालम साहित्य का इतिहास - पी. के. परमेश्वरन नायर
- कन्नड़ साहित्य का इतिहास - एस. मुगली
- तमिल साहित्य का इतिहास - मु. वरदराजन
- साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
- उर्दू भाषा और साहित्य - फिराक गोरखपुरी

Additional Resources:

- भारतीय साहित्य - दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
- भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन - गौरीशंकर पंड्या
- अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम - संपा. सतीश कुमार मेहरा

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

- लिखित परीक्षा
- आंतरिक मूल्यांकन पद्धति

भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा
(BAHHDSEC06)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय

अखिल भारतीय साहित्य की अवधारणा और व्यावहारिकता की समझ

Course Learning Outcomes

अखिल भारतीय साहित्य की समझ विकसित होगी

एकसूत्रता में सांस्कृतिक विविधता की समझ

Unit 1

भारतीय अस्मिता का स्वरूप : भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक

भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता

विविधता में एकता के अंतः सूत्र : भाषा, संस्कृति और साहित्य का अन्तस्संबंध

भारतीय साहित्य की संकल्पना, भारतीय साहित्य के आधार- तत्त्व

भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप

Unit 2

भारतीय साहित्य का परिचय

वैदिक साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य

पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य

प्राचीन तमिल साहित्य

Unit 3

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

आधुनिकता-पूर्व भारतीय साहित्य : तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया, असमिया, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, हिंदी

Unit 4

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

आधुनिक भारतीय साहित्य, भारतीय साहित्य के प्रमुख आन्दोलन - भक्ति आन्दोलन, नवजागरण एवं राष्ट्रीय आन्दोलन, स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य, उत्तर-आधुनिक संदर्भ

References

आज का भारतीय साहित्य - प्रभाकर माचवे

वैदिक संस्कृति का विकास - तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास- डॉ॰ नगेंद्र
भारतीय साहित्य कोश- डॉ॰ नगेंद्र
भाषा, साहित्य और संस्कृति-संपा॰ विमलेशकान्ति वर्मा
बांग्ला साहित्य का इतिहास-सुकुमार सेन ; अनु॰ निर्मला जैन
मलयालम साहित्य का इतिहास-पी॰ के॰ परमेश्वरन नायर
कन्नड़ साहित्य का इतिहास-एस॰ मुगली
तमिल साहित्य का इतिहास-मु॰ वरदराजन
साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी॰ डी॰
उर्दू भाषा और साहित्य-फ़िराक़ गोरखपुरी

Additional Resources:

भारतीय साहित्य - दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन

भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप-दर्शन गौरीशंकर पांडया
अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम - संपा॰ सतीश कुमार मेहरा
भारतीय भाषा साहित्य - विभूति मिश्र

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

लोकनाट्य
(BAHHDSEC07)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी

कुछ प्रमुख नाट्य कृतियों से विश्लेषण क्षमता पुष्ट होगी
लोक-भावना और भारत-बोध के बीच संवाद होगा

Course Learning Outcomes

पर्यटन, लोक-संगीत, विभिन्न नाट्य रूपों में रुचि जाग्रत होगी

लोक-भावना और भारत-बोध के बीच संवाद होगा

भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी

Unit 1

लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और इतिहास

(प्रमुख रूपों का परिचय एवं पाठ) लोकनाट्य रामलीला, सांग, ख्याल, माच,अंकिया, पांडवानी, बिदेसिया एवं नौटंकी

Unit 2

बिदेसिया – भिखारी ठाकुर

Unit 3

सांग - नल दमयंती : लख्मीचंद

Unit 4

माच - राजा भरथरी : सिद्धेश्वर सेन

References

वाचिक कविता: भोजपुरी- पंडित विद्यानिवास मिश्र

महाकवि शंकरदेव: विचारक एवं समाजसुधारक – डॉ. कृष्ण नारायण प्रसाद ' मागध'

भारत के लोकनाट्य- शिवकुमार 'मधुर'

मध्यप्रदेश लोक-कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

परम्पराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

भारतीय लोकरंगमंच- डॉ. पूर्णचन्द्र शर्मा

नाटक और रंगमंच- डॉ. सीताराम झा 'श्याम'

भोजपुरी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति – विजय कुमार

Additional Resources:

पूर्वांचल प्रसंग-महावीर सिंह

पांडवानी महाभारत की लोकनाट्य शैली- निरंजन महावर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप से देखना

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्द

शोध-प्रविधि
(BAHHDSEC10)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूकता बढ़ाना

शोध के स्वरूप की जानकारी देना
शोध की आवश्यकता को समझाना
शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझाना
व्यावहारिक शोध का प्रारूप तैयार करना सिखाना

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूकता को बढ़ा सकेंगे
- शोध के स्वरूप की व्यावहारिक समझ बढ़ेगी
- शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझ सकेंगे
- व्यावहारिक शोध का प्रारूप तैयार करना सीख सकेंगे

Unit 1

शोध प्रविधि : स्वरूप और परिचय

शोध से अभिप्राय : स्वरूप और विशेषताएँ
शोध के प्रकार
हिन्दी में शोध: दशा और दिशा

Unit 2

- शोध में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और परिकल्पना
- शोध में सत्य और तथ्य
- शोध और आलोचना
- प्रमुख शोध पद्धतियाँ : तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक/ शैलीवैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक, अंतर-अनुशासनात्मक

Unit 3

शोध में विषय चयन

शोध और तथ्य विश्लेषण
शोध और निष्कर्ष
शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण प्रक्रिया

Unit 4

शोध सम्बन्धी समस्याएँ

एक अच्छे शोधार्थी के गुण
शोध के साधन और उपकरण
संदर्भ सूची निर्माण की प्रक्रिया

Practical

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत

15 अंक : एक शोध-सर्वे और मौलिक निष्कर्ष प्रस्तुति के लिए निर्धारित किए जाएँ|
10 अंक : सैद्धांतिक जानकारी हेतु टेस्ट का प्रावधान

References

- W. Lawrence Neuman, Social Research Methods: Qualitative and Quantitative Approaches, University of Wisconsin, Whitewater2011 Pearson
- विनय मोहन शर्मा - शोध प्रविधि
- सावित्री सिन्हा - अनुसंधान का स्वरूप
- सावित्री सिन्हा/ विजयेंद्र स्नातक - अनुसंधान की प्रक्रिया
- भ. ह. राजूरकर/ राजमल बोरा - हिंदी अनुसंधान का स्वरूप
- बैजनाथ सिंहल - शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि

Additional Resources:

C. R. Kothari (2004), *Research methodology methods & techniques,* New Delhi: New Age International (P)

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) सामूहिक परिचर्चा

3) परियोजना कार्य

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइन्मेंट

हिंदी की भाषिक विविधताएँ
(BAHHDSEC08)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विभिन्न भाषाई रूपों मे साहित्य की समझ

बोलियों और हिन्दी के विविध रूपों की समझ
साहित्यिकता और भाषाई संस्कृति की समझ

Course Learning Outcomes

प्रमुख रचनाकारों और प्रस्तुतियों से लाभान्वित होना

विश्लेषण क्षमता
साहित्यिकता की समझ विकसित करना
पर्यटन, नृत्य-संगीत आदि में रूचि का अवसर

Unit 1

(क) वाचिक हिंदी के क्षेत्रीय रूप - बिहारी , बम्बइया, दक्षिण भारतीय, हरियाणवी, पंजाबी, हिंग्लिश

सिनेमा, साहित्य और मीडिया, नए मीडिया में हिंदी की विविध छवियाँ

(ख) साहित्यिक भाषा के रूप में हिंदी की विविधता - कबीर , अमीर खुसरो , बुल्ले शाह, गद्य और आधुनिक साहित्यिक हिंदी

Unit 2

(क) कबीर - हमन हैं इश्क मस्ताना, अमीर खुसरो की मुकरियां

(ख) वली दकनी - किया मुझ इश्क ने जालिम कूं आब आहिस्ता- आहिस्ता
कि आतिश गुल कूं करती है गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

वफ़ादारी ने दिलबर की बुझाया आतिश-ए-गम कूं
कि गर्मी दफ़ा करता है, गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

अजब कुछ लुरु रखता है शब्-ए-खल्वित में गुलरू सूँ,
ख़िताब अहिस्ता - अहिस्ता, जवाब आहिस्ता - आहिस्ता

मेरे दिल कूँ किया बेखुद तेरी अंखियों ने आखरि कूँ,
कि ज्यूँ बेहोश करती है शराब आहिस्ता - आहिस्ता

हुआ तुझ सूँ ऐ आतिशी रू दिल मीरा पानी,
कि ज्यूँ गलता है आतिश सूँ गुलाब आहिस्ता - आहिस्ता

अदा-ओ-नाज सूँ आता है वो रौशन जबीं घर सूँ ,
कि ज्यूँ माश्रिक सूँ निकले आफताब आहिस्ता- आहिस्ता

'वली' मुझ दिल में आता है खयाल-ए-यार-ए-बेपरवाह,
कि ज्यूँ अंखियां में आता है ख्वाब आहिस्ता - आहिस्ता

Unit 3

(क) बनारसीदास और अर्द्धकथानक

(ख) ग़ालिब की शायरी

Unit 4

(क) इंशा अल्ला खां - रानी केतकी की कहानी

(ख) फणीश्वरनाथ रेणु - पंचलैट

References

हिंदी भाषा - किशोरीदास बाजपेयी

उर्दू का आरंभिक युग - शम्सुर्रहमान फारुकी

भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

Additional Resources:

उर्दू भाषा और साहित्य - फ़िराक गोरखपुरी

राही मासूम रजा ---सिनेमा और संस्कृति

जानकी प्रसाद शर्मा - उर्दू साहित्य की परम्परा

भाषाई अस्मिता और हिंदी - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वाचन, प्रस्तुति देखना

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्द

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा
(BAHHDSEC01)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- हिन्दी की मौखिक साहित्य की परंपरा से अवगत हो सकेंगे
- लोक साहित्य परंपरा के अध्ययन से भारतीय लोक-जीवन को करीब से जानने का अवसर प्राप्त होगा

Course Learning Outcomes

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोकसंगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

Unit 1

मौखिक साहित्य की अवधारणा: सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप- लोक-गीत, लोक-कथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ , बुझौवल और मुहावरे, हिन्दी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय), मौखिक साहित्य और समाज।

Unit 2

लोकगीत- वाचिक और मुद्रित

संस्कार-गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि।

सोहर भोजपुरी: संस्कार गीत – श्री हंस कुमार तिवारी – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पृष्ठ -8, गीत संख्या-04

सोहर अवधी– हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय- पृष्ठ- 110, 111 (साहित्य भवन,इलाहाबाद)

यज्ञोपवीत- भारतीय लोक-साहित्य; परंपरा और परिदृश्य- विद्या सिन्हा, पृष्ठ-88-89

विवाह – भोजपुरी- भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ- 116

ऋतुसंबंधी गीत : बारहमासा, होली, चैती, कजरी इत्यादि।

पाठ: हिन्दी प्रदेश के लोकगीत: कृष्णदेव उपाध्याय, पृष्ठ-205

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य: शंकर लाल यादव, पृष्ठ-231

वाचिक कविता: भोजपुरी : पंडित विद्यानिवास मिश्र, पृष्ठ-51

श्रम संबंधी गीत : कटनी, जँतसर, दँवनी, रोपनी इत्यादि।

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत- हिंदी प्रदेश के लोकगीत :कृष्णदेव उपाध्याय, पृष्ठ-134-135

जंतसारी: भोजपुरी - भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ- 140-141

विविध गीत : घुघुति- कुमाउनी : कविता कौमुदी : ग्रामगीत: पंडित रामनरेश त्रिपाठी,पृष्ठ- 802-803

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाओं एवं लोकगाथाओं आल्हा, लोरिक, सारंगा-सदावृक्ष, बिहुला

राजस्थानी लोक कथा नं. 2 , हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11

सोलहवां भाग

मालवी लोककथाएँ नं. 2 हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

अवधी लोककथा नं. 2 हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

Unit 4

लोकनाट्य: विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला; रासलीला मालवा का नाच,राजस्थान का ख़्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी,भांड, रासलीला, बिहार-बिदेसिया, हरियाणा सांग **(क)** पाठ: संक्षिप्त पद्मावत सांग रागिनी संख्या 1,3,6,7,8, 13,14, 17,18, 19, 28, 34, 37, 38, 43, 58, 60, 67 (लखमीचन्द ग्रंथावली, सं. प्रो. पूरंचन्द शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी)

(ख)बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

References

- हिंदी प्रदेश के लोकगीत- कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य- शंकर लाल यादव
- मीट माई पीपल- देवेंद्र सत्यार्थी
- मालवी लोकसाहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
- रसमंजरी – सुचिता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान,मारीसस
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- वाचिक कविता : भोजपुरी , पंडित विद्यानिवास मिश्र
- भारतीय लोकसाहित्य: परंपरा और परिदृश्य- विद्या सिन्हा
- कविता कौमुदी : ग्रामगीत- पंडित रामनरेश त्रिपाठी
- हिंदी का लोक : कुछ रस, कुछ रंग - रसाल सिंह

Additional Resources:

- लखमीचंद का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- सूत्रधार – संजीव
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोक-कला अकादमी की पत्रिका – चौमासा
- चीनी लोककथाएँ – अनिल राय

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
(BAHHDSEC04)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा के समुचित ज्ञान के लिए व्याकरण का सही ज्ञान होना अत्यंत अनिवार्य है । ध्वनि, शब्द, पद, वाक्यांश का न केवल ज्ञान होना चाहिए वरन किसी भी भाषा को एकरूप बनाने में व्याकरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । व्याकरण भाषा को विश्रृंखल होने से रोकता है । वर्तमान समय में हिंदी भाषा के वैश्वीकृत होते रूप को सुदृढ़ करने हेतु व्याकरण को व्यावहारिक बनाना भी अनिवार्य हो गया है । यह पाठ्यक्रम व्याकरण के सैद्धांतिक रूप के साथ - साथ व्यावहारिक शिक्षा पर बल देता है । व्यावहारिक व्याकरण का उद्देश्य न केवल भाषा का शुद्ध प्रयोग करना सिखाना है वरन अभ्यास के माध्यम से उसे प्रयोग में भी ठीक प्रकार से लाना है ।

व्यावहारिक व्याकरण के निम्नलिखित उद्देश्य है :-

1) विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित करना ।

2) हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना ।

3) भाषा के मानक रूप को स्थायित्व देने पर बल देना ।

4) भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान होना ।

5) ध्वनि, वर्ण, शब्द, पद, वाक्य एवं व्याकरण के अन्य नियमों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण' पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे –

1) हिंदी भाषा वर्तमान समय में तेजी से वैश्वीकृत हो रही है । अतः हिंदी के स्वरुप को आधार रूप से ही सुगठित बनाने की प्रक्रिया पर बल देना चाहिए । यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा को आधार रूप से व्यवस्थित करेगा ।

2) यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भाषागत रूप को शुद्ध करने का पूर्ण प्रयास करता है ।

3) विद्यार्थियों में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा ।

4) हिंदी भाषा के व्याकरणिक रूप को स्थिर किया जा सकेगा ।

5) भाषा का अनुशासनबद्ध होना अत्यंत आवश्यक है । व्यावहारिक व्याकरण अपने सैद्धांतिक रूप के साथ- साथ इसके प्रयोग रूप को भी मान्यता प्रदान करता है ।

6) मौखिक अभिव्यक्ति के मानक, अमानक रूपों को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जाना जा सकता है ।

7) हिंदी भाषा को संतुलित रूप प्रदान करने में और सर्वमान्य भाषा का प्रयोग करने में यह पाठ्यक्रम सक्षम है ।

Unit 1

इकाई -1 भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा, महत्व और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि और वर्ण
- हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर, व्यंजन और मात्राएं)

Unit 2

इकाई -2 शब्द- विचार

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना एवं स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियां (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि) केवल परिभाषा एवं भेद
- शब्दों का रूपांतरण, शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द-निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास)

Unit 3

इकाई -3 पद - विचार

- पद का स्वरुप
- शब्द और पद में अंतर
- विकारी शब्दों की रूप रचना (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
- अविकारी शब्द (अव्यय)

Unit 4

इकाई -4 वाक्य - विचार

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर)
- वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम- चिह्न)
- वाक्यगत अशुद्धियां

References

1. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा
2. भारतीय पुरालिपि - डॉ. राजबलि पाण्डेय
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक - डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
5. लिपि की कहानी - गुणाकर मुले
6. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

Additional Resources:

1. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
3. हिंदी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
4. हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
5. Hindi Linguistic - R.N.Shrivastava
6. A Grammer of the Hindi Language-Kellog

Teaching Learning Process

'हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण' पाठ्यक्रम को ठीक प्रकार से संचालित करने हेतु सिद्धांत के अतिरिक्त 'प्रयोग' पर अधिक बल देना चाहिए । उदाहरणों को समझाने हेतु चित्रों का प्रयोग किया जा सकता है एवं पी.पी.टी (power point presentation) तथा दृश्य –श्रव्य माध्यम इत्यादि के द्वारा प्रभावी बनाया जा सकता है । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

भाषा', 'व्याकरण', 'ध्वनि', 'वर्ण', 'स्वर', 'व्यंजन', 'मात्रा', 'शब्द', 'संज्ञा', 'सर्वनाम', 'विशेषण', 'क्रिया' 'उपसर्ग', 'प्रत्यय', 'संधि', 'समास', 'पद', 'विकारी' 'शब्द', 'अविकारी शब्द', 'अव्यय', 'वाक्य', 'वाक्य संरचना', 'पदक्रम' 'अन्विति', 'विराम चिह्न', 'वाक्यगत अशुद्धियां' ।

हिंदी रंगमंच
(BAHHDSEC12)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना

हिन्दी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes

रंगमंच के विकास के साथ - साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पाएंगे
पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी
भारतबोध विकसित होगा

Unit 1

(क) पारंपरिक रंगमंच

रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, पांडवानी, अंकिया, सांग, ख्याल, माच (सामान्य परिचय)

(ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन परंपरा और आधुनिक रंगमंच

Unit 2

हिंदी रंगमंच की विकास यात्रा

(क)हिन्दी रंगमंच : पारसी थिएटर, भारतेन्दु युगीन रंगमंच, माधव प्रसाद शुक्लयुगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर

(ख) रंग संस्थाएँ : रंग- प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,

रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल; भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ ।

Unit 3

आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध, यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक शैली

Unit 4

प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि :राधेश्याम कथावाचक, श्यामानंद जालान, सत्यदेव दुबे, ब. व. कारंत, इब्राहिम अल्काजी

References

परंपराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

मेरा नाटक काल- राधेश्याम कथावाचक

पारसी हिंदी रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

पहला रंग- देवेंद्र राज अंकुर

भिखारी ठाकुर: भोजपुरी के भारतेन्दु- भगवत प्रसाद द्विवेदी

नाटक और रंगमंच – सीताराम झा 'श्याम'

अंकिया नाट- विरंचिकुमार बरुआ (सं)

असमिया साहित्य चानेकी – हेमचन्द्र गोस्वामी

Additional Resources:

कंटेम्प्रेरी इंडियन थिएटर: इंटरव्यू विद प्लेराइटर्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी

पांडवानी महाभारत की एक लोकनाट्य शैली – निरंजन महावर

छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा- महावीर अग्रवाल

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, व्यावहारिक ज्ञान के लिए एन॰एस॰ डी॰ भ्रमण, ऑनलाइन विडियो

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

रंगमंच संबंधी पारिभाषिक शब्दावली

अनुवाद-कौशल
(BAHHSEC04)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी देना

विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी

विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन
प्रयोगात्मक कार्य

Unit 1

अनुवाद का स्वरूप, महत्व और प्रकार

भारत का भाषायी परिदृश्य

अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएं, अनुवाद- संबंधी संस्थाएं और उनके कार्य, अनुवाद कार्य में प्राकाशनाधिकार

Unit 2

अनुवाद की सामग्री; विभिन्न प्रयुक्तियाँ

अनुवाद प्रक्रिया

अनुवाद के उपकरण

Unit 3

अभ्यास 01 (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी)

सर्जनात्मक साहित्य

ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य

सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अभ्यास- 02 (अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी)

जनसंचार

प्रशासनिक अनुवाद

बैंकिंग अनुवाद

विधि अनुवाद

References

अनुवाद के भाषिक सिद्धान्त- कैटफोर्ड, जे. सी. सिद्धान्त (अनुवादक : डॉ. रविशंकर दीक्षित)

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुवाद के सिद्धांत – रेड्डी आर. आर ; (अनुवाद: डॉ. जे. एल. रेड्डी)

साहित्य अकादमी, मंडी हाउस, नई दिल्ली

Additional Resources:

अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : गोपीनाथन जी. , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. नगेंद्र

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा- सुरेश कुमार ; वाणी प्रकाशन, दिल्ली

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, परियोजना कार्य

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा
(BAHHSEC02)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत अवश्यक है । पूरी दुनिया ने वैश्वीकृत युग में प्रवेश कर लिया है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा । क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है । साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

- विद्यार्थी कंप्यूटर को हिंदी माध्यम से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा और कंप्यूटर के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
- हिंदी के विभिन्न फॉन्ट सीखकर कंप्यूटर पर सुगमता से कार्य कर सकेगा ।
- हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइट्स का प्रयोग कर सकेगा ।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियों और संभावनाओं को जान पाएगा।
- ई-गवर्नेंस, ई-लर्निंग, एस.एम.एस.(SMS) की हिंदी का प्रयोग कर पाएगा।
- हिंदी के माध्यम से कंप्यूटर की दुनिया से परिचित हो जाएगा।
- राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकेगा
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है । अनेक चुनौतियों का सामना सशक्त भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित हो सकेगा ।
- छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।

Unit 1

इकाई-1 कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

- कंप्यूटर का परिचय और विकास के विभिन्न चरण
- कंप्यूटर में हिंदी आरम्भ
- कंप्यूटर में हिंदी के विविध फॉण्ट
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

Unit 2

इकाई-2 हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- इन्टरनेट पर हिंदी एवं इंटरनेट में प्रयोग होने वाली हिंदी
- यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा
- हिंदी और वेब डिज़ाइनिंग
- हिंदी की विभिन्न वेबसाइट

Unit 3

इकाई-3 हिंदी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस

- राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार में कम्प्यूटर की भूमिका
- ई-गवर्नेंस में हिंदी का प्रयोग

- कंप्यूटर के माध्यम से हिंदी शिक्षण और ई-लर्निंग
- सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में प्रयोग होने वाली हिंदी भाषा

Unit 4

इकाई- 4 हिंदी भाषा और कंप्यूटर : विविध पक्ष

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ
- एस. एम .एस .की हिंदी
- न्यू मीडिया और हिंदी भाषा
- हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड

References

1. आधुनिक जनसंचार और हिंदी - हरिमोहन
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा
3. कंप्यूटर और हिंदी - हरिमोहन
4. हिंदी भाषा और कंप्यूटर - संतोष गोयल
5. कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत - पी. के. शर्मा
6. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद - संपा. संजय द्विवेदी
7. जनसंचार और मास कल्चर - जगदीश्वर चतुर्वेदी

Additional Resources:

1. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज - संपा. संजय द्विवेदी
2. नए ज़माने की पत्रकारिता - सौरभ शुक्ला
3. पत्रकारिता से मीडिया तक - मनोज कुमार
4. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ - जवरीमल्ल पारख

Teaching Learning Process

सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपूर्णता प्राप्त कर सकें । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

1. हिंदी भाषा और कंप्यूटर आधारित परियोजना कार्य ।
2. कंप्यूटर के विकास की ऐतिहासिक परम्परा और हिंदी का विश्लेषण ।
3. कंप्यूटर में हिंदी सीखने के लिए हिंदी की टंकण व्यवस्था एवं विभिन्न फ़ॉन्ट्स का व्यावहारिक ज्ञान देना ।
4. दृश्य – श्रव्य माध्यमों के प्रभावी रूप द्वारा शिक्षण
5. कक्षा में मौखिक और लिखित परीक्षा

Keywords

'प्रौद्योगिकी', 'इंटरनेट','फॉन्ट', 'ई-लर्निंग', 'एस.एम.एस', 'की-बोर्ड', 'देवनागरी', 'वेबसाइट्स','वेब डिज़ाइनिंग', 'ई-गवर्नेंस', 'राजभाषा', 'न्यू मीडिया'

कार्यालयी हिंदी
(BAHHSEC05)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र लेखन का ज्ञान कराना
कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र हिन्दी से अंग्रेजी तथा अग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास कराना
कार्यालयी मसौदे और पत्राचार का औपचारिक ज्ञान

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा की सैद्धान्तिक व व्यावहारिक जानकरी होगी

हिन्दी की आवश्यकताओं और रोजगार क्षेत्रों की मांग का अनुमान कर सकेंगे

Unit 1

कार्यालयी हिन्दी

- कार्यालयी हिन्दी : अभिप्राय तथा उद्देश्य
- सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी में सम्बन्ध और अंतर
- कार्यालयी हिन्दी : स्थिति और सम्भावनाएँ
- कार्यालयी हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : राजकीय, सरकारी, अर्ध-सरकारी, सार्वजनिक उपक्रम

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

- कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम, अनुभाग के नाम
- मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले सम्बोधन और निर्देश
- औपचारिक पदावली/अभिव्यक्तियाँ

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार

- पत्राचार के विविध रूप : सामान्य परिचय
- पत्र
- ज्ञापन
- परिपत्र
- अशासनिक पत्र
- अनुस्मारक
- पृष्ठांकन(एंडोर्समेंट)
- अधिसूचना
- निविदा
- संकल्प(रेजोल्यूशन)
- प्रेस विज्ञप्ति
- घोषणा(प्रोक्लेमेशन)
- आवेदन

Unit 4

टिप्पण, प्रारूपण,संक्षेपण, प्रतिवेदन, अनुवाद अभ्यास

- प्रारूपण: तत्व,प्रक्रिया, लेखन विधि
- टिप्पण: प्रकार, लेखन विधि
- संक्षेपण: तत्व,प्रकार, लेखन विधि
- प्रतिवेदन: तत्व, लेखन विधि
- अनुवाद अभ्यास (हिन्दी-अंग्रेजी)

References

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग, लेखक - डॉ. दंगल झाल्टे

2. प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पांडेय

4. प्रारूपण, शासकीय प्रचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव

5. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी

6. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम, लेखक : डॉ. महेंद्र सिंह राणा

Additional Resources:

अतिरिक्त स्रोत : नेट

http://rajbhasha.gov.in/sites/default/files/saralshabdavali.pdf

---

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

प्रोजेक्ट के रूप में

कार्यालयी शब्दावली/ वाक्य/ पत्र का हिन्दी से अंग्रेजी तथा अग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास कराया जाए ।
कार्यालयी पत्राचार का औपचारिक अभ्यास कराया जाए ।

Keywords

कार्यालयी हिंदी, राजकीय, निजी, अनुवाद, पत्र-लेखन, प्रारूपण, संक्षेपण, टिप्पण, हिंदी - तकनीकी दक्ष आदि ।

भाषा और समाज
(BAHHSEC07)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषा और समाज का अन्तःसम्बन्ध स्पष्ट करते हुए भाषा और समाज के विविध पहलुओं को जानना | भाषा व्यवस्था और उसके विविध रूपों से अवगत होना तथा भाषा के समाजशास्त्र के विविध रूपों का अध्ययन करना ताकि समाज में आ रहे बदलावों को समझा जा सके |

Course Learning Outcomes

भाषा और समुदाय को बदलते भारतीय परिवेश में जानना | भाषा और जातीयता के विविध रूपों का विश्लेषण करना, द्विभाषिकता और बहुभाषिकता के विविध प्रारूपों से अवगत होना तथा उनका सन्दर्भगत विवेचन | भाषा और संस्कृति के मूल बिन्दुओं की गहन जानकारी प्राप्त करना | भाषा सर्वेक्षण, उनके विविध रूप तथा भाषा नमूनों का विश्लेषण करना तथा भाषा के नवीन प्रयोग का अध्ययन करना |

Unit 1

इकाई -1

भाषा, समाज और संस्कृति

भाषा और समाज का अन्तःसम्बन्ध

भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार

भाषा समाज विज्ञान और उसके विविध स्वरुप

भाषा का समाजशास्त्र

Unit 2

इकाई -2

भाषायी विविधता और भाषिक समुदाय

भाषा और समुदाय

भाषा, परिवेश और जाति

भाषा और जातीयता

द्विभाषिकता और बहुभाषिकता (पिजिन और क्रियोल)

Unit 3

इकाई -3

भाषा और सामाजिक व्यवहार

भाषा और वर्ग

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग

भाषायी अस्मिता और जेंडर

भाषा और संस्कृति

Unit 4

इकाई -4

भाषा सर्वेक्षण

भाषा सर्वेक्षण स्वरूप और प्रविधि

भाषा नमूनों का सर्वेक्षण

भाषा नमूनों का विश्लेषण

भाषा के नवीन प्रयोग

References

भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह

Additional Resources:

आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पांडेय

Socio Linguistics: An Introduction to Language and Society -- Peter Trudgill

Socio Linguistics – R.A Hudson

An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh

The Shadow of Language – George Yule

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

भाषाई दक्षता : समझ और संभाषण
(BAHHSEC06)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषा का न केवल ज्ञान रखना , प्रत्युत उसमें दक्षता एवं निपुणता प्राप्त करना प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है । इसमें पारंगत होने के लिए जहां एक ओर इसके साहित्य का अवगाहन आवश्यक है ,वहां इसके परिमार्जित और परिष्कृत रूप से परिचित होना तथा उसे व्यवहृत करना भी जरूरी है । हिन्दी उच्च माध्यम की भाषा है । देश की राजभाषा , राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क की भाषा है । व्यावसायिकता के इस युग में जहां भाषा के रोज़गारमूलक आयाम देश-विदेश में प्रशस्त हो उठे हैं तो आज जरूरत है उसकी क्षमता को , उसकी शक्ति को , उसके बहुमुखी आयामों को जानें और पहचानें । भाषा – दक्षता : समझ और संभाषण पाठ्यक्रम इसी उद्धेश्य की पूर्ति की दिशा में एक कदम है । जो कि सराहनीय है ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने पढ़ाने की दिशा मे निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे ।

1. स्नातक स्तर के छात्रों को भाषा -दक्षता: समझ और संभाषण से संबंधित अनेकों पहलुओं से अवगत करवाया जाऐगा ।
2. भाषायी दक्षता : समझ और संभाषण के अनेकों आयामों , उसके महत्व , प्रयोग विस्तार , शैली , भाषिक संस्कृति की समझ विकसित हो सकेगी ।
3. भाषा के शुद्ध उच्चारण , सामान्य लेखक , रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे ।
4. व्याकरणिक रूपों की चर्चा करने के साथ-साथ भाषा के व्यावहारिक रूप को भी समझ सकेंगे ।
5. भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप , भाषण, पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा का भी अध्ययन कर सकेंगे ।

इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत कर आशा करते हैं कि स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाषाई दक्षता के हर पहलू से परिचित हो सकेंगें । हिन्दी भाषा को समझने , उसके शुद्ध रूप ,तकनीकी रूप और ज्ञानवृद्धि के साथ भाषा में दक्षता प्राप्त कर सकेंगें ।

Unit 1

इकाई -1 : भाषायी दक्षता के आयाम

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्व
- श्रवण और वाचन
- पठन और लेखन

Unit 2

इकाई – 2 : भाषायी दक्षता के कारक तत्व

- भाषिक सरंचना की समझ
- भाषा व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)
- भाषिक संस्कृति (आयु , लिंग , शिक्षा , वर्ग)
- विषय क्षेत्र

Unit 3

इकाई-3 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन , लक्ष्य – निर्धारण , नियोजन के स्तर पर
- शब्द- सामर्थ्य – सामान्य एवं तकनीकी शब्द
- सुनना और बोलना प्रभावी श्रवण के आयाम , शुद्ध उच्चारण , भाषण, एकालाप , वार्तालाप
- पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य – केंद्रित पठन , सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

Unit 4

इकाई-4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

- किसी एक विषय पर – भाषण ,समूह चर्चा , वार्तालाप या टिप्पणी
- किसी एक विषय का भाव-विस्तार या पल्लवन

- द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित
- समीक्षा- पुस्तक-समीक्षा ,फिल्म-समीक्षा

Practical

आज आवश्यकता है भाषा की क्षमता को , उसकी शक्ति को , उसके बहुमुखी आयामों को पहचानें और नई प्रयोगमूलक , व्यवहारमूलक, प्रशासनमूलक तथा रोज़गारमूलक दृष्टि को विकसित करें । हिन्दी को केवल साहित्य का विषय बनाकर न देखें बल्कि व्यवसायिक दृष्टि से इसके महत्व को भी जानें । बच्चों को भाषा दक्षता : समझ और संभाषण पाठ्यक्रम के अंतर्गत परियोजना कार्य दिया जा सकता है -

1. शैक्षिक भ्रमण
2. व्यावसायिक संबंधित क्षेत्रों की भाषा में परियोजना कार्य दिया जा सकता है जैसे – बैंकिंग की भाषा , इंजीनियरिंग की भाषा, मेडिकल की भाषा, खेलकूद की भाषा आदि कितने ही ऐसे क्षेत्र हैं ।

References

- कम्प्यूटर एसिस्टेड लैंग्वेज लर्निंग , मीडिया डिज़ाइन एंड एप्लीकेशंस – कीथ कैमेरॉन
- भाषा शिक्षण- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

Additional Resources:

- सृजनात्मक साहित्य - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावसायिक हिंदी - दिलीप सिंह
- प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे
- आधुनिक पत्रकारिता- डॉ. अनुज तिवारी
- व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग- डॉ. ओम प्रकाश
- जनमाध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य – जवरीमल्ल पारिख
- जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी
- संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट औए असाइनमेंट

Keywords

भाषायी दक्षता , भाषिक सरंचना , शैली , आकलन , द्रुतवाचन , स्वाध्याय , वार्तालाप, टिप्पणी , विषय का भाव-विस्तार , पल्लवन , समीक्षा पाठ्यक्रम से संबंधित इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को बताया और समझाया जाएगा ।

विज्ञापन और हिंदी भाषा
(BAHHSEC01)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

बाज़ार, विज्ञापन और वाणिज्य की जानकारी

हिन्दी में विज्ञापन निर्माण, प्रसार और प्रभाव का अध्ययन-विश्लेषण

Course Learning Outcomes

विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन -विश्लेषण का अवसर मिलेगा

निर्माण और प्रभाव को सामाजिक आवश्यकताओं पर विश्लेषित करना
इन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की दक्षता ।

Unit 1

विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

विज्ञापन : अर्थ और परिभाषा

विज्ञापन का महत्व

विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण

विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

Unit 2

विज्ञापन: विविध माध्यम

सामान्य परिचय

विज्ञापन माध्यम का चयन

प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविज़न के लिए कॉपी लेखन

Unit 3

विज्ञापन की भाषा

विज्ञापन की भाषा का स्वरूप

विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ

विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषा संकर

हिंदी विज्ञापनों की भाषा

Unit 4

विज्ञापन निर्माण का अभ्यास

प्रिंट माध्यम: वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन निर्माण

रेडियो जिंगल लेखन

टेलीविज़न के लिए स्टोरी बोर्ड का निर्माण

References

जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन- विजय कुलश्रेष्ठ

जनसंचार माध्यम: भाषा और साहित्य: सुधीश पचौरी

डिजिटल युग में विज्ञापन- सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Additional Resources:

ब्रेक के बाद- सुधीश पचौरी

मीडिया की भाषा- वसुधा गाडगिल

विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा

विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी

संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौन्दर्य-बोध – कृष्ण कुमार रत्तू

www.adbrands.net

www.afaqs.com

www.adgully.com

www.cnbc.com

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, विज्ञापनों के लिए जनसंचार माध्यमों का प्रयोग

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

सोशल मीडिया
(BAHHSEC03)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

सोशल मीडिया का विकास के साथ - साथ भाषा, समाज और संस्कृति की जानकारी

सोशल मीडिया की आचार-संहिता

सोशल मीडिया के विभिन्न प्रभाव

Course Learning Outcomes

बाज़ार, सोशल मीडिया और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी

Unit 1

सोशल मीडिया : अवधारणा

सोशल मीडिया का स्वरूप और प्रकार

सोशल मीडिया का विकास

सोशल मीडिया, भाषा, समाज और संस्कृति

सोशल मीडिया की आचार-संहिता

सोशल मीडिया का प्रभाव

Unit 2

सोशल मीडिया और लोकतंत्र

जनभागीदारी, जनजागरूकता एवं सोशल मीडिया

जनांदोलन और सोशल मीडिया

जनसंपर्क, जनमत-निर्माण और सोशल मीडिया

सोशल मीडिया और गवर्नेंस

Unit 3

सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य

ब्रांड- मेकिंग और ब्रांड बाज़ार

बाजार और बाजार की रणनीति उपभोक्ता जागरूकता

व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा

Unit 4

सोशल मीडिया : विविध पक्ष

सोशल मीडिया और स्त्री

सोशल मीडिया और युवा वर्ग

सोशल मीडिया और बालमन

राजनीति और सोशल मीडिया

References

सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद- सं. संजय द्विवेदी

मीडिया भूमंडलीकरण और समाज- सं. संजय द्विवेदी

Additional Resources:

सोशल मीडिया और स्त्री – रमा

वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेट- जगदीश्वर चतुर्वेदी

क्लास रिपोर्टर – जयप्रकाश त्रिपाठी

सीढ़ियाँ चढ़ता मीडिया – माधव हाड़ा

नए जमाने की पत्रकारिता- सौरभ शुक्ला

पत्रकारिता से मीडिया तक-मनोज कुमार

कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्द

पटकथा तथा संवाद लेखन
(BAHHGEC04)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

1.विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझाना ।

2.विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना ।

Course Learning Outcomes

1.पटकथा क्या है समझेंगे ।

2.पटकथा और संवाद लेखन में दक्षता हासिल करेंगे ।

3 कहानी , उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं को पटकथा में रूपांन्तरित करना सिखेंगे ।

4. भविष्य में पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे ।

Unit 1

पटकथा अवधारणा और स्वरूप

Unit 2

फीचर फिल्म, टी.वी धारावाहिक, कहानी,एवं डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

Unit 3

संवाद सैद्धांतिकी और संरचना

Unit 4

फीचर फिल्म, टी.वी धारावाहिक, कहानी,एवं डॉक्यूमेंट्री का संवाद- लेखन

References

सहायक ग्रंथ

पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोशी
कथा-पटकथा-मन्नू भंडारी
रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
टेलीविजन लेखन - असग़र वजाहत ,प्रभात रंजन

Teaching Learning Process

1. कक्षाओं में पठन - पाठन की पद्धति

2. कक्षा में प्रस्तुतियां
3.व्यवहारिक कार्य और परिचर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, टीवी और पटकथा से जुडी शब्दावली

भाषा और समाज

(BAHHGEC06)

Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भाषा और समाज के अंतरसंबंध की जानकारी

समाज में भाषा के व्यवहार की जानकारी
सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास

Course Learning Outcomes

समाजभाषाविज्ञान का अध्ययन

सम्प्रेषण की सामाजिक समझ
भाषा के समाजशास्त्र का अध्ययन

Unit 1

भाषा, समाज और संस्कृति

भाषा और समाज का अंतर्संबंध

भाषा- व्यवस्था और भाषा-व्यवहार

समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप

भाषा का समाजशास्त्र

Unit 2

भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय

भाषा और समुदाय

भाषा और जाति

भाषा और जातीयता

बहुभाषिकता, कोड-मिश्रण एवं कोड-परिवर्तन

पिजिन व क्रियोल

Unit 3

भाषा और सामाजिक व्यवहार

भाषा और वर्ग

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग

भाषाई अस्मिता और जेंडर

भाषा और संस्कृति

Unit 4

भाषा सर्वेक्षण

भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि

भाषा नमूनों का सर्वेक्षण

भाषा नमूनों का विश्लेषण

भाषा का नवीन प्रयोग

References

भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह

आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पांडेय

Additional Resources:

Socio Linguistics: An Introduction to Language and Society -- Peter Trudgill

Socio Linguistics – R.A Hudson

An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh

The Shadow of Language – George Yule

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

भाषाविज्ञान के पारिभाषिक शब्द

भाषा शिक्षण
(BAHHGEC08)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- विद्यार्थी को भाषा शिक्षण की अवधारणा, महत्व, राष्ट्रीय, सामाजिक और शैक्षिक संदर्भों से परिचित कराना।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाओं का ज्ञान देना।
- हिन्दी शिक्षण के अंतर्गत विभिन्न भाषाई कौशलों का परिचय देना।
- भाषा परीक्षण की विभिन्न विधियों और पद्धतियों की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे। साथ ही भाषा शिक्षण की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भों को जान सकेंगे।
- विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण,मीडिया,अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर सकेंगे। वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

Unit 1

भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षणः अभिप्राय और उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण और प्रशिक्षण

- अर्जन और अधिगम

Unit 2

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

- प्रथम भाषा,मातृ भाषा तथा अन्य भाषा(द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- मातृ भाषा तथा अन्य भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- मातृ भाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा का शिक्षण
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

Unit 3

हिन्दी शिक्षण

- भाषा कौशल- सुनना,बोलना,पढ़ना-लिखना
- हिन्दी का मातृ भाषा के रूप में शिक्षण
- द्वितीय भाषा के रूप में शिक्षण
- विदेशों में हिन्दी भाषा शिक्षण

Unit 4

भाषा परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

Practical

- विद्यार्थी शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर हिन्दी शिक्षण की कक्षाओं का निरीक्षण कर सकते हैं और इसके प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं।
- यदि संभव हो सके तो आस-पास के स्कूलों में हिन्दी भाषा तथा विदेशी भाषा संबंधी कक्षाओं में शिक्षण कार्य करना।

References

- भाषा शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष- संपादक अमर बहादुर सिंह
- भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- संपादक ब्रजेश्वर वर्मा
- हिन्दी भाषा शिक्षण-भोलानाथ तिवारी

Additional Resources:

- हिन्दी शिक्षणः अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य-संपादक सतीश कुमार मेहरा, सूरजभान सिंह

- अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान- संपादक रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,भोलानाथ तिवारी,कृष्ण कुमार गोस्वामी
- भाषा शिक्षण-लक्ष्मी नारायण शर्मा
- हिन्दी शिक्षण-सावित्री सिंह
- Focus Group On Teaching Of Indian Languages- NCERT, 2005

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2
7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3
10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

रचनात्मक लेखन
(BAHHGEC03)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल का विकास करना

Course Learning Outcomes

रचनात्मकता का विकास
विभिन्न क्षेत्रों जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा, लेखन एवं कला के क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में सहायक

Unit 1

रचनात्मक लेखन : अवधारणा , स्वरूप एवं सिद्धांत
भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य ,पत्रकारिता ,विज्ञापन , मीडिया विविध गद्य - अभिव्यक्तियाँ
जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति

Unit 2

(क) रचनात्मक लेखन : भाषा - संदर्भ
भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक -लिखित, मानक
भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग - सापेक्ष, समूह - सापेक्ष
(ख) रचनात्मक लेखन : रचना - कौशल - विश्लेषण
रचना- सौष्ठव : शब्द - शक्ति , बिम्ब , अलंकरण और वक्रताएँ

Unit 3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन
(क) कविता : संवेदना , काव्यरूप ,भाषा- सौष्ठव , छंद , लय , गति और तुक
(ख) कथा साहित्य : वस्तु , पात्र , परिवेश एवं विमर्श
(ग) नाट्य साहित्य : वस्तु , पात्र , परिवेश एवं रंगकर्म
(घ) विविध गद्य - विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि

Unit 4

सूचना - तंत्र के लिए लेखन
प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृतांत , साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा आदि
लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक आदि

References

- साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम - रघुवंश
- रचनात्मक लेखन : संपा. रमेश गौतम
- कला की जरूरत - अन्र्स्ट फिशर, अनु. रमेश उपाध्याय
- सृजनशीलता और सौंदर्यबोध - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

Additional Resources:

- कविता-रचना-प्रक्रिया - कुमार विमल
- कविता से साक्षात्कार - मलयज
- कविता क्या है - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- एक कवि की नोट बुक - राजेश जोशी
- उपन्यास की रचना - गोपाल राय

◆ उपन्यास सृजन की समस्याएँ - शमशेरसिंह नरूला

◆ हिंदी कहानी का शैली विज्ञान बैकुंठनाथ ठाकुर
◆रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
◆पत्रकारी लेखन के आयाम - मनोहर प्रभाकर
◆सर्जक का मन - नंदकिशोर आचार्य
◆शब्द-शक्ति विवेचन - रामलखन शुक्ल
◆राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन - एच.आर.एफ. कीटिंग

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

- लिखित परीक्षा
- आंतरिक मूल्यांकन पद्धति

Keywords

मीडिया
विज्ञापन
प्रतीक
बिम्ब
शब्द शक्ति
सूचना तंत्र

लोकप्रिय साहित्य
(BAHHGEC01)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्य के लोकप्रिय पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी

लोकप्रियता, जनप्रियता और बाज़ार की आवश्यकता को समझ सकेंगे

पाठक वर्ग को बनाने में इस पक्ष की भूमिका का अवलोकन कर सकेंगे

Course Learning Outcomes

भारतीय लोकप्रिय और जनप्रिय साहित्य के करीब जा सकेंगे जो देश की आंतरिक धारा का आधार है |

सामान्य पाठक वर्ग के अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा |

Unit 1

लोकप्रिय और जनप्रिय साहित्य की अवधारणा

Unit 2

हिन्दी के तिलस्मी और जासूसी साहित्य का सामाजिक आशय

Unit 3

भावनात्मक उपन्यास और गुलशन नंदा, जनप्रिय उपन्यास और यथार्थबोध –इब्ने शफी बीए, जनप्रिय लेखक ओमप्रकाश शर्मा, सुरेन्द्र मोहन पाठक और वेदप्रकाश शर्मा

Unit 4

कवि सम्मेलनी कविता : स्वरूप एवं प्रमुख लोकप्रिय कवि – बेढब बनारसी, काका हाथरसी से आज तक के लोकप्रिय गीतकार और हास्यकवि

References

आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पाण्डेय

समकालीन कविता और सौंदर्यबोध - रोहिताश्व
'पाखी' पत्रिका का अंक - अप्रैल 2015
'उपन्यास और प्रतिरोध' ['अभिनव भारती' (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की शोध-पत्रिका का विशेषांक वर्ष 2008)]

Additional Resources:

तिलस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद - विरोधी चरित्र - प्रदीप सक्सेना

Popular Literature : A History and Guide by Victor E. Neuburg (The Woburn Press,. London, 1977)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान

सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी का वैश्विक परिदृश्य
(BAHHGEC07)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति

हिंदी का विकास और चुनौतियाँ

Course Learning Outcomes

हिंदी की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति का परिचय

विकास के नए क्षेत्र : उपलब्धियां और चुनौतियाँ

Unit 1

वैश्वीकरण, हिंदी भाषा, संस्कृति और साहित्य

हिंदी के प्रचार - प्रसार में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका

Unit 2

हिन्दी भाषा का विश्व - संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र में हिंदी

Unit 3

हिंदी के वैश्विक प्रसार में हिंदी सिनेमा और गीतों की लोकप्रियता

हिंदी के वैश्विक प्रसार में हिंदी टेलिविज़न और रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण

सोशल नेटवर्किंग साइट्स, हिंदी ब्लॉग्स, ई-पत्रिकाएँ, फेसबुक, व्हाट्स एप, ट्विट्टर (twitter)

Unit 4

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मलेन : परिकल्पना, उद्देश्य और महत्त्व

21 वीं सदी में हिन्दी की वैश्विक चुनौतियाँ

References

हिंदी भाषा का समाजशास्त्र- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

हिंदी की भागीरथ यात्रा – कन्हैयालाल गाँधी

प्रवासी हिंदी साहित्य – कमल किशोर गोयनका

Additional Resources:

मॉरिशस का हिंदी साहित्य – मुनीश्वर चिंतामणि

प्रवासी साहित्य: जोहान्सबर्ग से आगे – (संपा.) कमल किशोर गोयनका

प्रवासी लेखन: नयी ज़मीन, नया आसमान – अनिल जोशी

सूरीनाम हिन्दुस्तानी – भावना सक्सेना

फीज़ी का सर्जनात्मक हिंदी साहित्य –विमलेश कांति वर्मा

फीज़ी में हिंदी: स्वरुप और विकास - विमलेश कांति वर्मा

Additional Resources:**पत्रिका- वाक्, वर्ष 2007, अंक 2**

विश्व हिन्दी पत्रिका , 2018

वेबसाईट / www.vishwahindi.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं **में पठन-पाठन पद्धति**

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

प्रवासी साहित्य, विश्व हिंदी सम्मलेन, हिंदी भाषा शिक्षण, संयुक्त राष्ट्र संघ, गिरमिटिया देश, सार्क, ब्लॉग्स,

ई-पत्रिकाएँ

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद
(BAHHGEC05)

Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद की समझ विकसित करना

व्यावहारिक और क्षेत्र विशेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course Learning Outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी

क्षेत्र विशेष की माँग से परिचित होंगे

Unit 1

भारत का भाषायी परिदृश्य और अनुवाद का महत्व

अनुवाद का स्वरूप

अनुवाद के उपकरण- कोश ग्रंथ

अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2

प्रयुक्ति की अवधारणा; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र

विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ

विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3

अनुवाद व्यवहार-1 (अँग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अँग्रेजी)

सर्जनात्मक साहित्य

ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य

सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अनुवाद व्यवहार 2 (अँग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अँग्रेजी)

जनसंचार

प्रशासनिक अनुवाद और बैंकिंग अनुवाद

विधि अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र

अनुवाद के सिद्धान्त – रामालु रेड्डी

अनुवाद (व्यवहार से सिद्धान्त की ओर)- हेमचन्द्र पाण्डेय

कार्यालय प्रदीपिका- हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद- सुरेश सिंहल

काव्यानुवाद: सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल

कोश विशेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेश कांति वर्मा

अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेश कांति वर्मा

The Theory and Practice of Translation- Nida E.

Language, Structure & Translation- Nida E.

Routledge Encyclopedia of Translation- Baker, Mona

Translation Evaluation- House, Juliance

Machine Translation: Its scope and Limits- Wilks, Vorick

Translation and Interpreting- Baker H.

Revising and Editing for Translators- Mossop B.

Introducing Translation Studies: Theories and Applications- Munday J.

The Routledge Companion to Translation Studies- Munday J

Comprehensive English- Hindi Dictionary- Raghubir

Oxford Hindi- English Dictionary- R.S. Mc Gregor

English- Hindi Dictionary- Hardeo Bahari

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
(BAHHGEC02)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी सिनेमा जगत की जानकारी

सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course Learning Outcomes

हिन्दी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ

सिनेमा निर्माण, प्रसार और कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1

सिनेमाः सामान्य परिचय

1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा, सिनेमा की इतिहास यात्रा-वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य

2. सिनेमा की भाषा (विजुअल्स और शॉट के आधार पर), शॉट के तत्व, दृश्य, क्रम, आदि
3. सिनेमा के प्रकार- व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।
4. सिनेमा की विषयवार कोटियाँ- सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक,राजनीतिक, पारिवारिक,कामेडी और हॉरर

Unit 2

सिनेमा अध्ययन

1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. सिनेमा में यथार्थ और उसका ट्रीटमेंट, हाइपर रियल
3. हिंदी सिनेमा के दर्शकों की विविध कोटियां, जनता की माँग और पसंद
4. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3

सिनेमाः अंतर्वस्तु और तकनीक

1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3.निर्देशक और निर्देशन (विख्यात निर्देशकों की चुनिंदा फिल्मों का अध्ययन)
4. सिनेमा और सेंसरबोर्ड, सिनेमा प्रसारण अधिनियम

Unit 4

सिनेमा अध्ययन की दिशाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्गति, पार, भूमिका, जुबैदा, अमर अक़बर एंथनी, गुलाबी गैंग, पीकू, मधुमती, माय नेम इज़ ख़ान)
3. सिनेमा के दृश्य, तकनीक, कहानी, स्पेशल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा
4. सिनेमा की भाषा का समाजशास्त्र

References

1. बालीवुड: ए हिस्ट्री, मिहिर बोस, टेम्पस, नई दिल्ली.

2. 70 इयर्स आफ़ इंडियन सिनेमा, टी.एम. रामचंद्रन,
3. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विश्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

हिंदी भाषा और संप्रेषण
(BAHAECC01)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC)
Credit:4

Course Objective(2-3)

- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व समझने के साथ-साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पठन में भी सक्षम हो सकेंगे |

Unit 1

भाषिक सम्प्रेषण: स्वरूप और सिद्धांत

- सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
- अभाषिक संप्रेषण

Unit 2

सम्प्रेषण के प्रकार

- मौखिक और लिखित संप्रेषण
- वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक संप्रेषण
- भ्रामक संप्रेषण और प्रभावी संप्रेषण में अंतर
- संप्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

Unit 3

सम्प्रेषण के माध्यम

- एकालाप और संलाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा
- मशीनी माध्यम: ई-मेल, सोशल मीडिया, एस.एम.एस., इंटरनेट, फीडबैक

Unit 4

मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

- बोलना : भाषण, वॉयस ओवर, वाद-विवाद
- लिखना: पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, पल्लवन, संक्षेपण
- पढ़ना: कविता पठन, नाट्यांश पठन, समाचार वाचन
- समझना: विवरण, वर्णन, विश्लेषण, व्याख्या

References

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार
- प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्यानिवास मिश्र
- संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Additional Resources:

- कुछ पूर्वग्रह-अशोक वाजपेयी
- भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली

बी.ए. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति

(LOCF)

(जुलाई, 2019 से आरंभ)

सी.बी.सी.एस.

(चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)

(LOCF)

बी.ए. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-1	
1.1	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (Core Course-1) **BAPHCC01**
1.2	हिंदी योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम Language-MIL/English Comm. (AECC) **BAPAECC01**
सेमेस्टर-2	
2.1	हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल) (Core Course-2) **BAPHCC02**
2.2	आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – क **BAPMILHA01** Language-MIL/English-1 आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – ख **BAPMILHB01** Language-MIL/English-1 आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – ग **BAPMILHC01** Language-MIL/English-1
सेमेस्टर-3	
3.1	हिंदी कथा साहित्य (Core Course-3) **BAPHCC03**
3.2	हिन्दी कौशल-संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course; Any One) (क) रचनात्मक लेखन **BAPHSEC01** **अथवा** (ख) भाषा शिक्षण **BAPHSEC02** **अथवा** (ग) कार्यालयी हिंदी **BAPHSEC03**
सेमेस्टर-4	
4.1	अन्य गद्य विधाएँ (Core Course-4) **BAPHCC04**
4.2	आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – क **BAPMILHA02** Language-MIL/English-2 आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – ख **BAPMILHB02** Language-MIL/English-2 आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – ग **BAPMILHC02** Language-MIL/English-2

4.3	हिन्दी कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course; Any One) (क) भाषायी दक्षता **BAPHSEC04** **अथवा** (ख) विज्ञापन और हिंदी भाषा **BAPHSEC05** **अथवा** (ग) कम्प्यूटर और हिंदी भाषा **BAPHSEC06**
	सेमेस्टर-5
5.1	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-1) (क) हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण **BAPHDSE01** **अथवा** (ख) हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा **BAPHDSE02** **अथवा** (ग) हिंदी रंगमंच **BAPHDSE03**
5.2	सामान्य (जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective; Any One) (क) अनुवाद : व्यवहार और सिद्धांत **BAPHGE01** **अथवा** (ख) जनपदीय साहित्य **BAPHGE02**
	सेमेस्टर-6
6.1	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-2) (क) साहित्य चिंतन **BAPHDSE04** **अथवा** (ख) कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश **BAPHDSE05** **अथवा** (ग) विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार ▪ कबीर **BAPHDSE06** ▪ तुलसीदास **BAPHDSE0601** ▪ प्रेमचंद **BAPHDSE0602** ▪ निराला **BAPHDSE0603**
6.2	सामान्य (जेनरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective; Any One) (क) अस्मितामूलक अध्ययन और हिंदी साहित्य **BAPHGE03** **अथवा** (ख) हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन **BAPHGE04**

Introduction

Content: बी॰ए॰ हिंदी (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है| साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को सम्वेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक सम्वेदन प्रदान करता है| समाज विज्ञान और मानविकी क्षेत्र की शाखाओं के साथ आज विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और सम्वेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके| भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं| इस प्रकार हिन्दी (प्रोग्राम) का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है|

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning
>> Aims of Bachelor's degree programme in (CBCS) B.A.(PROG)

Content: भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है । हिन्दी पढने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरूरी है| आज हम भूमंडलीकृत समाज का अंग है अत: पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश-विदेश के साहित्य में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और व्यावसायिक योग्यता उत्पन्न करना भी| यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा । हिंदी साहित्य की नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके|

Graduate Attributes in Subject
>> Disciplinary knowledge

Content: भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन-विश्लेषण द्वारा इतिहास, समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, भाषाविज्ञान आदि विषयों का तुलनात्मक ज्ञान विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject
>> Communication Skills

Content: साहित्य और भाषा के बहुआयामी अध्ययन से संवाद एवं लेखन की क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject
>> Critical thinking

Content: अंतर-अनुशासनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन करने से आलोचनात्मक विवेक विकसित होगा |

Graduate Attributes in Subject
>> Reflective thinking

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन करने से व्यक्तित्व विकास होने के साथ-साथ समाज और आत्म के अंतर्संबंध को समझने की विशेष योग्यता विकसित होती है|

Graduate Attributes in Subject

>> Moral and ethical awareness/reasoning

Content: साहित्य प्रत्यक्ष रूप से नैतिक मूल्यों के विकास का अवसर प्रदान करता है |

Graduate Attributes in Subject
>> Multicultural competence

Content: साहित्य और भाषा का अध्ययन बहु-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है |

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in course

Content: इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-
1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
2) भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
3) उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
4) छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।
5) व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाज़ार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके|
6) हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा ।
7) साहित्य के सौन्दर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना |
8) साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना |
9) साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सकें|
10) साहित्य विवेक का निर्माण |

Teaching-Learning Process

Content: सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें । साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक ढंग से साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके| इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है -
कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा
सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमिनार आयोजन
साहित्यिकता की समझ देना
प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
कक्षाओं में पठन- पाठन पद्धति
लिखित परीक्षा
आंतरिक मूल्यांकन
शोध सर्वेक्षण

वाद –विवाद
आशु प्रस्तुति
कम्प्यूटर आदि का व्यावहारिक ज्ञान
दृश्य-श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
काव्य वाचन, पठन और आलोचनात्मक मूल्यांकन
कथा के पाठ और वाचन में अंतर समझाना
आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

Assessment Methods

Content: (1) हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्यांकन ।
(2) भाषिक नमूने तैयार करना और विश्लेषण
(3) विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्यांकन
(4) पी.पी.टी. (power point presentation) बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना । इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सकेगा ।
(5) विधा विशेष के भाव - सौंदर्य के साथ-साथ रचना में छंद, अलंकार, रस, गुण, शब्द आदि के सौंदर्य का मूल्यांकन करना |
(6) भाव विश्लेषण के लिए विधा आधारित प्रश्नोत्तरी कर मूल्यांकन करना ।
(7) पारम्परिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन
(8) समूह-परिचर्चा

अन्य गद्य विधाएँ
(BAPHCC04)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कथेतर गद्य की समझ विकसित करना

निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य आदि विधाओं के विश्लेषण की पद्धतियों से परिचय कराना

Course Learning Outcomes

अन्य गद्य विधाओं की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

Unit 1

जातीयता के गुण – बालकृष्ण भट्ट (भट्ट निबंधमाला, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

साहित्य का उदेश्य – प्रेमचंद

भाषा, संस्कृति और राष्ट्रीयता - जयप्रकाश कर्दम

Unit 2

भक्तिन : संस्मरण - महादेवी वर्मा

अदम्य जीवन – रांगेय राघव

Unit 3

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक)- विष्णु प्रभाकर

शायद : एकांकी - मोहन राकेश

Unit 4

उखड़े खम्भे – हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)

लक्खा बुआ ('नंगा तलाई का गांव 'से) - विश्वनाथ त्रिपाठी

References

हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Additional Resources:

इक्कीसवीं सदी में दलित आंदोलन (साहित्य एवं समाज चिंतन) - जयप्रकाश कर्दम

निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला जैन /अनिल राय

छायावादोत्तर गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कथेतर गद्य

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-क)
(BAPMILHA01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

हिंदी भाषा

क. आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास

ख. हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास

ग. राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा के रूप में हिंदी

Unit 2

हिंदी साहित्य का इतिहास

क. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल. मध्यकाल) सामान्य परिचय

ख. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

Unit 3

(क) कबीर - कबीर ग्रंथावली. संपा श्यामसुंदरदास. काशी नागरी प्रचारिणी सभा. उन्नीसवां संस्करण सं 2054 वि.

पृ. 23 दोहा 27, पृ 29. दोहा 20, पृ. 30 दोहा 3 और 4, पृ 35 दोहा 8. पृ 39 दोहा 9

(ख) भूषण - भूषण ग्रंथावली, संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली- 1998)

कवित्त संख्या - 409, 411, 412, 413

(ग) बिहारी बिहारी रत्नाकर - संपा . जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान. नई दिल्ली सं. 2006

दोहा 1, 10, 13, 32, 38

Unit 4

आधुनिक हिंदी कविता

जयशंकर प्रसाद - हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है

रघुवीर सहाय - कला क्या है

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास
हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- भूषण ग्रंथावली

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा, वीडियो आदि

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ख)
(BAPMILHB01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी भाषा और साहित्य :

(क) आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

(ख) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

(ग) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : संक्षिप्त परिचय

(घ) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) : संक्षिप्त परिचय

Unit 2

भक्तिकालीन कविता :

(क) कबीर : संपा. श्यामसुंदर दास, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, उन्नीसवाँ संस्करण, सं. 2054 वि.
पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ ...
कस्तूरी कुंडलि बसै ...
यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान ...
सात समुंदर की मसि करूँ ...
साधु ऐसा चाहिए ...
सतगुरु हमसूँ रीझकर ...

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' से केवट प्रसंग

Unit 3

रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी :
बतरस लालच लाल की ...
या अनुरागी चित्त की ...
सटपटाति-सी ससिमुखी ...

(ख) घनानंद :
घनानन्द ग्रंथावली : संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ; वाणी वितान
सुजानहित पद : 1, 2, 3

Unit 4

आधुनिक कविता

सुभद्रा कुमारी चौहान : 'बालिका का परिचय'

निराला : तोड़ती पत्थर

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी साहित्य का सरल इतिहास

Teaching Learning Process

व्याख्यान सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ग)
(BAPMILHC01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी

Unit 1

इकाई - 1 :हिंदी भाषा और साहित्य

(क) हिंदी भाषा का सामान्य परिचय एवं विकास

(ख) हिंदी का भौगौलिक विस्तार

(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल ,मध्यकाल) : सामान्य विशेषताएँ

(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विशेषताएँ

Unit 2

इकाई -2 भक्तिकालीन हिंदी कविता

कबीर :

- गुरु गोविन्द दोऊ खड़े ...
- निंदक नियरे राखिये...
- माला फेरत जुग भया...
- पाहन पूजे हरि मिले ...

सूरदास :

- मैया मैं नहिं माखन खायौ...
- ऊधो मन न भए दस-बीस...

Unit 3

इकाई -3 : रीतिकालीन हिंदी कविता

(क) बिहारी :

- मेरी भव बाधा हरौ...
- कनक कनक ते सौ गुनी...
- थोड़े ही गुन रीझते...
- कहत नटत रीझत खिजत...

(ख) घनानंद :

- अति सूधो सनेह को मारग...
- रावरे रूप की रीति अनूप**...**

Unit 4

इकाई -4 :आधुनिक हिंदी कविता

- मैथिलीशरण गुप्त - नर हो न निराश करो...
- सुमित्रानंदन पन्त - आह! धरती कितना देती है...

References

1. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह
4. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी

Additional Resources:

Additional Resources:

1. बिहारी की वाग्विभूति-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है । कालक्रम से विद्यार्थी युगबोध को ठीक से जान सकेंगे । छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे । हिंदी भाषा आज तेजी से वैश्वीकृत हो रही है । ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है । साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । अतः शिक्षण में हिंदी कविता छात्रों के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी ।प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

साहित्य, कविता, भाव सौंदर्य, शिल्प, इतिहास, विकास

हिंदी कथा साहित्य
(BAPHCC03)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कथा साहित्य के उद्भव और विकास का परिचय

गद्य साहित्य विश्लेषण

Course Learning Outcomes

कथा- साहित्य के विकास का परिचय

प्रमुख उपन्यास और कहानियों का अध्ययन

Unit 1

इकाई -1 : उपन्यास :स्वरुप और संरचना

Unit 2

इकाई -2 :गबन – प्रेमचंद

Unit 3

इकाई- 3 : कहानी : स्वरूप और संरचना

Unit 4

कहानी : परदा – यशपाल

रोज़ –अज्ञेय

दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर

दाज्यू – शेखर जोशी

हरी बिंदी – मुदुला गर्ग

References

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

हिंदी उपन्यास :एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह

Additional Resources:

हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव

नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह

कुछ कहानियाँ :कुछ विचारक – विश्वनाथ त्रिपाठी

एक दुनिया एक समानान्तर – राजेन्द्र यादव

नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर

हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूह चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

कक्षा व्याख्यान , परिचर्चा

Keywords

कथा साहित्य, कहानी, उपन्यास, कथा-विन्यास, शिल्प, कथा-भाषा

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)
(BAPHCC02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों को हिन्दी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना |

मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना |

Course Learning Outcomes

कविताओं का अध्ययन-विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे |

साहित्य के सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी |

Unit 1

कबीर – कबीर- ग्रन्थावली ; माताप्रसाद गुप्त ;लोकभारती प्रकाशन ,1969 ई.

कबीर – साँच कौ अंग (1) भेष कौ अंग (5,9,12,) संम्रथाई कौ अंग (12)

सूरदास – सूरसागर संपा.डॉ धीरेन्द्र बर्मा ;साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला ---पद संख्या 20,26,27,60,

गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रन्थावली (दूसरा खण्ड);संपा.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा,काशी)

दोहावली – छंद संख्या -277,355,401,412,490,

Unit 2

बिहारी - रीतिकाव्य संग्रह,जगदीश गुप्त, ग्रंथम, कानपुर,1983 ई.

छंद संख्या -9,13,18,21,58,66,67

घनानंद – रीतिकाव्य संग्रह ;जगदीश गुप्त ;साहित्य भवन प्रा.लि; इलाहबाद ; प्रथम संस्करण ;1961 ई.

छंद संख्या -3,14,16,18,23,24

Unit 3

मैथिलीशरण गुप्त – रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड ;साहित्य सदन झाँसी)

पद संख्या ---123 से 128

जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री !(लहर, लोकभारती प्रकाशन 2000)

हिमालय के आँगन में .....(स्कन्दगुप्त :भारती भण्डार,इलाहबाद,1973)

Unit 4

हरिवंश राय 'बच्चन'– जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय बच्चन :प्रतिनिधि कविता राजकमल पेपरबैक्स,संपा. - मोहन गुप्त)2009

नागार्जुन –उनको प्रणाम !(नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ ,संपा.नामवर सिंह ,राजकमल,पेपरबैक्स,2009)

भवानीप्रसाद मिश्र –गीत – फरोश (दूसरा सप्तक,भारतीय ज्ञानपीठ पकाशन ;द्वतीय संस्करण 1970 ई.)

References

कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी

तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह

बिहारी की वाग्विभूति–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

सूरदास –ब्रजेश्वर शर्मा

सूरदास - रामचन्द्र शुक्ल

गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल

घनानन्द और स्वच्छंद काव्यधारा - मनोहर लाल गौड़

मैथिलीशरण गुप्त :व्यक्ति और काव्य – कमलकांत पाठक

प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह दिनकर

प्रसाद के काव्य – प्रेम शंकर

Additional Resources:

जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी

हरिवंशराय बच्चन – संपा.पुष्पा भारती

आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूह परिचर्चा, ऑनलाइन लिंक

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-क)
(BAPMILHA02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास : सामान्य परिचय

हिन्दी गद्य के विभिन्न रूपों का परिचय

Unit 2

प्रेमचंद - जुलूस

मोहन राकेश - मलबे का मालिक

मन्नू भण्डारी - मैं हार गई

Unit 3

रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह

हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल

विद्यानिवास मिश्र - रहिमन पानी राखिए

Unit 4

यात्रा वृतांत - चीड़ों पर चाँदनी - निर्मल वर्मा

व्यंग्य - भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई

नाटक - अंधेर नगरी - भारतेन्दु

References

हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
बलकृष्ण भट्ट के निबंध - सत्यप्रकाश मिश्र
महादेवी - दूधनाथ सिंह
कथेतर - माधव हाड़ा
गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश

Additional Resources:

Additional Resources:

www.hindisamay.com

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

गद्य, कथा, शिल्प, संरचना

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ख)
(BAPMILHB02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

Unit 2

प्रेमचंद – बूढी काकी

चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था

भीष्म साहनी - चीफ़ की दावत

Unit 3

बालमुकुन्द गुप्त – मेले का ऊंट

हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज़

धर्मवीर भारती - ठेले पर हिमालय

Unit 4

भारतेंदु – अंधेर-नगरी

महादेवी वर्मा – बिबिया

References

हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह

Additional Resources:

निबंधो की दुनिया – विजयदेव नारायण साही ;निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र –हरवंश लाल शर्मा

निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कथा, शिल्प, कथा-विन्यास, संरचना, कथा-भाषा

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ग)
(BAPMILHC02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

हिंदी गद्य – रूपों का संक्षिप्त परिचय (कहानी, निबंध, नाटक, रेखाचित्र/संस्मरण)

Unit 2

प्रेमचंद - दो बैलों की कथा

अमरकान्त - बहादुर

Unit 3

बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है

अध्यापक पूर्ण सिंह - सच्ची वीरता

रामवृक्ष बेनीपुरी - गेहूँ बनाम गुलाब

Unit 4

महादेवी वर्मा – घीसा

विष्णु प्रभाकर – वापसी

विश्वनाथ त्रिपाठी – गंगा स्नान करने चलोगे?

References

हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह

निबंधो की दुनिया – विजयदेव नारायण साह्नी; निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा

निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ; निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

शिल्प, कथा, चरित्र, कथा-भाषा

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास
(BAPHCC01)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा

साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक-विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिन्दी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा

Unit 1

इकाई 1

क हिन्दी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1 हिन्दी भाषा का उद्भव

2. हिन्दी भाषा की बोलियाँ

3 हिन्दी भाषा का विकास : आदिकालीन हिन्दी , मध्यकालीन हिन्दी , आधुनिक हिन्दी

ख हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1 आदिकाल : कालविभाजन एवं नामकरण

2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

Unit 2

इकाई 2

हिन्दी साहित्य का इतिहास : **भक्तिकाल**

1 भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास

2 भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

Unit 3

इकाई 3.

हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1॰ रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा

2॰ रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

Unit 4

इकाई 4.

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)

2.आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)

3 गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

हिंदी भाषा - धीरेन्द्र वर्मा

हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचन्द्र शुक्ल
हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - डॉ॰ रसाल सिंह

Additional Resources:

हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश
(BAPHDSE05)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कोशविज्ञान की समझ विकसित करना

उसके व्यावहारिक प्रयोग, निर्माण और तकनीकी प्रसार में रुचि विकसित करना

Course Learning Outcomes

कोश की समझ विकसित होगी

विभिन्न कोशों की जानकारी होगी
निर्माण, प्रसार और तकनीक की समझ विकसित होगी

Unit 1

कोश परिचय

*अर्थ और परिभाषा

*उपयोगिता और महत्व

*हिंदी कोश के उपयोग के नियम

(वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ,अनुस्वार एवं अनुनासिक , संयुक्त व्यंजन वर्ण)

Unit 2

कोश निर्माण

*शब्द संकलन एवं चयन

*प्रविष्टि (वर्तनी ,क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत)

*शव्द का अर्थ एवं विस्तार

*शब्द प्रयुक्तियाँ

Unit 3

कोश के प्रकार

*कोश :वर्गीकरण के आधार

*विषय के आधार पर(भूगोल कोश ,इतिहास कोश, मनोविज्ञान कोश, धर्म कोश आदि)

*भाषा के आधार पर(एकभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी)

*समांतर कोश

*पारिभाषिक शब्दावली

Unit 4

प्रमुख कोशों का परिचय

*हिंदी –हिंदी शब्दकोश –बृहत् हिंदी शब्दकोश;ज्ञानमंडल

*अंग्रेजी – हिंदी शब्दकोश –फादर कामिल बुल्के

*हिंदी -- अंग्रेजी शब्दकोश – भोलानाथ तिवारी और महेंद्र कुमार

*विश्वकोश – हिंदी शब्दसागर – नागरी प्रचारिणी सभा

*समांतर कोश – अरविंद कुमार .कुसुम कुमार;नेशनल बुक ट्रस्ट , नई दिल्ली

*ई – कोश

References

कोश विज्ञान -- भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना,प्रकार और रूप –रामचंद्र वर्मा

हिंदी कोश साहित्य –अचलानंद जखमोला

हिंदी साहित्य कोश –धीरेन्द्र वर्मा

Additional Resources:

हिंदी शब्द सागर – नागरी प्रचारिणी सभा , प्रयाग

कोश विज्ञान :सिद्धांत एवं प्रयोग –राम आधार सिंह

कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग –त्रिभुवननाथ शुक्ल

Lexicography : an introduction –howareJackson;routledge publication , London

भारत में कोश विज्ञान पर विशेष – गवेषणा ;अंक 93;जनवरी –मार्च ,2009

वेबलिंक

*www.archive.org(hindishabdsagar)

*www.britannika.org

*www.e.vikipedia.com

*www.encyclopedia.center.com

*www.culturepedia.com

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- कबीर
(BAPHDSE06)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल, निर्गुण काव्यधारा, संत काव्य-धारा से अवगत करवाना.
- कबीर-काव्य की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना.
- पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहों और पदों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा खोजने का प्रयास करना.

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी-

- भक्तिकाल की राजनीतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक स्थितियों को समझ पायेंगे.
- कबीर-काव्य की सामाजिक चेतना के माध्यम से विद्यार्थी में सामाजिक समरसता का विकास होगा.
- मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा.

Unit 1

- कबीर का साहित्यिक परिचय
- संतकाव्य की विशेषताएँ

Unit 2

- कबीर की साखियाँ (कुल 12)
- गुरुदेव कौ अंग- 3,7,11
- सुमिरण कौ अंग – 4,9,32
- विरह कौ अंग – 18,22
- चेतावणी कौ अंग – 13,14
- साध साषीभूत कौ अंग – 2
- उपदेस कौ अंग – 9

(कबीर – श्यामसुंदर दास)

Unit 3

- कबीर के पद (कुल 6)
- राग गौड़ी (पद सं. 3,6,89,111,114,117)

(कबीर-श्यामसुंदर दास)

Unit 4

- कबीर की सामाजिक चेतना
- कबीर की भक्ति भावना
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर की भाषा
- कबीर की दार्शनिक चेतना

References

- कबीर-श्यामसुंदर दास
- कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय

Additional Resources:

- भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार-गोपेश्वर सिंह
- कबीर - विजयेन्द्र स्नातक
- भक्ति का सन्दर्भ-देवीशंकर अवस्थी
- कबीर की चिंता - बलदेव वंशी
- भक्ति काव्य का समाज दर्शन- प्रेमशंकर

Teaching Learning Process

- निर्धारित दोहों और पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन.
- निर्धारित अंशों पर विचार-विमर्श करते हुए उनके निहितार्थ खोजना.
- दोहों और पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना.
- कबीर की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना.
- दोहों और पदों की रिकार्डेड सी डी दिखाना/सुनाना.

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

- कबीर-काव्य में उपस्थित सामाजिक, दार्शनिक,मानवीय चेतना और भक्ति-भावना के विश्लेषण के आधार पर.
- महत्वपूर्ण अंशों की व्याख्या के आधार पर.
- कबीर-काव्य की भाषायी कौशल के विश्लेषण के आधार पर

Keywords

- प्रतीक
- उलटबासी
- रहस्यवाद
- माया
- राम
- कुंडलिनी
- इंगला-पिंगला-सुष्मुना
- सिद्ध-नाथ
- भक्ति
- ब्रह्म
- परमात्मा-जीवात्मा

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- तुलसीदास
(BAPHDSE0601)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भक्तिकाल के महत्वपूर्ण कवि तुलसीदास के साहित्य का अध्ययन-विश्लेषण

Course Learning Outcomes

तुलसीदास के जीवन और साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन

Unit 1

- तुलसीदास का साहित्यिक परिचय
- रामभक्ति शाखा की विशेषता

Unit 2

रामचरितमानस

- (बालकाण्ड : दोहा 201 से 205 तक)
- (सुन्दरकाण्ड :दोहा 3 से 10 तक)
- (गीता प्रेस,गोरखपुर)

Unit 3

विनयपत्रिका

- (पद सं.100 से 110 तक)
- (गीता प्रेस ,गोरखपुर)

Unit 4

तुलसीदास की भक्ति भावना

- तुलसीदास की भाषा
- तुलसीदास की समन्वय चेतना
- "मानस" में राम – सुग्रीव मैत्री प्रसंग

References

- रामचरितमानस – तुलसीदास
- विनयपत्रिका --तुलसीदास
- लोकवादी तुलसीदास –विश्वनाथ त्रिपाठी
- गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- तुलसीदास काव्य में मीमांसा – उदयभानु सिंह

Additional Resources:

- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता वाचन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

ब्रज और अवधी शब्दावली

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- निराला
(BAPHDSE0603)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

महाकवि निराला का जीवन परिचय और साहित्यिक अवदान

उनके परिवेश और कवि के संघर्ष का अध्ययन करना

Course Learning Outcomes

महाकवि निराला के साहित्य का अध्ययन विश्लेषण

कवि के परिवेश की समझ

Unit 1

निराला

छायावाद का सामान्य परिचय

निराला का साहित्यिक परिचय

Unit 2

सरोज स्मृति

वह तोडती पत्थर

भिक्षुक

कुकुरमुत्ता

Unit 3

लिली

सुकुल की बीवी

Unit 4

बिल्लेसुर बकरिहा

References

छायावाद – नामवर सिंह

निराला :आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह

लिली – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

सुकुल की बीवी –सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

आधुनिक कविता यात्रा –रामस्वरूप चतुर्वेदी

Additional Resources:

आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह

राग विराग – रामविलास शर्मा

निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता पाठ

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

साहित्यिक आलोचनात्मक शब्दावली

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- प्रेमचंद
(BAPHDSE0602)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद का परिचय, साहित्य और विश्लेषण

Course Learning Outcomes

प्रेमचंद के साहित्य के विविध आयामों का अध्ययन - विश्लेषण

Unit 1

प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

प्रेमचंद की उपन्यास कला

प्रेमचंद की कहानी कला

Unit 2

सुभागी

बड़े घर की बेटी

सवा सेर गेहूँ

पंच परमेश्वर

सदगति

Unit 3

कर्मभूमि

Unit 4

'कर्बला' नाटक की मूल सवेदना

'कलम का सिपाही' अमृतराय (पृ.सं.299 से 305 तक)

References

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

प्रेमचंद एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान

मानसरोवर (भाग 1 और 2) – प्रेमचंद

कहानी नई कहानी –नामवर सिंह

कर्मभूमि - प्रेमचंद

प्रेमचंद अध्ययन की दिशाएँ - कमल किशोर गोयनका

कलम का सिपाही – अमृतराय

Additional Resources:

प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी

हिंदी गद्य: विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी उपन्यास : अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

सृजनशीलता का संकट – नित्यानंद तिवारी

ज़माने से दो - दो हाथ – नामवर सिंह

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कथा, साहित्य, उपन्यास, कहानी, साहित्यिकता

साहित्य चिंतन
(BAPHDSE04)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

साहित्यिक आलोचना के निर्माण में विभिन्न अवयवों का अध्ययन

साहित्य की व्याख्या के लिए जरूरी अंगों-उपांगों, साहित्यिक भेदों-उपभेदों का अध्ययन

Course Learning Outcomes

साहित्य और समाज की पाररस्परिक अर्थवत्ता और महत्ता के साथ-साथ आलोचनात्मक विवेक का निर्माण

साहित्य की व्याख्या के लिए शास्त्रीय सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त करना
विद्यार्थियों के सैद्धांतिक सोच औए समझ के स्तर को समृद्ध करते हुए साहित्य के साथ अन्य कलाओं की समझ विकसित करना

Unit 1

साहित्य का स्वरूप :

- विविध दृष्टिकोण
- साहित्य और समाज
- साहित्य की प्रयोजनीयता

Unit 2

रस :

- परिभाषा
- स्वरूप
- अंग
- भेद

Unit 3

रचनात्मक भूमिका और महत्व की दृष्टि से अध्ययन :

- भाषा सौष्ठव
- शब्दशक्ति
- अलंकार
- प्रतीक
- बिम्ब
- मिथक
- फैंटेसी

Unit 4

रचनात्मक भूमिका और महत्व की दृष्टि से अध्ययन :

- छंद
- लय

- तुक

References

साहित्य सहचर - हजारीप्रसाद द्विवेदी

साहित्य का स्वरूप - नित्यानन्द तिवारी
साहित्य सिद्धान्त - रामअवध द्विवेदी
काव्य के तत्व - देवेन्द्रनाथ शर्मा
काव्यभाषा पर तीन निबंध - रामस्वरूप चतुर्वेदी और सत्यप्रकाश मिश्र
काव्यास्वाद और साधारणीकरण - राजेंद्र गौतम

Additional Resources:

हिंदी साहित्य कोश - भाग 1, 2 - संपादक - धीरेन्द्र वर्मा

साहित्य सिद्धांत - रेने वेलेक और ऑस्टीन

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
समूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य चिंतन, साहित्य सिद्धान्त, आलोचना, रस, छंद, अलंकार, शास्त्रीय आलोचना, साहित्य और समाज, कलाएं आदि ।

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा
(BAPHDSE02)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारत के मौखिक साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन

लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी
पर्यटन और संगीत-नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा

Course Learning Outcomes

मौखिक साहित्य का परिचय

प्रमुख रूपों का परिचय
संस्कृति और लोक-जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

Unit 1

मौखिक साहित्य की अवधारणा :सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत ,लोककथा ,लोकगाथाएँ ,लोकनाट्य ,लोकोक्तियाँ

पहेलियाँ - बुझौवल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक और समाज

Unit 2

लोकगीत :वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत :सोहर , विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी –बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् प्.8 ,गीत संख्या 4

सोहर अवधी –हिंदी प्रदेश कि लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय प्.110,111 साहित्य भवन इलाहावाद

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा ,प्.116

ऋतूसंबंधी गीत :बारामासा ,होली.चैत ,कजरी इत्यादि

-निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य :शंकर लाल यादव पृ 231

हिंदी परदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 205

वाचिक कविता :भोजपुरी :पं विद्यानिवास मिश्र ,पृ 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी , जंतसर ,दँवनी, रोपनी , इत्यादि

कटनी के गीत , अवधी 2 गीत –हिंदी प्रदेश के लोकगीत: पं कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134 135

जंतासरी :भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य –विद्या सिन्हा ,पृ 140,141

विविध गीत :घुघुती –कुमाउनी:कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी ,

गढ़वाली :कविता कौमुदी :ग्रामगीत ,पं . रामनरेश त्रिपाठी , पृ 801 -802

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएं :

विधा के सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं आल्हा ,लोरिक , सारंग – सदावृक्ष , बिहुला

राजस्थानी लोककथा नं - 2 ,हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायन, पृ 461 -462

अवधी लोककथा नं . 2, हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायन, पृ 187 -188

Unit 4

लोकनाट्य :

विधा का परिचय ,विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला ;रासलीला मालवा का नाच ;राजस्थान का ख्याल ,उत्तर प्रदेश की नौटंकी , भांड ,रासलीला ;बिहार –बिदेसिया ;हरियाणा सांग पाठ :संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली ,संपा पूरनचन्द्र शर्मा ,हरियाणा साहित्य अकादमी ,पंडवानी :तीजन बाई

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य – शंकर लाल यादव

मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी

मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार

रसमंजरी – सुचिता रामदीन, महात्मा गाँधी संस्थान,मॉरिशस

हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास, पं . राहुल संकृत्यायन ; सोलहवां भाग

वाचिक कविता :भोजपुरी -- विद्यानिवास मिश्र

भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – डॉ॰ विद्या सिन्हा

कविता कौमुदी :ग्रामगीत – पं .रामनरेश त्रिपाठी

Additional Resources:

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका-- चौमासा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुति को देखना

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ, सांस्कृतिक शब्द

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
(BAPHDSE01)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी देना

विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी

विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्रयोगात्मक कार्य

Unit 1

भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा, महत्व, भाषा और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

Unit 2

शव्द परिचय

- शव्दों के भेद –तत्सम ,तत्भव, देशज, विदेशज (स्रोत के आधार पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा,सर्वनाम ,क्रिया आदि) (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द – निर्माण – उपसर्ग ,प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर

Unit 3

व्याकरण व्यवहार

- लिंग , वचन , कारक ,
- संधि और समास

- मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ
- अपठित गद्य

Unit 4

वाक्य परिचय

- वाक्य के अंग –उद्देश्य और विधेय
- वाक्य के भेद (रचना के आधार पर)
- वाक्यगत अशुद्धियाँ
- विराम चिन्ह

References

हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास –धीरेन्द्र वर्मा

भारतीय पुरालिपि –डॉ.राजबलि पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)

हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी

हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ हनुमानप्रसाद शुक्ला

लिपि की कहानी – गुणाकर मुले

भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Additional Resources:

हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम –रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

हिंदी व्याकरण –कामताप्रसाद गुरु

हिंदी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी

A grammar lingusistics of the hindi language –kellog

Hindi linguistics – R.N.shrivastav

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, परियोजना कार्य

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

भाषा और अनुवाद की शब्दावली

हिंदी रंगमंच
(BAPHDSE03)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना

हिन्दी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes

रंगमंच के विकास के साथ - साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पाएंगे

पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी

भारतबोध विकसित होगा

Unit 1

पारंपरिक रंगमंच: रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, पांडवानी, माच, अंकिया, सांग, ख्याल (सामान्य परिचय)

Unit 2

हिंदी रंगमंच : पारसी थिएटर, भारतेन्दु युगीन रंगमंच, माधव प्रसाद शुक्लयुगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर

रंग संस्थाएँ : रंग- प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल; भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

Unit 3

आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध, यथार्थवादी, एब्सर्ड, लोक शैली

Unit 4

प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : झाड़ूराम देवांगन, राधेश्याम कथावाचक,

श्यामा नन्द जालान, सत्यदेव दुबे, भिखारी ठाकुर, ब. व. कारंत एवं इब्राहिम अल्काजी

References

परंपराशील नाट्य – जगदीशचन्द्र माथुर

पारसी हिंदी रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – नरेंद्र मोहन

पहला रंग- देवेंद्र राज अंकुर

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- नेमिचन्द्र जैन

लखमीचंद का काव्य वैभव- हरिचन्द्र बंधु

भिखारी ठाकुर: भोजपुरी के भारतेन्दु- भगवत प्रसाद द्विवेदी

Additional Resources:

कंटेम्प्रेरी इंडियन थिएटर: इंटरव्यू विद प्लेराइटर्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी

थिएटर्स आव इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाड़कर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, व्यावहारिक ज्ञान के लिए एन॰एस॰ डी॰ भ्रमण, ऑनलाइन विडियो

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

रंगमंच संबंधी शब्दावली

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा
(BAPHSEC06)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कंप्यूटर की वर्तमान स्थिति की समझ विकसित करना

कंप्यूटर पर हिंदी का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना

Course Learning Outcomes

कंप्यूटर पर हिंदी भाषा के प्रयोग पर बल

सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा

Unit 1

कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

*कम्प्यूटर का परिचय और विकास

*कम्प्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास

*हिंदी के विविध फॉन्ट

*कम्प्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

Unit 2

हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

*इंटरनेट पर हिंदी

*यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा

*हिंदी और वेब डिज़ाइनिंग

*हिंदी की वेबसाइट

Unit 3

हिंदी भाषा,कम्प्यूटर और गवर्नेंस

*राजभाषा हिंदी के प्रचार में कम्प्यूटर की भूमिका

*ई –गवर्नेंस, इंटरनेट

*हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग

*सरकारी और गैर – सरकारी संस्थाएं

Unit 4

हिंदी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष

*इंटरनेट पर हिंदी पत्र – पत्रिकएँ

*एसएमएस की हिंदी

*न्यू मीडिया और हिंदी भाषा

*हिंदी के विभिन्न बोर्ड

References

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन

हिंदी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल

कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत - पी.के.शर्मा

Additional Resources:

मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज संपा.संजय द्विवेदी

नए ज़माने की पत्रकारिता – सौरव शुक्ल

पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार

जनसंचार के संदर्भ – जवरीमल्ल पारख

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

संबंधित क्षेत्र की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी

(BAPHSEC03)

Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे
टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिक पदावलियाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

सामान्य परिचय

कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकार, विशेषताएँ और संक्षेपण की विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्ण कुमार गोस्वामी

Additional Resources:

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्धात और प्रयोग –दंगल झाल्टे

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों, दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

भाषा शिक्षण
(BAPHSEC02)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे।

Course Learning Outcomes

विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण,मीडिया,अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर सकेंगे। वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

Unit 1

भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण: अभिप्राय और महत्त्व
- भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सन्दर्भ
- शिक्षण, प्रशिक्षण,अर्जन, अधिगम

Unit 2

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

- प्रथम भाषा/ मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
- द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
- मातृभाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

Unit 3

भाषा शिक्षण की विधियाँ और भाषिक कौशल

- भाषा कौशल- श्रवण,भाषण, वाचन, लेखन
- भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण
- मातृभाषा शिक्षण पद्धतियाँ
- अन्य भाषा शिक्षण पद्धतियाँ

Unit 4

भाषा परीक्षण और मूल्याँकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के प्रकार
- मूल्याँकन के प्रकार

Practical

विद्यार्थी शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर मातृ भाषा और विदेशी भाषा शिक्षण की कक्षाओं का निरीक्षण कर सकते हैं और इसके प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं।

References

- भाषा शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष- संपादक अमर बहादुर सिंह
- भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- संपादक ब्रजेश्वर वर्मा
- हिन्दी भाषा शिक्षण-भोलानाथ तिवारी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

शिक्षण, अर्जन, दक्षता, ज्ञान

भाषाई दक्षता
(BAPHSEC04)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों की भाषायी कुशलता का विकास।

व्यावसायिक एवं कार्यालयी हिंदी के सही प्रयोग का विकास।

विद्यार्थियों में द्रुतवाचन एवं मौन पठन का विकास।

Course Learning Outcomes

भाषायी दक्षता का विकास।

विद्यार्थियों की कार्य कुशलता में वृद्धि।

विषय के संक्षेपण एवं पल्लवन की कुशलता का विकास।

Unit 1

इकाई-1 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्त्व
- श्रवण और वाचन
- पठन और लेखन

Unit 2

इकाई-2 : भाषायी दक्षता की निर्माण प्रक्रिया

- भाषायी संरचना की समझ और विकास
- भाषा-व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)
- भाषायी क्षमता को प्रभावित करने वाले तत्त्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

Unit 3

इकाई-3 : भाषायी दक्षता के प्रायोगिक पक्ष

- भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन, लक्ष्य-निर्धारण, नियोजन के स्तर पर
- शब्द-सामर्थ्य : सामान्य एवं तकनीकी शब्द
- सुनना और बोलना – प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप
- पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य-केंद्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

Unit 4

इकाई-4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

- किसी एक विषय पर – भाषण, वार्तालाप या टिपण्णी, समूह चर्चा
- किसी एक विषय का – भाव-विस्तार या पल्लवन
- द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित
- समीक्षा – पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा

References

- भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावसायिक हिंदी – दिलीप सिंह

- प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे
- आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अनुज तिवारी

Additional Resources:

- व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश
- जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान , सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

रचनात्मक लेखन
(BAPHSEC01)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- विद्यार्थियों के मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना.
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास करना.
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय कराते हुए लेखन की ओर प्रेरित करना.
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की प्रवृति को विकसित करना.

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थियों में -

- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित होने में मदद मिलेगी.
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा.
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की अग्रसर हो सकेंगे.
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी वे अग्रसर होंगे.

Unit 1

रचनात्मक लेखन: अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

- भाव एवं विचार की रचना में अभिव्यक्ति की प्रक्रिया
- अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, भाषण, लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाल-लेखन

Unit 2

रचनात्मक लेखन: आधार और विश्लेषण

- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्द और अर्थ की मीमांसा, शब्द के पुराने-नए प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि
- भाषा की भंगिमाएँ: औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक
- भाषिक सन्दर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना-सौष्ठव:शब्द-शक्ति,प्रतीक, बिम्ब, अलंकार, वक्रता

Unit 3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

- कविता: संवेदना, भाषिक सौष्ठव, छंदबद्ध-छन्दमुक्त, लय, गति,तुक
- कथा-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश,कथ्य और भाषा
- नाट्य-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य,रंगमंच और नाट्य-भाषा
- विविध गद्य विधाएँ: निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, व्यंग्य, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत
- बच्चों के लिए लेखन

- नोट: उपरोक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए.

Unit 4

सूचना-माध्यमों के लिए लेखन

- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन : फीचर, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, फिल्म-पुस्तक-नाटक समीक्षा, विज्ञापन
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के लिए लेखन : विज्ञापन, पटकथा, संवाद
- नोट: उपरोक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए.

References

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम- रघुवंश
2. शैली - रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन- सं रमेश गौतम
4. कविता क्या है - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
6. पटकथा लेखन- मनोहर श्याम जोशी

Additional Resources:

1. कला की जरूरत -अन्र्स्ट फिशर, अनुवादक - रमेश उपाध्याय
2. साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3. कविता-रचना प्रक्रिया - कुमार विमल

Teaching Learning Process

- पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विद्यार्थी का परिचय करवाना.
- विद्यार्थी को उक्त अभिव्यक्तियों के अभ्यास के लिए प्रेरित करना.
- विभिन्न साहित्यकारों के साहित्य का पठन-पाठन करने के लिए प्रेरित करना.
- भाषायी कौशल के विकास के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करना.

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विज्ञापन और हिंदी भाषा
(BAPHSEC05)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

I. विद्यार्थियों को विज्ञापन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना

II. विज्ञापन भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना

III. विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास कराना

Course Learning Outcomes

I. विज्ञापन लेखन की दृष्टि से भाषा-दक्षता

II. विज्ञापन निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझना

III. विज्ञापन बाज़ार में विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होना

IV. कॉपी लेखन आदि कार्यों के लिए तैयार होना

Unit 1

इकाई 1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

· विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और महत्व

· विज्ञापन के उद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक

· विज्ञापन के प्रमुख प्रकार

· विज्ञापन के प्रभाव

Unit 2

इकाई 2 : विज्ञापन माध्यम

· विज्ञापन माध्यम चयन के आधार

· प्रिंट, रेडियो और टेलीविज़न

· डिजिटल विज्ञापन तथा आउट ऑफ़ होम विज्ञापन—होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइन बोर्ड,

सोशल मीडिया विज्ञापन--फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, सोशल नेटवर्किंग साइट्स

· अन्य माध्यम

Unit 3

इकाई 3 : विज्ञापन की भाषा

- विज्ञापन की भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा-शैली के विभिन्न पक्ष
- विज्ञापन स्लोगन एवं पंच लाइन
- प्रमुख हिंदी विज्ञापनों की भाषा का विश्लेषण

Unit 4

इकाई 4 : विज्ञापन:कॉपी लेखन

- विज्ञापन कॉपी के अंग
  - प्रिंट माध्यम: लेआउट के विविध प्रारूप
- वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण
- रेडियो जिंगल लेखन
- टेलीविज़न विज्ञापन के लिए कॉपी लेखन

References

सहायक ग्रन्थ

Ø जनसंपर्क, प्रचार और विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ

Ø जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

Ø डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Ø ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी

Additional Resources:

Ø मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल

Ø विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा

Ø विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन: भाषा और संरचना - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन और ब्रांड – संजय सिंह बघेल

Ø मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा

Ø भारतीय मीडिया व्यवसाय – वनिता कोहली खांडेकर

Ø संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रत्तू

Ø Jethwaney, J. N., & Jain, S. (2012). *Advertising management.* Oxford: Oxford University Press.

Ø Chunawalla. (2000). *Advertising theory and practice*. Mumbai: Himalaya Publishing House.

Ø Martin, P., & Erickson, T. (2011). *Social media marketing*. New Delhi: Global Vision Publishing House.

वेबलिंक

· www.adbrands.net

· www.afaqs.com

· www.adgully.com

· www.cnbc.com

· www.exchange4media.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

ब्रांड, कॉपी, स्लोगन, डिजिटल, सोशल मीडिया

अनुवाद : व्यवहार और सिद्धांत
(BAPHGE01)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद के व्यवहार और सिद्धान्त की समझ विकसित करना

विभिन्न क्षेत्रों की मांगों के अनुरूप अनुवाद दक्षता निर्मित करना

Course Learning Outcomes

अनुवाद के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकता को समझने में मदद मिलेगी

सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान निर्मित होगा

Unit 1

1. भारत का भाषाई परिदृश्य और अनुवाद
2. अनुवाद का स्वरुप और प्रकार
3. अनुवाद के उपकरण - कोश -ग्रन्थ
4. अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2

1. प्रयुक्ति की अवधारण ; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
2. विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से सम्बंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ
3. विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली
4. अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3

अनुवाद व्यवहार - 1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. सर्जनात्मक साहित्य
2. ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य
3. सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अनुवाद व्यवहार - 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. जनसंचार
2. प्रशासनिक अनुवाद

3. बैंकिंग अनुवाद
4. विधि अनुवाद

Practical

References

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत - कैटफोर्ड, जे सी सिद्धांत (अनुवाद - रविशंकर दीक्षित) मध्य प्रदेश ग्रन्थ अकादेमी, भोपाल
2. अनुवाद के सिद्धांत - रेड्डी, आर.आर. (अनुवाद- डा. जे. एल. रेड्डी) साहित्य अकादेमी, मंडी हाउस, नयी दिल्ली
3. अनुवाद-सिद्धांत और प्रयोग - गोपीनाथन, जी. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Additional Resources:

1. अनुवाद विज्ञान-सिद्धान्त और अनुप्रयोग - संपादक- डा. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

अनुवाद, मूल भाषा, संस्कृति, समाज, सम्प्रेषण, अर्थ दर्शन, भाव साम्यता

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
(BAPHGE03)

Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान

प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण

Course Learning Outcomes

अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान

विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना

प्रमुख कृतियों का परिचय

Unit 1

इकाई - 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)

दलित स्त्रीवाद, लिंगभेद, पितृसत्ता

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

Unit 2

विमर्शमूलक कथा साहित्य :

(1) ओमप्रकाश बाल्मीकि - सलाम

(2) जयप्रकाश कर्दम - मोहरे (तलाश : कहानी संग्रह से)

(3) हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158-167

Unit 3

विमर्शमूलक कविता :

क) दलित कविता :

(1) हीरा डोम (अछूत की शिकायत)

(2) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

ख) स्त्री कविता :

(1)अनामिका (स्त्रियाँ)

(2) निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो)

Unit 4

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1 प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक

2 तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारम्भ पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3 श्यौराज सिंह 'बेचैन' - मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)

References

अम्बेडकर रचनावली - भाग-1

मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अम्बेडकर (अनुवादक श्यौराज सिंह 'बेचैन')

गुलामगिरी- ज्योतिबा फुले

ज्योतिबा फुले : सामाजिक क्रांति के अग्रदूत - डॉ नामदेव

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार निम्बाले

·दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय

हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ - रजत रानी 'मीनू'

अस्मितामूलक विमर्श - रजत रानी मीनू

स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउवा

उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान

औरत होने की सजा -अरविंद जैन

नारीवादी राजनीति -सं. जिनी निवेदिता

स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह

स्त्री स्वर : अतीत और वर्तमान - डॉ नीलम, डॉ नामदेव

आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता

सामाजिक न्याय और दलित साहित्य- श्यौराज सिंह 'बेचैन' (स॰)

Additional Resources:

दलित दस्तक

सम्यक भारत

अंबेडकर इन इंडिया
बहुरी नहीं आवना
नेशनल दस्तक (वेब लिंक)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म और डॉक्यूमेंट्री

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

अस्मितामूलक विमर्श से जुड़े तथ्य

जनपदीय साहित्य
(BAPHGE02)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

बोलियों और जनसंस्कृति का परिचय देना

जनपदीय जीवनशैली और साहित्य को अध्ययन की मुख्यधारा से जोड़ना

Course Learning Outcomes

लोक संस्कृति की समझ विकसित होगी

पर्यटन, साहित्य और बोलियों की जानकारी प्राप्त होगी
लोकसाहित्य के अध्ययन विश्लेषण की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

जनपदीय साहित्य

जनपदीय साहित्य की अवधारणा, जनपदीय साहित्य के विविध रूप – लोकगीत , लोककथा , लोकगाथाएं , लोकनाट्य , लोकोक्तियाँ , पहेलियाँ – बुझौवल और मुहावरे, हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय), मौखिक साहित्य और समाज |

Unit 2

लोकगीत :वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत :सोहर , विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर भोजपुरी :भोजपुरी संस्कार गीत - श्री हंस कुमार तिवारी –बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् प्.8 ,गीत संख्या 4

सोहर अवधी –हिंदी प्रदेश की लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय प्.110,111, साहित्य भवन इलाहावाद

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा ,प्.116

ऋतुसंबंधी गीत :बारामासा, होली, चैत, कजरी इत्यादि !

-निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ट

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव पृ 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 205

वाचिक कविता :भोजपुरी :पं विद्यानिवास मिश्र ,पृ 51,49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी , जंतसर ,दँवनी, रोपनी , इत्यादि

कटनी के गीत, अवधी 2 गीत –हिंदी प्रदेश के लोकगीत: पं कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134 135

जंतासरी : भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य –विद्या सिन्हा ,पृ 140,141

विविध गीत :घुघुती – कुमाउनी:कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली :कविता कौमुदी :ग्रामगीत ,पं . रामनरेश त्रिपाठी , पृ 801 -802

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएं : सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ - आल्हा ,लोरिक ,सारंग सदावृक्ष , बिहुला

राजस्थानी लोककथा नं.2,हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 10 , 11 (सोलहवां भाग)

मालवी लोक कथा नं.2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 461 -462

अवधी लोककथा नं. 2 ,हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, पंडित राहुल सांकृत्यायन पृ 187 -188

Unit 4

(क)पाठ : संक्षिप्त लक्कड़हारा सांग लखमीचंद ग्रन्थावली

संपा प्रो पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी , चंडीगढ़

(ख) बिदेसिया : भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

बिदेसिया, कठपुतली, सांग,(हरियाणा) भांड , ख्याल (राजस्थान), माच (मालवा)

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत –कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा प्रदेश के लोकसाहित्य - शंकर लाल यादव

मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी

मालवी लोकसाहित्य का अध्ययन– श्याम परमार

रसमंजरी - पं.विद्यानिवास मिश्र

हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास , पं॰ राहुल संकृत्यायन(सोलहवां भाग)

वाचिक साहित्य :भोजपुरी –पं.विद्यानिवास मिश्र

भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य - विद्या सिन्हा

कविता कौमुदी :ग्रामगीत –रामनरेश त्रिपाठी

लखमीचंद का काव्य – वैभव –हरिचंद बंधु

Additional Resources:

सूत्रधार –संजीव

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन-हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

हिंदी का जनपदीय साहित्य – विद्यानिवास मिश्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, ऑनलाइन वीडियो

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

सभी नाम और शैलियाँ, जनपद, संस्कृति-समाज, बोलियाँ

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
(BAPHGE04)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना

हिन्दी सिनेमा के विकास का अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत मे आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे

Unit 1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

Unit 2

हिंदी सिनेमा : उदभव और विकास

Unit 3

सिनेमा में कैमरे की भूमिका

Unit 4

नयी तकनीकी और सिनेमा – संभावनाएं और चुनौतियाँ

(संदर्भ – मुगले आज़म, मदर इंडिया, दीवार , पीके)

References

हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चडढ़ा

सिनेमा, नया सिनेमा - ब्रजेश्वर मदान

सिनेमा : कल,आज और कल – विनोद भारद्वाज

Additional Resources:

हिंदी का मौखिक परिदृश्य – करुणाशंकर उपाध्याय

हिंदी का मौखिक परिदृश्य – कौशल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमाई शब्दावली

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी भाषा और संप्रेषण
(BAPAECC01)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC)
Credit:4

Course Objective(2-3)

- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

स्नातक स्तर के छात्रों को भाषायी संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत करवाया जाएगा।
भाषा के शुद्ध उच्चारण , सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे ।
भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप , भाषण , उसके पल्लवन , पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा का भी अध्ययन कर सकेंगे ।

Unit 1

इकाई -1 - भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धान्त

1 - सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व
2- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
3- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
4- अभाषिक संप्रेषण

Unit 2

इकाई - 2 सम्प्रेषण के प्रकार

1. मौखिक और लिखित
2. वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक
3. भ्रामक सम्प्रेषण (miscommunication) और प्रभावी संप्रेषण में अंतर
4. सम्प्रेषण में चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

Unit 3

इकाई - 3 सम्प्रेषण के माध्यम

1. एकालाप
2. संवाद
3. सामूहिक चर्चा
4. जन संचार माध्यमों पर संप्रेषण : कंप्यूटर-इंटरनेट, ई-मेल, ब्लॉग, वेबसाइट

Unit 4

इकाई - 4 व्यक्तित्व और प्रभावी भाषिक सम्प्रेषण

1. व्यक्तित्व और भाषिक अस्मिता - आयु, लिंग, वर्ग, शिक्षा
2. प्रभावी सम्प्रेषण के गुण - शुद्ध उच्चारण, भाषिक संरचना की समझ, भाषा व्यवहार, शब्द सामर्थ्य, शैली -सुर-लहर, अनुतान, बलाघात
3. प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में सम्प्रेषण की भूमिका

References

- हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार
- प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ
- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्यानिवास मिश्र

Additional Resources:

- कुछ पूर्वग्रह-अशोक वाजपेयी
- भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

VAC 1: भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मल्य

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरूप से छात्रों का परिचय कराना
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना ।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृति क और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना ।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बन सकेंगे ।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिल

भारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।

• प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

SYLLABUS OF परंपरा और मानव मूल्य

UNIT – I भारतीय भक्ति परंपरा **(5 Weeks)**

- भक्ति : अर्थ और अवधारणा
- भक्ति के वि भि न्न संप्रदाय और सि द्धांत
- भारत की सांस्कृति क एकता और भक्ति
- भक्ति का अखि ल भारतीय स्वरूप

UNIT – II भारत के कुछ प्रमुख भक्त और उनके वि चार **(5 Weeks)**

संत ति रुवल्लुवर , आण्डाल, अक्कमहादेवी, ललद्यद , मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास, गुरु नानक, सूरदास, जायसी, तकु ाराम, नामदेव, नरसिहं मेहता, वेमना, कंु चन, नम्बियार, चतैन्य महाप्रभ,ु चंडीदास, सारला दास, शंकरदेव

UNIT – III मानव मूल्य और भक्ति **(5 Weeks)**

मानव मूल्य का अर्थ

चयनि त भक्त कवि यों की जीवन मूल्यपरक कवि ताएँ

Practical component (if any) – **(15 Weeks)**

- पाठ्यक्रम में उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि की रचनाओं में विभिन्न मानव मूल्यों के आधार पर प्रोजेक्ट
- वर्तमान समय में भक्ति की प्रासंगि कता को समझना; सर्वे और साक्षात्कार पद्धति के आधार पर.
- जीवन में मानव मूल्यों के प्रति पालन पर सर्वे और साक्षात्कार के आधार पर एक रि पोर्ट बनाना.

- उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि से संबंधि त किसी मठ, आश्रम या मंदिर आदि, अथवा कोई फिल्म/ डॉक्युमेंट्री के आधार पर रिपोर्ट बनाना.
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- **Any other Practical/Practice as decided from time to time**

Essential/recommended readings

- 'भक्ति का उद्भव और विकास तथा वैष्णव भक्ति के विविधरूप, भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक- डॉ नगेंद्र, हि ंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पृष्ठ संख्या **215-250**
- कुछ प्रमुख कवियों के चयनित पद
- 'भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य', शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, **1994**
- 'मानव मूल्य और साहित्य, डॉ धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली,**1999**

Suggested readings

- 'भक्ति के आयाम', डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दि ल्ली
- 'हि ंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 'मध्यकालीन हि ंदी काव्य का स्त्री पक्ष', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
- 'मध्यकालीन हि ंदी भक्ति काव्य: पुनर्मूल्यांकन के आयाम', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स , नई दिल्ली

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC 1: साहित्य संस्कति और सिनेमा

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
साहित्य संस्कृति और सिनेमा	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना
- छात्रों को नैतिक,सांस्कृति क और संवैधानि क मूल्यों के प्रति जागरूक करना
- भारतीय ज्ञान परंपरा,वैज्ञानि क दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना
- साहित्य,संस्कृति और सि नेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण,प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- साहित्य ,संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से नैतिक,सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों की समझ वि कसि त होगी
- भारतीय ज्ञान परंपरा और नैतिक मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा
- वैचारि क समझ एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा
- परियोजना के माध्यम से संप्रेषण एवं प्रस्तुति करण दक्षता का विकास होगा
- छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वां गीण विकास होगा

SYLLABUS OF **साहित्य संस्कृति और सिनेमा**

UNIT – I साहित्य,संस्कृति और सिनेमा का सामान्य परिचय (2 Weeks)

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा : परिभाषा और स्वरूप
- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा का अंत:संबंध

UNIT – II साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा (6 Weeks)

- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा में परिकल्पना
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा की प्रासंगि कता
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा- आनंदमठ 1952, तीसरी कसम 1966, रजनीगंधा 1974, पद्मावत 2016

UNIT – III हिन्दी सिनेमा में सामाजिक –सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति (7 Weeks)

- सामाजि क - सांस्कृति क मूल्य
- सामाजि क - सांस्कृति क मूल्य के शक्ति शाली उपकरण के रूप में सि नेमा
- हि न्दी सि नेमा में अंतर्नि हि त सामाजि क- सांस्कृति क मूल्य – मदर इंडि या 1957, बंदिनी 1963, पूरब और पश्चि म 1970, हम आपके हैं कौन 1994, टॉयलेट: एक प्रेमकथा 2017

Practical component (if any) – (15 Weeks)

- भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित लघु फिल्म हेतु पटकथा लेखन **(8-10** मि नट **)**
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण **(8-10** मिनट **);** यह सामूहिक क्रियाकलाप होगा
- राष्ट्रप्रेम, कुटुंब, शांति , पर्या वरण, जल-संरक्षण, स्वच्छता,मित्रता, सत्यनिष्ठा, कर्मनिष्ठा, समरसता में से किसी एक विषय पर मूक फिल्म निर्माण **(8-10** मि नट**)**
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- **Any other Practical/Practice as decided from time to time**

Essential/Recommended readings

- 'संस्कृति क्या है (निबंध) सस्ंकृति ,भाषा और राष्ट्र, रामधारी सिहं दिनकर, लोक भारती प्रकाशन,2008,पृष्ठ संख्या 60-64.
- साहित्य का उद्देश्य(निबंध) ,प्रेमचंद ,एस. के.पब्लिशर्स,नई दि ल्ली,1988,पृष्ठसंख्या 7-18.
- भारतीय संस्कृति के स्वर,महादेवी वर्मा , राजपाल एंड संस प्रकाशन 2017 .
- हि ंदी सिनेमा ; भाषा ,समाज और संस्कृति (लेख), पृष्ठ संख्या 11-18 भाषा ,साहित्य ,समाज और सस्कृति खंड 6,प्रो. लालचंद राम, अक्षर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,2020
- सिनेमा और साहित्य का अंतःसंबंध (लेख) पृष्ठ संख्या 30-34,साहित्य और सिनेमा, परुषोतम कंु दे (संपा.) साहित्य सस्ंथान,2014
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (लेख) पृष्ठ संख्या 206-212,लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ ,जवरीमल पारख, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., 2019

Suggested readings

- सिनेमा और संस्कृति ,राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, प्रकाशन वर्ष, 2018.
- जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल
- सिनेमा और संसार, उदयन वाजपेयी
- साहित्य,संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रि या(नि बंध)अज्ञेय, संपाoकृष्णदत्तपालीवाल, सस्ता साहित्य मंडल,नई दि ल्ली, 2010, पृष्ठसंख्या 25-41
- सिनेमा समकालीन सिनेमा ,अजय ब्रह्मात्मज,वाणी प्रकाशन,2006
- कल्चर इन्डस्ट्री रिकन्सि डर्ः पृष्ठसंख्या- 98-106 कल्चरइन्डस्ट्रीःथ्योडोरएडोर्नो , राउटलेज (भारतीयसंस्करण)
- दि सिग्निफिकेन्स ऑफ कल्चर इन अन्डर्स्टैंडिग ऑफ सोशल चेंज इन कन्टेम्परिर इंडियाः पृष्ठसंख्या- 25-39.
- कल्चर चेंज इन इंडियाःआइडन्टिटी एंड ग्लोबलाइजेशनः योगेन्द्र सिहं .रावत पब्लिकेशन, जयपुर,भारत.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC 1: सृजनात्मक लेखन के आयाम

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
सृजनात्मक लेखन के आयाम	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- सृजनात्मकता और भाषायी कौशल का संक्षिप्त परिचय कराना
- विचारों का प्रभावी प्रस्तुति करण करना
- सजृनात्मक चितंन और लेखन क्षमता को विकसित करना
- मीडि या लेखन की समझ विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- सजृनात्मक चितंन और लेखन क्षमता का विकास हो सकेगा
- लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति की प्रभावी क्षमता विकसित हो सकेगी
- मीडिया लेखन की समझ विकसित होगी
- विद्यार्थी में अपने परिवेश, समाज तथा राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा

SYLLABUS OF सृजनात्मक लेखन के आयाम

UNIT – I सृजनात्मक लेखन **(5 Weeks)**

- सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप और बोध

• सृजनात्मक लेखन और परिवेश
• सृजनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण

UNIT – II सृजनात्मक लेखन : भाषि क संदर्भ **(5 Weeks)**

• भाव और विचार का भाषा में रूपान्तरण
• साहित्यि क भाषा की विभिन्न छवि याँ
• प्रिटं तथा इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की भाषा का अंतर

UNIT – III सृजनात्मकता लेखन – विविध आयाम **(5 Weeks)**

• कविता, गीत, लघु कथा
• हास्य - व्यंग्य लेखन,
• पल्लवन, संक्षेपण , अनुच्छेद

Practical component (if any) – **(15 Weeks)**

• कक्षा में प्रत्येक वि द्यार्थी द्वारा 'मेरी पहली रचना'शीर्षक से किसी भी विधा में लेखन
• किसी भी साहित्यिक रचना का भाषा की दृष्टि से विश्लेषण
• इकाई- 3 में उल्लिखित विधाओं में विद्यार्थि यों द्वारा लेखन एवं सामूहिक चर्चा
• प्रत्येक इकाई से संबन्धि त परि योजना कार्य:

i. समसामयिक विषयों पर किसी भी विधा में लेखन – बदलते जीवन मूल्य, महामारी, राष्ट्र निर्माण में छात्र की भूमि का, युवाओं के कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, लोकतन्त्र में मीडिया की भमि का, ऑनलाइन शॉपि गं अथवा अन्य समसामयिक विषय

ii. कि सी उत्सव, मेला, प्रदर्शनी, संग्रहालय और कि सी दर्शनीय स्थल का भ्रमण तथा उस पर परियोजना कार्य

• प्रिटं माध्यम के खेल, राजनीति , आर्थिक और फिल्म जगत आदि से जड़ु ी सामग्री का भाषा की दृष्टि से विवेचन
• इलेक्ट्रोनि क माध्यम के समाचार, धारावाहिक, वि ज्ञापन आदि का भाषा की दृष्टि से विवेचन
• आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें

- Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/recommended readings

- **लेखन एक प्रयास, हरीश चन्द्र काण्डपाल**
- **रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम**
- **साहित्य – चितंन: रचनात्मक आयाम, रघवुश**

Suggested readings

- अग्नि की उड़ान, अबुल कलाम आज़ाद
- टेलीवि जन की भाषा - हरीश चन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- छोटे पर्दे का लेखन, हरीश नवल
- काव्यभाषा : रचनात्मक सरोकार, प्रो. राजमणि शर्मा
- कविता रचना प्रक्रिया, कुमार विमल

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

विकास गुप्ता
16/9/22
REGISTRAR

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/198
Dated: 06.09.2022

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-21 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

SKILL ENHANCEMENT COURSES (SECS)
UNDER
UGCF-2022
LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)

The NEP 2020 envisages imparting life skills as well as technical and professional skills as part of holistic education. University of Delhi has prepared various Skill Enhancement Courses in different domains to provide kinds of skills to the students, such as Communication Skills, Computer related skills, Coding skills, financial management skills, etc. with higher degree of hands on learning so as to equip them with the skills of their choice suitable to the academic path they choose.

A student who pursues any undergraduate programme in the University and its Colleges is offered a pool of Skill Enhancement Courses, from which he has to choose one to study in the first Semester. A list of such courses as passed by the Executive Council in its meeting dated 18.08.2022 is as below:

SL.NO.	COURSE TITLE	TOTAL CREDITS: 2
1	Advanced Spreadsheets Tools	
2	Analytics/ Computing With Python	
3	APP Development using Flutter	
4	Back-End Web Development	
5	Basic IT Tools	

6	Big Data Analytics
7	Beginners Course to Calligraphy
8	Business Communication
9	Business Intelligence and Data Visualisation
10	CAD for Fashion
11	Communication in Everyday Life
12	Communication in Professional Life
13	Creative Writing
14	Cyber Sphere and Security : Global Concern
15	Developing sustainability plans for a business
16	Digital Film Production
17	Digital Marketing
18	Essentials of Python
19	E-Tourism
20	Finance for Everyone
21	Financial Database and Analysis Software
22	Front End Web Design and Development
23	Graphics Design & Animation
24	Harmonium
25	Introduction to Arabic Calligraphy
26	Introduction to Blockchain
27	Introduction to Cloud Computing (AWS)
28	Negotiations and Leadership
29	Personal Financial Planning
30	Personality Development and Communication
31	Political Leadership and Communication
32	Programing with Python
33	Prospecting E-Waste for Sustainability
34	Public Speaking in English Language and Leadership
35	Statistical Software Package
36	Statistics with 'R'
37	Sustainable Ecotourism and Entrepreneurship
38	Visual Communication and Photography
39	पटकथा लेखन
40	रंगमंच
41	रचनात्मक लेखन

ADVANCED SPREADSHEETS TOOLS

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Advanced Spreadsheets Tools	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To enable the students to use Excel for advanced data analysis
- To equip the students to with automation skills on excel
- To enable the students to use excel for informed decision making.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to make meaningful representations of data in the form of charts and pivot tables.
- By studying this course, students will be able to draw analysis on data using spreadsheets and use interpretation to make decisions.
- By studying this course, students will be able to generate word documents with appropriate formatting, layout, proofing.
- By studying this course, students will be able to manage data for generating queries, forms and reports in a database.

SYLLABUS

Unit 1: Excel Advanced Techniques **(3 Weeks)**

Templates, Efficiency, and Risk (Standard Deviation, Variance, and Coefficient of Variation), Data Validation; *Functions and Power functions, Array Formulae (Frequency Distribution, mode.mult, mode.sngl), Tables, Advanced Range Names, What–if-analysis: Goal-seek, Data tables, and Scenario Manager; Data analysis ToolPak: Descriptive Statistics, Moving averages, Histogram, Covariance, correlation, and Regression analysis (only for projection); solver add-

in. Problem Solving using Solver (optimal product mix, workforce scheduling, transportation, capital budgeting, financial planning), Integrating excel with other tools: MS word, outlook, PowerPoint, Access, Power BI.

Unit 2: Excel Interactivity and Automation **(4 Weeks)**

Index and Match, Offset, Dynamic Charting, Database functions, Text functions, and Error functions: IfError, IsError, Aggregate, Circular Reference, Formula Auditing, Floating-Point Errors, Form Controls (Button, Combo, Check box, Spinner, List, Option), Visual Basic (only basic). Recording Macros, Absolute and relative macros, editing macros, Use of spinner buttons and command buttons; Sub Procedure, Function Procedure (creating New Functions); Working with Loops: Do_while loop, For_Next loop; Creating User Forms: Message Box, Input Box; If_Then_Else.

Unit 3: Introduction to VBA **(4 Weeks)**

Conditional Formatting, Charts that Inspire (Waterfall, Column, Line, Combo, Thermometer, Scatter, Histogram) Slicers, Sparklines, Graphics Tricks and Techniques, Worksheet Automation using Macros: Absolute and relative macros, editing macros, Creating new functions using macros, Use of spinner buttons and command buttons.

Unit 4: Data Analysis and Decision-Making **(4 Weeks)**

Working with External Data, Advanced Uses of PivotTables, PowerPivot, Reporting with PowerPivot, Power query, Dashboard, Creating a spreadsheet in the area of: Loan and Lease statement; Ratio Analysis; Payroll Accounting; Capital Budgeting (NPV & IRR), Portfolio Management, Breakeven analysis, and Sensitivity analysis; Operations Management: Constraint, Forecasting & Trend Analysis optimization, Assignment Problems; Depreciation Accounting (Single Method); Graphical representation of data; Frequency distribution and its statistical parameters; Correlation and Regression Analysis

Essential/recommended readings

- Excel 2016 Power Programming with VBA, Michael Alexander, Dick Kusleika, Wiley.
- Financial Analysis and Modelling Using Excel and VBA, Chandan Sengupta, Second Edition, Wiley Student Edition.
- MS Excel 2016, Data Analysis & Business Modelling, Wayne Winston, PHI.

Suggestive readings

- Microsoft Excel 2016 - Data Analysis and Business Modelling Paperback – 1 May 2017 Wayne L. Winston, Microsoft Press.
- Microsoft Excel Practical Formulae: From Basic Data Analysis to Advanced Formulae
- Manipulation Diane Griffiths.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 Marks

Practical Exam (Internal): 25 Marks

End Semester University Exam: 50 Marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

ANALYTICS / COMPUTING WITH PYTHON

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title &Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Analytics/computing with Python	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce machine learning techniques to students using Python programming
- To enable students to use various tools and and packages for advanced data analysis

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to learn about Python's main features and how they make Python a great tool for financial analysts.
- After studying this course, students will be able to get familiarized with Anaconda and Jupyter Notebook.
- After studying this course, students will be able to learn basics of Machine learning.
- After studying this course, students will be able to to apply these techniques on data.

SYLLABUS

Unit I **(5 weeks)**

Python: General overview, Python vs. Excel , Anaconda and Jupyter notebook: Interface overview, Data types in Python, Python basic syntax: Assignment statements, creating variables, indentation, conditionals, and loops, writing user defined functions. Working with libraries: Pandas, NumPy, Matplotlib, and Seaborn. Python SQL Database Access: Introduction, Installation, DB Connection, Creating DB Table.

Unit II **(5 weeks)**

Pandas: Working with Data Frame, Importing fromExcel or .csv files, Powerful filters and indexes. Numpy: Selecting data with loc and iloc, Using NumPy for speed, Trade-offs between arrays and lists, Array functions. Data cleansing and normalization: Libraries for data visualization, Types of charts/graphs andhow to build them.

Unit III **(5 weeks)**

Machine learning: Introduction, Definitions, Supervised, unsupervised, python libraries for machine learning: Sci-kit learn, Regression: Linear regression, logistic regression, over-fitting and regularization.

Essential/recommended readings

- Pilgrim, M. (2004). Dive Into Python. Apress. Ch. 1,2,4
- S Raschka, Python Machine Learning, V Mirjalili (2020), Ch 3
- Mitchell, T. M. (1997). Machine Learning. New York: McGraw-Hill.

Suggested Readings

- Liu, Y. (2019). Python machine learning by example: Implement machine learning algorithms and techniques to build intelligent systems (Second edition.). Packt Publishing.
- Boschetti, A. (2016). Regression Analysis with Python (1st ed.). Packt Publishing. Retrieved from https://www.perlego.com/book/4457/regression-analysis-with-python- pdf (Original work published 2016)
- Sivanandam, S.N., & Deepa, S.N. (2011). Principles of soft computing.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

APP Development using Flutter

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
APP development using Flutter	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To enable the students for developing simple mobile applications that can run on Android, IOS and Web.
- To learn the fundamentals of Flutter platform.
- To enable the students to write cross-platform applications.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to Install and use flutter
- After studying this course, students will be able to use DART language
- After studying this course, students will be able to build a cross-platform APP
- After studying this course, students will be able to deploy application with single codebase.

SYLLABUS

Unit 1 **(3 weeks)**

Introduction to Flutter, Flutter – installation, Widgets, Gestures (Title, Body, Layouts, Columns, Root, Run app)

Unit 2 **(4 weeks)**

State Management, Flutter – Introduction To Package, Build method, Dart packages, app bar, text widgets, Scaffold, Containers, Structuring flutter apps, Using GitHub repos of flutter.

Unit 3 **(4 weeks)**

Flutter – Accessing Rest API, Database Concepts, Testing (Widget Testing).

Unit 4 **(4 weeks)**

Deployment (Android Application On Play Store, IOS Application On APP Store)

Practical Exercises **(15 weeks)**

- Build a simple quiz app in flutter for android, ios, and web.
- Build a cross-platform app based on your own idea. Use as many features of flutter as you can.

Essential/recommended readings

- https://docs.flutter.dev/
- https://github.com/flutter

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Back-End Web Development

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Back-End Web Development	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objective of this course is as follows:

- To introduce the basic concepts and techniques of server side web programming.
- To enable the students to apply the basic concepts and techniques of server side web programming.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to build interactive and dynamic websites.
- After studying this course, students will be able to write the server side programming techniques with Django for accessing the contents to/from the server
- After studying this course, students will be able to learn to validate server-side/backend data
- After studying this course, students will be able to use GET and POST methods for sending data within client and server.

SYLLABUS

Unit 1 **(7 weeks)**

Installation of Django ,Introduction to Django;;Model–view–controller(MVC) model; Django structure; HTML templates; URL dispatcher ,Django Template System, Interacting with a Database

Unit 2 **(8 weeks)**

The Django Administration Site , Wrapper Functions, Custom Views GET and POST methods ;Deployment of Django; Automating tasks with Django; Building Web APIs using Django REST

Project work **(15 weeks)**

Build a website for student admission in a college/university.

Essential/recommended readings

- https://docs.djangoproject.com/

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Basic IT Tools

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Basic IT Tools	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To enable students develop IT skills that are a pre-requisite in today's work environment.
- To equip them with basic computing skills that will enhance their employability in general.
- To enable the student to analyse and present information in a meaningful manner.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to use word-processor to generate documents with appropriate formatting, layout, review and referencing.
- By studying this course, students will be able to manage data in worksheets and workbooks and analyze it using spreadsheet functions and inbuilt formulas.
- By studying this course, students will be able to draw analysis on data using spreadsheets to make decisions.
- By studying this course, students will be able to make meaningful representations of data in the form of charts and pivot tables.
- By studying this course, students will be able to manage data in database tables and use the same for generating queries, forms and reports.

SYLLABUS

Course Contents:

Unit 1: Introduction to Spreadsheets **(4 Weeks)**

Spreadsheets: Concept of worksheets and workbooks, creating, opening, closing and saving workbooks, moving, copying, inserting, deleting and renaming worksheets, working with multiple worksheets and multiple workbooks, controlling worksheet views, naming cells using name box, name create and name define; Exchanging data using clipboard, object linking and

embedding; Printing and Protecting worksheets: Adjusting margins, creating headers and footers, setting page breaks, changing orientation, creating portable documents and printing data and formulae; Implementing file level security and protecting data within the worksheet; Understanding absolute, relative and mixed referencing in formulas, referencing cells in other worksheets and workbooks, correcting common formula errors, working with inbuilt function categories like mathematical, statistical, text, lookup, information, logical, database, date and time and basic financial functions.

Unit 2: Data Analysis in Spreadsheets **(4 Weeks)**

Consolidating worksheets and workbooks using formulae and data consolidate command; Choosing a chart type, understanding data points and data series, editing and formatting chart elements, and creating sparkline graphics, Analysing data using pivot tables: Creating, formatting and modifying a pivot table, sorting, filtering and grouping items, creating calculated field and calculated item, creating pivot table charts, producing a report with pivot tables. Introduction to recording and execution of macros.

Unit 3: Word Processing **(3 Weeks)**

Introduction: Creating and saving your document, displaying different views, working with styles and character formatting, working with paragraph formatting techniques using indents, tabs, alignment, spacing, bullets and numbering and creating borders; Page setup and sections: Setting page margins, orientation, headers and footers, end notes and foot notes, creating section breaks and page borders; Working with tables: Creating tables, modifying table layout and design, sorting, inserting graphics in a table, table math, converting text to table and vice versa; Create newspaper columns, indexes and table of contents, Spell check your document using inbuilt and custom dictionaries, checking grammar and style , using thesaurus and finding and replacing text; Create bookmarks, captions and cross referencing, adding hyperlinks, adding sources and compiling and bibliography; Mail merge: Creating and editing your main document and data source, sorting and filtering merged documents and using merge instructions like ask, fill-in and if-then-else; Linking and embedding to keep things together.

Unit 4: Databases **(4 Weeks)**

Introduction to Database Development: Database Terminology, Objects, Creating Tables, working with fields, understanding Data types, Changing table design, Assigning Field Properties, Setting Primary Keys, using field validation and record validation rules, Indexing, working with multiple tables, Relationships & Integrity Rules, Join Properties, Record manipulation, Sorting & Filtering; Select data with queries: Creating Query by design & by wizard (Select, Make Table, Append, Delete, Cross Tab, Update, Parameterized Query, Find Duplicate and Find Unmatched), Creating multi table queries, creating & working with table joins. Using operators & expressions: Creating simple & advance criteria; Working with forms: Creating Basic forms, working with bound, unbound and calculated controls, understanding property sheet, Working with Data on Forms: Changing Layout, creating Sub Forms, creating list box, combo box and option groups; Working with Reports: Creating Basic Reports, Creating Header & Footer, Placing Controls on reports, sorting & grouping, Creating Sub reports.

Essential/recommended readings

- Swinford, E., Dodge, M., Couch, A., Melton, B. A. (2013). Microsoft Office Professional 2013. United States: O'Reilly Media.
- Wang, W. (2018). Office 2019 For Dummies. United States: Wiley. Microsoft Lambert, J. (2019). Microsoft Word 2019 Step by Step. United States: Pearson Education.

Suggestive readings

- Jelen, B. (2013). Excel 2013 Charts and Graphs. United Kingdom: Que.
- Alexander, M., Jelen, B. (2013). Excel 2013 Pivot Table Data Crunching. United Kingdom: Pearson Education.
- Alexander, M., Kusleika, R. (2018). Access 2019 Bible. United Kingdom: Wiley.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 Marks Practical

Exam (Internal): 25 Marks

End Semester University Exam: 50 Marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Classtests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Big Data Analytics

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Big Data Analytics	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To Understand the Big Data Platform and its Uses
- Provide an overview of Apache Hadoop
- Provide HDFS Concepts and Interfacing with HDFS.
- Provide hands on Hadoop Eco System
- To understand spark framework

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to identify Big Data and its Business Implications.
- After studying this course, students will be able to list the components of Hadoop and Hadoop Eco-System.
- After studying this course, students will be able to access and process data on distributed file system,
- After studying this course, students will be able to manage job execution in Hadoop environment.
- After studying this course, students will be able to develop Big Data Solutions using Hadoop Eco System.

SYLLABUS

Unit 1: Fundamentals of Big Data Analysis **(3 weeks)**

Data Storage and Analysis, Characteristics of Big Data, Big Data Analytics, Typical Analytical Architecture, Requirement for new analytical architecture, Challenges in Big Data Analytics – Need of big data frameworks

Unit 2: Hadoop Framework **(4 weeks)**

Hadoop, Requirement of Hadoop Framework, Design principle of Hadoop –Comparison with other system, Hadoop Components – Hadoop 1 vs Hadoop 2, Hadoop Daemon's – HDFSCommands, Map Reduce Programming: I/O formats, Map side join, Reduce Side Join, Secondary sorting, Pipelining Map Reduce jobs

Unit 3: HDFS (Hadoop Distributed File System) **(4weeks)**

The Design of HDFS, HDFS Concepts, Command Line Interface, Hadoop file system interfaces, Data flow, Data Ingest with Flume and Scoop and Hadoop archives, Hadoop I/O: Compression, Serialization, Avro and File-Based Data structures.

Unit 4: Spark Framework and Data Analysis with Spark Shell **(4 weeks)**

Introduction to GPU Computing, CUDA Programming Model, CUDA API, Simple Matrix, Multiplication in CUDA, CUDA Memory Model, Shared Memory Matrix Multiplication, Additional CUDA API Features. Writing Spark Application - Spark Programming in Scala, Python, R, Java - Application Execution.

Practical Exercises **(15 weeks)**

- Downloading and installing Hadoop.
- Understanding different Hadoop modes. Startup scripts, Configuration files.
- Hadoop Implementation of file management tasks, such as Adding files and directories, retrieving files and Deleting files.
- Run a basic word count Map reduce program to understand map reduce paradigm: To count words in a given file, to view the output file, and to calculate the execution time.
- Map Reduce Program to analyse time-temperature statistics and generate report with max/min temperature.
- Implement of Matrix Multiplication with Hadoop Map Reduce.
- Implementation of K-means clustering using Map Reduce.
- To study and implement basic functions and commands in R programming.
- To build Word cloud, a text mining method using R for easy to understand and visualization than a table data.
- To implement clustering program using R programming



Essential/recommended readings

- Seema Acharya, Subhasini Chellappan, "Big Data Analytics" Wiley 2015.
- Mike Frampton, "Mastering Apache Spark", Packt Publishing, 2015.
- Tom White,"Hadoop:TheDefinitiveGuide",O'Reilly,4thEdition,2015.
- Nick Pentreath, Machine Learning with Spark, PacktPublishing,2015.
- Mohammed Guller, Big Data Analytics with Spark, Apress,2015.
- Donald Miner, Adam Shook, "Map Reduce Design Pattern", O'Reilly, 2012

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Beginners Course to Calligraphy

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Beginners course to Calligraphy	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To teach students the art of Calligraphy.
- To make students better at handwriting and embellish the scripts.
- To help the students communicate with creativity.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Students will be skilled in calligraphy scripts.
- Learning flourishing will help to develop good writing.
- Practice sessions will further a project at the end of semester.
- Will induce skills to set up a business, too.

SYLLABUS

Unit 1: Introduction to Calligraphy **(3 Weeks)**

- Definition, History of calligraphy, Calligraphy at the Global level, Types of Calligraphy:Classical Calligraphy & Modern Calligraphy
- Practice Sessions: Introducing students to Calligraphy and its types through images,videos and animations.

Unit 2: Introduction to the Writing tools **(5 Weeks)**

- Tool Kit, Different Types of Pens, Different Types of Nibs, Different Types of Brushes,Different Types of Inks
- Practice Sessions: Display of Writing items, Discussion on the usage of different types of pens, nibs and brushes through hands-on activities

Unit 3: Foundation to Calligraphy **(7 Weeks)**

- How to write letters?, Majuscules, Miniscules, Numbers, Learning Strokes, Sans SerifB- point, Celtic, Italian Script, Roman Script, Gothic Script
- Practice Sessions: Learning and practicing strokes- Upstroke, Downstroke, Overturn, Underturn, Compound curve, Oval, Ascending loop
- Hands-on activities and Assessment on Sans Serif B-point, Celtic, Italian Script,Roman Script, Gothic Script, Flourishing

Essential/recommended readings

- Suepsuan, P. A. (2021). Start Calligraphy The Right way to write: Learn Calligraphy The Complete Book - Modern Calligraphy Pen For Beginners, Learning Resources Step By Step Number Line, Mastering Modern Calligraphy. Independently published.
- C., & Co., T. P. (2020). Modern Calligraphy Set for Beginners: A Creative Craft Kit for Adults featuring Hand Lettering 101 Book, Brush Pens, Calligraphy Pens, and More. Paige Tate & Co.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25
marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Business Communication

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Business Communication	**2**	**1**	**0**	**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To train students to enhance written as well as oral communication in the corporate world.
- To help students in understanding the principles and techniques of business communication.
- To understand the use of electronic media for communication.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to explain the need for communication in management.
- After studying this course, students will be able to appreciate the need of effective writing for communication.
- After studying this course, students will be able to demonstrate the skill of effective report writing and summarizing annual reports.
- After studying this course, students will be able to analyse business correspondence and e-correspondence.
- After studying this course, students will be able to appreciate oral presentations.

SYLLABUS

Unit 1: Introduction to the essentials of Business Communication **(3 weeks)**
Meaning, process and functions. Need and importance. Medium: verbal & non-verbal communication. Channels: formal & informal. Levels of communication. Direction of communication: downward, upward, lateral, & diagonal. Effective communication: difficulties/barriers and solutions. Interactive and non-interactive techniques of communication. Listening as a tool of communication, Guidelines for effective listening.

Unit 2: Effective Writing **(3 weeks)**
Guidelines for clear writing. References, bibliographical research tools. Citing methods, footnotes, discussion footnotes. Use of library and internet for collection, classification and interpretation of data and information.

Unit 3: Report Writing **(3 weeks)**

Types of reports. Formal report: components and purpose. Organising information: outlining & numbering sections, section headings, sub-headings, & presentation. Writing reports on field work/visits to industries, business concerns. Summarising annual reports of companies: purpose, structure and principles. Drafting minutes.

Unit 4: Business Correspondence and E-Correspondence **(3 weeks)**

Need and importance of business letters. Office memorandum, office circulars, notices and orders. Technology for communication. Effective IT communication tools. Electronic mail: advantages, safety and smartness in email. E-mail etiquettes.

Unit 5: Spoken English and Oral Presentation **(3 weeks)**

Effective negotiation: elements, process and general guidelines. Telephonic conversation. Conducting & facing interviews. Conducting & participating in group decisions. Making presentations: content and organising. Features of a good presentation. Delivering a presentation.

Practical Exercises: **(15 weeks)**

The learners are required to:

- learn how to summarise annual reports of companies.
- prepare presentations using power-point.
- participate in Group discussions and mock interviews.
- smartly draft business emails.

Essential/recommended readings

- C.B.Gupta (2019). Essentials of Business Communication, Sultan Chand & Sons.
- Kaul, A. Effective Business Communication, 2nd ed. PHI learning
- Lesikar, R.V. & Flatley, M.E. (2001). Basic Business Communication Skills for Empowering the Internet Generation, Tata McGraw Hill Publishing Company Ltd. New Delhi.
- Ludlow, R. & Panton, F.(1992). The Essence of Effective Communications, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
- Meyer C,Dev(2021). Communicating for Results,Oxford University Press
- Quintanilla, Kelly M, (2021), Business and Professional Communication, 4e, Sage Textbook
- R. C. Bhatia (2008), Business Communication, Ane Books Pvt Ltd, New Delhi.
- Raman and Singh(2012). Business Communication. Oxford University Press
- Scot, O., Contemporary Business Communication. Biztantra, New Delhi.

Note: Learners are advised to use the latest edition of readings.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Business Intelligence and Data Visualisation

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite ofthe course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Business Intelligence and Data Visualisation	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To understand data and generate insights from it is by visualising it using a range of data visualization tools available.
- To understand large volume of data, discover trends, communicate effectively with all stakeholders and influence decisions.
- To develop Business Analytics skillset about how to create effective charts and interactive dashboards is extremely useful.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand and describe the main concepts of data visualization.
- After studying this course, students will be able to determine the right type of graph for different types of data available or provided through hands on experience with handling real data sets.
- After studying this course, students will be able to read reports, charts, graphs, figures, maps and derive meaning from them.
- After studying this course, students will be able to create reports, data visualizations, and dashboards using Power BI and Tableau.
- After studying this course, students will be able to understand how to automate tasks, perform ETL, create data models, perform computations, and present insights using data visualization and dashboards.

SYLLABUS

Unit-1 (POWER BI) **(5 weeks)**

DATA PREPARATION- Connecting to different data sets, Basic data prep and model on Power Query, Drill down and Tooltip, AI visuals (Q&A, Analyze, Decomposition)

DATA VISUALIZATION AND DASHBOARDS- Inbuilt visuals, Custom visuals, Learn from existing reports, Visualization as a Tooltip, Final dashboard – putting it together Filter, slicer, bookmarks, buttons

Unit-2 (POWER BI) **(6 weeks)**

PERFORMING COMPUTATIONS - Combine multiple files and folders, Merge and append, Custom calculations Conditional columns, Column from examples, Advanced Editor.

DAX - Introduction to Measures, Calculated Columns vs Quick Measures, Creating a Date Table, Time Intelligence Functions

POWER BI SERVICE - Publishing to Power BI Service, Power BI dataflows, Dashboards and Cross-Reporting

Unit- 3 (TABLEAU) **(4 weeks)**

VISUALIZATIONS- Introduction to Dimensions and Measures, Bar Chart, Line Chart, Table, Heat Map, Treemap, Packed Bubble, Tooltip

CALCULATIONS- Calculated Fields, Parameters, Introduction to Level of Detail (LOD)

FINAL DASHBOARD- Animations, Tooltips, Dashboard and Stories

Essential/recommended readings

- The Definitive Guide to DAX – 2nd Edition
  Marco Russo Alberto Ferrari
- M Is for (Data) Monkey: A Guide to the M Language in Excel Power Query
  Ken Puls & Miguel Escobar
- Tableau Your Data! Fast and Easy Visual Analysis with Tableau Software by Daniel G. Murray. 1st Edition, WILEY.
- Steve Wexler, Jeffrey Shaffer, Andy Cotgreave: The Big Book of Dashboards – visualizing your data using real world business scenarios; Wiley
- Ryan Sleeper: Practical Tableau
- Cole Nussabaumer Knaflic : Storytelling with data- a data visualization guide for business professionals ; Wiley
- Visualize This: The Flowing Data Guide to Design, Visualization, and Statistics by Nathan Yau. 1st Edition

Useful Weblinks

- https://docs.microsoft.com/en-us/power-bi/
- https://powerbi.microsoft.com/en-us/customer-showcase/
- https://powerquery.microsoft.com/en-us/
- https://www.sqlbi.com/

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

CAD FOR FASHION

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
CAD for Fashion	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To understand the concept of fashion sketching and fabric rendering
- To learn different softwares for fashion designing and rendering

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the basics of garmentsketching and fabric rendering manually.
- After studying this course, students will be able to gain the knowledge about variouscomputer design softwares – Adobe Photoshop, CorelDraw, Adobe Illustrator and Open source
- After studying this course, students will be able to learn the application of selectedcomputer design softwares for fashion sketching.
- After studying this course, students will be able to develop proficiency in CAD forthe creation of fabric textures and colour schemes.
- After studying this course, students will be able to Design a theme-based fashion collection using computer design software.

SYLLABUS

Unit I: Fashion sketching **(7 weeks)**

Unit Description: Fashion sketching plays an important role in designing to preview and visualize designs before sewing actual clothing. Thus, this unit aims to help students develop the skills in designing apparel through flat sketching of garment components both manually and digitally.

Topics: Flat sketching of garment components by hand – necklines, collars, sleeves, skirts, tops, and trousers, Introduction to vector-based drawing softwares – CorelDraw, Adobe Illustrator and open-source software like Inkscape, Introduction to features and tools of CorelDraw/Illustrator/Inkscape, Project - Application of software tools for drawing technicalflats on any vector-based computer design software

Unit II: Fabric rendering **(8 weeks)**

Unit Description: This unit will help students to develop skills to render the fabrics and silhouettes used in the garment. Students will be taught to imitate fabric textures in their drawing both manually and through computer aided design softwares. In addition, they willalso learn to develop their own textile prints and their colour ways.

Topics: Learning to simulate textures of various fabrics manually - cotton, silk, fur, net, leather, velvet, denim, corduroy, georgette, chiffon, knit, crochet, lace, embroidery and prints. Understanding the basics of design repeat and how to create seamless prints manually.
Introduction to raster -based editing softwares –Adobe Photoshop and open-source softwarelike GIMP, Photopea etc.
Introduction to features and tools of Photoshop/Photopea/GIMP Application of software tools for creating seamless patterns.
Project - Application of software tools for designing various textile products with differentfabric textures in three different colour schemes
All the above work will be collated as a digital portfolio.

Essential Readings

- Abling, B., (2019). Fashion Sketchbook, Bloomsbury Publication, UK
- Aldrich, W., (1994). CAD in Clothing and Textiles, 2nd Edition, Wiley-BlackwellPublishing, USA
- Jain, S. & Geetha M. (2018). CorelDraw Training Guide, BPB Publications, India
- Lazear.M. Susan, (2007). Adobe Photoshop for Fashion Design, Pearson Publishing
- Callender, J. (2011). 2000 Pattern Collection, Anova Books Company Limited,London.

Suggested Readings

- CorelDraw tutorial: https://www.youtube.com/watch?v=89VZfov7p8Q
- Photoshop tutorial: https://helpx.adobe.com/in/photoshop/tutorials.html
- Shuffle Botham, R., 2014, Photoshop cc, In Easy Steps Limited, UK

Examination scheme and mode:
Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25
marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Communication in Everyday Life

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Communication in Everyday Life	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**Nil.**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To lay down a basic foundation for basic communication that is a part of a student'severyday life.
- To inculcate the fundamentals of communication with the aim to enhance listening,speaking and writing skills.
- To hone practical skills that can be used in day-to-day affairs.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to improve mediation skills.
- After studying this course, students will be able to building human relationships.
- After studying this course, students will be able to foster societal understanding &develop an independent perspective.
- After studying this course, students will be able to enhance social communicationskills of students.

SYLLABUS

UNIT 1 **(2 Weeks)**

Theory of Communication

- Meaning, Features, Uses, Cycle, Feedback, Advantages
- Barriers
- 7 C's of Communication

UNIT 2 **(3 Weeks)**

Listening Skills

- Netiquettes
- Audio-book Listening & Discussions
- Note-taking

UNIT 3 **(4 Weeks)**

Speaking Skills

- Oral Presentation- Audio-Visual aids, Audience & Feedback, Delivery ofPresentation, Handling Questions
- Group Discussion- Culture & History, Current Affairs, Society-related
- Public Speaking- Public Speech, Extempore
- Interview- Personal, Conversational, Public

UNIT 4 **(2 Weeks)**

Reading Skills

- Close Reading
- Skimming
- Scanning

UNIT 5 **(4 Weeks)**

Writing Skills

- Summarising
- Paraphrasing
- Note-making
- Essays- Expository Essay, Descriptive Essay, Narrative Essay
- Letter Writing- Formal Letter, Informal Letter
- Reports- Incidence, Newspaper, Organisational Report
- Analysis & Interpretation- Textual
- Intra & Inter-personal Skills - Monologue, Dialogue

Suggested Readings

- Chaudhary, Shoma. "Understanding Interviews, Billy Elliot is my Story, Only LessHappy". Tehelka: The People's Paper, 18 February 2006.
- Kumar, Dinesh. "Understanding Values, Our Muddled Generation". The Hindu, 26March 2006.
- Learning to Write I, "Free Writing". In Fluency in English II, ed. Varma, Pramodiniand Mukti Sanyal, pp. 1-5, Oxford, New Delhi, 2015.
- Learning to Write II, "Editing". In Fluency in English II, ed. Varma, Pramodini andMukti Sanyal, pp. 25-27, Oxford, New Delhi, 2015.
- Learning to Write III, "What makes Good Writing Good". In Fluency in English II, ed. Varma, Pramodini and Mukti Sanyal, pp. 48-51, Oxford, New Delhi, 2015.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Communication in Professional Life

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Communication in Professional Life	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To prepare the students for their upcoming professional fields.
- To inculcate the fundamentals of professional and business communication.
- To learn aspects of global communication.
- To enhance employability skills of the learners by enabling them to write effective resumes and face interviews with confidence

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to improve presentation skills to be learnt by effective use of verbal and non-verbal communication for the professional field.
- After studying this course, students will be able to acquire practical employability skills to be disseminated through focused sessions on practical employable knowledge.
- After studying this course, students will be able to enhance professional communication.
- After studying this course, students will be able to improve persuasion and negotiation skills which will be useful for the professional field.

SYLLABUS

UNIT 1 **(2 Weeks)**

- Theory of Business Communication
- Introduction
- What is Business Communication?
- Language of Business Communication
- Cultural Components – Cross-Cultural Communication, Cultural Shock, Stereotyping, Ethnocentrism
- Miscommunication & Effective Communication

UNIT 2 **(3 Weeks)**

Listening Skills

- Netiquettes
- Audio-book Listening & Discussions
- Note-taking

UNIT 3 **(5 Weeks)**

Speaking Skills

- Presentation Skills- Oral Presentation, Ppt. Preparation, Ppt. Presentation
- Group Discussion
- Talks- Domain-specific, Ted-Talks, Business Meets, Motivational Talks
- Telephonic Skills
- Persuasion Skills
- Meeting & Negotiation
- Interview- Promotion Interview, Job Interview, Business Interview
- Functions and activities of PR

UNIT 4 **(5 Weeks)**

Writing Skills

- Summarising & Paraphrasing
- Job-Oriented Skills- CV, Resume & Bio- Data, Job Application Letter
- Documentation
- Advertisements & Invitation
- Letter Writing- Applications, Business Letters
- Report- Analytical Report, Project Report
- Digital Communication in Social Space- Social Media Posts (Twitter, Facebook), Blog Writing, Review Writing
- Advertisement/Invitation/Poster Designing- Canva/MS Word/Coral
- Memo, Office Order, Minutes
- Making Online Academic/Work Profile- LinkedIn

Suggested Readings

- Kaushik, J.C. and K.K. Sinha eds., English for Students of Commerce, OxfordUniversity Press, New Delhi.
- Sethi, Anjana & Bhavana Adhikari, Business Communication, Tata McGraw Hill.
- Anjana Neira Dev, et.al, eds. Business English, Department of English, Universityof Delhi, 2011, Pearson Publications, New Delhi.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25
marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Creative Writing

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Creative Writing	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To build creative writing skills of students in the main modes of creative writing vizpoetry, fiction (novel, short stories), non-fiction (life narratives, autobiographies andbiographies) and drama.
- To inculcate practical skills in students by mapping their creative talent which bebeneficial for employability too.
- To perform hands-on-activities to students to develop their creative skills throughpractical sessions.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to be sensitive to the texture ofliterary language.
- After studying this course, students will be able to develop craft in creative writing.
- After studying this course, students will be able to develop sense of expressingthemselves through poetry/short story/biography.
- After studying this course, students will be able to induce an understanding of therelationship between an individual and society.
- After studying this course, students will be able to get into different fields andpursue versatile career opportunities.
- After studying this course, students will be able to develop an understanding of theatre and performance through drama will also help them to develop observatoryand behavioural skills.
- After studying this course, students will be able to develop a critical thought processand a knack in putting it in words. Students may also utilise the learnings of proofreading and editing for their academic and professional growth.
- After studying this course, students will be able to go for publishing their own work.
- After studying this course, students will be able to write a book and submit toprofessional bodies & academic organisations.

SYLLABUS

UNIT 1 **(5 Weeks)**

- Introduction to Creative Writing- Meaning, Importance
- Imagination & Writing- Peer-interaction, Activities on Imagination
- Tropes, Motifs and Figures- Learning tropes, motifs and figures through videos, Discussion on the findings
- Craft of Writing- Figure of Speech, Word Play, Character Creation
- Character Creation- Dialogue Enaction, Learning Characters through discussion on famous writings, Character Analysis, Writing activities on creating different types ofcharacters (gender/social background/ethnicity etc.)

UNIT 2 **(5 Weeks)**

- Close Reading
- Analysis and Interpretation- Reading different works in Literature, Discussionin small groups, Practice Writing Session
- Proofreading & Editing- Practice sessions on Proofreading & Editing of different types of writing

UNIT 3 **(5 Weeks)**

- Steps of Creative Writing- Pre-Writing, Writing, Post-Writing/Final Draft
- Types of Creative Writing- Poetry, Fiction, Non-Fiction (Life Narratives), Drama
- Creative Writing & Media- Film Review, Book Review, Other Writings in Media, Submission, Publication
- Learning to write Poetry- Reading & understanding Poetry; Practising tone, rhyme, metre, verses; Writing sessions
- Learning to write Fiction- Reading & understanding Fiction; Practicing different elements of fiction (Short story, Novella, Novel); Writing sessions
- Learning to write Non-Fiction- Reading & understanding Non-Fiction (Biographies & Autobiographies); Practicing different elements of non-fiction; Writing sessions
- Learning to write Drama- Reading & understanding Drama; Practicing different elements (plot, character, climax, verbal & non-verbal cues) of Drama; Writing sessions
- Submission & Publication (in Print & Digital) - Discussions over how & where to submit and publish (online/offline), Hands-on activities

Suggested Readings

- *Creative Writing: A Beginners' Manual* by Anjana Neira Dev et al. for The Departmentof English, University of Delhi (New Delhi: Pearson, 2008).

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25
marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Cyber Sphere and Security: Global Concerns

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Cyber Sphere and Security: Global Concerns	**2**	**1**	**0**	**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objective of this course is as follows:

- To spread awareness and enlightening visions of the indiscriminate and diversified students to ensure their immediate and basic cyber safety and prevent loss due to sheer ignorance.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to apprehend key terms of cyber domain and identify cyber threats.
- After studying this course, students will be able to understand cyber law concepts, intellectual property and Digital Rights Management.
- After studying this course, students will be able to diagnose and examine basic security loopholes, anomalous behavior in internet.
- After studying this course, students will be able to understand principles of web security.
- After studying this course, students will be able to secure and protect personal data with safe Internet usage.
- After studying this course, students will be able to assimilate approaches for incident analysis and response, risk management and best cyber security practices.

SYLLABUS

Unit I: Introducing Cyber 'Sphere' and 'Security' **(3 Weeks)**

- Cyber Terminologies: Cyber Sphere, Cyber Security, Cyber Crime, Cyber Attack, Cyber Espionage, Cyber Warfare, Cybernetics
- Cyber Security and Paradigms
- Cyber Security: Objectives and Roles

Unit II: Cyber Crime: Insight, Mitigation and Control **(3 Weeks)**

- Cyber Crime and Cyber Activism: An Overview
- Typologies of Cyber Crimes: Generic Cyber Crimes, Advanced Persistent Threats (APTs), Cyber Threat in Mobile Technology, Cloud Computing and BYOD
- Cyber Crime Identification, Risk Assessment, Management and Control

Unit III: Cyber Policies and Cyber Law **(3 Weeks)**

- Cyber Policies and Cyber Law: Dimensions, Determinants, Dilemmas
- Existing Cyber Policies and Must Follow Up Actions
- Grey Areas in Cyber Laws

Unit IV: Security Tools and Usage **(3 Weeks)**

- Knowledge and Identification of Security Tools
- Cyber Security Aspects
- Cyber Security Toolkits

Unit V: Cyber Security: Case Studies **(3 Weeks)**

- Government Institutions
- Banks and Financial Institutions, Commercial Websites, Point of Sale issues and Online Payment
- Real Time Cases

Essential Readings:

- Bertrand Venard (2019). 'Cyber Security: The New Art of War', Lecture delivered at Developing Countries Research Centre [dcrc], University of Delhi, 1 April 2019.

- Bertrand Venard (2019). 'The Determinants of Cybersecurity Behaviours: Qualitative Research Among French Students' in C. Onwubiko, X. Bellekens, A. Erola, M. Jaatun and C. Nogueira (eds.), Proceedings of the Cyber Science 2019: Cyber Situational Awareness for Predictive Insight and Deep Learning. UK: University of Oxford.

- Bertrand Venard (2019). Cybersecurity Among students. UK: Wolfson College, University of Oxford.

- Bertrand Venard (2019). Cyber Aggressions in the XXIst Century: Equation of a Crisis. UK: University of Oxford.

- Cristopher Hadnagy (2018). Social Engineering: The Science of Human Hacking, 2nd Edition. New York: Wiley.

- John Erickson (2008). The Art of Exploitation (2nd Edition). San Francisco: No Starch Press.
- Kevin Mitnick and Robert Vamosi (2017). The Art of Invincibility. Boston: Little, Brown and Company.
- Kevin Mitnick (2012). The Ghost in the Wires: My Adventures as the World's Most Wanted Hacker. New York: Back Bay Books.
- Yogesh Atal and Sunil K Choudhary (2013). Combating Corruption: The Indian Case. Hyderabad and New Delhi: Orient Blackswan.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

DEVELOPING SUSTAINABILITY PLANS FOR A BUSINESS

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Developing sustainability plans for a business	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To assess the status of integration of social and ecological values into business practices
- To determine strengths and weaknesses in linkages between people, planet, and profit during business practices
- To correlate the changes in ecological footprint with growth in corporate responsibility
- To recommend strategies to improve current CSR practices for environmental conservation and enhance the return on investment of the organization

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to develop CSR plans to balance ecological security with economic success.
- After studying this course, students will be able to evolve methods for the financial stability of different organizations/companies
- After studying this course, students will be able to develop a framework to reduce energy consumption, adopt renewable resources and integrate waste management strategies among employees
- After studying this course, students will be able to design sustainable business plans having major positive impacts on plant and next-generation business setting

SYLLABUS

Practical/Hands-on Exercises **(15 weeks)**

- Determine strategies to reduce carbon footprint and improve supply chain efficiency of an organization
- Assess the current status of renewable energy use and investment and develop strategies to become carbon negative in the next decade
- Identify opportunities for sustainable alternatives for an environmental cause that aligns well with the organizational goal and areas of philanthropic investments
- Analyze material use at different stages of organizational process based on a set of sustainable principles and suggest environment-friendly alternativesto reduce waste
- Calculate the water footprint of the organization and develop methods for mindful water consumption to improve human health and reduce the economic cost
- Examine the current status of infrastructure with respect to the energy-efficient lighting system and evolve strategies for shifting to 100% renewable energy
- Determine the ecological impact of current infrastructure using guiding principles of LEED (Leadership in Energy and Environmental Design) Certification and identify areas for biophilic design, green spaces, and workconditions
- Optimize to reduce waste by improved methods of handling and disposing of waste
- Develop guidelines for eco-friendly transportation to reduce fuel usage andmaximize route efficiency
- Eco-innovation in developing energy alternatives and providing solutions tocomplex environmentalchallenges
- Document the biological wealth (especially plants, insects, and birds) of an organization and developthe green design to maintain and enrich the biologicalwealth

Teaching and learning interface for practical skills:

To impart training on technical and analytical skills related to the course objectives, a wide rangeof learning methods will be used, including (a) laboratory practicals; (b) field-work exercises; (c)customized exercises based on available data; (d) survey analyses; and (e) developing case studies; (f) demonstration and critical analyses; and (h) experiential learning individually and collectively.

Prospective sector(s):

(a) Environmental Consultancies, (b) Sustainability Advisors, (c) All Multi-NationalLarge-Scale Industries, and (d) Environmental NGOs

Suggested readings

- Calkins, M., 2012. The Sustainable Sites Handbook: A Complete Guide to the Principles, Strategies, and Best Practices for Sustainable Landscapes (Vol. 39). John Wiley & Sons.
- Daniels, T., 2017. The Environmental Planning Handbook: For Sustainable Communities and Regions. Routledge.
- Davoudi, S., Cowell, R., White, I. and Blanco, H. eds., 2019. The Routledge Companion to Environmental Planning. Routledge.
- Quaddus, M.A. and Siddique, M.A.B. eds., 2013. Handbook of Sustainable Development Planning: Studies in Modelling and Decision Support. Edward Elgar Publishing.
- USEPA, 2012. Planning for Sustainability: A Handbook for Water and Wastewater Utilities.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**



Digital Film Production

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THECOURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Digital Film Production	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce the students to the art of digital video making and editing
- To learn about the tools required for video making and editing
- To learn about the various aspects in pre and post production of videos.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the importance of various aspects of audio-video production
- After studying this course, students will be able to prepare an effective layout for making an effective video.
- After studying this course, students will be able to apply the tools required for video production and editing.

SYLLABUS

Unit 1: Introduction, Financial Planning and Budgeting **(3 weeks)**

Audio Production: Concept of Sound, Types of sound, Audio range, Know your equipment's (Acoustic, Microphone, Recorder, Audio Mixer, Cables & connectors), Process of recording, Mixing, Sound processing, Recording level, Audio Editing, Dubbing & voiceover (Process, steps)

Unit 2: **(4 weeks)**

Video Production (Pre-Production): Concept, What is pre-production, Concept/visualization, R & D, Screen play writing, Storyboard making, Shooting script writing, Peoples involved in pre-production, Set making, Copyright , Music making, Budgeting, Production Design, Location hunting, Hiring of equipment & crew members

Unit 3: **(4 weeks)**

Video Production (Production): Know your equipment, Camera & accessories, Lights & Camera support, Clapboard, Sound equipment, Field Monitor, Blocking, Rehearsal, Lighting, Shooting

Unit 4: **(4 weeks)**

Video Production (Post Production): Compiling the concept and Shooting material to final stage, Peoples involved in Post-production, Know your equipment, Editing, Color grading, Publicity, Transmission, Distribution and Rating

Practical Exercises and Projects **(15 weeks)**

- Recording & Mixing of multi-track audio
- Budget Making & Script writing 05 minutes program
- Shooting for 05 minutes program (News / Music Video / Documentary / Feature / Chat show / Discussion etc.)
- Editing of 05 minutes video program

Audio Production (Project)

- Knowing the audio equipment's & software
- Recording process
- Mixing & Editing of various sound
- Exporting sound in various audio formats & project

Video Production (Project)

- Story writing, Storyboard making, Shooting script writing
- Location hunting, Breakdown making, Budget making
- Set making, Lighting, Shooting
- Editing, BGM posting, Color grading, Publicity, Exhibition & Transmission

Suggested Readings:

- Digital Filmmaking for Beginners A Practical Guide to Video Production (ELECTRONICS) by Michael K. Hughes, McGraw Hill TAB.
- Digital Filmmaking for Beginners A Practical Guide to Video Production, McGraw Hill TAB
- The Digital Filmmaking Handbook, Mark Brindle
- Video Production, Vasuvi Belavdi, Oxford Higher Education

- Editing Digital Video: The Complete Creative and Technical guide, Robert Goodman and Patrick McGrath, McGraw Hill Education TAB
- Digital Video Camerawork, Peter Ward, Routledge.
- Digital Video Hacks: Tips & Tools for Shooting, Editing, and Sharing, Joshua Paul, O'Reilly Media.

Note: Learners are advised to use the latest edition of readings.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Digital Marketing

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Digital Marketing	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To acquaint the students with the knowledge of growing integration between the traditional and digital marketing concepts and practices in the digital era.
- To familiarize the students with the tools and techniques used by the digital marketers for driving the marketing decisions to attain marketing objectives.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the concept of digital marketing and its integration with traditional marketing.
- After studying this course, students will be able to understand customer value journey in digital context and behaviour of online consumers.
- After studying this course, students will be able to understand email, content and social media marketing and apply the learnings to create digital media campaigns.
- After studying this course, students will be able to examine various tactics for enhancing a website's position and ranking with search engines.
- After studying this course, students will be able to leverage the digital strategies to gain competitive advantage for business and career.

SYLLABUS

Unit 1: Marketing in the Digital World **(3 weeks)**

Digital marketing: Concept, Features, Difference between traditional and digital marketing, Moving from traditional to digital Marketing; c

Digital Marketing Channels: Intent Based- SEO, Search Advertising; Brand Based-Display Advertising; Community Based-Social Media Marketing; Others-Affiliate, Email, Content, Mobile.

Customer Value Journey: 5As Framework; The Ozone O3 Concept Key; Traits of online consumer

Unit 2: Content and Email Marketing **(2 weeks)**

Content Marketing: Step-by-step Content Marketing Developing a content marketing strategy Email Marketing: Types of Emails in email marketing, Email Marketing best practices

Unit 3: Social Media Marketing and Display Marketing **(5 weeks)**

Social Media Marketing: Building Successful Social Media strategy; Social Media MarketingChannels; Facebook, LinkedIn, YouTube (Concepts and strategies)

Display Advertising: Working of Display Advertising; Benefits and challenges; Overview of Display ad Process.; Define- Customer, Publisher, Objectives; Format-Budget, Media, Ad Formats, Ad Copy.

Unit 4 Search Engine Marketing **(5 weeks)**

Introduction of SEM: Working of Search Engine; SERP Positioning; online search behaviour, DMI's 5P Customer Search Insights Model.
Search Engine Optimization: Overview of SEO Process; Goal Setting-Types.
On-Page Optimization: Keyword Research, SEO Process -Site Structure, Content, Technical Mechanics, Headings, Image & Alt text, Social Sharing, Sitemaps, Technical Aspects- Compatibility, Structured Data Markup.
Off Page Optimisation: Link Formats, Link Building, Content Marketing, Social Sharing; Black and White Hat Techniques
Search Advertising: Overview of PPC Process; Benefits of Paid Search; Basis of Ranking; Goal Setting-Objectives; Account Setting-Creation of Google Ads, Campaign architecture, Campaign setup, Targeting, Bid Strategy, Delivery, Ad Scheduling, Ad Rotation, Keyword Selection; Ad Copy composition, Ad Extension

Essential/recommended readings

- Dodson, I. (2016). The art of digital marketing: the definitive guide to creating strategic, targeted, and measurable online campaigns. John Wiley & Sons.
- Kartajaya, H., Kotler, P., & Setiawan, I. (2016). Marketing 4.0: moving from traditional to digital. John Wiley & Sons.
- Ryan, Damien: Understanding Digital Marketing - Marketing Strategies for Engaging the Digital Generation. Kogan Page Limited.

Suggested Readings

- Moutusy Maity: Internet Marketing: A practical approach in the Indian Context: Oxford Publishing
- Seema Gupta: Digital Marketing: Mcgraw Hill
- Ultimate guide to digital Marketing by Digital Marketer

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Essentials of Python

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Essentials of Python	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce programming concepts using python
- To use python programming to solve problems of different domains

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the basics of programming language
- After studying this course, students will be able to develop, document and debug modular python programs
- After studying this course, students will be able to apply suitable programmimg constructs and built in data structures to solve a problem

SYLLABUS

Unit I **(3 weeks)**

Introduction

What can Python do? Why Python? Python Syntax compared to other programming languages, Python Installation.

The print statement, Comments, Python Data Structures & Data Types, String Operations in Python, Simple Input & Output, Simple Output Formatting, Operators in python

Python Program Flow

Indentation, The If statement and its' related statement, An example with if and it's related statement, The while loop, The for loop, The range statement, Break &Continue, Assert, Examples for looping

Functions& Modules

Create your own functions, Functions Parameters, Variable Arguments, Scope of a Function, Function Documentations, Lambda Functions& map, n Exercise with functions, Create a Module, Standard Modules

Unit 2 **(4 weeks)**

Exceptions Handling
Errors, Exception handling with try, handling Multiple Exceptions, Writing your own Exception

File Handling
File handling Modes, Reading Files, Writing& Appending to Files, Handling File Exceptions, The with statement

Classes In Python
New Style Classes, Creating Classes, Instance Methods, Inheritance, Polymorphism, Exception Classes & Custom Exceptions

Generators and iterators
Iterators, Generators, The Functions any and all, With Statement, Data Compression

Unit 3 **(4 weeks)**

Data Structures
List Comprehensions, Nested List Comprehensions, Dictionary Comprehensions. Functions, Default Parameters, Variable Arguments, Specialized Sorts

Collections
namedtuple(), deque, ChainMap, Counter, OrderedDict, defaultdict, UserDict, UserList, UserString

Writing GUIs in Python (Tkinter)
Introduction, Components and Events, An Example GUI, The root Component, Adding a Button, Entry Widgets, Text Widgets, Check buttons

Python SQL Database Access
Introduction, Installation, DB Connection, Creating DB Table, INSERT, READ, UPDATE, DELETE operations, COMMIT & ROLLBACK operation, handling Errors

Network Programming
Introduction, A Daytime Server, Clients and Servers, The Client Program, The Server Program

Date and Time
Sleep, Program execution time, more methods on date/time

Unit 4 **(4 weeks)**

Filter, Map, Reduce, Decorators, Frozen set, Collections

Regular Expression
Split, Working with special characters, date, emails, Quantifiers, Match and find all,character sequence and substitute, Search method

Threads ESSENTIAL
Class and threads, Multi-threading, Synchronization, Treads Life cycle, use cases

Accessing API ESSENTIAL
Introduction, Facebook Messenger, Openweather

DJANGO
Django Overview, Django Installation, Creating a Project, Usage of Project in depth Discussion, Creating an Application, Understanding Folder Structure, Creating a Hello WorldPage, Database and Views, Static Files and Forms, API and Security

Essential/recommended readings

- "Starting Out with Python plus My Programming Lab with Pearson eText -- AccessCard Package (3rd Edition) Tony Gaddis ISBN-13: 978-0133862256".
- Python Crash Course: A Hands-On, Project-Based Introduction to Programming(2nd Edition).
- Head-First Python: A Brain-Friendly Guide (2nd Edition) by Paul Barry.
- Learn Python the Hard Way: 3rd Edition by Zed A. Shaw.
- Python Programming: An Introduction to Computer Science (3rd Edition) by John M. Zelle.
- Python Cookbook: Recipes for Mastering Python 3 (3rd Edition) by Brian Jones andDavid Beazley
- https://docs.djangoproject.com/
- Introduction to Programming using Python by Y. Daniel Liang. Publisher Pearson
- Taneja, S., Kumar, N. Python Programming- A modular Approach, PearsonEducation India, 2018.
- Balaguruswamy E., Introduction to Computing and Problem Solving using Python,2 nd edition, McGraw Hill Education, 2018

Examination scheme and mode:
Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25
marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time**

E-Tourism

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title &Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
E-Tourism	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To learn about the application of e-business in tourism sector with understanding ofcontemporary issues of the use of electronic technology in the tourism business.
- To learn about e-business strategies and how to apply it to help them comprehend avariety of basic e-business ideas and theories.
- To teach fundamental concept of what e-business is and how to conduct e-business successfully in the tourism sector.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to gain insight into concept of e-tourism, travel intermediaries and travel websites.
- After studying this course, students will be able to learn and explain the emergingICT tools and its impact in the industry.
- After studying this course, students will be able to understand and implement the use
- of social media platforms/artificial intelligence in e-tourism.

SYLLABUS

Unit-I **(5 Weeks)**

Introduction to E-tourism, stages of ICT revolution, ICTS and new business tools, Strategic and Operational use of IT in Tourism, The Internet and tourism – a powerful combination. Networks for intermediaries: Travel trade intermediaries-Features of a travel trade web site, implementing a travel trade website, online travel intermediaries.

Unit– II **(5 Weeks)**

E-business for Destination Management Organizations: Principles and concepts – Positioning DMOs in value net, destination e-business system model, e-Business Partnerships for DMOs, Case Studies of Red Apple DMC, OYO Rooms, OLX, Zoom Car, Ofo Cycles etc.

Unit– III **(5 Weeks)**

Social Media Marketing in Tourism - Facebook, Twitter, YouTube, WhatsApp - Travel Blogs –Usage of Artificial Intelligence- Virtual Reality - Challenges for conventional business models and Competitive strategies.

Essential/Recommended Readings

- Reynolds, Jonathan. (2012). E-Business: A management Perspective. OxfordUniversity Press.
- Kulkarni. P, Jahirabadkar. S & Chande. P. (2012). E-Business. Oxford UniversityPress.
- World Tourism Organization. (2001). E-business for tourism: Practical guidelines
- for tourism, Destinations and businesses. World Tourism Organization.
- D. Buhalis: e-Tourism, Information Technology for Strategic Management
- Buhalis & Costa: Tourism Business Frontiers
- Poon: Tourism, Technology and Competitive Strategies Harish Bhatt & Badan:Impact of ICT in Tourism

Suggested Reading:

- Stiakakis. E. & Georgiadis C. K. (2009). Drivers of a tourism e-business strategy: the impact of information and communication technologies. Oper Res Int J. DOI 10.1007/s12351-009-0046-6.
- European Commission (2004). Electronic Business in Tourism: Key issues, case studies, conclusions. European Commission. Enterprise publications. Sector Report: No. 07-II, August 2004.
- Šimunić. M, Pilepić L., Šimunić M. (2013). Tourism and e□business: the semanticparadigm as a precondition for success. Informatol. 46, 2013., 1, 1□7.
- Buhalis. D., & Hyun Jun S. (2011). E-Tourism. Contemporary Tourism Reviews: Series. Goodfellow Publishers Limited, Woodeaton, Oxford, OX3 9TJ.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Finance for Everyone

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Finance for Everyone	**2**	**1**	**0**	**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To offer an integrated approach to the understanding of concepts and applications of financial planning.
- To help the students in their financial planning.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the importance of financial literacy and the institutions providing financial services.
- After studying this course, students will be able to prepare a financial plan, budget and manage personal finances.
- After studying this course, students will be able to open, avail and manage services offered by banks.
- After studying this course, students will be able to open, avail and manage services offered by post offices.
- After studying this course, students will be able to plan for life insurance and property insurance.
- After studying this course, students will be able to choose instruments for investment in shares.

SYLLABUS

Unit 1: Introduction, Financial Planning and Budgeting **(3 weeks)**

Meaning, importance and scope of financial literacy; Prerequisites of financial literacy – level of education, numerical and communication ability; Various financial institutions – banks, insurance companies, post offices, mobile app based services. Need of availing of financial services from banks, insurance companies and postal services. Concept of economic wants and means for satisfying these needs; Balancing between economic wants and resources; Meaning, importance and need for financial planning; Personal budget, family budget, business budget and national budget; Procedure for financial planning and preparing a budget; Budget surplus and budget deficit, Avenues for savings from surplus, Sources for meeting the deficit.

Unit 2: Banking Services **(3 weeks)**

Types of banks; Banking products and services – Various services offered by banks; Types of bank deposit accounts – savings bank account, term deposit, current account, recurring deposit; pan card, address proof, KYC norm; Various types of loans – education loan, consumer durable loan, vehicle loan, housing loan, short term, medium term, long term, microfinance, bank overdraft, cash credit, mortgage, reverse mortgage, hypothecation, pledge, Agricultural and related interest rates offered by various nationalized banks; Cashless banking, e-banking, check counterfeit currency; CIBIL, ATM, net banking, RTGS, NEFT, IMPS, electronic clearance services (ECS), debit and credit card, app based payment system, bank draft and pay order; banking complaints and ombudsman.

Unit 3: Financial Services from India Post Office **(3 weeks)**

Post office savings schemes: savings bank, recurring deposit, term deposit, monthly income scheme, kisan vikas patra, NSC, PPF, senior citizen savings scheme , sukanya samriddhi yojana; india post payments bank. money transfer: money order, e-money order. instant money order, collaboration with the western union financial services; mo videsh, international money transfer service, money gram international money transfer, indian postal order.

Unit 4: Insurance Services **(3 weeks)**

Life insurance policies: life insurance, term life insurance, endowment policies, pension policies, ULIP, health insurance plans, comparison of policies offered by various life insurance companies, comparison of policies offered by various health insurance companies. Property insurance policies. Post office life insurance schemes: postal life insurance and rural postal life insurance.

Unit 5: Stock Markets – Some Basic Concepts **(3 weeks)**

Terms used in stock markets: SENSEX, NIFTY, primary markets, secondary markets, initial public offering(IPO), follow-on public offering (FPO), offer for sale (OFS), block deal, equity shares, preference shares, debentures, bonus shares, stock split, dividend, buyback, DEMAT

account, trading account, delivery instruction slip (DI Slips), blue chips, defensive stocks, face value, market value, market capitalisation, pre-opening session, trading session, opening price, closing price, business days, bull, bear, bull market, bear market, risk, stop loss, derivatives, call option, put option, hedge, holding period; Tax on short term capital gains and long-term capital gains, Mutual Fund and its various schemes.

Practical Exercises: **(15 weeks)**

The learners are required to:

- Visit banks, post offices, and insurance companies to collect information and required documents related to the services offered by these institutions and to know the procedure for availing of these services.
- Carry out the comparative analysis of different types of life insurance policies.
- Carry out the comparative analysis of different types of health insurance policies.
- Prepare a personal and family budget for one/six/ twelve months on imaginaryfigures.

Suggested Readings:

- Avadhani, V. A. "Investment Management" Himalaya Publishing House Pvt. Ltd., Mumbai.
- Batra, J.K., Accounting and Finance for Non-finance Managers, Sage Textbook
- Chandra, P. "Investment Game: How to Win" Tata McGraw Hill Education, New Delhi.
- Kothari, R. "Financial Services in India-Concept and Application" Sage Publications India Pvt. Ltd., New Delhi.
- Milling, B. E. "The Basics of Finance: Financial Tools for Non-Financial Managers" Universe Company, Indiana,
- Mittra, S., Rai, S. K., Sahu, A. P., & Starn, H. J. "Financial Planning" Sage Publications India Pvt. Ltd., New Delhi.
- Zokaityte, A. "Financial Literacy Education" Palgrave Macmillan, London.

Note: Learners are advised to use the latest edition of readings.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

FINANCIAL DATABASE AND ANALYSIS SOFTWARE

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Financial Database and analysis software	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To enable students to obtain data from financial database.
- To enable to use R language for statistical & econometric data analysis.
- To develop skills that can help in solving your research problems.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the utility of a financial database
- After studying this course, students will be extract data from financial database (Prowess IQ)
- After studying this course, students will be perform data analysis using R
- After studying this course, students will be apply 'R' and Prowess IQ in financialanalysis and research.

SYLLABUS

Unit I (Financial Database) **(3 weeks)**

An Introduction to financial database Prowess IQ from CMIE: Creating company set-, creatingspreadsheets, use of elements in Ribbons – Company address and identity identicators, business segments and products, Ownership structure and governance indicators, Financial Statements, Stock prices and capital changes, Capex and M&A, indices and index number. Formulating queries and advance queries Student is expected to be able to extract different types of data foran index, an industry and company data Selection of company/s, period to be studied. Data extraction from balance sheet, profit & loss statement and cash flow statements

Stock market data- price and volume, BSE/NSE, adjusted prices Saving and exporting data to a spreadsheet for further analysis.

Unit II (Fundamentals of R) **(4 weeks)**

Overview of the R language, Input and output of data in R, Help command and Directory in R, In-built functions in R, Operators in R; Assignment, Arithmetic, logical, and Relational operators, Using R studio, Scripts, Text editors for R, Graphical User Interfaces (GUIs) for R, installing packages and libraries, Variable classes (numeric, character, logical, complex, missing), Data Types in R; Vectors, Matrices, Arrays, Lists, Factors, and Data Frames, Important operations of these Data Types, Using data from external files- reading & writing data to external files, Creating and storing R workspaces.

Unit III (Descriptive Analysis and Data Visualizations) **(4 weeks)**

Data preparation; Data cleaning and Missing value treatment, Data Exploration and Manipulation, Data Visualization; Bar chart, pie chart, Histogram, Frequency curve, Scatter plot, Box & Whisker plot etc., Important R functions for Describing a data; Mean, Median, Range, Standard deviation, Variance, Five number summary, Correlation coefficients for a bivariate data.

Unit III (Predictive Analysis) **(4 weeks)**

Simple and Multiple Regression using R, Estimating Regression Equation by Ordinary Least Squares in R, Violations of Classical Assumptions: multicollinearity, heteroscedasticity, autocorrelation and model specification errors, their identification, their impact on parameters; tests related to parameters and impact on the reliability and the validity of inferences in case of violations of Assumptions; methods to take care of violations of assumptions, goodness of fit. Time Series Analysis using R (Basic idea only).

Essential/recommended readings

- Gardener, M., *Beginning R: The Statistical Programming Language*, Wiley & Sons. 2018
- Wickham, H., et al. *R for Data Science: Import, Tidy, Transform, Visualize, and ModelData,* O'Reilly', 2017
- Motwani, B., Data Analytics with R, Wiley & Sons, Indian edition 2021
- Chang, R Graphics Cookbook- Practical Recipes for Visualizing Data; O' Reilly Media
- Gujarati, D.N. et al. Basic Econometrics, McGraw Hill India, 5e, 2018

Useful web links

- https://prowessiq.cmie.com
- CRAN website: https://cran.r-project.org/ https://rstudio.com/products/rstudio/download/ (R studio)
- http://r-statistics.co

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 marks Practical

Exam (Internal): 25 marks

End Semester University Exam: 50 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Front End Web Design and Development

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Front End Web Design and Development	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce the basic concepts and techniques of client-side web programming.
- To enable the students to develop simple, interactive, and stylish websites using HTML, CSS and JavaScript.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to build websites using the elementsof HTML.
- After studying this course, students will be able to build interactive and stylish websites using the client side programming techniques with CSS and Javascript.
- After studying this course, students will be able to learn to validate client-side data.
- After studying this course, students will be able to define the structure and contentsof the website using different features of CSS.

SYLLABUS

Unit 1 **(3 weeks)**

Introduction: Introduction to internet and web design. Basic concepts of web architecture.

Unit 2 **(4 weeks)**

HTML: Introduction to hypertext mark-up language (html), creating web pages, lists, hyperlinks, tables, web forms, inserting images, frames.

Unit 3 **(4 weeks)**

Cascading style sheet (CSS): Concept of CSS, creating style sheet, Importing style sheets, CSS properties, CSS styling (background, text format, controlling fonts), CSS rules, Style Types, CSS Selectors, CSS cascade, working with block elements and objects, working withlistsand tables, CSS id and class, box model (introduction, border properties, padding properties,
margin properties).

Unit 4 **(4 weeks)**

Basics of Javascript: Document object model, data types and variables, functions, methodsand events, controlling program flow, built-in objects and operators, validations.

Practical Exercises **(15 weeks)**

HTML

- Create an HTML document with following formatting – Bold, Italics, Underline, Colors, Headings, Title, Font and Font Width, Background, Paragraph, Line Brakes, Horizontal Line, Blinking text as well as marquee text.
- Create an HTML document with Ordered and Unordered lists, Inserting Images, Internal and External linking
- Create an HTML document for displaying the current semester's timetable.
- Create a website with horizontal and vertical frames. Top horizontal frame needs to show your college's name and logo. Bottom horizontal frame is to be split into two vertical frames. The left frame has hyperlinks to pages related to faculty, courses, student activities, etc. The right frame shows the corresponding webpage based on the link clicked on the left frame.
- Create a student registration form using HTML which has the following controls and make an interactive content presentation using CSS.:

  I. Text Box II. Dropdown box III. Option/radio buttons

  IV. Check boxes V. Reset and Submit button

- Create a webpage for your department with a drop-down navigation menu for faculty, courses, activities, etc.. Implement the webpage using styles, rules, selectors etc. learned in CSS
- Write event-driven programs in JavaScript for the following:
  - Enter a number and on click of a button print its multiplication table.
  - Print the largest of three numbers entered by the user.
  - Find the factorial of a number entered by the user.
  - Enter a list of positive numbers using the prompt terminated by a zero. Find thesum and average of these numbers.

- Create a student registration form using text, radio button, check box, drop down box, text field and all other required HTML elements. Customize the CSS and javascript to input and validate all data. Create functions to perform validation of each element, example:

  a. Roll number is a 7-digit numeric value
  b. Name should be an alphabetical value (String)
  c. Non-empty and valid fields like DOB

Essential/recommended readings

- Nixon, R., Learning PHP, MySQL & JavaScript with jQuery, CSS and HTML5,O'Reilly, 2018.
- Powell, T.A. HTML & CSS: The Complete Reference, 5th edition, TataMcGrawHill, 2017.
- Duckett, J., JavaScript and JQuery: Interactive Front-End Web Development,Wiley, 2014.

Suggested Readings

- Boehm, A., & Ruvalcaba, Z., Murach's HTML5 and CCS, 4th edition, Mike Murach & Associates, 2018.
- Ivan Bayross, Web Enabled Commercial Application Development Using Html, Dhtml, Javascript, Perl CGI, BPB Publications, 2010.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Graphics Design & Animation

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Graphics Design & Animation	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce the students to the skill of animation.
- To learn about the application of 2D and 3D animation.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the importance of animation and graphics design
- After studying this course, students will be able to learn graphics design in 2D and 3D animation.
- After studying this course, students will be able to learn the application of graphics design in 2D and 3D animation in advertising and other areas.

SYLLABUS

Unit 1:2D Animation **(7 weeks)**

Introduction to 2D Animation: Introduction to 2D Animation, Drawing concept, Colour theory & basics, Incorporating sound into 2D animation

Layout & Designing: Basic of sketching, still life and assignment of basic drawing, Composition of basic elements, Work in different media, such as drawing, collage, and painting, Explore the relationship between elements and principal, Pixel and resolution: Vector and Bitmap Graphics

Graphics and advertising (Practical)

- Creating Digital Layout
- Professional image editing (PHOTOSHOP)
- Advertising and relevant case , Graphics and illustration (Corel Draw, Paint)
- Vector Composition , 2D animation (Macromedia Flash)

Broadcast Design (Practical)

- Working with visual images
- Story Boarding
- Titles and Credit Making
- Stop motion animation

Production / Post-Production (Practical)

- Paint & animate (scanning, tracing, ink & Paint)
- Understanding Background composition
- Basic Understanding of 2D animation and technique
- Animation with flash, Portfolio Making

Unit 2: 3D Animation **(8 weeks)**

3D Modeling: Introduction to 3D space in Blender, Introduction to Modeling Techniques, In-organic Modeling, Organic Modeling

3D Shading: Use of Materials & Shader, Shader and Texture Editing, Shading Organic Model, Shading In-Organic Models

3D Animation and Rigging (Practical)

- Introduction to 3D Animation
- Create, Edit and working with Animation Graph, Rigging using Blender
- Setting up controllers for joints
- Simple Skeleton structure with proper joint orientation

3D Lighting and Rendering (Practical)

- Understanding Lighting in Cycles
- Direct and Indirect Lighting
- Light Linking, Final Composition
- Creating composition and Light with the Shaded Models

3D Dynamics (Practical)

- Introduction to Dynamics, Active and Passive Bodies
- Creating basic Simulation and collusion using Rigid body
- Cloth Simulation, Simulation of Brick wall collusion
- Introduction to Fluid Effects, Creating fluid simulation

Project

(Digital Imaging)

- Design Print advertisement for Service
- Design Print advertisement for Product
- Design Print advertisement an Event
- Design Print advertisement on Social Awareness
- Design a collage with a social message

2D Animation

- Drawing fundamentals using lines
- Sketching of cartoon characters
- 2D Logo designing
- Storyboarding of a 30 seconds film
- Portfolio making of an organization

3D Animation

- Exploring the Interface of 3D application & Basic Modeling
- Create different types of Materials and create a Shading
- Create a simple walk cycle using the character rigs
- Create a composition and Light set up
- Create a Fluid simulation & rendering

Suggested Readings:

- The Illusion of Life: Disney Animation, Ollie Johnston and Frank Thomas, Disney Editions.
- Blender Production Creating Short Animations from Start to Finish, Roland Hess, Routledge.
- Animating with Blender: Creating Short Animations from Start to Finish, Roland Hess, Focal Press
- Simplified Drawing for Planning Animation, Wayne Gilbert, Anamie Entertainment Ltd.
- Getting Started in 3D with Maya, Adam Watkins, Routledge.
- Creating Characters with Personality: For Film, TV, Animation, Video Games, and Graphic Novels, Tom Bancroft, Watson-Guptill
- Force: Dynamic Life Drawing for Animators, Mike Mattesi, Focal Press

Note: Learners are advised to use the latest edition of readings.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Harmonium

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Harmonium	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To initiate the students to a very popular instrument of Indian music through a general discussion on the role of Harmonium in accompanying various singing forms
- To throw light on the various types of musical instruments that are played in Hindustani music
- To discuss the features of various types of wind instruments
- To teach the student the fundamentals of playing the Harmonium, such as the correct placement of the fingers on the instrument, the right posture for sitting etc.
- To demonstrate tonal exercises, such as palta-s and alankar-s, vital for playing.
- To initiate his training in the realm of playing the instrument with the basic ragas, like Alhaiya, Bilawal and Yaman

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to learn the origin, development and classification of musical instruments.
- After studying this course, students will be able to learn the importance of wind instruments.
- After studying this course, students will be able to learn gat and dhun in prescribed ragas.
- After studying this course, students will be able to demonstrate the various talas and their layakaries.
- After studying this course, students will become well-versed with the techniques of Playing Harmonium
- After studying this course, students will be able to achieve dexterity of the hand, through regular practice of the playing exercises at home.
- After studying this course, students will be able to read and learn new compositions in the prescribed ragas.
- After studying this course, students will be able to grasp the various grammatical aspects of the prescribed ragas, like how they arise, what are the respective rules that govern these ragas, how do the notes move in the ragas, what are the performing times of the ragas etc.
- After studying this course, students will be able to learn the art of playing a raga, especially with regard to having the Tabla as an accompanying instrument.

SYLLABUS

Unit I **(2 weeks)**
Origin and Development of Musical Instruments

Unit II **(2 weeks)**

Classification of instruments

Unit III **(2 weeks)**

Study of Wind Instruments

Unit IV **(3 weeks)**

Writing notation of compositions in prescribed ragas

Unit V **(3 weeks)**

Writing notation of Talas with Thah, Dugun, Tigun and Chaugun in Kaharva

Unit VI **(3 weeks)**

Theoretical knowledge of the prescribed ragas

Recommended Books:

- Sangeet Bodh – Sharadchandra Shridhar. Paranjape:-Madhye Pradesh Hindi Granth Acadamy , Bhopal, IstEdition: 1972
- Samvadini – Jayant Bhalodkar :- Kanishka Publication, New Delhi, Ist Edition: 2006
- Dhvani Aur Sangeet - Lalit Kishore Singh:- Bhartiye Gyanpeeth, Lodi Road, New Delhi, Ist Edition: 1954
- Kramik Pustak Malika – Part- II :- V.N. Bhatkhande, Sangeet Karyalaya, Hathras, Editor: Laxminarayan Garg, January: 2008
- Sangeet ShastraVigyan - Dr.Pannalal Madan:- Rajasthan Hindi Granth Acadamy, Jaipur, 2nd Edition: 1991, Abhishek Publication
- Tal Parichay Part III ,Girishchandra Srivastava, Rubi Prakashan , Allahabad, 2nd

Edition: June: 2002

(Practical - 1): Stage Performance & Viva-Voce: **(15 weeks)**

Prescribed Ragas:

Alhaiya Bilawal
Yaman
Khamaj

Unit I
Ability to play five alankars in the prescribed ragas.

Unit II
One Sargam Geet to be played each in the prescribed ragas

Unit III
One Lakshan Geet each to be played in the prescribed ragas

Unit IV
Two Drut Khyals with elaborations in any of the prescribed ragas

Unit V
Ability to play a Dhun in raga Khamaj

Unit VI
In-depth knowledge of the prescribed ragas

Unit VII
Knowledge and demonstration of the following tala with dugun, tigun and chaugun -Kaharva

Unit VIII
Basic knowledge of Harmonium and its various parts

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks Practical Exam
(Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University o Delhi, from time to time.

Introduction to Arabic Calligraphy

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Arabic Calligraphy	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**Nil.**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To make the learners familiar with Arabic Calligraphy.
- To make them aware of different Arabic scripts.

Learning outcomes

After completion of the course the student will be able to:

- Know about the history of Arabic Calligraphy.
- Read and write Arabic letters and text.
- Recognize different Arabic scripts/fonts.
- Write in two Arabic scripts: Naskh and Ruq'ah.

SYLLABUS

UNIT 1 **(5 Weeks)**

- Calligraphy
- Arabic Calligraphy
- Origin and Development of ArabicCalligraphy
- Lesson on Arabic Alphabet
- Introduction to Arabic scriptRuq'ah
- Introduction to Arabic script Naskh

UNIT 2 **(5 Weeks)**

- Importance and Characteristics of the ArabicScript Ruq'ah in modern time.
- Importance and Characteristics of the ArabicScript Naskh in modern time.
- Familiarity with different Arabic scripts.
- Al-Aqlaam Al-Sittah
- Pioneers of the Arabic scripts/calligraphy.
  - ✓ Ibn Muqlah
  - ✓ Ibn Al-Bawwab

UNIT 3 **(5 Weeks)**

- Benefits of Good handwriting
- Famous Arabic fonts of computer
- Practice of the Arabic scripts: Naskh and Ruq'ah



Essential Readings

1. M. Ziauddin: Muslim Calligraphy, Kitab Bhawan, Delhi
2. مولانا نور عالم خليل dمبe : خط رقعQ كبوں اور كـ , سبكو ں؟، ديوىند
3. د.عادل dلو,S : اżxط العرىي ؤشأنه ونطوره، القا&رة.
4. د. إبرا&بم سليمان شيخ العبد، اżxط العرىي حضارة ومـ,ارة، مكتبة سمـ , منصور، غزة، فلسط ن .

Suggested Resources:

1. Muhammad Sohail: Administrative and Cultural History of Islam, New Delhi.
2. مركز الملك فيصل للبحوث والدراسات dسلامية : اżxط العرىي من خلال اżzطوطات، المملكة العرىية السعودية.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Introduction to Blockchain

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Blockchain	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce the students to the basic concept of blockchain.
- To make the students learn and implement blockchain technology.
- To learn about the distributed organizations and distributed ledger.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand how Ethereum transactions are validated by miners.
- After studying this course, students will be able to understand Ethereum Blockchain.
- After studying this course, students will be able to learn Solidity programming language to develop Smart Contracts.
- After studying this course, students will be able to understand the key concepts like cryptography and public , private blockchain.
- After studying this course, students will be able to gain a deep insight into Ethereum, Hyperledger and its network.

SYLLABUS

Unit 1 **(7 weeks)**

Blockchain: Basics And Applications: Node Fundamentals,Blockchain Basics, Blockchain Features, Ethereum Fundamentals, Smart Contract Development In Ethereum, Dapp Development In Ethereum.

Unit 2 **(8 weeks)**

Building A Distributed Application On Hyperledger Fabric: HyperledgerFundamentals, Fabric Network Setup, Chaincode Development ,DAPP Development.

CAPSTONE PROJECT **(15 weeks)**

- **Assignment/Project**

Suggested Web links

- https://ethereum.org
- https://www.hyperledger.org/

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Introduction to Cloud Computing (AWS)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Cloud Computing (AWS)	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To learn about cloud computing through Amazon Web Services (AWS) platform.
- To learn about AWS cloud concepts, services, security and architecture to build an application.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to Understanding cloud computing platform
- After studying this course, students will be able to differentiate between on-premises, hybrid-cloud, and all-in cloud
- After studying this course, students will be able to describe the basic global infrastructure of the AWS Cloud
- After studying this course, students will be able to understanding the core AWS services, including compute, network, databases, and storage

SYLLABUS

Unit 1 **(5 weeks)**

Introduction to cloud computing, Creating AWS account, AWS Management Console, AWS Documentation overview, Availability Zones, AWS Global Infrastructure.

Unit 2 **(5 weeks)**

Compute in the Cloud :- Amazon EC2, instance types.

Unit 3 **(5 weeks)**

Storage and Databases: - Amazon Simple Storage Service (Amazon S3),Amazon Relational Database Service (Amazon RDS), Amazon DynamoDB.

Project **(15 weeks)**

Create an AWS account and implement AWS cloud for deploying any application.

Suggested Sources

- Any free platform can be used, for example Amazon, Google, Azure etc.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Negotiation and Leadership

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Negotiation and Leadership	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce the students to the importance of negotiation skills
- To expose the students to diverse contexts and situations that require negotiation skills
- To learn about the management of critical and crisis situations
- To evolve relationship building skills

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to apply negotiation skills to obtain desired results
- After studying this course, students will be able to understand the various aspects ofa crisis situation for appropriate management.
- After studying this course, students will be able to learn how to manage complex negotiation situations.
- After studying this course, students will be able to understand the process of relationship building.
- After studying this course, students will be able to test and judge the legitimacy of the terms of negotiation

SYLLABUS

Unit 1 **(3 weeks)**

Negotiation Fundamentals Key concepts and core vocabulary of negotiation process, deal-making and dispute resolution, Assumptions and biases that are barriers to effective negotiation, Collaborative approaches, risk & opportunities to achieve win-win outcomes

Negotiation Canvas Introduction of a framework for negotiation preparation and how to use it, Elements of negotiation canvas i.e. relationship, alternatives, legitimacy, options, interests among others, Difference between position and interests

Unit 2 **(4 weeks)**

Managing critical moments

Types of negotiation approaches used by negotiators Critical moments that can make or breakthe deal How to identify these critical moments, Strategies to manage critical moments in the negotiation

Effective Communication and Relationship Building

Role of communication and relationship in negotiation, Understanding the other party's psychology to understand their interests, build trust and improve the scope of the negotiation, Unconditionally constructive behaviours, Methods of building trust, and empathy, Overcoming communication barriers, difficult behaviours and information asymmetry

Unit 3 **(4 weeks)**

Discovering, creating and claiming value

Methods of value discovery during negotiation, How is value divided and claimed betweenthe negotiating parties?, What are the tradeoffs, mutual gains and contingencies?, Concept of distributive bargaining, equitable solutions, and ZOPA (zone of possible agreement),Biases and enemies of value creation

Complex Negotiations

Strategies for negotiations are not straightforward, involve several issues, include multiple stakeholders, and /or involve powerful parties, Hofstede's Culture dimensions, Dealing with people with difficult behaviours

Unit 4 **(4weeks)**

Managing Alternatives

Concept of BATNA (Best Alternative to Negotiated Agreement), Methods to evaluate alternative options/offers, Management of one's alternatives and other party's alternatives during negotiation.

Legitimacy and Building Commitment

When to say yes to agreed terms, and when to walk away, Criteria for decision-making on negotiated terms, Assessment of the legitimacy of negotiated terms, Leading all parties to commit to the negotiated agreement, Steps from plan to execution

Essential/Recommended Readings

- Getting to Yes: Negotiating Agreement Without Giving in by Roger Fisher, William L. Ury, and Bruce Patton. Penguin Books
- Difficult Conversations: How to Discuss What Matters Most by Douglas Stone, Bruce Patton, Sheila Heen. Penguin Books
- Value Negotiation: How to Finally Get the Win-Win Right by Horacio Falcão. Pearson Education

Articles

- The Seven Myths of Win-Win Negotiations, by Horacio Falcão
- Control the Negotiation before it begins by Deepak Malhotra

Examination scheme and mode:
Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Personal Financial Planning

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Personal Financial Planning	**2**	**1**	**0**	**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To familiarize students with different aspects of personal financial planning like savings, investment, taxation, insurance, and retirement planning
- To develop the necessary knowledge and skills for effective financial planning.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the meaning and appreciate the relevance of financial planning.
- After studying this course, students will be able to understand the concept of investment planning and its methods.
- After studying this course, students will be able to examine the scope and ways of personal tax planning.
- After studying this course, students will be able to analyse insurance planning andits relevance.
- After studying this course, students will be able to develop insight into retirement planning and its relevance.

SYLLABUS

Unit 1: Introduction to Financial Planning: **(3 weeks)**

Financial goals, steps in financial planning, budgeting incomes and payments, time value of money. Introduction to savings, benefits of savings, management of spending & financial discipline, Setting alerts and maintaining sufficient funds for fixed commitments.

Unit 2: Investment Planning: **(3 weeks)**

Process and objectives of investment, concept and measurement of return & risk for various asset classes, measurement of portfolio risk and return, diversification & portfolio formation. Gold bond; Real estate; Investment in greenfield and brownfield Projects; Investment in fixed income instruments, financial derivatives & commodity market in India. Mutual fund schemes; International investment avenues. Currency derivatives and digital currency.

Unit 3: Personal Tax Planning: **(3 weeks)**

Tax structure in India for personal taxation, Scope of personal tax planning, exemptions and deductions available to individuals under different heads of income and gross total income. Comparison of benefits - Special provision u/s 115 BAC vis-à-vis General provisions of the Income-tax Act, 1961, tax avoidance versus tax evasion.

Unit 4: Insurance Planning: **(3 weeks)**

Need for insurance. Life insurance, health insurance, property insurance, credit life insurance and professional liability insurance.

Unit 5: Retirement Benefits Planning: **(3 weeks)**

Retirement planning goals, process of retirement planning, Pension plans available in India, Reverse mortgage, Estate planning.

Practical Exercises: **(15 Weeks)**

The learners are required to:

- Perform electronic fund transfers through net banking and UPI.
- Identify certain recent Ponzi schemes in the market.
- Prepare tax planning for a hypothetical individual.

Suggested Readings:

- Halan, M. "Let's Talk Money: You've Worked Hard for It, Now Make It Work for You" Harper Collins Publishers, New York.
- Indian Institute of Banking & Finance. "Introduction to Financial Planning" Taxmann Publication, New Delhi.
- Keown A.J. "Personal Finance" Pearson, New York.
- Madura, J. "Personal Finance", Pearson
- Pandit, A. "The Only Financial Planning Book that You Will Ever Need" Network 18 Publications Ltd., Mumbai.
- Sinha, M. "Financial Planning: A Ready Reckoner" McGraw Hill Education, New York.
- Tripathi, V. "Fundamentals of Investment" Taxmann Publication, New Delhi.

Note: Learners are advised to use the latest edition of readings.

Examination scheme and mode:
Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

PERSONALITY DEVELOPMENT AND COMMUNICATION

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Personality Development	**2**	**1**	**0**	**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To develop inter personal and effective communication skills.
- To develop problem solving skills and understand its influence on behaviour and attitudes of individuals.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand the importance of oral and written communication in day-to-day working of the organisation.
- After studying this course, students will be able to develop inter personal skills and problem-solving skills.
- After studying this course, students will be able to understand the role of body language in effective communication.

SYLLABUS

Unit 1 **(4 Weeks)**

Introduction, need for Communication, Process of Communication, Written and Verbal Communication, Visual communication, Signs, Signals and Symbols, Silence as a Mode of Communication, Inter-cultural, Intra-cultural, Cross-cultural and International communication, Communication through Questionnaires, Business Letter Writing, Electronic Communication.

Unit 2 **(4 Weeks)**

Business Cases and Presentations, Letters within the Organizations, Letters from Top Management, Circulars and Memos, Business Presentations to Customers and other stakeholders, presenting a Positive Image through Verbal and Non-verbal Cues, Preparing andDelivering the Presentations, Use of Audio-visual Aids, Report Writing.

Unit 3 **(4 Weeks)**

Barriers to Communication, Improving Communication Skills, Preparation of Promotional Material, Non-verbal communication, Body language, Postures and gestures, Value of time, Organizational body language, Importance of Listening, Emotional Intelligence. Working individually and in a team, Leadership skills, Leadership Lessons, Team work and Team building, Feedback, Feed forward Interpersonal skills – Delegation, Humour, Trust, Expectations, Values, Status, Compatibility and their role inbuilding team – work Conflict Management – Types of conflicts, how to cope with conflict.

Unit 4 **(3 Weeks)**

Negotiation Skills, Types of Negotiation, Negotiation Strategies, Selling skills – Selling to customers, Selling to Superiors Selling to peer groups, team mates and subordinates, Conceptual selling, Strategic selling, Selling skills – Body language.

Essential/recommended readings

- Kushal Jin – Business Communication, VK India.
- Krishnamacharyulu, C. S. G, Ramakrishnan Lalitha – Personality Development, Interpersonal Skills and Career Management, Himalaya Publishing.
- Corvette Budjac – Conflict Management: A Practical Guide to Developing NegotiationStrategies, Pearson.

Suggestive Readings

- Mitra, B. K., Personality Development and Soft Skills, Oxford University Press.
- Kumar Sanjay and Pushplata, Communication Skills, Oxford University Press.
- Mandal S. K., Effective Communication and Public Speaking, Jaico Publishing.

Note: Latest edition of the readings may be used

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 marks

Practical Exam (Internal): 25 marks

End Semester University Exam: 50 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Political Leadership and Communication

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Political Leadership and Communication	**2**	**1**	**0**	**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To understand the cross-cutting multi-disciplinary linkage of the subject.
- To gain a basic understanding of specific concepts and critical review of political communication and election campaign studies.
- To be able to construct a linkage between political communication and leadership.
- To learn conceptual frameworks and qualitative research skills for the analysis of modes and techniques of political communication and leadership.

Learning outcomes

The Learning Outcome of this course is as follows:

- After studying this course, students will be able to have a professional/career-oriented insight by facilitating their journey as Media managers, policy makers, political analysts, Journalists, Public relations officers in government agencies, political parties and higher education.

SYLLABUS

Unit I: Explaining Political Communication **(3 weeks)**

- Meaning, Nature and Scope
- Evolution and Transformation

Unit II: Exploring Leadership **(3 weeks)**

- Themes, Theories and Typologies
- Participation and Performance

Unit III: Expanding Political Communication and Leadership: Orientation and Action **(3 weeks)**

- Developing Communication and Leadership through Research
- Strengthening Techniques of Communication and Leadership

Unit IV: Extending Political Communication and Leadership: Research Issues and Challenges **(3 weeks)**

- Researching Communication and Leadership through Survey: Opinion Poll, Exit Poll.
- Examining Contemporary Issues and Challenges in Communication and Leadership

Unit V: Executing Political Communication and Leadership: Empirical and Professional Implications **(3 weeks)**

- Psephology as an Art and Vocation
- Exploring Career Options

Essential/recommended Readings:

- Pole (2009). Blogging the Political: Politics and Participation in a networked Society. New York: Routledge.
- D. A. Graber (2005). 'Political Communication Faces the 21st Century', Journal of Communication, September: 479-507.
- Frank Esser and Barbara Pfetsh (eds.). (2004). Comparing Political Communication-Theories, Cases and Challenges. Cambridge: Cambridge University Press.
- G. Gerbner, L. Gross, M. Morgan and N. Signorielli (1982). 'Charting the Mainstream: Television's Contribution to Political Orientations', Journal of Communication, 32(2): 100-27.
- H. A. Semetko and M. Scammell (eds.) (2012). The SAGE Handbook of Political Communication. London: Sage.
- John C Maxwell (2008). Developing the Leader Within You. New Delhi: Harper Collins.
- Kiran Prasad (ed.) (2003). Political Communication: The Indian Experience. New Delhi: B.R. Publishers.
- Max Depree (2004). Leadership is an Art. RHUS Publications.
- Yogesh Atal (2014). 'Matdataoin Ka Sansar', Pratiman, Vol.2, No.1.
- Yogesh Atal (2018). 'Chunav Shastra Aur Rajniti', Pratiman, No.11.

Web Source

- http://www.politicalcommunication.org/history.html

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Programming using Python

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Programming with Python	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To provide exposure to basic problem-solving techniques with computers
- To develop logical thinking abilities and to propose novel solutions for real world problems through programming language constructs.
- To deepen the empirical knowledge on applying programming on business domains.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to interpret the basic representation of the data structures and sequential programming
- After studying this course, students will be able to gain knowledge of, and ability to use control framework terminologies.
- After studying this course, students will be able to work out using the core data structures as lists, dictionaries, tuples, and sets.
- After studying this course, students will be able to choose appropriate programming paradigms, interrupt and handle data using files to propose solutions through reusable modules.
- After studying this course, students will be able to propose possible error-handling constructs for unanticipated states/inputs .
- After studying this course, students will be able to implements exemplary applications on real-world problems.

SYLLABUS

Unit-1: Introduction **(3 weeks)**

Relationship between computers and programs, Basic principles of computers, File systems, Using the Python interpreter, Introduction to binary computation, Input / Output

Unit-2: Data types and control structures **(4 weeks)**

Operators (unary, arithmetic, etc.), Data types, variables, expressions, and statements,Assignment statements, Strings and string operations, Control Structures: loops and decision

Unit-3: Modularization and Classes **(4 weeks)**

Standard modules, Packages, Defining Classes, Defining functions, Functions and arguments(signature)

Unit-4: Data structures and Object-oriented design **(4 weeks)**

Data Structures (array, List, Dictionary), Error processing, Exception Raising and Handling Programming types, Object Oriented Programming, Object Oriented Design, Inheritance and Polymorphism

Practical Exercises **(15 weeks)**

- Running instructions in Interactive interpreter and a Python Script
- Write a program to purposefully raise Indentation Error and Correct it
- Write a program to compute distance between two points taking input from the user. (Pythagorean Theorem)
- Write a program add.py that takes 2 numbers as command line arguments and prints its sum.
- Write a Program for checking whether the given number is an even number or not.
- Using a for loop, write a program that prints out the decimal equivalents of 1/2, 1/3, 1/4, 1/10
- Write a program using a for loop that loops over a sequence. What is the sequence?
- Write a program using a while loop that asks the user for a number, and prints a countdown from that number to zero.
- Find the sum of all the primes below two million. Each new term in the Fibonacci sequence is generated by adding the previous two terms. By starting with 1 and 2, the first 10 terms will be: 1, 2, 3, 5, 8, 13, 21, 34, 55, 89, ...
- By considering the terms in the Fibonacci sequence whose values do not exceed four million, find the sum of the even-valued terms.
- Write a program to count the numbers of characters in the string and store them in a dictionary data structure.
- Write a program to use split and join methods in the string and trace a birthday with a dictionary data structure.
- Write a program combining lists that combines these lists into a dictionary.
- Write a program to count the frequency of characters in a given file. Can you use

character frequency to tell whether the given file is a Python program file, C program file or a text file?

- Write a program to print each line of a file in reverse order.
- Write a program to compute the number of characters, words and lines in a file.
- Write a function ball collide that takes two balls as parameters and computes if they are colliding. Your function should return a Boolean representing whether or not the balls are colliding. Hint: Represent a ball on a plane as a tuple of (x, y, r), r being the radius. If (distance between two balls centers) <= (sum of their radii) then (they are colliding)
- Find mean, median, mode for the given set of numbers in a list.
- Write a function nearly equal to test whether two strings are nearly equal. Two strings a and b are nearly equal when a can be generated by a single mutation on b.
- Write a function dups to find all duplicates in the list.

Essential/recommended readings

- "Starting Out with Python plus My Programming Lab with Pearson eText --Access Card Package (3rd Edition) Tony Gaddis ISBN-13: 978-0133862256".
- Python Crash Course: A Hands-On, Project-Based Introduction to Programming (2nd Edition).
- Head-First Python: A Brain-Friendly Guide (2nd Edition) by Paul Barry.
- Learn Python the Hard Way: 3rd Edition by Zed A. Shaw.
- Python Programming: An Introduction to Computer Science (3rd Edition) by John M. Zelle.
- Python Cookbook: Recipes for Mastering Python 3 (3rd Edition) by Brian Jones and David Beazley.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

PROSPECTING E-WASTE FOR SUSTAINABILITY

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Prospecting E-waste for Sustainability	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To provide in-depth knowledge on the effective mechanisms to regulate the generation, collection, and storage of e-waste
- To gain insights into the internationally/nationally acceptable methods of transport, import, and export of e-waste within and between countries
- To develop a holistic view on recycling, treatment, and disposal of e-waste and related legislative rules.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to holistically analyze the environmental impacts of e-waste
- After studying this course, students will be able to apply the skills and various concepts for sustainable management of e-waste
- After studying this course, students will be able to decipher the role of various national and international regulations for e-waste management
- After studying this course, students will be able to provide specific recommendations for improved methods for handling e-waste at different stages such as generation, collection, storage, transport, and recycling

SYLLABUS

Practical/Hands-on Exercises **(15 weeks)**

- Identification of e-waste and its types
- Composition of e-waste and segregation- from the material provided
- Dismantling of e-waste and handling process
- Visit a nearby e-waste handling facility
- Environmental protection laws and producer's responsibility for e-wastemanagement
- Build an understanding of how regulatory mechanisms can be utilized in the management of e-waste in educational institutions.
- Discussion on plausible ways and implementation of e-waste reduction at the source
- Evaluation of the status of e-waste handling at your institution. Suggest potential solutions as per the existing norms of E-Waste (Management) Rules, 2016 and beyond.
- Estimate how recycling of e-waste in metro cities will go in sync with the circular economy
- Develop an understanding and itinerary of the process for procuring e-waste import permissions.
- Inventory of the e-waste disposal mechanisms.
- Study the evolution of e-waste management rules and its implementation- Hazardous Waste Rules, 2008, E-waste (Management and Handling) Rules, 2011; and E-Waste (Management) Rules, 2016
- Study the international laws on e-waste management- the international legislations: The Basel Convention; The Bamako Convention; The Rotterdam Convention;
- Waste Electrical and Electronic Equipment (WEEE) Directive in the European Union; Restrictions of Hazardous Substances (RoHS) Directive

Teaching and learning interface for practical skills:

To impart training on technical and analytical skills related to the course objectives, a wide range of learning methods will be used, including (a) laboratory practicals; (b) field-work exercises; (c)customized exercises based on available data; (d) survey analyses; and (e) developing case studies; (f) demonstration and critical analyses; and (h) experiential learning individually and collectively.

Prospective sector(s):

- Electric and electronic industries,
- E-waste Recycling Unites,
- Private entrepreneurs,
- Environmental consultancies,
- Pollution Boards, and
- Environmental NGOs

Suggested Readings:

- Hester, R.E. and Harrison, R.M., 2009. Electronic Waste Management: Design. Analysis and Application. Royal Society of Chemistry Publishing. Cambridge, UK.
- Fowler, B.A., 2017. Electronic Waste: Toxicology and Public Health Issues.Academic Press.

- Gaidajis, G., Angelakoglou, K. and Aktsoglou, D., 2010. E-waste: environmental
- problems and current management. Journal of Engineering Science and TechnologyReview, 3(1), pp.193-199.
- Janyasuthiwong, S., 2020. Metal Removal and Recovery from Mining Wastewaterand E-waste Leachate. CRC Press.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Public Speaking in English Language and Leadership

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Public Speaking in English Language and Leadership	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To impart leadership skills to students along with adequate communication skills tocurate strong leaders in the emerging social, political and corporate world.
- To create leaders with ethics and resilience in industry-based fields as well as social
- fields.
- To allow students to realise their leadership skills and curate them through a hand-on practical approach which will be helpful in generating employable skills for them.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to learn effective communication through Public Speaking will instill leadership development among students.
- After studying this course, students will be able to lead in different fields at the undergraduate level, be responsible citizens and employ leadership skills in their future endeavours, too.
- After studying this course, students will be able to strengthen their critical mindset, help them being assertive and put forward constructive viewpoints employing the skills learnt in the practice sessions.

SYLLABUS

UNIT 1 **(2 Weeks)**

- Introduction to Effective Communication- Features, Advantages & Disadvantages
- Importance of Listening
- Oral communication- Meaning, Features & Importance
- Reading Public Speech- Reading documented speeches delivered in the past; Understanding the art of word play, vocabulary and putting thoughts into words

UNIT 2 **(5 Weeks)**

- Public Speaking-
  - ✓ What is Speech?, Overcoming Fear of Public Speaking, Language of Public Speech
  - ✓ Drafting a Public Speech (Reading, research, writing, Fact check, Re-writing, Delivery)
  - ✓ 3P's of Public Speaking (Preparation, Practice, Performance)
  - ✓ Rhetoric Skills, Art of Informative & Persuasive speaking, Concluding Speech with Power
- Types of Public Speaking-
  - ✓ Physical & Online
  - ✓ Political, Organisational, Educational & Motivational
  - ✓ Ted Talks, Public Speaking in Media
- Listening in groups and Discussion- Listening famous speeches (from history & everyday life); Analysis of its elements & classroom discussion
- Writing Public speech- Classroom Practice Sessions

UNIT 3 **(5 Weeks)**

- Leadership Skills- (2 hrs.)
  - ✓ Meaning, Features & Importance
  - ✓ Historical Overview
  - ✓ Leadership in Academic Life, Corporate Space, Public Life, Social Leadership and Political Leadership
- Leadership & Innovations- (2 hrs.)
  - ✓ Audience analysis
  - ✓ Audience Engagement & Leadership
  - ✓ Influencing through Leadership
- Execution & Delivery of Public Speech- Learning rhetorics through speeches in the form of Audio/ Video; Learning Body Language & Paralanguage through ICT
- Developing leadership competence through Public Speaking- Intra-class Speech Competitions; Extempore; Group Discussion

UNIT 4 **(3 Weeks)**

- Importance of Public Speaking in developing Leadership Skills
- Ethics in Public Speaking & Leadership
- Mock Parliament/MUNs
- Workshop

Suggested Readings:

- ✓ Beebe, S. A., & Beebe, S. J. (2012). Public speaking: An audience-centredapproach. (8th ed.). Boston: Pearson.
- ✓ Cardon, P. (2014). Business communication: Developing leaders for a networkedworld. (international ed.). New York: McGraw-Hill.
- ✓ Jaffe, C. I. (2013). Public speaking: Concepts & skills for a diverse society. (7thed.). Boston: Cengage Learning.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25
marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

STATISTICAL SOFTWARE PACKAGE

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Statistical Software Package	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To familiarize students with data analysis using a statistical software package like SPSS or any other equivalent.
- To provide skills for research analysis and increase employability.
- To lay a foundation for advance data analysis work and higher education.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to understand basic functions of statistical software package for managing variables and generate descriptive statistics to describe the data and analyze data through graphs and charts.
- After studying this course, students will be able to test differences in sample means.
- After studying this course, students will be able to identify relationships between variables and develop models for predicting dependent variables on the basis of independent variables.
- After studying this course, students will be able to understand data structures and identify clusters in data.
- After studying this course, students will be able to identify principal components that are relevant from a host of variables.

SYLLABUS

Unit 1: Getting started with the Software **(4 Weeks)**

Introduction: Data Entry, Storing and Retrieving Files, Generating New Variables; Managing Data – Listing cases, replacing missing values, computing new variables, recoding variables, selecting cases, sorting cases, merging files, Graphs – Creating and editing graphs and charts; Descriptive Statistics Procedures: Frequencies, Descriptive,Explore, Cross Tabulation.

Unit 2: Hypothesis Testing for Means **(3 Weeks)**

T-tests: One sample test, Independent samples and paired samples t-test; ANOVA – One- way analysis of variance with post hoc analysis, Two-way analysis of variance.

Unit 3: Testing for Association between Variables **(4 Weeks)**

Chi-square Test of Independence; Bivariate Correlation Analysis: Simple Scatter Plot; Correlation Coefficient: Pearson, Spearman Rho and Kendall Tau Coefficient. Factor analysis.

Unit 4: Regression Analysis **(4 Weeks)**

Linear Regression: Simple Linear Regression, Multiple regression analysis with matrix scatterplot. Multiple Regression: Standard (Enter) and Stepwise Method. Binary Logistic Regression.

Essential/recommended readings

- Performing Data Analysis using IBM SPSS, Lawrence S. Meyers, Glenn C. Gamst, A. J. Guarino, Wiley Publication
- SPSS for Windows Step by Step A Simple Guide and Reference, Darren George andPaul Malley
- SPSS in Simple Steps, Kiran Pandya, Smruti Bulsari, Sanjay Sinha, Dreamtech Press

Suggestive Readings

- Using SPSS in Research, Dr. Radha Mohan, Neelkamal.

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 marks Practical

Exam (Internal): 25 marks

End Semester University Exam: 50 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

Statistics with 'R'

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Statistics with R	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To enable students to handle data in the R software thereby helping them to understand meaningful statistical analysis performed on the data.
- To enable students to extract data, and perform basic statistical operations entailing
- Data analysis such as – data cleaning, data visualisation, data summarisation, and regression amongst others.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to extract and Read data into R, manipulate, and analyse it
- After studying this course, students will be able Tto debug, organize, and commentR code
- After studying this course, students will be able to understand the R environment for downloading, installing, and using packages
- After studying this course, students will be able to do basic programming to write own functions
- After studying this course, students will be able to use loops
- After studying this course, students will be able to create standard and customizedgraphics
- After studying this course, students will be able to perform basic statisticaloperations and regression.

SYLLABUS

Unit 1: Data Extraction and Spread Sheet Exploration **(3 Weeks)**

Extraction of economics and financial data from Prowessiq, RBI, IMF, World bank or an equivalent financial/economic database. The students should be able to save and export the data to 'R-environment' for further analysis.

Unit 2: Basics of R-language **(7 Weeks)**

Overview of the R language: Installing R and R Studio : Using R studio, Scripts, Text editors for R, Graphical User Interfaces (GUIs) for R, Creating and storing R workspaces, installing packagesand libraries, Mathematical operations.

Data Types in R – Numeric, Integer, Character, Logical, Complex and missing data. Data Structures in R

- Vectors – Creation, Arithmetic operations of Vectors, Vector Sub setting, Sorting andSequencing functions.
- Matrix and Arrays – Creation, Arithmetic Operations of matrix, Sub setting, Use of DropFunction.
- Factors – Converting a vector into factor, assigning levels and labels, ordered Factor.
- List – Creating a list, accessing elements from a list, adding a new element and eliminating an existing element form the list, converting list to vectors.
- Data Frames – Creation of Data Frame, adding new columns, rows and removing columns, accessing column using the $ sign, importing a data set (important file formats such as csv, txt and spreadsheet), aggregate function and subsetting of dataframes, tapply function, manipulation using dplyr package (select, filter, arrange, mutate and group by function, pipeoperator).

Programming Fundamentals: Logical operators, conditional statements (if, else, else if statements in R), While loops, For loops, repeat loops. Creating functions in R.

Reading data in R (file formats such as csv, txt, and xlsx), Writing data to external files (fileformats such as csv, txt, and xlsx), writing a table to a file, print function.

Unit 3: Basic Statistics and Regression **(5 Weeks)**

Summarizing and exploring data: Descriptive statistics (mean, median, mode, variance, skewness, five-point summary), dealing with missing data in R, Data cleaning (dplyr package, tidyr package and pipe operator), Exploratory Data Analysis; data visualization using inbuilt functions and ggplot2 package (pie chart, bar chart, line chart, histogram, box plot, scatter plot,Normal QQ plot).

Regression analysis using R: Regression vs Correlation, Simple and multiple regression, Ordinary least square, Assumptions of classical normal linear regression model (CNLRM), corrplot package, car package, lmtest package, scatter plot (using plot function and ggplot2 package) to understand the relationship between variables, lm, abline, predict, resid function, interpreting 'summary table' of the regression model, normality of residuals (qqnorm and qqPlot functions), multicollinearity (correlation matrix, corrplot and vif function), autocorrelation (acf plot and Durbin Watson test),

heteroscedasticity (graphically, bptest, ncvTest), impact on estimates and inferences in case of violations of assumptions of CNLRM, methods to take care of violations.

Time series data, components of a time series data, additive and multiplicative time series model,ts function, diff function, plot of a time series data, time series data with linear trend; regression analysis using 'lm' function, stationarity in time series (concept only).

Essential/recommended readings

- Gardener, M. (2018), Beginning R: The Statistical Programming Language, Wiley & Sons.
- Sekhar, S.R.M., et al. (2017), Programming with R, Cengage Learning India.
- Wickham, H., et al. (2017), R for Data Science: Import, Tidy, Transform, Visualize, and Model Data, O'Reilly'.
- Field, A., Miles, J and Field (2012), Z. Discovering Statistics using R (Indian Reprint 2022), SAGE
- SimpleR - Using R for Introductory Statistics: John Verzani.
- The R Guide.
- Analysis of Epidemiological Data Using R and Epicalc: Virasakdi Chongsuvivatwong.
- Statistics Using R with Biological Examples: Kim Seefeld and Ernst Linder.
- An Introduction to R: Software for Statistical Modeling & Computing: Petra Kuhnert and Bill Venables.
- Gujarati, D.N. et al (2018), Basic Econometrics, McGraw Hill India, 5th Ed.
- CRAN website: https://cran.r-project.org/
- https://prowessiq.cmie.com,
- https://data.worldbank.org/indicator,
- https://rstudio.com/products/rstudio/download/(Rstudio)
- http://r-statistics.co

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

SUSTAINABLE ECOTOURISM AND ENTREPRENEURSHIP

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite ofthe course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Sustainable Ecotourism and Entrepreneurship	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To train students in concepts and principles of sustainable ecotourism leading to a new generation of entrepreneurs
- To inculcate field-based practical skills in translating ecological systems into wealth generation while conserving natural resources
- To transform local biological wealth into a hub of global attraction and generate a scientific basis of Indian traditional knowledge

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to develop next-generation ecological entrepreneurs
- After studying this course, students will be able to evolve eco-literate society by integrating market-based instruments with eco-cultural knowledge of traditional societies
- After studying this course, students will be able to practice ecological knowledge for wealth generation, environmental conservation, and popularization of Indian traditional knowledge

SYLLABUS

Practical/Hands-on Exercise **(15 weeks)**

- Assess the current state of ecotourism in little-known/explored areas and examine ecotourism potential
- Field surveys to identify the existing locations having ecological, wildlife, scenic, and ethnic potential for ecotourism and analyze existing prevalent eco-practices having the potential to integrate with ecotourism programme
- Identify ten plant species having ecological, economic, and cultural significance as ecotourist attraction
- Develop stories on the selected wild habitats to attract ecotourists from within and outside the country
- Identify suitable track and prepare a checklist of birds and animals with their stories for a diverse group of ecotourists
- Examine the current state of natural resources and develop suitable messages and appropriate media for educating different target groups
- Survey and identify the target group for ecotourism based on their age, education, economic and other criteria and evaluate their psychological barriers to ecotourism
- Conduct inventory of facility and analyze a preliminary competitive advantage over ecological attractions in the nearby area
- Analyze tourist spending patterns and track preferences for ecotourism attractions in nearby areas and add value to ecological, wildlife, and cultural attractions
- Survey attitude and perception of residents regarding ecotourism plan and analyze costs and benefitsof the sustainable ecotourism development programme using a demand-driven marketing approach
- Develop messages, stories, and pictures to attract tourists and promote ecotourism in the target area
- Analyze basic elements of ecotourism, the special needs of ecotourists, develop trips and travel packages offering an array of experiences and predict the market trends
- Develop ecotourist activities for individuals, families, and groups and craft social media campaigns for the proposed ecotourism business
- Develop a plan for strategic alliances and partnerships with other projects/groups /organizations for public- private partnership in the proposed ecotourism programme

Teaching and learning interface for practical skills:

To impart training on technical and analytical skills related to the course objectives, a wide range of learningmethods will be used, including

(a) laboratory practicals;
(b) field-work exercises;
(c) customized exercises based on available data;
(d) survey analyses;
(e) developing case studies;
(f) demonstration and critical analyses;
(h) experiential learning individually and collectively.

Prospective sector(s):

- Forest Departments
- Tourism industry
- World Bank
- UNDP
- WWF
- Environmental NGOs

Suggested Reading:

- Ballantyne, R. and Packer, J., 2013. International Handbook on Ecotourism. Edward Elgar Publishing Limited, UK
- Blumstein, D.T., Geffroy, B., Samia, D.S. and Bessa, E., 2017. Ecotourism's promise and
- Peril. A Biological Evaluation. Springer Int. Publ. (Chapters 10–11)
- Fennell, D.A., 2014. Ecotourism. An Introduciton. Routledge, London, UK.
- Fletcher, R., 2014. Romancing the wild. In Romancing the Wild. Duke University Press.
- Tanguay, G.A., and Rajaonson, J., (2015). Evaluating Sustainable Tourism Using Indicators:
- Problems and Solutions. In: Brophy, S.C., (Ed), Ecotourism: Practices, Benefits and
    - Environmental Impacts. Nova Science Publishers, pp. 119 – 134.
- Wearing, S. and Schweinsberg, S., 2019. Ecotourism: Transitioning to the 22nd century. Routledge

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

VISUAL COMMUNICATION AND PHOTOGRAPHY

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Visual Communication and Photography	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To synthesize a comprehensive view of principles involved in Visual Communication.
- To appreciate and express the cultural significance of photography as visual art and understand its evolution and purposes.
- To develop an awareness of compositional and organizational strategies for the effective deployment of formal elements of visual art.
- To read visual texts with a deep knowledge of visual history and theory.
- To create an ability of situating the content and form of the visual representation of thematic context.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- After studying this course, students will be able to acquire knowledge of the culturaland historical importance of the visual medium.
- After studying this course, students will be able to explore the fundamentals andunderlying theories of Visual Communication.
- After studying this course, students will be able to develop a thorough knowledge ofconcepts, and skills in creating photographs.
- After studying this course, students will be able to learn to identify and analyzesemiotics in photographs.
- After studying this course, students will be able to develop a craftsmanship in
- creating aesthetically pleasing photographs

SYLLABUS

Unit 1: Historical Background and Basics of Visual Communication (3 Weeks)

Unit Description: The Unit I will give a brief history of the visual arts from the caveman to modern man. Skills of artistic schools of thought and Intertextuality in art in relation to culture.

Topics- Concept and History of Visual Communication, Human Eye and Visual Process, Visual culture and Information Education Communication, Theories of visual communication - Gestalt Theory of visual communication, Perceptual theory of Visual communication, Semiotics and cognitive approach in visuals

Unit II: Theories of Visual Communication (4 Weeks)

Unit Description: This unit will put emphasis on theories, semiotics and the study of signs. Through semiotic theories improve critical thinking skills, and learn to use semiotics to think logically and to analyze visual media in context of culture.

Topics: Fundamentals of Design: Definition. Approaches to Design, Centrality of Design, Elements of Design, Principles of Visual and other Sensory Perceptions. Colour psychology and theory (some aspects), Definition, Optical / Visual Illusions, etc., Various stages of design process, Learning skills to read signs and signifier in visuals for social messaging

Unit III: Photography as Visual Communication (4 Weeks)

Unit Description: This unit will provide skills to learn camera and lighting techniques.
Topics: Introduction to photography, Camera – structure and function of camera , Characteristics of light, Sources of Light – Nature, Artificial and Available, Lighting techniques – three-point lighting, Exposure – focusing, aperture, shutter speed, Depth of field. , Kinds of light indoor and outdoor – Electronic flash and artificial lights, Light meters

Unit IV: Camera Compositions and Accessories (4 Weeks)

Unit Description: This unit will provide skills about camera accessories and designing aesthetically rich compositions.
Topics: Camera lenses and accessories, Basic shots, angle, and view, Composition, Role of photographic image in visual communication, Basics of photojournalism, photo-features, photo - essays, writing captions, visual storytelling.

Essential Readings

- Barnes, Susan B. An Introduction to Visual Communication: From Cave Art to Second Life, Peter Lang Pub, 2011.
- Berger, Arthur Asa, Seeing is Believing: An Introduction to Visual Communication, McGraw-Hill Education, 2012.
- Lester, Paul Martin, Visual Communication: Images with Messages (6ed), Cengage Learning, 2013.
- Photography: A Critical Introduction - edited by Liz Wells London, Routledge, Oxon, 2015.
- Farrell, I. Complete Guide to Digital Photography, Quercus Publishing, UK, 2014.



Suggested Readings

- Mandav, Pradeep, Visual Media Communication, Authors Press, 2001.
- Williams, Rich, Visual Communication: Integrating Media, Art, and Science, Routledge, 2007

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 marks

Practical Exam (Internal): 25 marks

End Semester University Exam: 50 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

पटकथा लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
पटकथा लेखन	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Course Objective:

- पटकथा लेखन का परिचय कराना।
- विद्यार्थी की लेखन-क्षमता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थी को लेखन में रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना।

Course Learning Outcomes:

- पटकथा लेखन तथा उसके तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- पटकथा लेखन की जानकारी मिलने के उपरान्त विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी।
- विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण को समझते हुए लेखन से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।

SYLLABUS

यूनिट 1 (4 सप्ताह)

- पटकथा लेखन: परिचय
- पटकथा के तत्व
- पटकथा के प्रकार
- पटकथा की शब्दावली

यूनिट 2 (4 सप्ताह)

- पटकथा लेखन में शोध का महत्व
- चरित्र की निर्मिति और विकास
- एक दृश्य का लिखा जाना
- तीन अंक (थ्री एक्ट) और पाँच अंक (फाइव एक्ट) को समझना

यूनिट 3 (4 सप्ताह)

- वेबसीरीज के लिए पटकथा लेखन
- लघु फ़िल्म के लिए पटकथा लेखन
- वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन
- विज्ञापन फ़िल्म के लिए पटकथा लेखन

यूनिट 4 (3 सप्ताह)

- पटकथा का पाठ और विश्लेषण
- किसी आईडिया को स्क्रीन प्ले के तौर पर विकसित करना

सन्दर्भ पुस्तकें:

- पटकथा कैसे लिखें: राजेंद्र पांडेय - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2015
- पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2000
- कथा-पटकथा: मन्नू भंडारी - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2014
- व्यावहारिक निर्देशिका: पटकथा लेखन: असग़र वज़ाहत - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2011
- आईडिया से परदे तक: रामकुमार सिंह - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2021

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

रंगमंच

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रंगमंच	2	0	0	2	12th pass	NIL

Course Objective:

- हिन्दी रंगमंच का सामान्य परिचय कराना ।
- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया की जानकारी देना ।
- अभिनय के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना ।
- रंगमंच के खेलों और गतिविधियों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes:

- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।
- रंगमंच की सामान्य जानकारी मिलने के उपरान्त इस क्षेत्र में विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी ।
- रंगमंचीय गतिविधियों से विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा ।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

SYLLABUS

यूनिट 1 (4 सप्ताह)

- भरत मुनि कृत नाट्यशास्त्र (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का पारंपरिक रंगमंच (संक्षिप्त परिचय)

यूनिट 2 (4 सप्ताह)

प्रस्तुति-प्रक्रिया: आलेख का चयन, अभिनेताओं का चयन, दृश्य-परिकल्पना (ध्वनि-संगीत-नृत्य-प्रकाश), पूर्वाभ्यास

यूनिट 3 (4 सप्ताह)

अभिनय की तैयारी: वाचिक, आंगिक, आहार्य, सात्विक

यूनिट 4 (2 सप्ताह)

आशु अभिनय, थिएटर गेम्स, संवाद-वाचन, शारीरिक अभ्यास, सीन वर्क

यूनिट 5 (1 सप्ताह)

मंच प्रबंधन: सेट, रंग-सामग्री, प्रचार-प्रसार, ब्रोशर-निर्माण

सन्दर्भ पुस्तकें:

- संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम् - राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- रंग स्थापत्य: कुछ टिप्पणियाँ - एच. वी. शर्मा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- पारंपरिक भारतीय: रंगमंच अनंतधाराएँ - कपिला वात्स्यायन, अनुवाद - बदी उज़म्मा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 1995
- हिंदी रंगमंच का लोकपक्ष, सं प्रो. रमेश गौतम, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली 2020
- मंच आलोकन - जी. एन. दासगुप्ता, अनुवाद - अजय मलकानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 2006
- रंगमंच के सिद्धांत - सं महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2008

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

रचनात्मक लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रचनात्मक लेखन	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

- विद्यार्थियों के मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास करना।
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय कराते हुए लेखन की ओर प्रेरित करना।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए लेखन की प्रवृत्ति को विकसित करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थियों में:

- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित होने में मदद मिलेगी।
- उसमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा।
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मकता शैली का परिचय होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की अग्रसर हो सकेंगे।

- प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी ये अग्रसर होंगे।

SYLLABUS

इकाई 1 (5 सप्ताह)

रचनात्मक लेखन: अवधारणा: स्वरूप आधार एवं विश्लेषण

- भाव एवं विचार की रचना में अभिव्यक्ति की प्रक्रिया
- अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र: साहित्य पत्रकारिता, विज्ञापन, भाषण
- लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर
- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्द और अर्थ की मीमांसा शब्द के पुराने-नए प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि

इकाई 2

भाषा भंगिमा और साहित्य लेखन (5 सप्ताह)

- भाषा की भंगिमाएँ: औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक
- भाषिक संदर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना-सौष्ठव: शब्दशक्ति, प्रतीक, बिम्ब, अलंकारवक्रता
- कविता: संवेदना, भाषिक सौष्ठव, छंदबद्ध-छंदमुक्त, लय, गति, तुक
- कथा-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य और भाषा

Unit III (5 weeks)

विविध विधाओं एवं सूचना माध्यमों के लिए लेखन

- नाट्य-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य, रंगमंच और नाट्य-भाषा
- विविध गद्य विधाएँ: निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, व्यंग्य, रिपोर्ताज, यात्रा-वृत्तांत
- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन: फीचर, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, विज्ञापन

- इलेक्ट्रानिक माध्यम के लिए लेखन: विज्ञापन, पटकथा, संवाद

Practical Exercises if any:

नोट: उपर्युक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए।

References and suggested Readings

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम: रघुवंश
2. शैली: रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन: सं. रमेश गौतम
4. कविता क्या है: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. कथा-पटकथा: मन्नू भंडारी
6. पटकथा लेखन: मनोहर श्याम जोशी
7. कला की जरूरत: अर्नेस्ट फिशर: अनुवादक: रमेश उपाध्याय
8. साहित्य का सौंदर्यशास्त्र: रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. कविता: रचना-प्रक्रिया: कुमार विमल

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25
marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

16/9/12
REGISTRAR

Department of Hindi

BA (Hons.) Hindi

Category-I

हिंदी कविता (आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य)
Core Course - (DSC)-1
कोर कोर्स 1

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : आदिकाल एंव निर्गुण भक्तिकाव्य	कोर कोर्स (DSC) 1	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों – चंदबरदाई और विद्यापति की विषिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3. निर्गुणभक्ति काव्य के अंतर्गत – संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों – कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।

Course learning outcomes

1. आदिकाल के परिवेष – राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4. भक्तिकाल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विषिष्ट उपलब्धि है।

Unit 1 (15 घंटे)

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)

बानबेध समय
कवित्त (10–11)

- प्रथम मुक्कि दरबार। लज्ज संर सुरतानी।।

.....

किहि थांन लोइ संभरि घनी। कहौ सुबत्त लज्जौ न लजि।।

बानबेध समय
दूहा (20–33, 49)

- हम अबुद्धि सुरतान इह। भट्ट भाष सुष काज।।

.....

प्रथम राज पासहु गयौ। जब रुक्कयौ दह् हथ्थ।।

- चवै चंद बरदाइ इम। सुति मीरन सुनतान।।

दे कमान चौहान कौं। साहि दियै कछु दान।।

बानबेध समय

पद्धरी (50–53)

- संगहें पान कम्मान राज। उभ्भरे अंग अंतर विराज।।

.....

निसुरत्ति आनि दिय साहि हथ्थ। तरकस्स तीर गोरी गुरथ्थ।।

बानबेध समय

कवित्त (54,55,56)

- ग्रहिय तीर गोरिस्स। कीन बिन इच्छ अप्प कर।।

.....

श्रृगांर वीर करूना विभछ। भय अद्भुत इसंत सम।।

Unit 2 (15 घंटे)

विद्यापति – सं. डॉ. षिवप्रसाद सिंह, (लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद)

वंषी माधुरी

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे

.....

वन्दह नन्दकिसोरा।।

रूप वर्णन

- देख–देख राधा–रूप अपार

.....

करू अभिलाख मनहि पद–पंकज अहोनिसि कोर अगोरि।

पद–14

- चाँद–सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे।

.....

रूप नरायन ई रस जानथि सिबसिंघ मिथिला भूपे।

पद–24

- बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर

.....

रूपनरायन जाने।।

Unit 3 (15 घंटे)

कबीर – कबीर – ग्रंथावली, संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास
(नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी)

साखी : गुरूदेव कौ अंग – 1 से 16 तक
विरह कौ अंग – 1 से 8, 21,22,23,44,45
पद संख्या – 378,400

Unit 4 (15 घंटे)

जायसी – जायसी ग्रंथावली – (सं.) रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खण्ड

References

- त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान – यष गुलाटी
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)
Core Course - (DSC)-2
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	कोर कोर्स (DSC) 2	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course learning outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विष्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्वति

Unit 1 (15 घंटे)

हिंदी साहित्य : इतिहास–लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल–विभाजन एंव नामकरण

Unit 2 (15 घंटे)
आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांकृतिक परिवेष और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3 (15 घंटे)

भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति – आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्षनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

Unit 4 (15 घंटे)

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक परिवेष, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य – प्रवृतियाँ

1. रीतिबद्व और रीतिसिद्ध
2. रीतिमुक्त काव्य
3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिषाएँ : संपा, अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स – रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेष गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा, डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्षन – नलिन विलोचन षर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3

10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods
असाइनमेंट
इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी कहानी
Core Course - (DSC)-3
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कहानी	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी
कहानी विष्लेषण की समझ
कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विष्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार
Course learning outcomes

हिंदी कथा साहित्य का परिचय
कहानी लेखन और प्रभाव का विष्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विष्लेषण की समझ

Unit 1 (15 घंटे)

उसने कहा था – गुलेरी
पंच परमेष्वर – प्रेमचंद

Unit 2 (15 घंटे)
तीसरी कसम – रेणु
चीफ की दावत – भीष्म साहनी

Unit 3 (15 घंटे)

वारिस – मोहन राकेष
वापसी – उषा प्रियंवदा

Unit 4 (15 घंटे)
दोपहर का भोजन – अमरकान्त
घुसपैठिए – ओमप्रकाष वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
एक दुनिया समानान्तर – राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरष मिश्र
हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीषंकर अवस्थी
हिंदी कहानी का विकास – मधुरेष
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाषित मोनोग्राफ – गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
कहानी का लोकतन्त्र – पल्लव
पत्रिकाएँ – पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
ई पत्रिका – हिंदी समय, गद्य कोष

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कहानी

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Common Pool of Generic Elective (Courses) offered by Department of Hindi
Category-IV

हिंदी का वैष्विक परिदृष्य

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का वैष्विक परिदृष्य	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा.कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन
- विश्व की प्रमुख भाषाओं से विद्यार्थी का परिचय कराना
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा की स्थिति और स्वरूप से विद्यार्थी का परिचय कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

Course learning outcomes

भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा

• स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा

• वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा

Unit 1 (15 घंटे)

- विश्व में बोली जाने वाली किन्हीं दो भाषाओं का संक्षिप्त परिचय ;मंदारिन, अंग्रेज़ी, हिन्दी, स्पेनिश, रूसीए जापानी

- वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी में हिन्दी)

Unit 2 (15 घंटे)

- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का प्रयोग
- हिन्दी के विकास में विश्व हिन्दी सम्मलेन की भूमिका
- विश्व हिन्दी दिवस (संक्षिप्त परिचय)

Unit 3 (15 घंटे)

- किसी एक विश्व हिन्दी सम्मलेन की रिपोर्ट.प्रस्तुति
- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी के प्रयोग पर अनुच्छेद लेखन
- विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर विज्ञापन के प्रारूप का निर्माण

Unit 4 (15 घंटे)

- विदेशों में हिन्दी भाषा की प्रमुख लोकप्रिय पुस्तकों की सूची बनाना
- विदेशों में हिन्दी की प्रमुख लोकप्रिय फ़िल्में, गीत, संकलन
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी की संभावनाएँ, समूह चर्चा पर रिपोर्ट प्रस्तुति

References

- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक (डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल) लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
- हिन्दी भाषा (हरदेव बाहरी) अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी (सिद्धांत और प्रयोग) दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
- मानक हिन्दी का स्वरूप (भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
- रचनात्मक लेखन (सं रमेश गौतम) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका (विद्यानिवास मिश्र)बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट
Keywords
पारिभाषित शब्दावली
Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी सिनेमा जगत की जानकारी
सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course learning outcomes

हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ
सिनेमा निर्माण, प्रसार कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1 (15 घंटे)

सिनेमा : सामान्य परिचय
1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा,
2. सिनेमा की इतिहास यात्रा
3. सिनेमा के प्रकार – व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।

Unit 2 (15 घंटे)
सिनेमा अध्ययन
1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय बाज़ार
3. हिंदी सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3 (15 घंटे)

सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक
1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3. सिनेमा और सेंसरबोर्ड

Unit 4 (15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन की दिषाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्गति, अमर अकबर एंथनी, पीकू, मधुमती)
3. सिनेमा के दृष्य, तकनीक, कहानी, स्पेषल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा

References

1. फिल्म निर्देषन – कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
3. नया सिनेमा – ब्रजेष्वर मदान
4. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
6. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाषन विभाग
7. हिंदी सिनेमा का समाजषास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विष्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विष्लेषण

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
अनुवाद की समझ विकसित करना
व्यावहारिक और क्षेत्र विषेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course learning outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी
क्षेत्र विषेष की माँग से परिचित होगें

Unit 1 (15 घंटे)

भारत का भाषायी परिदृष्य और अनुवाद का महत्व
अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2 (15 घंटे)
प्रयुक्ति की आवधारणा
अनुवाद और विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3 (15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार –1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
सर्जनात्मक साहित्य
ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी साहित्य

Unit 4 (15 घंटे)
अनुवाद व्यवहार 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
जनसंचार
प्रषासनिक अनुवाद और बैकिंग अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र
अनुवाद के सिद्धांत – रामालु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर) – हेमचन्द्र पाण्डेय
कार्यालय प्रदीपिका – हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद – सुरेष सिंहल
काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल
कोष विषेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेष कांति वर्मा
अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेष कांति वर्मा
The theory and practice of Translation – Nida E.
Language, Structure & Translation – Nida E.
Routledge Encyclopedia of Translation – Baker, Mona
Translation Evaluation – House, Juliance
Machine Translation: Its Scope and Limits – Wilks, Vorick
Translation and Interpreting – Baker H.
Revising and Editing for Translators – Mossop B.
Introducing Translation Studies: Theories and applications – Munday J.
The Routledge Companion to Translation Studies – Munday J.
Comprehensive English – Hindi Dictionary – Raghubir
Oxford Hindi – English Dictonary – R.S. Mc Gregor
English- Hindi Dictionary – Hardeo Bahari

Teaching learning process

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
पारिभाषिक शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

बी.ए. आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार
(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

Category I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 1: (जनसंचार माध्यम)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
जनसंचार माध्यम	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- जनमाध्यमों की वृहद जानकारी प्रदान करना।
- जनमाध्यमों के द्वारा भारतीय ज्ञान-परम्परा का प्रसार करना।
- समाज पर प्रिंट- इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के प्रभाव का अध्ययन।
- जनमाध्यमों की कार्यशैली का परिचय कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- जनमाध्यमों की तकनीक एवं प्रक्रिया संबंधी समझ विकसित होगी।
- छात्रों के संचार कौशल में वृद्धि होगी।
- सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कार्यों द्वारा रोज़गारपरक संभावनाएँ बढ़ेंगी।
- भारतीय ज्ञान परम्परा की समझ से छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा।

SYLLABUS OF DSC-1

UNIT – I संचार और जनसंचार **(12.5 hours)**

- संचार- अर्थ परिभाषा, महत्त्व, संचार के प्रकार

- जनसंचार - अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, संचार और जनसंचार का अंतर
- संचार की प्रक्रिया एवं प्रतिपुष्टि

UNIT – II जनमाध्यम (12.5 hours)

- जनमाध्यम- अर्थ, परिभाषा और महत्त्व
- जनमाध्यमों के कार्य, प्रभाव और अपेक्षाएँ
- सामाजिक परिवर्तन और जनमाध्यम

UNIT – III मुद्रित माध्यम (12.5 hours)

- मुद्रित माध्यम - सामान्य परिचय, समाचार पत्र और पत्रिकाओं का स्वरूप
- समाचार संकलन, प्रस्तुति एवं रिपोर्ट-लेखन
- मुद्रित माध्यमों का संगठन एवं स्वामित्व

UNIT – IV इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (12.5 hours)

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के विविध रूप - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट आधारित मीडिया
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट आधारित मीडिया
- समाज और संस्कृति के विकास में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भूमिका

Practical component (25 hours)

- किसी विषय/ क्षेत्र से जुड़ी पत्रिका की सामग्री का अध्ययन।
- रेडियो के किसी कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन।
- टेलीविजन के किसी एक कार्यक्रम का समीक्षात्मक विश्लेषण।
- ई-पत्र-पत्रिका अथवा न्यूज़ पोर्टल की सामग्री का अध्ययन।
- टेलीविजन के किसी एक कार्यक्रम का सामाजिक - सांस्कृतिक प्रभाव की दृष्टि से अध्ययन।

Essential/recommended readings

1. इंटरनेट पत्रकारिता, सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन

2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, डॉ. संजीव भानावत, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन जयपुर
3. संचार सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, के. एल. पचौरी प्रकाशन
4. पत्रकारिता के विविध रूप, रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
5. समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया, सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान, भारतीय जनसंचार संस्थान प्रकाशन
6. दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी, डी. डी. ओझा, ज्ञानगंगा प्रकाशन
7. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, रेमंड विलियम्स, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
8. टेलीविजन की कहानी, श्याम कश्यप और मुकेश कुमार, वाणी प्रकाशन

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 2: हिंदी पत्रकारिता का इतिहास

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिंदी पत्रकारिता का इतिहास	**4**	**3**		**1**		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक भूमिका के प्रति समझ विकसित करना।
- स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के योगदान से अवगत कराना।
- हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न कालखंडों के मूल्यों से परिचित कराना।
- भारतीय बोध के विकास में हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व की जानकारी देना।
- भारतीय स्वतंत्रता सेनानी पत्रकारों, साहित्यकारों और संपादकों के अवदान से परिचित कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास एवं विकास के प्रति समझ विकसित होगी।
- आज़ादी की लड़ाई में हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित होंगे।
- स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पत्रकारिता में आए मूल्य परिवर्तन से अवगत होंगे।
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से भारतीय बोध का ज्ञान होगा।

SYLLABUS OF DSC- 2

UNIT – I स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- स्वतंत्रता पूर्व की भारतीय पत्रकारिता का सामान्य परिचय
- स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका एवं सामाजिक प्रभाव
- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियां

UNIT – II स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता का विकास एवं स्वामित्त्व
- आजादी के बाद जनतंत्र व विकास की चुनौतियां
- आपातकाल : प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सवाल

UNIT – III आपातकाल के बाद की हिंदी पत्रकारिता। (12.5 hours)

- राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की हिंदी पत्रकारिता
- हिंदी पत्रकारिता की समाचार सामग्री

UNIT – IV भूमंडलीकरण के बाद की हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- भूमंडलीकरण और हिंदी पत्रकारिता - हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां एवं ज्वलंत मुद्दे
- हिंदी पत्रकारिता का व्यवसायीकरण - विज्ञापन और पत्रकारिता का संबंध, पेड न्यूज, ब्रेकिंग न्यूज़, इन्फोटेनमेंट
- डिजिटलीकरण, ऑनलाइन हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप

Practical component (25 hours)

- स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका पर रिपोर्ट, फीचर, लेख तैयार करना।

- पत्रकारों, स्वतंत्रता सेनानियों और संपादकों पर रिपोर्ट, लेख, फीचर लेखन।
- स्वतंत्रता सेनानी पत्रकार, संपादकों पर ब्लॉग लेखन, यूट्यूब वीडियो, पॉडकास्ट, वृत्तचित्र तैयार करना।
- प्रेस के संदर्भ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आपातकाल पर परियोजना कार्य।

Essential/recommended readings

1. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम, डॉक्टर वेद प्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेंटर
2. हिंदी पत्रिका का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन
3. भारत में प्रेस, जी. एस. भार्गव, नेशनल बुक ट्रस्ट
4. भारत की समाचारपत्र क्रांति, रॉबिन जेफरी, भारतीय जनसंचार संस्थान
5. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. अम्बेडकर, गांधी और हिंदी दलित पत्रिका, अनामिका प्रकाशन, श्यौराज सिंह बेचैन
7. हिंदी पत्रकारिता और भूमंडलीकरण, विजेंद्र कुमार, नटराज प्रकाशन
8. पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
9. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, जे. नटराजन, प्रकाशन विभाग
10. भारत में जनसंचार, केवल जे. कुमार, जैको पब्लिकेशन हाउस
11. भारत में प्रेस, जी. सी. भार्गव, नैशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 3: भारतीय समाज और संचार

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
भारतीय समाज और संचार	**4**	**3**		**1**		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय समाज एवं संस्कृति की समझ विकसित करना।
- भारत की दर्शन, धर्म की विरासत से परिचित कराना
- भारतीय साहित्य एवं कला से अवगत कराना।
- भारतीय भाषाओं और भारतीय जनमानस के अंतरसंबंधों की पड़ताल करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारत की सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी।
- छात्रों में भारतीय समाज की संरचना और मूल्य व्यवस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण निर्मित होगा।
- भारतीय धर्म, दर्शन और कलाओं की विरासत से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत के भाषिक वैविध्य के ज्ञान एवं सौंदर्य से अभिभूत होंगे।

SYLLABUS OF DSC-3

UNIT – I भारतीय समाज (12.5 hours)

- भारतीय समाज का स्वरूप
- भारतीय समाज की मूल्य-व्यवस्था- पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और मानवीय
- भारतीय समाज की चुनौतियां और संभावनाएं

UNIT – II भारतीय धर्म, दर्शन और संस्कृति (12.5 hours)

- भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएं
- प्रमुख धर्म : सामान्य परिचय
- प्रमुख भारतीय दर्शन

UNIT – III भाषा, साहित्य और कलाएँ (12.5 hours)

- प्रमुख भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- महाभारत और रामचरित मानस का सामान्य परिचय
- प्रमुख कलाएँ : वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत

UNIT – IV संचार की भारतीय परंपरा (12.5 hours)

- लोकगीत, लोककथा

- लोकनृत्य, लोकनाट्य
- पारंपरिक भारतीय जनसंचार (पर्व, मेले, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली आदि)

Practical component (25 hours)

भारतीय धर्म और दर्शन से सम्बंधित महत्त्वपूर्ण ग्रंथों पर रिपोर्ट लेखन

1. किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम की रिपोर्टिंग
2. किसी लोकनाट्य को देखना और उसका समीक्षात्मक लेखन
3. भारतीय समाज की किसी समस्या पर समाधानपरक मौलिक लेख लिखना
4. चयनित विषयों पर समूह चर्चा और परियोजना कार्य
5. प्रमुख कालजयी रचनाओं की प्रासंगिकता पर लेखन/समूह चर्चा
6. लोकनाट्य के रूप में रामलीला और रासलीला का जनसमाज पर पड़ने वाले प्रभाव का सर्वेक्षण एवं लेखन

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादमी
2. भारतबोध का नया समय, प्रो. संजय द्विवेदी, यश प्रकाशन, दिल्ली
3. भारतीय कला एवं संस्कृति, वासुदेव शरण अग्रवाल, प्रभात प्रकाशन
4. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
5. मानवमूल्य और साहित्य, धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ
6. संचार और विकास, श्यामाचरण दुबे, प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
7. बुद्धिस्ट कम्युनिकेशन थ्योरी - एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्युनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन
8. को-कल्चरल थ्योरी - एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्युनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES OFFERED BY THE DEPARTMENT for HJMC Course

Category - IV

GENERIC ELECTIVES (GE-1) संस्कृति, साहित्य और मीडिया

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
संस्कृति, साहित्य और मीडिया	4	3		1			

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया की आपसी समझ विकसित करना।
- भूमंडलीकरण के पश्चात मीडिया में आए बदलावों की समीक्षा करना।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों संबंधी मीडिया कवरेज का अध्ययन कराना।
- विभिन्न भारतीय परिवेश, कल्चर, सत्ता एवं राजनीति की समझ पैदा करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय पत्रकारिता के परिवेश की समझ विकसित होगी।
- समाज के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगे।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विचारों के प्रति समझ विकसित होगी।
- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया के अंतरसंबंधों की समझ विकसित होगी।

SYLLABUS OF GE-1

UNIT – I संस्कृति अर्थ व अवधारणा (12.5 hours)

- संस्कृति की अवधारणा, सभ्यता और संस्कृति
- लोक संस्कृति, पॉपुलर कल्चर, संस्कृति और सत्ता, संस्कृति और राजनीति
- संस्कृति और हाशिये का समाज, इन्टरनेट और सूचना संस्कृति

UNIT – II प्रिंट मीडिया और साहित्य (12.5 hours)

- हिन्दी साहित्य और पत्रकारिता का अन्तर्संबंध
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में साहित्य की स्थिति
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों का परिचय

UNIT – III हिन्दी मीडिया और संस्कृति (12.5 hours)

- मीडिया और संस्कृति के अन्तर्संबंध
- मीडिया का बाजार और संस्कृति
- विज्ञापन का सांस्कृतिक वर्चस्व और भाषायी संकट

UNIT – IV इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और साहित्य (12.5 hours)

- रेडियो और टेलीविज़न के साहित्य आधारित कार्यक्रम
- साहित्यिक कृतियों का सिनेमाई रूपान्तरण
- साहित्यिक ई-पत्रिकाएँ एवं साहित्यिक वेबसाइट्स

Practical component (25 hours)

- लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव का सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- साहित्य आधारित किन्हीं दो फिल्मों का अध्ययन व उनकी समीक्षा
- साहित्य आधारित किसी टेलीविजन धारावाहिक की समीक्षा
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों की सूची व उनके अवदान पर एक परियोजना कार्य
- फिल्म पूरब-पश्चिम, मदर इंडिया, परदेश, मशाल, पेज-थ्री, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी आदि का समीक्षात्मक विश्लेषण

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन
2. मानव और संस्कृति, श्यामाचरण दुबे, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी सिनेमा आदि से अनंत, प्रहलाद अग्रवाल, साहित्य भंडारी
4. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन
5. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन
6. मीडिया में सामाजिक लोकतंत्र की तलाश, श्यौराज सिंह बेचैन, अनामिका प्रकाशन
7. संस्कृति, जनसंचार और बाज़ार, नन्द भारद्वाज, सामयिक प्रकाशन

GENERIC ELECTIVES (GE-2) फोटो पत्रकारिता

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
फोटो पत्रकारिता	4	3		1			

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- फ़ोटो पत्रकारिता की समझ विकसित करना।
- व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान देना।
- फ़ोटोग्राफ़ी के रचनात्मक पहलुओं का ज्ञान कराना।
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों में फ़ोटो के उपयोग एवं महत्त्व से अवगत कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- फ़ोटो पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा।
- छात्रों में रोज़गार उन्मुख कौशल विकसित होगा।
- छात्र विषय, माध्यम एवं प्रकृति के अनुरूप फ़ोटोग्राफ़ी सम्बन्धी तकनीकी कौशल विकसित होगा।
- छात्र 'प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में फ़ोटो शूट प्रविधि में प्रशिक्षित होंगे।

SYLLABUS OF GE-2

UNIT – I फोटो पत्रकारिताः परिचय (12.5 hours)

- फोटो पत्रकारिता का स्वरूप एवं फोटो पत्रकार के गुण
- फोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धांत
- फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र एवं संभावनाएँ

UNIT – II फोटोग्राफी का तकनीकी पक्ष (12.5 hours)

- फोटो शूट प्रविधि - प्रकाश - व्यवस्था स्टूडियो के अंदर और बाहर
- फोटोग्राफी : कैमरा, सम्पादन, स्पैशल इफेक्ट्स
- शॉट्स के प्रकार - रोल कैमरा, फ्रेम, शॉट, कैमरा एंगल, वाइड शॉट, लॉन्ग शॉट, मिड शॉट, क्लोज शॉट, डिजीटल कैम क्लोज अप शॉट, एक्सट्रीम क्लोजअप शॉट, टू, शॉट, ओवर द शोल्डर शॉट, मूबिंग शॉट, रिवर्स शॉट, ट्रैकिंग शॉट, जूम शॉट पेन शॉट, टिल्ट शॉट, टिल्ट एड पैन शॉट, लो एंड हाई एगल शॉट स्टॉक शॉट प्वाइंट ऑफ व्यू फेरिंग

UNIT – III फोटोग्राफी का रचनात्मक पक्ष (12.5 hours)

- फोटोग्राफी का कलात्मक रूप
- फोटोग्राफी रिसर्च एवं समीक्षा
- फीचर, समाचार, रिपोर्ताज और डॉक्यूमेंट्री में फोटोग्राफी का महत्त्व

UNIT – IV फोटोग्राफी का क्षेत्र और संपादन (12.5 hours)

- विभिन्न माध्यमों के लिए फोटोग्राफी
- फोटोग्राफी के प्रकार
- फोटोग्राफी और वीडियो सम्पादन

Practical component (13- 14 Week)

- खेल या पर्यटन से सम्बंधित 10 फोटो का निर्माण।

- प्रिंट मीडिया के लिए फोटोशूट और कैप्शन तैयार करना।
- आउटडोर शूटिंग और पर्यटन डॉक्यूमेंट्री तैयार करना।
- किसी एक फोटो प्रदर्शनी का भ्रमण और साक्षात्कार के आधार पर एक परियोजना कार्य तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक विषय पर फोटो डाक्यूमेंट्री तैयार करना।

Essential/recommended readings

1. प्रसारण और फोटो पत्रकारिता, ओम गुप्ता, कनिष्क प्रकाशन
2. संचार और फोटो पत्रकारिता, रमेश मेहरा, तक्षशिला प्रकाशन
3. फोटो पत्रकारिता, नवल जायसवाल, सामयिक प्रकाशन
4. प्रकाश लेखन और फोटो पत्रकारिता, गुलाब कोठारी, पत्रिका प्रकाशन
5. फोटो जर्नलिज्म, बी. के. देशपांडे, सोनाली पब्लिकेशन
6. फोटो जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, पंकज सेठी, नवयुग पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog.) Hindi

DSC-I

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।
साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक–विष्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्‌भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल–विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्‌भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

इकाई–3

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

इकाई–4

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्‌भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिदीं साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

Discipline Specific Core-2
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Course Objective (2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना
हिंदी सिनेमा के विकास अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

इकाई–1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई–2
हिंदी सिनेमा : उद्‌भव और विकास

इकाई–3
सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई–4
नयी तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियां
(संदर्भ : मुगलेआजम, मदर इंडिया, पीके)

References

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्‌ढा
2. सिनेमा, नया सिनेमा : ब्रजेष्वर मदान
3. सिनेमा : कल, आज और कल : विनोद भारद्वाज
4. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : करुणा षंकर उपाध्याय
5. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : कौषल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process
व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods
टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords
सिनेमाई शब्दावली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE)

OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
आधुनिक आवष्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क–भाषा के रूप में हिंदी

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय
(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) संत–काव्य (संग्रह) : परषुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद; 1952
संत रैदासजी
पद : 1, 4, और 19

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विष्वनाथ प्रसादमिश्र, वाणी प्रकाषन, दिल्ली, 1998; कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1, 10, 13, 32

इकाई–4

– आधुनिक हिंदी कविता
– माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
– जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
– नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

9. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
11. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
13. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास
हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता :
(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.
साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

इकाई–3

– मैथिलीषरण गुप्त : नर हो न निराष करो .....
– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर
– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई–4

आधुनिक कविता
– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय
– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ग'(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार
(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विषेषताएँ
(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :
कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :
–मैया मैं नहिं माखन खायौ .....
– उधोमन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

रीतिकालीन हिंदी कविता
(क) बिहारी :
– मेरी भव बाधा हरौ .....
–कनक कनक ते सौंगुनी .....
–कहत नटत रीझत खिजत .....

(ख) घनानंद :
– अति सूधो सनेह को मारग .....
– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– सुमित्रा नंदन पंत : आह! धरती कितना देती है .....
– सर्वेष्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें .....

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसीकाव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युग बोध कोठी से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैष्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः षिक्षण में हिंदी कविता छात्रों

के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Pool of Generic Elective Courses

Offered by Department of Hindi

बी.कॉम. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

CATEGORY-IV

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी में रुचि विकसित करना

हिंदी साहित्य एवं प्रमुख साहित्यकारों का परिचय

हिंदी भाषा को समझना और उसके आधुनिक प्रयोग को जानना

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय

प्रमुख साहित्यकारों का अध्ययन

इकाई–1

हिंदी भाषा
(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) हिंदी की उपभाषाएँ

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वाँ संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17

(ख) मीराबाई की पदावली, संपा. आ. परषुराम चतुर्वेदी; हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग; 14वां संस्करण, 1892. सन् 1970 ई.; पद 1, 4, 5, 6

(ग) बिहारी : बिहारी रत्नाकर; संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए.; प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली; सं. 2006; दोहा 381, 435, 438, 439, 491

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– मैथिलीषरण गुप्त : भारत भारती (हमारे पूर्वज अंष)

– जयषंकर प्रसाद : हिंमाद्रि तुंग श्रृंग से

– नागार्जुन : अकाल और उसके बाद

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र

5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. मीरा का काव्य : विष्वनाथ त्रिपाठी
10. प्रसाद का काव्य : प्रेमषंकर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास की समझ विकसित होगी।

प्रमुख कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा के विकास और साहित्य के इतिहास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी का उद्‌भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वां संस्करण; सं. 2049 वि.

– पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ.....

– कस्तूरी कुंडलि बसै .....

– यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान .....

– सात समुन्दर की मसि करूँ .....

– साधू ऐसा चाहिए .....

– सतगुरु हमसुँ रीझकर .....

(ख) तुलसी : रामचरितमानस – केवट प्रसंग

इकाई–3

(क) बिहारी

– बतरस लालच लाल की .....

– या अनुरागी चित्त की .....

(ख) भूषण

– इंद्र जिमि जंभ पर .....

– साजि चतरंग सैन .....

इकाई–4

आधुनिक कविता

– जयषंकर प्रसाद : अरुण यह मधुमय देष हमारा

– हरिवंष राय 'बच्चन' : अग्निपथ

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
5. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
6. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

हिंदी कीप्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल की सामान्य विषेषताएँ

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल की सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता

कबीर

– गुरु गोविन्द दोउ खड़े .....

– निन्दक नियरे राखिए .....

– कबीर संगति साधु की .....

– माला फेरत जुग भया .....

– पाहन पूजै हरि मिले .....

– वृच्छ कबहूँ न फल भखें .....

सूरदास

– मैया मैं नहिं माखन खायो .....

– उधो मन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

बिहारी

– मेरी भव बाधा हरौं .....

– कनक कनक ते सौं गुनी .....

– थोड़े ही गुन रीझते .....

– कहत नटत रीझत खिझत .....

घनानंद

– अति सूधो सनेह को मारग .....

– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

– माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा

– धूमिल : रोटी और संसद

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
7. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : डॉ. हुकुमचंद राजपाल
8. समकालीन साहित्य : एक दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विकास गुप्ता
REGISTRAR

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(26)/2023-24/

Dated: 05.07.2023

N O T I F I C A T I O N

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 14-1/-(14-1-1/-) dated 09.06.2023]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

Syllabi of Semester-III of the department of Hindi under Faculty of Arts based on Under Graduate Curriculum Framework -2022 implemented from the Academic Year 2022-23.

DEPARTMENT OF HINDI

बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

भारतीय साहित्य

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय साहित्य	कोर कोर्स (DSC7)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी

- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- बाल्मीकि – 'सप्तपर्ण' : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – 'उत्तरमेघ' : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित 'नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ' पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
  मुझ पर वे चाहे हँसे.....
  गुरु ने मुझसे कहा.....
  हम ही थे.....
  पिया को खोजने.....
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

- भाषा, साहित्य और संस्कृति – (सं.) विमलेशकांति वर्मा, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी
- संत काव्य (संग्रह) – परशुराम चतुर्वेदी, किताबमहल, इलाहबाद, (प्र. सं. 1952)

सेमेस्टर – 3

हिंदी नाटक एवं एकांकी

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी नाटक एवं एकांकी	कोर कोर्स (DSC8)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारत-दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
  तौलिए: उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथों की सूची:

- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्रयोत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर – 3

सामान्य भाषा विज्ञान

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
सामान्य भाषा विज्ञान	कोर कोर्स (DSC9)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विषेशताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विषेशताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान **(12 घंटे)**

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान **(12 घंटे)**

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार

- वाक्य के निकटस्थ अवयव

इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान **(09 घंटे)**

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

सेमेस्टर – 3

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा	डीएसई (DSE1)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप (12 घंटे)

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित (12 घंटे)

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- **संस्कार गीत:**
  - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
  - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
  - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
  - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय

- **श्रम संबंधी गीत:**
  - कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
  - जँतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ (12 घंटे)

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग

(ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

(ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ (09 घंटे)

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेंद्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

सेमेस्टर – 3

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा	डीएसई (DSE2)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय

- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- बापू – रामधारी सिंह 'दिनकर'

सहायक ग्रंथों की सूची:

- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

सेमेस्टर – 3

रचनात्मक लेखन

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
रचनात्मक लेखन	डीएसई (DSE3)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत (12 घंटे)

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा (09 घंटे)

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन (12 घंटे)

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन (12 घंटे)

- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)

- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES

The Pool of Generic Electives offered in Semester -I and Semester-II will also be open for Semester-III.

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR

सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4

हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

इकाई – 3

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर **(12 घंटे)**

इकाई – 4

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन **(09 घंटे)**

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

- भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR

सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4

हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 12वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 10वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी
- गुंगिया – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 08वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(26)/2023-24/

Dated: 05.07.2023

N O T I F I C A T I O N

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 14-1/-(14-1-1/-) dated 09.06.2023]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

Syllabi of Semester-III of the department of Hindi under Faculty of Arts based on Under Graduate Curriculum Framework -2022 implemented from the Academic Year 2022-23.

DEPARTMENT OF HINDI

बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

भारतीय साहित्य

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय साहित्य	कोर कोर्स (DSC7)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी

- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- बाल्मीकि – 'सप्तपर्ण' : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – 'उत्तरमेघ' : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित 'नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ' पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
  मुझ पर वे चाहे हँसे.....
  गुरु ने मुझसे कहा.....
  हम ही थे.....
  पिया को खोजने.....
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

- भाषा, साहित्य और संस्कृति – (सं.) विमलेशकांति वर्मा, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी
- संत काव्य (संग्रह) – परशुराम चतुर्वेदी, किताबमहल, इलाहबाद, (प्र. सं. 1952)

सेमेस्टर – 3

हिंदी नाटक एवं एकांकी

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी नाटक एवं एकांकी	कोर कोर्स (DSC8)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारत-दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
  तौलिए: उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथों की सूची:

- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्रयोत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर – 3

सामान्य भाषा विज्ञान

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
सामान्य भाषा विज्ञान	कोर कोर्स (DSC9)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विषेशताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विषेशताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान **(12 घंटे)**

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान **(12 घंटे)**

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार

- वाक्य के निकटस्थ अवयव

इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान **(09 घंटे)**

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

सेमेस्टर – 3

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा	डीएसई (DSE1)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप (12 घंटे)

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित (12 घंटे)

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- **संस्कार गीत:**
  - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
  - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
  - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
  - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय

- **श्रम संबंधी गीत:**
  - कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
  - जँतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ (12 घंटे)

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग

(ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

(ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ (09 घंटे)

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेंद्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

सेमेस्टर – 3

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा	डीएसई (DSE2)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय

- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- बापू – रामधारी सिंह 'दिनकर'

सहायक ग्रंथों की सूची:

- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

सेमेस्टर – 3

रचनात्मक लेखन

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
रचनात्मक लेखन	डीएसई (DSE3)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत (12 घंटे)

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा (09 घंटे)

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन (12 घंटे)

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन (12 घंटे)

- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)

- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES

The Pool of Generic Electives offered in Semester -I and Semester-II will also be open for Semester-III.

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR

सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4

हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

इकाई – 3

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर **(12 घंटे)**

इकाई – 4

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन **(09 घंटे)**

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

- भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR

सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4

हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 12वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 10वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी
- गुंगिया – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 08वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

माध्यम क़ानून और आचार संहिता DSC 7 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 7 माध्यम क़ानून और आचार संहिता	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. छात्रों को मीडिया संबंधी कानूनों से अवगत कराना।
2. छात्रों को संविधान में निहित सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति संवेदनशील बनाना।
3. छात्रों को मीडिया नियमन और भविष्य की चुनौतियों का अवलोकन कराना।
4. छात्रों में मीडिया की आचार संहिता और आत्म नियमन की समझ विकसित करना।

Learning Outcomes

1. भारतीय मीडिया के संवैधानिक आयामों की समझ विकसित होगी।
2. मीडिया के कानूनों और नियमों से परिचित होंगे।
3. मीडिया की आचार संहिता और आत्म नियमन की समझ विकसित होगी।
4. सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ स्वस्थ और ईमानदार पत्रकारिता हेतु दक्ष होंगे।

1. प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक प्रावधान 10 घंटे

- वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(1) (a), (19) (2)
- विविध प्रेस आयोग
- श्रमजीवी पत्रकार कानून (पालेकर, बछावत, मजीठिया और मणिसाना)

2. अधिनियम और कानून 10 घंटे

- प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, बौद्धिक संपदा कानून - प्रतिलिप्याधिकार कानून 1957, पेटेंट कानून 1970
- शासकीय गोपनीयता अधिनियम 1923, सूचना का अधिकार 2005
- युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून 1956, महिलाओं के अशिष्ट रुपण प्रतिषेध अधिनियम 1986

3. मीडिया कानून और समाज 10 घंटे

- भारतीय दंड संहिता 1860: मानहानि, राजद्रोह
- न्यायालय अवमानना अधिनियम अनुच्छेद 1971 (अनुच्छेद 361)
- संसदीय एवं विधान मंडल विशेषाधिकार

4. इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया कानून 15 घंटे

- सिनेमैटोग्राफी अधिनियम
- मीडिया के नए कानून 2021
- माध्यम आचार संहिता: अवधारणा और आवश्यकता, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की आचार संहिता, विज्ञापन संबंधी आचार संहिता

व्यावहारिक कार्य : 30 घंटे

- किसी एक न्यायिक प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- संसदीय प्रक्रिया का अवलोकन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- न्यायालय की तकनीकी शब्दावली तैयार करना।
- विभिन्न प्रेस कानूनों (उपरोक्त) से संबंधित केस स्टडी पर आधारित एक परियोजना कार्य।

संदर्भ पुस्तकें :

1. शासकीय गजट में प्रकाशित संबंधित अधिनियम
2. भारतीय दंड संहिता, प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित मूल अधिनियम
3. आपातकालीन पत्रकारिता की संघर्ष-गाथा, अरुण कुमार भगत, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
4. प्रेस विधि, नंदकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. प्रेस कानून और पत्रकारिता, संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
6. प्रेस विधि एवं अभियुक्त स्वातंत्र्य, डॉ हरबंश दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, वेद प्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
8. जनमाध्यम कानून एवं उत्तरदायित्व, श्रीकांत सिंह, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
9. बौद्धिक संपदा विधियां, ज्ञानवती धाकड़, सेंट्रल लॉ प्रकाशन

संपादन DSC 8 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 8 संपादन	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. समाचार संपादन के महत्व, प्रक्रिया और प्रयोग से छात्रों को अवगत कराना।
2. समाचार संपादन में आवश्यक कारकों की जानकारी प्रदान करना।
3. विभिन्न माध्यमों के संपादन कार्य से परिचित कराना।
4. संपादकीय लेखन, प्रूफ संशोधन आदि का ज्ञान प्रदान करना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र समाचार लेखन में संपादन कार्य के महत्व को समझ पायेंगे।
2. पेज मेकअप, ले आउट, डिजाइन आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. छात्र ऑनलाइन संपादन का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

1. संपादन **10 घंटे**

- संपादन अर्थ, उद्देश्य, प्रक्रिया और प्रमुख सिद्धान्त
- समाचार पत्र एवं पत्रिका संपादन
- रेडियो टीवी एवं ऑनलाइन समाचार संपादन

2. समाचार संपादन **10 घंटे**

- कॉपी संपादन, ऑनलाइन संपादन, पृष्ट समाचार संपादन
- ग्राफिक्स कार्टून और फ़ोटो चयन

- लेआउट, डिज़ाइन एवं पेज मेकअप

3. संपादन तकनीक 10 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ की संरचना और संपादकीय लिखना
- संपादकीय नीति और स्टाइल पुस्तिका
- संपादकीय चिह्न और पांडुलिपि संशोधन, प्रूफ संशोधन

4. विशेष लेख और संपादन 15 घंटे

- संपादकीय विभाग का ढांचा
- संपादक एवं उपसंपादक के कार्य एवं योग्यताएं
- शीर्षक लेखन, टिप्पणी, विश्लेषण, समीक्षा, संपादन के नाम पत्र

5. व्यावहारिक कार्य : 30 घंटे

- संपादकीय पृष्ठ हेतु लेखन की प्रस्तुति
- संपादकीय पृष्ठ का डमी निर्माण
- संपादकीय पृष्ठ का तुलनात्मक अध्ययन और उसकी प्रस्तुति
- प्रकाशन हेतु कॉपी तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1. पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन और रचना-प्रक्रिया, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
2. ग्राफ़िक डिजाइन, नरेंद्र यादव, हरियाणा ग्रंथ अक़ादमी, पंचकुला
3. समाचार, फ़ीचर लेखन एवं संपादन कला, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी की आधुनिक पत्रकारिता, अरुण कुमार भगत, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली
5. सोशल नेटवर्किंगः नए समय का संवाद, डॉ संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली
6. संपादन कला, के पी नारायणन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अक़ादमी, भोपाल
7. समाचार-पत्र, मुद्रण और साज-सज्जा, श्यामसुंदर शर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अक़ादमी, भोपाल

रेडियो DSC 9 (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रेडियो DSC 9	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. रेडियो का व्यावहारिक परिचय कराना।
2. रेडियो कार्यक्रमों द्वारा सांस्कृतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराना।
3. बदलते दौर में नए वैश्विक संदर्भ और कार्यक्रम प्रविधि तकनीक से अवगत कराना।
4. रेडियो कार्यक्रम, उपकरण, लेखन, रिपोर्टिंग संबंधी पहलुओं से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

1. रेडियो कार्यक्रम की समझ विकसित होगी।
2. श्रव्य माध्यम का महत्व समझेंगे।
3. रेडियो का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
4. वैश्विक परिदृश्य और नई तकनीक की जानकारी होगी।

1. जन श्रव्य माध्यम रेडियो - सामान्य परिचय 10 घंटे

- भारतीय परिप्रेक्ष्य में रेडियो के प्रमुख बदलाव: 90 के दशक के बाद से आज तक
- रेडियो की विशेषताएं और संभावनाएं
- रेडियो के विविध रूप : एएम, एफएम, सामुदायिक रेडियो, पॉडकास्ट

2. रेडियो कार्यक्रम लेखन 10 घंटे

- समाचार कार्यक्रमों के लिए लेखन: समाचार बुलेटिन, वार्ता, एंकरिंग
- मनोरंजन कार्यक्रम की विधाएँ : लघु नाटिका, फिल्म, ,नाटक, प्रहसन, डाक्यूमेंट्री

- विशिष्ट श्रोता वर्ग कार्यक्रम: स्त्री, बाल, युवा, बुजुर्ग, सैनिक, किसान, ग्रामीण, शहरी, आदिवासी और दिव्यांग

3. रेडियो कार्यक्रम तकनीक एवं संपादन 10 घंटे

- रेडियो केंद्र का ढांचा, संगठन और कार्यप्रणाली
- रेडियो स्टूडियो के विभिन्न उपकरण : रिकॉर्डर, हेडफोन,कंसोल, माइक्रोफोन, ऑन एयर लाइट, ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर
- रेडियो जॉकी : भूमिका और दायित्व

4. रेडियो प्रबंधन 15 घंटे

- आकाशवाणी, एफ.एम. और सामुदायिक रेडियो का प्रबंधन
- रेडियो कार्यक्रम: विपणन और वितरण
- आकाशवाणी की रेडियो प्रसारण संबंधी आचार संहिता

व्यावहारिक कार्य 30 घंटे

- रेडियो पर प्रसारित सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करना।
- रेडियो के लिए किसी समाचारपरक, वार्तापरक, और मनोरंजन परक कार्यक्रम की स्क्रिप्ट तैयार करना।
- रेडियो के लिए 5 मिनट का साक्षात्कार तैयार करना।
- रेडियो के लिए 5 मिनट का समाचार बुलेटिन और न्यूजरील तैयार करना।
- किसी समसामयिक मुद्दे पर 5 मिनट का पॉडकास्ट तैयार करना।

Essential/recommended readings

1. अंडरस्टैंडिंग रेडियो: एंड्रयू क्रिसेल, क्रिसेल टेलर एंड ग्रुप पब्लिकेशन
2. रेडियो और दूर-दर्शन पत्रकारिता, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला, नई दिल्ली
3. ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया : जी.सी.अवस्थी, एलाइड पब्लिकेशन
4. रेडियो लेखन: मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
5. रेडियो जॉकीईंग की कला, डॉ हरिमोहन, तक्षशिला, दिल्ली
6. इंडिया ब्रॉडकास्टिंग: एच.के लूथरा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
7. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल्स: मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

क्षेत्रीय पत्रकारिता DSE 1- (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 1 **क्षेत्रीय पत्रकारिता**	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता के स्वरूप को समझाना।
2. संस्कृति-विकास और स्थानीय महत्त्व की दृष्टि से क्षेत्रीय पत्रकारिता की उपयोगिता से अवगत कराना।
3. लोक कला, लोक साहित्य, लोक संगीत के विकास में क्षेत्रीय पत्रकारिता की भूमिका पर विचार करना।

Course Learning Outcomes

1. समाज और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में क्षेत्रीय पत्रकारिता के विविध रूपों की जानकारी हासिल कर पाएंगे।
2. स्थानीय भाषाओं के महत्त्व एवं उसके योगदान से अवगत होंगे।
3. क्षेत्रीय पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से परिचित होंगे।

1. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामान्य परिचय **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता – अर्थ स्वरूप एवं प्रकृति
- स्वाधीनता संग्राम में क्षेत्रीय पत्रकारिता का योगदान
- मुख्यधारा की मीडिया और क्षेत्रीय पत्रकारिता में अंतर

2. क्षेत्रीय पत्रकारिता : सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रबंधन और बाज़ार, सामग्री संकलन
- सामाजिक परिवर्तन और लोक संस्कृति पर क्षेत्रीय पत्रकारिता का प्रभाव

- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली

3. क्षेत्रीय पत्रकारिता की अंतर्वस्तु **10 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्र-पत्रिकाओं में स्थानीय समाचार, जनसरोकार संबंधी मुद्दों की प्रस्तुति
- आकाशवाणी – दूरदर्शन में क्षेत्रीय कार्यक्रमों की प्रस्तुति के विविध आयाम
- ऑनलाइन क्षेत्रीय पत्रकारिता और क्षेत्रीय मुद्दे

4. क्षेत्रीय ग्रामीण पत्रकारिता **15 घंटे**

- क्षेत्रीय पत्रकारिता में ग्रामीण संदर्भ
- प्रिंट माध्यमों में जनपदीय ब्यूरो-संरचना, संकलन एवं अन्य संदर्भ
- क्षेत्रीय पत्रकार की कार्यप्रणाली और चुनौतियाँ

प्रायोगिक कार्य : 30 **घंटे**

- मुख्य-धारा एवं क्षेत्रीय समाचार-पत्र, पत्रिकाओं की विषयवस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण
- क्षेत्रीय समाचार पत्र के लिये रिपोर्ट लेखन, फ़ीचर प्रस्तुत करना
- क्षेत्रीय पत्रकारिता की भाषा शैली की समीक्षा करना
- स्थानीय मुद्दों पर आधारित न्यूजलेटर का निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया में महिलाओं की भूमिका, संगीता अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
2. बिहार में पत्रकारिता का इतिहास, विजय भास्कर, प्रभात प्रकाशन
3. कृषि पत्रकारिता का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष, राम कृष्ण पराशर, नकुल पराशर, हिंदी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. हिंदी पत्रकारिता शब्द संपदा, बद्रीनाथ आर, राकेश शिवकुमार अवस्थी
5. हिंदी पत्रकारिता और राष्ट्रीय एकता, डॉ हरिमोहन, डॉ जयंत शुक्ल, तक्षशिला प्रकाशन
6. हिंदी के प्रमुख समाचार-पत्र और पत्रिकाएं, अच्युतानंद मिश्र, सामयिक प्रकाशन
7. हिन्दी के प्रमुख क्षेत्रीय समाचार पत्र-पत्रिकाओं और चैनलों पर प्रकाशित-प्रसारित सामग्री

DSE 2 पर्यावरण पत्रकारिता

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 पर्यावरण पत्रकारिता	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. पर्यावरण के प्रति छात्रों में संवेदनशीलता पैदा करना।
2. पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को जागरूक करना।
3. पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना।
4. प्रकृति, राष्ट्रीय संसाधनों के प्रति प्रेम एवं सह-अस्तित्व का भाव पैदा करना।

Course Learning Outcomes

1. पर्यावरण के प्रति समझ विकसित होगी।
2. पर्यावरण समस्याओं से छात्र अवगत होंगे।
3. पर्यावरण संरक्षण में मीडिया के प्रयोग को समझ सकेंगे।
4. पर्यावरण समस्याओं को उजागर करने में मीडिया की भूमिका से अवगत होंगे।

1. पर्यावरण जागरूकता और मीडिया 10 घंटे

- पर्यावरण अध्ययन की परिभाषा, क्षेत्र और महत्व
- ग्लोबल और भारतीय मीडिया में पर्यावरण जागरूकता एवं प्रमुख पर्यावरण मुद्दे
- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में मीडिया की भूमिका

2. पर्यावरण संरक्षण एवं मीडिया 10 घंटे

- राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण आंदोलन और मीडिया
- अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन एवं मीडिया
- वैश्विक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण समझौते

3. पर्यावरण एवं भारतीय मीडिया 10 घंटे

- पर्यावरण से संबंधित भारतीय मीडिया का दृष्टिकोण
- प्रिंट मीडिया में पर्यावरण प्रस्तुति
- टीवी, रेडियो एवं डिजिटल मीडिया में पर्यावरण मुद्दे

4. पर्यावरण चिंताएँ एवं मीडिया 15 घंटे

- प्रमुख पर्यावरण चुनौतियाँ और मुद्दे : जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, ग्रीन हाउस गैस प्रभाव
- राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर जैव विविधता
- पर्यावरण संबंधी सूचना के प्रसार में मीडिया की भूमिका
- विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं के संदर्भ में मीडिया की भूमिका।

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- विभिन्न पर्यावरणविदों से साक्षात्कार
- जल संकट, वायु प्रदूषण, पर्यावरणीय संकट पर डॉक्यूमेट्री तैयार करना
- पर्यावरणीय संकट पर फ़ीचर, स्लोगन, रिपोर्ट, परिचर्चा
- प्रयावरणीय मुद्दों पर आधारित न्यूज़ लेटर निर्माण करना

सहायक पुस्तकें :

1. भारत में जनसंचार, केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस
2. पर्यावरण अध्ययन में परिप्रेक्ष्य, ए. कौशिक और पी.सी. कौशिक, दरियागंज, न्यू एज प्रकाशन, दिल्ली
3. पर्यावरण अध्ययन, डॉ दया शंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पर्यावरण अध्ययन-संकट से इलाज तक, आर राजगोपालन, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली

DSE 3 कम्प्यूटर तकनीक एप्लीकेशन एवं मीडिया (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 कम्प्यूटर तकनीक एप्लीकेशन एवं मीडिया	**4**	**3**	0	**1**	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. कंप्यूटर और इन्टरनेट के स्वरूप, कार्यप्रणाली और उपयोगिता से अवगत कराना।
2. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट तकनीक से अवगत कराना।
3. इंटरनेट आधारित संचार के स्वरूप को समझाना।
4. मीडिया के तकनीकी परिदृश्य से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट के प्रयोग को जान पाएँगे।
2. मीडिया में कंप्यूटर और इंटरनेट से परिचित होकर रोजगार की संभावनाओं से परिचित होंगे।
3. कम्प्यूटर और इंटरनेट के विभिन्न अनुप्रयोगों का उपयोग कर सकेंगे।
4. इन्टरनेट आधारित अभिव्यक्ति के नए रूपों के प्रयोग में सक्षम होंगे।

1. कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य परिचय: 10 घंटे

- सूचना-स्रोत तथा कन्टेन्ट प्रसारक के रूप में मीडिया में इंटरनेट का अनुप्रयोग
- मीडिया के कामकाज में प्रयुक्त प्रमुख सॉफ़्टवेयर : एम एस वर्ड, क्वार्क एक्सप्रेस, इन डिजाइन, कोरल ड्रा, माइक्रोसॉफ़्ट पब्लिशर, फ़ोटोशॉप, केनवा
- कंप्यूटर और मल्टीमीडिया (ग्राफ़िक्स, फोटोग्राफ़, वीडियो तथा ऑडियो)

2. कंप्यूटर, इंटरनेट, तकनीक और मीडिया लेखन 10 घंटे

- सोशल मीडिया लेखन: फेसबुक, इंस्टाग्राम, ब्लॉग लेखन
- ऑडियो रिकॉर्डिंग और संपादन, पॉडकास्ट एप
- वेबसाइट कंटेंट लेखन, संपादन, ले आउट, डिजाइन

3. कंप्यूटर, इंटरनेट और मुद्रित माध्यम 10 घंटे

- मैगजीन एप और पत्रिका निर्माण, न्यूजपेपर एप
- पोस्टर और बैनर एप और निर्माण
- ब्रोशर एप और निर्माण

4. कंप्यूटर इंटरनेट आधारित संचार के नए रूप 15 घंटे

- रील्स, मीम, शार्ट वीडियो, डिजिटल विज्ञापन, वेब सीरीज, स्टीकर, इमोजी
- लाइव स्ट्रीमिंगः कार्यप्रणाली तथा उपलब्ध मंच
- भारत में सूचना प्रौद्योगिकी तथा कॉपीराइट कानून

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- रील्स, मीम, शार्ट वीडियो, डिजिटल विज्ञापन निर्माण करना
- पोस्टर और बैनर
- ब्रोशर निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. तकनीक तेरे कितने आयाम, बालेन्दु शर्मा दाधीच, प्रभात प्रकाशन
2. मास मीडिया एंड इन्फोमेशन टेक्नोलॉजी, जे के सिंह
3. डिजीटल इंडिया, अजय कुमार, प्रभात प्रकाशन
4. तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दाधीच, ई प्रकाशक
5. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र,रविंद्र शुक्ला, राजकमल प्रकाशन
6. दिव्यांगों के लिए तकनीक, बालेन्दु शर्मा दाधीच, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
7. Internet as a Media, Sandeep Banarjee, Kalpaz Publication, 2014
8. Internet and Mass Media, Lucy Kung, Robert G. Pichard, Ruth Towse, Sage Publication, 200

BCom (Prog) **सेमेस्टर III/IV – GE/Language** – **क्रेडिट 4**

हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'क'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास 'क'**	4	3	1	0	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	12th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई 2 कहानी

अनमोल रतन - प्रेमचंद

मलबे का मालिक - मोहन राकेश

इकाई 3 निबंध

उत्साह - रामचन्द्र शुक्ल

आचरण की सभ्यता - अध्यापक पूर्ण सिंह

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ

दीपदान - रामकुमार वर्मा

भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BCom (Prog) **सेमेस्टर Sem III/IV – GE/Language – क्रेडिट 4**

हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ख'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'**	4	3	1	—	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	12th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, संस्मरण, निबंध, एकांकी

इकाई 2 कहानी

उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
चीफ की दावत - भीष्म साहनी

इकाई 3 निबंध

एक दुराशा - बालमुकुंद गुप्त
मजदूरी और प्रेम - सरदार पूर्ण सिंह

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ

बिबिया - महादेवी वर्मा
सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण

BCom (Prog) **सेमेस्टर Sem III/IV – GE/Language – क्रेडिट 4**

हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ग'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'**	4	3	1	0	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	12th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई 2 कहानी

दो बैलों की कथा - प्रेमचंद

बहादुर - अमरकांत

इकाई 3 निबंध

सच्ची वीरता - सरदार पूर्ण सिंह

घर जोड़ने की माया - हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ

रामा - महादेवी वर्मा

मंगर - रामवृक्ष बेनीपुरी

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण

GE (क) राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) **राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया**	4	3	0	1	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारत के प्रमुख राजनीतिज्ञों के योगदान की जानकारी प्रदान करना।
- जनसंचार माध्यमों में राजनीतिक-दर्शन और घटनाओं की उपस्थिति से अवगत कराना।
- स्वतंत्रता-पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित राजनीतिक-सांस्कृतिक सामग्री का मूल्यांकन करना।
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों, पत्रकारों के योगदान का परिचय देना।

Course Learning Outcomes

- भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों की समझ विकसित होगी।
- भारत-निर्माण में मीडिया की भूमिका की जानकारी प्राप्त होगी।
- समय और घटना-विशेष के संदर्भ में पत्र-पत्रिकाओं एवं पत्रकारों का योगदान रेखांकित हो सकेगा।
- भारत-बोध विकसित होगा।

1. राजनीति और मीडिया 10 घंटे

- भारत में राजनीति और मीडिया का अंतःसंबंध : मूल्य, व्यक्ति विशेष और सत्ता समीकरण के रूप में
- प्रमुख राजनीतिक दर्शन और मीडिया : संक्षिप्त परिचय (स्वाधीनता, सर्वोदय, स्वदेशी, अंत्योदय, लोकतंत्र)
- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया पर प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों के विचार

2. स्वतंत्रता-पूर्व राजनीतिक दर्शन और मीडिया **10 घंटे**

- स्वाधीनता, स्वराज्य का विचार तथा हिंदी पत्रकारिता में उसके स्वरूप का अध्ययन (1857 का स्वाधीनता संघर्ष, बंग-भंग आंदोलन, ख़िलाफ़त आंदोलन तथा पूर्ण स्वराज्य)
- पुनर्जागरण का दर्शन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं (बालाबोधिनी, हिंदी प्रदीप तथा सरस्वती के विशेष संदर्भ में)
- साहित्य, पत्रकारिता तथा फिल्मों में स्वतंत्रता-पूर्व भारत बोध का स्वरूप

3. स्वातंत्र्योत्तर राजनीतिक घटनाक्रम और मीडिया **10 घंटे**

- राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य में मीडिया की भूमिका , क्रांति चेतना और मीडिया
- स्वातंत्र्योत्तर भारत के प्रमुख घटनाक्रम और हिंदी मीडिया : साम्राज्यवाद और सर्वसत्तावाद (विशेष संदर्भ- 1962 का भारत-चीन युद्ध तथा आपातकाल)
- मीडिया पर नव-उदारवादी व्यवस्था का प्रभाव

4. प्रमुख राजनीतिक दार्शनिक **15 घंटे**

- राममोहन राय, भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी
- बाल गंगाधर तिलक, गणेश शंकर विद्यार्थी, महात्मा गांधी
- भीमराव अंबेडकर, दीनदयाल उपाध्याय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों द्वारा मीडिया पर किए गए विचारों का संकलन और लेखन
- ऊपर वर्णित राजनीतिक दर्शनों के संदर्भ में तत्कालीन पत्र-पत्रिकाओं में छपी सामग्री पर रिपोर्ट लेखन
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों का मीडियाकर्मी के रूप में दिए गए योगदान पर परियोजना-कार्य
- भारत-बोध में मीडिया के योगदान पर समूह-चर्चा, निबंध लेखन
- प्रमुख राजनीतिक-दार्शनिकों, क्रांतिकारियों द्वारा संपादित पत्र-पत्रिकाओं की तथा उनसे जुड़े स्थानों, स्मारकों और उन पर केंद्रित फिल्मों की सूची का निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. समाज और राजनीति का दार्शनिक अध्ययन, डॉ. ज्ञानंजय द्विवेदी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अंतर्वेद प्रवर गणेश शंकर विद्यार्थी, अमित राजपूत, लोकोदय प्रकाशन
5. राजा राममोहन राय, विजित कुमार दत्त, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
6. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण , रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. पं. दीनदयाल उपाध्याय : कर्तृत्व एवं विचार, डॉ. महेशचंद्र शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. राष्ट्र निर्माताओं की पत्रकारिता, कृपाशंकर चौबे, प्रलेक प्रकाशन, मुंबई
10. पत्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर, सूर्यनारायण रणसुभे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मूकनायक डॉ. अंबेडकर, संकलन एवं अनुवाद- श्यौराज सिंह बेचैन, गौतम बुक सेंटर
12. लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, रचना भोला 'यामिनी', प्रभात प्रकाशन

GE (ख) मीडिया प्रोडक्शन (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) **मीडिया प्रोडक्शन**	4	3	0	1	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- छात्रों को रेडियो, टेलीविजन, प्रिंट के प्रोडक्शन की जानकारी देना।
- मीडिया हाउस की प्रोडक्शन प्रक्रिया से रूबरू कराना।
- रेडियो एवं टेलीविजन की प्रसारण प्रक्रिया की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

- छात्रों में मीडिया के विविध कार्यक्रम तैयार करने का कौशल विकसित होगा।
- रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारण प्रक्रिया को जान पायेंगे।
- मीडिया प्रोडक्शन में तकनीकी महत्व की जानकारी प्राप्त होगी।

1. **प्रिंट प्रोडक्शन** **10 घंटे**
   - फ़ॉण्ट, कंप्यूटर टाइपिंग
   - एडिटिंग सॉफ्टवेयर : कोरल ड्रा, कंप्यूटर डिजाइनिंग, क्वॉर्क, केनवा, पेज मेकर, इनडिजाइन
   - फोटोग्राफी के सिद्धांत, फोटो चयन, कैप्शन लेखन, फ़ोटोशॉप
2. **रेडियो प्रोडक्शन** 10 **घंटे**
   - रेडियो स्टूडियो की संरचना, उपकरण एवं प्रमुख रेडियो सॉफ़्टवेयर
   - रिकॉर्डिंग और संपादन, एनालॉग ध्वनि, डिजिटल ध्वनि, डबिंग, वॉयस मॉड्यूलेशन
   - रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं रेडियो प्रसारण
3. **टेलीविजन एवं वीडियो प्रोडक्शन** **10 घंटे**
   - टीवी स्टूडियो संरचना, टीवी प्रसारण तकनीक, दृश्य-श्रव्य सॉफ्टवेर
   - वीडियो प्रोडक्शन प्रक्रिया : प्री प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन

- कैमरा और प्रकाश व्यवस्था, विभिन्न शॉट्स और उनका कंपोजिशन, प्रकाशीय उपकरण

4. फिल्म और वेब प्रोडक्शन 15 घंटे

- फिल्म निर्माण प्रकिया, निर्देशन, सिनेमेटोग्राफी, ध्वनि, संगीत, संपादन, कंप्यूटर एवं फ़िल्म प्रोडक्शन
- वेब प्रोडक्शन, वेब पोर्टल की संरचना, वेब पेज निर्माण
- ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म और वेब सीरीज

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे

- समाचार पत्र पृष्ठ निर्माण करना।
- रेडियो बुलेटिन और पॉडकास्ट तैयार करना।
- वेब पेज निर्माण करना।
- प्रेस रिलीज, समाचार निर्माण, पॉडकास्ट और फोटोग्राफी अभ्यास हेतु कॉलेज कार्यक्रमों की कवरेज करना।

सहायक पुस्तकें :

1. ग्राफिक डिजाइन, नरेंद्र यादव, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
2. ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल, मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
3. रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
4. रेडियो वार्ता शिल्प, डॉ. सिद्धनाथ कुमार,राधा कृष्ण प्रकाशन
5. वीडियो प्रोडक्शन टेक्नीक, डॉनल्ड एल.डीफेन्बच एण्ड एनी ई.स्लेटन, रूटलेज,ए फोकल प्रेस बुक
6. वेब सीरीज लेखन (हिंदी संस्करण) दिनकर कुमार, किंडल बुक

REGISTRAR

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(23)/2022-23/
Dated: 14.03.2023

N O T I F I C A T I O N

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 38-1/ (38-1-1) dated 08.12.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

Syllabi of Semester-II of the following departments under Faculty of Arts based on Under Graduate Curriculum Framework -2022 to be implemented from the Academic Year 2022-23.

FACULTY OF ARTS

Department of Arabic

Category-I
BA (Hons.) Arabic

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4
ELEMENTARY ARABIC: READING & WRITING

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Elementary Arabic: Reading & Writing	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To enable the learners to read the text accurately.
2. To develop the writing skills.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

After completing this course the learner will be able to:

1. Read and comprehend the Arabic text.
2. Make and answer the questions in Arabic language.

SYLLABUS OF DSC-4

Unit 1 (15 Hours)

- **Reading and Comprehension**

  Lessons 1-4

  Prescribed Book: "Madina Arabic Reader-2 by Dr. V. Abdur Rahim"

Unit 2 (15 Hours)

- **Reading and Comprehension**

  Lessons 5-8

  Prescribed Book: "Madina Arabic Reader-2 by Dr. V. Abdur Rahim"

Unit 3 (15 Hours)

- **Reading and Comprehension**

  Lessons 9-13

  Prescribed Book: "Madina Arabic Reader-2 by Dr. V. Abdur Rahim"

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

1. Dr. V. Abdur Rahim: Madinah Arabic Reader: Book 2, New Delhi

Suggestive readings

1. Dr. Wali Akhtar Nadwi, My Arabic Reader (Elementary Level), New Delhi

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5
ELEMENTARY ARABIC GRAMMAR

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Elementary Arabic Grammar	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To make learners well versed in Syntax and Morphology.
2. To enable them to translate the text.
3. To develop speaking, reading and writing skills among them.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

After completing this course the learner will be able to:

1. Easily derive perfect, imperfect, imperative, prohibitive verbs and active/passive participles from any infinitive of the following irregular patterns.
2. Use them in their writings and speaking as per the need.
3. Learn intermediate grammar of the Arabic syntax.
4. Make simple nominative and verbal sentences.

SYLLABUS OF DSC-5

Unit 1 (15 Hours)

- Description of همزة الوصل وهمزة القطع.
- المفرد (Singular) in the nominative, accusative and genitive cases.
- المثنى (Dual) in the nominative, accusative and genitive cases and deletion of (ن).
- Complete conjugation of all the four kinds of the Perfect Verb (positive, negative & active and passive mood):

  فعل – قد فعل – كان فعل – كان يفعل

- Conjugation of الفعل المضارع with prefix لن (active & passive).

Unit 2 (15 Hours)

- جمع المذكر السالم (Sound Masculine Plural) in nominative, accusative and genitive cases and deletion of (ن) .
- جمع المؤنث السالم (Sound Feminine Plural) in nominative, accusative and genitive cases.
- الجمع المكسر (Broken Plural) in nominative, accusative and genitive cases.
- Conjugation of الفعل المضارع with prefix لم (active & passive).

Unit 3 (15 Hours)

- الاسم المنقوص definition and case.
- لا لنفي الجنس use and case.
- Use and case of the كان – ليس – صار – أصبح.
- Use and case of إن وأخواتها

- Complete conjugation of أبواب الفعل الثلاثي المزيد فيه:

تفعيل	مفاعلة	إفعال	تفعل	تفاعل	انفعال	افتعال	استفعال

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

1. Dr. W. A. Nadwi: A Practical Approach to the Arabic Language Vol.1 & 2, New Delhi.
2. J. A. Haywood & H. M. : A New Arabic Grammar, New Delhi.
3. S.A. Rahman: Teach Yourself Arabic, New Delhi.
4. عبدالستار خان : عربي كا معلم ، دهلى
5. علي جارم ومصطفى أمين: النحو الواضح، القاهرة
6. أنطوان الدحداح: معجم تصريف الأفعال العربية، دهلي

Suggestive readings

1. R.I. Faynan: Essential Arabic, New Delhi
2. Amir Jamal: Arabic Learn the Easy Way, New Delhi
3. عبد الماجد ندوي: معلم الإنشاء (الجزء الأول)، لكناؤ

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 6
ELEMENTARY ARABIC TRANSLATION

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Elementary Arabic Translation	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To make learners familiar with Indo-Arab Relations in general.
2. To make them know Indo-Arab Relations in Modern Period.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

After completing this course the learner will be able to:

1. Know about Indo-Arab Relations.
2. Have the knowledge of India and the Arab world and the relations they have.

SYLLABUS OF DSC-6

Unit 1 (15 Hours)

- Translation based on simple and compound usage of the following as مبتدأ & خبر:
  - المركب الإشاري
  - المركب الإضافي
  - المركب الوصفي

Unit 2 (15 Hours)

- Translation based on different formations of singular, dual and plural.

Unit 3 (15 Hours)

- Translation of sentences based on إن وأخواتها.
- Translation of sentences based on كان – ليس – صار & أصبح.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

1. Dr. W. A. Nadwi: A Practical Approach to the Arabic Language Vol.1 & 2, New Delhi.
2. J. A. Haywood & H. M. : A New Arabic Grammar, New Delhi.
3. S.A. Rahman: Teach Yourself Arabic, New Delhi.
4. عبدالستار خان : عربي كا معلم ، دهلى
5. الدكتور منظور خان: نحو الإنشاء والترجمة، جامو وكشمير

Suggestive readings

1. R.I. Faynan: Essential Arabic, New Delhi
2. Amir Jamal: Arabic Learn the Easy Way, New Delhi.
3. Md. Quamruddin: Translation Made Easy, U.P.
4. عبد الماجد ندوي : معلم الإنشاء (الجزء الأول), لكناؤ

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category II

B.A. Programmes with Arabic as Major discipline

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 3

INTRODUCTORY ARABIC-2

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introductory Arabic-2	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To make them familiar with further basics of Arabic.
2. To enable them to read and write with further fundamental rules of Arabic.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

After completing this course the learner will be able to:

1. Develop skills of reading and writing.
2. Read, understand and comprehend simple structures of Arabic sentences.

SYLLABUS OF DSC-3 (CATOGORY-II)

Unit 1 (15 Hours)

Arabic Text-1

Lessons: 17,18,19,20,21,22,23,24,25,26,27

Prescribed Book:

القراءة الواضحة (الجزء الأول)

مولانا وحيد الزمان قاسمي كيرانوي

Unit 2 (15 Hours)

Arabic Text-2

Lessons: 28,29,30,31,35,36,37,38,41,42,43

Prescribed Book:

القراءة الواضحة (الجزء الأول)

مولانا وحيد الزمان قاسمي كيرانوي

Unit 3 (15 Hours)

Comprehension & Applied Grammar

Lessons: 17,18,19,20,21,22,23,24,25,26,27, 28,29,30,31,35,36,37,38,41,42,43

Prescribed Book:

القراءة الواضحة (الجزء الأول)

مولانا وحيد الزمان قاسمي كيرانوي

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

1. Dr. W. A.Nadwi: A Practical Approach to the Arabic Language Vol.1, New Delhi.
2. Dr. Amir Jamal: Arabic Learn the Easy Way, New Delhi.
3. علي جارم ومصطفى أمين: النحو الواضح، القاهرة
4. مولانا عبد الرحمن امرتسرى :كتاب النحو، پانى پت

Suggestive readings

1. J. A. Haywood & H. M.: A New Arabic Grammar, New Delhi.
2. Prof. R.I. Faynan: Essential Arabic, New Delhi.
3. مولانا عبد الماجد الندوي: معلم الإنشاء، لكنؤ
4. عبد الستار خان: عربى كا معلم، دہلى

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4
ARABIC: TEXT, GRAMMAR & TRANSLATION -II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Arabic: Text, Grammar & Translation-II	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To make the learners familiar with the Arabic language skills.
2. To make them familiar with grammar rules required at the second stage of learning Arabic.
3. To enhance their vocabulary through the given text and understand the different structures of sentences.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

After completing this course the learner will be able to:

1. Read the Arabic text.
2. Understand and solve grammar based exercises.
3. Translate sentences based on learnt grammar.

SYLLABUS OF DSC-4 (CATEGORY-II)

Unit 1 (15 Hours)

Arabic Text

Lessons: 13,14,15,16,17,18,19,20,23,24,26,27
(Semester-Two)

Prescribed Book:

My Arabic Reader
Elementary Level
Dr. Wali Akhtar Nadwi

Unit 2 (15 Hours)

Grammar:

- Singular, Dual & Plural
- Sound Masculine Plural
- Sound Feminine Plural
- Broken Plural
- Doer & Object
- Conjugation of the Past Tense
- Conjugation of the Future Tense
- Groups of Triliteral Verbs
- Imperative
- Prohibitive
- Cardinal Number (1 to 10)

Unit 3 (15 Hours)

Translation:

Translation English-Arabic-English based upon the Grammar Topics learnt.

Practical component (if any) – NIL

Essential/recommended readings

1. Prof. W. A. Nadwi: A Practical Approach to the Arabic Language Vol.-1, New Delhi.
2. Reading material prepared by the Department of Arabic, ZHDC, D.U.

Suggestive readings

1. Prof. S.A. Rahman: Teach Yourself Arabic, New Delhi.
2. Prof. R.I. Faynan: Essential Arabic, New Delhi.
3. Dr. Amir Jamal: Arabic Learn the Easy Way, New Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category III

B.A. Programmes with Arabic as non-Major

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Arabic: Text, Grammar & Translation-II	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To make the learners familiar with the Arabic language skills.
2. To make them familiar with grammar rules required at the second stage of learning Arabic.
3. To enhance their vocabulary through the given text and understand the different structures of sentences.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

After completing this course the learner will be able to:

1. Read the Arabic text.
2. Understand and solve grammar based exercises.
3. Translate sentences based on learnt grammar.

SYLLABUS OF DSC-4 (CATEGORY-II)

Unit 1 (15 Hours)

Arabic Text

Lessons: 13,14,15,16,17,18,19,20,23,24,26,27
(Semester-Two)

Prescribed Book:

My Arabic Reader

Elementary Level

Dr. Wali Akhtar Nadwi

Unit 2 (15 Hours)

Grammar:

- Singular, Dual & Plural
- Sound Masculine Plural
- Sound Feminine Plural
- Broken Plural
- Doer & Object
- Conjugation of the Past Tense
- Conjugation of the Future Tense
- Groups of Triliteral Verbs
- Imperative
- Prohibitive
- Cardinal Number (1 to 10)

Unit 3 (15 Hours)

Translation:

Translation English-Arabic-English based upon the Grammar Topics learnt.

Practical component (if any) – NIL

Essential/recommended readings

1. Prof. W. A. Nadwi: A Practical Approach to the Arabic Language Vol.-1, New Delhi.
2. Reading material prepared by the Department of Arabic, ZHDC, D.U.

Suggestive readings

1. Prof. S.A. Rahman: Teach Yourself Arabic, New Delhi.
2. Prof. R.I. Faynan: Essential Arabic, New Delhi.
3. Dr. Amir Jamal: Arabic Learn the Easy Way, New Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES

GENERIC ELECTIVES (GE-4): LET US SPEAK ARABIC-1

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Let Us Spoken Arabic-I	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL	Arabic

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To teach learners how to speak, read and write the language.
2. To make them comfortable in using the language.
3. To help them improve fluency in Arabic speaking.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

By studying this course the student will be able to:

1. Learn the basic vocabulary and phrases useful in speaking and conversation.
2. Learn the formal and informal greetings.
3. Learn conversational dialogues of different occasions.

SYLLABUS OF G.E.-4

Unit 1 (15 Hours)

Lessons on Alphabet

- Lessons on Arabic alphabet along with some frequently used words which include such letters.
- Common Expressions
- Formal and Informal Greetings
- Greeting of Special Days and Times
- Expressing Thanks, Excuse and Apology etc.
- Acquaintance
- Introducing oneself and acquainting with others

Asking for guidance or directions

Unit 2 (15 Hours)

- **Questions**
  - Introducing common question-words and mode of questioning Conversation on special occasions
- **Travel**:
  - Booking and reservation
  - Modes, vehicles and methods of transport
  - Sections and formalities in an airport, documents etc.
- **Hospital**:
  - Sign boards
  - Staff and services, common diseases
  - Methods of treatment and medication

Unit 3 (15 Hours)

Vocabulary related to Shopping:

- Types and sections
- Rates and bargaining
- Currencies
- Selling and buying
- Billing and Payments
- Numeral up to 10
- Date & Timing
- Week days
- Use of calendar: Year, months, and dates, Hijri date system

Practical component (if any) - NIL
Essential/recommended readings

1. Reading material prepared by the Department of Arabic, ZHDC, D.U.
2. Makhdoom Sabri: English Urdu And Arabic Guide, Delhi
3. Rapidex (Arabic Version), New Delhi
4. Prof. S.A. Rahman: Let Us Speak Arabic, New Delhi.
5. Mohd. Haroon Rashid & Khalid Parwez: Arabic Conversation Book, New Delhi.
6. Badruz Zaman Qasmi Kairanwi: Learn to Speak Arabic & English, Delhi
7. البروفيسور الدكتور سيد محمد اجتباء الندوي: التعبير والمحادثة العربية، دلهي

Suggestive readings

1. Prof. R.I. Faynan: Essential Arabic, New Delhi.
2. Dr. Amir Jamal: Arabic Learn the Easy Way, New Delhi.
3. V. Abdur Rahim: Madinah Arabic, Vol. 1, New Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Elementary Arabic Grammar & Translation	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To teach elementary Arabic grammar.
2. To let the Learners practice sentences based on the grammatical points.
3. To make them familiar with Arabic structures based upon elementary grammar.
4. To teach learners basic rules of Arabic translation
5. To enable them to translate simple sentences.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

By studying this course the student will be able to:

1. Read simple sentences correctly.
2. Form simple sentences based on the elementary-level grammar.
3. Free from committing errors in making Arabic sentences.
4. Learn basic rules of Arabic translation through practice.
5. Learn to translate simple sentences based on the prescribed grammatical rules.

SYLLABUS OF G.E.-5

Unit 1 (15 Hours)

Grammar & Translation topics:

- Attached pronouns
- Subject & Predicate
- Annexation
- Kinds of Definite Nouns

Unit 2 (15 Hours)

Grammar & Translation topics:

- Perfect verb
- Imperfect verb
- Imperative verb
- Prohibitive verb

Unit 3 (15 Hours)

Grammar & Translation topics:

- Verbal sentences
- The Object & the Doer
- Preposition
- Adverb of time & place

Practical component (if any) – NIL

Essential/recommended readings

1. Prof. W. A. Nadwi: A Practical Approach to the Arabic Language Vol.1, New Delhi.
2. Dr. Amir Jamal: Arabic Learn the Easy Way, New Delhi.
3. Abdus Sattar Khan: Arabi Ka Muallim. New Delhi.
4. Prof. Moinuddin Azami: Method of Translation, Calicut.
5. Ali Jarim Wa Mustafa Amin: Al-Nahw Al-Wadih fi Qawaid Al-lugha Al-Arabiyya, Al-Qahira.
6. Prof. S.A. Rahman: Teach Yourself Arabic, New Delhi.
7. Prof. R.I. Faynan: Essential Arabic, New Delhi.

Suggestive readings

1. Muhammad Sajid Qasmi: Taysirul Insha', Deoband
2. Dr. Md. Quamruddin: Translation Made Easy, U.P.
3. Syed Ali: Arabic For Beginners, Delhi
4. Maulana Abdur Rahman Amritsari: Kitabun Nahw, Delhi

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Functional Arabic For Daily Use	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To teach the learners basic functional Arabic.
2. To make them familiar with vocabulary of daily use.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

By studying this course the student will be able to:

1. Learn basic vocabulary of functional Arabic.
2. Write, speak and communicate using vocabulary of daily use.

SYLLABUS OF G.E.-5

Unit 1 (15 Hours)

Simple sentences based on the following topics:

- Self-introduction
- In the college
- In bus/train/airplane)

Unit 2 (15 Hours)

Simple sentences based on the following topics:

- In hospital
- In a mall/market
- In the office

Unit 3 (15 Hours)

Simple sentences based on the following topics:

- At home
- At grocery shop
- In the bank

Practical component (if any) – NIL

Essential/recommended readings

1. Reading material prepared by the Department of Arabic, ZHDC, D.U.
2. Makhdoom Sabri: English Urdu And Arabic Guide, Delhi
3. Rapidex (Arabic Version), New Delhi
4. Prof. S.A. Rahman: Let Us Speak Arabic, New Delhi.
5. Mohd. Haroon Rashid & Khalid Parwez: Arabic Conversation Book, New Delhi.
6. Badruz Zaman Qasmi Kairanwi: Learn to Speak Arabic & English, Delhi
7. البروفيسور الدكتور سيد محمد اجتباء الندوي: التعبير والمحادثة العربية، دلهي

Suggestive readings

1. Prof. R.I. Faynan: Essential Arabic, New Delhi.
2. Dr. Amir Jamal: Arabic Learn the Easy Way, New Delhi.
3. V. Abdur Rahim: Madinah Arabic, Vol. 1, New Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DEPARTMENT OF BUDDHIST STUDIES

Category-II

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -2 (DSC-2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITE OF THE COURSE

Course Title& Code	Total Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria/ Prerequisite	Pre-requisite of the course, if any
		Lecture	Tutorial	Practical		
Theravada Buddhist Philosophy DSC–2-A2	4	3	1	0	12th	Basic knowledge of Ancient Indian History/Pali/Buddhism

COURSE NAME : THERAVADA BUDDHIST PHILOSOPHY (DSC –2-A2**)**

Objective

The primary objective of this course is to make students aware of the basic teachings of Buddhism.

Outcome

Upon the completion of this course, students would be able to have a clear understanding of the basic teachings of Buddhism along with their relevance and application.

Course content

Units	Chapter	Hours
I	1. Introduction 2. Four Noble Truths - Dukkha, Dukkha-samudaya, Dukkha-nirodha, Dukkha-nirodha-gāmini Paṭipadā	12
II	3. Three Characteristics - Anicca, Dukkha & Anatta	9
III	4. Dependent Origination - Cause & Effect 5. Karma and Rebirth - Types of kamma, their retribution, Modes of rebirth	15
IV	6. Nibbāna & Parinibbāna - Sopadhisesa & Niirupadhisesa 7. Pāramitā : Requisites to be the Buddha	9

Essential Readings

- Bapat, P.V. (ed.) *Bauddha Dharma Ke 2500 Varşa*, New Delhi, Government of India, Publication Division, 1956.

- Bapat, P.V. (ed.), *2500 Years of Buddhism*, Publications Division, Ministry of Information andBroadcasting, Government of India, New Delhi: 1964.
- Conze, Edward. *The Life of Buddha: as Legend and History*, Delhi: Motilal Banarsidass, 1993.
- Dutt, N., & K. D. Bajpai, *Development of Buddhism in Uttara Pradesh*, Publication Bureau, Lucknow, 1956.
- Dutt, N., *Buddhist Sects*, Reprint, Firma KLM (Pvt.) Ltd., Calcutta, 1997.
- Dutta, N., *Early Monastic Buddhism*, 2 Vols., Calcutta, 1943
- WalpolaRahula, What the Buddha Taught (First Published in 1978), The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation, Taipei, 2009.

Suggested Readings

- Law, B.C, History of Pāli Literature, 2 volumes; Calcutta: 1970.
- McGovern, M.W. *An Introduction to Mahāyāna Buddhism,* London: Kegan Paul, Trench, Trübner& Co, 1922.
- Pande, G.C., Studies in the Origins of Buddhism, Allahabad University, Allahabad, 1957
- Rhys Davids, T.W. (trans.). *Buddhist Birth-Stories (Jātaka Tales): The Commentarial Introduction Entitled Nidāna-Kathā, the Story of the Lineage*, new and revised edn by C.A.F. Rhys Davids, London: George Routledge& Sons Ltd, 1925..
- Sarao, K.T.S. *PrācīnaBhāratīyaBauddha Dharma: Udbhava, SwarupvaPatana*, Delhi University: Hindi Directorate, 2009.
- Sarao, KTS and AK Singh (ed), *A Text Book of the History of Theravāda Buddhism,* Delhi, 2010.
- Sarao, KTS. *Origin and Nature of Ancient Indian Buddhism*, 4th rev edn, 2012.
- Srivastava, Srinarayan, 1981, *Bhārata Mein BaudhaNikāyonkāItihāsa*, KishorVidyaNiketan, Varanasi, 1981.
- Strong, J.S. *The Buddha: A Short Biography*, Oxford: Oneworld, 2001.
- Thomas, E.J. *The Life of Buddha as Legend and History*, reprint, New Delhi: Asian Educational Services, 1927.
- Winternitz, M., *A History of Indian Literature*, 2 volumes, New Delhi; 1968.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -2 (DSC-B2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITE OF THE COURSE

Course Title& Code	Total Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria/ Prerequisite	Pre-requisite of the course, if any
		Lecture	Tutorial	Practical		
Mahāyāna Buddhist Philosophy DSC –2-B2	4	3	1	0	12th	Basic knowledge of Ancient Indian History/Pali/Buddhism

COURSE NAME : MAHAYANA BUDDHIST PHILOSOPHY

Objective

The primary objective of this course is to make students aware of the comprehensive knowledge of the origin and development of Mahayana Buddhism, its features, its school, and the fundamental principles.

Outcome

At the end of leaning this course, students would have a clear and comprehensive understanding of the Mahāyāna Buddhism, its feature and fundamental principles.

Course content

Units	Chapter	Teaching Hours
I	1. Introduction 2. Background of the Emergence of Mahāyāna Buddhism	9
II	3. Features of Mahāyāna Buddhism 4. Difference between Hīnayāna and Mahāyāna Buddhism	9
III	5. Mahāyāna Buddhist Schools : Madhyamika and Yogācāra	12
IV	6. Mahāyāna Buddhist Principles – Bodhicitta, Bodhisattva-Ideal, Pāramitā, Daśabhūmi, Trikāya	15

Essential Readings

- Bapat, P.V. (ed.) *Bauddha Dharma Ke 2500 Varşa*, New Delhi, Government of India, Publication Division, 1956.
- Bapat, P.V. (ed.), *2500 Years of Buddhism*, Publications Division, Ministry of Information andBroadcasting, Government of India, New Delhi: 1964.
- Dutt, N., *Buddhist Sects*, Reprint, Firma KLM (Pvt.) Ltd., Calcutta, 1997.
- Dutt, N., Mahayana Buddhism, MLBD, 1985
- McGovern, M.W. *An Introduction to Mahāyāna Buddhism,* London: Kegan Paul, Trench, Trübner& Co, 1922.

Suggested Readings

- Conze, Edward. *The Life of Buddha: as Legend and History*, Delhi: Motilal Banarsidass, 1993.
- Dutta, N., *Early Monastic Buddhism*, 2 Vols., Calcutta, 1943
- Dutt, N., & K. D. Bajpai, *Development of Buddhism in Uttara Pradesh*, Publication Bureau, Lucknow, 1956.
- Pande, G.C., Studies in the Origins of Buddhism, Allahabad University, Allahabad, 1957
- Rhys Davids, T.W. (trans.). *Buddhist Birth-Stories (Jātaka Tales): The Commentarial Introduction Entitled Nidāna-Kathā, the Story of the Lineage*, new and revised edn by C.A.F. Rhys Davids, London: George Routledge& Sons Ltd, 1925..
- Sarao, K.T.S. *PrācīnaBhāratīyaBauddha Dharma: Udbhava, SwarupvaPatana*, Delhi University: Hindi Directorate, 2009.
- Sarao, KTS and AK Singh (ed), *A Text Book of the History of Theravāda Buddhism,* Delhi, 2010.
- Sarao, KTS. *Origin and Nature of Ancient Indian Buddhism*, 4th rev edn, 2012.

- Srivastava, Srinarayan, 1981, *Bhārata Mein BaudhaNikāyonkāItihāsa*, KishorVidyaNiketan, Varanasi, 1981.
- Strong, J.S. *The Buddha: A Short Biography*, Oxford: Oneworld, 2001.
- Thomas, E.J. *The Life of Buddha as Legend and History*, reprint, New Delhi: Asian Educational Services, 1927.
- WalpolaRahula, What the Buddha Taught (First Published in 1978), The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation, Taipei, 2009.
- Winternitz, M., *A History of Indian Literature*, 2 volumes, New Delhi; 1968.

BA Prog) with Buddhist Studies as

NON-MAJOR/MINOR COURSE-II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITE OF THE COURSE

Course Title& Code	Total Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria/ Prerequisite	Pre-requisite of the course, if any
		Lecture	Tutorial	Practical		
Theravada Buddhist Philosophy DSC–2-A2	4	3	1	0	12th	Basic knowledge of Ancient Indian History/Pali/Buddhism

COURSE NAME : THERAVADA BUDDHIST PHILOSOPHY (DSC –2-A2**)**

Objective

The primary objective of this course is to make students aware of the basic teachings of Buddhism.

Outcome

Upon the completion of this course, students would be able to have a clear understanding of the basic teachings of Buddhism along with their relevance and application.

Course content

Units	Chapter	Hours
I	8. Introduction 9. Four Noble Truths - Dukkha, Dukkha-samudaya, Dukkha-nirodha, Dukkha-nirodha-gāmini Paṭipadā	12
II	10. Three Characteristics - Anicca, Dukkha & Anatta	9
III	11. Dependent Origination - Cause & Effect 12. Karma and Rebirth - Types of kamma, their retribution, Modes of rebirth	15
IV	13. Nibbāna & Parinibbāna - Sopadhisesa & Niirupadhisesa	9

	14. Pāramitā : Requisites to be the Buddha	

Essential Readings

- Bapat, P.V. (ed.) *Bauddha Dharma Ke 2500 Varşa*, New Delhi, Government of India, Publication Division, 1956.
- Bapat, P.V. (ed.), *2500 Years of Buddhism*, Publications Division, Ministry of Information andBroadcasting, Government of India, New Delhi: 1964.
- Conze, Edward. *The Life of Buddha: as Legend and History*, Delhi: Motilal Banarsidass, 1993.
- Dutt, N., & K. D. Bajpai, *Development of Buddhism in Uttara Pradesh*, Publication Bureau, Lucknow, 1956.
- Dutt, N., *Buddhist Sects*, Reprint, Firma KLM (Pvt.) Ltd., Calcutta, 1997.
- Dutta, N., *Early Monastic Buddhism*, 2 Vols., Calcutta, 1943
- WalpolaRahula, What the Buddha Taught (First Published in 1978), The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation, Taipei, 2009.

Suggested Readings

- Law, B.C, History of Pāli Literature, 2 volumes; Calcutta: 1970.
- McGovern, M.W. *An Introduction to Mahāyāna Buddhism,* London: Kegan Paul, Trench, Trübner& Co, 1922.
- Pande, G.C., Studies in the Origins of Buddhism, Allahabad University, Allahabad, 1957
- Rhys Davids, T.W. (trans.). *Buddhist Birth-Stories (Jātaka Tales): The Commentarial Introduction Entitled Nidāna-Kathā, the Story of the Lineage*, new and revised edn by C.A.F. Rhys Davids, London: George Routledge& Sons Ltd, 1925..
- Sarao, K.T.S. *PrācīnaBhāratīyaBauddha Dharma: Udbhava, SwarupvaPatana*, Delhi University: Hindi Directorate, 2009.
- Sarao, KTS and AK Singh (ed), *A Text Book of the History of Theravāda Buddhism,* Delhi, 2010.
- Sarao, KTS. *Origin and Nature of Ancient Indian Buddhism*, 4th rev edn, 2012.
- Srivastava, Srinarayan, 1981, *Bhārata Mein BaudhaNikāyonkāItihāsa*, KishorVidyaNiketan, Varanasi, 1981.
- Strong, J.S. *The Buddha: A Short Biography*, Oxford: Oneworld, 2001.
- Thomas, E.J. *The Life of Buddha as Legend and History*, reprint, New Delhi: Asian Educational Services, 1927.
- Winternitz, M., *A History of Indian Literature*, 2 volumes, New Delhi; 1968.

DEPARTMENT OF ENGLISH
BA (Hons.) English
Category-I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -4 (DSC-4) – : 14th to 17th Century English Poetry

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 4: 14th to 17th Century English Poetry	4	3	1	0	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce the discipline of literary studies in English in a chronological manner, with specific reference to the social and cultural determinants of the period under review.
- To illustrate the ability of poetry to articulate the need for social and cultural reform.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to develop a basic sense of the tools and methods employed by the poetry of the period to analyse and change social and political hierarchies.
- Students will inculcate a foundational understanding of the distinctive ways in which poetry works.

SYLLABUS OF DSC-4

UNIT – I (15 Hours)
1. Geoffrey Chaucer: 'General Prologue' and 'Pardoner's Tale' from *Canterbury Tales*
UNIT – II (15 Hours)

2. Philip Sidney: ‘Sonnet I’

3. Walter Raleigh: ‘The Passionate Man’s Pilgrimage’

4. John Donne, ‘Sunne Rising,’ ‘The Canonization,’ ‘The Good Morrow’

UNIT – III (15 Hours)

5. John Milton: ‘Book I’, *Paradise Lost*

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Philip Sidney, *An Apology for Poetry*. ed. Forrest G. Robinson, Indianapolis: Bobbs Merrill, 1970. pp 13–18

2. *The Holy Bible, Genesis*, Chap. 1–4, *The Gospel* according to St. Luke, Chap. 1–7 & 22–4.

3. Wimsatt, W. K. *The Verbal Icon*, 1954.

4. Hill, Christopher. *Milton and the English Revolution*. London: Faber and Faber, 1977.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5 (DSC-5): 16th & 17th Century English Drama

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 5- 16th & 17th Century English Drama	4	3	1	0	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To take forward the development of literary studies in English with specific reference to the theatre in England during the period under survey.
- To open up a sense of theatre as a space of continual experimentation and change.

Learning outcomes:

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to develop a basic sense of the way in which drama works as genre on its own terms.
- Students' imagination will be stimulated by showing how theatre can analyse and critique political and cultural hierarchies successfully.

SYLLABUS OF DSC- 5

UNIT – I (15 Hours)

1. Christopher Marlowe: *Doctor Faustus*

UNIT – II (15 Hours)

2. William Shakespeare: *Macbeth*

UNIT – III (15 Hours)

3. Aphra Behn: *The Rover*

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings (if any):

1. Greenblatt, Stephen. *Shakespearean Negotiations: The Circulation of Social Energy in Renaissance England*. Oxford: Clarendon P, 1988.

2. Adelman, Janet. *Suffocating Mothers: Fantasies of Maternal Origin in Shakespeare's Plays, Hamlet to The Tempest*. New York and London: Routledge, 1992.

3. Dollimore, Jonathan and Alan Sinfield eds. *Political Shakespeare*. Ithaca and London: Cornell UP, 1985.
4. Black, Jeremy Black. *England in the Age of Shakespeare*. Bloomington: Indiana UP, 2019.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE– 6 (DSC-6): 18th Century Literature

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
18th Century Literature	4	3	1	0	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To offer a continuing sense of the evolution of literary studies in English, so that the quiet revolutions of the eighteenth century in England resonate with significance in contemporary times.
- To study the period under survey through a combination of genres to focus on movements of empire, capital and emancipation.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to understand the way in which the 'Age of Reason' shapes contemporary life.
- Students will be alerted to understanding the ways in which major lines of thought and action may have understated beginnings.

SYLLABUS OF DSC-6

UNIT – I (15 Hours)

1. Alexander Pope: *Rape of the Lock*

UNIT – II (15 Hours)

2. Jonathan Swift: *Gulliver's Travels*

UNIT – III (15 Hours)
3. Oliver Goldsmith: *The Vicar of Wakefield*

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Butler, Marilyn. *Romantics, Rebels and Reactionaries: English Literature and Its Background, 1760-1830*. Oxford: Oxford University Press, 1981.

2. Habermas, Jurgen. *The Structural Transformation of the Public Sphere: An Inquiry into the Category of Bourgeois Society*. 1962. Cambridge, Mass: MIT, 1989.

3. Nussbaum, Martha. *The Cosmopolitan Tradition: A Noble but Flawed Ideal*. Cambridge, Mass: Harvard University Press, 2019.

4. Hobsbawm, Eric. *The Age of Revolution: Europe 1789-1848*. London: Wedenfeld and Nicholson, 1962.

5. 'Pope's Intellectual Character: Pope and Dryden Compared', from 'The Life of Pope', *The Norton Anthology of English Literature, vol. 1*, ed. Stephen Greenblatt, 8th edn. New York: Norton, 2006. pp 2693–2694, 2774–2777

6. Defoe, Daniel. 'The Complete English Tradesman' (Letter XXII), 'The Great Law of Subordination Considered' (Letter IV), & 'The Complete English Gentleman', *Literature and Social Order in Eighteenth-Century England*. ed. Stephen Copley, London: Croom Helm, 1984.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog) with English as Major

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5 (DSC-5): 16th & 17th Century English Drama

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 5- 16th & 17th Century English Drama	4	3	1	0	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To take forward the development of literary studies in English with specific reference to the theatre in England during the period under survey.
- To open up a sense of theatre as a space of continual experimentation and change.

Learning outcomes:

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to develop a basic sense of the way in which drama works as genre on its own terms.
- Students' imagination will be stimulated by showing how theatre can analyse and critique political and cultural hierarchies successfully.

SYLLABUS OF DSC- 5

UNIT – I (15 Hours)

1. Christopher Marlowe: *Doctor Faustus*

UNIT – II (15 Hours)

2. William Shakespeare: *Macbeth*

UNIT – III (15 Hours)
3. Aphra Behn: *The Rover*

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units
Suggestive readings (if any):

1. Greenblatt, Stephen. *Shakespearean Negotiations: The Circulation of Social Energy in Renaissance England*. Oxford: Clarendon P, 1988.

2. Adelman, Janet. *Suffocating Mothers: Fantasies of Maternal Origin in Shakespeare's Plays, Hamlet to The Tempest*. New York and London: Routledge, 1992.

3. Dollimore, Jonathan and Alan Sinfield eds. *Political Shakespeare*. Ithaca and London: Cornell UP, 1985.

4. Black, Jeremy Black. *England in the Age of Shakespeare*. Bloomington: Indiana UP, 2019.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE– 6 (DSC-6): 18th Century Literature

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-6 18th Century Literature	4	3	1	0	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To offer a continuing sense of the evolution of literary studies in English, so that the quiet revolutions of the eighteenth century in England resonate with significance in contemporary times.

- To study the period under survey through a combination of genres to focus on movements of empire, capital and emancipation.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to understand the way in which the 'Age of Reason' shapes contemporary life.
- Students will be alerted to understanding the ways in which major lines of thought and action may have understated beginnings.

SYLLABUS OF DSC-6

UNIT – I (15 Hours)

1. Alexander Pope: *Rape of the Lock*

UNIT – II (15 Hours)

2. Jonathan Swift: *Gulliver's Travels*

UNIT – III (15 Hours)
3. Oliver Goldsmith: *The Vicar of Wakefield*

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Butler, Marilyn. *Romantics, Rebels and Reactionaries: English Literature and Its Background, 1760-1830*. Oxford: Oxford University Press, 1981.

2. Habermas, Jurgen. *The Structural Transformation of the Public Sphere: An Inquiry into the Category of Bourgeois Society*. 1962. Cambridge, Mass: MIT, 1989.

3. Nussbaum, Martha. *The Cosmopolitan Tradition: A Noble but Flawed Ideal*. Cambridge, Mass: Harvard University Press, 2019.

4. Hobsbawm, Eric. *The Age of Revolution: Europe 1789-1848*. London: Wedenfeld and Nicholson, 1962.

5. ‘Pope’s Intellectual Character: Pope and Dryden Compared’, from ‘The Life of Pope’, *The Norton Anthology of English Literature, vol. 1*, ed. Stephen Greenblatt, 8th edn. New York: Norton, 2006. pp 2693–2694, 2774–2777

6. Defoe, Daniel. ‘The Complete English Tradesman’ (Letter XXII), ‘The Great Law of Subordination Considered’ (Letter IV), & ‘The Complete English Gentleman’, *Literature and Social Order in Eighteenth-Century England*. ed. Stephen Copley, London: Croom Helm, 1984.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog.) with English as Minor

Category III

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5 (DSC-5): 16th & 17th Century English Drama

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 5- 16th & 17th Century English Drama	4	3	1	0	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To take forward the development of literary studies in English with specific reference to the theatre in England during the period under survey.
- To open up a sense of theatre as a space of continual experimentation and change.

Learning outcomes:

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- The course will facilitate a basic sense of the way in which drama works as genre on its own terms.
- Students' imagination will be stimulated by showing how theatre can analyse and critique political and cultural hierarchies successfully.

SYLLABUS OF DSC- 5

UNIT – I (15 Hours)

1. Christopher Marlowe: *Doctor Faustus*

UNIT – II (15 Hours)

2. William Shakespeare: *Macbeth*

UNIT – III (15 Hours)
3. Aphra Behn: *The Rover*

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings (if any):

1. Greenblatt, Stephen. *Shakespearean Negotiations: The Circulation of Social Energy in Renaissance England*. Oxford: Clarendon P, 1988.

2. Adelman, Janet. *Suffocating Mothers: Fantasies of Maternal Origin in Shakespeare's Plays, Hamlet to The Tempest*. New York and London: Routledge, 1992.

3. Dollimore, Jonathan and Alan Sinfield eds. *Political Shakespeare*. Ithaca and London: Cornell UP, 1985.

4. Black, Jeremy Black. *England in the Age of Shakespeare*. Bloomington: Indiana UP, 2019.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Pool of General Electives (GE) Courses
Offered by Department of English
Category-Iv

GENERIC ELECTIVES (GE-7) Research Methodology

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Research Methodology	4	3	0	1	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To offer practical training in academic writing.
- To introduce the basics of research and its methods.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to acquire in-depth and practical knowledge regarding academic reading and writing.
- This course will enable students to write a research paper as part of project work.

SYLLABUS OF GE-7

UNIT – I (15 Hours)
1. Introduction to Practical Criticism
2. Conceptualizing and Drafting of a Research Proposal

UNIT – II (15 Hours)
1. Style Manuals: Notes, References and Bibliography/Annotated Bibliography

UNIT – III (15 Hours)
1. Workshop on Topic Development
2. Workshop on Research Proposal

Practical component (if any) – 30 Hours

- Writing a Research Paper (2000 to 2,500 words)

Essential/recommended readings

1. Flick, Uwe. *Introducing Research Methodology: A Beginner's Guide to Doing a Research Project.* New Delhi: Sage, 2017.
2. Leki, Ilona. *Academic Writing: Exploring Processes and Strategies*. 2nd edn. New York: CUP, 1998.
3. Dev, Anjana N (ed.). *Academic Writing and Composition.* New Delhi: Pinnacle, 2015.
4. Richards, I. A. *Practical Criticism: A Study of Literary Judgement*. New York: Harcourt Brace, 1929.
5. Bailey, Stephen. *The Essentials of Academic Writing for International Students.* London: Routledge, 2015.
6. Orwell, George. *Politics and the English Language*. United Kingdom: Sahara Publisher Books, 1946.

Suggestive readings-

1. Hamp-Lyons, Liz and Ben Heasley. *Study Writing: A Course in Writing Skills for Academic Purposes*. Cambridge: CUP, 2006.
2. Kumar, Ranjit, *Research Methodology: A Step by Step Guide for Beginners*. New Delhi: Sage, 2014.
3. Phanse, Sameer. *Research Methodology: Logic, Methods and Cases*. New Delhi:OUP, 2016.
4. Griffin, Gabrielle, ed. *Research Methods for English Studies.* 2nd edn. New Delhi: Rawat Publications. 2016 (Indian Reprint)

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-8) MARGINALITIES IN INDIAN WRITING

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-8 Marginalities in Indian Writing	4	3	1	0	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To train the students in a multi-genre approach to writings from the marginalities.
- To move toward an understanding of alternative aesthetics.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to understand the need for a renewed social and cultural consciousness.
- This course will aid students in the understanding of a movement toward a new kind of literary and social history based on emancipation.

SYLLABUS OF GE-8

UNIT – I (15 Hours)

Caste

1. Ambedkar, B. R. Chap. 4 (pp 233-236); Chap. 6 (pp 241-244) & Chap. 14 (pp 259-263), *Annihilation of Caste: The Annotated Critical Edition*. (New Delhi: Navayana Publications, 2015.

2. Bama, 'Chapter 1', *Sangati*. trans. Lakshmi Holmstrom, New Delhi: Oxford University Press, 2005. pp 3-14

3. Navaria, Ajay. 'Yes Sir', *Unclaimed Terrain*. trans. Laura Brueck, New Delhi: Navayana, 2013. pp 45-64

4. Gogulamanda, Aruna. 'A Dalit Woman in the Land of Goddesses', *First Post*, Posted 13 August 2017.

https://www.firstpost.com/long-reads/a-dalit-woman-in-the-land-of-goddesses-3919861.html

UNIT – II (15 Hours)

Disability

5. Chib, Malini. *One Little Finger*. New Delhi: Sage, 2011. pp 103-190

6. Sahay, Raghuvir. 'The Handicapped Caught in a Camera', *Chicago Review.* trans. Harish Trivedi, 38: 1/2,1992. pp 146-147

UNIT – III (15 Hours)

Tribe

9. Sonawane, Waharu. 'Literature and Adivasi Culture', *Lokayana Bulletin*. Special Issue on Tribal Identity, 10: 5/6, March-June 1994. pp 11-20

10. Brahma, Janil Kumar. 'Orge', *Modern Bodo Short Stories*. trans. Joykanta Sarma, Delhi: Sahitya Akademi, 2003. pp 1-9

11. Sangma, D. K. 'Song on Inauguration of a House', *Garo Literature*, trans. Caroline Marak, Delhi: Sahitya Akademi, 2002. pp 72-73

12. Khare, Randhir. 'Raja Pantha', *The Singing Bow: Poems of the Bhil*. Delhi: Harper Collins, 2001. pp 1-2

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Basu, Sudeep and Asmita Bhattacharyya (ed.). *Marginalities in India: Themes and Perspectives*. Singapore: Springer, 2017.

2. Kumar, Parmod (ed.). *Literature and Marginality: Emerging Perspectives in Dalit Literature*. Germany: Lap Lambert Academic Publishing GmbH KG, 2013.

3. Addlakha, Renu (ed.). *Disability Studies in India: Global Discourses, Local Realities*. India: Taylor & Francis, 2020.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-9) INDIAN CLASSICAL LITERATURE

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-9 Indian Classical Literature	4	3	1	0	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To offer students a foundational understanding of Indian classical literary tradition.
- To introduce students to a rich and diverse literature from two classical languages of India, Sanskrit and Tamil.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to gain knowledge of the aesthetic and cultural values that serve as the groundwork for later developments in Indian philosophical and social change.

SYLLABUS OF GE-9

UNIT – I (15 Hours)

1. Vyasa. Selections from *The Mahabharata,* from *The Mahabharata of Krishna-Dwaipayana Vyasa*, trans. K. M. Ganguli (Delhi: Munshiram Manoharlal Publishers, 2012).

a) 'The Dicing' and 'Sequel to Dicing', Book 2, Sabha Parva Section XLVI-LXXII

b) 'The Temptation of Karna', Book 5, Udyog Parva, Section CXL-CXLVI.

c) 'Krishna's Peace Proposal', Book 5, Udyog Parva, Section LXXXIX-CXXXI

UNIT – II (15 Hours)

1. Kalidasa. *Abhijnanasakuntalam*, trans. Chandra Rajan, in *Kalidasa: The Loom of Time*. Penguin Classics, 1989, reprint 2000.

UNIT – III (15 Hours)

1. Ilango Atikal. 'The Book of Vanci', *Cilappatikaram*. trans. R. Parthasarathy (Columbia University Press, 1993; Penguin Books India, 2004).

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Bharata Muni. Selections from *Natyasastra*. (i) Chapter 6, 'The Sentiments'; (ii) Chapter 20, 'Ten Kinds of Play'; (iii) Chapter 35, 'Characteristics of the Jester', trans. Manomohan Ghosh, Calcutta: Asiatic Society of Bengal, 1951. pp105-17; 355-74; 548-50
2. Osho. Selections from *Krishna: The Man and His Philosophy*. (i) Krishna is Complete and Whole (ii) Draupadi: A Rare Woman (iii) Action, Inaction and Non-Action (iv) Rituals, Fire and Knowledge, Delhi: Jaico Publishing House, 1991.
3. Kapoor, Kapil. *Indian Knowledge System Vol. 1*. New Delhi: D.K. Printworld Pvt. Ltd., 2005. pp 1-31
4. Gerow, Edwin, et al. 'Indian Poetics', *The Literatures of India: An Introduction*. ed. Edward. C. Dimock et al, Chicago: University of Chicago Press, 1974. pp 115-143
5. Venkatachalapathy, R. 'Introduction', *Love Stands Alone: Selections from Tamil Sangam Poetry.* Delhi: Penguin Classics, 2013. pp XIII-XLI; 25; 45; 70; 186

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-10) TWENTIETH CENTURY DRAMA

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-10 TWENTIETH CENTURY DRAMA	4	3	1	0	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To familiarize students with drama of the 20th century with a focus on region and milieu.
- To enable an understanding of the various evolving sub genres of drama in the 20th Century.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to identify the generic differences contextualized by the socio-political interventions of the 20th Century.
- Students will learn of contemporary critical approaches to drama such as feminist, new historicist, etc.

SYLLABUS OF GE- 10

UNIT – I (15 Hours)

1. Bernard Shaw: *Saint Joan*

UNIT – II (15 Hours)

2. Arthur Miller: *Death of a Salesman*

UNIT – III (15 Hours)

3. Karnad, Girish. 'Broken Images', *Collected Plays: Volume II*. New Delhi: Oxford University Press, 2005. pp 261-284

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Stanislavsky, Constantin. 'Faith and the Sense of Truth', *An Actor Prepares*. United Kingdom: Bloomsbury Academic, 2013. pp 111-139

2. Steiner, George. 'On Modern Tragedy', *The Death of Tragedy*. London: Faber, 1995. pp 303–324

3. Worthen, W. B. *Print and the Poetics of Modern Drama*. United Kingdom: Cambridge University Press, 2005.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-11) CINEMATIC ADAPTATIONS OF LITERARY TEXTS

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-11 Cinematic Adaptations of Literary Texts	4	3	1	0	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce aspects of cinema studies and adaptation studies
- To consider the relationship between literature and cinema

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to Students will acquire knowledge of visual grammar across genres of film.
- This course will help understand how cinema deals with issues of literariness, translation and adaptation.

SYLLABUS OF GE- 11

UNIT – I (15 Hours)

1. Shakespeare: *Othello*

2. *Othello*. dir. Oliver Parker, 1995.

UNIT – II (15 Hours)

3. E M Forster: *A Passage to India*

4. *A Passage to India*. dir. David Lean, 1984.

UNIT – III (15 Hours)

5. Mario Puzo: *The Godfather*

6. *The Godfather*. dir. by Francis Ford Coppola, 1972.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Stam, Robert, et al. (ed.) *Literature and Film: A Guide to the Theory and Practice of Film Adaptation*. Taiwan: Wiley, 2005.

2. Cartmell, Deborah. (ed.) *A Companion to Literature, Film, and Adaptation*. United Kingdom: Wiley, 2014.

3. Monaco, James. 'The language of film: signs and syntax', *How to Read a Film: The World of Movies, Media & Multimedia*. New York: OUP, 2009. pp 170– 249

4. Hutcheon, Linda. 'On the Art of Adaptation', *Daedalus*. vol. 133, 2004.

5. Leitch, Thomas. 'Adaptation Studies at Crossroads', *Adaptation*. vol. 1, no. 1, 2008. pp 63–77

6. Trivedi, Poonam. 'Filmi Shakespeare', *Litfilm Quarterly*, vol. 35, issue 2, 2007.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-12) TRAVEL WRITINGS

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-12 Travel Writings	4	3	1	0	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To introduce students to the field of genre fiction
- To indicate the diversity of the field

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to analyse the differences and similarities between detective and science fiction.
- Students will be able to appreciate generic specifics of travel writings.

SYLLABUS OF GE- 12

UNIT – I (15 Hours)

1. Vikram Seth: *From Heaven Lake: Travels through Sinkiang and Tibet*

UNIT – II (15 Hours)

2. Amitav Ghosh: *Dancing in Cambodia; At Large in Burma*

UNIT – III (15 Hours)

3. Ved Mehta: *Walking the Indian Streets*

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Bassnett, Susan. 'Travel Writing and Gender', *Cambridge Companion to Travel Writing*. ed. Peter Hulme and Tim Young, Cambridge: CUP, 2002. pp 225-241

2. Khair, Tabish. 'An Interview with William Dalyrmple and Pankaj Mishra', *Postcolonial Travel Writings: Critical Explorations*. ed. Justin D Edwards and Rune Graulund, New York: Palgrave Macmillan, 2011. pp 173-184

3. Balton, Casey. 'Narrating Self and Other: A Historical View', *Travel Writing: The Self and The Other*. Routledge, 2012. pp 1-29

4. Mohanty, Sachidananda. 'Introduction: Beyond the Imperial Eyes', *Travel Writing and Empire*. New Delhi: Katha, 2004. pp ix –xx.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-13) CONTEMPORARY INDIA: WOMEN AND EMPOWERMENT

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-13 Contemporary India: Women and Empowerment	4	3	1	0	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To familiarize students with the basic theories about gender, be it feminism, queer studies or masculinity studies.
- To introduce students to literary texts that prioritise issues of gender in India.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to identify and contextualize gender politics at work within a text and read social change through the lens of gender.
- Students will be able to use the knowledge of gender theory and its evolution in their everyday life.

SYLLABUS OF GE- 13

UNIT – I (15 Hours)

Concepts

- Sex and Gender -- social construction of gender; socialisation into gender
- Femininities and masculinities -- normative gender privilege; heteronormativity

- Patriarchy -- history of the efforts to undo feminism

ESSENTIAL READINGS:

1. Kamble, Baby. 'Our Wretched Lives', *Women Writing in India: 600 BC to the Early Twentieth Century*. Eds. Susie Tharu and K Lalitha, Delhi: OUP, 1997. pp 307-311

2. Rassundari Devi, Excerpts from *Amar Jiban*, *Women Writing in India: 600 BC to the Early Twentieth Century*. Eds. Susie Tharu and K Lalitha, Delhi: OUP, 1997. pp 190-202

3. Begum Rokeya Shekhawat Hossain, 'Sultana's Dream', *Women Writing in India: 600 BC to the Early Twentieth Century*. Eds. Susie Tharu and K Lalitha, Delhi: OUP, 1997. pp 340-351

4. Geetha, V. *Patriarchy*. Kolkata: Stree, 2007. pp 3-61

UNIT – II (15 Hours)

Intersections

- Women and caste, religion, class, sexualities, race, disability
- Women and environment, technology, development
- Women and access to resources: employment, health, nutrition, education
- Women and reproductive work: singleness, marriage, motherhood, symbolical biological surrogacy and parenting, abortion, and other rights over own body

ESSENTIAL READINGS:

5. Devi, Mahasweta. 'Bayen', *Five Plays*. trans. Samik Bandyopadhyay, Calcutta: Seagull, 2009.

6. John, Mary. 'Feminism Poverty and the Emergent Social Order', *Handbook of Gender*. ed. Raka Ray, Delhi: Oxford University Press, 2012.

7. Kasturi, Leela. 'Report of the Sub-Committee Women's Role in Planned Economy National Planning Committee (1947)', *Feminism in India*. ed. Maitrayee Chaudhuri, Delhi: Zed, 2005. pp 136-155

8. Shiva, Vandana. Chapters 2 & 4, *Staying Alive: Women Ecology and Development*. Delhi: Kali for Women, 1989.

9. Vinodini, M.M. 'The Parable of the Lost Daughter', *The Exercise of Freedom*. eds. K. Satyanarayana and Susie Tharu, Delhi: Navayana, 2013. pp 164-77

UNIT – III (15 Hours)

Histories

- The women's question pre-Independence -- sati-reform, widow remarriage, debates around age of consent
- Women in the Independence movement, Partition
- Post-Independence campaigns -- against sexual harassment and rape, dowry, violence, debates around the Uniform Civil Code
- Public sphere participation of women -- in politics, in the workplace, in the economy, creating educational inclusion

ESSENTIAL READINGS:

10. Kumar, Radha. Chapters 2; 3; 7; 8; 11, *A History of Doing: An Illustrated Account of Movements for Women's Rights and Feminism in India 1800—1990*. Delhi: Zubaan, 1993.

11. Sangari, Kumkum. 'Politics of Diversity: Religious Communities and Multiple Patriarchies', *Economic and Political Weekly*. Vol. 3052, 1995.

12. Sarkar, Tanika. 'Rhetoric against Age of Consent: Resisting Colonial Reason and Death of a Child-Wife', *Economic and Political Weekly*. Vol. 2836, April, 1993.

13. Moon, Meenakshi and Urmila Pawar. Chapters 1; 5; 6, *We also made history: Women in the Ambedkarite Movement*. Delhi: Zubaan, 2008.

Practical component (if any) –
Students to examine the bare text of 4 laws (as set out in the Gazette of India) followed by discussion and analysis -- laws against dowry (The Dowry Prohibition Act 1961), against sex determination (Pre-Conception & Pre-Natal Diagnostics Act 1994), against domestic violence (Protection of Women from Domestic Violence Act 2005), against sexual harassment at the workplace (The Sexual Harassment of Women at Workplace Prevention Prohibition and Redressal Act 2013).

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Nair, Janaki. 'The Foundations of Modern Legal Structures in India', *Handbook of Gender*. ed. Raka Ray, Delhi: OUP, 2012.

2. Agnes, Flavia. 'Conjugality, Property, Morality and Maintenance', *Handbook of Gender*. ed. Raka Ray, Delhi: OUP, 2012.

3. *Indian Literature: An Introduction.* Delhi: University of Delhi, 2005.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-14) CULTURE & THEORY

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-14 Culture & Theory	4	3	1	0	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To familiarize students with the basic theories which they might fruitfully deploy when engaging with problems related to culture.
- To introduce students to critical texts that deal with the central problems in the analysis of modern culture.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to deal with the methodological breakthroughs that enable them to decipher culture.
- Students will be introduced to the possibilities of semiotic analyses of culture as it moves across differing often non-linguistic media.

SYLLABUS OF GE- 14

UNIT – I (15 Hours)

1. Hall, Stuart. 'Cultural Identity and Diaspora,' *Identity: Community, Culture, Difference*. Ed. J. Rutherford, London: Lawrence and Wishart, 1990.

2. Chekhov, Anton. 'The Bride', *Selected Works*. Moscow: Progress P, 1973.

UNIT – II (15 Hours)

3. Beauvoir, Simone de. 'Introduction', *The Second Sex*. London: Vintage 1997. pp 13-29

4. Sartre, Jean Paul. 'Intimacy', *The Wall*. trans. Alexander Lloyd Wisconsin, Hal Leonard Corp, 1995.

UNIT – III (15 Hours)

5. Foucault, Michel. 'What is an Author?', *Modern Criticism and Theory: A Reader*. ed. David Lodge with Nigel Wood, New Delhi: Pearson, 2007. pp 192-205

6. Mansfield, Katherine. 'The Voyage', *The Penguin Book of Short Stories*. ed. Christopher Dolley, Harmondsworth: Penguin, 1970.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Smith, Philip, and Riley, Alexander. *Cultural Theory: An Introduction*. Germany: Wiley, 2011.
2. Archer, Margaret Scotford, and Archer, Margaret S. *Culture and Agency: The Place of Culture in Social Theory*. United Kingdom: Cambridge University Press, 1996.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-15) LIFE AND LITERATURE

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-15 Life & Literature	4	3	1	0	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To study the ways in which art and literature is understood by engaging with aspects of form, taste and feeling.
- To analyze and understand the social and practical dimensions of aesthetics.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to appreciate of the ways in which different cultural modes of aesthetic function.
- Students will be able to critically study of life, art and literature in students.

SYLLABUS OF GE-15

UNIT – I (15 Hours)

1. Albom, Mich. *Tuesdays with Morrie*. Doubleday, 1997.

UNIT – II (15 Hours)

2. Bandyopadhyay, Bibhutibhushan. *Pather Panchali* (1929) trans. *The Song of the Road*. Penguin Modern Classics, 2019.

UNIT – III (15 Hours)

3. Murthy, Sudha. *Wise and Otherwise*. Penguin Random House, 2002.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Berne, Eric. *Games People Play: The Psychology of Human Relationships*. United States: Grove Press, 1964.

2. Kalam, A.P.J. Abdul. *My Journey: Transforming Dreams into Actions*. India: Rupa Publications India, 2013.

3. Richard Bach: *Jonathan Livingston Seagull*. 1970

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-16) INDIVIDUAL AND SOCIETY

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-16 Individual and Society	4	3	1	0	Passed Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To study the ways in which individual and society engage with each other across socio political and geopolitical contexts
- To analyze the texts and contexts that that enable such an engagement and continue to shape the world

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to inculcate an ability to evaluate the continuing significance of identity-construction and aesthetic representation.
- Students will be able to appreciate the way in which different modes of narratives reconfigure the relationships between individual and society.

SYLLABUS OF GE- 16

UNIT – I (15 Hours)

UNIT I: Caste and Class

1. Sood, Vinay, ed. Chapters 1-6, *The Individual and Society: Essays, Stories and Poems*. Delhi: Pearson, 2005.

UNIT – II (15 Hours)

UNIT II: Violence and War

2. Sood, Vinay, ed. Chapters 21-26, *The Individual and Society: Essays, Stories and Poems*. Delhi: Pearson, 2005.

UNIT – III (15 Hours)

UNIT III: Living in a Globalized World

3. Sood, Vinay, ed. Chapters 29-34. *The Individual and Society: Essays, Stories and Poems*. Delhi: Pearson, 2005.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings:

1. Béteille, André. *Caste, Class, and Power*. University of California Press, 1969.

2. Sharma, Kanhaiya Lal (ed.). *Caste and Class in India*. India, Rawat Publications, 1994.

3. Malešević, Siniša. *The Sociology of War and Violence*. United Kingdom: Cambridge University Press, 2010.

4. Karatzogianni, Athina (ed.). *Violence and War in Culture and the Media: Five Disciplinary Lenses*. United Kingdom: Taylor & Francis, 2013.

5. Held, David (ed.). *A Globalizing World? Culture, Economics, Politics*. United Kingdom: Routledge, 2000.

6. Yoshida, David, et al. *Living in a Globalized World*. Canada: Oxford University Press, 2007.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE) LANGUAGE COURSES

GENERIC ELECTIVES LANGUAGE COURSES (GE Language 1) English Language through Literature-II

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
English Language Through Literature-II	**4**	**3**	**1**	**0**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To develop in students the ability and confidence to process, understand and examine different kinds of texts-verbal and written-that they encounter in everyday life.
- To enable students to identify and understand social contexts and ethical frameworks in the texts they encounter.
- To encourage suitable research–to recognize sources; to distinguish fact from opinion/editorialization; produce objective versus subjective pieces
- To learn skilled comprehension; listening/reading; skimming; summarizing; précis writing; paraphrasing; note making
- To identify key topics/arguments/ideas
- To accomplish writing goals: creating an essay; writing a thesis statement; producing topic sentences; developing organised paragraphs; evolving the skill of producing suitable transitions between paragraphs
- To enable students to write in expository argumentative and descriptive modes

- To help students identify and use the characteristic features of various writing forms: letters; programmes reports/press-releases; newspaper; feature articles; fiction and nonfiction
- To enable students to choose between expository, argumentative, descriptive and narrative writing styles to assemble their own writing

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to inculcate confident expression.
- Students will be able to articulate their own views confidently as their language skills sufficiently empower them to converse, research and collate information from various textual sources—verbal or written.

SYLLABUS OF GE LANGUAGE-1-

UNIT – I (15 Hours)

UNIT 1-Understanding Fiction

1. Christie, Agatha. The Tuesday Night Club: A Miss Marple Short Story. United Kingdom, HarperCollins Publishers, 2012.

2. Mistry, Rohinton. 'The Ghost of Firozsha Baag' *Tales from Firozsha Bagh* McClelland & Stewart 1992

3. Joshi, Umashankar. 'The Last Dung Cake' *The Quilt from the Flea-market and Other Stories* Delhi: National Book Trust 2017

UNIT – II (15 Hours)

UNIT 2-Creating Your Own Voice

4. Sandford, Rachel and Thomas Quarmby, "Space, place, and identity: New pressures in the lives of young people". Young People, Social Media and Health. United Kingdom, Taylor & Francis, 2018.

5. Scott, C. P. "A Hundred Years", The *Manchester Guardian published on May 5, 1921.*

UNIT – III (15 Hours)

UNIT 3-Writing your own academic paper

6. Patel, Raj and Moore Jason. 'How the chicken nugget became the true symbol of our era' *The Guardian*, 8 May 2018

https://www.theguardian.com/news/2018/may/08/how-the-chicken-nugget-became-the-true-symbol-of-our-era Accessed 1 June 2022

7. Berger, John. *Ways of Seeing*. Penguin Books, 1972.

8. Latest editions of the MLA and APA style sheets

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings- NIL

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES LANGUAGE COURSES (GE Language 2) Digital Communication-II

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Digital Communication-II	**4**	**3**	**1**	**0**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To hone skills for online communication and provide interpersonal skills required in the digital world.
- To effectively present themselves in personal and professional capacities using online mediums.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to understand and learn globally emerging forms of digital communication in English and effectively communicate in their everyday contexts be it in social or professional situations.

SYLLABUS OF GE LANGUAGE-2

UNIT – I (15 Hours)

UNIT I-Curating Persona

1. Maintaining profiles (continuity: coherence, cohesion)

2. Innovating content (introducing new ideas, opinions, and facts: style and correctness)

3. Content writing (briefs, press releases, podcast scripts: concise, cohesion, coherence, clarity)

UNIT – II (15 Hours)

UNIT II-Making Institutional Profiles and networks

1. Writing about the institution (describing and assessing)

2. Building networks (compare, contrast, synthesize)

3. Updating Blogs and Vlogs (discourse markers)

UNIT – III (15 Hours)

UNIT III-Online Interactions and Diversity

1. Etiquettes for online interactions (chats, meetings, video conferences).

2. Ethics towards inclusive and integrated participation (addressing gender, ethnicity, special abilities)

3. Drawing boundaries in communication (obscenities, hostility, addressing disrespectful comments and feedback: changing register and tone of communication)

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings- NIL

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES LANGUAGE COURSES (GE Language 3) English Fluency-II

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
English Fluency-II	**4**	**3**	**1**	**0**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To describe or express their opinions on topics of personal interest such as their experiences of events, their hopes and ambitions.
- To read and understand information on topical matters and explain the advantages and disadvantages of a situation.
- To write formal letters, personal notes, blogs, reports and texts on familiar matters.
- To comprehend and analyse texts in English.
- To organise and write paragraphs and short essays in a variety of rhetorical styles.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to effectively communicate in their everyday contexts.
- Students will be equipped with skills that will help them interact with people around their personal, institutional and social spaces.

SYLLABUS OF GE LANGUAGE-3-

UNIT – I (15 Hours)

Unit 1-In the State

1. Research -- Filing an FIR, making an RTI request, submitting a consumer complaint

2. Active & Passive voice; idioms

- Find out what the procedure is for making a complaint about trees being cut in your neighbourhood
- Draft a formal letter requesting information about the disbursal of funds collected by a residents' welfare association

Suggested Readings:

1. *Where the Wild Things Are* by Maurice Sendak. Random House UK, 2000.

2. rtionline.gov.in/index.phpconsumerhelpline.gov.in/consumer-rights.php

3. www.jaagore.com/know-your-police/procedure-of-filing-fir

4. www.consumercomplaints.in/municipal-corporation-of-delhi-b100274

UNIT – II (15 Hours)

Unit 2-Interface with Technology

Book/film reviews

Punctuation

- Write a review of a text you have read in class
- Record a collaborative spoken-word review of the latest film your group have all seen

Suggested Readings:

5. Kennedy, Elizabeth. "Breakdown and Review of 'Where the Wild Things Are'." ThoughtCo, Jul. 3, 2019, thoughtco.com/where-the-wild-things-are-maurice-sendak-626391.

6. Brown, Dan. *Angels & Demons*. Pocket Books: UK. 2000.

7. *Angels & Demons*. dir. Ron Howard. 2009

UNIT – III (15 Hours)

Unit 3- Self-Representation

Introducing oneself, giving and seeking information.

Introduce characters from the texts you are reading.

Creating a profile for social media.

Creating a professional profile of oneself.

Dialogue writing, Paragraph writing – Brainstorming, planning/outline rough drafts, editing.

Intercultural Communication

Suggested Readings:

8. Ambedkar, B. R., and Ambedkar, Dr. Waiting For A Visa. India, Lector House, 2021.

9. Sharma, Natasha. *Squiggle Takes a Walk: All About Punctuation*. Penguin/Young Zubaan and Puffin: 2014.

10. Lorde, Audre. 'The Transformation of Silence into Language and Action', *Sister Outsider*. Random House: New York, 1984. pp. 40-44

11. Extract from *Haroun and the Sea of Stories: Salman Rushdie*. Penguin Books, New Delhi, 1991. pp. 15-23.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings: NIL

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES LANGUAGE COURSES (GE Language 4) Developing English Language Skills-II

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Developing English Language Skills-II	**4**	**3**	**1**	**0**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To enhance comprehension skills and enrich vocabulary through the reading of short and simple passages with suitable tasks built around these.
- To introduce simple syntactical structures and basic grammar to students through contextualized settings and ample practice exercises so that they can engage in short independent compositions.
- To introduce the sounds of the language and the essentials of English pronunciation to students in order to remove the inhibitions experienced by them while speaking English.
- To acquaint students with social formulae used to perform various everyday functions so that they can converse in English in simple situations.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to read and write in English with confidence.
- The course will help in increasing their proficiency in English, increase their vocabulary and improve their comprehension of syntactical structures

SYLLABUS OF GE LANGUAGE-4-

UNIT – I (15 Hours)

UNIT 1: READING & VOCABULARY – II

Ways of expanding vocabulary; learning how to use a dictionary; understanding more text types such as argumentative and descriptive passages, poetry, character sketches, etc. through suitable activities based on selected texts

Prescribed readings:

1. *A Foundation English Course for Undergraduates*: Book III. (Delhi: University of Delhi, 1993) pp 5 – 10, 27 – 29, 40 – 44, 81 – 83.

2. *Developing Language Skills 2* (Delhi: Doaba House, 1995) pp 43 – 51.

3. *Everyday English* (Delhi: Pearson, 2005) pp 36 – 43.

4. *English at the Workplace II* (Delhi: Oxford University Press, 2007) pp 32 – 37, 46 – 48.

UNIT – II (15 Hours)

UNIT 2: WRITING & GRAMMAR – II

Understanding what constitutes a piece of good writing; learning to describe objects and processes, narrate incidents and stories, and argue a point of view. Further topics in grammar: framing of questions and negative sentences; modals and their uses.

Prescribed readings:

5. *A Foundation English Course for Undergraduates*: Book II. (Delhi: University of Delhi, 1992) pp 115 – 130.

6. *A Foundation English Course for Undergraduates*: Book III. (Delhi: University of Delhi, 1993) pp 126 – 136.

7. *Developing Language Skills I* (Delhi: Manohar, 1997) pp 183 – 186, 206 – 209.

8. *Developing Language Skills 2* (Delhi: Doaba House, 1995) pp 112 – 116.

9. *English at the Workplace II* (Delhi: Oxford University Press, 2007) pp 49 – 52.

UNIT – III (15 Hours)

UNIT 3: SPEAKING & LISTENING – II

Understanding the essentials of English pronunciation: word stress and rhythm in connected speech; speaking on the telephone; becoming a better listener; expressions used for getting and giving permission, agreeing and disagreeing, warning and persuading, inviting, suggesting, accepting and refusing, expressing likes and dislikes, regulating speech and ending a conversation.

Prescribed readings:

10. *Developing Language Skills I* (Delhi: Manohar, 1997) pp 26 – 45.

11. *English at the Workplace* (Delhi: Macmillan, 2006) pp 52 – 57.

12. *English at the Workplace II* (Delhi: Oxford University Press, 2007) pp 10 – 13, 20 – 24, 38 – 45.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings- as listed in the units

Suggestive readings- NIL

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Hons.) Journalism
Category I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -4 (DSC-4) REPORTING AND EDITING FOR PRINT

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 4 Reporting and Editing for Print	**4**	**3**	**0**	**1**	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To learn the basic terminologies of print media with special emphasis on reporting.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to understand about reporting and editing for the print media.
- Students will be able to join any media organisation as a reporter or a sub-editor as they have grasped the basics of reporting and editing.

SYLLABUS OF DSC-4

UNIT – I (15 Hours)

UNIT I: Covering news and Interviewing

- Reporter- role and qualities
- Covering of beats- crime, courts, city reporting, health, education, sports
- Covering speeches, meetings and press conferences
- News agency reporting.
- Interviewing: doing the research, setting up the interview, conducting the interview

- News leads/intros, Structure of the news story– Leads: importance, types of lead
- Articles, features, types of features and human interest stories

UNIT – II (15 Hours)

UNIT II: Newsroom and Anatomy of a Newspaper

- Newsroom, Organizational setup of a newspaper, Editorial department
- Introduction to editing: Principles of editing, headlines; importance/functions/types of headlines, typography and style, language, style sheet, importance and selection of news pictures
- Role of sub/copy-editor, News editor and editor, chief of bureau, correspondents
- Editorial page: structure, purpose, edits, middles, letters to the editor, special articles, light leader, Opinion pieces, op ed page, columns /columnists
- Supplements, Backgrounders

UNIT – III (15 Hours)

UNIT III: Issues and trends in news reporting

- Tabloids, Issues of sensationalism and voyeurism
- Neighbourhood/Community newspapers
- Sociology of news: factors affecting news treatment, paid news, agenda setting, pressure in the newsroom, trial by media, gatekeepers.
- Objectivity and politics of news
- Fake news
- Neutrality and bias in news

Practical component (if any)- (30 Hours) - Students will undertake assignments based on covering the beats and writing reports / interviewing personalities and celebrities. Exercises and assignments on editing copies, writing headlines, writing features, structuring a dummy editorial page, writing editorials etc.

Essential/recommended readings-

1. Baskette and Scissors*, The Art of Editing*, Allyn and Bacon Publication, 1992

2. S.N. Chaturvedi, *Dynamics of Journalism and Art of Editing*, Cyber Tech Publications, 2007

3. Bruce Itule and Douglas Anderson, *News Writing and Reporting for Today's Media*. McGraw Hill Publication, 1987

4. Richard Keeble, *The Newspaper's Handbook.* Routledge Publication, 1994

5. MacDougall and Curtis Daniel, *Principles of Editorial Writing.* W.C. Brown Co. Publishers, 1973

6. F.W. Hodgson, *Modern Newspaper Practice*: *A Primer on the Press.* Focal Press, 1996

Suggestive readings-

1. Fred Fedler and John R. Bender, *Reporting for the Media*. Oxford University Press, 1997

2. Mencher, Melvin. *News Reporting and Writing*. MC Graw Hill, NY. 2003

3. Denis McQuail, *Mass Communication Theory*. Sage Publications, 1983

4. Fedler, Fred. *Reporting for the Print Media*, (2nd ed). Harcout, Bruce Jovanovich Inc., NY, 1979

5. Vartika Nanda*, Media Laws and Ethics.* Kanishka Publishers, 2018

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE–5 (DSC-5): ADVERTISING AND PUBLIC RELATIONS

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PREREQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-5 Advertising and Public Relations	4	3	1	0	Passed Class XII with English from List A in CUET	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To facilitate a deep understanding of the role and influence of the media in an individual's life. It will help the student to critically perceive the effects of the media use.

- To learn the concepts and skills required for advertising and public relations and the importance of effective brand positioning using integrated marketing communications.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to to critically evaluate advertisements and understand the importance of ethical practices in advertising and PR.
- Students will be able to work in any advertising agency as a copy writer/ content writer/ client servicing/ marketing professional and any Public Relations firm and work as a member of their team.

SYLLABUS OF DSC- 5

UNIT – I (15 Hours)

UNIT I: Introduction to Advertising: Concept, Trends and Regulatory Aspects

- Concept of Advertising – Importance and Functions
- Advertising Theories and Models – AIDA, DAGMAR Model, Maslow's Hierarchy Model, Cognitive Dissonance Theory, Stern's Model of Advertising Communication Process
- Types of Advertising and Classification of Advertising
- Economic, cultural, psychological and social aspects of advertising
- Ethical & Regulatory aspects of Advertising - Role of ASCI and Contemporary Case Studies
- Marketing Mix, Role of Advertising in Marketing Mix
- Market Segmentation, Positioning, Targeting and Branding
- Media Planning, Creativity and Copy Writing, Scheduling and Budgeting
- Advertising Department vs. Agency - Structure and Functions
- Campaign Planning, Creation and Production
- Emerging Trends in Advertising – Content Marketing, Native Advertising, AI and automation in Marketing, Augmented and Virtual Reality, User-generated Content, Affiliate Marketing

UNIT – II (15 Hours)

UNIT II: Digital Advertising and Marketing

- Digital, Social & Interactive Media for Advertising and Marketing
- Social Media Tools, Strategies, Tactics and Developing Social Networks
- Social Media Interactivity in Advertising
- Digital Influencers
- Digital Advertising – Ethics and Concerns
- Measurement Strategies and ROI

UNIT – III (15 Hours)

UNIT III: Public Relations - Concepts and Practices

- Introduction to Public Relations – Role, Importance and Functions of PR
- Publics in PR
- Principles and Tools of PR
- Organization of Public Relations: In House Department versus Consultancy
- PR in Government and Private Sectors
- Research for PR
- PR Strategies for Social Media
- PR Campaign - Planning, Execution, Evaluation
- PR in Political and Election Campaigns
- Role and Scope of PR in Crisis Management
- Corporate Social Responsibility and Image Management, Case Studies in CSR
- Ethical Issues in PR
- Apex bodies in PR - IPRA, PRSI Codes.

Practical component (if any) -

Essential/recommended readings-

1. Chunawalla, SA. *Advertising Theory and Practice*, Himalaya Publishing House. 2008

2. Jethwaney, Jaishri, *Advertising Management*, Oxford University Press, 2006

3. Jefkins, Frank. *Public Relation Techniques*, Butterworth-Heinmann Ltd, 1994

4. Cutlip S.M and Center A.H., *Effective Public Relations*, Prentice Hall, 1985

Suggestive readings (if any)-

1. David Ogilvy, *Ogilvy on Advertising*, Pan/Prion Books, 1983

2. Frank Jefkins, *Advertising Made Simple*, Rupa & Co., 1973

3. Heath Robert L, *Handbook of Public Relations*, Sage Publications, 2000

4. Dennis L. Wilcose & Glen T, *Public Relations*, Pearson, 2006

5. Kaul J.M., Noya Prakash, *Public Relation in India*, Calcutta, 1982

6. Belch George E., Belch Michael A., Purani Keyoor. *Advertising & Promotion, an Integrated Marketing Communications Perspective*. McGraw Hill, 2007

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE– 6 (DSC-6): INTRODUCTION TO BROADCAST MEDIA

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-6 Introduction to Broadcast Media	**4**	**3**	**0**	**1**	Passed Class XII with English from List A in CUET	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To help students grasp the skills of handling the cameras, shoot a story and will be able to gather and edit and report a story for television.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to understand the basic sound, image and visual concepts appreciate the visual grammar and visual perspectives and comprehend various elements in broadcast news.
- They will also be capable of anchoring, producing TV news bulletins and documentaries.

SYLLABUS OF DSC-6

UNIT – I (15 Hours)

UNIT I: Basics of Sound and Visual

- Sound-scape, Sound culture
- Types of sound-Sync, Non-Sync, Natural sound, Ambience Sound
- Microphone- Different kinds of microphones (dynamic, condenser, directional microphones)
- Basics of Sound Design
- What is a visual?
- Visual Culture in media studies
- Politics of an image
- Ecology of image

UNIT – II (15 Hours)

Unit II: Visual Grammar

- Basics of a Camera- (Lens & accessories)
- Camera Movement
- Types of shots, Focusing, Depth of field, Lighting
- Visual Perspective

UNIT – III (15 Hours)

UNIT III: Elements in Broadcast news

- Electronic News Gathering (ENG) & Electronic field Production (EFP) (Concept)
- Elements of a Television News Story: Gathering, Writing/Reporting.
- Elements of a Television News Bulletins
- Basics of Editing for TV- Basic Softwares and Techniques (for editing a news capsule)

Practical component (if any) – 30 Hours – Presentations, news bulletins in English and Hindi on national and private channels (as teaching material)

Essential/recommended readings-

1. Documentary--'The future of Television News'

Suggestive readings-

1. Zettl Herbert, Television Production Handbook. (Page nos: 20-80, 85-135), 1961

2. Robert c Allen and Annette Hill, The Television Reader, Routledge (Page no: 10- 40), 2004

3. P.C Chatterjee, Broadcasting in India, New Delhi, Sage (Page no: 25- 78), 1987

4. The Radio Handbook, by Carrol Fleming, Rout ledge (London & New York) (Page no: 47-105), 2002

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Pool of Generic Elective (GE) Courses
Offered by Department of English for Journalism
Category-IV

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES

GENERIC ELECTIVES (GE-10): MEDIA AND POPULAR CULTURE

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-10 Media and Popular Culture	**4**	**3**	**0**	**1**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To learn the process of structuring news formation for print publications as print journalists.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to understand the notion of Journalism and grasp the underlying factors that define the news.

The course will help the student to attain familiarity with the historical evolution of the media. It will enable the student to contextualize the developments of the media and its role though political and economic changes across the world. Students can work as media analysts and reviewers/ critics of media texts for various platforms.

SYLLABUS OF GE-

UNIT – I (15 Hours)

UNIT I: Understanding Culture

- Mass Culture, Popular Culture, Folk Culture
- Frankfurt School, Media as Cultural Industries
- Political Economy, Ideology and Hegemony
- Technological Determinism

UNIT – II (15 Hours)

UNIT II: Representation

- Media as Texts
- Signs and Codes in Media
- Uses and gratification approach
- Reception studies
- Representation of nation, class, caste and gender issues in media

UNIT – III (15 Hours)

UNIT III: Audiences

- Active audiences
- Women as audiences
- Sub Cultures; music and the popular,
- Fandom

Practical component (if any) (30 Hours)- Assignments can take rather creative forms like group blogging, journal entries, short films and posters. Students can be encouraged to do projects on analysis of TV shows, cultural symbols, folk performances and music shows. They can also take up challenging themes like the representation of caste, gender and nation in contemporary media.

Essential/recommended readings-

1. AS Media Studies: An Essential Introduction Edited by Philip Rayner, Peter Wall and Stephen Kruger, Routledge (Covers Unit II, III, IV and V)

2. John Fiske, 1982, Introduction to Communication Studies, Routledge (Covers Unit II, Ideology and Meanings and Unit III signs and codes)

3. Dennis McQuail, 2000, (fourth Edition) Mass Communication Theory, London, Sage (Covers Unit IV, Media Technologies)

4. Baran and Davis, Mass Communication Theory. Oxford University Press. 2020 (covers Unit II, III and IV)

5. John Storey. Cultural Theory and Popular Culture: An Introduction. London: Pearson Longman. 2009 (Covers Unit 1 and II and IV)

6. Kevin Williams, Understanding Media Theory. 1955-2011.Bloomsbury. 2003 (Covers Unit II, III and IV)

Suggestive readings-

1. Media Cultures by Nick Stevenson, 2002, Second Edition, SAGE.

2. Short Extracts from writings by Adorno and Horkheimer, Radway, Roland Barthes, Mcluhan

3. Parmar S. Traditional Folk Media in India, 1975, New Delhi, Geka Books

4. Chatterji, Roma. "Folklore and the construction of national tradition. "Indian Folklife (2005).

5. Rege, Sharmila. "Conceptualising Popular Culture:'Lavani' and 'Powada 'in Maharashtra." Economic and political weekly (2002): 1038-1047.

6. Uberoi, Patricia. "Feminine identity and national ethos in Indian calendar art." Economic and Political Weekly (1990): WS41-WS48.

7. Punathambekar, Aswin. "Reality television and the making of mobile publics: The case of Indian Idol." in The Politics of Reality Television, pp. 154-174.Routledge, 2010.

8. Ranganathan, Maya. “The archetypes of Sita, Kaikeyi and Surpanakha stride the small screen.” In Rodrigues, Usha M., and Maya Ranganathan. Indian news media: From observer to participant. SAGE Publications India, 2014.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-11): MEDIA LAWS & SOCIETY

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-11 Media Laws & Society	**4**	**3**	**1**	**0**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To understand the contemporary media practices through contemporary debates.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to grasp the nuances and the legal provisions laid down in the Constitution of India.
- They will also be able to work as journalists on legal issues as well as media researchers.

SYLLABUS OF GE-11

UNIT – I (15 Hours)

UNIT I: Ethical framework and media practice

- Freedom of expression (Article 19(1) (a) and Article 19(1)2)
- Freedom of expression and defamation- Libel and slander, Issues of privacy and surveillance in society
- Right to Information Idea of Fair Trial/Trial by Media
- Issues of Copyright
- Media ethics and cultural dependence
- Live reporting and ethics Legality and Ethicality of Sting Operations, Phone Tapping etc.
- Ethical issues in Social media (IT Act 2000, Sec 66 A and the verdict of The Supreme Court)

UNIT – II (15 Hours)

UNIT II: Representation, Regulation and ethics

- Advertisement and Women
- Pornography related laws and case studies- Indecent representation of Women (Prohibition) Act,1986 and rules 1987, Protection of Women against Sexual Harassment Bill, 2007, Sec 67 of IT Act 2000 and 292 IPC etc
- Regulatory bodies, codes and ethical guidelines
- Self-regulation, media content- Debates on morality and accountability: taste, culture and taboo, censorship and media debates

UNIT – III (15 Hours)

UNIT III: Media and Social Responsibility

- Media reportage of marginalized sections- children, dalits, tribals, gender, differently-abled, old-aged persons,
- media coverage of violence and related laws - inflammatory writing (IPC 353), Sedition- incitement to violence, hate Speech.

Practical component (if any) -

Essential/recommended readings-

1. Thakurta, Paranjoy Guha, Media Ethics, Oxford University Press, 2009 Barrie mc Donald and Michel petheran Media Ethics,mansell,1998

2. Austin Sarat Where Law Meets Popular Culture (ed.), The University of Alabama Press, 2011

3. Vikram Raghvan, Communication Law in India, Lexis Nexis Publication, 2007

4. Iyer Vekat, Mass Media Laws and Regulations in India-Published by AMIC, 2000

5. William Mazzarella, Censorium: Cinema and the Open Edge of Mass Publicity. Durham: Duke University Press, 2013. 304 pp.

Suggestive readings-

1. Raminder Kaur, William Mazzarella, Censorship in South Asia: Cultural Regulation from Sedition to Seduction. Taylor & Francis Ltd. 2012
2. Linda Williams, Hard Core: Power, Pleasure, and the "Frenzy of the Visible". University of California Press. 1999

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-12) BASICS OF SPORTS JOURNALISM

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE 12 - Basics of Sports Journalism	**4**	**3**	**1**	**0**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To understand the basics of Sports journalism in India and list down various policy making bodies functioning in India & abroad.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to demonstrate abilities to do sports reporting for print and electronic media as sports journalists.

SYLLABUS OF GE-12

UNIT – I (15 Hours)

Unit 1 Introduction to Sports:

- Sports in India: A Historical Perspective Sports Journalism: Concept & History
- Major national and international sports events Profile of outstanding sports personalities

UNIT – II (15 Hours)

Unit 2: Sports Policy making

- Sports regulatory/ governing bodies in India (Ministry of Sports, SAI, BCCI, IHA, etc)
- International Sports Organisations (FIFA, IOC, etc)
- Sports Budget by Indian Government

UNIT – III (15 Hours)

Unit 3: Sports Reporting:

- Sports Coverage by Print Media (Sports News, Sports Photography, Sports Features, Interviews)
- Sports Magazines
- Sports Coverage by Television (Sports TV Channels, Commentary & Broadcasting on TV, Special Programmes on Sports, Live Telecasts, Writing Sports News for TV) Sports Coverage by Radio (Commentary & Broadcasting on Radio, writing sports news for radio)
- Sports Newsroom
- Gender Neutral Reporting

Practical component (if any) -

Essential/recommended readings-

Suggestive readings-

1. Srinivas Rao. "Sports Journalism". Khel Sahitya Kendra; 2009.

2. Prasidh Kumar. "Sports Journalism". Pinnacle Technology. 2010.

3. Phil Andrews. "Sports Journalism: A Practical Introduction". SAGE Publications Ltd. 2013.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-13): FILM APPRECIATION & CRITICISM

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-13 Film Appreciation & Criticism	**4**	**3**	**0**	**1**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To develop an understanding of the visual language of cinema.
- To understand cinema beyond its entertainment value.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be equipped them with the skills required for becoming film reviewers/ critics.

SYLLABUS OF GE-13

UNIT – I (15 Hours)

UNIT I: Language of Cinema

- Language of Cinema I – Focus on visual Language: Shot, Scene, Mis-en-scene, Deep focus, Continuity Editing, Montage
- Focus on Sound and Color: Diegetic and Non-Diegetic Sound; Off
- Screen Sound; Sync Sound; the use of Color as a stylistic Element

Recommended Screenings:

1. Rear Window (1954) Alfred Hitchcock (Language of Cinema

2. Battleship Potempkin (1925) Sergei Eisenstein (Language of Cinema)

3. Man with a Movie Camera (1929) Dziga Vertov

UNIT – II (15 Hours)

UNIT II: History of Cinema

- German Expressionism and Film Noir
- Italian Neo-realism
- French New-Wave
- Genre and the development of Classical Hollywood Cinema (Western, Film Noir, Musicals)
- Beginning of Indian Cinema (Phalke, Silent Cinema)
- Arrival of Sound to Post Independence Era
- The Indian New-Wave
- Globalisation and Indian Cinema

Recommended Screenings:

1. Rome Open City (1945) by Roberto Rosselini (Italian Neo Realism)

2. Metropolis (1927) Fritz Lang/ German Expressionism

3. Double Indemnity (1944) Billy Wilder (Film Noir)

4. Breathless (1960) Jean Luc Godard (French New Wave)

UNIT – III (15 Hours)

UNIT III: Alternative Visions

- Third Cinema
- Non Fiction Cinema
- Introduction to Feminist Film Theory
- Auteur- Film Authorship with a special focus on Satyajit Ray or Hitchcock

Recommended Screenings:

1. Pather Panchali (1954) Satyajit Ray

2. Clips from the hour of the Furnaces (1968) by Fernando Solanas

3. Battle of Algiers (1966) Gille Pontecorvo (Third cinema)
4. Nanook of the North (1922) Robert Flaherty (Non-Fiction Cinema)
5. Nishant (1975) Shyam Benegal (Indian New wave)
6. Pyaasa (1957) Guru Dutt
7. Mother India (1957) Mehboob Khan
8. Jagte Raho (1956) Raj Kapoor

Practical component (if any) – Suggested Film screenings**- 30 Hours**

Students are required to watch films associated with diverse film movements and critically analyse film texts. They are expected to watch at least one film from each unit and do a semiotic analysis of two scenes from each film.

Students are also required to refer to journals/blogs on the works of noted Indian film makers (Satyajit Ray, Guru Dutt, Shyam Benegal et.al)

Students should also undertake studies to examine debates in public sphere around commercial films. They can also have discussions in groups to enhance their understanding of visual language of cinema.

Essential/recommended readings-

1. Villarejo, Amy. *Film studies: The Basics*. Routledge, 2006. (For Unit I) P 1-54
2. A Nowell –Smith.G.*The Oxford History of World Cinema. Oxford: Oxford University Press,* 1996. (Unit II, III, IV)
3. Duggal, Menon & Bhattacharya. Film Studies: An Introduction, Worldview Publications, New Delhi, 2019. (For Unit I, II, IV and V)

4. Mishra, Vijay. Bollywood cinema: Temples of desire. Routledge, 2013. (Chapter 3, Chapter 4, Chapter 5)

Suggestive readings-

1. Anandam P. Kavoori & Punanthambekar Eds. *Global Bollywood*, New York: New York University Press. 2008. Pages 17-41, 223-240
2. Paul Schrader —Notes on Film Noir in John Belton ed. Movies and Mass Culture New Brunswick, New Kersey: Rutgers University Press: 1996 pg.153-17
3. Robert Stam, "The Cult of the Auteur," in *Film Theory: An Introduction*. Massachusetts &Oxford Blackwell Publishers: 2000
4. Andre Bazin, —The Ontology of the Photographic Image‖ from his book: What is Cinema Vol. I Berkeley, Los Angeles and London: University of California Press: 1967, 9-16
5. Sergei Eisenstein, —A Dialectic Approach to Film Form‖ from his book Film Form: Essays in Film Theory (Edited and Translated by Jay Leyda) San Diego, New York, London: A Harvest/Harcourt Brace Jovanovich, Publishers: 1977, 45-63
6. Tom Gunning, "Non-continuity, Continuity, and Discontinuity: A theory of Genres in Early Films," in Thomas Elsaesser, ed. Early Cinema: Space, Frame, Narrative. London: British Film Institute, 1990,86-94
7. David Bordwell, "Classical Hollywood Cinema: Narrational Principles and Procedures" in Philip Rosen, ed. Narrative, Apparatus, Ideology. New York: Columbia University Press, 1986, 17-34.
8. Richard Dyer —*Heavenly Bodies: Film Stars and Society*‖ *in Film and Theory: An Anthology* Massachusetts, U.S.A & Oxford, U.K: Blackwell Publishers: 2000, 603-617
9. Madhava Prasad. Ideology of Hindi Film New Delhi: Oxford University Press. 1998

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-): 14 WAR REPORTING

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-14 War Reporting	**4**	**3**	**0**	**1**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To train students to apply a historical perspective to the media coverage of conflict and war reporting.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to develop an in-depth awareness of the difficulties involved in conflict reporting while keeping in mind ethical standards to their analysis of conflict reporting as war and conflict journalists.

SYLLABUS OF GE-14

UNIT – I (15 Hours)

Unit 1: Introduction

- Conflict Reporting and War Reportage: Concepts
- Information warfare and dominance
- Issues & Obstacles in war reporting
- Dimensions of War Coverage: Organizations and Reporters
- Working lives of War Correspondents
- Components and themes in war reporting, construction of 'enemy'
- Concept of 'hybrid war'

UNIT – II (15 Hours)

Unit II: Issues

- Risks and Risk Management, Threats to personal safety
- Objectivity, Rationality and accuracy of media coverage
- Competing narratives & Viewpoints
- Cultural differences in reporting the war on terror
- Challenges of reporting from a foreign land

UNIT – III (15 Hours)

Unit III: Challenges and Ethical Concerns

- Media Opinions and Advocacy
- Contemporary changes in warfare & Media environment
- Women in war reporting: discrimination, derogatory attitudes, sexual harassment
- News Media Visuals, Images of death spectacle
- Technological developments and its uses in war
- Digital Platforms, blogs, Twitter, chats

Practical component (if any) – 30 Hours

The students are expected to do projects, critically examining the coverage of wars in each phase of development of the media. The students must submit write ups on the reporting of wars in relation to the limitations of technology in each phase of the media beginning from the

coverage from the era of print journalism to the present times. Debates and discussions will be held on the issues of conflict and the role of international bodies in the call for peace. The students must submit projects on the ethical dimensions of war reporting with reference to global audiences and the pressures of professionalism vs. patriotism. They must write a critical report comparing the reportage of war on traditional/mainstream media with posts/reports on social media platforms of the Russian-Ukraine war and its implications on international politics and economy.

Essential/recommended readings-

Suggestive readings-

1. Armoudian, Maria. 2016. *Reporting from the Danger Zone: Frontline Journalists, Their Jobs and an Increasingly Perilous Future.* Introduction, Chapter Two & Conclusion

2. Wolfsfeld, Gadi. 2015. "Telling a Good Story." In *Making Sense of Media & Politics*. Routledge.

3. Galtung, Johan, and Dietrich Fischer. 2013."High road, low road: Charting the course for peace journalism." *Johan Galtung*. Springer Berlin Heidelberg. 95-102. http://reference.sabinet.co.za/webx/access/electronic_journals/track2/track2_v7_n4_a4.htm

4. Jakobsen, Peter Viggo. 2000. "Focus on the CNN Effect Misses the Point: The Real Media Impact on Conflict Management is Invisible and Indirect." *Journal of Peace Research*. Vol. 37, No. 2 (p. 131-143).

5. Lance Bennett: When the Press Fails. University of Chicago Press. Introduction.

6. Cull, Nicholas. 2009. *Annals of the American Academy of Political and Social Science*. Vol. 616, Public Diplomacy in a Changing World (Mar., 2008), pp. 31-54.

7. Seib, Philip. 2010. "Transnational journalism, public diplomacy, and virtual states." *Journalism Studies*5: 734-744.

8. Norris, Pippa. 2003. Montague Kern & Marion Just. "The Lessons of Framing Terrorism." In *Framing Terrorism*.

9. Bolt, Neville. 2011. "Conclusion." From The Violent Image." Columbia University Press.

10. Rutkin, Aviva. 2016. "Cyberwar becomes official." *New Scientist*.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-15): INVESTIGATIVE REPORTING

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-15 Investigative Reporting	**4**	**3**	**0**	**1**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To understand and analyse the key areas of investigative journalism.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to creatively and meaningfully engage with the investigative journalism as investigative reporters.

SYLLABUS OF GE-

UNIT – I (15 Hours)

Unit 1: Introduction to Investigative Journalism

- Investigative Reporting: History, Concept, Process & News values
- Investigative Journalist- Qualities, Career & Opportunities
- Use of Sting Operations, Internet / Social media, Right to Information for Investigative Reporting
- Case Study: Panama Papers and Watergate Scandal

UNIT – II (15 Hours)

Unit 2: Sources

- News Sources – Traditional and new media
- Confidentiality of Source (On/Off the record)
- Fact Checking Process
- Variables of Information: Sources; Social media feeds, eye witness, over hearing, propaganda, whistle blowers

UNIT – III (15 Hours)

Unit 3: Ethical Issues and Concerns

- Ethico-legal Coefficient
- Right to Privacy
- Accuracy & Conflict of Interest
- Plagiarism

Practical component (if any) - Teachers to give cases to students to investigate and file a project report. **-30 Hours**

Teachers to give cases to students to investigate and file a project report.

Students are required to thoroughly study noteworthy works in the history of investigative journalism in the global and Indian context. (For example, The Washington Post and the Guardian Report on the NSA surveillance in 2013, Open Magazine's publication of Nira Radia Tapes in 2010 etc.)

They should also undertake projects examining the ethical concerns associated with the works of the investigative journalists with a focus on sting operations in India.

Essential/recommended readings-

Suggestive readings-

1. Nazakat, Syed, A Manual for Investigative Journalism, Singapore: Drummond, 2010.

2. Pilger, John, Tell Me No Lies: Investigate Journalism and its Triumphs, New York: Vintage Digital, 2011.

3. Spark, David, Investigative Reporting: A Study in Technique, London: Focal Press, 2012.

4. Mazzett's, Mark, The way of the Knife: The CIA, a secret Army, and a war at the Ends of the Earth, New York: Penguin Press, 2014.

5. Gaines, William C., Investigative Journalism: Proven Strategies for Reporting the Story, Washington DC: CQ Press, 2007.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-16) CONTENT AND BRAND MARKETING

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-16 Content and Brand Marketing	**4**	**3**	**0**	**1**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To learn the importance of content writing and brand marketing and the various ways in which strategies can be made using available tools to advertise and market content for brands.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to to advertise and market content for brands as marketing professionals in advertising and other related fields.

SYLLABUS OF GE-16

UNIT – I (15 Hours)

Unit I Foundational Concepts

- Content and brand marketing, scope and advantages
- Content Creation Framework
- ROI-focused meaningful content strategy
- Working with Influencers
- Understanding keywords

UNIT – II (15 Hours)

Unit II Tools and Strategies

- Brand Strategy and Goals
- Organic and Paid Promotion
- Topic discovery and content creation

- Content promotion techniques
- SEO, blogs, newsletters, e-books, forums/discussion boards, videos, social media channels

UNIT – III (15 Hours)

Unit III Content Management

- Audience discovery, personas and brand content styles
- Editorial calendar and maintenance
- Metrics and measurement
- Building an authority presence

Practical component (if any) - The students will conceive and produce content and brand marketing plans outlining goals and strategies. They will also use tools and techniques to create campaigns.

30 Hours

Essential/recommended readings-

1. Pam Didner. Global Content Marketing: How to Create Great Content, Reach More Customers, and Build a Worldwide Marketing Strategy that Works. 2014. McGraw Hill Education

2. Robert Rose, Joe Pulizzi. Managing Content Marketing The Real-World Guide for Creating Passionate Subscribers to Your Brand. 2017. CMI Books

3. Jan-Benedict Steenkamp. Global Brand Strategy World-wise Marketing in the Age of Branding. 2017. Palgrave Macmillan UK

4. Timothy Garrand. Writing for Multimedia and the Web: A Practical Guide to Content Development for Interactive Media. 2020. CRC Press

Suggestive readings-

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-17) SOCIAL MEDIA AND GOVERNANCE

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-17 Social Media and Governance	**4**	**3**	**0**	**1**	Passed Class XII	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To understand the use of social media for governance by businesses and the government as well as the ethical issues and challenges faced in such communication on different platforms.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, students will be able to receive practical know-how on understanding, implementing, and managing main stream social media tools (e.g., blogs and micro-blogs, social network sites, and content communities) from a public sector and private sector perspective for working as public policy and communication officers in various organisations.

SYLLABUS OF GE-17

UNIT – I (15 Hours)

Unit I Understanding governance and social media

- Key elements of governance through communication
- Social media in Business and Government, benefits and impact
- Influencing public and social perception
- Democracy and engagement
- Governance Transparency
- Developing Social Media Goals and Strategies

UNIT – II (15 Hours)

Unit II Social Media Applications and Practices

- Virtual Campaigning and Outreach
- Health Communication

- Public Policy Dissemination
- Governance Feedback and Redressal
- Branding and Identity
- Crisis Management

UNIT – III (15 Hours)

Unit III Ethical and Regulatory Challenges

- Digital Media Ethics Code
- Classified and sensitive information
- Misinformation, fake news, propaganda and political polarization
- Online hate speech
- AI, Bots and automation of information dissemination
- Data mining, issues of privacy and surveillance

Practical component (if any) - The students will prepare case studies of the use of social media for governance in Business and/or Government. **30 Hours**

Essential/recommended readings-

1. Jeremy Harris Lipschultz. *Social Media Communication: Concepts, Practices, Data, Law and Ethics*, 2020, Taylor and Francis

2. Asha Kaul, Vidhi Chaudhri. *Corporate Communication Through Social Media Strategies for Managing Reputation*. 2017, Sage

3. Bu Zhong. *Social Media Communication Trends and Theories*, 2021, Wiley

4. Lucinda L. Austin, Yan Jin. *Social Media and Crisis Communication*. 2017, Taylor and Francis

5. Staci M. Zavattaro, Thomas A. Bryer. *Social Media for Government Theory and Practice*. 2016, Taylor and Francis

6. Gohar F. Khan. *Social Media for Government: A Practical Guide to Understanding, Implementing, and Managing Social Media Tools in the Public Sphere*, 2017, Springer

7. Tim Highfield. *Social Media and Everyday Politics*. 2017. Polity Press

8. Joshua A. Tucker, Nathaniel Persily. *Social Media and Democracy: The State of the Field, Prospects for Reform*. 2020. Cambridge University Press

Suggestive readings-

1. Kerric Harvey. *Encyclopaedia of Social Media and Politics*. Volume 2. 2013. Sage.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DEPARTMENT OF PERSIAN

BA (Hons.) Persian

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4: Persian Prose – Level II

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course:

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Persian Prose-Level - II	4	3	1	0	Class XII pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To make students acquainted with some prose writers with their specimens of prose.
2. To equip the students with basic Persian prose writing.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By studying this course, the students will be able to get acquainted with Persian prose writing by Iranian writers
- By studying this course, they shall get to know different prose styles by famous Iranian prose writers like Saadi Shirazi and Hakim Abu Ali Sina.

SYLLABUS OF DSC-4

UNIT – I (9 Hours)

- Benam-e-Khoda
- Murghabi-e-Laakposht
- Gurg-o-Gao
- Faryad Baraye Azadi
- Ba Haivanaat Mehrebaan Basheem
- Ferdausi
- Dehqan-e-Fidakaaar
- Rubah-o-Khuroos

UNIT – II (9 Hours)

- Sa'adi Shiraazi

- Dehqan-o-Gunjishk
- Umar Khayyam
- Sangpush-o-Gavazn
- Luqman Hakeem
- Neki-o-Badi
- Abu Ali Sina
- Madar Ra Dil Misuzad Dayi Ra Daman

UNIT – III (9 Hours)

- Life and works of Prose writers: Saadi Shirazi, Hakim Abu Ali Sina

UNIT – IV (9 Hours)

- Reading and writing of the lessons with their exercises given at the end of the chapters

UNIT – V (9 Hours)

- Translation of passages from Persian to English or Hindi or Urdu language and vice-versa of above mentioned writers

Essential/recommended readings:

1. Farsi Duvvum-e-Dabistan, Vizarat-e-Amozish-e-Parvarish, Iran
2. Farsi Sivvum-e-Dabistan, Vizarat-eAmozish-e-Parvarish, Iran
3. Farsi Chaharum-e-Dabistan, Vizarat-e-Amozish-e-Parvarish, Iran
4. Kitabe-Farsi Baraye Class hae diplom
5. Bagh-e-Mehrebaniha by Rahmat Dost, Mostafa. Madraseh Publication, Tehran, Iran, 1374 A.H./1995 A.D.

Suggestive readings

1. Farsi Dastoor by Kiya Khanlari, Dr. Zehra. Idarah-eAdabiyat, Jayyed Press, Ballimaran, Delhi110 006
2. Shafaq, Raza Zadeh: Tareekh-e-Adabyat-e-Iran, tr. by Syed Mubarizuddin Rafat, Nadvatul Musannefin, Urdu Bazar, Jama Masjid, Delhi-110 006. 1993.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5: Introduction to Persian Poetry

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course:

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Persian Poetry	4	3	1	0	Class XII pass	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To equip the students with some prominent poets with their specimen
2. To enable the students to know the basics of Persian poetry writing

Learning outcomes:

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By learning this course, students will come to know the basics of Persian poetry writing
- By learning this course, students will be able to know the different poetic styles by famous Iranian poets like Abul Qasim Ferdausi, Saadi Shirazi and Umar Khayyam.

SYLLABUS OF DSC- 5

UNIT – I (9 Hours)

- Benam-e-Khoda
- Kitab-e-Khoob
- Qudrat-e-Khoda
- Mihan-eKhish ra kuneem Abaad
- Rubah-o-Zaagh
- Subh
- Madar

UNIT – II (9 Hours)

- Darakhtkaari
- Khana-e-Maa
- Khursheed-e-Mehrebaan
- Az Khudam Ranjeedam
- Maiazaar Moori ki Daanekash Ast
- Gurg-o-Sag
- Ranj-o-Ganj

UNIT – III (9 Hours)

- Life and works of poets: Abul Qasim Ferdausi, Saadi Shirazi, Umar Khayyam

UNIT – IV (9 Hours)

- Reading and writing of the poems with their exercises given at the end of the chapters
- Write the stanzas into simple Persian

UNIT – V (9 Hours)

- Translation of stanzas from Persian to English or Hindi or Urdu language

Essential/recommended readings:

1. Farsi Duvvum-e-Dabistan, Vizarat-e-Amozish-e-Parvarish, Iran
2. Farsi Sivvum-e-Dabistan, Vizarat-eAmozish-e-Parvarish, Iran
3. Farsi Chaharum-e-Dabistan, Vizarat-e-Amozish-e-Parvarish, Iran
4. Kitabe-Farsi Baraye Class hae diplom
5. Bagh-e-Mehrebaniha by Rahmat Dost, Mostafa. Madraseh Publication, Tehran, Iran, 1374 A.H./1995 A.D.

Suggestive readings:

1. Farsi Dastoor by Kiya Khanlari, Dr. Zehra. Idarah-eAdabiyat, Jayyed Press, Ballimaran, Delhi110 006
2. Shafaq, Raza Zadeh : Tareekh-e-Adabyat-e-Iran, tr. by Syed Mubarizuddin Rafat, Nadvatul Musannefin, Urdu Bazar, Jama Masjid, Delhi-110 006. 1993.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 6: Introduction to Persian Rhetoric

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course:

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Persian Rhetoric	4	3	1	0	Class XII pass	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To acquaint the students with Persian rhetoric.
2. To familiarize the students with Persian Asnaf-e-Sukhan.

Learning outcome:

- By learning this course, students will come to know the basics of Persian rhetoric.
- By learning this course, students will be able to know the different Asnaf-e-Sukhan prevalent in Persian poetry

SYLLABUS OF DSC-6

UNIT – I (9 Hours)

- Asnaf-e-Sukhan: Nazm, Sher, Ghazal, Matla, Maqta, Radeef

UNIT – II (9 Hours)

- Qafia, Takhallus, Qitaa, Rubai, Qasida-o-Ajzai Qasida

UNIT – III (9 Hours)

- Masnavi, Hamd, Naat, Manqabat, Marsia, Hajv

UNIT – IV (9 Hours)

- Sanaye-e-Maanvi: Tazad, Iyham, Mirat-un-Nazeer, Mushaklat, Laf-o-Nashr, Jam-o-Taqseem, Mubalgha, Tazmeen

UNIT – V (9 Hours)

- Sanaye-e-Lafzi: Tajnees, Tashbih, Esteara, Kinayah

Essential/recommended readings:

1. She'r-ul-Ajam, by Shibli Nomani, Vol. I-V, Shibli Academy, Azamgarh.
2. A History of Persian Language and Literature at the Mughal Court (Part I and II) Allahabad, 1929-30.
3. Aaina-e-Balaghat by Mohd Askari, Lucknow, 1937
4. Dars-e-Balaghat, NCPUL New Delhi1997
5. Sirus Shamisa: Anwa'-e-Adabi, Intesharat-e-Firdos, Tehran, Iran, 1383/2004.

Suggestive readings:

1. A History of Persian Language by Ansari, Dr. Noorul Hasan. Idara-e-Adabiyat-e-Delhi, Delhi110 006.Vol. I, 1982.

Category II

Persian Courses for Undergraduate Programme of study with Persian as one of the Core Disciplines

(B.A. Programmes with Persian as Major discipline)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-1): Persian Prose: Some Selections

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course:

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Persian Prose: Some Selections	4	3	1	0	Class XII pass	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To equip the students with Simple Persian Prose
2. To acquaint the students with Iranian culture through Modern Persian Prose

Learning outcomes:

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By learning this course, the students will be acquainted simple Persian prose
- By learning this course, the students will be acquainted with Iranian culture through samples of Modern Persian prose

SYLLABUS OF DSC-1

UNIT – I (9 Hours)

Persian Prose: Some Selections

The following lessons only:

- Faslha-i-Saal
- Zimistan-o-Tabistan
- Bahar
- Mazandaran
- Ruznameh
- Jashn-e-Nauruz

UNIT – II (9 Hours)

- Jashn-e-Mehregaan
- Jashn-e-Sadeh
- Firdausi

- Sa'di Shirazi
- Umar Khayyam (two parts)
- Chaupan-e-Durughgo

UNIT – III (9 Hours)

- Dahqaan-e-Fidakaar
- Shaban-o-Gusfand
- Kudak-e-Hushyaar
- Gawahi-e-Darakht
- Se Duzd-e-Harees
- Eidi

UNIT – IV (9 Hours)

- Comprehension and Translation from Persian to English, Hindi or Urdu

UNIT – V (9 Hours)

- Explanation of a chapter in English, Hindi, or Urdu

Essential/recommended readings:

1. Kitab-e-Farsi: Baraye Classha-e-Muqaddemati, Department of Persian, University of Delhi, Delhi-110 007.
2. Kitab-e-Farsi: Baraye Class-hae Diplom, Department of Persian, University of Delhi, Delhi110 007.
3. Kitab-e-Farsi: B.A. (Prog.), Part-I/II/III, Department of Persian, University of Delhi, Delhi-110 007
4. Nisab-e-Jadeed Farsi, Jayyad Press, Ballimaran, Delhi-110 006. -
5. Baghcheban,Saminah:Farsi Barai Ghair Farsi Zabanan, Idarah-e-Adabiyat-e-Dehli, Ballimaran,Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 2: Introduction to Sufistic literature in India

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course:

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Sufistic literature in India	4	3	1	0	CLASS XII PASS	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To equip the students with the introduction of Sufistic literature of India
2. To acquaint the students with the life and works of famous Sufis of India

Learning outcomes:

The Learning Outcomes of this course are as follows:

1. By learning this course, the students will be introduced with Sufistic literature of India
2. By learning this course, the students will get acquainted with the life and works of famous Sufis of India

SYLLABUS OF DSC-1

UNIT – I (12 Hours)

- Kashf-ul Mahjub
- Life and works of Jalali Hujveri, Shaikh Abul-Hasan Ali bin Usman

UNIT – II (12 Hours)

- Khair-ul-Majalis
- Life and works of Nasiruddin Chiragh Delhi

UNIT – III (12 Hours)

- Fawaid-ul-Fuwad
- Life and works of Hazrat Nizamuddin Awliya

UNIT – IV (9 Hours)

- Introduction to History of Sufism in India
- Impact of Sufism on Indian society

Essential/recommended readings:

1. Shafaq, Razazadeh: Tarikh-e-Adabiyat-e-Iran, Translated in Urdu by Sayyed Mubarizuddin Raf'at, Kutubkhana, Khurshidia, Urdu Bazar, Lahore, 2014.
2. Nizami, K. A., Tarikh-e-Masha'ikh-e-Chisht, Delhi, Idara-e-Adabiyyat-e-Dilll (Urdu), 1980–5

Category III

(B.A. Programmes with Persian as non-Major or Minor discipline)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course:

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Persian Prose: Some Selections	4	3	1	0	Class XII pass	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To equip the students with Simple Persian Prose
2. To acquaint the students with Iranian culture through Modern Persian Prose

Learning outcomes:

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By learning this course, the students will be acquainted simple Persian prose
- By learning this course, the students will be acquainted with Iranian culture through samples of Modern Persian prose

SYLLABUS OF DSC-1

UNIT – I (9 Hours)

Persian Prose: Some Selections

The following lessons only:

- Faslha-i-Saal
- Zimistan-o-Tabistan
- Bahar
- Mazandaran
- Ruznameh
- Jashn-e-Nauruz

UNIT – II (9 Hours)

- Jashn-e-Mehregaan
- Jashn-e-Sadeh
- Firdausi
- Sa'di Shirazi
- Umar Khayyam (two parts)
- Chaupan-e-Durughgo

UNIT – III (9 Hours)

- Dahqaan-e-Fidakaar
- Shaban-o-Gusfand
- Kudak-e-Hushyaar
- Gawahi-e-Darakht
- Se Duzd-e-Harees
- Eidi

UNIT – IV (9 Hours)

- Comprehension and Translation from Persian to English, Hindi or Urdu

UNIT – V (9 Hours)

- Explanation of a chapter in English, Hindi, or Urdu

Essential/recommended readings:

1. Kitab-e-Farsi: Baraye Classha-e-Muqaddemati, Department of Persian, University of Delhi, Delhi-110 007.
2. Kitab-e-Farsi: Baraye Class-hae Diplom, Department of Persian, University of Delhi, Delhi110 007.
3. Kitab-e-Farsi: B.A. (Prog.), Part-I/II/III, Department of Persian, University of Delhi, Delhi-110 007
4. Nisab-e-Jadeed Farsi, Jayyad Press, Ballimaran, Delhi-110 006. -
5. Baghcheban,Saminah:Farsi Barai Ghair Farsi Zabanan, Idarah-e-Adabiyat-e-Dehli, Ballimaran,Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES OFFERED BY THE DEPARTMENTS

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course:

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Intermediary level Persian	**4**	**3**	**1**	**0**	**12th Pass**	**Student should have studied GE-1 of 1st semester**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To make the students equipped with intermediary level Persian
- To make the students more efficient to form Persian sentences
- To make the students more fluent in Persian language

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By learning this course, the students will be equipped with intermediary level Persian
- By learning this course, the students will be more efficient to form Persian sentences
- By learning this course, the students will be more fluent in Persian language

SYLLABUS OF GE-4

UNIT – I (9 Hours)

- Use of verbs in Present, Past and Future tenses
- Opposite words
- Degrees
- Personal and Possessive Pronouns
- Objectives, Compound Verb and Relative Clause
- Present Participle
- Active and Passive Voice
- Conjugation
- Technical Words
- Translation: English to Persian and vice versa
- Text Reading and comprehension from chapter no.16 to 30 of book of Kitab-e-Farsi by Samina Baghcheban

UNIT – II (9 Hours)

- Intermediary Persian Grammar:
- Use of Verbs in Present, Past and Future Tenses
- Degrees
- Personal and Possessive Pronouns
- Use of objectives
- Compound Verbs
- Relative Clause

UNIT – III (6 Hours)

Conjugation:

- In Present, Past and Future Tenses

UNIT – IV (6 Hours)

- Opposite Words
- Use of Technical Words in sentences

UNIT – V (6 Hours)

- Translation from Persian to English.
- Translation from English to Persian. Reading of Unseen Paragraphs of Persian

UNIT – VI (9 Hours)

- Chapter 16 to 30 from Kitab-e-Farsi by: Samina Baghcheban, Exercise of the chapters of the above book

Essential/recommended readings

1. Samina Baghcheban: Kitab-e-Farsi, Idarah-e-Adabyat, Jayyad Press, Ballimaran, Delhi-110 006

Suggestive readings

1. Kumar, Rajinder: Elementary Persian Grammar, Harjeet Publication, Delhi-110 034, 2009.

GENERIC ELECTIVES (GE-5): Persian Translation of Indian writings during Mughal

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course:

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Persian Translation of Indian writings during Mughal Period	**4**	**3**	**1**	**0**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To equip the students with the literary and historical importance of Persian Translation of Indian writings during Mughal Period
- To familiarize the students with the social and cultural history of Mughal Period
- To provide the students introductory knowledge of Persian Translation of Indian writings during Mughal Period

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- By learning this course, the students will be able to know about the literary and historical importance of Persian Translation of Indian writings during Mughal Period
- By learning this course, the students will be able to know the social and cultural history of Mughal Period
- By learning this course the, the students will be able to get the introductory knowledge of Persian Translation of Indian writings during Mughal Period

SYLLABUS OF GE-5

UNIT – I (12 Hours)

- Literary and historical importance of Persian translations of Indian works

UNIT – II (9 Hours)

- Social and cultural history of Mughal Period

UNIT – III (12 Hours)

Introduction to the following translation works:

- Singhasan Battisi
- Mahabharata
- Lilawati
- Tarikh-i-Kashmir
- Moajam-ul-Buldan
- Baharul Asmar
- Har Bans
- Zeech-e-Mirzai
- Injeel
- Ramayana
- Kalila wa Dimneh
- Tuzuk-i-Baburi
- Jama-e-Rashidi
- Tajik
- Nuzhat ul Arwah wa Nuzhat ul Afrah
- Athardeen

UNIT – IV (12 Hours)

Introduction to the following translators:

- Mulla Abdul Qadir Badayuni
- Abul Fazal Allami
- Mulla Husain Waiz
- Mir Fatehullah Shirazi
- Shaikh Mubarak
- Abul Faiz Faizi
- Abdul Rahim Khan i Khanan

Essential/recommended readings

1. Shafaq, Razazadeh: Tarikh-e-Adabiyat-e-Iran, Translated in Urdu by Sayyed Mubarizuddin Raf'at, Kutubkhana, Khurshidia, Urdu Bezar, Lahore, 2014.
2. Shibli Nomani: Shair-ul Ajam, Shibli Academy, Azamgarh (U.P.). .
3. Sabahuddin, Abdur Rahman: Bazm-e-Taimuriah, Shibli Academy, Azamgarh, (U.P.).
4. Ansari, Nurul Hasan: Farsi Adab-be-Ahd-e-Aurangzeb, Department of Persian, University of Delhi, Delhi, 2006.
5. Ghani, M.A.: A History of Persian Language & Literature at the Mughal Court (Part I & II), Allahabad (U.P.), 1929-30.
6. Qasemi, S.H.: A Descriptive Catalogue of Persian Translations of Indian Works, National Mission for Manuscripts, Asila Offset Printers, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi, 2014

DEPARTMENT OF PHILOSOPHY

Category I

Philosophy Courses for Undergraduate Programme of study with Philosophy as a Single Core Discipline

(B.A. Honours in Philosophy in three years)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -4 (DSC-4) – Fundamentals of Philosophy

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Fundamentals of Philosophy DSC 4	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- The course is designed for the grasp of the fundamental problems of the subject from the writings of original philosophers.
- The course will analyse problems like the problem of existence, like what is there, and why is anything there, what is justice; the origin of ideas, how we think about the world, what is the self, etc.
- A broad and deep approach to the subject is envisaged, learning from sources spread across centuries and continents.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- The student will learn how original philosophers express themselves about the great problems of philosophy
- The student will acquire the skill of argumentation and the ability to find flaws in the arguments of the philosophers
- The student will improve the grasp in the subject matter
- The student's curiosity will be aroused to explore the subject further in a meaningful way

SYLLABUS OF DSC-4

UNIT 1: Being **(12 Hours)**

1. What is Being?
2. Why does anything exist?

Essential/ Recommended Readings

Derek Parfit (1998) Why Anything? Why this? https://www.lrb.co.uk/the-paper/v20/n02/derek-parfit/why-anything-why-this

Selection from Aristotle's Metaphysics "The Process of Change" in Moore, Brooke Noel and Bruder, Kenneth (2011). *Philosophy: The Power of Ideas*. (Indian Edition) Mcgraw-Hill, pg. 71-72

UNIT 2: Ideas, Thought and World **(12 Hours)**

1. The Origin of Ideas
2. What is thought?
3. Social Construction

Essential/Recommended Readings

Moore, Brooke Noel and Bruder, Kenneth (2011). *Philosophy: The Power of Ideas*. (Indian Edition) Mcgraw-Hill, pg. 143 – 145 (Section on Hume and Kant)

Donald Davidson's "The Problem of Objectivity" in Moore, Brooke Noel and Bruder, Kenneth (2011). *Philosophy: The Power of Ideas*. (Indian Edition) Mcgraw-Hill, pg. 243-245

Paul Boghossian's "What is Social Construction" in Moore, Brooke Noel and Bruder, Kenneth (2011). *Philosophy: The Power of Ideas*. (Indian Edition) Mcgraw-Hill, pg. 245-248

UNIT 3: Consciousness, Knowledge and Self **(12 Hours)**

1. Perspectives on Consciouness and Knowledge
2. Perspectives on the Perception of Self

Essential/Recommended Readings

Mohanty, J. N. (1979). Consciousness and knowledge in Indian philosophy. *Philosophy East and West* 29 (1):3-10.

Matilal, Bimal Krishna (2002) The perception of Self in the indian tradition. In J. Ganeri (ed.) *Mind, Langauge and World: The Collected Essays of Bimal Krishna Matilal,* OUP, pp. 299-314

UNIT 4: Justice **(9 Hours)**

1. What is Justice?
2. Might is Right or Right is Might?

Essential/ Recommended Readings

Plato's *Republic,* Book 1, 327a – 345a. In Christopher Rowe's translation, Penguin Books, 2012

Suggestive Readings

Blackburn, Simon (1999). *Think: A Compelling Introduction to Philosophy*. Oxford University Press.

Moore, Brooke Noel and Bruder, Kenneth (2011). *Philosophy: The Power of Ideas*. Mcgraw-Hill
Indian edition

Perry, John , Bratman, Michael & Fischer, John Martin (2009). *Introduction to Philosophy: Classical and Contemporary Readings, Fourth Edition, International Edition*. OUP, USA

Ganeri, J. (ed.) (2002). *Mind, Langauge and World: The Collected Essays of Bimal Krishna Matilal,* OUP

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5 (DSC-5): Greek Philosophy

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Greek Philosophy DSC 5	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

- This course traces the origins of philosophy in the Western tradition in the thinkers of Ancient Greece.
- It begins with the Pre-Socratic natural philosophers like Thales and Anaximander. Then it moves on to Heraclitus and Parmenides of Elea.
- Then, it discusses the counter position of Sophists and Socrates. Finally, there is discussion on Plato's theory of virtue and Forms.

Learning Outcomes:

- The student will comprehend the foundations and origins of philosophy through the lens of early Greek philosophy
- The student will broaden the grasp of the subject and understand how philosophy arose from a close tie with cosmological and logical thinking
- The student will appreciate the role of reason in philosophy and the role of law and order in the structure of the world

Unit-1: Naturalism (Cosmos and Arche) (12 Hours)

1. Thales and Anaximander

Essential/Recommended Reading:

J. Barnes. Early Greek Philosophy. Harmondsworth: Penguin Books,1981. p.xi-xxv.

Curd, Patricia. A Presocratic Reader: Selected Fragments and Testimonia Second Edition Edited, with Introduction. Translations by Richard D McKirahan and Patricia Curd (Hackett Publishing Company, Inc,2011) ,p.13-19

Warren, James & Frisbee Sheffield (eds.). The Routledge Companion to Ancient Philosophy. Routledge: London and New York, 2014. Part-1.,94-124

Kirk,G.S and Raven, J.E, The Presocratic Philosophers: A Critical History with Selection of Texts(Cambridge; At The University Press,1957) pp74-99

Unit 2: Change, Being and Becoming (12 Hours)

1. Heraclitus: Doctrine of Flux.
2. Parmenides of Elea: Doctrine of Being and not-being.

Essential/Recommended Reading:

Curd, Patricia. A Presocratic Reader: Selected Fragments and Testimonia Second Edition Edited, with Introduction. Translations by RichardbDMckirahan and Patricia Curd (Hackett Publishing Company, Inc,2011) ,p.39-65,
G.S Kirk and J.E.Raven, The Presocratic Philosophers, Chapters vi and x
Online Source:
Adobe PDF ebook ISBN: 978-1-60384-598-4/2010019297

Unit 3: Sophists and Socrates (9 Hours)

1 .Sophists (Protagoras): Relativism and Scepticism

2. Socrates: Critical Enquiry and Virtue is Knowledge

Essential/Recommended Reading:

Gill, M. L. A Companion to Ancient Philosophy edited. Pierre Pellegrin: Blackwell Companion Series, 2006. Relevant chapters.
Warren, James & Frisbee Sheffield (eds.),
The Routledge Companion to Ancient Philosophy. Routledge: London and New York, 2014. Part-1.,94-124

Unit 4: Plato (12 Hours)

Justice as Virtue and Theory of Forms

Essential/Recommended Readings

Lee, Desmond(translated), Plato: The Republic,edited by Betty Radice, (Penguin Classics,1974), p.196-224 and300-333. (books 4.5 and 7.6-7.7)
Waren, James & Sheffield Frisbee. (eds). The Routledge Companion to Ancient Philosophy. Routledge: London and New York, 2014. Part-II, chapters 13-16.
Vlastos, G. “Justice and psychic harmony in the Republic” in Journal of Philosophy.1969. Vol.66. (16): pp 505-521)

Suggestive Readings

Barnes, Jonathan. Early Greek Philosophy. Harmondsworth:Penguin Books, 1987.
Gill, M. L &Pellegrin, Pierre. Blackwell Companion to Philosophy: A Companion to Ancient Philosophy. Blackwell Series,2006. Wareen, James & Sheffield Frisbee. (eds). The Routledge Companion to Ancient Philosophy. Routledge: London and New York, 2014.

Cohen, M.S. Curd, P. & Reeve, C.D.C.(ed). Readings in Ancient Greek Philosophy. Hackett: Indianapolis, 1995.
Lee, Desmond(translated), Plato: The Republic,edited by Betty Radice, (Penguin Classics,1974)
Curd, Patricia. A Presocratic Reader: Selected Fragments and Testimonia Second Edition Edited, with Introduction. Translations by RichardbDMckirahan and Patricia Curd (Hackett Publishing Company, Inc,2011) ,
Wareen, James & Sheffield Frisbee. (eds). The Routledge Companion to Ancient Philosophy (Routledge: London and New York,2014).
Kirk, G.S. Raven & Schofield , Pre Socratic Philosophy. CUP,1957.
Tankha, V. Ancient Greek Philosophy: Thales to Socrates. India: Pearson, 2012.
Vlastos, G. "Justice and psychic harmony in the Republic" in Journal of Philosophy.1969. Vol.66. (16)

Additional Resources:

Guthrie,WKC. A History of Greek Philosophy, Vol-. The Earlier Presocratic Tradition and the Pythagoreans. Cambridge,1962. ----A History of Greek Philosophy, Vol-2. The Presocratic Tradition from Parmenides to Democritus. Cambridge,1965. ——A History of Greek Philosophy, Vol-3, The fifth Century Enlightenment. Cambridge,1969. ——A History of Greek Philosophy, Vol-4, Plato, the Man and his Dialogues: Earlier Period Cambridge,1975.
Kirk,G.S and Raven, J.E, The Presocratic Philosophers: A Critical History with Selection of Texts(Cambridge; At The University Press,1957)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 6 (DSC-6): Ethics

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Ethics DSC 6	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

- The course is designed to acquaint the students with basic concepts of ethics, the nature and development of morality, cultural relativism and to familiarize them with the western and Indiantraditional ethical theories.

- Various philosophical concepts of ethical behaviour and normative principles of human conduct will be emphasized in this course.

Learning Outcomes

- The students after being introduced to basic ethical theories will acquire the ability to understand ethical perspective and ethical issues.
- The students will be equipped with the ethical sensitivity and moral understanding required to recognize and overcome ethical dilemmas
- The students will be able to differentiate normative statements from other kinds of statements.
- By reading the Indian ethical theories they will learn about the value system and culture of ancient India.

Unit 1: Introduction to Ethics (15 Hours)

1. Nature and development of morality (from Convention to Reflection)
2. Cultural Relativism

Essential/Recommended Readings:

- Lillie, W., (1948), An Introduction to Ethics, Methuen & Co. Ltd. London.
- Rachel, J., (2003), The Elements of Moral Philosophy, Mc Graw-Hill.

Unit 2: Western theories (15 Hours)

1. Virtue Ethics with respect to Aristotle's Eudaimonia
2. Teleological ethics with respect to J.S. Mill's Utilitarianism.
3. Deontological ethics with respect to Immanuel Kant's Categorical Imperative

Essential/Recommended Readings:

- Mill, J.S., (1863), Utillitarianism, London, in Mary Warnock *Utillitarianism and On Liberty*, Ed.1962, Wiley Blackwell.
- Aristotle, (1926) Nicomachean Ethics, Harvard University Press.
- Kant, Immanuel: Groundwork of the Metaphysics of Morals, in Trans. H J Paton, The Moral Law, Hutchinsons University Library.

Unit 3: Indian Ethics (15 hours)

1. Four Purusarthas: Artha, Kama, Dharma, Moksa
2. Bhagvadgita: Nishkamakarma

3. Karuna, Maitri and Nonviolence (with respect to Indian Value System)

Essential/Recommended Readings:

- Bilimoria, Purushottama ed., (2007), Indian Ethics: Classical traditions and contemporary challenges, New Delhi: Oxford University Press.
- Sharma, I.C., (1967), Ethical Philosophies of India, New York, U.S.A Johnson Publishing Company.

Suggestive Readings

- Louis P. Pojman, and P.Tramel, Ed., (1998), Moral Philosophy: A Reader (Indianapolis, IN: Hackett Publishing Co.
- Frankena W.K, (1973), Ethics, Englewood Cliffs, N.J., Prentice-Hall.
- Lillie, W., (1948), An Introduction to Ethics, Methuen & Co. Ltd. London4.
- Sinha, Jadunath, (2004), A Manual of Ethics, New Central Book Agency
- Kaveeshwar, G.W. (1971), The Ethics of Gita, Motilal BanarasiDass Publications, Delhi.
- Mackenzie,J.S., (1977), A Manual of Ethics, Oxford University Press Bombay,
- Taylor, Paul. W., (1978), "Problems of moral philosophy: an introduction to ethics", Dickenson publishing company, Inc. Belmont, California.
- Satyanarayana,Y.V., (2010), Ethics: Theory and Practice, Pearson.
- Thiroux, Jacques, (1998), Ethics: Theory and Practice (6th Ed.), Pearson.

Additional Resources:

- Hartmann, N., (1950), *Moral Phenomena,* New Macmillan.
- Taylor, P.W., Problems of Moral Philosophy: An Introduction to Ethics, Dickenson Publishing Co. Inc. Belmont, California.
- Shelly Kagan, (1998), Normative Ethics, Westview Press.

Category II

BA (Prog.) with Philosophy as Major

(Courses for Undergraduate Programme of study with Philosophy discipline as one of the Core Disciplines)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-3): Introduction to Indian Philosophy

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 3 Introduction to Indian Philosophy	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

- Indian philosophical tradition and thought will be explored in this course
- As Indian Philosophy projects another type of aspect of life,this course will help to understand the tradition and experiences that relate to Indian philosophy, adding to the intellectual richness of studying philosophy.

Learning Outcomes

- Students will learn about the different aspects of Indian Philosophy
- Students will understand and appreciate the contrasting approaches to the truth in Indian philosophy
- The student will come to appreciate that Indian philosophy is one of the major streams of thought in the world

Unit 1: Indian Philosophy: An Overview (9 Hours)

1. Common Characteristics of Indian Philosophy

Essential/Recommended Readings:

1. Chatterjee, S &Datta. D.M (1984) An Introduction to Indian Philosophy, 8th ed., University of Calcutta , Chapter 1 General Introduction pp 1-24.

2. Hiriyana,(1950), Popular Essays in Indian Philosophy, Kavyalaya Publishers, Mysore. Chapter-2,"Aim of Indian Philosophy", pp,19-24.

Unit 2: Theory of Knowledge (Nyāya–Vaiśeṣika) (12 Hours)

1. Perception (*Pratyakṣa*)

2. Inference (*Anumāna*)

Recommended Readings:

1.SurendranathDasgupta, A History of Indian Philosophy, Vol.1, Delhi: MotilalBanarsidass Publishers Private Limited, 2004.

2. Chatterjee, S &Datta. D.M (1984) An Introduction to Indian Philosophy, 8th ed., University of Calcutta,Chapter 5 The Nyaya Philosophy pp 161 - 201

Unit 3 Theories of Causation (12 Hours)

1. *Asatkāryavāda*

2. S*atkāryavāda*

Essential/ Recommended Readings:

1. Chatterjee and Datta (2016) An Introduction to Indian Philosophy , Motilal Banarasidass Publishers, Chapter VII The Samkhya Philosophy pp 254 - 257.

2 Sharma, C.D.(2000) A Critical Survey of Indian Philosophy, Motilal Banarasidass Publishers, Chapter 11 Theory of Causation pp151 – 157

Unit 4 Theories of Reality (12 Hours)

1. Buddhism - Anatmavāda

2. Jainism – Anekāntavāda.

3. Advaita Vedanta - Śaṃkara'sNature of Brahmana

Essential/Recommended Readings:

1.Chatterjee, S &Datta. D.M (1984) An Introduction to Indian Philosophy, 8th ed., University of Calcutta, Chapter-3, "The Jaina Philosophy", pp,73-84.

2. Chatterjee, S &Datta. D.M (1984) An Introduction to Indian Philosophy, 8th ed., University of Calcutta, Chapter-4, "The Buddha Philosophy", pp,135-137.

3. Mehta, S. (2017), The problem of meaning in Buddhist Philosophy, Delhi Krishi Sanskriti Publications, Chapter-3,pp-6-17

4. Sharma, C.D.(2000) A Critical Survey of Indian Philosophy, Motilal Banarasidass.(MLBD)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4 (DSC-4): Introduction to Western Philosophy

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Western Philosophy DSC 4	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objective

- The course will introduce students to currents of thought in Western Philosophy
- The students will be acquainted with the writings of the foremost philosophers of the western tradition

Learning Outcomes

- The students will be equipped with knowledge of basics of western philosophy
- The students will acquire the skills of reading the texts of western philosophy
- The students will be able to analyze the various traditions of western philosophy

UNIT-1 **(9 Hours)**

1. INTRODUCTION

Essential/recommended Readings

Moore, Noel. M. and Bruder, Kenneth, Philosophy, The Power of Ideas, 6th ed. McGraw Hill Publication, 2005,**Ch.1- Powerful Ideas**

UNIT-2 **(12 Hours)**

1. METAPHYSICS AND KNOWLEDGE-

Moore, Noel. M. and Bruder, Kenneth, Philosophy, The Power of Ideas, 6th ed. McGraw Hill Publication, 2005.
Ch. 3- Socrates, Plato, pp- 34- 43.
Ch. 4- Aristotle, pp.63- 67

UNIT-3 **(12 Hours)**

1. DUALISM AND IDEALISM

Essential/Recommended Readings
Moore, Noel. M. and Bruder, Kenneth, Philosophy, The Power of Ideas, 6th ed. McGraw Hill Publication, 2005.
Ch.6- Descartes and Dualism, pp.103-109.
The Idealism of Locke and Berkeley, pp.117- 123.

UNIT-4 **(12 Hours)**

1. SCEPTICISM, TRANSCENDENTALISM AND EXISTENTIALISM

Essential/Recommended Readings
Moore, Noel. M. and Bruder, Kenneth, Philosophy, The Power of Ideas, 6th ed. McGraw Hill Publication, 2005.
Ch. 7- The Eighteenth and Nineteenth Centuries, David Hume- pp.137-139, Immanuel Kant, pp. 139-143.
Ch. 8- The Continental Tradition- Existentialism, pp. 159-166,
Phenomenology 170-175.

Suggestive Readings

1 Copleston, F.J. History of Philosophy, USA, Image Books, 1993
2 Falkenberg. History of Modern Philosophy, USA, Jefferson Publications, 2015
3 Moore, Bruder, Philosophy: The Power of Ideas, New Delhi, Tata McGraw Hill,2011
4 O'Connor, D.J. A Critical History of western Philosophy, USA, MacMillan, 1964
5 Steg Muller, W. Main Currents in Contemporary German, British and American Philosophy, Dordrecht; D. Riedel Publishing, 1969
6 Garrett, Thomson, An Introduction to Modern Philosophy, California: Wadsworth Publishing, 1993

Category III

BA (Prog.) with Philosophy as Minor

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-2): Introduction to Indian Philosophy

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introduction to Indian Philosophy DSC 2	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

- Indian philosophical tradition and thought will be explored in this course
- As Indian Philosophy projects another type of aspect of life,this course will help to understand the tradition and experiences that relate to Indian philosophy, adding to the intellectual richness of studying philosophy.

Learning Outcomes

- Students will learn about the different aspects of Indian Philosophy
- Students will understand and appreciate the contrasting approaches to the truth in Indian philosophy
- The student will come to appreciate that Indian philosophy is one of the major streams of thought in the world

Unit 1: Indian Philosophy: An Overview (9 Hours)

1. Common Characteristics of Indian Philosophy

Essential/Recommended Readings:

1. Chatterjee, S &Datta. D.M (1984) An Introduction to Indian Philosophy, 8th ed., University of Calcutta , Chapter 1 General Introduction pp 1-24.

2. Hiriyana,(1950), Popular Essays in Indian Philosophy, Kavyalaya Publishers, Mysore. Chapter-2,"Aim of Indian Philosophy", pp,19-24.

Unit 2: Theory of Knowledge (Nyāya–Vaiśeṣika) (12 Hours)

1. Perception (*Pratyakṣa*)

2. Inference (*Anumāna*)

Recommended Readings:

1.SurendranathDasgupta, A History of Indian Philosophy, Vol.1, Delhi: MotilalBanarsidass Publishers Private Limited, 2004.

2. Chatterjee, S &Datta. D.M (1984) An Introduction to Indian Philosophy, 8th ed., University of Calcutta,Chapter 5 The Nyaya Philosophy pp 161 - 201

Unit 3 Theories of Causation (12 Hours)

1. *Asatkāryavāda*

2. S*atkāryavāda*

Essential/ Recommended Readings:

1. Chatterjee and Datta (2016) An Introduction to Indian Philosophy , Motilal Banarasidass Publishers, Chapter VII The Samkhya Philosophy pp 254 - 257.

2 Sharma, C.D.(2000) A Critical Survey of Indian Philosophy, Motilal Banarasidass Publishers, Chapter 11 Theory of Causation pp151 – 157

Unit 4 Theories of Reality (12 Hours)

1. Buddhism - Anatmavāda

2. Jainism – Anekāntavāda.

3. Advaita Vedanta - Śaṃkara'sNature of Brahmana

Essential/Recommended Readings:

1.Chatterjee, S &Datta. D.M (1984) An Introduction to Indian Philosophy, 8th ed., University of Calcutta, Chapter-3, "The Jaina Philosophy", pp,73-84.

2. Chatterjee, S &Datta. D.M (1984) An Introduction to Indian Philosophy, 8th ed., University of Calcutta, Chapter-4, "The Buddha Philosophy", pp,135-137.

3. Mehta, S. (2017), The problem of meaning in Buddhist Philosophy, Delhi Krishi Sanskriti Publications, Chapter-3,pp-6-17

4. Sharma, C.D.(2000) A Critical Survey of Indian Philosophy, Motilal Banarasidass.(MLBD)

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES

GENERIC ELECTIVES (GE-1): Art and Film Appreciation

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Art and Film Appreciation GE 1	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

- The objective of the course is to enable a student to become an active and engaging viewer of art and cinema.

Learning Outcomes

- It would enable the student to discern the aesthetic experience as different from art experience.
- It shall enable a student to understand and appreciate films and other related art forms.

Unit 1: Meaning and Analysis of Indian and Western Aesthetics (9 hours)

Introduction

Aesthetics: Meaning and Nature:
1. Meaning of Aesthetics, difference between art and craft
2. Comparison and distinction between Art-criticism and Aesthetic analysis
3. Comparison between Greek and Indian Views of Art and Aesthetics with specific reference to Aesthetic Delight**.**

The Indian view of art and Aesthetics with reference to
Rasa Theory and the concept of sadharanikarana.

The Western view of Art and Aesthetics with reference to the concept of Aesthetic Attitude, Aesthetic Judgment , Philosophy of Taste and concept of disinterestedness.

Unit II: Comparison between Different Arts (12 Hours)
1. Form and Content in art forms
2. Performative arts, Plastic arts, Literary Arts, Cinema, TV, Web Series

Unit III: Film as an Art Form (12 Hours)
Documentaries, Commercial, Parallel Cinema, Web Series as new cinematic art form

The focus shall be on brief, yet a panoramic view of
a) Introduction to cinema as a composite art form
b) Brief History of cinema from silent era to the contemporary format .
c. OTT platforms and short movies

Unit IV: Art, Morality and Culture (12 Hours)
1. Art-Reality interface with specific reference to Cinematic art.
2. Representation and Imagery in Cinema with brief reference to Aesthetic theory of Communication
3. Issues of Censorship

Essential/ Recommended Readings:

Barlingay, S.S. A modern Introduction to Indian Aesthetic Theories. (New Delhi: D .K . Print Pvt Ltd , 2016 edition) Chapters 7th and 8th

Gupta, Shyamala. *Art, Beauty and Creativity*, (New Delhi: DK Printworld, 1999) Chapters 1,2, 8,9,15 and 18

Hiriyanna, *M. Art Experience*, (Delhi: Indira Gandhi National Centre for the Arts, Manohar, 1997) Chapters 6and 7

Osborne, Harold. *Aesthetics*. (London: Oxford University Press, 1972), Chapter-2, "JP Sartre"

Tolstoy, Leo. (Kindle edition,2014). What is Art? Translated from the Original, with an Introduction by Aylmer Maude Chapters 1 and 2

Feminism and the Cinema of Realism by Lakshmi, C. S. (1986) in Economic and Political Weekly. Vol XXI, No 3.

Cinema & Culture" by Andrew, Dudley(1985) in Humanities. Vol. 6, No. 4

Hindi Resource:

Manjula Saxena, *Aesthetics: Kala aur Saundrya Ka DarshnikVivechana* (Delhi:DKPrintworld, 2008)

OnlineResources(Recommended)

Kracauer, Siegfriend (1960).Theory of Films: The Redemption of Physical Reality. Princeton. Retrieved here from: Kracauer, ―Bazin and realism in cinema‖. (Web blog post). http://www.ign.com/blogs /cusmar350/2013/03/01/erasmus19-kracauerbazin-and-realism-in-cinema

https://amirhashmi.com/2018/05/22/difference-between-parallel-film-and-commercial-film/
https://www.academia.edu/37948527/.The_Aesthetics_of_Digital_Art.pdf
https://thirdcinema.wordpress.com/2015/10/27/indias-parallel-cinema/

"Philosophy and Hindi Cinema: Not a theory of Hindi Cinema"by Deshpande, S.(n.d). Retrieved from: https://www.academia.edu/29274541/Philosophy_and_Hindi_Cinema .

"Kant's Aesthetics: Overview and Recent Literature" by Christian Helmut Wenz (2009). Philosophy Compass 4(3). Pp.385-391. DOI:10.1111/j.1747-9991.2009.00214.x . Retrieved from: https://www.researchgate.net/publication/249474233_Kant's_Aesthetics_Overview_and_Recent_Literature

GENERIC ELECTIVES (GE-2): Critical Thinking

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Critical Thinking GE 2	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

- Critical Thinking aims at enabling a person to take decision in difficult situations. It is the ability to analyse the way one thinks and presents the evidence for one's own ideas rather than simply accepting it.
- It is creative, clear and to some extent reflective thinking. Being a cognitive trait, it trains students to construct good and sound arguments by eliminating false ones Course.

Learning Outcomes

This course

1. Helps in generating productive/creative ideas for further use in difficult situation.

2. Creates enthusiasm for taking a risk of dealing with difficult issues and finding a way out for solution
3. Provides valuable intellectual traits like courage, empathy, perseverance and faith in reason and encourage a flair for fairness and justice. As a result, a learner learns step by step how to arrive at an ideal solution keeping in mind all situational factors.
4. Provides clarity in thinking as well as proper understanding of an issue to make it precise for further analysis.
5. Helps to learn how to read, write and think critically, how to separate bad information from good information and helps in constructing cogent arguments.
6. Finally the learner becomes self-directed, self-monitored and self- corrective through this process of reflective thinking.

Unit 1: CRITICAL THINKING: BASIC COMPONENT (9 Hours)

1. Critical Thinking: An Introduction
2. Cognitive Biases
3. Arguments: Their Structure and Kinds
4. Persuasion through Logic: Logos, Ethos and Pathos

Essential/Recommended Reading:

1. Moore, Brooke N., et al. Critical thinking. Dubuque: McGraw-Hill Companies, Inc, 2015, Ch 1-2.

Unit 2: CRITICAL THINKING: A SECOND ORDER ACTIVITY (12 Hours)

1. Clear Thinking
2. Vagueness, Ambiguity, Generality and Definition of Terms
3. Credibility of Claims and Their Sources

Essential/Recommended Reading:

1. Moore, Brooke N., et al. Critical thinking. Dubuque: McGraw-Hill Companies, Inc, 2015, Ch 3-4.

Unit 3: RHETORIC AND ITS FALLACIES (12 Hours)

1. Persuasion through rhetoric.
2. Fallacies involved in rhetoric

Essential/Recommended Reading:

1. Moore, Brooke N., et al. Critical thinking. Dubuque: McGraw-Hill Companies, Inc, 2015, Ch5 &6.

Unit 4: SCIENTIFIC REASONING (12 Hours)

1. Inductive reasoning.
2. Scientific Explanations and its evaluation.

Essential/Recommended Reading:

1. Moore, Brooke N., et al. Critical thinking. Dubuque: McGraw-Hill Companies, Inc, 2015, Ch-10.
2. Copi, I M. Cohen Carl, Introduction to Logic, 13thedn. Prentice Hall 2009, ch-13

Suggested Readings

Galen A. Foresman, Peter S. Fosl, and Jamie Carlin Watson; Critical Thinking, WILEY Blackwell 2017

GENERIC ELECTIVES (GE-3): Engaged Buddhism

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Engaged Buddhism GE 3	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

- This course aims to introduce the essence of philosophy of Buddhism and its engagement with issues such as caste, gender, ecology and peace of contemporary times**.**

Learning Outcomes

- The student will be realizing the moral potential of Buddhism by applying it to various social and political issues of everyday life.

Unit I Introduction to Engaged Buddhism (9 hours)

1) Buddhism as Saddhamma
2) Fourteen Guidelines for Engaged Buddhism
3) Features of Socially Engaged Buddhism

Essential/Recommended Readings:

B.R.Ambedkar, Buddha and His Dhamma ,Babasaheb Ambedkar Writings and Speeches, Vo.11, New Delhi: Dr.Ambedkar Foundation, GoI, 2014 pp.280-301

*Nhat Hanh, Thich. 1998. Interbeing: Fourteen Guidelines for Engaged Buddhism. Berkeley: Parallax Press.

* Jessica L. Main and Rongdao Lai. 2013. Introduction: Reformulating "Socially Engaged Buddhism" as an Analytical Category. The Eastern Buddhist 44, 2.

Unit 2 Buddhism as an Emancipatory Identity (12 hours)

1) Ambedkar, Buddha or Karl Marx
2) IyotheeThassar and Tamil Buddhist movement

Essential/Recommended Readings:

B.R.Ambedkar, 'Buddha or Karl Marx,' *Babasaheb Ambedkar Writings and Speeches, Vol.3*, New Delhi: Dr.Ambedkar Foundation, GoI, 2014 pp.441-462

Alyosius, G. 1998. *IyotheeThassar and Tamil Buddhist Movement*, New Delhi: Critical Quest,2015, Pp.177-208.

* King, S. B. 2009. Socially Engaged Buddhism. Honolulu: University of Hawai‘i Press. pp. 159-175.

Unit 3 Women in Buddhism (12 hours)

Essential/Recommended Readings

*Narasu, P. L. 1993. The Essence of Buddhism. Delhi: Asian Education Services. pp. 91-117.

Unit 4 Buddhism , Ecology and Peace Movement (12 hours)

Essential/Recommended Readings

* King, S. B. 2009. Socially Engaged Buddhism. Honolulu: University of Hawai‘i Press. pp. 118-136.

James J Hughes, ‘World Buddhism and Peace Movement,’ *Bulletin of Peace Proposal,* Vol.18, No.3,1987

Suggestive Readings

Batchelor, M. 2002. Women on the Buddhist Path. London: Thorsons.

Batchelor, M., and Kerry Brown, eds. 1992. Buddhism and Ecology. London: Cassell

Buddhadasa, Bhikkhu. 1985. Dharmic Socialism. Bangkok: Thai Inter-Religious Commission for Development.

Daniel, H. Henning. 2002. A Manual for Buddhism and Deep Ecology. Australia: Buddha Dharma Education Association Inc.

Gross, Rita. 1993. Buddhism after Patriarchy: A Feminist History, Analysis, and Reconstruction of Buddhism. Albany: State University of New York Press

Jones, Ken. 2003. The New Social Face of Buddhism: A Call to Action. Boston: Wisdom Publications.

Joshi, Lal Mani. 1983. Discerning the Buddha. New Delhi: MunshiramManoharlal Publishers Pvt. Ltd.

King, S. B. 2009. Socially Engaged Buddhism. Honolulu: University of Hawai‘i Press.

Kotler, Arnold, ed. 1996. Engaged Buddhist Reader. Berkeley: Parallax Press

Kesava Kumar, P. ‘Religion, Caste and Modernity: Ambedkar’s Reconstruction of Buddhism’ Pradeep Gokhale(Ed*.) Classical Buddhism, Neo-Buddhism and the Question of Caste*, London: Routledge,2021

Lama, Dalai. 1999. Ethics for the New Millennium. New York: Riverhead Books.

Narasu, P. L. 1993. The Essence of Buddhism. Delhi: Asian Education Services.

Payutto, Bhikkhu P. A. 1994. Buddhist Economics: A Middle Way for the Market Place. Bangkok: Buddhadhamma Foundation.

Queen, Christopher, and King Sallie, eds. 1996. Engaged Buddhism: Buddhist Liberation Movements in Asia. Albany: State University of New York Press.

Queen, Christopher, ed. 2000. Engaged Buddhism in the West. Boston: Wisdom Publications.

Sivaraksa, Sulak. 1988. A Socially Engaged Buddhism. Bangkok: Thai Inter-Religious Commission for Development.

Theresa Der-lan Yeh, The Way to Peace: A Buddhist Perspective, International Journal of Peace Studies, Vol.11 No.1,2006

GENERIC ELECTIVES (GE-4): Media Ethics

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Philosophy, Politics, Economics GE 4	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

- Basic concepts of justice, and various theories about justice. Issues regarding human nature and its relation to politics will be discussed in the course.
- Recent reflections on equality and its extent in society and how it is to be measured will also be imparted.
- The idea is to acquaint, and make salient contemporary reflections on various issues like justice, property, and equality.

Learning Objectives

- To equip students with good working knowledge of concepts in philosophy, politics, and economics and how they interact with each other.]
- This will make students appreciate the interconnections between the subjects, and also develop interdisciplinary thinking.

UNIT 1: JUSTICE (PHILOSOPHY) **(9 hours)**

1. The Concept of Justice
2. Distinctions of Justice
3. Scope of Justice

Essential/Recommended Readingss:

Miller, David. *Justice*, Stanford Encyclopedia of Philosophy

Unit 2: THEORIES OF JUSTICE **(9 hours)**

1. Utilitarianism and Justice
2. Contractarianism and Justice
3. Egalitarianism and Justice\

Essential/Recommended Readings

Miller, David. *Justice*, Stanford Encyclopedia of Philosophy

UNIT 3: STATE OF NATURE **(15 hours)**

1. Property

2. Ends of Political Society and Government
3. Causes, Generation and Definition of Commonwealth
4. Rights of Sovereigns by Institution
5. Slavery
6. The Social Pact

Essential/Recommended Readings:

Locke, John. *Treatise of Civil Government* (Chapters V & IX), ed. C.L. Sherman, New York, D. Appleton- Century, 1937 (Topics 1 & 2)

Hobbes, Thomas. *Leviathan*, (Part II, Chapters XVII & XVIII), ed. C.B. Macpherson, London, Penguin Classics, 1985 (Topics 3 & 4)

Rousseau, Jean-Jacques. The Social Contract (Book Chapters IV & VI), tr., revised and ed. C. Frankel, New York, Hafner Publishing Co., 1947 (Topics 5 & 6)

UNIT 4: PHILOSOPHY AND ECONOMICS (12 hours)

Essential/Recommended Readings

Karl Marx. "From preface to a contribution to the critique of political economy" ,Daniel Hausman (ed) Philosophy of Economics, :Cambridge University Press, 2008, pp119-128

Amartya Sen. Development as Freedom, New York:Alfred A.Knopf,2000,Pp. 3-12

Piketty, Thomas. *A Brief History of Equality,* translated by Steven Rendall(Chapter 1: "The Movement Towards Equality" and Chapter 2: "The Slow Deconcentration of Power and Property"), Harvard University Press, 2022.

Suggestive Readings

Pojman, Louis P. & Westmoreland, Robert (eds.) (1997). *Equality: Selected Readings*. OUP, USA

Rawls, John (2007). *Lectures on the History of Political Philosophy*. Belknap Press of Harvard University Press.

Reiss, Julian (2013). *Philosophy of Economics: A Contemporary Introduction*. Routledge.

Rousseau, Jean-Jacques (1997). *The Social Contract and Other Later Political Writings*. Cambridge University Press.

Sandel, Michael J. (ed.) (2009). *Justice: What's the Right Thing to Do?*. Farrar, Straus and Giroux.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DEPARTMENT OF URDU

Category-I
BA (Hons.) URDU

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4: STUDY OF MODERN NAZM

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
STUDY OF MODERN NAZM	4	3	1	0	Urdu in Class XII or X	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To give the knowledge of contemporary society of India through Urdu Poetry.
- To give a glimpse of modern literature with special reference to Urdu Poetry.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Understanding of concepts.
- Exercising concepts through writings.
- Demonstrating conceptual and textual understanding in test and exam.

SYLLABUS OF DSC-4

UNIT – I (12 Hours)

1. Jadeed Urdu Nazm ke Fikri-o-Fanni Imteyazat
2. Faiz ki Nazm Nigari
3. Josh ki Nazm Nigari

UNIT – II (12 Hours)

4. Majaz ki Nazm Nigari
5. N.M.Rashid ki Nazm Nigari
6. Akhtar-ul-Iman ki Nazm Nigari

UNIT – III (12 Hours)

7. Subah-e-Aazadi, Tanhai (Faiz Ahmad Faiz) (Matn ki Tadrees)
8. Husn aur Mazduri (Josh) (Matn ki Tadrees)
9. Awarah (Majaz) (Matn ki Tadrees)

UNIT – IV (9 Hours)

10.Saba Weeran	(N.M. Rashid)	(Matn ki Tadrees)
11. Ek Ladka	(Akhtar-ul-Iman)	(Matn ki Tadrees)

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

Suggestive readings

1. Urdu Shairi ka Fanni Irteqa - Dr. Farman Fatehpuri
2. Jadeed Urdu Nazm: Nazariya-o-Amal - Aqeel Ahmad Siddiqui
3. Nayi Nazm ka Safar - Khaleel-ul-Rahman Azmi
4. Urdu Shairi mein Azad Nazm aur Nazm-e-Moarra – Haneef Kaifi
5. Nazmon ke Tajziye - Kazi Afzal Hussain

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5 STUDY OF MODERN GHAZAL

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
STUDY OF MODERN GHAZAL	4	3	1	0	Urdu in Class XII or X	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To give the knowledge of contemporary society of India through Urdu Poetry.
- To give a glimpse of modern literature with special reference to Urdu Ghazal.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Understanding of concepts.
- Exercising concepts through writings.
- Demonstrating conceptual and textual understanding in test and exam.

SYLLABUS OF DSC-5

UNIT – I (9 Hours)

1. Urdu Ghazal Ibteda aur Irteqa
2. Shaad Azeemabadi ki Ghazalgoi
3. Hasrat Mohani ki Ghazalgoi

UNIT – II (12 Hours)

4. Jigar ki Ghazalgoi
5. Asghar ki Ghazalgoi
6. Faani ki Ghazalgoi
7. Nasir Kazmi ki Ghazalgoi

UNIT – III (12 Hours)

8. (i) Tamannao mein Uljhaya gaya hoon (Matn ki Tadrees)
   (ii) Agar Marte huye lab pe na tera naam aayega (Matn ki Tadrees)
9. (i) Chupke Chupke raat din Aansoo bahana yaad hai (Matn ki Tadrees)
   (ii) Husn-e-Be parwa ko Khudbeen-o-Khudaara kar diya (Matn ki Tadrees)
10. (i) Dil Gaya Raunaq-e-Hayat Gayi (Matn ki Tadrees)
    (ii) Kabhi Shakh-o-Sabza-o-Barg Par (Matn ki Tadrees)

UNIT – IV (12 Hours)

13.(i) Phir main nazar aaya na Tamasha nazar aaya (Matn ki Tadrees)
(ii) Koi Mahmal Nasheen kyo Shaad ya Nashaad hota hai(Matn ki Tadrees)

14. (i) Duniya meri bala jane Mahangi hai ya Sasti hai (Matn ki Tadrees)
(ii) Shauq se Naqami ke Badaulat kucha-e-dil hi chhoot gya (Matn ki Tadrees)

15. (i) Dil mein Ik Lahar si Uthi hai abhi (Matn ki Tadrees)
(ii) Kuchh Yadgar-e-Shahar Sitam hi Le Chalein (Matn ki Tadrees)

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

Suggestive readings

1. Urdu Shairi ka Fanni Irteqa - Dr. Farman Fatehpuri
2. Jadeed Urdu Ghazal - Rasheed Ahmad Siddiqui
3. Urdu Ghazal - Kamil Qureshi
4. Ghazal ki Sarguzisht Akhtar Ansari
5. Urdu Ghazal ka Naya Manzarnama Shameem Hanfi

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 6 SPECIAL STUDY OF HALI

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
SPECIAL STUDY OF HALI	4	3	1	0	Urdu in Class XII or X	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- Through this course students will learn the contribution of our legendary literary personality Hali who had given uncountable contributions to the modern Urdu literature.
- There are many new form of creative writings which was emerged by Hali and make an important turn into Urdu literature.
- Through this course students will learn to defend the problems of their era.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Understanding of concepts.
- Exercising concepts through writings.
- Demonstrating conceptual and textual understanding in test and exam.

SYLLABUS OF DSC-3

UNIT – I (15 Hours)

1. Haali : Shakshiyat aur Fan
2. Hali Bahaisiyat Sawaneh Nigar

UNIT – II (15 Hours)

3. Hali ki Nazm Goi
4. Hali ka Nasri Usloob

UNIT – III (15 Hours)

5. Yaadgar-e-Ghalib (Aaghaz se Qate Burhaan ki Taeed tak) (Matn ki Tadrees)
6. Musaddas-e-Hali (Ibtedai 40 band) (Matn ki Tadrees)

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

1. Yaadgar-e-Hali	Saliha Abid Husain
2. Naqsh-e-Hali	Syed Ehtesham Husain
3. Hali ka Siyasi Shaoor	Moin Ahsan Jazbi
4. Sir Syed aur Unke Namwar Rufqa	Syed Abdullah
5. Urdu Nasra ka Fanni Irteqa	Dr. Farman Fatehpuri

Suggestive readings

Nil

Category II

(Multidisciplinary Courses for Undergraduate Programme of study with Urdu discipline as one of the Core Disciplines)

(For e.g. courses for B.A. Programmes with Urdu (discipline's name) as Major discipline)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-1): URDU-A, STUDY OF MODERN PROSE AND POETRY-II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Urdu-A, Study of Modern Prose and Poetry-II	4	3	1	0	Urdu in Class XII or X	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To give knowledge of contemporary society of India through Urdu Poetry and Fiction.
- To give knowledge of literature such as Afsana, Mazmoon, Nazmein and Ghazalein.
- To give a glimpse of modern literature with special reference to Urdu Prose and Poetry.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Understanding of concepts.
- Exercising concepts through writings.
- Demonstrating conceptual and textual understanding in test and exam.

SYLLABUS OF DSC-1

NASR:

UNIT – I (9 Hours)

1. Guzra Hua Zamana – Sir Syed (Matn ki Tadrees)
2. Murda Badast Zinda – Mirza Farhatullah Beg (Matn ki Tadrees)

UNIT – II (9 Hours)

3. Namak Ka Darogha – Prem Chand (Matn ki Tadrees)
4. Sawere Jo kal Ankh Meri Khuli – Patras Bukhari (Matn ki Tadrees)

NAZM:

UNIT – III (9 Hours)

5. (i) Ik Khalish Hoti hai Mahsoos Rage Jaan Ke Qareeb – Hasrat (Matn ki Tadrees)
   (ii) Wasl Ki Banti Hain In Baton Ki Tadbiren Kahin – Hasrat (Matn ki Tadrees)
6. (i) Kabhi Shakho Sabzao Barg Par – Jigar (Matn ki Tadrees)
   (ii) Dil Gaya Raunaqe Hayaat Gai – Jigar (Matn ki Tadrees)

UNIT – IV (9 Hours)

7. (i) Kabhi Ae Haqiqate Muntazar – Iqbal (Matn ki Tadrees)
   (ii) Sitaron Se Aage Jahan Aur Bhi Hain – Iqbal (Matn ki Tadrees)
8. Badli Ka Chand – Josh (Matn ki Tadrees)

UNIT – V (9 Hours)

9. Do Ishq – Faiz (Matn ki Tadrees)
10. Aawara – Majaz (Matn ki Tadrees)

Note: Hissa Nasr Aur Nazm Mein Shamil Tamam Takhliqkaaron Ke Fanni Mahasin Se Bhi Rushanas Karaya Jae.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

1. Jadeed Urdu Nasr Wa Nazm-I

Suggestive readings

1. Urdu Shairi Ka Fanni Irteqa – Dr. Farman Fatehpuri
2. Meer Amman Se Abdul Haq Tak – Sayyed Abdullah

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 2 (DSC, B-2): STUDY OF MODERN PROSE-I

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Study of Modern Prose-I	4	3	1	0	Urdu in Class XII or X	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To give knowledge of contemporary society of India through Urdu fiction and non-fiction.
- To give knowledge of literature such as Afsana, Mazmoon and Inshaiya.
- To give a glimpse of classical literature with special reference to Urdu fiction and non fiction.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Understanding of concepts.
- Exercising concepts through writings.
- Demonstrating conceptual and textual understanding in test and exam.

SYLLABUS OF DSC- 2

MAZAMEEN:

UNIT – I (12 Hours)

1. Prem Chand – Adab ki Gharaz-o-Ghayat (Matn ki Tadrees)
2. Abdul Haleem Sharar – Guzishta Lucknow (Matn ki Tadrees)

UNIT – II (12 Hours)

1. Sajjad Haider Yaldram – Mujhe Mere Doston Se Bachao (Matn ki Tadrees)
2. Maulana Abul Kalam Azad – Intikhabe Ghubare Khatir (Matn ki Tadrees)

AFSANE:

UNIT – III (12 Hours)

5. Prem Chand – Boorhi Kaaki (Matn ki Tadrees)
6. Krishn Chander – Kalu Bhangi (Matn ki Tadrees)

UNIT – IV (9 Hours)

7. Saadat Hasan Manto – Khol Do (Matn ki Tadrees)
8. Rajinder Singh Bedi – Lajwanti (Matn ki Tadrees)

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

1. Intikhab-e-Nasr Hissa Dom – Uttar Pradesh Urdu Akademi, Lucknow

Suggestive readings (if any)

1. Urdu Afsana Riwayat Aur Masayel – Gopi Chand Narang
2. Urdu Nasr Ka Fanni Irteqa – Dr. Farman Fatehpuri
3. Urdu Essays – Syed Zaheeruddin Madni
4. Arbab-e-Nasr Urdu – Syed Mohammad

Category III

Multidisciplinary Courses for Undergraduate Programme of study with discipline as one of the Core Disciplines

(For e.g. courses for B.A. Programmes with Urdu (discipline's name) as Non-Major or Minor discipline)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-1): URDU-A, STUDY OF MODERN PROSE AND POETRY-II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Urdu-A, Study of Modern Prose and Poetry-II	4	3	1	0	Urdu in Class XII or X	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To give knowledge of contemporary society of India through Urdu Poetry and Fiction.
- To give knowledge of literature such as Afsana, Mazmoon, Nazmein and Ghazalein.
- To give a glimpse of modern literature with special reference to Urdu Prose and Poetry.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Understanding of concepts.
- Exercising concepts through writings.
- Demonstrating conceptual and textual understanding in test and exam.

SYLLABUS OF DSC-1

NASR:

UNIT – I (9 Hours)

3. Guzra Hua Zamana – Sir Syed (Matn ki Tadrees)
4. Murda Badast Zinda – Mirza Farhatullah Beg (Matn ki Tadrees)

UNIT – II (9 Hours)

7. Namak Ka Darogha – Prem Chand (Matn ki Tadrees)
8. Sawere Jo kal Ankh Meri Khuli – Patras Bukhari (Matn ki Tadrees)

NAZM:

UNIT – III (9 Hours)

9. (i) Ik Khalish Hoti hai Mahsoos Rage Jaan Ke Qareeb – Hasrat (Matn ki Tadrees)
   (ii) Wasl Ki Banti Hain In Baton Ki Tadbiren Kahin – Hasrat (Matn ki Tadrees)
10. (i) Kabhi Shakho Sabzao Barg Par – Jigar (Matn ki Tadrees)
    (ii) Dil Gaya Raunaqe Hayaat Gai – Jigar (Matn ki Tadrees)

UNIT – IV (9 Hours)

9. (i) Kabhi Ae Haqiqate Muntazar – Iqbal (Matn ki Tadrees)
   (ii) Sitaron Se Aage Jahan Aur Bhi Hain – Iqbal (Matn ki Tadrees)
10. Badli Ka Chand – Josh (Matn ki Tadrees)

UNIT – V (9 Hours)

11. Do Ishq – Faiz (Matn ki Tadrees)
12. Aawara – Majaz (Matn ki Tadrees)

Note: Hissa Nasr Aur Nazm Mein Shamil Tamam Takhliqkaaron Ke Fanni Mahasin Se Bhi Rushanas Karaya Jae.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

2. Jadeed Urdu Nasr Wa Nazm-I

Suggestive readings

3. Urdu Shairi Ka Fanni Irteqa – Dr. Farman Fatehpuri
4. Meer Amman Se Abdul Haq Tak – Sayyed Abdullah

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DEPARTMENT OF HINDI

Category-I

BA (HONS.) HINDI

हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	कोर कोर्स (DSC) 4	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य का अध्ययन समयावधि की साहित्यिक स्थिति से अवगत कराएगा
- सामाजिक – राजनीतिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन – विश्लेषण की जानकारी देना

Course learning outcomes

- हिंदी के मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।
- ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit 1 — 10 घंटे

गोस्वामी तुलसीदास : रामचरित मानस,
(सुन्दर काण्ड)
गीताप्रेस, गोरखपुर

Unit 2 — 10 घंटे

सूरदास : भ्रमरगीतसार : (संपादक) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी , नई दिल्ली)

पद संख्या – (4,7,21,22,23,24,25,37,52,76,85)

Unit 3 — 10 घंटे

केशवदास – रामचंद्रिका : वन–गमन वर्णन

बिहारी – बिहारी रत्नाकार : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकार'
(शिवाला, वाराणसी)
छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347

Unit 4 — 15 घंटे

घनानंद – घनानंद (ग्रंथावली) ; संपा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र;
(वाणी वितान; बनारस–1)
सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41)

भूषण – शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
छंद संख्या – 50, 104, 411, 420, 443, 512

References

- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय ग्रंथावली – संपा, डॉ. किशोरीलाल गुप्त
- घनानंद और स्वछंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीर प्रसाद शास्त्री
- भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
- हिंदी साहित्य का उतरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, भाग – 6 – संपा. डॉ. नगेन्द्र
- घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Additional Resources:

- सनेह को मारग – इमरै बंघा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन – कैलाश नारायण तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरनचंद टंडन

Teaching learning process
कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

Asessment Methods
टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
मध्यकालीनता, सामंतवाद, इतिहास

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	कोर कोर्स (DSC) 5	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय
– साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
– साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course learning outcomes

– विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है।
– साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ–साथ समाज के विकास को भी चिह्नित करना है।
– साहित्येतिहास के बिना साहित्य–विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अतः साहित्य–विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।

Unit 1

10 घंटे

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेन्दु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिंदी साहित्य से उनका संबंध

Unit 2

10 घंटे

- कथा साहित्य का विकास
- नाटक का विकास
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा आख्यान, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, साक्षात्कार साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका)
- आलोचना का विकास

Unit 3 10 घंटे

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उतर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

15 घंटे

Unit 4

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेतर साहित्य
- आलोचना और सांहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मितामूलक विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक –नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह
5. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी

additional Resources:

शिवसिंह सरोज – शिवसिंह सेंगर
हिंदी नवरत्न – मिश्र बंधु
समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
हिंदी नाटक : नयी परख – संपादक – रमेश गौतम
कथेतर – माधव हाड़ा
भारतेन्दु प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
छायावाद – नामवर सिंह
कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
तारसप्तक और दूसरा सप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण की भूमिकाएँ) – संपादक – अज्ञेय
हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
सामाजिक न्याय और दलित साहित्य–स. श्यौराज सिंह 'बेचैन'
आधी दुनिया का सच–कुमुद शर्मा
आदि–धर्म–रामदयाल मुंडा

आदिवासी साहित्य की भूमिका–गंगा सहाय मीणा

Teaching learning process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन–अध्यापन, समूह–परिचर्चाएँ

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य, आधुनिक साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्य विवेक, साहित्येतिहास दृष्टियाँ, समाज और साहित्य की पहचान आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	कोर कोर्स (DSC) 6	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– अन्य गद्य विधाओं की जानकारी
– गद्य–विधाओ की विश्लेषण पद्वति
– प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओ का अवलोकन

Course learning outcomes

– कथेतर साहित्य का परिचय
– विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
– प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

Unit 1

इकाई – 1 निबंध 10 घंटे

बालकृष्ण भट्ट – जातियों का अनूठापन (नेशनल चार्टर)
(भट्ट निबंधमाला, द्वितीय भाग, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)
सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता

Unit 2 10 घंटे

इकाई – 2 निबंध

रामचंद्र शुक्ल – करूणा
हजारीप्रसाद द्विवेदी – भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

Unit 3 10 घंटे

इकाई – 3 जीवनी एवं व्यंग्य

रामविलास शर्मा – 'निराला की साहित्य साधना' भाग –1 से 'नए संघर्ष' शीर्षक अध्याय
हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज

Unit 4 15 घंटे

इकाई – 4 संरमरण एवं यात्रा–वृतांत

संरमरण : अज्ञेय के साथ – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से

यात्रा वृतांत : राहुल सांकृत्यायन – अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

References

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- रामचंद्र शुक्ल संचयन – सं. नामवर सिंह (साहित्य अकादेमी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध – सं. नामवर सिंह (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया)
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भरतेन्दु युग – रामविलास शर्मा
- छायावादोतर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री – पाल वसीन
- साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. निर्मला जैन, हरिमोहन शर्मा

Teaching learning process

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords
सभी विधाएँ, यथार्थ, कल्पना, तथ्य, घटना आदि

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category-IV

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

पटकथा और संवाद लेखन

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
पटकथा और संवाद लेखन	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझना।
- विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना।

Course learning outcomes

- पटकथा क्या है समझेंगे।
- पटकथा और संवाद में दक्षता हासिल करेंगे।
- पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।

Unit 1 — 10 घंटे

- पटकथा अवधारणा और स्वरूप
- पटकथा लेखन के तत्व
- पटकथा लेखन की प्रक्रिया

Unit 2 — 10 घंटे

- फीचर फिल्म की पटकथा
- डॉक्यूमेंट्री की पटकथा
- धारावाहिक की पटकथा

Unit 3 — 10 घंटे

- संवाद लेखन की प्रक्रिया
- संवाद लेखन की विशेषताएँ
- संवाद संरचना

Unit 4 — 15 घंटे

– टी.वी. धारावाहिक का संवाद लेखन
– डॉक्यूमेंट्री का संवाद लेखन
– फीचर फिल्म का संवाद लेखन

References

पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
कथा पटकथा : मन्नू भंडारी
रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर
टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत, प्रभात रंजन

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords
सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

भाषा और समाज

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
भाषा और समाज	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- भाषा और समाज के अंतस्संबंध की जानकारी
- समाज में भाषा के व्यवहार की जानकारी
- सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास

Course learning outcomes

- समाजभाषाविज्ञान का अध्ययन
- सम्प्रेषण की सामाजिक समझ
- भाषा के समाजशास्त्र का अध्ययन

Unit 1 — 10 घंटे

भाषा और समाज का अंतसंबंध
समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप
भाषा और सामाजिक व्यवहार

Unit 2 — 10 घंटे

भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय
भाषा और समुदाय
भाषा और जाति

Unit 3 — 10 घंटे

भाषा और वर्ग
भाषा अस्मिता और जेंडर
भाषा और संस्कृति

Unit 4 — 15 घंटे

भाषा सर्वेक्षण
भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि
भाषा नमूनों का सर्वेक्षण और विश्लेषण

References

भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
हिंदी भाषा चिंतन – दिलीप सिंह
आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पांण्डेय
सांझी सांस्कृतिक विरासत के आईने में भारतीय साहित्य – मंजु मुकुल, हर्ष बाला

Additional Resources:

Socio Linguistics : An Introduction to Language and Society – Peter Trudgill
Socio Linguistics – R. A. Hudson
An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh
The Shadow of Language – George Yule

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

भाषाविज्ञान के पारिभाषित शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना है। भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही पूरी दुनिया वैश्वीकरण युग में प्रवेश कर गई है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएँ लाँघ ली है। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा।

Course learning outcomes

1. इस पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएँगेः
2. उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा
3. हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा।
4. कंप्यूटर को हिंदी भाषा से जोड़ने पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है
5. वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ–साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा। अतः पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के भी अनुकूल है।
6. भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से लेकर वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्याार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
7. शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है । यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है।

Unit 1 हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका 10 घंटे

- भारोपीय भाषा–परिवार एवं आर्यभाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- 'हिंदी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल)

Unit 2 हिंदी भाषा का क्षेत्र एंव विस्तार 10 घंटे

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ

- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क–भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप

Unit 3 लिपि का इतिहास 10 घंटे

- भाषा और लिपि का अंतस्संबंध
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि–लिपि)
- भारत में लिपि का विकास

Unit 4 देवनागरी लिपि 15 घंटे

- देवनागरी लिपि का परिचय एंव विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि और कम्प्यूटर

References

1. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
2. भारतीय पुरालिपि – डॉ. रामबली पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
3. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
5. लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
6. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CATEGORY-II

BA (PROG) WITH HINDI AS MAJOR

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	0	DSC-I

Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा	कोर कोर्स (DSC) 4	**4**	**3**	**1**	**0**	**DSC-II**

Course Objective

– भारत के मौखिक साहित्य और लोक–परम्परा का अवलोकन

– लोक–जीवन और संस्कृति की जानकारी

– पर्यटन और संगीत–नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा।

Course Learning Outcomes

– मौखिक साहित्य का परिचय

– प्रमुख रूपों का परिचय

– संस्कृति और लोक–जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

इकाई–1 10 घंटे

मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ

इकाई–2 10 घंटे

लोकगीत : वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर : भोजपुरी, संस्कार गीत; श्री हंस कुमार तिवारी; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पृ. 8, गीत सं. 4

सोहर : अवधी, हिंदी प्रदेश के लोकगीत; कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 110, 111; साहित्य भवन; इलाहाबाद

विवाह : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य : परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 116

निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ :

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव; पृ. 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 205

वाचिक कविता : भोजपुरी; पं. विद्यानिवास मिश्र, पृ. 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जंतसर; दँवनी, रोपनी इत्यादि

कटनी के गीत; अवधी 2 गीत; हिंदी प्रदेश के लोकगीत : पं. कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 140, 141

विविध गीत : घुघुती–कुमाउनी; कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत; पं. रामनरेश त्रिपाठी; पु. 801–802

इकाई–3 10 घंटे

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ :

– विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ आल्हा, लोरिक,

सारंग – सदावृक्ष, बिहुला

– राजस्थानी लोककथा नं. 2; हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461–462

– अवधी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187–188

इकाई–4 15 घंटे

लोकनाट्य

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला,; रासलीला, मालवा का माच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला, बिहार – बिदेसिया, हरियाणा सांग पाठ, संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली, संपा. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंडवानी; तीजन बाई)

References

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकरलाल यादव
3. मीट माई पीपल : देवेन्द्र सत्यार्थी
4. मालवी लोक–साहित्य का अध्ययन : श्याम परमार
5. रसमंजरी : सुचीता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरिशस
6. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास : पं. राहुल सांकृत्यायन; 16वां भाग
7. वाचिक कविता : भोजपुरीः विद्यानिवास मिश्र
8. भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य : डॉ. विद्या सिन्हा
9. क्विता कौमुदी : ग्रामगीत :पं. रामनरेश त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन–हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
11. मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका–चौमासा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ सांस्कृतिक शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CATEGORY-III

BA (PROG) WITH HINDI AS NON-MAJOR

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	0	DSC-I

Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category I

बी.ए. आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication in three years)

मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
मीडिया भाषा और अनुवाद DSC	**4**	**3**		**1**		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भाषा और मीडिया के मूलतत्व से अवगत कराना।
- अनुवाद तकनीक से अवगत कराना।
- भाषा और मीडिया के सम्बंधों को समझाना।
- मीडिया अनुवाद का अभ्यास व व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।

Learning Outcomes

- भाषा एवं मीडिया के अंतरसंबंधों से परिचित होंगे।
- मीडिया में अनुवाद की रोजगारोन्मुख संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे।
- भाषा और मीडिया के संदर्भ में अनुवाद की भूमिका और दायित्वों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल विकसित होगा।

SYLLABUS OF SEC

1. मीडिया भाषा और अनुवाद 10 घंटे (

- भाषा: परिभाषा और महत्व

- अनुवाद: परिभाषा, महत्व, प्रक्रिया
- मीडिया अनुवाद का स्वरूप और महत्व

2. प्रिंट मीडिया और अनुवाद 10 घंटे

- पत्र पत्रिकाओं में समाचार,लेख और संपादकीय की भाषा का स्वरूप
- प्रिंट मीडिया अनुवाद - पत्र :पत्रिकाओं के समाचार शीर्षक, समाचार,लेख , फीचर , संपादकीय और विज्ञापन का अनुवाद
- प्रिंट मीडिया अनुवाद की शब्दावली

3. इलेक्ट्रानिक मीडिया और अनुवाद 10 घंटे

- रेडियो और टेलीविजन समाचार भाषा समाचार शीर्षक ,और समाचारों का अनुवाद
- रेडियो और टेलीविजन के विज्ञापनों का अनुवाद
- इलेक्ट्रानिक मीडिया अनुवाद की शब्दावली

4. डिजिटल मीडिया व फिल्मों की भाषा और अनुवाद 15 घंटे

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स, वेबसाइट, न्यूज़ पोर्टल, विकिपीडिया में अनुवाद का स्वरूप
- डिजिटल अनुवाद के उपकरण : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अनुवाद ऐप्स, ऑनलाइन शब्दकोश
- फिल्म और डॉक्यूमेंट्री अनुवाद :शीर्षक अनुवाद, डबिंग

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे

1. अखबार में प्रकाशित समाचारों, लेख और फीचर के अनुवाद का अभ्यास कराना।
2. समाचार शीर्षक के अनुवाद का अभ्यास कराना।
3. टेलीविजन समाचारों और वृतचित्र का अभ्यास कराना।
4. अनुवाद ऐप्स का परिचय, ऐप्स आधारित अनुवाद का संपादन।
5. डिजीटल अनुवाद के विविध रूपों का अभ्यास कराना।
6. विज्ञापन अनुवाद का अभ्यास कराना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी भाषा भोलानाथ -तिवारी, किताब महल प्रकाशन
2. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और अनुप्रयोग हिंदी ,डॉ नगेंद्र - माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय , दिल्ली विश्वविद्यालय
3. अनुवाद की व्यापक संकल्पना। डॉ दिलीप सिंह ,वाणी प्रकाशन
4. पत्रकारिता में अनुवाद - जितेंद्र गुप्त, प्रियदर्शन, अरुण प्रकाश राधाकृषण प्रकाशक ,
5. अनुवाद : अवधारणा और आयाम डॉ सुरेश -सिंघल संजय प्रकाशन ,

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग DSC	**4**	**3**		**1**		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- समाचार रिपोर्टिंग के विषय में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना ।
- समाचार बोध विकसित करना ।
- छात्रों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और वेब मीडिया हेतु न्यूज़ लिखने के योग्य बनाना।
- रिपोर्टिंग के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देना और विचार निर्माण कौशल को बढ़ावा देना।
- समसामयिक मुद्दों पर तथ्य आधारित विचार - विमर्श और विश्लेषण कौशल का विकास करना।

Course Learning Outcomes

- न्यूज़ रिपोर्टिंग के सिद्धांत और तकनीक के विषय में अच्छी समझ विकसित होगी।
- समाचार बोध का विकास होगा।
- इवेंट कवर करने और समाचार लिखने की योग्यता विकसित होगी।
- न्यू स्टोरी लेखन के लिए सामग्री योजना और विचार निर्माण का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
- समसामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श और विश्लेषण करने में दक्ष होंगे।

SYLLABUS

1. समाचार 10 घंटे

- समाचारअवधारणा एवं महत्व :
- समाचार के तत्त्व एवं प्रकार
- समाचार स्रोत एवं समाचार संकलन

2. समाचार लेखन 10 घंटे

- समाचार : संरचना, सिद्धांत एवं तकनीक
- समाचार शैली : विलोम स्तूपी, फीचर शैली,
- इंट्रो और शीर्षक लेखन

3. समाचार रिपोर्ट 10 घंटे

- रिपोर्टर के गुण, दायित्व एवं चुनौतियां
- बीट रिपोर्टिंग : शिक्षा, स्वास्थ्य, अपराध, नागरिक मुद्दे, संसदीय, अदालत, खेल एवं व्यापार
- हार्ड न्यूज़ एवं सॉफ़्ट न्यूज़ अवधारणा एवं अंतर स्टिंग ऑपरेशन ,पीत पत्रकारिता ,

4. माध्यम लेखन 15 घंटे

- प्रिंट मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन
- डिजिटल मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे

1. विविध विषयों पर प्रकाशित खबरों के पुनर्लेखन का अभ्यास कराना।
2. समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के आधार पर शीर्षक लेखन का अभ्यास कराना।
3. स्थानीय स्थलों पर जाकर नागरिक मुद्दों पर समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टेलीविजन या वेब के लिए रिपोर्ट तैयार करना।
4. किसी एक विषय पर समाचार, समाचार विश्लेषण और साक्षात्कार तैयार करना।
5. चयनित कार्टून और चित्रों के लिए कैप्शन लेखन करना।
6. किसी मानवीय अभिरुचि, विकास या सामाजिक मुद्दे पर पॉडकास्ट, टेलीविजन रिपोर्ट या ब्लॉग तैयार करना।
7. प्रेस कॉन्फ्रेंसप्रेस रिलीज के आध ,ार पर रिपोर्ट बनाना।

Essential/recommended readings

- समाचार और संवाददाता -काशीनाथ जोगलेकर, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन

- समाचार संकलन और लेखन - नंदकिशोर त्रिखा, हिंदी समिति उत्तर प्रदेश
- क्राइम रिपोर्टर - हर्ष देव, भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली
- हिंदी के आधुनिक पत्रकारिता -अरुण कुमार भगत ,नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत सरकार
- समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला - हरिमोहन तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- खोजी पत्रकारिता - एच. भीष्मपाल, प्रकाशन विभाग
- साइबर पत्रकारिता -विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

मीडिया लेखन DSC

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibilitycriteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
मीडिया लेखन DSC	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. विभिन्न जनमाध्यमों के लिए मीडिया लेखन की जानकारी देना।
2. मीडिया लेखन के विविध प्रारूपों एवं उनमें प्रयुक्त शब्दावली से परिचित कराना।
3. मीडिया के विविध रूपों में लेखन प्रक्रिया एवं जानकारी लेना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी जनमाध्यमों के विविध स्वरूपों के लिए लेखन की जानकारी प्राप्त होगी।
2. मीडिया शब्दावली से परिचित होकर मीडिया संस्थानों में कार्य करने हेतु तैयार होंगे।
3. व्यावसायिक क्षेत्र में उपयोगी प्रशिक्षण मिलेगा।

1. मीडिया लेखन: 10 घंटे

- मीडिया लेखन के आधारभूत सिद्धांत
- मीडिया लेखन कौशल
- मीडिया लेखन के विविध क्षेत्र डिजिटल ,वेबसाइट ,रेडियो ,टेलिविज़न ,पत्रिका ,समाचार पत्र : मीडिया

2. प्रिंट के लिए लेखन : 10 घंटे

- संपादकीय पृष्ट संरचना और लेखन ,संपादकीय : संपादक के नाम पत्र कॉलम एवं संपादकीय , पृष्ट की भाषा

- फीचर लेख एवं स्तम्भ लेखन ,
- प्रिंट लेखन के अन्य विविध रूप : समाचार ,साक्षात्कार परिशिष्ट लेखन ,कैप्शन लेखन ,

3. टेलिविज़न के लिए लेखन : 10 घंटे

- इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट माध्यम के लिए लेखन में अंतर
- टेलीविजन के विविध कार्यक्रमों के लिए लेखन। धारावाहिक लेखन कॉमेडी ,डॉक्युमेंट्री लेखन , शो
- ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म के लिए लेखन

4. रेडियो के लिए लेखन : 15 घंटे

- रेडियो लेखन की विशेषता
- रेडियो में भाषा उचारण एवं उद्घोषक का महत्व ,
- रेडियो कार्यक्रम के विविध प्रारूप के लिए लेखन। वार्ता ,जिंगल ,समाचार ,नाटक ,फ़ीचर , पॉड्कास्ट लेखन

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- किसी समाचार पत्र के लिए संपादकीय लेख या फ़ीचर लिखना। ,
- टेलिविज़न के लिए एक पैकेज लिखना।
- रेडियो के लिए परिचर्चा की स्क्रिप्ट लिखना।

Essential/recommended readings

1. मीडिया लेखन सिद्धांत एवं व्यवहार संजय प्रकाशन ,चंद्र प्रकाश मिश्रा :
2. जनसंचार और मीडिया लेखन नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,रेवती शरण शर्मा :
3. मीडिया लेखन सृजन कल्पाज प्रकाशन ,ओम गुप्ता :
4. मीडिया लेखन कला नई दिल्ली ,ओमेगा प्रकाशन ,निशांत सिंह :
5. कथा वाणी प्रकाशन ,मन्नु भंडारी : पटकथा-

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

(क

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibilitycriteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
(क फिल्म अध्ययन(GE)	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- सिनेमा के तत्वों एवं कथा तकनीकों से परिचित कराना एवं सिनेमा के विभिन्न आंदोलनों का परिचय देना।
- सिनेमा निर्माण प्रक्रिया की समझ विकसित करना।
- सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।

Course Learning Outcomes

- सिनेमा की भाषा एवं विजुअल्स की समझ विकसित होगी।
- सिनेमा संबंधी तकनीकी कौशल का विकास होगा।
- फिल्मों में अंतर्निहित समाज एवं संस्कृति के अंतरसंबंधों के विश्लेषण में दक्ष होंगे।
- भारतीय सिनेमा की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।

1. सिनेमा सामान्य परिचय : 3 +1x3 = 9+3) 1 **से** (**सप्ताह** 3

- हिन्दी सिनेमा की इतिहास यात्रा ,स्वतंत्रता पूर्व - स्वातंत्रयोत्तर सिनेमा ,भूमंडलीकरण के दौर का सिनेमा

- सिनेमा के प्रकार - लोकप्रिय सिनेमा, समानान्तर सिनेमाकला सिनेमा ,, क्षेत्रीय सिनेमा
- सिनेमा की भाषा (विजुअल्स और शॉट्स के आधार पर)का अध्ययन

2. सिनेमा ,समाज और संस्कृति 3 +1x3 = 9+3) 4 **से** (**सप्ताह** 6

- राष्ट्रीय चेतना और हिंदी सिनेमा
- लोक संस्कृति, सिनेमा और जन मनोविज्ञान
- क्षेत्रीय हिन्दी सिनेमा - भोजपुरी ,हरियाणवी ,राजस्थानी बोलियों का सिनेमा

3. सिनेमा तकनीक 3 +1x3 = 9+3) 7 **से** (**सप्ताह** 9

- सिनेमा में पटकथा, अभिनय, संवाद,ध्वनि,गीत, संगीत, नृत्य, निर्देशन, कैमरा, लाइट दृश्य और, स्पेशल इफ़ेक्ट्स तकनीक
- भारतीय सिनेमा में गीत, संगीत और नृत्य की भाषा
- एनिमेशन ,क्रॉसओवर ,ऑफ बीट ,ओटीटी प्लेटफार्म और वेब सिनेमा

4. सिनेमा का अर्थशास्त्र और प्रबन्धन 3 +1x3 = 9+3) 10 **से** (**सप्ताह** 12

- सिनेमा की मार्केटिंग तकनीक
- सिनेमा का राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय बाजार -
- सिनेमेटोग्राफी एक्ट 1956

प्रायोगिक कार्य 3+1x3 = 9+3) 13 **से 14 सप्ताह**(

- दी गई फ़िल्मों में से किसी एक फिल्म की समीक्षा कीजिए। राजा हरिश्चंद्र, मदर इंडिया ,दो बीघा जमीन ,शहीद ,दंगल, मैरीकॉम ,स्वदेश ,दादा लखमी
- भारतीय संस्कृति को अभिव्यक्त करती किसी एक फिल्म की भाषा
- विजुअल्स और शॉट्सपर रिपोर्ट तैयार करना (
- किसी एक फिल्म में अभिव्यक्त जीवन मूल्यों का विश्लेषण और प्रभाव की समीक्षा
- भारतीय संस्कृति को अभिव्यक्त करती लघु फिल्म का निर्माण कराना)8 -10 मिनट(
- ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म और दायित्व बोध एवं भारतीय सिनेमैटोग्राफी एक्ट की समीक्षा और 1956 संशोधन के सुझाव

Essential/recommended readings

- हिन्दी सिनेमा के सौ बरस : मृत्युंजय, शिल्पायन प्रकाशन

- सत्यजीत राय का सिनेमा : चिदानन्द दास गुप्ता, नेशनल बुक ट्रस्ट, प्रकाशन
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा : डॉ पुनीत बिसारिया, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर , नई दिल्ली
- फिल्में कैसे बनती है : हरमल सिंह, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन
- सिनेमा की सोच : अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

(ख

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibilitycriteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
(खसोशल मीडिया (GE	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- सोशल मीडिया के मूलतत्व से अवगत कराना।
- नेटवर्किंग तकनीक से अवगत कराना।
- सोशल मीडिया का उद्भव एवं विकास समझाना।
- सोशल मीडिया के वैचारिक, सांस्कृतिक और नैतिक परिदृश्य से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

- समाज एवं संस्कृति पर सोशल मीडिया के प्रभाव से परिचित होंगे।
- डिजिटल मीडिया में रोजगारोन्मुख संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे।
- सोशल मीडिया की भूमिका और दायित्वों से परिचित होंगे।

1. सोशल मीडियासामान्य परिचय : 10 घंटे

- सोशल मीडिया स्वरूप एवं विकास :
- सोशल मीडिया विशेषताएँ :
- लोकतंत्र और सोशल मीडिया

2. सोशल मीडिया :प्रकार और प्रयोग 10 घंटे

- सोशल नेट्वर्किंग साइट्स

- सोशल मीडिया ट्रायलमीम्स ,ट्रोलिंग ,, रील्स ,
- ब्रांडिंग एवं व्यावसायिकता उद्देश्य

3. सोशल मीडिया कंटेंट लेखन 10 घंटे

- प्रिंट टीवी, रेडियो एवं डिजिटल मीडिया कंटेंट लेखन में अंतर
- सोशल मीडिया पर सूचना निर्माण, फेक न्यूज़, फेक्ट चेक
- सोशल मीडिया। रचनात्मकता के नए आयाम : लेखन शिक्षण और कला के संदर्भ में ,

4. सोशल मीडिया नियमन और प्रभाव 15 घंटे

- साइबर अपराध एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम
- सामुदायिक निर्माण और जनसंपर्क
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं स्वनियमन

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे (

- ई न्यूज़ लेटर, ई पत्रिका, ब्लॉग निर्माण व लेखन।
- केस स्टडी अन्ना आंदोलन -, कोरोना काल जनजागृति ,लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव , अभियान
- जन सर्वेक्षण के आधार पर-सोशल मीडिया के प्रभावों और लोकप्रियता का विश्लेषण एवं उसकी रिपोर्ट प्रस्तुति।
- सोशल मीडिया के माध्यम से बनी खबरों पर एक रिपोर्ट तैयार करना।

Essential/recommended readings

- दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी - डी. डी. ओझा ज्ञान गंगा दिल्ली ,सत्यप्रकाश ,
- न्यू मीडिया इन्टरनेट की भाषाई चुनौतियां - एस आर अनुराधा ,राधाकृषण प्रकाशन , दिल्ली
- हिन्दी ब्लॉगिंग अभिव्यक्ति की नयी क्रान्ति - अविनाश वाचस्पति, रवीन्द्र प्रभात , हिंदी साहित्य निकेतन उत्तरप्रदेश ,
- भूमंडलीकरण और मीडिया - कुमुद शर्मा नई दिल्ली ,ग्रंथ अकादमी ,
- संस्कृति, विकास और संचार क्रान्ति - पूरनचंद्र जोशी नई दिल्ली ,ग्रंथ शिल्पी ,
- नया मीडिया अध्ययन और अभ्यास। शालिनी जोशी पेंगुइन बुक्स ,शिवप्रसाद जोशी ,
- मुक्त समाज की मृगमरीचिका - नॉम चोमस्की

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

DEPARTMENT OF SANSKRIT

Category-I
BA (Hons.) Sanskrit

DSC 4: Classical Sanskrit Literature (Prose)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Classical Sanskrit Literature (Prose)	04	3	1	0	Class 12TH Pass	NIL

Learning Objectives

- This course aims to acquaint students with Classical Sanskrit Prose Literature.
- Origin and development of prose, important prose romances and Sanskrit fables are also included here for students to get acquainted with the beginnings of Sanskrit Prose literature.
- The course also seeks to help students to creatively and critically engage with texts.

Learning outcomes

- The course will enable students enable students to familiarize themselves with some leading classical prose works and individual literary styles of their authors.
- After the completion of this course the learner will be exposed to the socio-cultural conditions of the Indian society as reflected in the prescribed texts.
- Course will also help students to develop their level of Sanskrit language comprehension.

SYLLABUS OF DSC-4
(45 hours Lectures and 15 hours Tutorials)

Unit: I **(15 Hrs)**

Śukanāsopadeśa (Ed. Prahlad Kumar)
Introduction – Author and his works, text reading (Grammar, translation and explanation)
(एवं समतिक्रामत्सु केषुचिद् दिवसेषु .....रेणुमयीव स्वच्छमपि कलुषीकरोति)

Unit: II Viśrutacaritam upto 11th Para **(12 Hrs)**

Introduction –Author and his works, Text reading (Grammar, translation and explanation) (.....इति तमुत्थाप्य क्रीडानिर्भरमतिष्ठत्।)

Unit: III **(10 Hrs)**

Shivarajvijayam

(---------- न पारितं निरोद्धुं नयनवाष्पाणि) Introduction –Author and his works, text para 1 to10, Text reading (Grammar, translation and explanation)

Unit: IV **(08 Hrs)**

General Survey of main Sanskrit Prose Works

Origin and Development of Prose literature and its Kind, Some Major Texts- Vāsavadattā, Kādambarī, Harṣacaritam, Daśakumaracaritam, Tilakmanjarī, Gadyacintāmaṇi, Śivarajavijyam, Pancatantra, Hitopdeśa, Vetālapancaviṁśikā, Siṁhāsanadvātriṁśikā, Puruṣaparīkṣā, Śukasaptati.

Essential/recommended readings:

1. प्रहलाद कुमार. शुकनासोपदेश, मेहरचन्द लक्ष्मणदास, दिल्ली
2. शास्त्री, रामपाल, शुकनासोपदेश, चौखम्बा औरियन्टलिया, वाराणसी
3. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, विश्रुतचरितम्, साहित्यभण्डार, मेरठ
4. झा, रमाकान्त, शुकनासोपदेश, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. देवनारायण मिश्र, शिवराजविजयम्, साहित्यभण्डार, मेरठ
6. पन्त, सुबोधचन्द्र एवं झा, विश्वनाथ, दशकुमारचरितम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Suggested readings:

1. शर्मा, उमाशंकर ऋषि: संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
2. उपाध्याय, बलदेव: संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी
3. प्रीतिप्रभा, गोयल: संस्कृत साहित्य का इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर
4. त्रिपाठी, राधावल्लभ: संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. Keith, A.B., History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi, हिन्दी अनुवाद सहित, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. M. Krishnamachariyar Shastri: History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
7. Gaurinath Shastri: A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
8. Maurice, Winternitz: Ancient Indian Literature (Vol.1-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC 5: Sanskrit Epics

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Sanskrit Epics	04	3	1	0	Class 12TH Pass	NIL

Learning Objectives

- To enable students to read simple classical Sanskrit
- To enable students to have a sense of the great impact of the epics on Indian life and literature.
- To impart knowledge of some important segments in the Gita and the Ramayana.
- To introduce Advaita philosophy through Shankaracharya's commentary on the Gita.

Learning outcomes

- The students will be able to understand simple classical Sanskrit.
- The students will build a good vocabulary to write and communicate in Sanskrit.
- Students will become more aware of the impact of the epics on life and literature in India
- They will get acquainted with Advaita philosophy.

SYLLABUS OF DSC-5
(45 hours Lectures and 15 hours Tutorials)

Unit1 **(10 Hrs.)**

वाल्मीकि रामायण अयोध्याकाण्ड सर्ग 109 (रामेण जाबालिमतनिराकरणम्)

From Verse 1 (जाबालेस्तु वचः श्रुत्वा...) से 27 कार्याकार्यविचक्षणः तक)

Unit 2 **(12 Hrs.)**

Ramayana as the source of Sanskrit literature

i. Ramayana as the source book for Indian values – ideal king, ideal family, Ideal Polity, ideal society, ideal character

ii. Valmiki Ramayana as the source book for Sanskrit literature – Epics, Dramas, Lyric poetry, Adhyātma Ramayana, Adbhuta Ramayana.

iii. Works in Indian languages based on the Ramayana

Unit 3. **(15 Hrs)**

भगवद्गीता अध्याय २ पद्य ११ से २५ तक (शाङ्करभाष्य सहित)

Unit 4: **(08 Hrs)**

Mahabharata as the source book

i. Mahabharata as the source book for Indian knowledge and values
ii. Sanskrit literary works based on the Mahabharata – Dramas, long poems (Mahakavyas)
iii. Works in Indian languages based on the Mahabharata

Essential/recommended readings:

1. भगवद्गीता, शाङ्करभाष्य अनुवाद सहित, अनुवादक श्रीहरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रैस, गोरखपुर
2. Valmiki Ramayana – Valmiki.iitk.ac.in
3. गीताभाष्यनवाम्बरा- डॉ० शिवनारायण शास्त्री

Suggested readings:

1. Bhagawadgita with the commentary of Shankaracharya – A.K. Warrior,
2. Bhagawadgita – Dr. S. Radhakrishnan
3. Śrimadbhagavadgītā, The Scripture of Mankind, text in Devanagari with transliteration in English and notes by Swami Tapasyananda, Sri Ramakrishna Math, 1984
4. Chattopadhyaya D.P., Lokayata- A Study in Ancient Indian Materialism, Popular Publishing House, New Delhi
5. Mishra, Pankaj Kumar, **चार्वाक**, शिबालिक प्रकाशन, दिल्ली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC 6: Critical Survey of Śāstric Literature

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Critical Survey of Śāstric Literature	04	3	1	0	Class 12TH Pass	NIL

Learning Objectives

- To enable students to Know the Ancient Indian Śāstric Literature.
- To impart knowledge of some important texts and authors who created knowledge on medical science, Aeronautics, music, dances, paintings etc.
- To prepare students to exhibit their understanding of ancient Knowledge System.
- To introduce the contribution of Charak, Sushrut, Bharat, Nagarjun, Paalkaapya etc.

Learning outcomes

- The students will be able to understand the long history of Indian Śāstric Tradition.
- The students will be able to exhibit their understanding of the Indian Knowledge System.
- Students will become more aware of some aspects of Ancient Scientific thoughts and achievements.
- They will get acquainted with Ancient Scientific texts/writings.

SYLLABUS OF DSC-6

(45 hours Lectures and 15 hours Tutorials)

Unit 1- **(12 Hrs)**

चिकित्साशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, रसायनशास्त्र (Medical Sciences, Botany and Rasāyana) – Origin and development, major texts, major theories, contribution to current understanding

Unit 2- **(12 Hrs)**

संगीतशास्त्र, नृत्यशास्त्र, मूर्तिकला, चित्रकला (Music, Dance, Iconography and Painting)– Origin and development, major texts, major theories, contribution to current understanding.

Unit 3- (09 Hrs)

वैमानिकशास्त्र, अश्वशास्त्र, गजशास्त्र, आयुधविज्ञान (Vimānaśāstra, Aśva-śāstra, Gaja- śāstra, Ayudhavijñāna – Origin and development, major texts, major theories, contribution to current understanding

Unit 4- (12 Hrs)

कोशशास्त्र, छन्दः शास्त्र, निरुक्तशास्त्र, व्याकरणशास्त्र - Origin and development, major texts, major theories, contribution to current understanding

Essential/recommended readings:

1. संस्कृत वाङमय का विवेचनात्मक इतिहास- डॉ० सूर्यकान्त
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास- डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि
3. अद्भुत भारत- बाशम, ए. एल. (1995,)अनु० पाण्डेय वेंकटेशचन्द्र शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी , आगरा
4. History of Classical Sanskrit Literature, M. Krishnamachariyar Shastri MLBD, Delhi
5. History of Classical Sanskrit Literature, Keith, A.B., MLBD, Delhi, हिन्दी अनुवाद सहित, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog.) with SANSKRIT as MAJOR

DSC-3: Sanskrit Prose

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course Title & Code	Credits	Credits distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Sanskrit Prose DSC - 3	4	3	1	0	Class 12TH P	NIL

Learning Objectives:

- This course aims to acquaint students with Classical Sanskrit Prose Literature.
- Origin and development of prose, important prose romances and Sanskrit fables are also included here for students to get acquainted with the beginnings of Sanskrit Prose literature.
- The course also seeks to help students to creatively and critically engage with texts.

Learning outcomes:

- The course will enable students enable students to familiarize themselves with some leading classical prose works and individual literary styles of their authors.
- After the completion of this course the learner will be exposed to the socio-cultural conditions of the Indian society as reflected in the prescribed texts.
- Course will also help students to develop their level of Sanskrit language comprehension.

SYLLABUS OF DSC-3
(45 hours Lectures and 15 hours Tutorials)

Unit: I **(15 Hrs)**

Śukanāsopadeśa:

Introduction- Author/Text, Text up to page 116 of Prahlad Kumar upto यथा यथा चेयं चपला दीप्यते. समाप्तिपर्यन्त (up to the end of the text.)

Society and political thought depicted in Śukanāsopadeśa, logical meaning and application of sayings.

Unit: II **(15 Hrs)**

Śivarājavijayam, Niḥśwāsa-I

Para 1 to 20 Introduction- Author/Text, Text reading (Grammar, Translation, and Explanation), poetic excellence, plot, Timing of Action.

Śivarājavijayam, Niḥśwāsa-I

From para 21 to the end of the text. Text reading (Grammar, Translation, and Explanation), Poetic excellence, plot, Timing of Action.

Unit: III **(15 Hrs)**

History of Sanskrit Literature: Prose:

Origin and development of prose and important prose romances. Subandhu, Bāṇa, Daṇḍin, Ambikādatta Vyāsa.

Unit: IV **(15 Hrs)**

Survey of Sanskrit Literature: Prose:

Pañcatantra, Hitopadeśa, Vetālapañcavṁsattikā, Siṁhāsanadvātriṁśikā and Purūṣaparīkṣā.

Essential/recommended readings:

1. प्रहलाद कुमार. शुकनासोपदेश, मेहरचन्द लक्ष्मणदास, दिल्ली
2. भानुचन्द्रसिंह, शुकनासोपदेश: संस्कृत टीका तथा हिन्दी व्याख्या व अनुवाद सहित ।
3. रामनाथ शर्मा सुमन (व्या.) , शुकनासोपदेश, साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1968 ।
4. शिवराजविजय – अम्बिकादत्तव्यास, व्या. – रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
5. शास्त्री, रामपाल, शुकनासोपदेश, चौखम्बा औरियन्टलिया, वाराणसी
6. झा, रमाकान्त, शुकनासोपदेश, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. देवनारायण मिश्र, शिवराजविजयम्, साहित्यभण्डार, मेरठ
8. पन्त, सुबोधचन्द्र एवं झा, विश्वनाथ, दशकुमारचरितम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. शर्मा, उमाशंकर ऋषि: संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
10. A.B. Keith, *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, MLBD, Delhi (हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली) ।
11. Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.

Additional Resources:

1. उपाध्याय, बलदेव: संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. प्रीतिप्रभा, गोयल: संस्कृत साहित्य का इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर

3. त्रिपाठी, राधावल्लभ: संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. M. Krishnamachariyar Shastri: History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
5. Gaurinath Shastri: A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
6. Maurice, Winternitz: Ancient Indian Literature (Vol.1-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi
7. Winternitz, Maurice: *Indian Literature* (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC - 4: Sanskrit Drama

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course Title & Code	Credits	Credits distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Sanskrit Drama DSC - 4	**04**	**03**	**01**	**0**	**Class 12TH Pass**	**NIL**

Learning Objectives:
This course is intended to acquaint the students with three of the most famous dramatic works of Sanskrit literature which represent the three stages of the development of Sanskrit drama.

Learning Outcomes:

- After completion of this course the students will be aware about the beauty and richness of classical Sanskrit dramatic tradition.
- This course will enhance the ability for critical thinking on issues of culture, polity, morality, religion etc as reflected in the prescribed texts.
- The course will make the students aware of the formal structures of Sanskrit drama in the tradition of Bharata's natya Shastra.

SYLLABUS OF DSC - 4
(45 hours Lectures and 15 hours Tutorials)

Unit: I **(15 Hrs)**

Dutavākyam: Act I – Bhāsa

First Act (प्रथम अङ्क) Introduction, Text Reading (Grammar, Translation, and Explanation), Poetic excellence, Plot.

Unit: II **(15 Hrs)**

Abhijñānaśākuntalam Act IV- Kālidāsa

Text Reading (Grammar, Translation, Explanation), Poetic excellence, Plot, Timing of Action. Personification of nature. *kāvyeṣu nāṭakam ramyam, upamā,* Language of Kālidāsa, *dhvani* in Kālidāsa, Purpose and design behind *Abhijñanaśākuntalam* and other problems related to the text.

Unit: III **(15 Hrs)**

Technical Terms from Sanskrit Dramaturgy

नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, कञ्चुकी, विदूषक, अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक एवं भरतवाक्य।

Unit: IV **(15 Hrs)**

History of Sanskrit Drama (Origin and Development),

Some important dramatists:

Bhāsa, Kālidāsa, Śūdraka, Viśākhadatta, Harṣa, Bhavabhūti, and their works.

Teaching Learning Process:

1. Since most learners will be new to classical Sanskrit drama, a step by step approach is recommended.
2. Teachers must read aloud the Sanskrit text and the students should repeat.
3. Teachers must help students in disjoining all sandhis and dissolving all samāsas.
4. Teachers will arrange words in verses according to the prose order (anvaya).
5. Students will identify the grammatical structure of each word.
6. Teachers will the guide students in translating each word and then the complete verse.
7. Teachers will discuss the social, political, cultural issues occurring in the text and their contemporary relevance.

Suggested Reading:

1. सुबोधचन्द्र पन्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।
2. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद ।
3. नारायणराम आचार्य, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, निर्णयसागर प्रेस ।
4. C.D. Devadhar (Ed.), Abhijñanaśākuntalam, MLBD, Delhi.

5. M.R. Kale (Ed.), Abhijñanaśākuntalam, MLBD, Delhi.
6. Gajendra Gadakar (Ed.), Abhijñanaśākuntalam.
7. Ramendramohan Bose, Abhijñanaśākuntalam, Modern Book Agency, Calcutta.
8. भागवतशरण उपाध्याय, कालिदास, कवि और काव्य, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी ।
9. हजारीप्रसाद द्विवेदी, कालिदास की लालित्य योजना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
10. पंकज कुमार मिश्र, शाकुन्तलविषयक रम्यत्व की अवधारणा, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली ।
11. Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
12. Ratnamayi Dikshit, Women in Sanskrit Dramas, Meherchand Lacchman Das, Delhi.
13. A.B. Keith, Sanskrit Drama, Oxford University Press London, 1970.
14. Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
15. G. K. Bhat, Sanskrit Drama, Karnataka University Press, Dharwar, 1975.
16. दूतवाक्यम् - भास, (हिन्दी व्याख्या) रामलाल सावल, गयाप्रसाद एण्ड सन्स,आगरा, १९७१

Additional Resources:

1. Mirashi, V.V. :*Kālidāsa*, Popular Publication, Mumbai.
2. Keith, A.B.: *History of Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.
3. Krishnamachariar :*History of Classical Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.
4. Gaurinath Shastri: *A Concise History of Sanskrit Literature*, MLBD, Delhi.
5. Winternitz, Maurice: *Indian Literature* (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog.) with SANSKRIT as Non-Major

DSC - 2: Sanskrit Prose

Course Title & Code	Credits	Credits distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Sanskrit Prose DSC - 2	04	03	01	0	Class 12TH P	NIL

Learning Objectives:

- This course aims to acquaint students with Classical Sanskrit Prose Literature.

- Origin and development of prose, important prose romances and Sanskrit fables are also included here for students to get acquainted with the beginnings of Sanskrit Prose literature.
- The course also seeks to help students to creatively and critically engage with texts.

Learning outcomes:

- The course will enable students enable students to familiarize themselves with some leading classical prose works and individual literary styles of their authors.
- After the completion of this course the learner will be exposed to the socio-cultural conditions of the Indian society as reflected in the prescribed texts.
- Course will also help students to develop their level of Sanskrit language comprehension.

SYLLABUS OF DSC-2
(45 hours Lectures and 15 hours Tutorials)

Unit: I **(16 Hrs)**

Śukanāsopadeśa:

Introduction- Author/Text, Text up to page 116 of Prahlad Kumar upto यथा यथा चेयं चपला दीप्यते. समाप्तिपर्यन्त (up to the end of the text.)

Society and political thought depicted in Śukanāsopadeśa, logical meaning and application of sayings.

Unit: II **(16 Hrs)**

Śivarājavijayam, Niḥśwāsa-I

Para 1 to 20 Introduction- Author/Text, Text reading (Grammar, Translation, and Explanation), poetic excellence, plot, Timing of Action.

Śivarājavijayam, Niḥśwāsa-I

From para 21 to the end of the text. Text reading (Grammar, Translation, and Explanation), Poetic excellence, plot, Timing of Action.

Unit: III **(08 Hrs)**

History of Sanskrit Literature: Prose:

Origin and development of prose and important prose romances. Subandhu, Bāṇa, Daṇḍin, Ambikādatta Vyāsa.

Unit: IV **(05 Hrs)**

Survey of Sanskrit Literature: Prose:

Pañcatantra, Hitopadeśa, Vetālapañcavṁsattikā, Siṁhāsanadvātriṁśikā and Purūṣaparīkṣā.

Essential/recommended readings:

1. प्रहलाद कुमार. शुकनासोपदेश, मेहरचन्द लक्ष्मणदास, दिल्ली
2. भानुचन्द्रसिंह, शुकनासोपदेश: संस्कृत टीका तथा हिन्दी व्याख्या व अनुवाद सहित ।
3. रामनाथ शर्मा सुमन (व्या.) , शुकनासोपदेश, साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1968 ।
4. शिवराजविजय – अम्बिकादत्तव्यास, व्या. – रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
5. शास्त्री, रामपाल, शुकनासोपदेश, चौखम्बा औरियन्टलिया, वाराणसी
6. झा, रमाकान्त, शुकनासोपदेश, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. देवनारायण मिश्र, शिवराजविजयम्, साहित्यभण्डार, मेरठ
8. पन्त, सुबोधचन्द्र एवं झा, विश्वनाथ, दशकुमारचरितम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. शर्मा, उमाशंकर ऋषि: संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
10. A.B. Keith, *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, MLBD, Delhi (हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली) ।
11. Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.

Additional Resources:

1. उपाध्याय, बलदेव: संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. प्रीतिप्रभा, गोयल: संस्कृत साहित्य का इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर
3. त्रिपाठी, राधावल्लभ: संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. M. Krishnamachariyar Shastri: History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
5. Gaurinath Shastri: A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
6. Maurice, Winternitz: Ancient Indian Literature (Vol.1-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi
7. Winternitz, Maurice: *Indian Literature* (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Common Pool of Generic Electives offered by Department of SANSKRIT

GE-5 : Tools and Techniques for Computing Sanskrit Language

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-5	04	3	1	0	Class 12TH Pass	NIL

Learning Objectives:

This course will introduce the current research and development in Sanskrit computing. Primary emphasis will be on tools and techniques developed under government and private funding and to explore new technologies for Sanskrit.

Learning Outcomes:
The course-level learning outcomes that a student of this course is required to demonstrate are indicated below:

- Learn the basic concept of Sanskrit Phonology, Sanskrit Morphology, Syntax, Semantics, Lexicon and Corpora.
- Learn the origin and Development of Language Computing.
- Basic Introduction of Computing Sanskrit Language.
- Various methodologies used on Language Technology.
- Various tools developed for Sanskrit Language.
- Survey of Language Computing

SYLLABUS OF GE-5
(45 hours Lectures and 15 hours Tutorials)

Unit: I **12 Hours**
Major Components of Sanskrit Linguistics:

- Phonology
- Morphology
- Syntax
- Semantics
- Lexicon and Corpora

Unit: II **12 Hours**

Areas and Applications of the Sanskrit Language Computation

- Text Digitization/Content Creation and Search for Sanskrit
- Speech Technology
- Grammar Tools
- Machine Translation
- Preservation and Delivery of Cultural Heritage of Sanskrit

Unit: III **09 Hours**

Language Computing Methodology

- Rule Base
- Statistical
- Hybrid

Unit: IV **12 Hours**

Survey of Language Computing

- Survey of the Language Computing for Sanskrit
- Survey of the Language Computing for Indo Aryan Languages

[D] References:

Compulsory Readings:

1. Akshar Bharati, Vineet Chaitanya and Rajeeva Sanghal, Natural Language Processing: A Paninian Prospective, Prentice Hall of India, New Delhi, 1995.
2. Chandra Subhash (2021). भाषासंगणन (Language Computing), Upasana Publications, New Delhi, India, ISBN: 978-93-87677-05-0.
3. Girish Nath Jha, Madhav Gopal, Diwakar Mishra, Annotating Sanskrit Corpus: Adapting IL-POSTS, Human Language Technology. Challenges for Computer Science and Linguistics Lecture Notes in Computer Science Volume 6562, 2011, pp 371-379.
4. Tools developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi, Delhi-110007 available at: http://cl.sanskrit.du.ac.in
5. Daniel Jurafsky and James H. Martin, Speech and Language Processing, Prentice Hall; 2008
6. Chandra, Subhash and Jha, GN. Computer Processing of Nominal Inflections in Sanskrit: Methods and Implementations, CSP, UK, 2012.
7. Jha, Girish Nath, Morphology of Sanskrit Case Affixes: A Computational Analysis, M.Phil Dissertation, Centre of English and Linguistics, School of Language, Literature and Culture Studies, JNU, 1993.
8. Sanskrit Computational Linguistics symposium 1-2: Springer Verlag LNCS 5402 G Huet, A Kulkarni and P Scharf (eds), Proceedings of the 1st and 2nd International Symposium, 2009.

9. Sanskrit Computational Linguistics symposium 3: Springer Verlag LNCS 5406 A Kulkarni, G Huet (eds), Proceedings of the 3rd International Symposium, Jan 15 - 17, 2009, Hyderabad.
10. Grishman, R., Computational Linguistics: An introduction, Cambridge University Press, 1986.
11. Chandra, Subhash .मशीनी अनुवाद (Machine Translation) Vidyanidhi Prakashana, New Delhi,

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

GE-6
Machine Translation: Tools and Techniques

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Machine Translation: Tools and Techniques	04	3	1	0	Class 12TH Pass	NIL

Learning Objectives:
This course will introduce the theory and practice of computer based translations and expose the students to the internal processes and inter module interactions in a typical Machine Translation (MT) system

Learning Outcomes:

The course-level learning outcomes that a student of this course will be able to demonstrate are indicated below:

- Learn the origin and Development of Machine Translation.
- Basic Introduction of Machine Translation.
- Human vs Machine Translation.
- Concepts to ideal various methodologies used on Machine Translation System.
- Using guidelines of the Machine Translation system: Google and Bing.
- Evaluation and Challenges in Machine Translation

SYLLABUS OF GE-6

Unit: I **09 Hours**

Introduction and History of Machine Translation

- History and Survey of Machine Translation Systems.
- List of Major MT System for Indian Languages: Google Translate and Bing by Microsoft.

Unit: II **12 Hours**

Theoretical Concepts of Machine Translation:

- Human vs Computer translation of languages.
- Basics of Machine Translation
- Tools and Techniques of Machine Translation
- Source and Target Language

Unit: III **12 Hours**

Machine Translation (MT) Approaches

- Rule Base MT
  Transfer-based
- Interlingual and Dictionary Based
- Statistical MT
  Example Based MT
- Hybrid MT

Unit: IV **12 Hours**

Evaluation of MT

- Evaluation of MT
- Challenges in Machine Translation
- Ambiguity and Acceptability

References:

Compulsory Readings:

1. Chandra, Subhash. मशीनी अनुवाद (Machine Translation) यूजीसी सीबीसीएस स्कीम के तहत बीए (संस्कृत) के एईईसी (AEEC)-3 के पाठ्यक्रम पर आधारित. Vidyanidhi Prakashana, New Delhi, India, ISBN: 9789385539527.
2. Sergei Nirenburg, H. L. Somers, Readings in Machine Translation, MIT Press (MA)
3. Philipp Koehn, Statistical Machine Translation, Cambridge University Press.
4. Sergei Nirenburg, Jaime Carbonell, Masaru Tomita, Editors: Kenneth Goodman, Machine Translation: A Knowledge-Based Approach, Morgan Kaufmann Publishers Inc. San Francisco, CA, USA, 1994
5. Amba Kulkarli, Machine translation activities in India: A survey, In proceedings of workshop on survey on Research and Development of Machine Translation in Asian Countries, Thailand, May 13-14, 2002.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF LINGUISTICS

Category-II

BA (Prog.) with Linguistics as Major

DSC (3): Elementary Phonetics and Phonology

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Elementary Phonetics and Phonology	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives: Building on the DSC-1, this course provides hands-on training in analysing the phonetics and phonology of languages(s). It deals with the production of speech sounds and their descriptive and physical properties. Students learn how to transcribe and describe sounds using International Phonetic Alphabets (IPA symbols) and diacritics. Students work with a variety of languages.

Learning outcomes: Basic skills in Phonetic and phonological analysis; Gain practical Knowledge of how to identify the sound inventory of a language; analyse phonetic and acoustic properties of speech sounds; identify phonological processes and carry out phonological analysis of a given language.

(45 hours Lectures)

Unit 1: **Identification and description of different classes of speech sounds**

10 Hours

- Perception
- Description
- Transcription

Unit 2: **Physical properties of speech sounds**

10 Hours

- Learning to record speech sounds
- Spectrograms and speech sounds

- Waveforms and speech sounds (periodic-aperiodic, simple-complex)

Unit 3: **Phonological Analysis** **15 Hours**

- Natural classes
- Contrast and Minimal pairs
- Environment and distribution
- Phonological processes in specific languages

Unit 4: **Non-segmental Phonological properties**

10 Hours

- Tonal languages
- Syllable and Stress
- Phonological analysis

Readings

1. Ladefoged, Peter. 2001 (4th edn.). *A course in phonetics*. New York: Harcourt Brace.
2. Ladefoged, Peter and Johnson, Keith. 2011 (6th edition). *A course in phonetics*. Wadsworth.
3. Ohio language files. Or any other best Intro book
4. Fromkin, Victoria, Rodman,Robert and Hyams, Nina. *Introduction to language*. 2012 ed. Thomson-Wadsworth.

KEYWORDS: Speech Sounds, Transcription, Spectrogram, Tone, Syllable, Stress.

Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC (4): Phonetics and Phonology of Indian Languages

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Phonetics and Phonology of Indian Languages	4	3	1	0	Class XII	NIL

Objectives. This course provides the physical properties of speech sounds and the speech sound patterns of Indian languages.

Learning outcomes. The learning outcomes include the Phonetic and Phonological analysis of Indian languages.

(45 hours Lectures)

Unit 1: **Phonetics and Phonology of Indian languages- An Introduction**

10 Hours

- Speech sounds and Mother tongue.
- Articulation of the speech sounds and their relation to the native languages.
- IPA charts: Consonants and Vowels

Unit 2: **Phonetics and Phonology of Indo-Aryan Languages**

10 Hours

- Articulation of Vowels and Consonants of Indo-Aryan Languages.
- Classification of Vowels and Consonants; Clusters; Diphthongs of Indo-Aryan Languages. Suprasegmental features of Indo-Aryan Languages: Stress, length, Pitch, Intonation.
- Organization of speech sounds of Indo-Aryan Languages
- Possible sequences of speech sounds in Indo-Aryan Languages.
- Indo-Aryan Languages and Phonological processes.

Unit 3: **Phonetics and Phonology of Dravidian languages and Tibeto-Burman languages**

15 Hours

- Articulation of Vowels and Consonants of Dravidian languages and Tibeto-Burman languages.
- Classification of Vowels and Consonants; Clusters; Diphthongs of Dravidian languages and Tibeto-Burman languages. Suprasegmental features of Dravidian languages and Tibeto-Burman languages: Stress, length, Pitch, Intonation.
- Organization of speech sounds of Dravidian language family and Tibeto-Burman languages.
- Possible sequences of speech sounds in Dravidian languages and Tibeto-Burman languages.
- Dravidian languages and Tibeto-Burman languages: Phonological processes.

Unit 4: **Phonetics and Phonology of Austro-Asiatic languages and Languages of Andaman and Nicobar**

10 Hours

- Articulation of Vowels and Consonants of Austro-Asiatic languages and Languages of Andaman and Nicobar.
- Classification of Vowels and Consonants; Clusters; Diphthongs Austro-Asiatic languages and Languages of Andaman and Nicobar. Suprasegmental features of Austro-Asiatic languages and Languages of Andaman and Nicobar: Stress, length, Pitch, Intonation.
- Organization of speech sounds of Austro-Asiatic languages and Languages of Andaman and Nicobar.
- Possible sequences of speech sounds in Austro-Asiatic languages and Languages of Andaman and Nicobar.
- Austro-Asiatic languages and Languages of Andaman and Nicobar: Phonological processes.

Readings

1. Abercrombie, D. 1967. *Elements of General Phonetics*. Edinburgh: E. University Press.
2. Hyman, L.M. 1975. *Phonology: Theory and Analysis*. New York: Holt, Rinehart & Winston.
3. Ladefoged, P. 1962. *Elements of Acoustic Phonetics*. Chicago: University Of Chicago.

4. Ladefoged, P. 1971. *Preliminaries to Linguistic Phonetics*. Chicago: Chicago University Press.
5. Ladefoged, P. 1975. *A Course in Phonetics*. New York: Harcourt Brace Jovanovich 2nd. ed. 1982.
6. Pike, K.L. 1947. *Phonemics*. Ann Arbor: The University of Michigan Press.
7. Radford, A., M. Atkinson, D. Britain, H. Clahsen & A. Spencer. 1999. *Linguistics: An Introduction*. UK: Cambridge University Press.

KEYWORDS: Indo-Aryan, Dravidian, Austro-Asiatic, Tibeto-Burman, Andamans, Nicobar, IPA, Clusters, Diphthongs.

Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category-III

BA (Prog.) with Linguistics as Non-Major

DSC (3): Elementary Phonetics and Phonology

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Elementary Phonetics and Phonology	4	3	1	0	Class XII	NIL

Objectives: Building on the DSC-1, this course provides hands-on training in analysing the phonetics and phonology of languages(s). It deals with the production of speech sounds and their descriptive and physical properties. Students learn how to transcribe and describe sounds using International Phonetic Alphabets (IPA symbols) and diacritics. Students work with a variety of languages.

Course learning outcomes: Basic skills in Phonetic and phonological analysis; Gain practical Knowledge of how to identify the sound inventory of a language; analyse phonetic and acoustic properties of speech sounds; identify phonological processes and carry out phonological analysis of a given language.

(45 hours Lectures)

Unit 1: **Identification and description of different classes of speech sounds**

10 Hours

- Perception
- Description
- Transcription

Unit 2: **Physical properties of speech sounds**

10 Hours

- Learning to record speech sounds

- Spectrograms and speech sounds
- Waveforms and speech sounds (periodic-aperiodic, simple-complex)

Unit 3: **Phonological Analysis** **15 Hours**

- Natural classes
- Contrast and Minimal pairs
- Environment and distribution
- Phonological processes in specific languages

Unit 4: **Non-segmental Phonological properties**

10 Hours

- Tonal languages
- Syllable and Stress
- Phonological analysis

Readings

5. Ladefoged, Peter. 2001 (4th edn.). *A course in phonetics*. New York: Harcourt Brace.
6. Ladefoged, Peter and Johnson, Keith. 2011 (6th edition). *A course in phonetics*. Wadsworth.
7. Ohio language files. Or any other best Intro book
8. Fromkin, Victoria, Rodman,Robert and Hyams, Nina. *Introduction to language*. 2012 ed. Thomson-Wadsworth.

KEYWORDS: Speech Sounds, Transcription, Spectrogram, Tone, Syllable, Stress.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CATEGORY-IV

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES OFFERED BY DEPARTMENT OF LINGUISTICS

GENERIC ELECTIVES (GE-2): LINGUISTICS AND MEDIA

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Linguistics and Media	4	3	1	0	Class XII	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To develop students' understanding of the role language plays in the construction, interpretation and communication of media texts
- To develop students' understanding of the influence that media has on languages and their use
- To teach the fundamentals of media discourse analysis using linguistic tools
- To make students appreciate how media language is produced and shaped by social structures

Learning outcomes

By participating in this course, the student will develop:

- an appreciation of linguistic structures underlying media discourse;
- skills to analyse spoken and written language using linguistic tools in the contexts of print, digital and new media
- experience of handling of difficult and sensitive materials and an understanding of ethical issues involved in crime-related data;
- skills of auditory analysis and digital processing of forensic recordings.

SYLLABUS OF GE-2 (SEMESTER-II)

(45 hours Lectures)

UNIT – I (10 Hours)

Media and discourse processes

- Critical Discourse Analysis
- Textual analysis
- Analyising social practices

UNIT – II (15 Hours)

Micro-linguistic features of media texts

- Phonetic & Phonological features
- Morphological features
- Syntactic features

UNIT – III (10 Hours)

Meaning and media

- Semantics of media texts
- Pragmatics of media texts
- Semiotics of media texts

UNIT – IV (10 Hours)

Media and language change

- language maintenance and shift
- advertising language
- new media and language change

Practical component (if any) – NIL

Essential/recommended readings

Bell, A. (1991). *The language of news media*. Oxford: Basil Blackwell

Fairclough, N. (1993). Critical discourse analysis and the marketization of public discourse: The universities. *Discourse and Society*. 4.133-168.

Jones, R. H., Jaworska, S., Aslan, E. (2021). *Language and Media: A Resource Book for Students* (2nd Edition). London & New York: Routledge.

Suggestive readings

Bhatia, T. K. (1992). Discourse functions and pragmatics of mixing: Advertising across cultures. *World Englishes*. 11.195-215.

Cook, G. (1992). *The discourse of advertising*. London: Routledge

Fatihi, Ali R. (2022). *Media Linguistics in South Asia*. London & New York: Routledge

Fowler, R. (1991). *Language in the news: Discourse and ideology in the press*. London: Routledge.
Grice, H.P. (1975). Logic and conversation. In P. Cole & J.L. Morgan (eds.) *Syntax and Semantics, Vol. 3, Speech Acts*. New York: Academic Press.
Hartford, B. A. S. (1993). Tense and aspect in the news discourse of Nepali English. *World Englishes*. 12.1-13

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DEPARTMENT OF PUNJABI

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -4 (DSC-4)

ADHUNIK PUNJABI SAHIT DA ITIHAS

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
ADHUNIK PUNJABI SAHIT DA ITIHAS	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 10th Standard or *Working knowledge of Punjabi language***

Credits: 4 **L/T/P= 3/1/0**

Learning Objectives:

- The course will offer extensive insight into the history of Modern Punjabi literature, while laying special emphasis on various literary movements, genres and writers.
- It will help the students to evaluate the way socio-cultural and historical phenomena influence the literary production of a particular period.
- The course will help them to develop a nuanced appreciation of the literary production of modern times.
- The students will be offered an in-depth understanding on the growth of Punjabi language under the influence of various other languages.
- The course will guide the students to understand the history of different genres of Modern Punjabi literature.

Learning Outcomes:

- The students will be able to understand the concept of Colonial Modernity.
- They can analyze the influence of modernity on Punjab and Punjabi literature.
- The course will educate them to understand various social and political movements of Punjab which provide shape to Modern Punjabi Literature.

- The students will understand the history of Modern Punjabi poetry, fiction, drama and prose.
- They will be able to evaluate various trends emerged in Modern Punjabi Literature.

Unit 1 ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ: ਸਿਧਾਂਤ ਅਤੇ ਇਤਿਹਾਸ (Adhunik Punjabi Sahit: Sidhant ate Itihas) **(12 hours)**

- ਆਧੁਨਿਕਤਾ: ਸੰਕਲਪ ਅਤੇ ਸਰੂਪ

  Adhunikta: Sankalp ate Saroop
- ਮੱਧਕਾਲ ਅਤੇ ਆਧੁਨਿਕ ਕਾਲ ਦਾ ਨਿਖੇੜਾ

  Madhkal ate Adhunik kaal da Nikherha
- ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦਾ ਇਤਿਹਾਸਕ ਪਿਛੋਕੜ

  Adhunik Punjabi Sahit da Itihasak Pichhokarh
- ਪੰਜਾਬ ਦੀਆਂ ਸਮਾਜਕ-ਧਾਰਮਕ ਲਹਿਰਾਂ

  Punjab dian Samajak-Dharmak Lehran

Unit 2 ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਕਵਿਤਾ (Adhunik Punjabi Kavita) **(9 hours)**

- ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਅਤੇ ਰੁਮਾਂਸਵਾਦੀ ਕਾਵਿ ਧਾਰਾ

  Rahasvadi ate Romancevadi Kaav Dhara
- ਪ੍ਰਗਤੀਵਾਦੀ ਕਾਵਿ ਧਾਰਾ

  Pragtivadi Kaav Dhara
- ਸੁਹਜਵਾਦੀ ਕਾਵਿ ਧਾਰਾ

  Sohajvadi Kaav Dhara
- ਜੁਝਾਰਵਾਦੀ ਕਾਵਿ ਧਾਰਾ

  Jujharvadi Kaav Dhara

Unit 3 ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਗਲਪ (Adhunik Punjabi Galap) **(12 hours)**

- 1960 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਵਲ

  1960 ton Pehlan da Punjabi Novel
- 1960 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਵਲ

  1960 ton Baad da Punjabi Novel
- 1960 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ

  1960 ton Pehlan di Punjabi Kahani
- 1960 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ

  1960 ton Baad di Punjabi Kahani

Unit 4 ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਟਕ ਅਤੇ ਵਾਰਤਕ (Adhunik Punjabi Natak ate Vartak) **(12 hours)**

- 1960 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਟਕ

  1960 ton Pehlan da Punjabi Natak
- 1960 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਟਕ

  1960 ton Baad da Punjabi Natak

- 1960 ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਰਤਕ

  1960 ton Pehlan di Punjabi Vartak

- 1960 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਰਤਕ

  1960 ton Baad di Punjabi Vartak

Essential Reading:

- Jaswinder Singh (Dr.), Dhindsa, Man Singh (2006), **Punjabi Sahit da Itihas (Adhunik Kal 1901-1995)**, Punjabi University, Patiala.
- Kasel, Kirpal Singh, Parmindar Singh (eds.) (2002), **Punjabi Sahit di Utpatti te Vikas**, Lahore Book Shop, Ludhiana.

Suggested Readings:

- Brar, Rajinder Pal Singh (Dr.) (2006), **Adhunik Punjabi Kavita da Itihas**, Punjabi Academy, Delhi.
- Dhaliwal, Baldev Singh (2006), **Adhunik Punjabi Kahani da Itihas**, Punjabi Academy, Delhi.
- Piara Singh (Prof.) (2004), **Punjabi Vartak: Sidhant, Itihas te Parvirtian**, New Book Company, Jalandhar.
- Piara Singh (Prof.) (2004), **Punjabi Galap: Sidhant, Itihas te Parvirtian**, New Book Company, Jalandhar.
- Piara Singh (Prof.) (2004), **Adhunik Punjabi Kavita: Sidhant, Itihas te Parvirtian**, New Book Company, Jalandhar.
- Satinder Singh (Dr.) (2006), **Adhunik Punjabi Vartak da Itihas,** Punjabi Acadmey, Delhi.
- Verma, Satish Kumar (Dr.) (2005), **Punjabi Natak da Itihas**, Punjabi Academy, Delhi.

INTERNET RESOURCES:

- **https://www.britannica.com/art/Punjabi-literature**
- http://ccrtindia.gov.in/downloads/Fellowship/Published%20Project/2013-2014/34.%20History%20of%20Punjabi%20Lecture.pdf
- https://pa.bharatpedia.org.in/wiki/%E0%A8%AA%E0%A9%B0%E0%A8%9C%E0%A8%BE%E0%A8%AC%E0%A9%80_%E0%A8%B8%E0%A8%BE%E0%A8%B9%E0%A8%BF%E0%A8%A4_%E0%A8%A6%E0%A8%BE_%E0%A8%87%E0%A8%A4%E0%A8%BF%E0%A8%B9%E0%A8%BE%E0%A8%B8

***(Note: Teachers are free to recommend additionall related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -5 (DSC-5)

ADHUNIK PUNJABI KAVITA

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
ADHUNIK PUNJABI KAVITA	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 10th Standard or *Working knowledge of Punjabi language***

Credits: 4 **L/T/P= 3/1/0**

LEARNING OBJECTIVES:

- The course will demonstrate knowledge of Modern Punjabi Poetry.
- The course will help the students to recognize and identify different formal rhythmic properties of poems and of language as a whole.
- It will demonstrate an understanding of poetic vocabulary essential to the practice of literary criticism.
- The course will develop an understanding of individual poets in their historical, social, economic, cultural and political contexts.
- The course is aimed to evaluate the creative and analytical sensibility of the students.

LEARNING OUTCOMES:

- The students will be able to analyse various elements of poetry such as diction, tone, form, genre, imagery, figures of speech, symbolism, theme, etc.
- They will be able to identify various forms and genres of poetry such as Nazam, Ghazal, Rubai and Free Verse etc.
- The course will facilitate them to understand the socio-cultural, economic and political concerns of Punjabi society reflected in Punjabi poetry.
- They will understand the basic terminology and practical elements of poetry.
- They will develop a feeling of sensitivity depicted in poetry.

Unit 1 ਮੁਢਲੇ ਦੌਰ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਵਿਤਾ (Mudhle Dour di Punjabi Kavita) (12 hours)

- ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ: ਸਮਾਂ, ਕੰਬਦੀ ਕਲਾਈ, ਗੁਲਾਬ ਦਾ ਫੁੱਲ ਤੋੜਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ

  Bhai Vir Singh: Sama, Kambadi Kalai, Gulab da Full Torhan Vale Nu
- ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ: ਹਲ਼ ਵਾਹੁਣ ਵਾਲੇ, ਜਵਾਨ ਪੰਜਾਬ ਦੇ, ਪਸ਼ੂ ਚਰਦੇ

  Puran Singh: Hal Vahun Vale, Javan Punjab de, Pashu Charde
- ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ: ਪੰਜਾਬ, ਮੇਲੇ ਵਿਚ ਜੱਟ, ਬੋਲੀ ਹੈ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਡੀ

  Dhani Ram Chatrik: Punjab, Mele Vich Jatt, Boli hai Punjabi Sadi
- ਨੰਦ ਲਾਲ ਨੂਰਪੁਰੀ: ਭੋਲਾ ਪੰਛੀ, ਚੁੰਮ-ਚੁੰਮ ਰੱਖੋ, ਸ਼ੌਕਣ ਮੇਲੇ ਦੀ

  Nand Laal Noorpuri: Bhola Panchhi, Chum-Chum Rakho, Shoukan Mele di

Unit 2 ਦੂਜੇ ਦੌਰ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਵਿਤਾ (Duje Dour di Punjabi Kavita) (12 hours)

- ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ: ਤਾਜ ਮਹਿਲ, ਰੱਬ, ਮੁੱਕਣ ਤੇ ਆਇਆ ਸਾਥੀਓ (ਗ਼ਜ਼ਲ)

  Mohan Singh: Taj Mehal, Rabb, Mukan te Aaya Sathiyo (Ghazal)
- ਅਮ੍ਰਿਤਾ ਪ੍ਰੀਤਮ: ਅੱਜ ਆਖਾਂ ਵਾਰਸ ਸ਼ਾਹ ਨੂੰ, ਅੰਨਦਾਤਾ, ਸੁਨੇਹੜੇ

  Amrita Pritam: Ajj Aakhan Waris Shah nu, Anndaata, Sunehrhe
- ਬਾਵਾ ਬਲਵੰਤ: ਦੁਨੀਆ, ਓਸ ਦਾ ਹਾਰ, ਨਵੀਨ ਆਸ

  Bawa Balwant: Dunia, Os da Haar, Navin Aas
- ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ: ਮਾਏ ਨੀ, ਵੇ ਮੈਂ ਭਰੀ ਸੁੰਗਧੀਆਂ ਪੌਣ, ਧਰਤੀ ਦੇ ਹੇਠਾਂ

  Harbhajan Singh: Maye Ni, Ve Mein Bhari Sugandhian Poun, Dharti de Hethan

Unit 3 ਤੀਜੇ ਦੌਰ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਵਿਤਾ (Teeje Dour di Punjabi Kavita) (12 hours)

- ਸ. ਸ. ਮੀਸ਼ਾ: ਚੀਕ ਬੁਲਬੁਲੀ, ਅੱਧੀ ਰਾਤ ਪਹਿਰ ਦੇ ਤੜਕੇ, ਸ਼ਾਮ ਦੀ ਨਾ ਸਵੇਰ ਦੀ ਗੱਲ ਹੈ

  S.S. Meesha: Cheek Bulbuli, Adhi Raat Pehar de tadhke, Sham di na Sver di Gall hai
- ਜਗਤਾਰ: ਹਰ ਮੋੜ 'ਤੇ ਸਲੀਬਾਂ, ਕੋਈ ਮਜ਼ਬੂਰੀ ਨਹੀਂ, ਰੁੱਖਾਂ ਹੇਠ ਛੁਪ ਕੇ

  Jagtar: Har Morh te Saliban, Koi Mazboori Nahi, Rukhan Heth Chhup Ke
- ਸ਼ਿਵ ਕੁਮਾਰ: ਰੁੱਖ, ਆਰਤੀ, ਕੀ ਪੁੱਛਦੇ ਓਂ ਹਾਲ ਫਕੀਰਾਂ ਦਾ

  Shiv Kumar: Rukh, Aarti, Ki Puchhde ho Haal Fakiran da
- ਪਾਸ਼: ਦਹਿਕਦੇ ਅੰਗਿਆਰਾਂ 'ਤੇ, ਚਿੜੀਆਂ ਦਾ ਚੰਬਾ, ਸਭ ਤੋਂ ਖ਼ਤਰਨਾਕ

  Pash: Dehkde Angiyaran te, Chirhiyan da Chamba, Sabh ton Khatarnak

Unit 4 ਚੌਥੇ ਦੌਰ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਵਿਤਾ (Chouthe Dour di Punjabi Kavita) (9 hours)

- ਸੁਰਜੀਤ ਪਾਤਰ: ਕੁਝ ਕਿਹਾ ਤਾਂ, ਚੱਲ ਪਾਤਰ ਹੁਣ ਢੂੰਡਣ ਚੱਲੀਏ, ਆਇਆ ਨੰਦ ਕਿਸ਼ੋਰ

  Surjit Patar: Kujh Kiha tan, Chal Patar hun Dhundhan Chaliye, Aaya Nand Kishor
- ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਅਮ੍ਰਿਤ: ਬੜੀ ਹੀ ਨਰਮ ਪੱਤੀ ਹਾਂ, ਥਲਾਂ ਦਾ ਸੇਕ ਨਾ ਹੋਵੇ, ਨੀ ਫੁੱਲਾਂ ਵਰਗੀਓ ਕੁੜੀਓ

  Sukhwinder Amrit: Barhi hi Naram Patti han, Thalan da Sek na Hove, Ni Fullan Vargiyo Kurhiyo
- ਬਲਬੀਰ ਮਾਧੋਪੁਰੀ: ਕਵਿਤਾ ਮੁਖ਼ਾਤਬ ਹੋ, ਕੱਖੋਂ ਹੌਲਾ ਆਦਮੀ, ਮਾਂ ਦੱਸਦੀ ਹੈ

  Balbir Madhopuri: Kavita Mukhatab ho, Khakhon Hola Aadmi, Maa Dasdi hai

- ਜਸਵੰਤ ਜ਼ਫ਼ਰ: ਅਸੀਂ ਨਾਨਕ ਦੇ ਕੀ ਲੱਗਦੇ ਹਾਂ, ਭਾਈ ਘੱਨਈਆ, ਭਗਤ ਸਿੰਘ

  Jaswant Zafar**:** Asin Nanak de Ki Lagde han, Bhai Ghanyia, Bhagat Singh

Essential Readings/Sources:

- Jagjit Singh (Dr), Virk, Anup Singh (Prof) (eds.) (2014), **Samkali Punjabi Kavita**, Punjabi University, Patiala.
- https://www.punjabi-kavita.com/

Suggested Readings:

- Brar, Rajinder Pal Singh (Dr.) (2006), **Adhunik Punjabi Kavita da Itihas**, Punjabi Academy, Delhi.
- Kasel, Kirpal Singh, Parmindar Singh (eds.) (2002), **Punjabi Sahit di Utpatti te Vikas**, Lahore Book Shop, Ludhiana.
- Jaswinder Singh (Dr.) & Man Singh Dhindsa (2006), **Punjabi Sahit da Itihas (Adhunik Kal 1901-1995)**, Publication Bureau, Punjabi University, Patiala.
- Piara Singh (Prof.) (2004), **Adhunik Punjabi Kavita: Sidhant, Itihas te Parvirtian**, New Book Company, Mai Hiran Gate, Jalandhar.
- Satinder Singh (Dr.) (1980), **Adhunik Punjabi Kaav Roop Adhiyan**, Guru Nanak Dev University, Amritsar.

***(Note: Teachers are free to recommend additionall related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -6 (DSC-6)

ADHUNIK PUNJABI KAHANI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
ADHUNIK PUNJABI KAHANI	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 10th Standard or *Working knowledge of Punjabi language***

Credits: 4 **L/T/P= 3/1/0**

Learning Objectives:

- The course will develop skills in short story analysis, including comprehension of the narrative fundamentals of character, point of view, theme and plot in Punjabi short stories.
- It will help the students to gain an appreciation of different literary styles, voices and approaches in Punjabi short stories.
- The course is aimed to develop ethical values, social concerns and awareness about the current issues of society among the students.
- The course will give an outline of various development phases of Punjabi short story.
- It will help the students to develop a creative aspect and sensitize them towards society.

Course Outcomes:

- Students will develop an ability to identify, analyse, interpret and describe the critical ideas, values, and themes appeared in the prescribed short stories.
- They will be able to understand the ways how various ideas, values and themes are depicted in Punjabi short stories.

- The students will develop skills in literary analysis, including comprehension of the narrative, fundamentals of character, point of view, theme and action (plot).
- They will gain an appreciation of different literary styles, voices and approaches in Punjabi short story.
- The course will develop ethical values, social concerns and awareness about the current issues of society among the students.

Unit 1 ਮੁਢਲੇ ਦੌਰ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ (Mudhle Dour di Punjabi Kahani) (12 hours)

- ਨਾਨਕ ਸਿੰਘ: ਤਾਸ਼ ਦੀ ਆਦਤ, ਸੁਨਹਿਰੀ ਜਿਲਦ

  Nanak Singh: Tash di Aadat, Sunehri Jilad
- ਗੁਰਬਖ਼ਸ਼ ਸਿੰਘ: ਭਾਬੀ ਮੈਨਾ, ਪਹੁਤਾ ਪਾਂਧੀ

  Gurbax Singh: Bhabhi Maina, Pahuta Pandhi
- ਸੁਜਾਨ ਸਿੰਘ: ਬਾਗਾਂ ਦਾ ਰਾਖਾ, ਰਾਸ ਲੀਲਾ

  Sujan Singh: Bagan da Rakha, Raas Leela
- ਸੰਤ ਸਿੰਘ ਸੇਖੋਂ: ਪੇਮੀ ਦੇ ਨਿਆਣੇ, ਹਲ਼ ਵਾਹ

  Sant Singh Sekhon: Pemi de Niane, Hal Vah

Unit 2 ਦੂਜੇ ਦੌਰ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ (Duje Dour di Punjabi Kahani) (12 hours)

- ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੁੱਗਲ: ਕਰਾਮਾਤ, ਨੀਲੀ

  Kartar Singh Duggal: Karamat, NILi
- ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ: ਖੱਬਲ, ਧਰਤੀ ਹੇਠਲਾ ਬੌਲਦ

  Kulwant Singh Virk: Khabbal, Dharti Hethla Boulad
- ਸੰਤੋਖ ਸਿੰਘ ਧੀਰ: ਕੋਈ ਇਕ ਸਵਾਰ, ਸਵੇਰ ਹੋਣ ਤੱਕ

  Santokh Singh Dheer: Koi Ik Savar, Sver Hon Takk
- ਦਲੀਪ ਕੌਰ ਟਿਵਾਣਾ: ਰੱਬ ਤੇ ਰੁੱਤਾਂ, ਸਤੀਆਂ ਸੇਈ

  Dalip Kaur Tiwana: Rabb te Ruttan, Satian Sein

Unit 3 ਤੀਜੇ ਦੌਰ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ (Teeje Dour di Punjabi Kahani) (12 hours)

- ਅਜੀਤ ਕੌਰ: ਗੁਲਬਾਨੋ, ਮੌਤ ਅਲੀ ਬਾਬੇ ਦੀ

  Ajit Caur: Gulbano, Mout Ali Babe di
- ਗੁਰਬਚਨ ਭੁੱਲਰ: ਖ਼ੂਨ, ਨਿੱਕੀ ਬੂਟੀ ਦਾ ਸੂਟ

  Gurbachan Bhullar: Khoon, Niki Booti da Suit
- ਨਵਤੇਜ: ਦੇਸ਼ ਵਾਪਸੀ, ਸੁਨੇਹਾ

  Navtej: Desh Vapsi, Suneha
- ਮੋਹਨ ਭੰਡਾਰੀ: ਘੋਟਣਾ, ਮੈਨੂੰ ਟੈਗੋਰ ਬਣਾ ਦੇ ਮਾਂ

  Mohan Bhandari: Ghotna, Mainu Tagore Bana de Ma

Unit 4 ਚੌਥੇ ਦੌਰ ਦੀ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ (Chouthe Dour di Punjabi Kahani) (9 hours)

- ਵਰਿਆਮ ਸੰਧੂ: ਆਪਣਾ-ਆਪਣਾ ਹਿੱਸਾ, ਚੌਥੀ ਕੂਟ

  Wariyam Sandhu: Apna Apna Hissa, Chouthi Koot
- ਪ੍ਰੇਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼: ਬੰਗਲਾ, ਗੋਈ

  Prem Prakash: Bangla, Goi

- ਗੁਰਮੀਤ ਕੜਿਆਲਵੀ: ਆਤੂ ਖੋਜੀ, ਹਾਰੀਂ ਨਾ ਬਚਨਿਆ

  Gurmeet Karhialvi**:** Aatu Khoji, Harin Na Bachnia
- ਸਾਂਵਲ ਧਾਮੀ**:** ਮੱਲ੍ਹਮ, ਤੂੰ ਨਿਹਾਲਾ ਨਾ ਬਣੀ

  Sanwal Dhami**:** Malham, Tu Nihala na Bani

Essential Readings/Sources:

- Harbhajan Singh (ed.) (2009), (6th Edition) **Katha Punjab**, National Book Trust, Delhi.
- https://www.punjabi-kavita.com/punjabikahani/PunjabiStories.php

Suggested Readings:

- Bhogal, Piara Singh (undated) **Punjabi Kahani da Vikas**, National Book Trust, Delhi.
- Jaswinder Singh (Dr.), Man Singh Dhindsa (2006), **Punjabi Sahit da Itihas (Adhunik Kal 1901-1995)**, Punjabi University, Patiala.
- Kasel, Kirpal Singh, Parmindar Singh (eds.) (2002), **Punjabi Sahit di Utpatti te Vikas**, Lahore Book Shop, Ludhiana.
- Lehri, Rajinder (Dr.) (Main ed.), (2013), **Punjabi Kahani: Praptian te Sambhavnan** (Duji Vishav Punjabi Sahit Conference), Punjabi University, Patiala.
- Piara Singh (Prof.), (2004), **Punjabi Galap: Sidhant, Itihas te Parvirtian**, New Book Company, Jalandhar.
- Sandhu, Waryam Singh (2007), **Azadi ton Baad di Punjabi Kahani**, National Book Trust, Delhi.

***(Note: Teachers are free to recommend additionall related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category II

(B.A. Programmes with Punjabi as Major discipline)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -3 (DSC-3)
PUNJABI LOKDHARA ATE SABHIYACHAR

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
PUNJABI LOKDHARA ATE SABHIYACHAR	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 8th Standard or *Working knowledge of Punjabi language***

Credits: 4 **L/T/P= 3/1/0**

Learning Objectives:

- Students will understand the concepts of folklore and culture.
- They will learn the various folk traditions of Punjab and their importance in life.
- Students will demonstrate the knowledge of folk-literature, folk-traditions and customsand rituals of Punjab.
- They will examine Punjab's folklore and culture and explore themselves by studying tracesof Punjabi culture.
- They will be able to understand the current problems occurring in Punjabi society and country to find the appropriate way to handle them.

Learning Outcomes:

- The students will be able to understand the basic concepts of Punjabi folklore and culture.
- They will demonstrate the knowledge of folk literature, customs and rituals of Punjab.

- The students will develop the knowledge of Punjabi folk songs, fairs and festivals.
- They will be able to understand literature in better way after studying folkore and culture.

UNIT 1: ਲੋਕਧਾਰਾ ਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰ: ਮੁਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ (Lokdhara ate Sabhiyachar: Mudhli Jaan Pachhaan) **(12 hours)**

- ਲੋਕਧਾਰਾ : ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਤੇ ਤੱਤ

  Lokdhara: Paribhasha te Tatt
- ਲੋਕਧਾਰਾ ਦੀਆਂ ਮੁੱਖ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lokdhara diyan Mukh Vangiaan
- ਸਭਿਆਚਾਰ: ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ

  Sabhiachar : Paribhasha te Vishestav
- ਪੰਜਾਬੀ ਸਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਮੁੱਖ ਪਛਾਣ-ਚਿੰਨ੍ਹ

  Punjabi Sabhiachar de Mukh Pachhan-Chin

UNIT 2: ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਸਾਹਿਤ (Punjabi Lok Sahit) **(12 hours)**

- ਲੋਕ ਸਾਹਿਤ: ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lok Sahit: Paribhasha ate Vangiaan
- ਲੋਕਗੀਤ: ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lok Geet: Paribhasha ate Vangiaan
- ਲੋਕ ਕਥਾ: ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lok Katha: Paribhasha ate Vangiaan
- ਅਖਾਣ ਅਤੇ ਮੁਹਾਵਰੇ

  Akhan ate Muhavare

UNIT 3: ਪੰਜਾਬੀ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ, ਮੇਲੇ ਅਤੇ ਤਿਉਹਾਰ (Punjabi Rasam Rivaj ate Mele Tyohaar) **(12 hours)**

- ਜਨਮ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ

  Janam Naal Sambhadhat Rasam Rivaj
- ਵਿਆਹ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ

  Viaah Naal Sambhadhat Rasam Rivaj
- ਮੌਤ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ

  Maut Naal Sambhadhat Rasam Rivaj
- ਮੇਲੇ ਅਤੇ ਤਿਉਹਾਰ

  Mele ate Tyohaar

UNIT 4: ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਕਲਾਵਾਂ ਅਤੇ ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਵਾਸ (Lok Kalawan ate Lok Vishvas) **(9 hours)**

- ਲੋਕ ਕਲਾਵਾਂ : ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lok Kalawan: Paribhasha ate Vangiaan
- ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਨਾਚ

Punjabi Lok Naach

- ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਨਾਟ

  Punjabi Lok Naat
- ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਵਾਸ

  Punjabi Lok Vishvas

ESSENTIAL READINGS:

- Jaswinder Singh (2014), **Punjabi Sabhiyachar: Pachhan Chinn**, Gracious Books, Patiala.
- Jeet Singh Joshi (2009), **Lokdhara : Sidhant te Vishleshan**, Waris Shah Foundation, Amritsar.
- Bedi, S. S. Wanjara (Undated), **Punjab Di Lokdhara,** National Book Trust of India, Delhi.

SUGGESTED READINGS:

- Bedi, S. S. Wanjara (2002), **Punjabi Lokdhara Vishavkosh**, National Book Shop, Delhi.
- Gurdial Singh (Undated), **Punjab De Mele ate Teyohar**, Prakashan Vibhag, BharatSarkar, Delhi.
- Kairon, Joginder Singh (Undated), **Punjabi Lokdhara Adhiyan**, Guru Nanak Dev University, Amritsar.
- Nahar Singh (2011), **Kaleyan Harna Rohiye Firna**, Punjabi University, Patiala.
- Rajinderpal Singh, Jasvinder Singh, Baldev Singh Cheema (2011), **Lokdhara ate Adhunikta**, Punjabi University, Patiala.
- Sukhdev Madpuri (2013), **Punjabi Lok Gathavan**, Chetana Prakashan, Ludhiana.
- Thind, Karnail Singh (2016), **Punjab da Lok Virsa**, Punjabi University, Patiala.
- Thuhi, Hardial (2018), **Punjabi Lok Gayaki da Safar**, Lokgeet Prakashan, Mohali.

***(Note: Teachers are free to recommend additional related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -4 (DSC-4)
COMPUTER ATE PUNJABI BHASHA

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
Computer ate Punjabi Bhasha	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 8th Standard or** ***Working knowledge of Punjabi language***

Credits: **4L/T/P= 3/1/0**

Learning Objectives:

- This course has been designed for those students who need to have some basic grounding in computer applications.
- The course will provide knowledge about computer fundamentals, Punjabi Language and tools, applications, software and different models of computational Linguistics.
- It will help them to analyse the development of computer fonts and typing skills available in Punjabi language.
- It will help them to search various websites related to Punjabi language, literature and culture.

Learning Outcomes:

- They will understand how computer can help in advancement of Punjabi language.
- They will be able to understand the Typing system, Unicode System and Punjabi Fonts.
- They will understand the concept of Computational Linguistics.
- They will learn about the various you tube channels working in the field of Punjabi language, literature and culture.

Unit 1: ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ: ਮੁਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ (Computer ate Punjabi Bhasha: Mudhli Jaan-Pachhan) **(12 hours)**

- ਕੰਪਿਊਟਰ: ਮੁਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Computer: Mudhli Jaan-Pachhan
- ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਕੰਪਿਊਟਰੀਕਰਨ: ਸਰਵੇਖਣ

  Punjabi Bhasha da Computerikaran: Sarvekhan
- ਇੰਟਰਨੈੱਟ ਦੇ ਦੌਰ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਦਰਪੇਸ਼ ਚੁਣੌਤੀਆਂ

  Internet de daur Vich Punjabi Bhasha nu Darpesh Chanautiaan
- ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ, ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਇੰਟਰਨੈੱਟ ਸਮੱਗਰੀ (ਵੇਬਸਾਇਟ ਤੇ ਯੂਟਿਊਬ ਚੈਨਲ)

  Punjabi Bhasha, Sahit Ate Sabhiachar naal Sambandhat Internet Samagari: Website and YouTube Channel

Unit 2: ਐੱਮਐੱਸ. ਵਰਡ ਅਤੇ ਫੌਂਟ (MS Word and Font) **(12 hours)**

- ਐੱਮਐੱਸ. ਵਰਡ (ਵਰਡ ਸਕਰੀਨ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਭਾਗ, ਕੀ-ਬੋਰਡ ਸ਼ਾਰਟਕੱਟ, ਫੌਂਟ ਤੇ ਪੈਰਾਗ੍ਰਾਫ ਸੈਟਿੰਗ, ਇਨਸਰਟ ਟੈਬ ਦੀ ਵਰਤੋਂ, ਫਾਰਮੈਟ ਕਰਨਾ)

  MSWord, Word screen de Vakha Vakh Bhag, Key Board Shortcuts, Font te Paragraph Setting, Insert tab di Varton, Format Karna
- ਪਾਵਰ ਪੁਆਇੰਟ ਪ੍ਰੈਜਨਟੇਸ਼ਨ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ

  Power Point Presentatin di Sikhlaai
- ਐਕਸਲ ਸ਼ੀਟ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ

  Excel Sheet di Sikhlaai
- ਫੌਂਟ: ਯੂਨੀਕੋਡ, ਫੋਨੈਟਿਕ, ਰਮਿੰਗਟਨ

  Font : Unicode, Phonatic, Ramington

Unit 3: ਪੰਜਾਬੀ ਟਾਈਪਿੰਗ ਦੀਆਂ ਵਿਧੀਆਂ (Punjabi Typing dian Vidhiaan) **(12 hours)**

- ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਟਾਈਪ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਵਿਧੀਆਂ: ਫੋਨੈਟਿਕ, ਰਮਿੰਗਟਨ, ਇਨਸਕਰਿਪਟ)

  Punjabi Vich Type Karan dian Vidhiaan: Phonetic, Ramington, Inscript
- ਯੂਨੀਕੋਡ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਵਿਚ ਟਾਈਪਿੰਗ

  Unicode Parnali Vich Typing
- ਯੂਨੀਕੋਡ ਟਾਈਪਿੰਗ ਟੂਲਜ਼: ਜੀ ਲਿਪੀਕਾ, ਯੂਨੀਟਾਈਪ

  Unicode Typing Tools: G-Lipica, Unitype
- ਗੂਗਲ ਇਨਪੁੱਟ ਟੂਲਜ਼ ਦੀ ਵਰਤੋਂ

  Google Input Tools di Varton

Unit 4: ਅੱਖਰ ਸਾਫਟਵੇਅਰ (Akhar Software) **(9 hours)**

- ਅੱਖਰ ਸਾਫਟਵੇਅਰ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Akhar Software naal Jaan Pachhan
- ਅੱਖਰ ਵਿਚ ਟਾਈਪਿੰਗ

  Akhar Vich Typing
- ਅੱਖਰ ਵਿਚ ਫੌਂਟ ਕਨਵਰਟਰ

  Akhar Vich Font Converter
- ਅੱਖਰ ਵਿਚ ਲਿਪੀਅੰਤਰ ਤੇ ਸਪੈੱਲ ਚੈੱਕਰ

  Akhar Vich Lippiantar te Spell Checker

Essential Readings:

- Jalwanna, Amandeep Kaur, Raj, Harminder Singh. (2013), **Daftari Varton lai Computer Kiven Sikhiye**, Tarakbharti Parkashan, Barnala.
- Kamboj, C.P. (2010), **Computer ate Punjabi Bhasha**, Lokgeet Parkashan, Chandigarh.

Suggested Readings:

- Gautam, Roop Chand (2003), **Electronic Media ke Sidhant**, Sh. Navraj Parkashan. Jalwanna, Delhi.
- Juneja, Jagmohan Singh (2008), **Computer: Muddhli Jankari ate Upyog**, Punjabi University, Patiala.
- Kamboj, C.P. (2010), **Cyber Sansar ate Punjabi Bhasha**, Lokgeet Parkashan, Chandigarh.
- Kamboj, C.P. (2012), **Computer Vigyan**, Punjabi University, Patiala.
- Kamboj, C.P. (2016), **Ajoka Phone Sansar**, Tarakbharti Parkashhan, Barnala.
- Pawan Kumar (2007), **Computer Jaan-Pachhaan**, Lokgeet Parakashan, Chandigarh.

***(Note: Teachers are free to recommend additional related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category III

(B.A. Programmes with Punjabi as non-Major or Minor discipline)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -2 (DSC-2)
PUNJABI LOKDHARA ATE SABHIYACHAR

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
PUNJABI LOKDHARA ATE SABHIYACHAR	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 8th Standard or** ***Working knowledge of Punjabi language***

Credits: 4 **L/T/P= 3/1/0**

Learning Objectives:

- Students will understand the concepts of folklore and culture.
- They will learn the various folk traditions of Punjab and their importance in life.
- Students will demonstrate the knowledge of folk-literature, folk-traditions and customsand rituals of Punjab.
- They will examine Punjab's folklore and culture and explore themselves by studying tracesof Punjabi culture.
- They will be able to understand the current problems occurring in Punjabi society and country to find the appropriate way to handle them.

Learning Outcomes:

- The students will be able to understand the basic concepts of Punjabi folklore and culture.
- They will demonstrate the knowledge of folk literature, customs and rituals of Punjab.
- The students will develop the knowledge of Punjabi folk songs, fairs and festivals.
- They will be able to understand literature in better way after studying folkore and culture.

UNIT 1: ਲੋਕਧਾਰਾ ਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰ: ਮੁਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ (Lokdhara ate Sabhiyachar: Mudhli Jaan Pachhaan) **(12 hours)**

- ਲੋਕਧਾਰਾ : ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਤੇ ਤੱਤ

  Lokdhara: Paribhasha te Tatt
- ਲੋਕਧਾਰਾ ਦੀਆਂ ਮੁੱਖ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lokdhara diyan Mukh Vangiaan
- ਸਭਿਆਚਾਰ: ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ

  Sabhiachar : Paribhasha te Vishestav
- ਪੰਜਾਬੀ ਸਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਮੁੱਖ ਪਛਾਣ-ਚਿੰਨ੍ਹ

  Punjabi Sabhiachar de Mukh Pachhan-Chin

UNIT 2: ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਸਾਹਿਤ (Punjabi Lok Sahit) **(12 hours)**

- ਲੋਕ ਸਾਹਿਤ: ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lok Sahit: Paribhasha ate Vangiaan
- ਲੋਕਗੀਤ: ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lok Geet: Paribhasha ate Vangiaan
- ਲੋਕ ਕਥਾ: ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lok Katha: Paribhasha ate Vangiaan
- ਅਖਾਣ ਅਤੇ ਮੁਹਾਵਰੇ

  Akhan ate Muhavare

UNIT 3: ਪੰਜਾਬੀ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ, ਮੇਲੇ ਅਤੇ ਤਿਉਹਾਰ (Punjabi Rasam Rivaj ate Mele Tyohaar) **(12 hours)**

- ਜਨਮ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ

  Janam Naal Sambhadhat Rasam Rivaj
- ਵਿਆਹ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ

  Viaah Naal Sambhadhat Rasam Rivaj
- ਮੌਤ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਰਸਮ ਰਿਵਾਜ

  Maut Naal Sambhadhat Rasam Rivaj
- ਮੇਲੇ ਅਤੇ ਤਿਉਹਾਰ

  Mele ate Tyohaar

UNIT 4: ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਕਲਾਵਾਂ ਅਤੇ ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਵਾਸ (Lok Kalawan ate Lok Vishvas) **(9 hours)**

- ਲੋਕ ਕਲਾਵਾਂ : ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਵੰਨਗੀਆਂ

  Lok Kalawan: Paribhasha ate Vangiaan
- ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਨਾਚ

  Punjabi Lok Naach
- ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਨਾਟ

  Punjabi Lok Naat
- ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਵਿਸ਼ਵਾਸ

Punjabi Lok Vishvas

ESSENTIAL READINGS:

- Jaswinder Singh (2014), **Punjabi Sabhiyachar: Pachhan Chinn**, Gracious Books, Patiala.
- Jeet Singh Joshi (2009), **Lokdhara : Sidhant te Vishleshan**, Waris Shah Foundation, Amritsar.
- Bedi, S. S. Wanjara (Undated), **Punjab Di Lokdhara,** National Book Trust of India, Delhi.

SUGGESTED READINGS:

- Bedi, S. S. Wanjara (2002), **Punjabi Lokdhara Vishavkosh**, National Book Shop, Delhi.
- Gurdial Singh (Undated), **Punjab De Mele ate Teyohar**, Prakashan Vibhag, BharatSarkar, Delhi.
- Kairon, Joginder Singh (Undated), **Punjabi Lokdhara Adhiyan**, Guru Nanak Dev University, Amritsar.
- Nahar Singh (2011), **Kaleyan Harna Rohiye Firna**, Punjabi University, Patiala.
- Rajinderpal Singh, Jasvinder Singh, Baldev Singh Cheema (2011), **Lokdhara ate Adhunikta**, Punjabi University, Patiala.
- Sukhdev Madpuri (2013), **Punjabi Lok Gathavan**, Chetana Prakashan, Ludhiana.
- Thind, Karnail Singh (2016), **Punjab da Lok Virsa**, Punjabi University, Patiala.
- Thuhi, Hardial (2018), **Punjabi Lok Gayaki da Safar**, Lokgeet Prakashan, Mohali.

***(Note: Teachers are free to recommend additional related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category IV

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES OFFERED BY THE DEPARTMENT OF PUNJABI

GENERIC ELECTIVES (GE-5) : VIHARAK PUNJABI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
VIHARAK PUNJABI	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 8th Standard or *Working knowledge of* **

Credits: **4** **L/T/P= 3/1/0**

LEARNING OBJECTIVES:

- To understand the functional concept of Punjabi Language.
- To demonstrate speaking, listening, reading and writing skills in Punjabi language with advance levels.
- To enable the Students to think in Punjabi language so that they can be fluent in Punjabi language and literature.
- To demonstrate some knowledge of cultural differences related to the practical and written traditions of different societies.
- Understand the inter-relationship with other languages.

LEARNING OUTCOMES:

- Students will be able to speak and write accurate Punjabi Language.
- Students can easily move and easily employed in Punjab state as Punjabi is a widely spoken language there and in other States and countries also.
- As they have learned Punjabi language, they can take up translation jobs from Punjabi to English and English to Punjabi, they can become Translators in Central Govt. Offices in Punjab and in the other states of India and abroad.

- The Students will learn functional aspects of Punjabi Language.

Unit I ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਗਿਆਨ (Punjabi Bhasha da Gyan) (12 hours)

- ਸ਼ਬਦ ਜੋੜਾਂ ਦੇ ਨਿਯਮ ਅਤੇ ਸ਼ਬਦ ਜੋੜ ਸ਼ੁੱਧੀ

  Shabad Jorhan de Niyam ate Shabad Jorh Shudhi
- ਵਾਕਾਂ ਦੇ ਨਿਯਮ ਅਤੇ ਵਾਕ ਸ਼ੁੱਧੀ

  Vaakan de Niyam ate Vaak Shudhi
- ਨਾਂਵ, ਪੜਨਾਂਵ, ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ, ਕਿਰਿਆ ਅਤੇ ਕਿਰਿਆ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ ਦੀ ਵਰਤੋਂ

  Naav, Parhnaav, Visheshan, Kirya ate Kirya Visheshan di Varton
- ਸੰਬੰਧਕ ਅਤੇ ਯੋਜਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ

  Sambandhak ate Yojak di Varton

Unit II ਸ਼ਬਦ ਰਚਨਾ (Shabad Rachna) (9 hours)

- ਅਗੇਤਰ ਅਤੇ ਪਿਛੇਤਰ

  Agetar ate Pichhetar
- ਸਮਾਸ

  Samaas
- ਲਿੰਗ ਅਤੇ ਵਚਨ

  Ling ate Vachan
- ਤਦਭਵ ਤਤਸਮ

  Tadbhav Tatsam

Unit III ਵਾਕ ਰਚਨਾ (Vaak Rachna) (12 hours)

- ਕਾਰਕ ਦੀ ਸਮਝ

  Karak di Samajh
- ਕਰਤਰੀਵਾਚ ਅਤੇ ਕਰਮਣੀਵਾਚ ਵਾਕ ਰਚਨਾ

  Kartarivaach ate Karmanivaach Vaak Rachna
- ਅਖਾਣਾਂ ਦੀ ਵਾਕਾਂ ਵਿਚ ਵਰਤੋਂ

  Akhanan di Vakan vich Varton
- ਮੁਹਾਵਰਿਆਂ ਦੀ ਵਾਕਾਂ ਵਿਚ ਵਰਤੋਂ

  Muhavrian di Vakan vich Varton

Unit IV ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਵਿਹਾਰਕ ਪੱਖ (Bhasha da Viharak Pakh) (12 hours)

- ਅਣਡਿੱਠਾ ਪੈਰਾ

  Anditha Paira
- ਚਿੱਠੀ ਪੱਤਰ

  Chithhi Patar
- ਚਲੰਤ ਵਿਸ਼ੇ ਉਤੇ ਪੈਰਾ ਰਚਨਾ

  Chalant Vishe utte Paira Rachna
- ਛੋਟੇ ਆਕਾਰ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਨਿੱਕੀ ਕਹਾਣੀ ਦੀ ਸਿਰਜਣਾ

  Chote Aakar di Kavita ate Nikki Kahani di Sirjana

ESSENTIAL READINGS

- Dhiman, Harbans Singh (Dr.) (2009), **Viharak Punjabi Bhasha ate Viyakaran (Part-1)**, Manpreet Publications, Delhi.
- Dhiman, Harbans Singh (Dr.) (2010), **Viharak Punjabi Bhasha ate Viyakaran (Part-2)**, Manpreet Publications, Delhi.
- Duggal, Narinder Singh (2016), **Punjabi Viyakaran ate Rachnavali**, New Book Company, Delhi.

SUGGESTED READINGS:

- **Lazmi Punjabi**-11 (11vi Shreni Layi), Punjab School Sikkhia Board, Sahibzada Ajeet Singh Nagar.
- Duggal, Narinder Singh (2017), CBSE, **Punjabi Viyakaran ate Likhat Rachna** (IX-X), New Book Company, Delhi.
- Duni Chandar (1987), **Punjabi Bhasha te Viyakaran**, Panjab University, Chandigarh.
- Harkirat Singh (2004), **Saadi Bhasha,** Punjabi University Patiala.
- Harkirat Singh, Giani Lal Singh (1999), **Punjabi Viakaran**, Punjab State University Text Book Borad, Chandigarh.

***(Note: Teachers are free to recommend additionall related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to tim

GENERIC ELECTIVES (GE-6) ADHUNIK PUNJABI KAHANI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
ADHUNIK PUNJABI KAHANI	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 8th Standard or** ***Working knowledge of Punjabi***

Credits: **4**

L/T/P=3/1/0

LEARNING OBJECTIVES:

- To develop a better understanding about the correlation between life and literature.
- To develop skills in literary analysis, including comprehension of the narrative fundamentals like theme as a literary art form.
- To gain an appreciation of different literary styles, voices and approaches in Punjabi short story.
- To develop ethical values, social concerns and awareness about the current issues of society through multiple texts.

LEARNING OUTCOMES:

- Students will be able to understand about the development of different phases of Punjabi short story throughout the course.
- Students will have the ability to apply critical and theoretical approaches to the reading and analysis of concerned literary texts of short-story.
- They will be able to identify, analyse, interpret and describe the critical ideas, values, and themes that appear in the prescribed texts and to understand the ways these ideas, values, and themes inform and impact cultures and societies.

Unit I ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ: ਸਿਧਾਂਤਕ ਪੱਖ (Adhunik Punjabi Kahani: Sidhantak Pakh)

(12 hours)

- ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਤੱਤ

  Paribhasha ate Tatt
- ਨਿਕਾਸ ਅਤੇ ਵਿਕਾਸ

  Nikas ate Vikas
- ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਪ੍ਰਵਿਰਤੀਆਂ

  Pramukh Pravirtian
- ਨਵੇਂ ਝੁਕਾਅ

  Nave Jhukaa

Unit II ਪਹਿਲੇ ਦੌਰ ਦੀ ਚੋਣਵੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ: ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਪੱਖ (Pehale Dour di Chonvi Punjabi Kahani: Visha ate Kala Pakh) (12 hours)

- ਨਾਨਕ ਸਿੰਘ: ਭੂਆ

  Nanak Singh: Bhua
- ਸੁਜਾਨ ਸਿੰਘ: ਸਾਂਝ

  Sujaan Singh: Saanjh
- ਸੰਤੋਖ ਸਿੰਘ ਧੀਰ: ਮੰਗੋ

  Santokh Singh Dheer: Manngo
- ਸੰਤ ਸਿੰਘ ਸੇਖੋਂ: ਪੇਮੀ ਦੇ ਨਿਆਣੇ

  Sant Singh Saikhon: Pemi de Niyane

Unit III ਵਿਚਕਾਰਲੇ ਦੌਰ ਦੀ ਚੋਣਵੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ: ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਪੱਖ (Vichkaarle Dour di Chonvi Punjabi Kahani: Visha ate Kala Pakh) (12 hours)

- ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ: ਸ਼ੇਰਨੀਆਂ

  Kulwant Singh Virk: Sherniyan
- ਸੁਖਵੰਤ ਕੌਰ ਮਾਨ: ਮਰਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ

  Sukhwant Kaur Maan: Mareya nahi Janda
- ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੁੱਗਲ: ਕਰਾਮਾਤ

  Kartar Singh Duggal: Karaamaat
- ਪ੍ਰੇਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼: ਗੋਈ

  Prem Prakash: Goyi

Unit IV ਨਵੇਂ ਦੌਰ ਦੀ ਚੋਣਵੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ: ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਪੱਖ (Nave Dour di Chonvi Punjabi Kahani: Visha ate Kala Pakh) (9 hours)

- ਰਸ਼ਪਿੰਦਰ ਰਸ਼ਿਮ: ਉੱਧੜੀ ਹੋਈ ਗੁੱਡੀ

  Rashpinder Rashim: Udharhi Hoyi Guddi
- ਸੁਖਜੀਤ: ਸਤਾਈ ਮੀਲ

  Sukhjeet: Sataayi Meel
- ਬਲਬੀਰ ਪਰਵਾਨਾ: ਪਿਤਾ

  Balbir Parwana: Pita
- ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬਰਾੜ: ਨਵਾਂ ਸਾਲ ਪੁਰਾਣਾ ਸਾਲ

  Balwinder Singh Brar: Nava Saal Purana Saal

ESSENTIAL READINGS

- Haribhajan Singh, Kaushal Jagdish, Anjan, Tara Singh (Eds.) (1987), **Katha-Kahani**, Punjabi Academy Delhi.
- Harbhajan Singh (Dr.) (Ed.) (1970), **Katha Punjab**, National Book Trust, Delhi.
- Jaswinder Singh (Dr.), Gurmukh Singh (Dr.) (Eds.), **Katha Sansaar,** Punjabi University, Patiala.

SUGGESTED READINGS:

- Ankhi, Ram Saroop (Ed.) (1988), **Punjabi Kahani,** Punjabi Sahit Academy, Chandigarh.
- Brar, Balwinder Singh (2019), **Jhooth de Aar-Par**, Navyug Publishers, Delhi.
- Dhaliwal, Baldev Singh (2017), **Punjabi Kahani da Itihaas**, Punjabi Academy, Delhi.
- Dhanwant Kaur (2003), **Punjabi Kahani Shastar**, Chetna Parkashan, Ludhiana.
- Frank, G.S (1988), **Nikki Kahani ate Punjabi Nikki Kahani**. Punjabi Writers Cooperative Society Ltd., Ludhiana.
- Ghuman, Bikram Singh (1989), **Punjabi Nikki Kahani: Sidhant te Vikas**, Punjabi Writers Cooperative Society, Ludhiana.
- Harbhajan Singh (2002), **Adhiyan te Adhyapan,** Guru Nanak Dev University, Amritsar.
- Krantipal (2002), **Punjabi Kahani: Ik Samvaad,** National Book Shop, Delhi.
- Singal, Dharampal, Gurlal Singh (1988), **Punjabi Kahani, Naveen Parvirtian**, Guru Nanak Dev University, Amritsar.

*** (Note: Teachers are free to recommend additionall related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-7)
DESH VAND DI PUNJABI KAVITA

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DESH VAND DI PUNJABI KAVITA	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 8th Standard or *Working knowledge of Punjabi language***

Credits: **4**

L/T/P=3/1/0

LEARNING OBJECTIVES:

- To understand the historic relationship between India and Pakistan.
- To summarize and contextualize the events and opinions surrounding the partition of India
- This paper will help the students to understand the Indian history where literature plays a very important role. They will be able to grasp the ideas of partition and human resistance in a much meaningful manner.
- The paper ensures that the students learn the changes in political, social, economic and cultural scenario happening during this chronological span. It will also teach them how to study sources to the changing historical processes.

LEARNING OUTCOMES:

- Students will learn about the history of the Partition of India. They will be introduced to various perspectives of this moment and will contextualize and summarize each.

- Students will be able to develop an understanding of the poet's deep feelings about the partition over a period of time.
- Students will be able to develop an understanding of the writer’s deep feelings about the partition over different time periods.
- This course will inspire students to be sensitive towards humanity

Unit I ਦੇਸ਼ ਵੰਡ: ਇਤਿਹਾਸਕ ਪਰਿਪੇਖ (Desh Vand: Itihasak Paripekh) (9 hours)

- ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਕਾਰਨ

  Desh Vand de Buniyadi Kaaran
- ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੇ ਸਮਾਜਕ ਅਤੇ ਆਰਥਿਕ ਪ੍ਰਭਾਵ

  Desh Vand de Samajak ate Aarthak Prabhav
- ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੇ ਰਾਜਨੀਤਕ ਪ੍ਰਭਾਵ

  Desh Vand de Rajnitak Prabhaav
- ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੇ ਮਾਨਸਿਕ ਅਤੇ ਭਾਈਚਾਰਕ ਪ੍ਰਭਾਵ

  Desh Vand de Mansik ate Bhayicharak Prabhaav

Unit II 1947 ਤੋਂ 1965 ਤੱਕ ਵੰਡ ਦੀ ਕਵਿਤਾ: ਪ੍ਰਸੰਗ ਸਹਿਤ ਵਿਆਖਿਆ, ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ
(1947 ton 1965 tak Vand di Kavita: Prasang sahit Viakhiya, Visha ate Kendri Bhaav)

(12 hours)

- ਗੁਰਮੁਖ ਸਿੰਘ ਮੁਸਾਫਿਰ: ਰਾਵਲਪਿੰਡੀ

  Gurmukh Singh Musafir: Rawalpindi
- ਚਰਾਗ਼ਦੀਨ ਦਾਮਨ: 5 ਬੰਦ

  Chiragh Din Daaman: 5 Band
- ਅੰਮ੍ਰਿਤਾ ਪ੍ਰੀਤਮ: ਆਖਾਂ ਵਾਰਿਸ ਸ਼ਾਹ ਨੂੰ, ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਕਹਾਣੀ, ਵਿਆਹੁਤਾ ਨਾਰ

  Amrita Pritam: Aakhan Waris Shah nu, Punjab di Kahani, Viahuta Naar
- ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇਕੀ: ਕਿਆਮਤ ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੀ

  Jaswant Singh Neki: Kiamat Desh Vand di

Unit III 1966 ਤੋਂ 2000 ਤੱਕ ਵੰਡ ਦੀ ਕਵਿਤਾ: ਪ੍ਰਸੰਗ ਸਹਿਤ ਵਿਆਖਿਆ, ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ (1966 ton 2000 tak Vand di Kavita: Prasang sahit Viakhiya, Visha ate Kendri Bhaav)

(12 hours)

- ਰਤਨ ਸਿੰਘ: ਗੱਠੜੀ ਦਰਦ ਫ਼ਿਰਾਕ ਦੀ

  Ratan Singh: Gathhari Dard Firak di
- ਸ. ਸ. ਮੀਸ਼ਾ: ਦੁਸ਼ਮਣੀ ਦੀ ਦਾਸਤਾਨ

  S. S. Meesha: Dushmani di Dastaan
- ਅਮਿਤੋਜ਼: ਲਹੌਰ ਦੇ ਨਾਂ ਖ਼ਤ

  Amitoz: Lahore de nan Khat
- ਜੋਗਾ ਸਿੰਘ: ਮੁਨਸ਼ੀ ਖ਼ਾਂ

  Joga singh: Munshi Khan

Unit IV 2000 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵੰਡ ਦੀ ਕਵਿਤਾ: ਪ੍ਰਸੰਗ ਸਹਿਤ ਵਿਆਖਿਆ, ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰੀ ਭਾਵ (2000 ton Baad Vand di Kavita: Prsang sahit Viakhiya, Visha ate Kendri Bhaav)

(12 hours)

- ਸੁਰਜੀਤ ਪਾਤਰ: ਧਰਤੀ, ਪੱਛੋਂ ਅਤੇ ਪੁਰਵਈਆਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਵਿਰਲਾਪ, ਓਸ ਬੰਨੇ

  Surjit Patar: Dharti, Pachhon ate Purvayian, Unhaan da Virlap, Os Banne

- ਭੂਸ਼ਣ: ਜਾਂਦੀ ਵਾਰ ਦਾ ਸੱਚ

  Bhushan: Jandi Vaar da Sach
- ਅਫ਼ਜ਼ਲ ਸਾਹਿਰ: ਪਾਕਿਸਤਾਨ ਦੀ ਵਾਰ

  Afzal Sahir: Pakistan di Vaar
- ਹਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਭੱਟੀ: ਵੰਡਨਾਮਾ

  Harwinder Singh Bhatti: Vandnama

ESSENTIAL READINGS:

- Amarjeet Chandan (Ed.) (2018), **Sann Santaali (Punjab de Ujaarhe di Shayari),** Navyug Publishers, New Delhi.
- Jolly, Jagjit Kaur (2008), **Pakistani Punjabi Kavita: Samaj-Sabhiyacharak Adhiyan**, Lokgeet Parkashan, Chandigarh.
- Deepak Manmohan Singh (1988), **Desh Vand de Punjabi Sahit ute Paye Prabhaav**, Lahore Book Shop, Ludhiana.

SUGGESTED READINGS:

- Anita, Inder Singh (1987), **The Origin of the Partition of India 1936-1947**, Oxford University Press, Delhi.
- Bakshi, S.R (1990), **Congress, Muslim League and Partition of India**, Deep and Deep Publication, New Delhi.
- Chandra, Bipan ate Hor, (1972), **Sutanntrata Sangraam**, National Book Trust, Delhi.
- Chandra, Bipan (2009), **History of Modern India**, Orient Blackswan, Delhi.
- Fauja Singh (1972), **A Brief Account of Freedom Movement in the Punjab**, Punjabi University, Patiala.
- Gurudatt (1960), **Desh Ki Hatya**, Bhartiya Sahitya Sadan, Navi Delhi.
- Kaloti, Keval (1993), **Honi ik Desh Di**, Ravi Sahit Prakashan, Amritsar.
- Kirpal Singh (1972), **Punjab Da Batwara**, Punjabi University, Patiala.
- Seekri, S.L. (2003), **Bharat da Rashtari Andolan ate Sanvidhanak Vikas (1858-1947)**, Punjabi University, Patiala.
- Seetal, Sohan Singh (2012), **Punjab da Ujaarha**, Lahore Book Shop, Ludhiana.

***(Note: Teachers are free to recommend additionall related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-8)
DESH VAND DI PUNJABI KAHANI

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DESH VAND DI PUNJABI KAHANI	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 8th Standard or *Working knowledge of Punjabi language***

Credits: **4**

L/T/P=3/1/0

LEARNING OBJECTIVES:

- To understand the historic relationship between India and Pakistan.
- To summarize and contextualize the events and opinions surrounding the partition of India
- This paper will help the students to understand the Indian history where literature plays a very important role. They will be able to grasp the ideas of partition and human resistance in a much meaningful manner.
- The paper ensures that the students learn the changes in political, social, economic and cultural scenario happening during this chronological span. It will also teach them how to study sources to the changing historical processes.

LEARNING OUTCOMES:

- Students will learn about the history of the partition of India. They will be introduced to various perspectives of the National movement and will contextualize and summarize each.
- Students will be able to develop an understanding of the writer's deep feelings about the partition over a period of time and over the different time periods.
- This course will inspire students to be sensitive towards humanity**.**

Unit I ਦੇਸ਼ ਵੰਡ: ਇਤਿਹਾਸਕ ਪਰਿਪੇਖ (Desh Vand: Itihasak Paripekh) (9 hours)

- ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਕਾਰਨ

  Desh Vand de Buniyadi Kaaran
- ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੇ ਸਮਾਜਕ ਅਤੇ ਆਰਥਿਕ ਪ੍ਰਭਾਵ

  Desh Vand de Samajak ate Aarthak Prabhav
- ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੇ ਰਾਜਨੀਤਕ ਪ੍ਰਭਾਵ

  Desh Vand de Rajnitak Prabhaav
- ਦੇਸ਼ ਵੰਡ ਦੇ ਮਾਨਸਿਕ ਅਤੇ ਭਾਈਚਾਰਕ ਪ੍ਰਭਾਵ

  Desh Vand de Mansik ate Bhayicharak Prabhaav

Unit II 1947 ਤੋਂ 1965 ਤੱਕ ਵੰਡ ਦੀ ਕਹਾਣੀ: ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਪੱਖ (1947 ton 1965 tak Vand di Kahani: Visha ate Kalaa Pakh) (12 hours)

- ਨਾਨਕ ਸਿੰਘ: ਸੁਨਹਿਰੀ ਜਿਲਦ

  Nanak Singh: Sunehari Jild
- ਸੰਤੋਖ ਸਿੰਘ ਧੀਰ: ਮੇਰਾ ਉੱਜੜਿਆ ਗਵਾਂਢੀ

  Santokh Singh Dheer: Mera Ujarheya Guwandi
- ਗੁਰਬਖ਼ਸ਼ ਸਿੰਘ ਪ੍ਰੀਤਲੜੀ: ਮੁਬੀਨਾ ਕਿ ਸੁਕੀਨਾ

  Gurbakhash Singh Preetlari: Mubeena ke Sukeena
- ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸਰਨਾ: ਛਵ੍ਹੀਆਂ ਦੀ ਰੁੱਤ

  Mohinder Singh Sarna: Chhahviyan di Rutt

Unit III 1966 ਤੋਂ 2000 ਤੱਕ ਵੰਡ ਦੀ ਕਹਾਣੀ: ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਪੱਖ (1966 ton 2000 tak Vand di Kahani: Visha ate Kalaa Pakh) (12 hours)

- ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ: ਮੁੜ ਗੁਆਚੀ ਸ਼ੈ

  Gurdial Singh: Murh Gwachi Shae
- ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ: ਖੱਬਲ

  Kulwant Singh Virk: Khabbal
- ਹਰਜੀਤ ਅਟਵਾਲ: ਧੁੱਪ ਦੇ ਪੈਰਾਂ ਹੇਠ

  Harjit Atwal: Dhupp de Pairaan Heth
- ਵਰਿਆਮ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ: ਪਰਛਾਵੇਂ

  Waryam Singh Sandhu: Parchhavein

Unit IV 2000 ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੀ ਕਹਾਣੀ: ਵਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਪੱਖ (2000 ton Baad di Kahani: Visha ate Kalaa Pakh) (12 hours)

- ਖ਼ਾਲਿਦ ਹੁਸੈਨ: ਲਕੀਰ

  Khalid Hussain: Lakeer
- ਹਰਮਹਿੰਦਰ ਚਹਿਲ: ਪੁੰਨ

  Harmohinder Chahal: Punn
- ਭਗਵੰਤ ਰਸੂਲਪੁਰੀ: ਕਿੱਥੇ ਗਈ ਹਮੀਦਾ?

Bhagwant Rasoolpuri: Kithe Gayi Hameeda?

- ਸਾਂਵਲ ਧਾਮੀ: ਮੱਲ੍ਹਮ

  Sanwal Dhami: Mallham

ESSENTIAL READINGS

- Jinder (Ed.) (2015), **1947: Alle Zakhmaan di Dastaan (Bhag Dooja**), Sangam Publications, Samana, Patiala.
- Jolly, Jagjit Kaur (2008), **Pakistani Punjabi Kavita: Smaj-Sabhiyacharak Adhiyan**, Lokgeet Parkashan, Chandigarh.
- Deepak Manmohan Singh (1988), **Desh Vand de Punjabi Sahit ute Paye Prabhaav**, Lahore Book Shop, Ludhiana.

SUGGESTED READINGS:

- Anita, Inder Singh (1987), **The Origin of the Partition of India 1936-1947**, Oxford University Press, Delhi.
- Bakshi, S.R. (1990), **Congress, Muslim League and Partition of India**, Deep and Deep Publication, New Delhi.
- Chandra, Bipan ate Hor (1972), **Sutanntrata Sangraam**, National Book Trust, Delhi.
- Chandra, Bipan (2009), **History of Modern India**, Orient Blackswan, Delhi.
- Fauja Singh (1972), **A Brief Account of Freedom Movement in the Punjab**, Punjabi University, Patiala.
- Kaloti, Keval (1993), **Honi Ik Desh Di**, Ravi Sahit Prakashan, Amritsar.
- Kirpal Singh (1972), **Punjab Da Batwara**, Punjabi University, Patialas.
- Seekri, S.L. (2003), **Bharat da Rashtari Andolan ate Sanvidhanak Vikas (1858-1947)**, Punjabi University, Patiala.
- Seetal, Sohan Singh (2012), **Punjab da Ujaarha**, Lahore Book Shop, Ludhiana.

***(Note: Teachers are free to recommend additionall related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-9)
BHARTI GYAN PRABANDH: PRAMUKH CHINTAK

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
BHARTI GYAN PRABANDH: PRAMUKH CHINTAK	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	**Studied Punjabi up to 8th Standard or *Working knowledge of Punjabi language***

Credits: **4** **L/T/P= 3/1/0**

LEARNING OBJECTIVES:

- To learn about Indian Knowledge System as a beginner.
- To learn basic theories and its various aspects originated in Indian sub-continent.
- To comprehend the meaning of words and to know about the importance of the grammar.
- To learn about the Indian poetics through its basic philosophy.
- To collect information about philosophy of human mind, soul and the world.
- To motivate the students towards good health of their body and mind through Indian yoga and natural medicine tradition from old ages.

COURSE OUTCOMES:

- Students will learn about rich heritage of classical Indian knowledge system.
- They will learn about basic Indian thinkers and use of their theories.
- They will be able to acquire knowledge about the development of different philosophies and their basic assumptions.
- They will also learn the Indian philosophy about the harmony of body, mind and soul for the purpose of peace of mind and the world.
- Students will be able to understand the value of yoga for a healthy body.
- They will come to know about the rich heritage of research in the field of medicines for betterment of the mankind.

Unit I: ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਬੰਧ: ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਚਿੰਤਕ

(Bharti Bhasha Gyan Prabandh: Pramukh Chintak) (12 hours)

- ਯਾਸਕ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Yaska: Mudhali Jan-Pachhan
- ਪਾਣਿਨੀ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Panini: Mudhali Jan-Pachhan
- ਪਾਤੰਜਲੀ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Patanjali: Mudhali Jan-Pachhan
- ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Bhartrihari: Mudhali Jan-Pachhan

Unit II: ਭਾਰਤੀ ਕਾਵਿ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਬੰਧ: ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਚਿੰਤਕ

(Bharti Kaav Shasteri Gyan Prabandh: Pramukh Chintak) (12 hours)

- ਭਰਤਮੁਨੀ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Bharatmuni : Mudhali Jan-Pachhan
- ਭਾਮਹ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Bhamaha: Mudhali Jan-Pachhan
- ਵਾਮਨ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Vaaman : Mudhali Jan-Pachhan
- ਆਨੰਦਵਰਧਨ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Aanandvardhan : Mudhali Jan-Pachhan

Unit III: ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪ੍ਰਬੰਧ: ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਚਿੰਤਕ

(Bharti Darshan Prabandh: Pramukh Chintak) (12 hours)

- ਬੁੱਧ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Budh: Mudhali Jan-Pachhan
- ਮਹਾਂਵੀਰ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Mahaveer: Mudhali Jan-Pachhan
- ਆਦਿ ਸ਼ੰਕਰਾਚਾਰੀਆ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Adi Sankarachariya: Mudhali Jan-Pachhan
- ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Guru Nanak: Mudhali Jan-Pachhan

Unit IV: ਭਾਰਤੀ ਸਿਹਤ ਅਤੇ ਯੋਗ ਚਿਕਿਤਸਾ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਬੰਧ: ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਚਿੰਤਕ

(Bharti Sehat Ate Yog Chikitsa Gyan Prabandh: Pramukh Chintak) (9 hours)

- ਸੁਸ਼ਰੁਤ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Sushruta: Mudhali Jan-Pachhan
- ਚਰਕ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Charak: Mudhali Jan-Pachhan
- ਪਾਤੰਜਲੀ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Patanjali: Mudhali Jan-Pachhan
- ਵਾਗਭੱਟ: ਮੁੱਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

Achariya Vagbhat: Mudhali Jan-Pachhan

ESSENTIAL READINGS

- Boota Singh Brar (Dr.) (2014), **Bhasha Vigyan: Sidhant te Vihar**, Lahore Books, Ludhiana.
- Harbans Singh (Prof.), Joshi, L.M., (2016), **Sansar De Dharam**, Publication Bureau, Punjabi Uiversity, Patiala.
- Prem Prakash Singh (Prof.) (1988), **Bharti Kaav Shaster**, Punjabi Sahit Academy, Ludhiana.
- https://www.shivajicollege.ac.in/sPanel/uploads/econtent/5119d543d5d6ee290be56249598d0782.pdf

SUGGESTED READINGS:

- Chaudhary, Satyadev (Dr.) (1973), **Kavya Shaster ke Paridrishya,** Parimal Publications, Delhi.
- Chopra, Iqbal Narain (Dr.) (1989), **Bharti Darshan,** Publication Bureau, Punjabi University, Patiala.
- Jaggi, Gursharan Kaur (Dr.) (2014) **Bharti Kaav Shaster: Sarup Ate Sidhant**, Arsee Publishers, New Delhi.
- Khoj Patrika **Punjabi Viakaran Vishesh Ank**, Publication Bureau, Punjabi University, Patiala.
- Nirakari, R.D, (Dr.) (1994), **Bharti Darshan,** Publication Bureau, Punjabi University, Patiala.
- Sidhu, Paramjit Singh (2012), **Shabad: Sankalap Ate Saroop (Punjabi Viakaran De Paripekh Vich)**, Ravi Sahit Parkashan, Amritsar.
- Yogender Pratap Singh (Dr.) (1985), **Bharti Kavya Shaster**, Lokbharti Prakashan, Ilahabad.

INTERNET RESOURCES:

- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.401868/mode/2up
- http://www.panjabdigilib.org/webuser/searches/displayPage.jsp?ID=8949&page=1&CategoryID=1&Searched=
- https://en.wikipedia.org/wiki/Category:Ancient_Sanskrit_grammarians

***(Note: Teachers are free to recommend additional related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DEPARTMENT OF GRS (FRENCH)

BA (Hons.) French

Category I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4:

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language in Context: Developing Reading and Writing Skills (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Class 12TH Passed**	**NIL**

Learning Objectives

In semester 2, students will learn

- Describe their daily schedule
- Write about a TV program or series.
- Write and reply to an invitation
- Describe an object
- Describe his food habits and preferences
- Read a menu
- Prepare a menu
- Read a recipe.
- Write a recipe
- Describe a past event
- Describe their projects

Course Learning Outcomes

At the end of Semester 2, students will be able to

- read simple texts and answer questions on them.
- write on subjects pertaining to themselves and their immediate environment.
- complete Level A1 of reading and writing skills as prescribed in the Common European Framework

SYLLABUS OF DSC-2[1]

[1]A text book contains 6-8 modules/units called *unité*. Each unite with the exception of *unité 0* which is the introductory unit comprises 4 lessons. Therefore the syllabus is given in terms of the text book unit being covered along with the content of the 4 lessons with a total duration of the number of weeks needed to cover a *unité* of 4 lessons.

Unité 5: (Lessons 1-4 + Project): 9 hours

Reading Comprehension: Reading and understanding simple texts on daily activities of different people information in the form of statistics or tables, daily TV program schedules posters and emails announcing events (cultural and sportive) and answering questions on them.

Writing : Write a short text, an email describing one's daily schedule, a cultural or sporive event, preparing a time table, sending, accepting or refusing an invitation.

Grammar: Reflexive verbs, structure *Aller + infinitive* used to describe events in the immediate future (Futur proche) prepositions of time. Modal verbs (*pouvoir, vouloir, devoir savoir* in the present),structure *il faut+ infinitive*

Vocabulary: Daily activities, sports and hobbies, time tables, places for outings (restaurant, festivals, etc clothing and sports accessories, structures to invite accept or reguse an invitation. describing one's feelings.

Intercultural: Sports, sport competitions, festivals.

Practical component (if any) – NIL

Unité 6: (Lessons 1-4 + Project): 12 hours

Reading Comprehension: To read short texts or dialogues on collections (coins, post cards etc), on fashion, on products in the supermarket and answer simple questions on them. Rearrange a short text in order.

Writing: Prepare a sales poster for a shop, describe clothes,answer an advertisement for a clothes sale.

Grammar: Conjunctions of coordination (et and ou), expression de but (objective) with the structure "*pour + infinitif*", Interrogative adjectives (*quel, quelle, quels, quelles*), demonstrative adjectives (*ce, cet, cette, ces*).

Vocabulary: Everyday objects, purchases, market, stores, different types of payment methods, colors, clothes and clothing accessories, sales,

Intercultural: shops/stores in France and francophone countries, currency in France and francophone countries, fashion.

Unité 7: (Lessons 1-4 + Project): 12 hours

Reading Comprehension: Read short texts on alimentary habits in France and francophone countries, a recipe, a menu, restaurant review and answer questions on them. Put recipe instructions in order, put a dialogue in order, describing a past event.

Writing: Write a recipe, a restaurant review, prepare a menu.

Grammar: Partitive articles, expressions of quantity, le passé composé (past perfect).

Vocabulary : Names of ingredients, meals, measurements and quantitites, restaurant.

Intercultural : Meals in France and francophone countries,, traditional recipes, Table manners.

Unité 8: (Lessons 1-4 + Project): 12 hours

Reading Comprehension: Read an interview with an explorer, a short description about a trip, description of a futuristic airport, a hotel brochure, understand a train ticket and train time table, a short dialogue at the lost baggage counter of an airport and answer questions on them.

Writing: Write about a trip you have undertaken, about your last vacation fill in a lost baggage form.

Grammar: Markers of time (*dans, depuis, il y a)*,Comparative, expression of cause *(pourquoi, parce que)* and consequence *(donc, alors)*

Vocabulaire : Nature, weather, travel, journey by air or by train.

Intercultural: travel accounts of French and francophone travellers.

Practical component (if any) – NIL

Essential/recommended readings:

Any of the textbooks given below may be prescribed.

1. Abi Mansour D, Anthony S, Soucé A, Fenoglio P, Papin K. Vergues M :"*Odysée A1, Méthode de français"*, CLÉ International, France, 2021, Unités 5-8.
2. Jegou D, Vial C : « *La Classe A 1, Méthode de français* »,CLÉ International, 2019, Unités 4-6.
3. Cocton Marie-Noëlle, Pommier Emilie, Ripaud Delphine, Rabin Marie : *« L'Atelier A1, Méthode de français »*, Les Éditions DIDIER, France, 2019, Unités 5-8.
4. Chahi Fatiha, Denyer Monique, Gloaneac Audrey, Briet Geneviève, Collige-Neunschwander Valérie (capsules de phonétique), Fouillet Raphaëlle (précis de grammaire) : « *Défi – 1 Méthode de français* », Éditions Maison des Langues, 2018, Unités 5-8
5. Alcaraz Marion, Braud Céline, Calvez Aurélien, Cornuau Guillaume, Jacob Anne, Vidal Sandrine : « *Edito- A 1 Méthode de français (2e édition)* », Editions DIDIER FLE, 2022, Unités 6-10.
6. Rio Lénia : "*Odysée A1, Cahier d'activités"*, CLÉ International, France, 2021, Unités 5-8.
7. Chanéac-Knight Laetitia : « *La Classe A 1, Cahier d'activités* », CLÉ International, 2019, Unités 4-6.

8. Cocton Marie-Noëlle (coordination pédagogique), Pommier Émilie, Ripaud Delphine, Rabin Marie : *« L'Atelier A1, Cahier d'activités »,* Les Éditions DIDIER, France, 2019, Unités 5-8.
9. Chahi Fatiha, Denyer Monique, Gloaneac Audrey, Briet Geneviève, de Rongé Camille (phonétique), Verhulst Nancy (phonétique), Horquin Alexandrin (DELF) : « *Défi – 1 Cahier d'activités*», Éditions Maison des Langues, 2018, Unités 5-8

Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language in Context: Developing Listening and Speaking Skills (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Class 12TH passed**	**NIL**

Learning Objectives

In Semester 1, students will learn to

- Ask for and give information about daily activities.
- Speak about his personal preferences, likes and dislikes
- Ask about and give information on a planned outing (cultural, sportive etc.)
- Accept or refuse an invitation.
- Describe an object, present its characteristics.
- Express his opinion, agreement or disagreement on a subject.
- Carry out simple purchases for goods and services.
- Talk about his alimentary preferences.
- Express measurements and quantities..
- Reserve a table in a restaurant.
- Order in a restaurant.
- Talk about past events
- Present his projects
- Ask for and give information.
- Ask for and propose to help

Learning outcomes

At the end of Semester 1, students will be able to

- listen to and understand simple texts and answer questions on them.
- talk on subjects pertaining to his/her immediate environment.
- interact in simple everyday situations.
- attain Level A1 of listening and speaking skills as described in the Common European Framework.

SYLLABUS OF DSC- 5[2]
Unité 5: (Lessons 1-4 + Project): 9 hours

Listening Comprehension: Watch a video or listen to a short text where one speaks about one's daily activities, makes plans for an outing and answer simple questions on them.

Speaking: Talk about your daily activities, about your likes and dislikes, , ask questions to a friend, to identify his/her likes and dislikes, discuss your schedule for the day to fix an appointment/meeting, invite a friend to an event, explain a problem to a friend,, propose a solution to a problem, present a tradition in your country and compare it to a tradition in a francophone country.

Phonetics: Intonation used to ask a question. Opposition of non nasal and nasal sounds.

Vocabulary: Daily activities, sports and hobbies, time tables, places for outings (restaurant, festivals, etc clothing and sports accessories, structures to invite accept or reguse an invitation. describing one's feelings.
Intercultural: Sports, sport competitions, festivals.

Unité 6: (Lessons 1-4 + Project): 12 hours

Listening comprehension: listen to a short announcement promoting a product in the supermarket,a short description of a store, an interview by a journalist of customers in a story, a short advertisment on the radio,watch a video and answer questions on them.

Speaking: Ask for advice in a store on a gift for a friend,make and present a weekly budget, describe clothes and clothing accessories, speak about fashion in your country, short dialogues.

Phonetics: Introduction to semi vowels, nasal vowels

Vocabulary: Everyday objects, purchases, market, stores, different types of payment methods, colors, clothes and clothing accessories, sales,

Intercultural: shops/stores in France and francophone countries, currency in France and francophone countries, fashion.

[2] A text book contains 6-8 modules/units called *unité*. Each unite with the exception of unite 0 which is the introductory unit comprises 4 lessons. Therefore the syllabus is given in terms of the text book unit being covered along with the content of the 4 lessons with a total duration of the number of weeks needed to cover a *unité* of 4 lessons.

Unité 7: (Lessons 1-4 + Project): 12 hours

Listening Comprehension: listen to short texts and associate different obejcts used in the kitchen and to set a table, listen to a dialogue between a client and a waiter, watch a video on table manners and answer questions on them. Watch a video and complete a text.

Speaking: Talk about one's alimentary preferences, one's daily meals, ask for and give information about the ingredients in a recipe or in a dish, reserving a table in a restaurant dialogue between a client and a waiter in different situations (ordering a meal, expressing one's discontent at the service in a restaurant etc), talking about/narrating past events.

Phonetics: Revision of nasal vowels, accent in a sentence, sentence rhythms.

Vocabulary : Names of ingredients, meals, measurements and quantitites, restaurant.

Intercultural : Meals in France and francophone countries,, traditional recipes, Table manners.

Unité 8: (Lessons 1-4 + Project): 12 hours

Listening Comprehension: listen to a reportage, an eyewitness account on a visit to another country, announcements in a plane at the aeroport and answer questions on them

Speaking: Give one's impressions about a country which one has lived in or visited, compare two countries or towns in terms of visiting them as a tourist, talk about your travelling preferences, a dialogue between you and a hotel receptionist on arival at the hotel, a dialogue between you and the agent at the lost baggage counter, a telephone conversation between your friend and you after having lost your luggage, description of the liggage you have lost)

Phonetics: Semi vowels and minimal pair "ge" and "je"

Vocabulaire : Nature, weather, travel, journey by air or by train.

Intercultural: travel accounts of French and francophone travellers.

Practical component (if any) – NIL

Essential/recommended readings:

Any of the textbooks given below may be prescribed.

1. Abi Mansour D, Anthony S, Soucé A, Fenoglio P, Papin K. Vergues M :"*Odysée A1, Méthode de français"*, CLÉ International, France, 2021, Unités 5-8.
2. Jegou D, Vial C : « *La Classe A 1, Méthode de français* »,CLÉ International, 2019, Unités 4-6.
3. Cocton Marie-Noëlle, Pommier Emilie, Ripaud Delphine, Rabin Marie : *« L'Atelier A1, Méthode de français »*, Les Éditions DIDIER, France, 2019, Unités 5-8.

4. Chahi Fatiha, Denyer Monique, Gloaneac Audrey, Briet Geneviève, Collige-Neunschwander Valérie (capsules de phonétique), Fouillet Raphaëlle (précis de grammaire) : « *Défi – 1 Méthode de français* », Éditions Maison des Langues, 2018, Unités 5-8
5. Alcaraz Marion, Braud Céline, Calvez Aurélien, Cornuau Guillaume, Jacob Anne, Vidal Sandrine : « *Edito- A 1 Méthode de français (2e édition)* », Editions DIDIER FLE, 2022, Unités 6-10.
6. Rio Lénia : "*Odysée A1, Cahier d'activités"*, CLÉ International, France, 2021, Unités 5-8.
7. Chanéac-Knight Laetitia : « *La Classe A 1, Cahier d'activités* », CLÉ International, 2019, Unités 4-6.
8. Cocton Marie-Noëlle (coordination pédagogique), Pommier Émilie, Ripaud Delphine, Rabin Marie : *« L'Atelier A1, Cahier d'activités »,* Les Éditions DIDIER, France, 2019, Unités 5-8.
9. Chahi Fatiha, Denyer Monique, Gloaneac Audrey, Briet Geneviève, de Rongé Camille (phonétique), Verhulst Nancy (phonétique), Horquin Alexandrin (DELF) : « *Défi – 1 Cahier d'activités*», Éditions Maison des Langues, 2018, Unités 5-8

   Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 6:

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language through texts (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Class 12TH Passed**	**NIL**

Learning Objectives

- Introduction to extracts from contemporary literary texts of both French and francophone writers.
- Introduction to varied cultural themes of France and francophone countries to develop vocabulary and written expression.
- Creating awareness of present day France through short journalistic texts.
- Development of language competence (reading skills, comprehension and vocabulary)

Learning Outcomes

At the end of semester 2, a student will be able to

- read and understand a short literary text adapted for students of level A1 and to answer questions on the same.
- Read and understand a short culture based text adapted for students of level A1 and to answer questions on the same.
- read and understand a short journalistic text adapted for students of level A1 and to answer questions on the same.

SYLLABUS OF DSC-6

Unit 1: Literary texts[3] 15 hours

1. Céline, Louis Ferdinand: « *Voyage au bout de la Nuit* »
2. Anouilh, Jean : « *Antigone* »
3. Sagan Françoise : « *Bonjour Tristesse* »
4. Le Clézio, J-M Gustave : « Lullaby » in *Mondo et autres histoires*
5. Condé Maryse : « *Moi, Tituba sorcière* »
6. Reza Yasmina : « *Trois versions de la vie* »

Unit 2: Texts on culture and civilisation[4] 15 hours

1. Les Loisirs
2. Le Travail
3. Le Système de santé
4. La France urbaine
5. La France rurale

[3] The titles cited above are examples of texts. The teacher can bring in other literary texts adapted to the level of students.

[4] The teacher can introduce themes and material adapted to the level of the students.

6. Les Vacances

Unit 3: Short texts from newspapers. 15 hours

Material will be made available by the Department as journalistic texts have to refer to events in real time.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

To be compiled and provided by the Department.

1. Blondeau Nicole, Allouache Ferroudja, Né Marie-Françoise « *Littérature progressive du français, A1-A2 niveau débutant*» (*2e édition* avec 600 activités), CLÉ, International, 2019.
2. Carlo Catherine, Causa Marielle *:« Civilisation Progressive du français, A1, niveau débutant » (3e édition avec 450 activités),* CLÉ International, 2019.
3. *" Le plaisir de lire en français*" Level A1 romans illustrés, Les Éditions DIDIER
4. *Le Journal des Enfants*: A weekly newspaper for young learners.

Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category III

BA (Prog.) with French as Minor (Non-Major)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-2): French in Context: Basic Level – 2

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
French in Context: Basic Level-2	**4**	**3**	**1**	**NIL**	**Passed Class XII**	**None**

Learning Objectives: (Reading, Writing, Listening and Speaking):
In Semester 2, the student will learn to

- Read and understand simple documents, texts, emails describing one's routine, sports, shops, menus, recipes, weather report, travelogues etc.
- Listen to and understand basic phrases/ dialogues concerning one's daily routine, hobbies, purchases, recipes, etc.
- Present orally one's routine, one's likes and dislikes, express one's opinion, give advices…
- Engage in a simple conversation in everyday situations such as making purchases, talking about the weather, ordering a meal, etc.
- Describe past events and talk about recent events and plans.
- Describe a person physically and morally.
- Accomplish guided writing activities. A few sentences, short text, email describing one's daily routine, hobbies, preparing menus, writing recipes, weather report, travelogues…

Learning outcomes: (Reading, Writing, Listening and Speaking):
At the end of Semester 2, a student will

- be able to read, listen to and understand simple texts so as to answer questions on them;
- be able to write and talk on subjects pertaining to his/her immediate environment;
- interact in simple everyday situations.
- attain Level A1 of the Common European Framework (CEF).

SYLLABUS OF DSC-2[5]

Dossier 5 Lessons 1-6 + Project 12 hours

[5] A text book contains 6-8 modules/units called *dossier* Each dossier with the exception of unit 0 which is the introductory unit comprises 6 lessons. Therefore, the syllabus is given in terms of the text book unit being covered along with the content of the 6 lessons with a total duration of the number of weeks needed to cover a dossier of 6 lessons. In Semester 2, the remaining units of the text book will be covered i.e from Unit 5-8.

Reading Comprehension: Read content of an article (online newspaper, magazine etc.) , learning diary, biography of Francophone writers, extract of a literary text and answer questions based on them.
Writing: Make a list of things you did to improve your French language skills and compare with others in your class, make a list of 5 top young talented people of your country, write biography of a writer from your country who has won a prize in literature, present your favourite book and describe its protagonist, describe a famous chef in your country.
Grammar: *passé composé*, *passé récent*, *futur proche* , verb *Dire* (present tense), time markers, the structure *être* + adjective, the structure *avoir* + noun + adjective, the adjective *même*, usage of *passé composé* to talk about past events, usage of present tense to talk about current events, imperative.
Listening comprehension: Listen to interviews, radio programs and answer questions based on them.
Speaking: Describe past events and recent events and plans, present biography and describe a person physically and give advices.
Phonetics: The pronounciation of viens /vient[vj and viennent [vjɛn], identify the silent e.
Vocabulary: Indicators of time, words used to describe one's education, success and plans, certain important stages of a person's life, physical description of a person and ressemblances, words related to the job of a restaurant owner, newspapers and reports.
Cultural: Read articles in the press in order to discover and understand the world better.

Dossier 6 Lessons 1-6 + Project 12 hours

Reading Comprehension: Read the contents of a webpage of a travel agency(travel itinerary), travel pamphlet, webpage of a guest house or hotel, travel diary, travel testimonials and answer questions based on them.
Writing: Make a travel plan for visitng a Francophone destination (type of travel, describe this Francophone destination , its location on map), choose any three cities of your choice and describe them, associate a colour with these cities,etc., write an article on a unique type of stay available in your country to attract Francophone tourists, write a column for a travel web page on top destinations in your country to visit according to the climate or season of the place**,** write a travel diary and describe your experiences.
Grammar: *Future Simple*, the structure *Il faut*, pronoun *y* , place of qualifiying adjectives, present tense of IR verbs, stuctures to talk about climate and weather forecast, express emotions and feelings.
Listening comprehension: Listen to a telephonic conversation, radio program, audio post card, interviews, weather forecast, audio travel diary and answer questions based on them.
Speaking: Understanding the itinerary of a stay, choose a destination and travel package, describe a city or a place, describe types of accomodation, talk about seasons and climate, express one's emotions and feelings.
Phonetics: Nasal vowel [ɑ̃], consonant root system.
Vocabulary: Words related to travel, expressions of place, colours, adjectives for describing a place, different parts of the house and adjectives to describe them, weather , climate, months and seasons, emotions and feelings
Cultural: Francophone countries and overview of Francophony in 2015.

Dossier 7 Lessons 1-6 + Project 12 hours

Reading Comprehension: Read and understand the contents of a menu, webpage, article(magazine or newspaper), observe photofit of a reader of a paperbook and answer questions based on them.
Writing: Compose an ideal menu choosing the French dishes and specialities available in French restaurants in your city or country, prepare the menu of a French meal precising the quantity , create and compare photofit of an average reader of your class group and country (average age, qualification, city, number of books read, type of books read etc.) . Write an article on evolution or transformations in French gastronomy(previously and currently) and answer questions based on them.
Grammar: Indefinite article, partitive article, express definite quantities, pronoun *en*, structures for comparison, *imparfait*, expressions of time (past), verb *Payer* in present tense, structures for understanding and receiving a client, French reciprocal pronomial verbs.
Listening comprehension: Listen to interviews, conversations , audio article, report, radio programs and answer questions based on them.
Speaking: Give an opinion, make a purchase, compare one's habits, talk about changes from yesterday to today, buy clothes, give positive or negative judgements about your favourite places or monument in your city or country.
Phonetics: Various French sounds, expressive intonation.
Vocabulary: Food items , ingredients , components of a menu, make a purchase, words related to gastronomy, reading , clothes and accessories, structures used to give negative or positive judgement.
Cultural: French export products or presence of French products in other countries, slogans.

Dossier 8 Lessons 1-6 + Project 9 hours

Reading Comprehension: Read and understand student testimonials about their educational experiences or journey, restaurant reviews and answer questions based on them.
Writing: Write an article on student's testiomials about their educational journey, plan a costume party, create a profile on a website to meet locals while travelling and share a meal at their house, write your suggestions and advices for organising a party.
Grammar: *Imparfait*, *passé composé* and present tense, structures to place an order in a restaurant, personal pronouns : direct object (*le, la, les*), and indirect object (*lui, leur*) , relative ronouns (*qui, que*), prepositions *chez/avec/sans* + emphatic pronouns, structures for giving an opinion or an advice.
Listening comprehension: Listen to audio testimonials, conversations, interviews, and answer questions based on them.
Speaking: Talk about one's educational journey of learning French, describe a restaurant, place an order, choose an outfit , describe a person or a thing, recommend a film or a show, organise a party.
Phonetics: Various French sounds.
Vocabulary: Words to talk about one's educational journey, adjectives and expressions to describe a restaurant, place an order in a restaurant, buy and rent clothes, words related to a meal, films and shows, festive events (festival, birthday party etc.).
Cultural: Program or schedule of a cultural event.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings: Any of the text books given below may be prescribed:

1. Hirschsprung Nathalie, Tricot Tony avec la collaboration de d'Abreu Sophie et Veillon Anne (sons du français), Pardo Emilie (s'exercer), Mous Nelly (DELF) : *« Cosmopolite A1 Méthode de français »,* Hachette Français langue etrangere, 2017 Dossiers 5-8.
2. Cocton Marie-Noëlle, Pommier Emilie, Ripaud Delphine, Rabin Marie : *« L'Atelier A1, Méthode de français »*, Les Éditions DIDIER, France, 2019, Unités 5-8.
3. Chahi Fatiha, Denyer Monique, Gloaneac Audrey, Briet Geneviève, Collige-Neunschwander Valerie (capsules de phonétique), Fouillet Raphaëlle (précis de grammaire) : « *Défi – 1 Méthode de français* », Éditions Maison des Langues, 2018, Unités 5-8.
4. Abi Mansour D, Anthony S, Soucé A, Fenoglio P, Papin K. Vergues M: « *Odysée A1, Méthode de français »*, CLÉ International, France, 2021, Unités 5-8.
5. Alcaraz Marion, Braud Céline, Calvez Aurélien, Cornuau Guillaume, Jacob Anne, Vidal Sandrine : « *Edito- A 1 Méthode de français (2e édition)* », Editions DIDIER FLE, 2022, Unités 6-10.
6. Hirschsprung Nathalie, Mater Anais, Mathieu-Benoit Emilie, Mous Nelly, Tricot Tony : *« Cosmopolite A1 Cahier d'activites »* , Hachettte Français langue etrangere, 2017 Dossiers 5-8.
7. Cocton Marie-Noëlle (coordination pédagogique), Pommier Émilie, Ripaud Delphine, Rabin Marie : *« L'Atelier A1, Cahier d'activités »,* Les Éditions DIDIER, France, 2019, Unités 5-8.
8. Chahi Fatiha, Denyer Monique, Gloaneac Audrey, Briet Geneviève, de Rongé Camille (phonétique), Verhulst Nancy (phonétique), Horquin Alexandrin (DELF) : « *Défi – 1 Cahier d'activités* », Éditions Maison des Langues, 2018, Unités 5-8.
9. Rio Lénia : « *Odysée A1, Cahier d'activités »*, CLÉ International, France, 2021, Unités 5-8.
10. Baylocq Marie-Pierre, Brémaud Stéphanie, Campopiano Stefano, Cheilan Clara : « *Edito A1 Cahier d'activités »*, Les Éditions DIDIER FLE, 2022, Unités 6-10.

Additional material may be used.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category-IV

GENERIC ELECTIVE (GE-2)
Basic Communicative French (2)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Basic Communicative French (2)	4	3	1	0	12TH Pass	NIL

Learning Objectives: Reading and Writing:

In Semester 2, the student will learn

- To describe about past event
- To describe recent events and projects
- To read and understand short simple biographies
- To describe a person
- To read and understand a website
- To describe a trip
- To read and understand an itinerary.
- To describe a specific city or place
- To describe different types of habitations
- To describe the seasons
- To read and understand a menu
- To describe alimentary habits
- To describe clothing and accessories
- To describe one's progress in learning the French language
- To read and understand a menu
- To describe an object
- To describe and compare various types of outings (cinema, theatre etc)

Course Learning Outcomes (Reading and Writing)

At the end of Semester 2, students will be able to

- Read simple texts and answer questions on them.
- Write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

- Complete Level A1 of reading and writing skills as described in the Common European Framework.

Learning Objectives (Listening and Speaking)

In Semester 2, students will learn

- To talk about past events
- To talk about recent events and projects
- To describe a person
- To give advice
- To talk about a town or a specific place
- To talk about the weather, seasons and climate
- To express one's emotions
- To give one's opinion about a meal, a restaurant
- To compare food habits in different countries
- To buy clothes
- To do a positive or negative appraisal
- To order a meal in a restaurant
- To describe a person or object
- To organise an event.

Course Learning Outcomes (Listening and Speaking)

At the end of Semester 2, students will be able to

- listen to and understand simple texts and answer questions on them.
- talk on subjects pertaining to their immediate environment.
- interact in simple everyday situations.
- attain Level A1 of listening and speaking skills as described in the Common European framework.

SYLLABUS OF GE 2 (FRENCH)[6]
Dossier 5: Lessons 1-6 + Project 9 hours

Reading Comprehension: to read and understand short texts, web sites on past events, describing people or giving advice and answering questions on them. To read and understand simple biographies.
Writing: To create one's learning diary , to write about past events, projects and experiences, to write a short biography of a well known person, describe a person, to make a list of advice in a specific situation (ex. improve one's French)
Grammar: le Passé compose (past perfect) the structure « *Venir+ de + infinitf* » to refer to recent past events, the structure " Aller + Infinitif" to refer to events in the immediate future, Verb "dire" (present tense), markers of time. l'impératif.
Listening Comprehension: to listen to and understand interviews, radio programs on an individual's learning experiences, projects, past events and answer questions on them

[6] A text book contains 6-8 modules/units called *dossier* Each dossier with the exception of unite 0 which is the introductory unit comprises 6 lessons. Therefore the syllabus is given in terms of the text book unit being covered along with the content of the 6 lessons with a total duration of the number of weeks needed to cover a dossier of 6 lessons.

Speaking: to talk about one's learning experiences, projects, past events, present an author, describe a person, give advice in specific situations.
Phonetics: distinction between nasal and oral vowels, e muet, difference between the present and the past perfect tense.
Vocabulary: Words related to project description, numbers, stages in a person's life, a restaurant owner's profession, press and news reports.
Intercultural: Media

Dossier 6: Lessons 1-6 + Project 12 hours

Reading Comprehension: Read and understand an itinerary, a flyer, read and understand a website proposing different types of trips, different types of stays, read and understand a short text describing a city, seasons, climate, a short travelogue and answer questions on them.
Writing: Prepare an itinerary, a flyer, write a short text proposing different types of trips and stays, describing a city, a blog to describe the weather, a short travelogue.
Grammar: Simple future tense, the structure "*il faut*", Pronoun *y*, place of qualifying adjectives, structures to describe weather and the climate, emotions and sentiments.
Listening Comprehension: to listen to and understand telephone conversations, radio programs, interviews referring to travel and weather, listen to and understand a weather report to be able to answer questions on them.
Speaking: Present an itinerary, a francophone country, a city of your choice, different types of stays and lodging, the weather report, your opinion about a trip you went for.
Phonetics: nasal vowels, groups of consonants.
Vocabulary: Terms related to travel and tourism, expressions to situate a town or a country, adjectives of color, rooms in a lodging, weather, months and seasons, emotions and sensations.
Intercultural: Francophone countries

Dossier 7: Lessons 1-6 + Project 12 hours

Reading comprehension: read and understand a menu, read and understand a short text on a specialized grocery store, reading habits of the French, evolution in vocational training, clothes and fashion and answer questions on them.
Writing: Prepare a menu, a list of ingredients with corresponding quantities, describe reading habits in your country, describe clothing and accessories, a restaurant
Grammar: use of indefinite and partitive articles, expressions of quantity, pronoun *en*, the comparative, l'imparfait (past continuous tense) verbe *payer* (present tense)
Listening comprehension: Listen to and understand conversations, interviews, new reports and radio programs on food, restaurants, fashion, clothing and answer questions on them.
Speaking: talk about a restaurant, its menu, the ingredients in a specific dish, reading habits in your country, vocational training today and in the past, describe a person, your favorite city/ tourist destination dialogue between a vendor and a client.
Phonetics: paire minimale p et b, je et sh, intonation nasal vowels.
Intercultural: Gastronomy, clothing.

Dossier 8: Lessons 1-6 + Project 12 hours

Reading Comprehension: to read and understand short texts, first hand reports, websites and Internet forums on learning experiences, restaurants, dressing styles, persons or objects, films and shows and answer questions on them

Writing: describe a restaurant, write a review about a restaurant, describe dressing styles, an object or a person, write about a film**,** and create your internet profile.
Grammar: use of Present tense, past perfect tense and past continuous tense. Pronouns for the direct object **(** *le la l' les*), relative pronouns *qui, que/qu',*Pronoms toniques after *chez, avec and pour,* Structures to express one's opinion and to advise, pronouns for the indirect object (*lui, leur*)
Listening Comprehension: Listen to and understand first hand reports, conversations and interviews dialogues on various cultural events (a film, a show, a masked ball,) a menu,and answer questions on them.
Speaking:talk about one's progress in French, present a restaurant, order a meal, describe a person or an object, give one's opinion on a cultural event, organise an evening..
Phonetics: semi vowels and oral vowels.
Intercultural: Cultural activities

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DEPARTMENT OF GRS (GERMAN)

BA (Hons.) German

Category I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4:

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language in Context: Developing Reading and Writing Skills (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**12TH Pass**	**NIL**

Learning Objectives

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to write short texts, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Learning Outcomes

- Enable students to fully attain A1 Level of reading and writing skills in the concerned language.
- Reading simple texts and answering questions on them.
- Equip students to write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

Content:

Reading: Read and understand simple documents, texts, emails containing personal information, cultural aspect of the language, gastronomia, food items and their preparation, describe an ideal locality, express preferences and its frequency, read and understand how to express in an impersonal manner, free time activities, read texts in present continuous and present perfect tense etc.

Writing: Guided writing activities. A few sentences, short text or email describing gastronomia, writing recipes, preferences, free time activities, messages of facebook, articles on different, my ideal locality, climate and its influence on the culture. writing on vacations, blogs on travel, activities related to the recent past etc.

Morphosyntax and Vocabulary: Simple grammatical structures and vocabulary used to write recipes of different dishes, travelling vocabulary, impersonal verbs, vocabulary related to the activities in the free time, blogs, vocabulary related to emails, climate, moods, colors etc.

Intercultural and cocultural: Introduction to German gastronomy, places to visit in the German-speaking world, means of transports, leisure activities, comic strips, German fashion, cinema, comic strips etc.

SYLLABUS OF DSC-4

Unit I **9 hours**

Read an official mail.
Write a reply to the same.
Read a formal invitation and respond to it.
Read a text on social networking websites and write about one's preferences.
Write a letter seeking appointment.

- Dative prepositions: aus, nach, mit, etc.
- Dative articles
- Possessive articles in accusative

Unit II **9 hours**

Read advertisements to find a suitable accommodation.
Read pamphlets related to furniture and electronic gadgets.
Write a text describing one's accommodation.
Read a text on different ways of living.
Write an invitation for a housewarming party.
Write a response to the invitation.

- Adjective with 'sein', 'sehr' and 'zu'
- Two-way prepositions with dative and accusative

Unit III **9 hours**

Read texts about people's daily routine.
Write about one's own routine.
Read job advertisements and cull relevant information.
Write a text about the merits and demerits of a particular job.

- Participle perfect form of verb
- Connectors: and, or etc.

Unit IV **9 hours**

Read an article on fashion trends.
Write a text describing your preferences about dressing for different occasions.
Read a text to gather information about the location of specific stores in a shopping mall.

- Verbs with dative
- Personal pronouns in dative
- Demonstrative articles 'dieser, diese…'
- Interrogative articles 'welcher, welche…'
- Participle perfect form of separable verbs

Unit V **9 hours**

Read a text on health and fitness.
Write about one's own fitness regimen.
Read a weather report.
Read a travelogue.
Write about one's last vacation.
Write a short note on the places of tourist interest in one's place of residence.

- Imperative forms in 'du' and 'Sie'
- Modal verbs 'dürfen' and 'sollen'

Practical component (if any) - NIL

Suggestive readings
Learning/Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed.

1. Dengler, S., Rusch, P., Schmitz, H. (2013). *Netzwerk A1.2: Deutsch als Fremdsprache. Kurs- und Arbeitsbuch mit DVD und 2 Audio--CDs.* Klett Verlag.
2. Dengler, Stefanie; Tanja Mayr-Sieber, Paul Rusch, Helen Schmitz. *Netzwerk neu A1.2: Deutsch als Fremdsprache. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Videos.* Klett Verlag
3. Evans, S., Pude, A., Specht, F. (2021). *Momente A1: Kurs- und Arbeitsbuch.* Hueber Verlag.
4. Evans, S., Pude, A., Specht, F. (2020). *Menschen A1: Kurs- und Arbeitsbuch.* Max Hueber Verlag
5. Höldrich, B. (2010). – *Lesen & Schreiben A1: Buch (Deutsch üben) Taschenbuch*. München: Hueber Verlag.
6. Rusch, P., Schmitz, H. *Einfach Grammatik Deutsch A1 Bis B1.* Berlin: Langenscheidt.
7. Sander, I., Braun, B., Fügert, N., Kotas, O. (2016). *DaF kompakt neu A1: Deutsch als Fremdsprache für Erwachsene. Kurs- und Übungsbuch.* Klett Verlag.
8. Von, Rosa-Maria Dallapiazza, et al. (2011). *Tangram aktuell A1: Kurs- und Arbeitsbuch*. Hueber Verlag.

Additional material may be provided by the Department.Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language in Context: Developing Listening and Speaking Skills (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**12TH Pass**	**NIL**

Learning Objectives Learning Objectives

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to express on different topics, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain complete Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Learning Outcomes

- Enable students to fully attain A1 Level of listening and speaking skills in the concerned language.
- Express ideas on audios listened and answering questions on them.
- Equip students to speak about subjects pertaining to his/her immediate environment.

SYLLABUS OF DSC- 5

Unit I **9 hours**

Listen to telephone conversations to gather information regarding the appointment.
Have a conversation wherein an appointment is scheduled for a particular activity.

Conduct an interview on preferred social network websites and present a statistic of the same.

Unit II **9 hours**

Plan with a partner, how to arrange things in the room/apartment.
Express one's likes and dislikes about the accommodation.
Listen to a text to find out which accommodation is selected and why.
Listen and note down which furniture is placed in which room.
Describe a room with the help of pictures.

Unit III **9 hours**

Talk about any past incident.
Express one's opinion about jobs.
Prepare a telephone conversation about jobs.
Listen to a jumbled telephonic conversation and put it in correct order.
Make a call to get information related to different courses.
Listen to a conversation and note down the professions of the concerned persons.

Unit IV **9 hours**

Listen to a conversation to understand the given information about likes and dislikes related to apparels.
Listen to a conversation between a salesperson and a customer in a clothing store.
Simulate a conversation in a clothing store.

Unit V **9 hours**

Listen to an interview with fitness experts.
Listen to a conversation with a doctor.
Simulate a conversation with a doctor.
Listen to a text on problems faced by a guest in a hotel.
Simulate a conversation with the guest.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings/Suggestive readings

Learning / Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed.

1. Dengler, S., Rusch, P., Schmitz, H. (2013). *Netzwerk A1.2: Deutsch als Fremdsprache. Kurs- und Arbeitsbuch mit DVD und 2 Audio--CDs.* Klett Verlag.
2. Dengler, Stefanie; Tanja Mayr-Sieber, Paul Rusch, Helen Schmitz. *Netzwerk neu A1.2: Deutsch als Fremdsprache. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Videos.* Klett Verlag
3. Evans, S., Pude, A., Specht, F. (2021). *Momente A1: Kurs- und Arbeitsbuch.* Hueber Verlag.
4. Evans, S., Pude, A., Specht, F. (2020). *Menschen A 1: Kurs- und Arbeitsbuch.* Max Hueber Verlag
5. Höldrich, B. (2010). – *Lesen & Schreiben A1: Buch (Deutsch üben) Taschenbuch*. München: Hueber Verlag.
6. Rusch, P., Schmitz, H. *Einfach Grammatik Deutsch A1 Bis B1.* Berlin: Langenscheidt.

7. Sander, I., Braun, B., Fügert, N., Kotas, O. (2016). *DaF kompakt neu A1: Deutsch als Fremdsprache für Erwachsene. Kurs- und Übungsbuch.* Klett Verlag.
8. Von, Rosa-Maria Dallapiazza, et al. (2011). *Tangram aktuell A1: Kurs- und Arbeitsbuch*. Hueber Verlag.

Additional material may be provided by the Department.Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 6:

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language through texts (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives

Objective: Enable students to read and understand a short literary/journalistic/ad/song text adapted for students of level A1 and to answer questions on the same.

SYLLABUS OF DSC-6

UNIT I Literary Texts **(9 hours)**

The student will learn to read, comprehend and answer simple questions on short stories.
The student will also construct simple stories in German.

(A selection will be made from the list below. Any extra material will be provided by the Department)

Stories like *Lotta ist krank, Kommt der Zug?, Annas Geburtstag* from
https://www.lernlaterne.de/deutsch/geschichten-a1
Stories by Nikola Asif like *Endlich Urlaub*, *der Osterhase war da etc.*
[https://www.dazaf.de/index.php/kurzgeschichten/kurzgeschichten-a1-a2]
Abschied von Basel from https://www.engerman.de/

UNIT II Journalistic Texts **(9 hours)**

The student will get familiar with various newspapers in German and be able to read a selection of easy articles and from the list given below. From the difficult newspapers, the student will learn to read selectively, for example some descriptions and news titles.

https://www.zdf.de/kinder/logo
https://www.nachrichtenleicht.de/
https://www.dw.com/de/deutsch-lernen/s-2055

UNIT III Simple Poems **(9 hours)**
The student will learn to read, comprehend and answer simple questions on poems.
The student will also learn to compose simple poems.

(A selection will be made from the list below)

Konkrete Poeisie by Ernst Jandl, Reinhard Döhl, Timm Ulrichs etc.
Inventur by Günter Eich
Die Ameisen von Joachim Ringelnatz
Bumerang von Joachim Ringelnatz
Some poems from https://germankitabsolution.com/german-short-poems-for-beginners-deutsch-gedichte-a1-level/

UNIT IV Simple Audio / Visual Texts/Songs **(9 hours)**

(A selection will be made from the list below)
https://learngerman.dw.com/de/nicos-weg/c-36519687
https://learngerman.dw.com/de/deine-band/s-60637027
https://learngerman.dw.com/de/das-deutschlandlabor/c-53074503
https://www.kika.de/die-sendung-mit-dem-elefanten/index.html
https://www.goethe.de/de/kul/ges/ser/pod.html?wt_sc=podcasts
https://www.goethe.de/ins/fr/de/spr/unt/kum/jug/utm.html

UNIT V Advertisement **(9 hours)**

(A selection will be made from the books below)

Farmache, A; Grosser, R. et al. DaF im Unternehmen A1. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Filmen, Klett.
Farmache, A; Grosser, R. et al. DaF im Unternehmen A1/A2. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Filmen, Klett.
Grosser, R.; Hanke, C. et al. DaF im Unternehmen A2. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Filmen. Klett.
Ros, L. Perspektive Deutsch, Kommunikation am Arbeitsplatz A2/B, Kursbuch mit Audio-CD, Klett.
Grosser, R.; Kaufmann, S; Miglio S. Linie 1 Beruf A2. Klett
Harst E., Kaufmann, S et al. Berliner Platz NEU. TREFFPUNKT BERUF A2. Deutsch für den Beruf, Langenscheidt Verlag (2012)

Suggestive readings

Learning / Teaching Material: To be compiled and provided by the Department.

5. Burger, E., Fleer, S. (2017). *Schreiben: Intensivtrainer Neu A1/A2.* Stuttgart: Ernst Klett Sprachen GmbH.
6. Klein, A. (2013, 13 September). *Learn German with Stories: Cafe in Berlin – 10 Short Stories for Beginners (German)*. Retrieved from https://www.youtube.com/watch?v=vUXcYTjINtI.
7. Klein, Andre (2015). *Learn German with Stories: Dino lernt Deutsch Collector's Edition - German Short Stories for Beginners: Explore German Cities and Boost Your Vocabulary (German Edition)*. ASIN**:** B00W9L9F9A.
8. Gomringer, Eugen (1972). *Anthologie. Konkrete Poesie. Deutschsprachige Autoren*. Stuttgart: Reclam.
9. Farmache, A; Grosser, R. et al. DaF im Unternehmen A1. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Filmen, Klett.
10. Farmache, A; Grosser, R. et al. DaF im Unternehmen A1/A2. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Filmen, Klett.
11. Grosser, R.; Hanke, C. et al. DaF im Unternehmen A2. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Filmen. Klett.
12. Ros, L. Perspektive Deutsch, Kommunikation am Arbeitsplatz A2/B, Kursbuch mit Audio-CD, Klett.
13. Grosser, R.; Kaufmann, S; Miglio S. Linie 1 Beruf A2. Klett
14. Harst E., Kaufmann, S et al. Berliner Platz NEU. TREFFPUNKT BERUF A2. Deutsch für den Beruf, Langenscheidt Verlag (2012)
15. *Kurzgeschichten für Deutschlerner! A 1 with Hindi translation* by Puneet Kaur
16. *Spaß mit Eli und Esi* by Richa Jain Jindal
17. *Endlich Urlaub*, *Der Osterhase war da* by Nikola Asif
18. https://germankitabsolution.com/german-short-poems-for-beginners-deutsch-gedichte-a1-level/
19. „Easy German“ Youtube channel
20. https://www.zdf.de/kinder/logo
21. https://www.nachrichtenleicht.de/
22. https://www.dw.com/de/deutsch-lernen/s-2055
23. https://www.lernlaterne.de/deutsch/geschichten-a1
24. https://www.dazaf.de/index.php/kurzgeschichten/kurzgeschichten-a1-a2
25. https://www.engerman.de/
26. https://learngerman.dw.com/de/nicos-weg/c-36519687
27. https://learngerman.dw.com/de/deine-band/s-60637027
28. https://learngerman.dw.com/de/das-deutschlandlabor/c-53074503
29. https://www.kika.de/die-sendung-mit-dem-elefanten/index.html
30. https://www.goethe.de/de/kul/ges/ser/pod.html?wt_sc=podcasts
31. https://www.goethe.de/ins/fr/de/spr/unt/kum/jug/utm.html

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category III

B.A. Programme with German as Minor

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-1): German in Context: Basic Level – 2

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
German in Context: Basic Level – 2	4	3	1	0	12th Pass	German Basic Level- 1

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:
At the end of semester 2, a student will

- be able to read simple texts and answer questions on them.
- be able to write short texts about subjects pertaining to his/her immediate environment.
- attain Level A 1.2 of the Common European Framework (CEF).

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Enable students to partially attain A2 Level of listening, speaking, reading and writing skills in the concerned language.
- Reading simple texts and answering questions on them.
- Equip students to write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

SYLLABUS OF DSC-2

Content

Listening: Understanding familiar words and phrases about persons, professions and immediate concrete surroundings, short, simple. formal/informal conversation, questions and instructions, description of places.

Speaking:

Monologue: Describing and presenting oneself and other people, one's immediate environment using simple phrases and sentences.
Dialogue: Taking part in a conversation and interaction in a simple way. Asking simple questions on familiar topics or matters related to oneself. Making simple purchases in shops or obtaining services that one requires. Seeking information through telephonic conversation.

Reading: Reading simple texts related to one's immediate and far away environment such as notices, brochures, advertisements, posters, fliers, responding to emails.

Writing: Guided writing will include activities such as, writing phrases (postcards, messages, invitations etc.) on everyday topics, describing surroundings and tourist destinations, travelling experiences.

Morphosyntax and Vocabulary: Simple grammatical structures and vocabulary used to describe oneself and others, describe one's local surroundings, cities, greetings, professions and journies etc.

UNIT I **9 hours**

To find information in texts, to fix appointments, read and write letters, to recognise a situation and react to it. To describe one's house, written response to an invitation, to express likes and dislikes

UNIT II **9 hours**

Describe one's daily routine, talk about past events, read job advertisements and note down the relevant information, conversation on phone. Talk about clothing, simulate the situation of shopping in a mall. Understanding texts related to a city.
Introduction of perfect tense, separable verbs, interrogative and demonstrative article and verbs with dative objects.

UNIT III **9 hours**

Talk about Sport, talk to a doctor about health issues, to understand and give directions
Read maps and use the given information to guide someone.
Introduction of "Imperative" and modal verbs.
Vocabulary related to health. Express likes and dislikes.

UNIT IV **9 hours**

Ask questions related to basic directions and explain as to how to reach specific places using different means of transport. Making a complaint in a hotel/restaurant. Understand a text about tourist destination, writing to friends from holiday destination, to briefly describe one's journey, describing weather
Vocabulary related to holidaying.Temporal prepositions and adverbs, interrogative pronouns

UNIT V **9 hours**

To introduce oneself and others, talk about food. To understand and create story from pictures. To give reasons, talk about feelings and emotions, express assumptions, to comprehend a text.
Introduction of dative possessive pronouns, reflexive verbs, conjunctions.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

Any of the following textbooks may be prescribed and will be partially completed.

1. Dengler, S., Rusch, P., Schmitz, H. (2013). *Netzwerk A1.1 and A1.2: Deutsch als Fremdsprache. Kurs- und Arbeitsbuch mit DVD und 2 Audio--CDs.* Klett Verlag.
2. Dengler,Stefanie; Tanja Mayr-Sieber, Paul Rusch, Helen Schmitz. *Netzwerk neu A1.1 and A1.2: Deutsch als Fremdsprache. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Videos.* Klett Verlag

3. Evans, S., Pude, A., Specht, F. (2021). *Momente A1.1. Kurs- und Arbeitsbuch.* Hueber Verlag.
4. Evans, S., Pude, A., Specht, F. (2020). *Menschen A 1. Kurs- und Arbeitsbuch.* Max Hueber Verlag
5. Höldrich, B. (2010). – *Lesen & Schreiben A1: Buch (Deutsch üben) Taschenbuch*. München: Hueber Verlag.
6. Rusch, P., Schmitz, H. *Einfach Grammatik Deutsch A1 Bis B1.* Berlin: Langenscheidt.
7. Sander, I., Braun, B., Fügert, N., Kotas, O. (2016). *DaF kompakt neu A1: Deutsch als Fremdsprache für Erwachsene. Kurs- und Übungsbuch.* Klett Verlag.
8. Von, Rosa-Maria Dallapiazza, et al. (2011). *Tangram aktuell A2. Kurs- und Arbeitsbuch*. Hueber Verlag.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category-IV

GENERIC ELECTIVES (GE-2)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Basic Communicative German (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Passed Class XII**	**NIL**

Learning Objectives

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to write short texts, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Learning Outcomes

- Enable students to fully attain A1 Level of reading and writing skills in the concerned language.
- Reading simple texts and answering questions on them.
- Equip students to write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

Content:

Reading: Read and understand simple documents, texts, emails containing personal information, cultural aspect of the language, gastronomia, food items and their preparation, describe an ideal locality, express preferences and its frequency, read and understand how to express in an impersonal manner, free time activities, read texts in present continuous and present perfect tense etc.

Writing: Guided writing activities. A few sentences, short text or email describing gastronomia, writing recipes, preferences, free time activities, messages o facebook, articles on different, my ideal locality, climate and its influence on the culture. writing on vacations, blogs on travel, activities related to the recent past etc.

Morphosyntax and Vocabulary: Simple grammatical structures and vocabulary used to write recipes of different dishes, travelling vocabulary, impersonal verbs, vocabulary related to the activities in the free time, blogs, vocabulary related to emails, climate, moods, colors etc.

Intercultural and cocultural: Introduction to Hispanic gastronomy, places to visit in German-speaking world, means of transports, leisure activities, comic strips, German fashion, cinema, comic strips etc.

SYLLABUS OF GE-2

Unit I **9 hours**

Read and respond to official mails, invitations and writing letters seeking appointment.
Read a text on social networking websites and write about one's preferences.
Dative prepositions: aus, nach, mit, etc., dative articles, possessive articles in accusative
Listen to and having telephone conversations regarding scheduling appointments.
Conduct an interview on preferred social network websites and present a statistic of the same.

Unit II **9 hours**

Read and write advertisements, pamphlets etc. regarding accommodation, furniture and electronic gadgets. Write a text describing one's accommodation. Read a text on different ways of living.
Write an invitation and response to it for a housewarming party.
Adjective with 'sein', 'sehr' and 'zu', two-way prepositions with dative and accusative.
Plan with a partner, how to arrange things in the room/apartment. Express one's likes and dislikes about the accommodation.
Describe a room with the help of pictures.

Unit III **9 hours**

Read and write texts about daily routine.
Read job advertisements for relevant information.
Write and speak about the merits and demerits of a particular job.
Talk about any past incident.
Participle perfect form of verb, connectors: and, or etc.
Preparing telephonic conversations on the topics discussed.

Unit IV **9 hours**

Read, write and speak texts on fashion trends and simulate a conversation in a clothing store.
Read a text to gather information about the location of specific stores in a shopping mall.
Verbs with dative, personal pronouns in dative, demonstrative articles 'dieser, diese…', interrogative articles 'welcher, welche…', participle perfect form of separable verbs

Unit V **9 hours**

Read a text and listen to an interview on health and fitness. Write about one's own fitness regimen.
Read a weather report, a travelogue and write about one's last vacation.
Write a short note on the places of tourist interest in one's place of residence.
Imperative forms in 'du' and 'Sie', Modal verbs 'dürfen' and 'sollen'
Listen to a conversation with a doctor, and simulate a similar conversation.
Listen to a text on problems faced by a guest in a hotel.
Simulate a conversation with the guest.

Essential/recommended readings

Essential/recommended readings/Suggestive readings

Learning/Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed.

1. Dengler, S., Rusch, P., Schmitz, H. (2013). *Netzwerk A1.2: Deutsch als Fremdsprache. Kurs- und Arbeitsbuch mit DVD und 2 Audio--CDs.* Klett Verlag.
2. Dengler, Stefanie; Tanja Mayr-Sieber, Paul Rusch, Helen Schmitz. *Netzwerk neu A1.2: Deutsch als Fremdsprache. Kurs- und Übungsbuch mit Audios und Videos.* Klett Verlag
3. Evans, S., Pude, A., Specht, F. (2021). *Momente A1: Kurs- und Arbeitsbuch.* Hueber Verlag.
4. Evans, S., Pude, A., Specht, F. (2020). *Menschen A1: Kurs- und Arbeitsbuch.* Max Hueber Verlag
5. Höldrich, B. (2010). – *Lesen & Schreiben A1: Buch (Deutsch üben) Taschenbuch*. München: Hueber Verlag.
6. Rusch, P., Schmitz, H. *Einfach Grammatik Deutsch A1 Bis B1.* Berlin: Langenscheidt.
7. Sander, I., Braun, B., Fügert, N., Kotas, O. (2016). *DaF kompakt neu A1: Deutsch als Fremdsprache für Erwachsene. Kurs- und Übungsbuch.* Klett Verlag.
8. Von, Rosa-Maria Dallapiazza, et al. (2011). *Tangram aktuell A1: Kurs- und Arbeitsbuch*. Hueber Verlag.

Additional material may be provided by the Department.Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (H) ITALIAN
Category I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -4 (DSC-4)
Language in Context: Developing Reading and Writing Skills (2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language in Context: Developing Reading and Writing Skills (1)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Passed 12TH Class**	**NIL**

DSC-4
Language in Context: Developing Reading and Writing Skills (2)

Learning Objectives:

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to write short texts, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Learning Outcomes:

- Enable students to fully attain A1 Level of reading and writing skills in the concerned language.
- Reading simple texts and answering questions on them.
- Equip students to write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

Syllabus:

CONTENT

Reading: Read and understand simple documents, texts, emails containing personal information, cultural aspect of the language, gastronomia, food items and their preparation, describe an ideal locality, express preferences and its frequency, read and understand how to express in an impersonal manner, free time activities, read texts in present continuous and present perfect tense etc.

Writing: Guided writing activities. A few sentences, short text or email describing gastronomia, writing recipes, preferences, free time activities, messages of facebook, articles on different, my ideal locality, climate and its influence on the culture. writing on vacations, blogs on travel, activities related to the recent past etc.

Morphosyntax and Vocabulary: Simple grammatical structures and vocabulary used to write recipes of different dishes, travelling vocabulary, impersonal verbs, vocabulary related to the activities in the free time, blogs, vocabulary related to emails, climate, moods, colors etc.

Intercultural and cocultural: Introduction to Italian gastronomy, places to visit Italian - speaking world, means of transports, leisure activities, comic strips, Italian fashion, cinema, comic strips etc. **Practical component (if any) - NIL**	
UNIT I	**9 hours**
Read an official mail. Write a reply to the same. Read a formal invitation and respond to it. Read a text on social networking websites and write about one's preferences. Write a letter seeking appointment. Prepositions: di, a, da, in, con, su, tra, fra Definite and indefinite articles Possessive pronouns	
UNIT II	**9 hours**
Read advertisements to find a suitable accommodation. Read pamphlets related to furniture and electronic gadgets. Write a text describing one's accommodation. Read a text on different ways of living. Write an invitation for a housewarming party. Write a response to the invitation. Adjectives Preposizioni articolate	
UNIT III	**9 hours**
Read texts about people's daily routine. Write about one's own routine. Read job advertisements and relevant information. Write a text about the merits and demerits of a particular job. Participle perfect form of verbs Connectors: e, o ecc.	
UNIT IV	**9 hours**
Read an article on fashion trends. Write a text describing your preferences about dressing for different occasions. Read a text to gather information about the location of specific stores in a shopping mall. Verbs with direct and indirect objects. Personal pronouns Demonstrative pronouns Interrogative pronouns Participle perfect form of irregular verbs	
UNIT V	**9 hours**
Read a text on health and fitness. Write about one's own fitness regimen. Read a weather report. Read a travelogue. Write about one's last vacation. Write a short note on the places of tourist interest in one's place of residence.	

Imperative forms of verbs Modal verbs	

Learning / Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed:

- Balboni, Paolo E.. (2009). *Nuovo Rete! A1*. Perugia: Guerra Edizioni.
- Balboni, Paolo E., (2009). *Nuovo Rete! A2*. Perugia: Guerra Edizioni.
- Balì, Maria. Rizzo, Giovanna. (2012). *Espresso 2*. Firenze: Alma Edizioni, and Delhi: Goyal Saab Publishers and Distributors Pvt. Ltd.
- Frattegiani, M. Teresa. Baldelli, Rosella. (2009). *Arrivo in Italia: Corso di lingua italiana per studenti stranieri di livello A1-A2*. Perugia: Guerra Edizioni.
- Guastalla, Carlo. (2004). *Giocare con la scrittura*. Firenze: Alma Edizioni.
- Guastalla, Carlo. Naddeo, Ciro Massimo. (2011). *Domani 2*. Firenze: Alma Edizioni.
- Mezzadri, Marco, (2008). *Grammatica essenziale della lingua italiana con esercizi* : Guerra edizione, Perugia.

Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5 (DSC-5)
Language in Context: Developing Listening and Speaking Skills (2)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language in Context: Developing Listening and Speaking Skills (1)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Passed 12TH Class**	**NIL**

DSC-5 **Language in Context: Developing Listening and Speaking Skills (2)**	
Learning Objectives: Enable student to • read simple texts and answer questions on them; • be able to express on different topics, about subjects pertaining to his/her immediate environment; • attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).	
Learning Outcomes: • Enable students to fully attain A1 Level of listening and speaking skills in the concerned language. • Express ideas on audios listened and answering questions on them. • Equip students to speak about subjects pertaining to his/her immediate environment.	
Syllabus:	
CONTENT **Listening:** Listen and understand basic phrases/ dialogues concerning himself, of his family, and immediate surroundings, brief announcements in public spaces and instructions when speakers are speaking at a slower pace. **Speaking:** which includes **Monologue:** Introduce oneself and others, describe oneself, a person, one's family or an object, describe one's immediate environment (class or professional), residential area, city… **Dialogue:** participate in a basic conversation by exchanging simple greetings, asking and replying to simple questions, give instructions etc. **Morphosyntax, Vocabulary, Pronunciation:** Simple grammatical structures and vocabulary used to introduce oneself, introduce others, describe oneself and others, describe one's residential area, city, greetings, professions etc. Basic rules of pronunciation. **Intercultural and Co-cultural:** Knowledge and practice of structures relevant to formal and informal situations. **Practical component (if any) - NIL**	
UNIT I	**9 hours**

Listen to telephone conversations to gather information regarding the appointment. Have a conversation wherein an appointment is scheduled for a particular activity. Conduct an interview on preferred social network websites and present a statistic of the same.	
UNIT II	**9 hours**
Plan with a partner, how to arrange things in the room/apartment. Express one's likes and dislikes about the accommodation. Listen to a text to find out which accommodation is selected and why. Listen and note down which furniture is placed in which room. Describe a room with the help of pictures.	
UNIT III	**9 hours**
Talk about any past incident. Express one's opinion about jobs. Prepare a telephone conversation about jobs. Listen to a jumbled telephonic conversation and put it in correct order. Make a call to get information related to different courses. Listen to a conversation and note down the professions of the concerned persons.	
UNIT IV	**9 hours**
Listen to a conversation to understand the given information about likes and dislikes related to apparels. Listen to a conversation between a salesperson and a customer in a clothing store. Simulate a conversation in a clothing store.	
UNIT V	**9 hours**
Listen to an interview with fitness experts. Listen to a conversation with a doctor. Simulate a conversation with a doctor. Listen to a text on problems faced by a guest in a hotel. Simulate a conversation with the guest.	

Learning / Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed:

- Balboni, Paolo E.. (2009). *Nuovo Rete! A1*. Perugia: Guerra Edizioni.
- Balboni, Paolo E., (2009). *Nuovo Rete! A2.* Perugia: Guerra Edizioni.
- Balì, Maria. Rizzo, Giovanna. (2012). *Espresso 2*. Firenze: Alma Edizioni, and Delhi: Goyal Saab Publishers and Distributors Pvt. Ltd.
- Frattegiani, M. Teresa. Baldelli, Rosella. (2009). *Arrivo in Italia*: *Corso di lingua italiana per studenti stranieri di livello A1-A2*. Perugia: Guerra Edizioni.
- Guastalla, Carlo. (2004). *Giocare con la scrittura*. Firenze: Alma Edizioni.
- Guastalla, Carlo. Naddeo, Ciro Massimo. (2011). *Domani 2*. Firenze: Alma Edizioni.
- Mezzadri, Marco, (2008). *Grammatica essenziale della lingua italiana con esercizi* : Guerra edizione, Perugia.

Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE– 6 (DSC-6)
Language Through Texts (2)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language Through Texts (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Passed 12 Class**	**NIL**

DSC-6 **Language Through Texts (2)**	
Learning Objectives: At the end of Semester 1, a student will • be able to read and understand simple texts (literary/semi-literary/audio-visual/advertisements etc.) adapted for the students of level A1, and answer questions on them; • be able to analyse, express their underlying meaning and answer questions based on them; • attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).	
Learning Outcomes: The Learning Outcomes of this course are as follows: • Enable students to attain A1 Level of reading, understanding, analysing and writing skills in the concerned language. • Reading and understanding simple texts and answering questions on them. • Equip students to analyse, express their underlying meaning and answer questions based on them;	
Syllabus:	
UNIT I	**9 hours**
Literary Texts (Prose)	
A selection will be made from the following list:	
La gallina lavandaia, Fiabe italiane di Italo Calvino Il paese con l'esse davanti, Favole al telefono di Gianni Rodari Gli uomini di burro, Favole al telefono di Gianni Rodari La strada di cioccolato, Favole al telefono di Gianni Rodari A inventare i numeri, Favole al telefono di Gianni Rodari	
UNIT II	**9 hours**
Literary Texts (Poetry)	
A selection will be made from the following list:	
Cielo e mare – Giuseppe Ungaretti Soldato – Giuseppe Ungaretti Ed è subito sera – Salvatore Quasimodo L'infinito – Giacomo Leopardi	
UNIT III	**6 hours**
Semi-literary / Journalistic Texts	
A selection will be made from the following list:	
Che fare dei nostri animali quando Andiamo in vacanza I bambini che lavorano in Italia I giovani e la lettura dei giornali In Italia molte persone lavorano in nero Le donne al volante	

UNIT IV	**6 hours**
Audio / Visual Texts – Songs / Music Videos	
A selection will be made from the following list:	
Com'è bella la città – Giorgio Gaber La solitudine – Laura Pausini Cosa hai messo nel caffè – Lisa Ono Le mille bolle blu – Mina La bambola – Patty Pravo	
UNIT V	**9 hours**
Audio / Visual Texts – Films / Video Clips	
A selection will be made from the following list:	
Uomo d'acqua dolce È già ieri La dolce vita Non ci resta che piangere Benvenuti al Sud	
UNIT VI	**6 hours**
Advertisements – Print / Electronic	
A selection will be made from the following list:	
Various ads from newspapers, social media, YouTube etc.	
Practical component (if any) - NIL	
Learning / Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed: • Guastalla, Carlo. (2004). *Giocare con la scrittura*. Alma Edizioni, Firenze. • Guastalla, Carlo. Naddeo, Ciro Massimo. (2010). *Domani* 1. Alma Edizioni, Firenze. • Guastalla, Carlo. Naddeo, Ciro Massimo. (2011). *Domani 2*. Alma Edizioni, Firenze. • Bailini, Sonia. Consonno, Silvia. (2002). *Ricette per parlare*. Alma Edizioni, Firenze. • Corno, Dario. (2002). *Scrivere e comunicare*. Bruno Mondadori, Milano.	
Additional material may be provided by the Department. **Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**	

Category-IV

GENERIC ELECTIVES (GE-2)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Basic Communicative Italian (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Passed Class XII**	**NIL**

GE-3
Basic Communicative Italian (1)

Learning Objectives:

Reading and Writing Objectives:

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to write short texts, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Listening and Speaking Objectives:

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to express on different topics, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Learning Outcomes:

Reading and Writing:

- Enable students to fully attain A1 Level of reading and writing skills in the concerned language.
- Reading simple texts and answering questions on them.
- Equip students to write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

Listening and Speaking:

- Enable students to fully attain A1 Level of listening and speaking skills in the concerned language.
- Express ideas on audios listened and answering questions on them.
- Equip students to speak about subjects pertaining to his/her immediate environment.

Syllabus:

CONTENT

Reading: Read and understand simple documents, texts, emails containing personal information, cultural aspect of the language, gastronomia, food items and their preparation, describe an ideal locality, express preferences and its frequency, read and understand how to express in an impersonal manner, free time activities, read texts in present continuous and present perfect tense etc.

Writing: Guided writing activities. A few sentences, short text or email describing gastronomia, writing recipes, preferences, free time activities, messages of facebook, articles on different, my ideal locality, climate and its influence on the culture. writing on vacations, blogs on travel, activities related to the recent past etc.

Morphosyntax and Vocabulary: Simple grammatical structures and vocabulary used to write recipes of different dishes, travelling vocabulary, impersonal verbs, vocabulary related to the activities in the free time, blogs, vocabulary related to emails, climate, moods, colors etc. **Intercultural and cocultural:** Introduction to Italian gastronomy, places to visit Italian - speaking world, means of transports, leisure activities, comic strips, Italian fashion, cinema, comic strips etc. **Listening:** Listen and understand basic phrases/ dialogues concerning himself, of his family, and immediate surroundings, brief announcements in public spaces and instructions when speakers are speaking at a slower pace. **Speaking:** which includes **Monologue:** Introduce oneself and others, describe oneself, a person, one's family or an object, describe one's immediate environment (class or professional), residential area, city… **Dialogue:** participate in a basic conversation by exchanging simple greetings, asking and replying to simple questions, give instructions etc. **Morphosyntax, Vocabulary, Pronunciation:** Simple grammatical structures and vocabulary used to introduce oneself, introduce others, describe oneself and others, describe one's residential area, city, greetings, professions etc. Basic rules of pronunciation. **Intercultural and Co-cultural:** Knowledge and practice of structures relevant to formal and informal situations. **Practical component (if any) - NIL**	
UNIT I	**9 hours**
Read and respond to official mails, invitations and writing letters seeking appointment. Read a text on social networking websites and write about one's preferences. Prepositions: di, a, da, in, con, su, tra, fra Definite and indefinite articles, possessive pronouns Listen to and having telephone conversations regarding scheduling appointments. Conduct an interview on preferred social network websites and present a statistic of the same.	
UNIT II	**9 hours**
Read advertisements to find a suitable accommodation. Read pamphlets related to furniture and electronic gadgets. Write a text describing one's accommodation. Read a text on different ways of living. Write an invitation for a housewarming party. Write a response to the invitation. Adjectives Preposizioni articolate	
UNIT III	**9 hours**
Read texts about people's daily routine. Write about one's own routine. Read job advertisements and relevant information. Write a text about the merits and demerits of a particular job. Participle perfect form of verbs Connectors: e, o ecc.	
UNIT IV	**9 hours**
Read an article on fashion trends. Write a text describing your preferences about dressing for different occasions.	

Read a text to gather information about the location of specific stores in a shopping mall. Verbs with direct and indirect objects. Personal pronouns Demonstrative pronouns Interrogative pronouns Participle perfect form of irregular verbs	
UNIT V	**9 hours**
Read a text on health and fitness. Write about one's own fitness regimen. Read a weather report. Read a travelogue. Write about one's last vacation. Write a short note on the places of tourist interest in one's place of residence. Imperative forms of verbs Modal verbs	
Learning/Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed: • Carlo Guastalla, Ciro Massimo Naddeo, *Domani 1*, Alma Edizioni, Firenze (2010). • Luciana Ziglio, Giovanna Rizzo, *Espresso 1*, Alma Edizioni, Firenze and Goyal Publishers and Distributors Pvt. Ltd., Delhi, 2012. • Mariateresa Serafini, *Nuovo l'italiano: grammatica e scrittura*, Fabbri, Milano, 2009. • Susanna Nocchi, *Grammatica pratica della lingua italiana*, Alma edizioni, Firenze.	
Additional material may be provided by the Department. **Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**	

Category I

B.A. (Hons.) SPANISH

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4:

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language in Context: Developing Reading and Writing Skills (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**12th Pass**	**Nil**

Learning Objectives

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to write short texts, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Learning Outcomes

- Enable students to fully attain A1 Level of reading and writing skills in the concerned language.
- Reading simple texts and answering questions on them.
- Equip students to write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

Content:

Reading: Read and understand simple documents, texts, emails containing personal information, cultural aspect of the language, gastronomia, food items and their preparation, describe an ideal locality, express preferences and its frequency, read and understand how to express in an impersonal manner, free time activities, read texts in present continuous and present perfect tense etc.

Writing: Guided writing activities. A few sentences, short text or email describing gastronomia, writing recipes, preferences, free time activities, messages o facebook, articles on

different, my ideal locality, climate and its influence on the culture. writing on vacations, blogs on travel, activities related to the recent past etc.

Morphosyntax and Vocabulary: Simple grammatical structures and vocabulary used to write recipes of different dishes, travelling vocabulary, impersonal verbs, vocabulary related to the activities in the free time, blogs, vocabulary related to emails, climate, moods, colors etc.

Intercultural and cocultural: Introduction to Hispanic gastronomy, places to visit in Hispanic world, means of transports, leisure activities, comic strips, Latin America fashion, cinema, comic strips etc.

SYLLABUS OF DSC-4

UNIT – I (9 hours)
The influence of the culture on your diet
Read a text related to the topic.
Write a recipe of your favourite dish and.
Writing dialogues between a waiter and a client in a restaurant.
Read a text on the diversity of gastronomy.
Write a menu and the contents of breakfast, lunch and dinner in the Hispanic world.

UNIT – II (9 hours)
Leisure activities
Read a text related to the topic.
Write plan and intentions, accept and reject, and learn to write opinion.
Write an email to a friend telling about what you do in your free time.
Read a text related to a topic.
Write on the pictures given.
Read a text related to a topic.
Write a summary.

UNIT – III (9 hours)
Climate
Read a text related to a topic.
Impersonal verbs: LLueve, Nieva, Hace frío/calor, está nublado, hay viento etc.
Read a text related to a topic.
Write a note on different seasons and its influences on daily life.
Compare different places.
Write pamphlets, articles, and interview a person about his preference for the season.
UNIT – IV (9 hours)
An ideal locality
Read a text related to a topic.
Write a note on your locality.

Quantificators: algún, ningún, muchos etc.
Preposiciones and adverbs of place: a, en al, al lado de, lejos, cerca etc.
Write a brief note on your ideal locality and its direction.

UNIT – 5 (9 hours)

Travelling

Read a text related to the topic.
Contents: saber and conocer
Irregular verbs and its participle form
Préterito perfecto, por, para, porque marcadores de lugar: a la derecha, al lado de... tec. Mercadores temporales: hoy, este año, esta mañana etc.
Write on a series of pictures.
Read a text related to the topic.
Write a blog on a place recently visited and the activities.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

Essential/recommended readings/Suggestive readings

Learning/Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed.

1. Alondo, Elcina. Corpas, Jaime. (2018). Diverso A1 Libro de alumno. Madrid, Madrid: SGEL.

2. Alvarez Martinez, María Angeles. Canales, Ana Blanco. et al. (2017). Sueña 1 Libro de alumno. Salamanca. Salamanca: Grupo Anaya.

3. Baulenas, Neus Sans. Peris, Ernesto Martín. et al. (2016). Bítacora 1 Libro de alumno. Barcelona, Barcelona: Editorial Difusión.

4. Campo, Cristina, Cuadrado, Charo et.al. (2017) Protagonistas A1- Libro de alumno. Madrid, Madrid: Ediciones SM.

5. Sanz, N. (2016). Aula Internacional 1. Barcelona. Barcelona: Editorial Difusión

6. Martís Peris, E., Sans, N. (2016). Gente 1 Libro del alumno. Barcelona: Editorial Difusión.

Additional material may be provided by the Department.Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language in Context: Developing Listening and Speaking Skills (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objectives **Learning Objectives**

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to express on different topics, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain complete Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Learning Outcomes

- Enable students to fully attain A1 Level of listening and speaking skills in the concerned language.
- Express ideas on audios listened and answering questions on them.
- Equip students to speak about subjects pertaining to his/her immediate environment.

SYLLABUS OF DSC- 5

UNIT – I (9 hours)

The influence of the culture on your diet

Listen to an audio activity related to the topic.
Talk to your classmates about a recipe of your favourite dish.
Listen to a text related to the topic.
Organize a restaurant activity, role play of a waiter and clients.

UNIT – II (9 hours)

Leisure activities

Listen to a text related to the topic.

Exchange your plans and intentions, accept and reject, and learn to express your opinion.
Listen to a text related to a topic.
Talk about your leisure activities in the class.
Listen to a text related to a topic.
Express your opinion on a video clip or audio activity.

UNIT – III (9 hours)
Climate
Listen to a text related to a topic.
Express different climatic conditions: LLueve, Nieva, Hace frío/calor, está nublado, hay viento etc.
Listen to a text related to a topic.
Talk about different seasons and its influences on daily life.
Interview a person in the class about his/her preference for the season and record the audio.

UNIT – IV (9 hours)
An ideal locality
Listen to a text related to a topic.
Express and use Quantificators: algún, ningún, muchos etc. Preposiciones and adverbs of place: a, en al, al lado de, lejos, cerca etc., while making a video presentation on a place.
Listen to a text on an ideal locality and its direction.
Talk to your classmates about your vision for an ideal place.
UNIT – 5 (9 hours)
Travelling
Listen to a text related to the topic.
Express and learn to differentiate between saber and conocer
Listen to a text related to the topic.
Talk to your classmates: ¿Qué has hecho hoy/ este año, esta mañana etc.?
Express what you have and what you have not done and still have to do.
Listen to a text related to the topic.
Express your points on a place recently visited.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings
Essential/recommended readings/Suggestive readings

Learning/Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed.

1. Alondo, Elcina. Corpas, Jaime. (2018). Diverso A1 Libro de alumno. Madrid, Madrid: SGEL.

2. Alvarez Martinez, María Angeles. Canales, Ana Blanco. et al. (2017). Sueña 1 Libro de alumno. Salamanca. Salamanca: Grupo Anaya.

3. Baulenas, Neus Sans. Peris, Ernesto Martín. et al. (2016). Bítacora 1 Libro de alumno. Barcelona, Barcelona: Editorial Difusión.

4. Campo, Cristina, Cuadrado, Charo et.al. (2017) Protagonistas A1- Libro de alumno. Madrid, Madrid: Ediciones SM.

5. Sanz, N. (2016). Aula Internacional 1. Barcelona. Barcelona: Editorial Difusión

6. Martís Peris, E., Sans, N. (2016). Gente 1 Libro del alumno. Barcelona: Editorial Difusión.

Additional material may be provided by the Department.Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Suggestive readings

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 6:

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Language Through Texts (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Passed XII Class**	**Nil**

Learning Objectives

Objective: Enable students to read and understand a short literary/journalistic/ad/song text adapted for students of level A1 and to answer questions on the same.

SYLLABUS OF DSC-6

UNIT I Literary Texts **(9 hours)**

(A selection will be made from the list below)

Sin Noticias de Marlene, Lola Lago & asociados Las nuevas aventuras de Lola Lago de N. Sans y L. Miquel
Un nuevo caso: Netflix puede esperar *Lola Lago & asociados Las nuevas aventuras de Lola Lago* de N. Sans y L. Miquel
Los hackers nunca duermen, Lola Lago & asociados Las nuevas aventuras de Lola Lago de N. Sans y L. Miquel
Un poco de tranquilidad, solo un poco Lola Lago & asociados Las nuevas aventuras de Lola Lago de N. Sans y L. Miquel
Fin de escapada Lola Lago & asociados Las nuevas aventuras de Lola Lago de N. Sans y L. Miquel
El misterio hombre de la gabardina Lola Lago & asociados Las nuevas aventuras de Lola Lago de N. Sans y L. Miquel
Rinconete y Cortadillo, Miguel de Cervantes, adaptado por Raquel García Prieto
Todas las voces. Curso de cultura y civilización de N. Murillo

UNIT II Journalistic Texts **(9 hours)**

(A selection will be made from the list below)
Hoy en clase de Campus Difusión
Los espejuelos de Lennon -- *Cuba* de Dolores Soler-Espiauba
Con Frida en el altiplano -- *Bolivia* de Dolores Soler-Espiauba
Guantanameras – Cuba de Dolores Soler-Espiauba
Ojalá que te vaya bonito – México de Dolores Soler-Espiauba
Los espejuelos de Lennon – Cuba de Dolores Soler-Espiauba
Dos semanas con los ticos – Costa Rica de Dolores Soler-Espiauba

UNIT III Simple poems (**9 hours)**

(A selection as per language level will be made from the list below. Any extra material will be provided by the Department)

Poemas de Antonio Colinas
Poemas de Gloria Fuertes
Poemas de Juan Ramón Jiménez
Poemas de Gabriela Mistral
Poemas de Amado Nervo
Poemas de Federico García Lorca
Poemas de Federico García Lorca
Poemas de Pablo Neruda
Poemas de Antonio Machado
Poemas de Mario Benedetti
Poemas de Luis Cernuda

UNIT IV Simple Audio / Visual Texts/Songs **(9 hours)**

(A selection will be made from the list below)

Songs (A1)
El Barrio felicidad
Vivir mi vida de Marc Antony
Me voy de Julieta Venegas (2006)
Todos me miran de Gloria Trevi
Me quedo contigo, de Los Chunguitos (1981), de Rocío Márquez (2019), de Manu Chao
El viajero, de Seguridad Social (2011)
Inmortal, La oreja de Van Gogh (2009)

Documentaries
Aldea Latinoamericana – Por la Geografía de América Latina
Historia del Arte en 10 minutos
Historia del imperio romano en 10 minutos

UNIT VAdvertisement **(9 hours)**

Suggestive readings
Learning / Teaching Material: To be compiled and provided by the Department.

1. Murillo, N. (2010). Todas las voces. Curso de cultura y civilización. Barcelona: Editorial
2. Difusión (cap. 4 Literatura: novelas, cuentos y leyendas, poesía, leer)
3. Sans, N., Miquel, L. Lola Lago (2003). Sin noticias (A1). Barcelona: Editorial Difusión.
4. Sans, N., Miquel, L. Lola Lago (2003). Por amor al arte (A1). Barcelona: Editorial
5. Difusión.
6. Soler-Espiauba, D. (2002). Con Frida en el altiplano (A1-A2). España: Editorial
7. Difusión.
8. Soler-Espiauba, D. (2008). Dos semanas con los ticos (A1-A2). Costa Rica: CEGAL.
9. Soler-Espiauba, D. (2014). Los espejuelos de Lennon (A1). Cuba: CEGAL.
10. Soler-Espiauba, D. (2012). Guantanameras (A1-A2). Cuba: Editorial Difusión.
11. Soler-Espiauba, D. (2015). Ojalá que te vaya bonito(A1-A2). México: Editorial Difusíon.
12. Hoy en clase. Campus Difusión. https://campus.difusion.com/dashboard
13. Aldea Latinoamericana – Por la Geografía de América Latina https://www.youtube.com/watch?v=2jN3kP-gM2o
14. Historia del Arte en 10 Minutos, https://www.youtube.com/watch?v=rUHxLrZwSIY
15. Historia del imperio romano en 10 minutos, https://www.youtube.com/watch?v=N4Ljm78end4
16. 100 Anuncios Publicitarios con Eslogan

Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category III

B.A. Programme with Spanish as Minor

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-2): Spanish in Context: Basic Level – 2

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Spanish in Context: Basic Level – 2	4	3	1	0	Class XII pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

At the end of Semester 2, a student will be able to

- read simple texts and answer questions on them;
- write short texts, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- complete Level A1 of the Common European Framework (CEF).

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- Enable students to attain A1 Level of listening, speaking, reading and writing skills in the concerned language.
- Reading simple texts and answering questions on them.
- Equip students to write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

SYLLABUS OF DSC - 2

Content:

Listening: Listen to and understand basic phrases/ dialogues concerning one's hobbies, vacations, purchases, recipes etc.

Speaking, which includes,

Monologue: Present orally, one's travel plans, one's likes and dislikes, express one's opinion, etc.

Dialogue: Engage in a simple conversation in everyday situations such as inviting someone, talking about the weather, ordering a meal etc.

Reading: Read and understand simple documents, texts, emails describing one's vacations, educational institutions, sports, menus, recipes, weather report, travelogues etc.

Writing: Guided writing activities. A few sentences, short text, email describing one's weekly schedule, hobbies, preparing menus, writing recipes, weather report, travelogues etc.

Morphosyntax and Vocabulary: Simple grammatical structures and vocabulary used to describe one's favourite destinations, hobbies, meals, weather etc.

Intercultural and co-cultural: Introduction to Spanish-speaking regions/countries, celebrities from Spanish speaking countries, fashion, cinema, comic strips etc.

Unit 1 **9 hours**

Talking about food and drinks. Asking for food and drinks in a restaurant or a bar. Expressing preferences using 'lo que más, lo que menos me gusta'. The meals of the day. Time of the day when eaten. What you like and what you don't like to eat. Favourite food/preferred food. Se + tercera persona del presente de indicativo. Good eating habits. Nutritional food. The verbs 'almorzar' and 'merendar'. Reading and making a menu. Los pronombres de objeto directo (OD). Vocabulary related to the cooking processes, measurements and quantities. Expressing how often something is done using 'una vez' 'entre' 'más de' 'menos de' 'siempre', 'ocasionalmente' 'nunca', etc. Preparing a dish - listing the ingredients and reading and writing a recipe. Comparing food habits, dishes and recipes of Spanish speaking countries with your own country.

Unit 2 **9 hours**

Vacation plans – proposing a plan, accepting it, rejecting it. Making an alternative plan. Vocabulary related to this. Writing an e-mail from the place of vacation to your family or friends. Talking of plans using 'ir a + infinitivo'. Expressing desires and intentions using 'querer', 'preferir', 'tener ganas de + infinitivo'. Inviting someone and accepting or rejecting an invitation. Using the verbs 'gustar', 'encantar', interesar', 'parecer'. Where and when to meet using 'quedar'. Vocabulary related to cinema and documentaries on culture, travel, nature. Reading and discussing film reviews. Expressing opinions using 'pienso que', 'me parece que', 'creo que', etc. Expressing total or partial agreement or disagreement with someone. Vocabulary related to entertainment. Reading an article from a youth magazine on whether entertainment is necessary and agreeing or disagreeing with the given viewpoints. Giving your own views on the importance of entertainment.

Unit 3 **9 hours**

Talking about the weather, the temperature, the seasons. Discussing the weather in your country, city. Reading a map with weather forecast. Connecting Words - 'además', 'aunque', 'pero'. Reading and discussing an article on the influence of climate on our lives. Types of climate –'tropical/cálido/seco', etc. Colours. Discussing how colours are related to seasons and to different aspects of culture of one's country. Comparing the climate of travel destinations using 'más/menos que...', 'mejor/peor que..', etc. Indicating how things are the

same in two places using 'tan + adjetivo + como', 'tanto/a/os/as + nombre + como', 'el mismo/la misma/los mismos/las mismas + nombre (+ que). Selecting destinations for vacations in one's own country and in Spanish speaking countries, looking for information on them and deciding upon the best option.

Unit 4 **9 hours**

Different types of vacations – cultural/on the beach/ with relatives/related to sports, health, etc. Vocabulary related to the geography of a place – lakes, volcanos, beaches, forests, etc. Discussing the geography of a place or places with your classmates. Making a list of places you know in your country and informing your classmates about it. Use of 'saber' and 'conocer'. The double negation in Spanish – 'No…ni'. Verbs which are irregular in the first person – 'conocer, saber, conducir', etc. Ordinal numbers. Reading and discussing a blog on the topic of travel. Use of 'por/porque/para'. El Pretérito Perfecto. Sending a message to friends on Facebook about places one has travelled and activities one has done during that time. Writing about what one has done this weekend/this summer, etc. Some adjectives describing the personality of a person. Reading Travel Forums and discussing the personality traits of persons who are writing them.

Unit 5 **9 hours**

Expressions related to study habits, both good and bad. Different definitions of education and which you think is the best. Finding out through a questionnaire as to how creative you are. Verbo + sustantivo. Nombre + adjetivo. Deber + infinitivo.
What you think should be the characteristics of a good student/a good musician/a good painter, etc. Discussing strategies which can help one to learn better – use of colour and pictures, underlining, etc. El Gerundio. Listening to an interview with an expert on education. Discussing all that is changing in the education system and what continues to remain the same. Talking about activities one does in an educational institution and activities one does outside them. Expressing duration using 'desde', desde hace' 'hace…que', etc. Antes de/después de + infinitivo. Reading a Timetable or a Schedule and discussing what the person does before something and after something. Writing your own weekly Schedule and comparing it with a friend. Writing messages on Facebook telling about one's activity/activities. Empezar a + infinitivo, acabar de + infinitivo, tener que + infinitivo, poder + infinitivo, ir a + infinitivo.

Practical component (if any) - NIL

Essential/recommended readings

Any of the following textbooks may be prescribed and will be partially completed.

1. Alonso, Encina, et al, (2018), Diverso A1-A2, Libro de alumno, Madrid: SGEL.

2. Sans, N., et al. (2016). *Aula Internacional 1*. Barcelona. Barcelona: Editorial Difusión

3. Campo C., et al. (2017). *Protagonistas A1,* Libro de alumno, Madrid: SM.

4. Baulenas, Neus Sans, et al. (2016). *Bítacora 1*, Libro de alumno, Barcelona: Editorial Difusión.

5. Alvarez Martinez, María Angeles. Canales, Ana Blanco. et al., (2017). *Sueña 1* Libro de Alumno, Salamanca: Grupo Anaya.

6. Martín Peris, E., Sans, N. (2016). *Gente 1* Libro del alumno. Barcelona: Editorial Difusión.

Additional material can be also used.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category-IV

GENERIC ELECTIVES (GE-2)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Basic Communicative Spanish (2)	**4**	**3**	**1**	**0**	**Passed Class XII**	**Nil**

Learning Objectives

Enable student to

- read simple texts and answer questions on them;
- be able to write short texts, about subjects pertaining to his/her immediate environment;
- attain Level A 1 of the Common European Framework (CEF).

Learning Outcomes

- Enable students to fully attain A1 Level of reading and writing skills in the concerned language.
- Reading simple texts and answering questions on them.
- Equip students to write about subjects pertaining to his/her immediate environment.

Content:

Reading: Read and understand simple documents, texts, emails containing personal information, cultural aspect of the language, gastronomia, food items and their preparation, describe an ideal locality, express preferences and its frequency, read and understand how to express in an impersonal manner, free time activities, read texts in present continuous and present perfect tense etc.

Writing: Guided writing activities. A few sentences, short text or email describing gastronomia, writing recipes, preferences, free time activities, messages o facebook, articles on different, my ideal locality, climate and its influence on the culture. writing on vacations, blogs on travel, activities related to the recent past etc.

Morphosyntax and Vocabulary: Simple grammatical structures and vocabulary used to write recipes of different dishes, travelling vocabulary, impersonal verbs, vocabulary related to the activities in the free time, blogs, vocabulary related to emails, climate, moods, colors etc.

Intercultural and cocultural: Introduction to Hispanic gastronomy, places to visit in Hispanic world, means of transports, leisure activities, comic strips, Latin America fashion, cinema, comic strips etc.

SYLLABUS OF GE-2

UNIT – I (9 hours)

The influence of the culture on your diet

Reading a text related to the topic, writing a recipe of your favourite dish and writing dialogues between a waiter and a client in a restaurant. Listen to an audio activity related to the topic. Talk to your classmates about a recipe of your favourite dish.

Read a text on the diversity of gastronomy. Write a menu and the contents of breakfast, lunch and dinner in the Hispanic world. Listen to a text related to the topic. Role-play activity of a waiter and clients.

UNIT – II (9 hours)

Leisure activities

Read a text related to the topic.

Write plan and intentions, write your opinion, write an email to a friend telling about what you do in your free time. Listen to a text related to the topic.

Exchange your plans and intentions, accept and reject, and learn to express your opinion. Read a text related to a topic. Write on the pictures given. Listen to a text related to a topic. Express your opinion on a video clip or audio activity.

UNIT – III (9 hours)

Climate

Read a text related to a topic.

Learn Impersonal verbs: LLueve, Nieva, Hace frío/calor, está nublado, hay viento etc.

Read a text related to a topic. Listen to a text related to a topic. Express different climatic conditions. Write a note on different seasons and its influences on daily life. Write pamphlets, articles, and interview a person about his preference for the season. Interview a person in the class about his/her preference for the season and record the audio.

UNIT – IV (9 hours)

An ideal locality

Read a text related to a topic.

Write a note on your locality. Quantificators: algún, ningún, muchos etc. Preposiciones and adverbs of place: a, en al, al lado de, lejos, cerca etc. Write a brief note on your ideal locality and its direction. Listen to a text related to a topic and answer the

questions. Listen to a text on an ideal locality and its direction. Talk to your classmates about your vision for an ideal place.

UNIT – V (9 hours)
Travelling
Read a text related to the topic.
Contents: saber and conocer, Irregular verbs and its participle form, Préterito perfecto, por, para, porque marcadores de lugar: a la derecha, al lado de... tec. Mercadores temporales: hoy, este año, esta mañana etc. Write on a series of pictures. Write a blog on a place recently visited and the activities. Listen to a text related to the topic. Express your points on a place recently visited.

Essential/recommended readings

Essential/recommended readings/Suggestive readings

Learning/Teaching Material: Any of the textbooks given below may be prescribed.

1. Alondo, Elcina. Corpas, Jaime. (2018). Diverso A1 Libro de alumno. Madrid, Madrid: SGEL.

2. Alvarez Martinez, María Angeles. Canales, Ana Blanco. et al. (2017). Sueña 1 Libro de alumno. Salamanca. Salamanca: Grupo Anaya.

3. Baulenas, Neus Sans. Peris, Ernesto Martín. et al. (2016). Bítacora 1 Libro de alumno. Barcelona, Barcelona: Editorial Difusión.

4. Campo, Cristina, Cuadrado, Charo et.al. (2017) Protagonistas A1- Libro de alumno. Madrid, Madrid: Ediciones SM.

5. Sanz, N. (2016). Aula Internacional 1. Barcelona. Barcelona: Editorial Difusión

6. Martís Peris, E., Sans, N. (2016). Gente 1 Libro del alumno. Barcelona: Editorial Difusión.

Additional material may be provided by the Department.Additional material may be provided by the Department.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Department of Modern Indian Languages & Literary Studies

(MIL&LS)

Category I

BA (Hons.) Bengali

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE -4 (DSC-4) – : Bangla Sahityer Itihas : Madhyajug - 2

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Bangla Sahityer Itihas : Madhyajug - 2	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th & Above

Learning Objectives:

The whole range of literary creations in Bangla cannot be searched and studied in detail by any student of Bengali Literature in UG course. A history of Literature, thus, is a holistic approach towards the development of the literature. This paper will discuss the medieval period literature.

Learning outcomes:

It is impossible for a student of literature to know the vast number of written-literature intricately in a particular language. History of Literature will let the students know and study about the outline of Bengali literature and its development time to time with special reference to its background.

SYLLABUS OF DSC-4

Unit I (18 Hours)

সংরূপ পরিচিতি, উদ্ভব ও ক্রমবিকাশ, কবি পরিচিতি :

চৈতন্য জীবনী কাব্য (বৃন্দাবন দাস, কৃষ্ণদাস কবিরাজ), মঙ্গলকাব্য (বিজয়গুপ্ত, মুকুন্দরাম, ঘনরাম চক্রবর্তী, রূপরাম চক্রবর্তী, ভারতচন্দ্র)

Unit II (27 Hours)

সংরূপ পরিচিতি, উদ্ভব ও ক্রমবিকাশ, কবি পরিচিতি :

শাক্ত পদাবলী (রামপ্রসাদ সেন, কমলাকান্ত ভট্টাচার্য), ময়মনসিংহ গীতিকা(মহুয়া ও মলুয়া) , আরাকান রাজসভা (আলাওল, দৌলত কাজী), কবিওয়ালা ও কবিগান

Practical component (if any) - 0

Essential/Recommended Reading

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৪-২০০৫, *বাংলা সাহিত্যের সম্পূর্ণ ইতিবৃত্ত,* মডার্ণ বুক এজেন্সী, কলকাতা

ক্ষেত্র গুপ্ত, ২০০২, *বাংলা সাহিত্যের সমগ্র ইতিহাস,* গ্রন্থনিলয়, কলকাতা

Suggested Reading

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৬-০৭, *বাংলা সাহিত্যের ইতিবৃত্ত,* দ্বিতীয় খণ্ড, মডার্ণ বুক এজেন্সী, কলকাতা

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৯-২০১০, *বাংলা সাহিত্যের ইতিবৃত্ত,* তৃতীয় খণ্ড, প্রথম পর্ব, মডার্ণ বুক এজেন্সী, কলকাতা

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৯-২০১০, *বাংলা সাহিত্যের ইতিবৃত্ত,* তৃতীয় খণ্ড, দ্বিতীয় পর্ব, মডার্ণ বুক এজেন্সী, কলকাতা

আব্দুল করিম ও মুহম্মদ্ এনামুল্ হক্, ২০১৭, *আরাকান-রাজসভায় বাঙ্গালা সাহিত্য,* সোপান, কলকাতা

আশুতোষ ভট্টাচার্য, ২০০৬, *বাংলা মঙ্গলকাব্যের ইতিহাস,* এ. মুখার্জী, কলকাতা

আহমদ শরীফ, ২০১১, *বাঙালী ও বাঙলা সাহিত্য,* দ্বিতীয় খণ্ড, নয়া উদ্যোগ, কলকাতা

দীনেশচন্দ্র সেন, ২০১৭, *প্রাচীন বাঙ্গালা সাহিত্যে মুসলমানের অবদান,* বাতিঘর, চট্টগ্রাম

দেবেশ কুমার আচার্য্য, ২০০৪, *বাংলা সাহিত্যের ইতিহাস,* আদি ও মধ্য যুগ, ইউনাইটেড বুক এজেন্সি, কোলকাতা

মুহম্মদ শহীদুল্লাহ্, ২০০৬, *বাংলা সাহিত্যের কথা,* প্রথম খণ্ড, প্রাচীন যুগ, মওলা ব্রাদার্স, ঢাকা

রমাকান্ত চক্রবর্তী, ২০০৭, *বঙ্গে বৈষ্ণবধর্ম,* আনন্দ পাবলিশার্স, কলকাতা

সুকুমার সেন, ১৪১৪ বঙ্গাব্দ, *বাঙ্গালা সাহিত্যের ইতিহাস,* দ্বিতীয় খণ্ড, আনন্দ, কলকাতা

সুখময় মুখোপাধ্যায়, ১৯৭৪, *মধ্যযুগের বাংলা সাহিত্যের তথ্য ও কালক্রম,* জি ভরদ্বাজ অ্যান্ড কোং, কলকাতা

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 5 (DSC-5: Prachin O Madhyajuger Sahitya)

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Prachin O Madhyajuger Sahitya)	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th & Above

Learning Objectives:

In accordance to the literary history, we ought to cater our students with a number of literary pieces from the ancient period to the end of the medieval period. This paper will include some best literary works starting from the Charyas.

Learning outcomes:

Going through the literature of old and medieval period the students may follow both the development of the language as well as the shifting of philosophical approach from time to time. They will know about the authors of those periods also who had to work hard to remain focused in a society mostly full of hurdles.

SYLLABUS OF DSC- 5

Unit I

চর্যাপদ (9 Hours)

নগর বাহিরে ডোম্বি তোহোরি কুড়িআ, টালত মোর ঘর নাহি পড়বেষী

Unit II (15 Hours)

শ্রীকৃষ্ণকীর্তন — বংশীখণ্ড (বড়ায়ি লইয়াঁ রাহা গেলী সেই থানে ... তভোঁ তোর ভাল মতে), রাধাবিরহ (মেঘ আন্ধারী অতি ভয়ঙ্কর নিশি), রামায়ণ(রামের বিলাপ) — কৃত্তিবাস ওঝা, চণ্ডীমঙ্গল — ফুল্লরার বারমাস্যা, অন্নদামঙ্গল — ভবানন্দ ভবনে যাত্রা, পদ্মাবতী — কন্যা বিদায়

Unit III

বৈষ্ণব পদাবলী (21 Hours)

নীরদ নয়নে নীর ঘন সিঞ্চনে, সই কেবা শুনাইল শ্যাম-নাম, রাধার কি হৈল অন্তরে ব্যথা, রূপ লাগি আঁখি ঝুরে গুণে মন ভোর, কণ্টক গাড়ি কমল-সম পদতল, অব মথুরাপুর মাধব গেল, এ সখি হামারি দুখের নাহি ওর, বহুদিন পরে বধুয়া এলে

শাক্ত পদাবলী

কি হলো নবমী নিশি, ফিরে চাও গো উমা, কবে যাবে বল গিরিরাজ, মা আমায় ঘুরাবে কত।

Practical component (if any) - 0

Essential/Recommended Reading

অমরেন্দ্রনাথ রায় (সম্পা.), ২০০২, *শাক্ত পদাবলী চয়ন*, কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়, কলকাতা

অমিত্রসূদন ভট্টাচার্য (সম্পা.), ২০০৪, *বড়ু চণ্ডীদাসের শ্রীকৃষ্ণকীর্তন সমগ্র*, দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

খগেন্দ্রনাথ মিত্র প্রমুখ, (সম্পা.), ১৯৯০, *বৈষ্ণব পদাবলী চয়ন*, কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়, কলিকাতা

দেবনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০১, *রাজসভার কবি ও কাব্য*, বঙ্গীয় সাহিত্য সংসদ, কলকাতা

নির্মল দাশ, ২০১০, *চর্যাগীতি পরিক্রমা*, দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

ব্রজেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় ও সজনীকান্ত দাস (সম্পা.), ১৪২১ বঙ্গাব্দ, *ভারতচন্দ্র-গ্রন্থাবলী*, বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষৎ, কলকাতা

সুকুমার সেন (সম্পা.), ১৯৭৫, *কবিকঙ্কন মুকুন্দ বিরচিত চণ্ডীমঙ্গল*, সাহিত্য অকাদেমি, কলকাতা

সুকুমার সেন (সম্পা.), ১৯৯১, বাংলা কবিতা সমুচ্চয় : প্রথম খণ্ড, সাহিত্য অকাদেমি, নতুন দিল্লী

Suggested Reading (if any)

আশিসকুমার দে, ১৯৯৭, *মধ্যযুগের বাংলা সাহিত্য : ভাষাপট ও ভাবকথা*, প্রথম খণ্ড, শৈলী, কলকাতা

আশুতোষ ভট্টাচার্য, ২০০৬, *বাংলা মঙ্গলকাব্যের ইতিহাস*, এ. মুখার্জী, কলিকাতা

আহমদ শরীফ, ২০০০, *মধ্যযুগের সাহিত্যে সমাজ ও সংস্কৃতির রূপ*, সময় প্রকাশন, ঢাকা

আহমদ শরীফ, ২০০২, *মধ্যযুগের বাঙলা সাহিত্য*, আগামী প্রকাশনী, ঢাকা

কালিদাস রায়, ২০০৪, *পদাবলী সাহিত্য*, করুণা, কলকাতা

ক্ষুদিরাম দাশ, ২০১৫, *বৈষ্ণব-রস-প্রকাশ*, দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

জহর সেনমজুমদার, ২০০৯, *মধ্যযুগের কাব্য : স্বর ও সংকট*, বঙ্গীয় সাহিত্য সংসদ, কলকাতা

ত্রিপুরাশঙ্কর সেনশাস্ত্রী, ১৯৮৮, *শাক্তপদাবলী সাধনতত্ত্ব ও রস বিশ্লেষণ*, এস ব্যনার্জী, কলকাতা

দীনেশচন্দ্র সেন, ২০১৭, *প্রাচীন বাঙ্গালা সাহিত্যে মুসলমানের অবদান*, বাতিঘর, চট্টগ্রাম

ধ্রুবকুমার মুখোপাধ্যায় (সম্পা.) ১৩৬৫ বঙ্গাব্দ, *শাক্ত পদাবলী*, বেঙ্গল পাবলিশার্স, কলকাতা

রমাকান্ত চক্রবর্তী, ২০০৭, *বঙ্গে বৈষ্ণব ধর্ম*, আনন্দ, কলকাতা
শঙ্করীপ্রসাদ বসু, ২০০৭, *মধ্যযুগের কবি ও কাব্য*, জেনারেল, কলকাতা
শঙ্করীপ্রসাদ বসু, ২০০৮, *চণ্ডীদাস ও বিদ্যাপতি*, দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা
সত্যব্রত দে, ১৯৯৭, চর্যাগীতি পরিচয়, জিজ্ঞাসা এজেন্সিজ, কলিকাতা
সুকুমার সেন, ২০০৯, *চর্যাগীতি পদাবলী*, আনন্দ, কলকাতা
সুখময় মুখোপাধ্যায়, ১৯৭৪, *মধ্যযুগের বাংলা সাহিত্যের তথ্য ও কালক্রম*, জি ভরদ্বাজ, কলকাতা

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE– 6 (DSC-6): Bangla Chotogalpo

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Bangla Chotogalpo	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th & Above

Learning Objectives:

The world of Bengali Fiction is growing day by day with authors experimenting the genre with various subjects and narrative styles. Bangla Chotogalpo dates back to the later part of nineteenth century. This paper will focus the development of this genre through reading of some Bengali Short stories.

Learning outcomes:

Students who have just passed the 12th standard examination will be introduced to the abundance of their literature and they will be expected to know after going through this paper that studying literature is not only to read some stories but they have to inculcate the habit of working and research of the given literature. Students will be able to study the development of their society and culture through literature.

SYLLABUS OF DSC-6

Unit I (9 Hours)

ছোটোগল্পের সংজ্ঞা ও বৈশিষ্ট্য

Unit II (36 Hours)

- প্রভাতকুমার মুখোপাধ্যায় — দেবী
- পরশুরাম — ভূশণ্ডীর মাঠে
- বিভূতিভূষণ বন্দ্যোপাধ্যায় — কিন্নরদল
- তারাশঙ্কর বন্দ্যোপাধ্যায় — জলসাঘর
- বনফুল — নিমগাছ

- প্রেমেন্দ্র মিত্র — শুধু কেরানী
- সুবোধ ঘোষ — ফসিল
- নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায় – টোপ
- মহাশ্বেতা দেবী – ভাত
- আবুল বাশার – দুই অক্ষরের গল্প

Practical component (if any) - 0

Essential/Recommended Reading

অশ্রুকুমার সিকদার ও কবিতা সিংহ (সংক. ও সম্পা.), ২০১৩, *বাংলা গল্প সংকলন, দ্বিতীয় খণ্ড*, সাহিত্য অকাদেমি, নতুন দিল্লি

আবুল বাশার, ১৯৫৭, দুই অক্ষরের গল্প, একই বৃন্তে(গল্পসংগ্রহ), প্রভা, কলকাতা

জগদীশ ভট্টাচার্য (সম্পা.), ১৪২৪ বঙ্গাব্দ, *সুবোধ ঘোষের শ্রেষ্ঠ গল্প*, প্রকাশ ভবন, কলকাতা

জগদীশ ভট্টাচার্য (সম্পা.), ১৪২৫ বঙ্গাব্দ, *প্রভাতকুমার মুখোপাধ্যায়ের শ্রেষ্ঠ গল্প*, প্রকাশ ভবন, কলকাতা

দীপংকর বসু (সম্পা.), ২০০৩, *পরশুরাম গল্পসমগ্র*, এম. সি. সরকার এন্ড সন্স, কলকাতা

বনফুল, ২০০৬, *বনফুলের শ্রেষ্ঠ গল্প*, বাণীশিল্প, কলকাতা

মহাশ্বেতা দেবী, ১৯৯৩, ছোটগল্প সংকলন, ন্যাশান্যাল বুক ট্রাস্ট, ইন্ডিয়া, নতুন দিল্লী

সৌরীন ভট্টাচার্য (সম্পা.), ২০১৫, *প্রেমেন্দ্র মিত্রের শ্রেষ্ঠ গল্প*, দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

Suggested Reading

অরিন্দম গোস্বামী, ২০১৮, *সুবোধ ঘোষ : কথা সাহিত্য*, তবুও প্রয়াস, চাপড়া

অরুণকুমার মুখোপাধ্যায়, ২০০৪, *কালের পুত্তলিকা : বাংলা ছোটগল্পের একশ' দশ বছর : ১৮৯১-২০০০*, দে'জ পাবলিশিং কলকাতা

উজ্জ্বলকুমার মজুমদার (সম্পা.), ২০০৮, *গল্পচর্চা*, বঙ্গীয় সাহিত্য সংসদ, কলকাতা

জগদীশ ভট্টাচার্য, ১৯৯৪, *আমার কালের কয়েকজন কথাশিল্পী*, ভারবি, কলকাতা

তরুণ মুখোপাধ্যায় ও শীতল চৌধুরী (সম্পা.), ২০০০, *প্রেমেন্দ্র মিত্র ও আধুনিক বাংলা সাহিত্য*, সাহিত্যলোক, কলকাতা

নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায়, ১৪০৫ বঙ্গাব্দ, *সাহিত্যে ছোটগল্প*, মিত্র ও ঘোষ পাবলিশার্স, কলকাতা

রথীন্দ্রনাথ রায়, ১৯৯৬, *ছোটগল্পের কথা*, পুস্তক বিপণি, কলকাতা

রফিকউল্লাহ খান, ২০০২, *কথাসাহিত্যের বিচিত্র বিষয় ও নন্দনতত্ত্ব*, অনন্যা, ঢাকা

শিশিরকুমার দাশ, ২০০৭, *বাংলা ছোটগল্প : ১৮৭৩ -১৯২৩*, দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

Category II

B.A. Programmes with Bengali as Major discipline

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 3 (DSC-3): Prak-Uponibesher Bangla Sahitya – II (10th to 18th Shatak)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Prak-Uponibesher Bangla Sahitya – II (10th to 18th Shatak)	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th standard Or working knowledge of Bengali Language

SYLLABUS OF DSC-3

Learning Objectives:

To give the students a detail idea about Pre-Colonial Bengali Literature.

Learning outcomes:

The course will enlighten the students about Pre-Colonial Bengali Literature, it's characteristics and features. It will also introduce students about their socio – cultural background of Bengal.

SYLLABUS OF DSC- 3

UNIT – I (12 Hours)

বৈষ্ণব পদাবলী(বিদ্যাপতি, চণ্ডীদাস, জ্ঞানদাস, গোবিন্দদাস), শাক্ত পদাবলী(রামপ্রসাদ সেন, কমলাকান্ত ভট্টাচার্য)

UNIT – II (21 Hours)

ময়মনসিংহ গীতিকা, জঙ্গনামা, নাথ সাহিত্য, রায়মঙ্গল ও শীতলা মঙ্গল, পীর সাহিত্য

UNIT - III (12 Hours)

বাউল ও ফকিরী গান, কবিওয়ালা ও কবিগান

Practical component (if any) - 0

Essential/recommended readings

অমরেন্দ্রনাথ রায় (সম্পা.), ২০০২, শাক্ত পদাবলী চয়ন, কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়, কলকাতা

অমিত্রসূদন ভট্টাচার্য (সম্পা.) ২০০৪, বড়ু চণ্ডীদাসের শ্রীকৃষ্ণকীর্তন সমগ্র, দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

খগেন্দ্রনাথ মিত্র প্রমুখ, (সম্পা.), ১৯৯০, বৈষ্ণব পদাবলী চয়ন, কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়, কলিকাতা

বৃন্দাবন দাস, ১৯৯৩, শ্রীচৈতন্যভাগবত, শ্রীচৈতন্যমঠ, মায়াপুর, পশ্চিমবঙ্গ

ব্রজেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায় ও সজনীকান্ত দাস(সম্পা) ১৪২১ বঙ্গাব্দ, ভারতচন্দ্র-গ্রন্থাবলী, বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষৎ, কলকাতা

মুহম্মদ এনামুল হক (সম্পা.), ১৯৯৯, শাহ মুহম্মদ সগীর বিরচিত ইউসুফ-জোলেখা, মাওলা ব্রাদার্স, ঢাকা

Suggestive readings (if any)

আশুতোষ ভট্টাচার্য, ২০০৬, বাংলা মঙ্গলকাব্যের ইতিহাস, এ, মুখার্জী এন্ড কোং, কলকাতা

জহর সেনমজুমদার, ২০০৯, মধ্যযুগের কাব্য : স্বর ও সংকট, বঙ্গীয় সাহিত্য সংসদ, কলকাতা

তারাপদ মুখোপাধ্যায়, ১৯৭১, শ্রীকৃষ্ণকীর্তন, মিত্র ও ঘোষ, কলকাতা

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4 (DSC-4): Bangla Bhasha, Sahitya O Itihas Parichay- II

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Bangla Bhasha, Sahitya O Itihas Parichay- II	**4**	**3**	**1**	**0**	**Class 12th pass in any subject**	**Studied Bengali up to 10th standard Or Working knowledge of Bengali language**

Learning Objectives

To give the students a brief idea about Bengali Language, Literature & History.

Learning outcomes

The course will enlighten the students about rise and development of Bengali Language, History of early Bengal and selected literature of ancient and mediaeval Bengal.

SYLLABUS OF DSC- 4

UNIT – I (15 Hours)

বাক্যের সংজ্ঞা, বাক্যের গঠন ও শ্রেণিবিভাগ

বাক্যের প্রকার – সরল, জটিল, যৌগিক

UNIT – II (15 Hours)

বাঙালি জাতি সত্ত্বার ইতিহাস (আধুনিক যুগ)

রাজা রামমোহন রায়, হেনরি ডিরোজিও, লালন ফকির

UNIT – III (15 Hours)

আধুনিক যুগের বাংলা সাহিত্য

গদ্য - ফোর্ট উইলিয়াম কলেজ, বিদ্যাসাগর

কবিতা – মাইকেল মধুসূদন দত্ত, রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

নাটক – দীনবন্ধু মিত্র, গিরিশচন্দ্র ঘোষ

Practical component (if any) - 0

Essential/Recommended Reading:

সুকুমার সেন, ২০০১, ভাষার ইতিবৃত্ত, আনন্দ পাবলিশার্স, কলকাতা

নিহাররঞ্জন রায়, বাঙালির ইতিহাসঃ আদি পর্ব , ১৪২২, দে'জ, কলকাতা

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৪-২০০৫, বাংলা সাহিত্যর সম্পূর্ণ ইতিবৃত্ত, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা

ক্ষেত্র গুপ্ত, ২০০২, বাংলা সাহিত্যের সমগ্র ইতিহাস, গ্রন্থনিলয়, কলকাতা

Suggested Reading:

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৯-২০১০, বাংলা সাহিত্যর ইতিবৃত্ত, পঞ্চম খণ্ড, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৭, বাংলা সাহিত্যর ইতিবৃত্ত, ষষ্ঠ খণ্ড, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ১৯৯২, বাংলা সাহিত্যর ইতিবৃত্ত, সপ্তম খণ্ড, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৭, বাংলা সাহিত্যর ইতিবৃত্ত, অষ্টম খণ্ড, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category III

B.A. Programmes with Bengali as non-Major or minor discipline

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE- 2 (DSC-2): Bangla Bhasha, Sahitya O Itihas Parichay- II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Bangla Bhasha, Sahitya O Itihas Parichay- II	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali up to 10th standard Or Working knowledge of Bengali language

Learning Objectives

To give the students a brief idea about Bengali Language, Literature & History.

Learning outcomes

The course will enlighten the students about rise and development of Bengali Language, History of early Bengal and selected literature of ancient and mediaeval Bengal.

SYLLABUS OF DSC- 2

UNIT – I (15 Hours)

বাক্যের সংজ্ঞা, বাক্যের গঠন ও শ্রেণিবিভাগ

বাক্যের প্রকার – সরল, জটিল, যৌগিক

UNIT – II (15 Hours)

বাঙালি জাতি সত্ত্বার ইতিহাস (আধুনিক যুগ)

রাজা রামমোহন রায়, হেনরি ডিরোজিও, লালন ফকির

UNIT – III (15 Hours)

আধুনিক যুগের বাংলা সাহিত্য

গদ্য - ফোর্ট উইলিয়াম কলেজ, বিদ্যাসাগর

কবিতা – মাইকেল মধুসূদন দত্ত, রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

নাটক – দীনবন্ধু মিত্র, গিরিশচন্দ্র ঘোষ

Practical component (if any) - 0

Essential/Recommended Reading:

সুকুমার সেন, ২০০১, ভাষার ইতিবৃত্ত, আনন্দ পাবলিশার্স, কলকাতা

নিহাররঞ্জন রায়, বাঙালির ইতিহাসঃ আদি পর্ব , ১৪২২, দে'জ, কলকাতা

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৪-২০০৫, বাংলা সাহিত্যর সম্পূর্ণ ইতিবৃত্ত, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা
ক্ষেত্র গুপ্ত, ২০০২, বাংলা সাহিত্যের সমগ্র ইতিহাস, গ্রন্থনিলয়, কলকাতা

Suggested Reading:

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৯-২০১০, বাংলা সাহিত্যর ইতিবৃত্ত, পঞ্চম খণ্ড, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা
অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৭, বাংলা সাহিত্যর ইতিবৃত্ত, ষষ্ঠ খণ্ড, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা
অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ১৯৯২, বাংলা সাহিত্যর ইতিবৃত্ত, সপ্তম খণ্ড, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা
অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৭, বাংলা সাহিত্যর ইতিবৃত্ত, অষ্টম খণ্ড, মডার্ন বুক এজেন্সী, কলকাতা

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES

GENERIC ELECTIVES (GE-1): Introductory Bengali

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Introductory Bengali	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject except Bengali	None	Bengali

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

- This course is aimed to teach the basic language skills in Bengali.
- It will introduce basic skills of the Bengali Language: its alphabets, essential words and simple sentence construction methods.
- The course intends to facilitate students acquiring primary skills of reading, writing and speaking Bengali along with building up an elementary vocabulary.

Learning outcomes:

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- The course will enable the students to obtain the basic skills of reading, writing and speaking in Bengali along with building up a primary vocabulary.
- After the course they can read and write simple Bengali sentences, can figure out words having conjunct character.
- Students will learn basic everyday conversation.

SYLLABUS OF GE-1

UNIT – I (12 Hours)
Introduction to Bengali Vowel & Consonant sounds along with the sound-images
Introduction to vowel allographs
Introduction to Bengali Consonant Conjuncts

UNIT – II (11 Hours)
Introduction to Bengali Pronoun
Introduction to Bengali Noun, Numbers & Case Markers

UNIT – III (11 Hours)
Introduction to Verb & Time/Tense
Conjugation of different verbs
Bengali qualifiers/adjectives
Bengali postpositions
Conjunctions and its usage

UNIT – IV (11 Hours)
Making simple sentences in Bengali (basic syntactical rules)
Making Negative sentences in Bengali
Making Interrogative sentences in Bengali

Practical component (if any): 0

Essential/Recommended Reading:
Mahapatra, Tushar Kanti. (1999), Bengali for Non-Bengalis, Shishu Sahitya Samsad, Kolkata.
Mahapatra, Tushar Kanti. (1999), Bengali for Benginners, Shishu Sahitya Samsad, Kolkata.

Suggested Reading:
Study Materials will be provided by the respective department.

GENERIC ELECTIVES (GE-2): Introductory Bengali - II

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Introductory Bengali - II	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject except Bengali	None	Bengali

Learning Objectives:

This course is aimed to teach the basic language skills in Bengali. It will introduce basic skills of the Bengali Language: its alphabets, essential words and simple sentence construction methods. The course intends to facilitate students acquiring primary skills of reading, writing and speaking Bengali along with building up an elementary vocabulary.

Learning outcomes:

The course will enable the students to obtain the basic skills of reading, writing and speaking in Bengali along with building up a primary vocabulary. After completing the course they can read and write simple Bengali sentences, can figure out words having conjunct character, and can have basic everyday conversation.

SYLLABUS OF GE-1

UNIT – I (11 Hours)
Revision of the previous lesson

UNIT – II (12 Hours)
Compound verbs
Transitive and intransitive verbs
Making compound sentences in Bengali using conjunction
Making complex sentences in Bengali

UNIT – III (11 Hours)
Paragraph and letter Writing

UNIT – IV (11 Hours)
Conversation Writing

Practical component (if any): 0

Essential/Recommended Reading:
Mahapatra, Tushar Kanti. (1999), Bengali for Non-Bengalis, Shishu Sahitya Samsad, Kolkata.
Mahapatra, Tushar Kanti. (1999), Bengali for Benginners, Shishu Sahitya Samsad, Kolkata.

Suggested Readings:
Study Materials will be provided by the respective department.

GENERIC ELECTIVES (GE-3: Bangla Sahityer Sankhipta Parichay

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Bangla Sahityer Sankhipta Parichay	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th standard Or working knowledge of Bengali Language

Learning Objectives:
To introduce the general history of the history of Bengali language and literature, periodization of Bengali literature, important genres, institutions and litterateurs of Bengali literature.

Learning outcomes:
This course will enable students to understand the general history of Bengali language and literature along with basic knowledge of important genres, institutions and litterateurs of Bengali literatures.

SYLLABUS OF GE-2

UNIT – I (15 Hours)
বাংলা সাহিত্যের সংক্ষিপ্ত পরিচয়: বাংলাসাহিত্যের যুগবিভাগ ও যুগবৈশিষ্ট্য

UNIT – II (15 Hours)

প্রাচীন ও মধ্যযুগ : চর্যাপদ, শ্রীকৃষ্ণকীর্তন, অনুবাদ সাহিত্য(কৃত্তিবাস ওঝা), মঙ্গলকাব্য(মুকুন্দরাম, ভারতচন্দ্র), বৈষ্ণব পদাবলী(বিদ্যাপতি, চণ্ডীদাস), শাক্ত পদাবলী(রামপ্রসাদ সেন), প্রণয় কাব্য(সৈয়দ আলাওল)

UNIT – III (15 Hours)

আধুনিক যুগ : বাংলা গদ্যের বিকাশ(ফোর্ট উইলিয়াম কলেজ, রামমোহন রায়, বিদ্যাসাগর) কথাসাহিত্য(বঙ্কিমচন্দ্র চট্টোপাধ্যায়, রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর, শরৎচন্দ্র চট্টোপাধ্যায়), নাটক ও প্রহসন(মধুসূদন দত্ত, দীনবন্ধু মিত্র, গিরিশ ঘোষ), কাব্য ও কবিতা (মধুসূদন দত্ত- মহাকাব্য, বিহারীলাল চক্রবর্তী- গীতিকাব্য, রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর)

Practical component (if any): 0

Essential/Recommended Readings:

অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০০৪-২০০৫, *বাংলা সাহিত্যের সম্পূর্ণ ইতিবৃত্ত*, মডার্ণ বুক এজেন্সী, কলকাতা

ক্ষেত্র গুপ্ত, ২০০২, *বাংলা সাহিত্যের সমগ্র ইতিহাস*, গ্রন্থনিলয়, কলকাতা

Suggested Reading:

আহমদ শরীফ, ২০১১, *বাঙালী ও বাঙলা সাহিত্য*, দ্বিতীয় খণ্ড, নয়া উদ্যোগ, কলকাতা

আহমদ শরীফ, ২০১৪, *বাঙালী ও বাঙলা সাহিত্য*, প্রথম খণ্ড, নয়া উদ্যোগ, কলকাতা

গোপাল হালদার, ১৪০৪ বঙ্গাব্দ, *বাঙ্‌লা সাহিত্যের রূপ-রেখা*, প্রথম খণ্ড, অরুণা প্রকাশনী, কলকাতা

গোপাল হালদার, ১৪১২ বঙ্গাব্দ, *বাঙ্‌লা সাহিত্যের রূপ-রেখা*, দ্বিতীয় খণ্ড, অরুণা প্রকাশনী, কলকাতা

দেবেশ কুমার আচার্য্য, ২০০৪, *বাংলা সাহিত্যের ইতিহাস*, আদি ও মধ্য যুগ, ইউনাইটেড বুক এজেন্সি, কোলকাতা

দেবেশ কুমার আচার্য্য, ২০০৭, *বাংলা সাহিত্যের ইতিহাস*, আধুনিক যুগ, ইউনাইটেড বুক এজেন্সি, কোলকাতা

সুখময় মুখোপাধ্যায়, ১৯৭৪, *মধ্যযুগের বাংলা সাহিত্যের তথ্য ও কালক্রম*, জি. ভরদ্বাজ এণ্ড কোং, কলকাতা

GENERIC ELECTIVES (GE- 4): Bingsha Shatabdir Bangla Kathasahitya

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Bingsha Shatabdir Bangla Kathasahitya	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th standard Or working knowledge of Bengali Language

Learning Objectives:

To introduce the generic features of novel and short story, and important texts of Bengali novel and short story.

Learning outcomes:

This course will enable students to understand the generic features of novel and short story and the artistic achievement of Bengali writers in these genres.

SYLLABUS OF GE-3

UNIT – I (9 Hours)
উপন্যাস ও ছোটোগল্পের সংজ্ঞা ও শ্রেণিবিভাগ

UNIT – II (18 Hours)
বিভূতিভূষণ বন্দ্যোপাধ্যায় – পথের পাঁচালী

UNIT – III (18 Hours)
পরশুরাম — চিকিৎসা সংকট
মানিক বন্দ্যোপাধ্যায় – হারানের নাতজামাই
বনফুল — নিমগাছ
প্রেমেন্দ্র মিত্র – শৃঙ্খল
লীলা মজুমদার – নটে মামা

Practical component (if any): 0

Essential/Recommended Reading:

বিভূতিভূষণ বন্দ্যোপাধ্যায়, ১৪১১, পথের পাঁচালী, মিত্র ও ঘোষ পাব্‌লিশার্স প্রা: লি:, কলকাতা
দীপংকর বসু (সম্পা.), ২০০৩, *পরশুরাম গল্পসমগ্র,* এম. সি. সরকার এন্ড সন্স, কলকাতা
বনফুল, ২০০৬, *বনফুলের শ্রেষ্ঠ গল্প,* বাণীশিল্প, কলকাতা
যুগান্তর চক্রবর্তী(সম্পা.), ২০০৮, মানিক বন্দ্যোপাধ্যায়ের শ্রেষ্ঠ গল্প, বেঙ্গল পাবলিশার্স (প্রা:) লিমিটেড, কলকাতা
সোমা গঙ্গোপাধ্যায়(সম্পা.),২০০৮, লীলা মজুমদার রচনাসমগ্র : প্রথম খণ্ড, লালমাটি, কলকাতা
সৌরীন ভট্টাচার্য (সম্পা.), ২০১৫, *প্রেমেন্দ্র মিত্রের শ্রেষ্ঠ গল্প,* দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

Suggested Reading:

অরুণকুমার মুখোপাধ্যায়, ২০০২, *মধ্যাহ্ন থেকে সায়াহ্নে : বিংশ শতাব্দীর বাংলা উপন্যাস,* দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা
অরুণকুমার মুখোপাধ্যায়, ২০০৪, *কালের পুত্তলিকা : বাংলা ছোটগল্পের একশ' দশ বছর : ১৮৯১-২০০০,* দে'জ পাবলিশিং কলকাতা
অরুণকুমার মুখোপাধ্যায়, ২০১০, *কালের প্রতিমা : বাংলা উপন্যাসের পঁচাত্তর বছর : ১৯২৩-১৯৯৭,* দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা
অশ্রুকুমার সিকদার, ১৯৮৮, *আধুনিকতা ও বাংলা উপন্যাস,* অরুণা প্রকাশনী, কলকাতা
উজ্জ্বলকুমার মজুমদার (সম্পা.), ২০০৮, *গল্পচর্চা,* বঙ্গীয় সাহিত্য সংসদ, কলকাতা
জগদীশ ভট্টাচার্য, ১৯৯৪, *আমার কালের কয়েকজন কথাশিল্পী,* ভারবি, কলকাতা
তরুণ মুখোপাধ্যায় ও শীতল চৌধুরী (সম্পা.), ২০০০, *প্রেমেন্দ্র মিত্র ও আধুনিক বাংলা সাহিত্য,* সাহিত্যলোক, কলকাতা
দেবীপদ ভট্টাচার্য, ১৯৬১, *উপন্যাসের কথা,* সুপ্রকাশ, কলকাতা
নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায়, ১৪০৫ বঙ্গাব্দ, *সাহিত্যে ছোটগল্প,* মিত্র ও ঘোষ পাবলিশার্স, কলকাতা
রথীন্দ্রনাথ রায়, ১৯৯৬, *ছোটগল্পের কথা,* পুস্তক বিপণি, কলকাতা
রফিকউল্লাহ খান, ২০০২, *কথাসাহিত্যের বিচিত্র বিষয় ও নন্দনতত্ত্ব,* অনন্যা, ঢাকা
শিশির চট্টোপাধ্যায়, ১৯৬২, *উপন্যাস-পাঠের ভূমিকা,* বুকল্যান্ড, কলকাতা
শিশিরকুমার দাশ, ২০০৭, *বাংলা ছোটগল্প : ১৮৭৩ -১৯২৩,* দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা
শ্রীকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০১০-২০১১, *বঙ্গসাহিত্যে উপন্যাসের ধারা,* মডার্ণ বুক এজেন্সী, কলকাতা
সত্যেন্দ্রনাথ রায়, ২০০০, *বাংলা উপন্যাস ও তার আধুনিকতা,* দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা
সরোজ বন্দ্যোপাধ্যায়, ২০১২, *বাংলা উপন্যাসের কালান্তর,* দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-5): Byabaharik Bangla Bhasha O Byakaran

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Byabaharik Bangla Bhasha O Byakaran	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th standard Or working knowledge of Bengali Language

Learning Objectives:

To give the students an idea of introductory grammar of Bengali language. It also offers a general idea of writing skills, such as letter writing, paragraph writing etc. to the students.

Learning outcomes:

The course will enlighten the students with basic level of Bengali Grammar and language.

SYLLABUS OF GE-3

UNIT – I (12 Hours)

সমোচ্চারিত ভিন্নার্থক শব্দ, বিপরীতার্থক শব্দ, সমার্থক শব্দ

UNIT – II (11 Hours)

বাক্য সংশোধন

UNIT – III (11 Hours)

পত্ররচনা

UNIT – IV (11 Hours)

বোধ পরীক্ষণ

Practical component (if any): 0

Essential/ Recommended Reading:

তারকনাথ গঙ্গোপাধ্যায়, ১৯৮৮, প্রবন্ধ বিচিত্রা, খণ্ড ১ ও ২, গ্রন্থভারতী, কলকাতা

বাংলা কি লিখবেন কেন লিখবেন আনন্দবাজার পত্রিকা ব্যবহার বিধি, ২০১৪, আনন্দ, কলকাতা

সুনীতিকুমার চট্টোপাধ্যায়, ২০১১, সরল ভাষাপ্রকাশ বাঙলা ব্যাকরণ, প্রকাশ ভবন, কলকাতা

Suggested Reading:

মুহম্মদ শহীদুল্লাহ্, ২০১২, বাঙ্গালা ভাষার ইতিবৃত্ত, মাওলা ব্রাদার্স, ঢাকা

সুকুমার সেন, ২০০১, ভাষার ইতিবৃত্ত, আনন্দ পাবলিশার্স, কলকাতা

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-6): Bangla Byakaran Parichay – I

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Bangla Byakaran Parichay – I	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th standard Or working knowledge of Bengali Language

Learning Objectives:

- To make the students aware about basic grammar of Bengali language.
- To make students familiar with various forms of Bengali modern grammar.

Learning outcomes:

- The course would enlighten the students on the topic such as Dhawani, Barna, Pada etc.
- The students could be able to understand and analyse the basic knowledge of Bengali language.

SYLLABUS OF GE-3

UNIT – I (15 Hours)

ধ্বনি ও বর্ণ (সংজ্ঞা, পার্থক্য, শ্রেণিবিভাগ - স্বরধ্বনির শ্রেণীবিভাগ এবং উচ্চারণস্থান অনুযায়ী ব্যঞ্জনধ্বনির শ্রেণিবিভাগ)

UNIT – II (15 Hours)

ধ্বনি পরিবর্তনের কারণ, ধারা ও নির্বাচিত সূত্র (অপিনিহিতি, অভিশ্রুতি, স্বরসঙ্গতি, সমীভবন)

UNIT – III (15 Hours)

পদ (সংজ্ঞা ও শ্রেণিবিভাগ), কারক (সংজ্ঞা ও শ্রেণিবিভাগ), ক্রিয়ার কাল (মৌলিক কাল)

Practical component (if any): 0

Essential/Recommended Reading:

আবুল কালাম মনজুর মোরশেদ, ২০১৩, আধুনিক ভাষাতত্ত্ব, মাওলা ব্রাদার্স, ঢাকা

রামেশ্বর শ', ১৪১৯ বঙ্গাব্দ, সাধারণ ভাষাবিজ্ঞান ও বাংলা ভাষা, পুস্তক বিপণি, কলকাতা

সুনীতিকুমার চট্টোপাধ্যায়, ২০১১, সরল ভাষাপ্রকাশ বাঙলা ব্যাকরণ, প্রকাশ ভবন, কলকাতা

Suggested Reading:

পরেশচন্দ্র মজুমদার,২০০৮, বাঙলা ভাষা পরিক্রমা, ২-খণ্ড, দে' জ, কলকাতা

মুহম্মদ শহীদুল্লাহ্, ২০১২, বাঙ্গালা ভাষার ইতিবৃত্ত, মাওলা ব্রাদার্স, ঢাকা
সুকুমার সেন, ২০০১, ভাষার ইতিবৃত্ত, আনন্দ পাবলিশার্স, কলকাতা

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-7): Tagore through Texts (Tagore ka Sahitya)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Tagore through Texts (Tagore ka Sahitya)	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th standard Or working knowledge of Bengali Language

Tagore through Texts (Tagore ka Sahitya)

Learning Objectives:

Rabindranath Tagore, the first Nobel Laurette from Asia, is one of the most important litterateur and philosopher from Bengal and India. His influence spanned over India and beyond. At the same time, he remains one of the post popular author whose literary works continue to engage people. This course will provide an introduction to his writings and though through close study of selected texts.

Learning outcomes:

The students will be able to appreciate the literary and philosophical contribution of Tagore through close reading of selected literary works.

UNIT-I (11 Hours)

Tagore: A biographical outline

UNIT-II (11 Hours)

Geetanjali (selected poems)

UNIT-III (12 Hours)

Gora (selected chapters)

UNIT-IV (11 Hours)

Short Stories (selected stories)

Practical component (if any): 0

Essential/Recommended Reading:

Rabindranath Tagore, The Complete Work of Rabindranath Tagore, 2017, General Press, Daryagang, New Delhi.
Rabindranath Tagore, 2002, Gora, Rupa Publication India Pvt. Ltd, Daryagang, New Delhi .

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVES (GE-8): Bengali Culture (Bangali Sanskriti)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Bengali Culture (Bangali Sanskriti)	4	3	1	0	Class 12th pass in any subject	Studied Bengali Up to 10th standard Or working knowledge of Bengali Language

Bengali Culture (Bangali Sanskriti)

Learning Objectives:

Bengalis have added to our Great Indian tradition with an abundant Cultural heritage of their own. This paper aims at catering to the students with no knowledge of Bengalis & their Cultural. This paper would let the students know about Bengali Culture and its rich Tradition. It will include Bengali Language, Literature, Performing Arts, Paintings, Rituals etc.

Learning outcomes:

This course will enable the students from Non-Bengali background to have the knowledge of Bengali Music, Dances, Paintings, Arts and Artifacts, folk culture of Bengal. By knowing Bengali Cultural Heritage, their own knowledge, belief, Sense of beauty and Human values will grow side by side.

UNIT-I (15 Hours)

Bengal: Its Geographical Boundaries

UNIT-II (15 Hours)

Cultural History of Bengal: Architecture, Paintings, Dances

UNIT-III (15 Hours)

19th Century Bengal 20 UNIT-IV Bengali Folk Culture: An Outline

Practical component (if any): 0

Essential/Recommended Reading:

- Banejee, Sumanta (2016) Memoirs of Roads, Oxford University Press
- Bhattacharya, Ashutosh (2011) Bangal : Loksanskriti Aur sahitya, NBT, Delhi
- Dutt, R.C. (1962) Cultural heritage of Bengal, Punthi Pustak, Calcutta
- Ray, R. (1994). History of the Bengali People. Orient BlackSwan.
- Das, S.N. (2005). The Bengalis: The People, Their History and Culture.
- Sengupta, Nitish (2001). History of the Bengali-speaking People. UBS Publishers'
- Sengupta, Nitish (2011). Land of Two Rivers: A History of Bengal from the Mahabharata to Mujib. Penguin UK.
- Murshid, Ghulam (2012). Bengali Culture. (Online ed.). Dhaka, Bangladesh

TELUGU (MIL&LS)

Category I

(*B.A (Prog.) Courses* for Undergraduate Programme of study with *Tamil Discipline* –Minor as one of the Core Disciplines)

SEMESTER-II
CORE (DSC)

(DSC - 3)

HISTORY OF TELUGU LANGUAGE

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
HISTORY OF TELUGU LANGUAGE	4	03	01	0	Students who have studied Telugu up to 8th Standard	NIL

Learning Objectives

The course intends to furnish a comprehensive account of the origin and development of the Telugu language in the light of studies during the modtimestime. It is broadly divided into three main periods: (i) Influence of Prakrit and Dravidian languages up to A.D. 1100, (ii) Influence of Sanskrit from A.D. 1100 to 1800 and (iii) European influence and modern trends from A.D.1800. It discusses phonological, morphological, semantic and syntactic changes taken place in the language.

Learning outcomes

This course would enlighten the students the place of Telugu in Dravidian family of languages, various dialects of Telugu and the impact of Sanskrit and other languages in Telugu.

SYLLABUS OF DSC

Unit-I **15 hours**

(i) Dravidian Languages and Telugu.
(ii) Evolution of Telugu Script.
(iii) Mentions of Telugu, Tenugu and Andhramu.

Unit-II **15 hours**

(i) Evolution of Telugu Language: B.C.200 to A.D. 1100.
(ii) Phonological, Morphological and syntactic changes: A.D.1100 to 1900.

Unit-III **15 hours**

(i) Semantic changes.
(ii) Dialects in Telugu

Essential/recommended readings

1. Krishnamurthy, Bh., (Ed.) 2004, *Telugu Bhasha Caritra,* Hyderabad: PS Telugu University.
2. Simmanna, V., 2004, *Telugu Bhasha Carita*, Visakhapatnam: Dalita Sahitya Peetam.
3. Somayaji, GJ., 1969. *Andhra Bhasha Vikasamu*, Machilipatnam: Triveni Publishers.
4. Sphurtisree, 1972, *Telugu Bhasha Caritra,* Kakinada: Prashanthi publishers.
5. Subrahmanyam, P.S., 1997, *Dravida Bhashalu*, Hyderabad: PS Telugu University.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

(*B.A (Prog.) Courses* for Undergraduate Programme of study with *Tamil Discipline* –Major as one of the Core Disciplines)

(DSC - 4)

TELUGU NOVEL

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
TELUGU NOVEL	4	03	01	0	Students who have studied Telugu up to 10th Standard	NIL

Learning Objectives

In fictional writings, novel is considered as one of the popular writing in Telugu. Though it was begun in Telugu with influence of western literature, it has been representing Telugu culture and society.

Learning outcomes :

This course will give an understanding of Learning about varied techniques of fiction and socio-political issues in fiction writing.

SYLLABUS OF DSC

Unit-1. The origin and development of Telugu Novel.

15 Hours

Unit-2. Features of Novel and trends and various approaches in fiction writing.

10 Hours

Unit-3. Select Texts:

20 Hours

Chaduvu by Kodavatiganti Kutumbarao.
Chillara Devullu by Dasharathi rangacharya
Boyakottamulu pannendu by Karanam Balasubramanyam pillai

Essential/recommended readings

Kutumbarao, Kodavatiganti., 2004, *Chaduvu*, Hyderabad: Vishalandra Publishing house. (1982).

Keshava Reddy., 2014, *Atadu Adavini Jayinchadu*, Hyderabad: Vishalandra Publishing house. (1987).

Rangacharya, Dasharathi, 2001, *Chillara Devullu*, Hyderabad: Vishalandra Publishing house. (1963).

Kutumbarao, Boddapati Venkata., 1971, *Andhra Navala Parinamamu*, Hyderabad: Gayatri Prachiranalu.

Balasubramanyam pillai, Karanam. 2013, *Boyakottamulu pannendu,* Madanapalle:_____.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

POOL OF GENERIC ELECTIVE
(GE-2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Introductory Telugu	4	03	01	0	Students who have not studied Telugu up to 8th Standard	NIL

Learning Objectives

The aim of the course is to teach basic language skills in Telugu and it intends to facilitate students in acquiring foundational skills of reading, writing and speaking in Telugu along with synonyms to expand vocabulary. This course is divided into three units and it will cover the basic language structures, the activities and functions normally explored by a beginners' syllabus, i.e. the learning Telugu syllables, making simple sentence construction and use the same sentences with fellow students, it goes further, covering situations such as working, studying and including materials focused on the Telugu media i.e., cinema, television, the press and advertising. In terms of grammar structures, the exercises are at the basic level only.

Learning outcomes

The course will enable the students to obtain the basic skills of reading, writing and speaking in Telugu along with building up a primary vocabulary. After completing the course, they can read and construct simple Telugu sentences, figure out words having conjunct character, and can learn functional, everyday conversation in different language usage situations. Students interact with classmates by using simple sentences about their daily routine matters on official and informal occasions.

SYLLABUS OF GE

Unit I **12** Hours

Introduction to Telugu Vowel & Consonant sounds & along with the sound-image
Introduction to Telugu Consonant Conjunct

Unit II **12** Hours

Introduction to Telugu Pronoun & its Subjunctives
Introduction to Telugu Noun, Numbers& its Subjunctives
Telugu qualifiers/adjectives
Telugu prepositions
Conjunctions and its usage

Unit III **12** Hours

Introduction to Verb & Time/Tense
Conjugation of different verbs

Unit IV **9** Hours

Making simple sentences in Telugu (basic syntactical rules)
Making Negative sentences in Telugu
Making Interrogative sentences in Telugu

Essential/recommended readings

Arden, A H., 1905, *A progressive grammar of the Telugu language.* 2nd ed. Madras: Society for promoting Christian knowledge.

Krishnamurti, B. and Gwynn, J. P. L. 1986, *A Grammar of Modern Telugu.* USA: Oxford University Press,.

Parandhama Reddy, M. and Venkateswara Shastri,J. 1997. *Telugu Velugu- I.* . Mysore: Central Institute of Indian Languages.

Ramanarasimham, Parimi. 1985, *An Intensive Course in Telugu.* Mysore: Central Institute of Indian Languages,

Sanjay, D., 2019, *Spoken Telugu for Absolute Beginners*. _____: _____.

Venkatavadhani, Divakarla. 2017, *Telugu in Thirty Days.* Hyderabad. Andhra Pradesh Sahitya academy.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GENERIC ELECTIVE
(GE-2)

INTERMEDIATE TELUGU – (For those who have completed Introductory Telugu)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
INTERMEDIATE TELUGU – (For those who have completed Introductory Telugu)	4	03	01	0	Students who have not studied Telugu up to 10th Standard	NIL

Learning Objectives

This course has been designed for students who have the primary knowledge of the Telugu language and can make as well as to figure out simple sentences. The course enables students to construct compound and complex sentences in Telugu. Furthermore, the course empowers the students to acquire skills to comprehend small passages, writing short paragraphs, and having better conversational skills and teach them the basic rules of translation as well. The course offers a wide range of exercises from the book and challenging activities can be given to students i.e. vocabulary-based activity or a grammar drill, a language manipulation exercise or an up-to-date reading comprehension. A unit focuses on particular topic and also to those students who want to practice the language through additional independent study and open-ended exercises will be included to encourage learners to communicate more spontaneously and to allow some autonomy and encourage creativity.
Additional materials and support will be given to the students.

Learning outcomes

The course will enable students to understand the distinctions of the language by empowering them with better reading, writing and conversational skills. Students will try to capture radio and TV advertisements, news, advertisements and other programs broadcast. They will read short paragraphs in a language related to books, newspapers, magazines, notice boards, posters, personal and other types of letters, etc., as well as the use of dictionaries and reference texts. They will also try to write a short portion on select topics and write personal and other types of letters, directly on familiar and simple topics, and write independent articles. Students will be able to translate any prose words from Telugu to English and vice versa with the help of a dictionary or through online sources.

SYLLABUS OF GE

Unit I **15** Hours

Compound verbs
Transitive and intransitive verbs
Making compound sentences in Telugu using conjunction
Making complex sentences in Telugu

Unit II **15** Hours

Reading comprehension, Paragraph and letter Writing, Conversation writing

Unit III **15** Hours

Translation from English to Telugu
Translation from Telugu to English

Essential/recommended readings

Arden, A H., 1905. *A progressive grammar of the Telugu language.* 2nd ed. Madras: Society for promoting Christian knowledge.

Krishnamurti, B. and Gwynn, J. P. L., 1986, *A Grammar of Modern Telugu.* USA: Oxford University Press.

Parandhama Reddy, M. and Venkateswara Shastri,J. *Telugu Velugu- I.* 1997, Mysore: Central Institute of Indian Languages.

Ramanarasimham, Parimi., 1985, *An Intensive Course in Telugu.* Mysore: Central Institute of Indian Languages.

Ramanarasimham, Parimi, 1974. *Telugu Velugu -III.* Mysore: Central Institute of Indian Languages.

Reddy G.N. and Matson D.M. 1966. *Glossaries for graded readings in newspaper Telugu and modern literary Telugu*: USA: U.S. Department of health, education & welfare.

Sanjay, D., 2019, *Spoken Telugu for Absolute Beginners*. _____: _____.

Venkataramana Rao, Y., 1976. *Telugu Velugu -IV.* Mysore: Central Institute of Indian Languages.

Venkatavadhani, Divakarla., 2017, *Telugu in Thirty Days.* Hyderabad. Andhra Pradesh Sahitya academy.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

TAMIL (MIL&LS)

Category II

(*B.A (Prog.) Courses* for Undergraduate Programme of study with *Tamil Discipline* –Major as one of the Core Disciplines)

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE (DSC-3): History of Tamil Literature- (Ancient)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
History of Tamil Literature (Ancient)	04	03	01	00	Class 12th pass	Students who have studied the Tamil language up to Class XII

Learning Objectives:

The aim of the course is to give a complete survey of ancient Tamil literature in chronological order. Since Tamil has a vast collection of literature from the ancient to modern time, it is necessary to introduce to the students of ancient literature with literary texts in historical background. This course explains the types of Tamil literature, their social and historical background of Sangam period. The earliest available literature of Tamil, the *Sangam* Anthology and *Tolkāppiyam* are taken as the source to discuss the structure of ancient Tamil.

Learning Outcomes:

This course will enable students to understand the ancient literary history in a comprehensive method. The evolution, changes, and transition in literary production, emergence, and development of various literary genres are discussed with specific examples.

SYLLABUS OF DSC -3
Total Hours of Teaching: 60 Hrs
(Lecture-45 Hrs, Tutorials -15 Hrs)

Unit -I (L-09 Hrs.)

- History of Three Tamil Sangams & Sangam Literature: Tholkappiam, Eighteen Upper Anthologies (Ettuthokai & Pathuppaattu)

Unit -II (L-09 Hrs.)

- Sangam Literature: Eighteen Lower Anthologies (Thirukkural & 18 Ethical Literature)

Unit -III (L-09 Hrs.)

- Five Major Epics & Five Minor Epics

Unit -IV (L-09 Hrs.)

- Bakthi Literature: Saiva Naayanmars, Manickavasagar (Thevaram, Thiruvasagam)

Unit -V (L-09 Hrs.)

- Vaishnava Aazhvaars Naalaayira Divya Prabhandam)

Essential/recommended Readings:

1. Varadarajan, M., 1972, *Tamiḻ Ilakkiya Varalāṟu*, New Delhi: Sahitya Akademi.
2. Meenakshisundaram, T.P., 1965, *History of Tamil Literature*, Annamalai Nagar: Annamalai University.
3. Thamizhannal.2000. Puthiya Nokkil Thamizh Ilakkiya Varalaru, Madurai: Meenakshi Puththaka Nilaiyam.

Suggestive Readings:

1. M.R.Adaikkalasamy. 1991. Tamil Ilakkiya Varalaaru, Chennai: Saiva Sidhantha Nurpathippuk Kazhagam.
2. Pakkiyamary, T., 2014, *Vagaimai Nōkkil Tamiḻ Ilakkiya Varalāṟu*, Chennai: Meenakshi Puttaga Nilayam.
3. Subash Chandra Bose, S., 2008, *Tamiḻ Ilakkiya Varalāṟu*, Chennai: Pavai Publication.
4. G.Devaneyap Paavanar, Thamizh Ilakkiya Varalaru, Ilankumaran Pathippakam, Chennai: 2017.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category III

(*B.A (Prog.)* with *Tamil Discipline* as Minor

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 4(DSC-4): An Introduction of Tamil Literature

(This course is Common in B.A (Programme) with Tamil as Major Discipline)

Credit distribution, Eligibility and Prerequisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
An Introduction of Tamil Literature (Modern)	04	03	01	00	Class 12th pass	For students who have studied the Tamil language up to Class Xth & above.

Learning Objectives:

The aim of the course is to give a complete survey of Modern Tamil literature in chronological order. Since Tamil has a vast collection of literature from the ancient to modern time, it is necessary to introduce to the students modern literature with literary texts in historical background.

Learning Outcomes:

This course explains the types of Tamil literature, their social and historical background from Modern period. The evolution, changes, and transition in literary production, emergence, and development of various literary genres are discussed with specific examples.

SYLLABUS OF DSC

Total Hours of Teaching: 60 Hrs

(Lecture-45 Hrs, Tutorials -15 Hrs)

Unit -I (L-09 Hrs.)

- Poetry literature: Traditional Poetry,

Unit -II (L-09 Hrs.)

New Verses & Hycoo.

Unit -III (L-09 Hrs.)

- Prose & Drama Literatures

Unit -IV (L-09 Hrs.)

- Short story & Novel Literatures

Unit -V (L-09 Hrs.)

- Christian & Islamic Literatures

Essential/recommended Readings:

1. Varadarajan, M., 1972, *Tamiḻ Ilakkiya Varalāṟu*, New Delhi: Sahitya Akademi.
2. Meenakshisundaram, T.P., 1965, *History of Tamil Literature*, Annamalai Nagar: Annamalai University.

Suggestive Readings (if any):

1. Vasudevan, K., 2007, *Paṉmuga Nōkkil Tamiḻ Ilakkiya Varalāṟu*, Tiruchy: Devan Padippagam.
2. Subash Chandra Bose, S., 2008, *Tamiḻ Ilakkiya Varalāṟu*, Chennai: Pavai Publication.
3. G.Devaneyap Paavanar, Thamizh Ilakkiya Varalaru, Ilankumaran Pathippakam, Chennai: 2017.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES

GENERIC ELECTIVES (GE-3): Pre-Intermediate Tamil

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Pre-Intermediate Tamil	04	03	01	00	Class 12th pass in any subject	For students who have not studied the Tamil language -	Department of Modern Indian Languages-Tamil

Learning Objectives:

This course is designed for students who have the primary knowledge of the Tamil language and can make as well as figure out simple sentences. The course aims to enable them figuring out as well as constructing compound and complex sentences in Tamil. Furthermore, the course will enable the students achieving skills to comprehend small passages, writing short paragraphs, and having better conversational skills. The course will teach them the basic rules of translation as well.

Learning Outcomes:

The course will facilitate the students to understand the nuances of the language by empowering them with better reading, writing and conversational skills. It will also enable them to translate from Tamil to English and vice versa.

SYLLABUS OF GE-3
Total Hours of Teaching: 60 Hrs
(Lecture-45 Hrs, Tutorials -15 Hrs)

Unit I (L-09 Hrs.)

- Compound verbs
- Transitive and intransitive verbs

Unit II(L-09 Hrs.)

- Making compound sentences in Tamil using conjunction
- Making complex sentences in Tamil

Unit III (L-09 Hrs.)

- Reading comprehension

Unit IV (L-09 Hrs.)

- Paragraph and letter Writing
- Conversation writing

Unit V (L-09 Hrs.)

- Translation from English to Tamil
- Translation from Tamil to English

Essential/recommended Readings:

1. *Arokianathan, S. Spoken Tamil for Foreigners, (Lesson 1-5) A-team Info Media Publishers Pvt. Ltd, Chennai. 2012.*
2. *Tamil Alphabet in Hart, Kausalya. Tamil for Beginners Part I & II, (Lesson 1- 5 & 10) Centre for South and South East Asia, University of California at Berkeley, 1992.*
3. *Hart, Kausalya. Tamil for Beginners Part I & II, (Lesson 1- 5 & 10) Centre for South and South East Asia, University of California at Berkeley, 1992.*
4. *Asher, R.E. Colloquial Tamil, Routledge (Lesson 1), London. 2002.*
5. *Karunakaran, K. & Balakrishnan.R. Elementry Tamil (Introductory Course), Sabanayagam Printers, Chidambaram, 2001.*
6. *Rajaram, S. An Intensive Course in Tamil (Unit. 4), CIIL, Mysore, 1987.*
7. *Arangarajan. Maruthur. Thavarinrrith Thamizh Ezhutha, Ainthinaip Pathippagam, Chennai, 2007*
8. *Aranamuruval & Amarantha, Mozhipeyarppu-k Kalai: Inru Paavai Pathippagam, Chennai, 2005. ,*

Suggestive readings: NIL

GENERIC ELECTIVES (GE-4: Introduction to Comparative Studies in Tamil

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Introduction to Comparative Studies in Tamil	04	03	01	00	Class 12th pass	For students who have studied the Tamil language up to 10th standard and above. -	Department of Modern Indian Languages-Tamil

Learning Objectives:

The aim of the course is to teach the students to read literature as the source to understand and explain the Comparative Literature. Comparative Literature is an academic area dealing with the study of literature and cultural expression across Linguistic, National, Geographic and Disciplinary boundaries. It will train the students to write on the specialized subject of Comparative Literature and Culture with the help of literary texts and to incorporate this knowledge in understanding of literature and other studies. This course will enhance the ability in language usage by developing the technical terminology of the specific fields of knowledge. The teaching method of this course includes the identification of texts which contains the elements of Comparative Literature, translation and Culture in Tamil.

Learning Outcomes:

The intense study will equip the students to understand the particular field of knowledge in Tamil and inculcate an ability to write on these disciplines. This study shall explain the role of literature to understand Comparative Literature, Translation and Culture and the need of these disciplines in understanding and production of literary texts.

Total Hours of Teaching: 60 Hrs
(Lecture-45 Hrs, Tutorials -15 Hrs)

Unit I (L-09 Hrs.)

- Introduction to Tamil Comparative Literature Studies- Comparison and Comparative Literature.

Unit II(L-09 Hrs.)

- Definition on Comparative Literature- World View of Literature.

Unit III (L-09 Hrs.)

- Use of Comparative Literature- Literature and Fine Arts- Literature and other Disciplines of Knowledge.

Unit IV (L-09 Hrs.)

- Two major theories of Comparative Literature-Four dimensions of literary views- Influence theory- Parallel theory.

Unit V (L-09 Hrs.)

- Themetology in Comparative Literature- Translation and Comparative Literature- Source Language and Target Language.

Essential / recommended Readings:

1. Thamizhannal, Oppilakkiya Arimugam, Meenakshi Puthaka Nilaiyam, Madurai: 1973.
2. M.Thirumalai, Oppilakkiyam: Kolkaikalum Payilmuraiyum, Meenakshi Puthaka Nilaiyam, Madurai: 2003.

Suggestive Readings:

1. Kailasapathy, Oppiyal Ilakkiyam, Paari Nilaiyam, Chennai: 1969.
2. V.Sachithanandan, Oppilakkiyam- Oor Arimukam, Oxford University Press , Chennai:1985
3. P.Anandakumar, Inthiya Oppilakkiyam Meenakshi Puthaka Nilaiyam, Madurai: 2003.
4. R.Kanchana, Oppilakkiyam: Marapum Thiranum, Publication Division, Madurai Kamaraj University: 2003.
5. S.Sarathambal, Adikkaruththiyal, Santhana Hari Pathippakam, Madurai: 2004.
6. N.Murugesa Pandian, Mozhipeyarppu Kalai, NCBH, Madurai : 2014
7. Aranamuruval, Amarantha, Mozhipeyarppu Kalai-Intru, Paavai Pathippakam, Chennai-2005.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DEPARTMENT OF SLAVONIC & FINNO-UGRIAN STUDIES (SFUS)

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE)
COURSES OFFERED BY SFUS

GENERIC ELECTIVE– 1
BASIC RUSSIAN LANGUAGE I

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Basic Russian Language	4	3	1	0	Class XII Pass	NIL

Learning Objectives:

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. To make them familiar with the basic Russian language.
2. To acquaint them with Russian Alphabet and Russian vocabulary
3. To improve their grip on the language.
4. Learners will practice sentences based on the prescribed grammatical points.
5. Learners will be able to read and write simple sentences based on basic applied grammar.

Learning outcomes :
The Learning Outcomes of this course are as follows:

By studying this course the student will be able to:

1. Recognize, read and write Russian Alphabet.
2. Read simple sentences in Russian.
3. Use basic interrogative sentences in Russian.
4. Utter the basic vocabulary of the things around them in Russian.
5. Form simple sentences based on basic grammar.
6. Identify the errors and make sentences corrected.

SYLLABUS OF G.E.-1 Unit 1 (15 hours)

Reading & Writing Russian

1. Russian Alphabets (Capital & Small)
2. Printed & Written Form
3. Types of Vowels
4. Classifications of Consonants

5. Words with different vowels
6. Reading text with vowels
7. Taking dictation
8. Make Simple Sentences.

Unit 2 (15 hours)

Basic Vocabulary

Frequently used Russian words. Frequently used vocabulary of the following heads:	
1. House 2. Kitchen 3. Office 4. Class Room 5. College 6. Human Body	7. Vegetables 8. Fruits 9. Name of Days 10. Name of Months 11. Numbers (1-10)

Unit 3 (15 hours)

- **Basic Grammar**

1. Gender of Nouns 2. Adverbs 3. Personal pronouns 4. Verb (E conjugation I) 5. Plural of Nouns 6. Few Phrases	7. Possessive pronouns 8. Detached dual pronouns 9. The u menya construction 10. Adjectives & their declensions 11. The objective clause 12. Cardinal Numbers (1-10)

Practical component (if any) – NIL

Essential/recommended readings

1. Ovsienko, Y.G. Russian for beginners. Part I. Moscow: "Ruski Yazik" 2013. Chapter 1 - 6.

Suggestive readings

1. Wagner, V.N. and Ovsienko, Y.G. Russian. Moscow 2008. Chapter 6 - 12.
2. Khavronina, S.A., Shirochenskaya, A.I. Russian in Exercises. Moscow: Progress. 2007.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

REGISTRAR

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(28)/2023-24/56
Dated: 01.09.2023

N O T I F I C A T I O N

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 27-1/ (27-1-6/-) dated 25.08.2023]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

Syllabi of Semester-III/IV of the following Ability Enhancement Course – Language based on Undergraduate Curriculum Framework -2022 implemented from the Academic Year 2022-23.

1. Department of MIL&LS – AEC-A and AEC-B
2. BA (Prog.) Bengali
3. Department of Punjabi
4. Department of Hindi
5. Department of Sanskrit – AEC 1 and AEC 2
6. Department of Urdu
7. AEC-1 Environmental Science : Theory into Practice -II

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
ASSAMESE
AEC (A) - II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Assamese

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice			
Journalistic Writing in Assamese	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above	students who have already opted AEC (A)-I in Assamese in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Assamese for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **10 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **10 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III

10 hours

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Essential/recommended readings:

Baruah, Santanu Kausik & Sankab Kausik Baruah. *Lekhok-Sambadikor Guide*, 2nd ed., Guwahati: Sanjiwan Prakasan, 2016.

Bhagawati, Radhikamohan. *Sambad Sambadpatra Aru Sambadikata*, 2nd ed., Guwahati: Publication Board Assam, 2019

Chaudhary, Utpaljyoti & Joyjit Deka. *Ganasanjog Aru Sangbadikata*, Guwahati: Aank-Baak, 2012.

Dutta, Ankuran. *Ganamadhyam Aru Samprasar Sanbadikata*, 2nd ed., Guwahati: Publication Board Assam, 2019

Kasyap, Samudra Gupta. *Songbadmadhyam aru Ahi Thoka Sangbadikotar Dhara*, Guwahati: Assam Publishing Company. 2020

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
BENGALI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Bengali

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Bengali	**02**	**02**	**0**	**0**	(for students who have studied the language up to Class VIII & above	students who have already opted AEC (A)-I in Bengali in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Bengali for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writings: Definition and elements

Unit -II **8 hours**

- Journalism: Definition and types

Unit -III **16 hours**

- Mediums of Journalistic writings: Print, Online, Multi-medial

Essential/recommended readings:

Adhikari, Anupam. *Sangbadikata Byboharik Prayog,* Kolkata: Alpana Enterprize, 2012.
Bhattacharya, Kaushik. *Jarrnalijmer Sahaj Path,* Kolkata: Parul Prakashani, 2004.
Chattopadhyay, Partha. *Ganajnapan: Tattwe O Prayoge,* Kolkata: Dey's, 2018.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
BODO
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Bodo

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Bodo	**02**	**02**	**0**	**0**	(for students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Bodo in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Bodo for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16 hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
DOGRI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Dogri

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Dogri	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Dogri in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Dogri for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16 hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
GUJARATI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Gujarati

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Gujarati	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Gujarati in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

This paper consists of three units, namely, A brief history of Journalism in Gujarati, Journalistic writing and reporting and Journalistic writing Practical components. The first unit attempt to introduce the early Gujarati journals, well known Gujarati editors and Print, Electronic and New Media and News, News collection and different writing methods. Second unit would give

an idea how to report from the field and conduct interview and debate with people. The last unit focuses on Journalistic writing and practical components.

Learning outcomes: After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Gujarati for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I

Reporting and representing: brief history of Journalism in Gujarati

16 hours

- From British Bombay to Bhavnagar
- Print, Electronic and cyber Media
- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing

Unit -II Journalistic writing and reporting

6 hours

- Journalistic writing and filed reporting
- Editorial writing
- News and storied of human interest

Unit -III Journalistic writing and Practical components

8 hours

- Freelancing: freedom and fieldwork
- Editing and Proof-reading
- Writing and reporting: Practical components

Essential/recommended readings:

Marshal Ratan, '*Gujarati Patrakaratvano Itihas'*,Navbharat,2009,Ahmedabad
Dalal Yasin,Mashyam Vichar,Pub.Self,2015
Mehta Chandrakant, Sanchar madhyam sanshodhan,book pratha Global,2013
Desai, Dinesh,Electronic media,Navbharat ,2019.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
KANNADA
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Kannada

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Kannada	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Kannada in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Kannada for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16 hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Essential/recommended readings:

Aroli, Ramesh. Samvahana Kannada. In *Modern Indian Language - Kannada*, ed. by T. S. Satyanath, Basavaraj Kalgudi and Vikram Visaji, p. 402-21. New Delhi: IGNOU.

Gurumurthy, B. N. *Radio, Television: Bhasha Samvahana*. Hampi: Kannada University.

Purnima, T. C. *Adhunika Samvahana Madhyamagalu mattu Kannada Abhivriddhi.* Hampi: Kannada University.

Ranganatharao, G. N. *Patrikodyama: Varadigarike mattu Suddiparishkarana*. Bangalore: Kamadhenu Pustaka.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
KASHMIRI
AEC (A)-II
(for students who have studied the language up to Class VIII& above)

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Kashmiri

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Kashmiri	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Kashmiri in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Bengali for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writings: Definition and Elements

Unit -II **8 hours**

- Journalism: Definition and types

Unit –III **16 hours**

- Mediums of Journalistic writings: Print, Online, Multi-medial

Essential/recommended readings:

Rudin, Richard & Ibbotson, Trevor.An Introduction to Journalism Taylor & Francis Ltd.
Kamath,M.V.Professional Journalism. Vikas Publishing House Pvt Ltd 1980
Keval J.Kumar. Mass Communication in India(4th Edition) Jaico Publishing House 2000

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
KONKANI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Konkani

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Konkani	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Konkani in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Konkani for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
MALAYALAM
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Malayalam

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Malayalam	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Malayalam in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Malayalam for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting

interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16 hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
MANIPURI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Manipuri

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Manipuri	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Manipuri in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Manipuri for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16 hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
MARATHI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Marathi

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Marathi	**02**	**02**	**0**	**0**	(For students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Marathi in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Marathi for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting

interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16 hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
MAITHILI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Maithili

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Maithili	**02**	**02**	**0**	**0**	(for students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Maithili in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Maithili for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting

interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writings: Definition and Types: investigative, news, reviews, columns and feature-writing

Unit -II **8 hours**

- Journalism: Definition and Types: Education, Sports, Business, Political, Arts, Crime, Investigative and others

Unit –III **16 hours**

- Mediums of Journalistic writings: Print, Online, Multi-media
- Maithili Patra-Patrika

Essential/recommended readings:

1. Study material compiled by the Department.
2. Amar, Chandranath Mishra, Maithili Patrakaritak Itihas
3. Bhardvaj, Mohan. Maithili Patra-Patrika, Delhi: Sahitya Akademi, 2007
4. Chaoudhary, Shardindu. Maithili Patrakariak Dasha O Disha
5. Chaoudhary, Shardindu. Sakshatkarak: Darpan Mein Sudhanshu Shekhar Choudhary, Shekhar Prakashan
6. Maithili-Hindi Conversation Guide, Central Directorate, Department of Higher Education, Ministry of Education, Government of India, 2021
7. Jha, Sudhir Kumar. Paramarsh

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
NEPALI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Nepali

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Nepali	**02**	**02**	**0**	**0**	(for students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Nepali in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Nepali for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting

interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
ODIA
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Odia

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Odia	**02**	**02**	**0**	**0**	(for students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Odia in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Odia for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews

and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16 hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Essential/recommended readings:

Chatterjee, Mrinal. *Shabda, chhabi, akshyara*, Dhenkanal: Shephali Communication, 2002.
Chatterjee, Mrinal. *Ganamaadhyama o saambaadikataa*, Dhenkanal: Shephali Communication, 2015.
Mohapatra, Chandra Shekhar. *Sambada o saambaadikataa*, Bhubaneswar: State Text Book Production Centre, 2021.
Shastri, D. G. *Saambaadikataa prabeshikaa*, Bhubaneswar: State Text Book Production Centre, 2021

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
SANTALI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Santali

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Santali	**02**	**02**	**0**	**0**	(for students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Santali in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Santali for the media houses, electronic and print.

The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **8 hours**

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Analysis of both bad and good samples of writing for the media,
- Conducting Interview and debate with demonstration

Unit -III **16 hours**

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
SINDHI
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Sindhi

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Sindhi	**02**	**02**	**0**	**0**	(for students who have studied the Sindhi language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Sindhi in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Sindhi for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting

interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted class: 30 hours

Unit -I **6 hours**

- Journalistic writings: Definition and elements

Unit -II **8 hours**

- Journalism: Definition and types

Unit -III **16 hours**

- Mediums of Journalistic writings: Print, Online, Multi-medial

Essential/recommended readings:
Golani Roshan, *Sindhi Adibi Akhbaar Navisi*, Ahmedabad

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
TAMIL
AEC (A)-II

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Tamil

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Tamil	**02**	**02**	**0**	**0**	(for students who have studied the language up to Class VIII & above)	students who have already opted AEC (A)-I in Tamil in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at teaching and training the students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.

Learning outcomes: : After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, taking interviews in Tamil for the media houses, electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral), conducting

interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Introduction of Tamil Journalism and Report Writing:

- Brief History of Tamil Journalism
- Journalistic writing and reporting from the field
- Types of writings based on investigation, news covering, reporting, writing, editing and giving suitable titles, feature writing and column writing
- Analysis of the good/bad samples of writing

Unit -II **10 hours**

Method, Usages & Issues of Interview:

- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing
- Methods of Conducting Interview and debate with demonstration.
- Usages of Interview.
- Issues in Interviewing with Personalities.
- Interview with different persons of various social strata.

Unit -III **10 hours**

Editing, Editorial, Proof- Reading and Ethics:

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Editorial writing.
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Essential/recommended readings:

Radha, V, 2004, Vaniha-t-Tagaval Thodarbu, Chennai, Prasanna Publication

Raja.Ki, 2006, Makkal Takaval Thodarbiyal: Arimukam, Chennai, NCBH.

Savarimuthu. S, 2004, Idhaliyal Makkal Thagavaliyal, Chennai, Muthu Pathippagam.

Gurusamy.M.P. *Ithazhiyal Kalai*, Chennai: Kurunthemozhi Pathippakam.

Vinayaga Moorthy, *Pathippu Paarvaikal,* Madurai: Balamurugan Pathippakam.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPRTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (A)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
TELUGU
AEC (A)-II

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

AEC (A)-II: Journalistic Writing in Telugu

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Journalistic Writing in Telugu	**02**	**02**	**0**	**0**	For students who have studied the language up to Class VIII & above	students who have already opted AEC (A)-I in Telugu in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives: The course aims to teach and train students in journalistic writing in the language so that they are well-equipped in the news covering, reporting, writing and editing for the electronic and print media. It also aims at enhancing their competence for freelancing and in the choice of their areas such as sports, movies, entertainment, business, social, political, historical etc.
This paper consists of three units: A brief history of Journalism in Telugu, Journalistic writing and reporting and Journalistic writing Practical components. The first unit attempted to introduce the early Telugu journals, well-known Telugu editors and Print, Electronic and New Media and News, News collection and different writing methods. The second unit would give an idea of how to report from the field and conduct interviews and debates with people. The last unit focuses on Journalistic writing and practical components.

Course Learning Outcomes: After completing the course, the students are expected to start preparing news items, reporting, and taking interviews in Telugu for the media houses, both electronic and print. The study shall provide sufficient training in writing and reporting (oral),

conducting interviews and panel discussions for electronic media. The students will also be aware of the law and ethics involved in Journalism.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I A brief history of Journalism in Telugu

10 hours

- Beginnings of Communication Era, Early Telugu Journals and Editors
- Print, Electronic and New Media
- Editor and Editorial department, Journalist
- News, News collection and writing, Lead, Body, Column writing and Feature writing, Editor and Editorial, Interview and Reporting, investigation, news covering, editing and giving suitable titles
- Elements and stages of journalistic writing and art of news story writing

Unit -II Journalistic writing and reporting

10 hours

- Journalistic writing and reporting from the field
- Conducting Interviews and debates with a demonstration
- Analysis of both evil and sound samples of writing for the media

Unit -III Journalistic writing and Practical components

10 hours

- Freelancing: scope and worthwhileness of the topic
- Editing and Proof-reading
- Laws and ethics in Journalistic writings
- Writing and reporting: Practical components

Reading list:

Anand Bhaskar, *Rapolu. Journalism Charitra-vyavastha.* Hyderabad: Udyama Publications, 1988.
Krishna Rao, Bendaalam. *Vaarthalu Ela Raayaali?* Vijayawada: Rushi Prachu- ranalu, 2006.
Mallesham, Chilla. *Tappulu- Tippalu.* Hyderabad: Telangana Rashtra Media Academy, 2018.
Mallesham, Chilla. *Vartha Kathanalu.* Hyderabad: Telangana Rashtra Media Academy, 2018.
Radha Krishna, Budaraju. *Journalism Avagaahana – Aacharana.* Madras: S.I.J.F., 1995.
Radha Krishna, Budaraju. *Manci Jarnalistu Kaavanlante*. Hyderabad: Media House Publications, 2000.
Ramamohana Rao, Nanduri. *Telugu Patrikala Bhasha Konni Soochanalu.* Hyderabad: Andhra Pradesh Press Academy, 2004.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

EPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020

Semester: III/ IV
ASSAMESE
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Assamese

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Assamese	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Assamese in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The students who have acquired a basic idea about Assamese language in the previous semester will be taught about Assamese language grammar and technicalities through course in this semester. Students will be introduced to verbs and various kinds of it, tenses, concepts of persons, genders, grammatical numbers etc. in Assamese language and in the semester, they will learn about the rules to frame compound and complex sentences in Assamese keeping in mind that they have already learnt about the formation of simple sentences in the previous semester. During the course of learning it will be emphasised to teach the students about the grammatical rules in Assamese which are essential to frame various kinds of sentences such as affirmative, negative, interrogative sentences, exclamatory sentences etc.

Learning outcomes: After completing the course the students are expected to have working knowledge about Assamese language and its grammar, which will eventually lead them to produce oral and written contents in Assamese language correctly. This will help them in their professional and technical careers provided those careers are related to Assam and Assamese language in someway such as a job in Assam or a job in translation area etc.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Verb Formation, Tense and Person

- Verb formations and Classification of verbs
- Tense
- Person

Unit -II **10 hours**

Gender, Number and Person

- Gender, types of gender and methods to change gender of words in Assamese language
- Grammatical number and rules to change numbers in Assamese language

Unit -III (Class - 10) **10 hours**

Sentence

- Framing different types of sentence (Simple sentences, Compound sentences, Complex sentence, Affirmative Sentence, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences etc.)
- Phrases and proverbs

Essential/ recommended readings:

Baruah, Tultul (ed). *Asamiya Rachana Sankalan*, Guwahati: Students Stores. 2013

Das Gupta, Bindu Bhusan. *Assamese Self-Taught*. Kolkata: Das Gupta Prakashan. 1956.

Dutta Barua, Lohit. Learninh Assamese Language: A Brief Handbook. Guwahati: Spandan Prakash. 2021

Dutta Baruah, P.N. *An Intensive Course in Assamese*. Mysore: CIIL. 1996

Neog, Dr Maheswar. *Nika Asamiya Bhasa*, Guwahati: Layers' Book Stall. 1994

Assamese-English Dictionary

Deka, Pranav Jyoti. *Jyoti-Dviashik Abhidhan*. Guwahati: Assam Book Dipot. **2011.**

https://dsal.uchicago.edu/dictionaries/candrakanta/

www.xobdo.org

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
BENGALI
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Bengali

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Bengali	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Bengali in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Essential/ recommended readings:

Mahapatra,Tushar Kanti.Bengali for Non Bengalis. Kolkata: Shishu Sahitya sang shod. August 1999.

Mahapatra,Tushar Kanti.Bengali for Beginners Kolkata : Shishu Sahitya sang shod. August 1999.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
BODO
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Bodo

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Bodo	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Bodo in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives: The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and

take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III (Class - 06) **10hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
DOGRI
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Dogri

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Intermediate Dogri	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Dogri in either Semester I or II (alternative semester)

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
GUJARATI
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Gujarati

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Gujarati	**02**	**2**	**0**	**0**	(for students who have not studied the language)	students who have already opted AEC (B)-I in Gujarati in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Course Learning Objectives : This course has been designed for students who have the primary knowledge of the Gujarati language and can make as well as to figure out simple sentences. The course enables students to construct compound and complex sentences in Gujarati. Furthermore, the course empowers the students to acquire skills to comprehend small passages, writing short paragraphs, and having better conversational skills and teach them the basic rules of translation as well. The course offers a wide range of exercises from the book and challenging activities can be given to students i.e. vocabulary-based activity or a grammar drill, a language manipulation exercise or an up-to-date reading comprehension. A unit focuses

on particular topic and also to those students who want to practice the language through additional independent study and open-ended exercises will be included to encourage learners to communicate more spontaneously and to allow some autonomy and encourage creativity. Additional materials and support will be given to the students.

Course Learning Outcome: The course will enable students to understand the distinctions of the language by empowering them with better reading, writing and conversational skills. Students will try to capture radio and TV advertisements, news, advertisements and other programs broadcast. They will read short paragraphs in a language related to books, newspapers, magazines, notice boards, posters, personal and other types of letters, etc., as well as the use of dictionaries and reference texts. They will also try to write a short portion on select topics and write personal and other types of letters, directly on familiar and simple topics, and write independent articles. Students will be able to translate any prose words from Gujarati to English and vice versa with the help of a dictionary or through online sources.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Compound verbs

Transitive and intransitive verbs

Making compound sentences in Gujarati using conjunction

Making complex sentences in Gujarati

Unit II **10 hours**

Reading comprehension

Paragraph and letter Writing

Conversation writing

Unit III **10 hours**

Translation from English to Gujarati

Translation from Gujarati to English

Essential/ recommended readings:

1. Christian, Sonal, *Gujarati-English/English-Gujarati Dictionary & Phrasebook* (Hippocrene Dictionary & Phrasebook), 2006

2. Clair Tisdall, William St., *A Simplified Grammar of the Gujarati Language Together With a Short Reading Book and Vocabulary*, Forgotten Books 25, 2017

3. Dwyer, y Rachel Dwyer, *Get Started in Gujarati Absolute Beginner Course: The essential introduction to reading, writing, speaking and understanding a new language*.NTC publishing group,2013

4. Jhaveri, Krishnalal M., *Milestones in Gujarati Literature*, Manohar Publishers & Distributors, 2021

5. Madhu K. Sampat, *Advanced Course Reader in Gujarati*, CIIL,2009

6. Nayar,Usha, *Intermediate Courses in Gujarati* ,CIIL,2009

7. Nayar,Usha, *Gujarati Bhasha Saurabh*, CIIL,2009

8. Subaiiah P., *Tests of Language Proficiency*: Gujarati. CIIL, 2009

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
KANNADA
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Kannada

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Kannada	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Kannada in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Title: Intermediate Kannada

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various

fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
KASHMIRI
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Kashmiri

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Kashmiri	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Kashmiri in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims at building proficiency of all those bilingual and multilingual students in translation and interpretation who have sufficient knowledge of at least two languages- the source and the target language, and further apply them adequately for all practical purposes. Besides, it is also aimed to help the students to develop their creativity, and critical sense and cross-cultural awareness and enable the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and

take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Essential/ recommended readings:

Wade, T.R. A Grammar of the Kashmiri Language. Kessinger Publishing(Re-printed)2010

Shauq, Shafi Kashruk Grammar. Ali Mohmmad and Sons,Srinagar 2014

Grierson,G.A.The Standard Manual of the Kashmiri Language(2 Vols) Light and Life Publishers(RE-printed)1973

Koul,O.N.Modern Kashmiri Grammar.Dunwoody Press Springfield 2006

Bhat,Roop Krishan.A Descriptive Study in Kashmiri.Amar Prakashan Delhi 1987

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
KONKANI
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Konkani

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Konkani	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Konkani in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
MALAYALAM
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Malayalam

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Malayalam	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Malayalam in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and

take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
MANIPURI
AEC (B)-II: Intermediate Manipuri

AEC (B)-II: Intermediate Manipuri

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Manipuri	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Manipuri in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and

take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit –II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit-III **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
MARATHI
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Marathi

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Marathi	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Marathi in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
MAITHILI
AEC (B)- II:

AEC (B)-II: Intermediate Maithili

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Maithili	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Maithili in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit –III **10 hours**

Vocabulary

Essential/ recommended readings:

1. Reading Material compiled by the Department.
2. Grierson, George Abraham. Seven Grammars of the Dialects and Sub dialects of the Bihari Language: South Maithili-Magadhi Dialect, South Maithili-Bangali Dialect, Kalpaz Publications, 2005
3. Jha, Pandit Govind. Ucchatara Maithili Vyakaran, Patna: Maithili Akademi, 1992
4. Jha, Rajeshwar, Tirhuta Lipik Vikas
5. Jha, Subhadra, Formation of the Maithili Language, Luzac, 1958
6. Jha, Sunil Kumar. Maithili: Some Aspects of Its Phonetics and Phonology, Delhi: Motilal Banarsidass Publishers, 2001
7. Jha, Virendra. ed., Maithili Bhashiki: Maithili Bhashak Prakriti and Prakarya
8. Mishra, Dhirendra Nath. Maithili Bhasha Shastra
9. Mishra, Navin Chandra. Thakur Shivkant. Maithili Bhasha Vigyan
10. Yadav, Ramawatar. A Reference Grammar of Maithili: Trends in Linguistic Documentation, 1996

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
NEPALI
AEC (B)- II

AEC (B)-II: Intermediate Nepali

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Nepali	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I Nepali in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and

take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I (Class - 12) **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II (Class – 12) **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III (Class - 06) **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
ODIA
AEC(B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Odia

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Odia	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Odia in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and

take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit-II

10 hours

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
SANTALI
AEC(B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Santali

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Santali	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Santali in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives: The course aims to prepare bilingual and multilingual students proficient in translation and interpretation, have sufficient knowledge of at least two languages, the source and the target language, and apply them adequately for all practical purposes. Besides, it also aims to build cross-cultural communications and enables the students to use different skills effectively to prepare themselves to take jobs in translation and interpretation.

Learning outcomes: Students will be able to build various professional, technical, and linguistic skills to take the job of translation and interpretation. Their knowledge in various fields in both the source and the target languages will help them translate in multiple areas and

take interpretation jobs for the different target groups; the translator works with the written material/texts; the interpreter will mediate between languages orally.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
SINDHI
AEC (B)- II

AEC (B)-II: Intermediate Sindhi

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Sindhi	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied Sindhi language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Sindhi in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : This course is aimed to teach intermediate language communication skills in Sindhi. It will introduce intermediate skills of Sindhi language: its alphabets, essential words and complex sentence construction methods. The course intends to facilitate students acquiring skill of Sindhi language communication. This course will introduce letter writing and dialogue writing.

Learning outcomes: The course will enable students to learn features of various types of language communication like letter, public speech, dialogue writing and to develop the ability of reading and comprehension in Sindhi. After completing the course they can read and write Sindhi sentences, can figure out words having conjunct character, and can have basic everyday conversation.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I **10 hours**

Rules of Verb Formation

Unit -II **10 hours**

Making Simple sentences, Negative sentences, Interrogative sentences, Exclamatory sentences

Unit -III **10 hours**

Vocabulary

Essential/ recommended readings:

Lekhwani K.P, *An intensive course in Sindhi*, Central Institute of Indian Languages, Mysore

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
TAMIL
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Tamil

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Tamil	**02**	**2**	**0**	**0**	**(for students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Tamil in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives : This semester course aims at creating an awareness of Dynamics of Tamil words and introducing classification weak & strong verbs- Infinitive forms of Verbs Auxiliaries and Tamil script learning.

Allotted classes: 30 hours

Unit –I **10 hours**

Rules of Verb formation

- **Subject, Object, Verb construction (SOV structure)**

Unit –II **10 hours**

Making simple sentences, Interrogative sentences & exclamatory sentences.

Unit -III **10 hours**

Technical Terms

Essential/ recommended readings:

1. *Asher, R.E. Colloquial Tamil, Routledge (Lesson 1), London. 2002.*
2. *Rajaram, S. An Intensive Course in Tamil (Unit. 4), CIIL, Mysore, 1987.*
3. *Arokianathan, S. Spoken Tamil for Foreigners, (Lesson 1-5) A-team Info Media Publishers Pvt. Ltd, Chennai. 2012.*
4. *Hart, Kausalya. Tamil for Beginners Part I & II, (Lesson 1- 5 & 10) Centre for South and South East Asia, University of California at Berkeley, 1992.*
5. *Karunakaran, K. & Balakrishnan.R. Elementry Tamil (Introductory Course), Sabanayagam Printers, Chidambaram, 2001.*
6. Nuhman, M.A, 2010, Adippadait Tamil Ilakkanam, Puthanatham, Adaiyalam Publications.
7. *Thamizhannal, 1989, Ungal Tamizhai Therinthu kollungal, Madurai, Meenakshi Puththaka Nilayam.*

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time.

DEPARTMENT OF MODERN INDIAN LANGUAGES AND LITERARY STUDIES
UNIVERSITY OF DELHI, DELHI – 110007

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (B)
Under UGCF – 2022 in the line of NEP – 2020
Semester: III/ IV
TELUGU
AEC (B)-II

AEC (B)-II: Intermediate Telugu

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Intermediate Telugu	**02**	**2**	**0**	**0**	**(For students who have not studied the language)**	students who have already opted AEC (B)-I in Telugu in either Semester I or II (alternative semester)	**MIL&LS**

Learning Objectives :

This course has been designed for students with primary knowledge of the Telugu language who can make and figure out simple sentences. The course enables students to construct compound and complex sentences in Telugu. Furthermore, the course empowers the students to acquire skills to comprehend small passages, write short paragraphs, have better conversational skills and teach them the basic rules of translation. The course offers a wide range of exercises from the book, and challenging activities can be given to students, i.e. vocabulary-based activity or a grammar drill, a language manipulation exercise or ap-to-date reading comprehension. A unit that focuses s on particular topics and students who want to practice the language through additional independent study, and open-ended exercises will be included to encourage learners to communicate more spontaneously and to allow some autonomy and creativity. Additional materials and support will be given to the students.

Course Learning Outcome: The course will enable students to understand the distinctions of the language by empowering them with better reading, writing and conversational skills. Students will try to capture radio and TV advertisements, news advertisements and other broadcast programs. They will read short paragraphs in a language related to books, newspapers, magazines, notice boards, posters, personal and other types of letters, etc., and use dictionaries and reference texts. They will also try to write a short portion on select topics, write personal and other types of letters directly on familiar and simple topics, and write independent articles. Students will be able to translate any prose words from Telugu to English and vice versa with the help of a dictionary or through online sources.

Allotted classes: 30 hours

Unit -I

12 hours

Compound verbs

Transitive and intransitive verbs

Making compound sentences in Telugu using conjunction

Making complex sentences in Telugu

Unit II ```

10 hours

Reading comprehension

Paragraph and letter Writing

Conversation writing

Unit III

8 hours

Translation from English to Telugu

Translation from Telugu to English

Essential/recommended readings:

Arden, A H. *A progressive grammar of the Telugu language.* 2nd ed. Madras: Society for promoting Christian knowledge, 1905.

Krishnamurti, B. and Gwynn, J. P. L. *A Grammar of Modern Telugu.* USA: Oxford University Press, 1986.

Parandhama Reddy, M. and Venkateswara Shastri,J. *Telugu Velugu- I.* . Mysore: Central Institute of Indian Languages, 1997.

Ramanarasimham, Parimi. An Intensive Course in Telugu. Mysore: Central Institute of Indian Languages, 1985.

Ramanarasimham, Parimi. Telugu Velugu -III. Mysore: Central Institute of Indian Languages, 1974.

Reddy G.N. and Matson D.M. *Glossaries for graded readings in newspaper Telugu and modern literary Telugu*: USA: U.S. Department of health, education & welfare, 1966.

Sanjay, D. *Spoken Telugu for Absolute Beginners*. _____: _____, 2019.

Venkataramana Rao, Y. *Telugu Velugu -IV.* Mysore: Central Institute of Indian Languages, 1976.

Venkatavadhani, Divakarla. *Telugu in Thirty Days.* Hyderabad. Andhra Pradesh Sahitya academy, 2017.

Proposed Bengali AEC Courses for III Semester B.A. Programme Bengali

COMMON POOL OF BENGALI ABILITY ENHANCEMENT COURSES(AEC)

DEPARTMENT OF BENGALI

ABILITY ENHANCEMENT COURSE- A- II (AEC-A-II): GANAGYAPAN O SANGBADIKATA

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
GANAGYAPAN O SANGBADIKATA	2	2	0	0	For students who have studied the language up to class VIII & above	NIL	BENGALI

Course Objectives: To introduce the basic features of Mass Communication, various forms of Mass Communications, basic features of News and Newspaper, definition of Journalism and Journalistic writings, aspects of editing, aspects and types of interviewing.

Course Learning Outcomes: This course will enable students to understand the basic features of Mass Communication, News, News Paper, News Writing, Editing and Interviewing.

Unit I (8 Hours)

জ্ঞাপন – একান্ত জ্ঞাপন – গণজ্ঞাপনঃ সংজ্ঞা, পার্থক্য, প্রকারভেদ, কাজ

Unit II (10 Hours)

সংবাদঃ সংজ্ঞা, উপাদান, শ্রেণীবিভাগ, মাধ্যম(সংবাদপত্র)

Unit III (10 Hours)

সাংবাদিকতাঃ সংজ্ঞা, শ্রেণীবিভাগ, মাধ্যম

প্রতিবেদন রচনা

Compulsory Readings:

Study materials prepared by the department

অনুপম অধিকারী, ২০১২, সাংবাদিকতা ব্যবহারিক প্রয়োগ, আলপনা এন্টারপ্রাইজ, কলকাতা

পার্থ চট্টোপাধ্যায়, ২০১৮, গণজ্ঞাপনঃ তত্ত্বে ও প্রয়োগে, দে'জ পাবলিশিং, কলকাতা

Additional Resources:

কৌশিক ভট্টাচার্য, ২০০৪, জার্নালিজমের সহজ পাঠ, পারুল প্রকাশনী, কলকাতা

ABILITY ENHANCEMENT COURSE- B -II (AEC-B -II): BASIC BENGALI - 2

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
BASIC BENGALI - 2	2	2	0	0	(For students who have not studied the language)	NIL	BENGALI

Course Objectives: This course is aimed to teach the basic language skills in Bengali. It will introduce basic skills of the Bengali Language: it's simple sentence construction methods. The course intends to facilitate students acquiring primary skills of reading, writing and speaking Bengali along with building up an elementary vocabulary.

Course Learning Outcome: The course will enable the students to obtain the basic skills of reading, writing and speaking in Bengali along with building up a primary vocabulary. After completing the course they can read and write simple Bengali sentences, can figure out words having conjunct character, and can have basic everyday conversations.

Unit I (8 Hours)
Introduction to Bengali qualifiers/adjectives
Conjunctions and its usage

Unit II (10 Hours)
Introduction to Verb and Time/Tense
Conjugation of different verbs

Unit III (10 Hours)
Making simple sentences in Bengali (basic syntactical rules)
Making Negative sentences in Bengali
Making Interrogative sentences in Bengali
Making Complex sentences in Bengali

Essential/ recommended readings:

Mahapatra,Tushar Kanti.Bengali for Non Bengalis. Kolkata : Shishu Sahitya sangshod. August 1999.
Mahapatra,Tushar Kanti.Bengali for Beginners Kolkata : Shishu Sahitya sang shod. August 1999.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

COMMON POOL OF ABILITY ENHANCEMENT (AEC) COURSES

(For all the Ability Enhancement Courses offered by Department of Punjabi in Semester III/IV)

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC-4)

PUNJABI BHASHA ATE MEDIA

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
PUNJABI BHASHA ATE MEDIA	2	2	0	0	Class 12th pass in any subject	Studied Punjabi up to 8th Standard or *Working knowledge of Punjabi language*

LEARNING OBJECTIVES:

- To impart knowledge of the Punjabi language and media.
- To educate the students in understanding Social and Political concerns of Punjabi society, as reflected in contemporary Punjabi media.
- To address the demands of Punjabi Print and Electronic media.
- To enable students to learn about practical aspects of electronic and print media.

LEARNING OUTCOMES:

- Students will demonstrate an understanding of terms, themes, strategies and issues of Punjabi media.
- They can express their understanding of the relationship between Punjabi print and electronic media.
- They will be able to write and upload their views on social media platforms.
- They will be able to get recognition at National and International level through

their Blogs and YouTube Channels.

Unit I ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਮੀਡੀਆ (Punjabi Bhasha ate Media) (8 Hrs.)

- ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਮੀਡੀਆ: ਅੰਤਰ-ਸੰਵਾਦ

  Bhasha ate Media: Antar-Sanvad
- ਪੰਜਾਬੀ ਮੀਡੀਆ: ਸੰਖੇਪ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Punjabi Media: Sankhep Jaan-Pachhan
- ਪੰਜਾਬੀ ਮੀਡੀਆ ਦੇ ਰੂਪ (ਪ੍ਰਿੰਟ ਅਤੇ ਇਲੈਕਟ੍ਰੋਨਿਕ ਮੀਡੀਆ)

  Punjabi Media de Roop (Print ate Electronic Media)

Unit II ਅਖ਼ਬਾਰ ਅਤੇ ਇਲੈਕਟ੍ਰੋਨਿਕ ਮੀਡੀਆ (Akhbar ate Electronic Media) (8 Hrs.)

- ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਅਖ਼ਬਾਰਾਂ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Punjabi de Parmukh Akhbaran naal Jaan-Pachhan
- ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਚੈਨਲਾਂ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Punjabi de Parmukh Channels naal Jaan-Pachhan
- ਪੰਜਾਬੀ ਦੀਆਂ ਸਾਹਿਤਕ ਅਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵੈਬਸਾਇਟਸ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Punjabi dian Sahitak ate Sabhiyacharak Websites naal Jaan-Pachhan

Unit III ਅਖ਼ਬਾਰ: ਵਿਹਾਰਕ ਪੱਖ (Akhbar: Viharak Pakh) (7 Hrs.)

- ਪ੍ਰੈਸ ਨੋਟ ਅਤੇ ਖ਼ਬਰ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ

  Press Note ate Khabar Tiyar Karna
- ਫ਼ੀਚਰ ਲੇਖਣ

  Feature Lekhan
- ਸੰਪਾਦਕੀ ਖ਼ਤ

  Sampadaki Khat

Unit IV ਇਲੈਕਟ੍ਰੋਨਿਕ ਮੀਡੀਆ: ਵਿਹਾਰਕ ਪੱਖ (Electronic Media: Viharak Pakh)

(7 Hrs.)

- ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤਕ/ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਯੂ-ਟਿਊਬ ਚੈਨਲ ਦਾ ਰਿਵਿਊ

  Punjabi Sahitak/Sabhiyacharak YouTube Channel da Review
- ਬਲਾਗ ਲੇਖਣ

  Blog Lekhan
- ਇੰਟਰਵਿਊ ਕਰਨਾ

  Interview Karna

ESSENTIAL READING:

- Bhajan Singh (Ed.) (1987), **Punjabi Patarkari Vichar Parvah**, Punjabi Academy, Delhi.
- Megha Singh (Dr.) (2019), **Punjabi Patarkari ate Pustak Reviewkari**, Saptrishi Publication,Chandigarh.
- Walia, Harjinder Singh and Parul Raizada (2014), **Patrarkar, Patrarkri ate Jan Sanchar,** Madan Publishing House, Patiala.

SUGGESTED READINGS:

- Bhullar, Gian, Harmeet Kaur (Dr.) (2015), **E-Lokdhara**, Unistar Books, Chandigarh.
- Gautam, Roop Chand (2003), **Electronic Media ke Sidhant**, Sh. Navraj Parkashan, Delhi.
- Kalia, Sanjiv (Dr.) (Ed.) (2012), **Cinema ate Samajik Tabdeeli**, Zohra Publication, Patiala.
- Rawail Singh (Dr.) (2017), **Media: Viharak Adhiyan**, Gracious, Patiala.
- Waraich, Amarjit Singh (2010), **Hun Tusi Khabran Suno**, Punjabi University, Patiala.
- Thapar, Prithvi Raj (Dr.) (2011), **Punjabi Media**, Manpreet Parkashan, Delhi.
- Thapar, Prithvi Raj (Dr.) (2012), **Sanchar, Takneek te Multimedia**, Manpreet Parkashan, Delhi.

***(Note: Teachers are free to recommend additional related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC-5)

PUNJABI BHASHA ATE COMPUTER

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Punjabi Bhasha ate Computer	2	2	0	0	Class 12th pass in any subject	Studied Punjabi up to 8th Standard **or** ***Working knowledge of Punjabi language***

LEARNING OBJECTIVES:

- To enable students to learn about basic concepts of Computer and Punjabi Language.
- To provide knowledge about computer fundamentals, Punjabi Language and tools, applications, software and different models of Computational Linguistics.

LEARNING OUTCOMES:

- The students will understand how Computer can help in advancement of Punjabi Language.
- They will be able to understand the Typing system, Unicode System and Punjabi Fonts
- They will understand the concept of Computational Linguistics.

Unit I ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ (Computer ate Punjabi Bhasha) (8 Hrs.)

- ਕੰਪਿਊਟਰ: ਮੁਢਲੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Computer: Mudhli Jaan-Pachhan
- ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਕੰਪਿਊਟਰੀਕਰਨ

  Punjabi Bhasha da Computerikaran
- ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਸਾਫ਼ਟਵੇਅਰ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Punjabi Bhasha de Software naal Jaan-Pachhan

Unit II ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਐੱਮ.ਐੱਸ ਆਫਿਸ (Punjabi Bhasha ate MS office) (8 Hrs.)

- ਐੱਮ.ਐੱਸ ਵਰਡ

  MS Word
- ਪਾਵਰ ਪੁਆਇੰਟ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀ

  Power Point Peshkari
- ਐਕਸਲ ਸ਼ੀਟ

  Excel Sheet

Unit III ਫੌਂਟ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਫੌਂਟ (Font ate Punjabi Fonts) (7 Hrs.)

- ਰਮਿੰਗਟਨ ਫੌਂਟ

  Remington Fonts
- ਫੋਨੈਟਿਕ ਫੌਂਟ

  Phonetic Fonts
- ਯੂਨੀਕੋਡ ਫੌਂਟ

  Unicode Fonts

Unit IV ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਸਾਫ਼ਟਵੇਅਰ (Computer and Punjabi de Software) (7 Hrs.)

- ਅੱਖਰ

  Akhar
- ਗੂਗਲ ਇਨਪੁੱਟ ਟੂਲਜ਼

  Google Input Tools
- ਫੌਂਟ ਕਨਵਰਟਰ

  Font Convertor

Essential Readings:

- Jalwanna, Amandeep Kaur, Raj, Harminder Singh. (2013), **Daftari Varton lai Computer Kiven Sikhiye**, Tarakbharti Parkashan, Barnala.
- Kamboj, C.P. (2010), **Computer ate Punjabi Bhasha**, Lokgeet Parakashan, Chandigarh.

Suggested Readings:

- Juneja, Jagmohan Singh (2008), **Computer: Muddhli Jankari ate Upyog**, Punjabi University,Patiala.
- Kamboj, C.P. (2010), **Cyber Sansar ate Punjabi Bhasha**, Lokgeet Parkashan, Chandigarh.
- Kamboj, C.P. (2012), **Computer Vigyan**, Punjabi University, Patiala.
- Pawan Kumar (2007), **Computer Jaan-Pachhaan**, Lokgeet Parkashan, Chandigarh.
- Rajiv Khanna (2007), **Computer Application,** New Age International Private Ltd, New Delhi.

Internet Resources:

www.akhariwp.com

***(Note: Teachers are free to recommend additional related standard source books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

ABILITY ENHANCEMENT COURSE-6 (AEC-6)

PUNJABI BHASHA ATE ANUVAD

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Punjabi Bhasha ate Anuvad	2	2	0	0	Class 12th pass in any subject	Studied Punjabi up to 8th Standard **or** ***Working knowledge of Punjabi language***

LEARNING OBJECTIVES:

- The purpose of this course is to enhance student's Language and translation skills.
- The study of this course will help the students to develop their skills in Punjabi Language and their translation aptitude.
- The course will provide them a broad perspective of translation and Punjabi Language.

LEARNING OUTCOMES:

- The students will be able to enhance their writing skills in Punjabi language through translation.
- They will be able to do translation from English/Hindi to Punjabi language.
- The students will be able to understand Translation through online resources and also technical terminology.

UNIT 1: ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਅਨੁਵਾਦ: ਅੰਤਰ-ਸੰਵਾਦ (Bhasha ate Anuvad: Antar-Sanvad) (7 Hrs.)

- ਬਹੁ-ਭਾਸ਼ਾਈ ਅੰਤਰ-ਸੰਵਾਦ

  Bahu-Bhashai Antar- Sanvad
- ਮਾਨਵੀ ਅਨੁਵਾਦ

  Manvi Anuvad
- ਮਸ਼ੀਨੀ ਅਨੁਵਾਦ

  Machini Anuvad

UNIT 2: ਅਨੁਵਾਦ ਅਭਿਆਸ (Anuvad Abhiyas) (7 Hrs.)

- ਅਨੁਵਾਦ ਬਾਰੇ ਸੰਖੇਪ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ

  Anuvad bare Sankhep Jaan-Pachhan
- ਹਿੰਦੀ/ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦਾ ਅਨੁਵਾਦ

  Hindi/Angrezi ton Punjabi vich Shabadan da Anuvad
- ਹਿੰਦੀ/ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਵਾਕਾਂ ਦਾ ਅਨੁਵਾਦ

  Hindi/Angrezi ton Punjabi vich Vaakan da Anuvad

UNIT 3: ਰਚਨਾਤਮਕ ਅਨੁਵਾਦ (Rachnatamak Anuvad) (8 Hrs.)

- ਪੈਰਾ ਅਨੁਵਾਦ (ਹਿੰਦੀ/ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬੀ)

  Para Anuvad (Hindi/Angrezi ton Punjabi)
- ਵਿਗਿਆਪਨ ਅਨੁਵਾਦ (ਹਿੰਦੀ/ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬੀ)

  Vigyapan Anuvad (Hindi/Angrezi ton Punjabi)
- ਖ਼ਬਰ ਅਨੁਵਾਦ (ਹਿੰਦੀ/ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬੀ)

  Khabar Anuvad (Hindi/Angrezi ton Punjabi)

UNIT 4: ਤਕਨੀਕੀ ਸ਼ਬਦਾਵਲੀ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ (Takniki Shabadvali da Punjabi Anuvad) (8 Hrs.)

- ਦਫ਼ਤਰੀ ਸ਼ਬਦਾਵਲੀ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ

  Dafatri Shabadavali da Punjabi Anuvad
- ਬੈਂਕ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਸ਼ਬਦਾਵਲੀ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ

  Bank naal Sambandhat Shabadavali da Punjabi Anuvad
- ਰੇਲਵੇ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਸ਼ਬਦਾਵਲੀ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ

  Railway naal Sambandhat Shabadavali da Punjabi Anuvad

ESSENTIAL READINGS:

- Jaspal Kaur (Dr.) (2013), **Anuvad te Maukhik Anuvad Kala**, Manpreet Parkashan, Delhi.
- **Lazmi Punjabi**-11 (11vi Shreni Layi) (2016), Punjab School Sikkhia Board, Sahibzada Ajeet Singh Nagar.
- Reddy, Ra. Ramachandra (2020), **Anuvad de Siddhant: Samasiyavan ate Hal,** Tr. Ranju Bala, Sahitya Akedemi, Delhi.

SUGGESTED READINGS:

- Bhola Nath Tiwari (2018), **Anuvad Vigyan**, Kitabghar Prakashan, Delhi.
- Harkirat Singh, (1988), **Punjabi Baare,** Punjabi University, Patiala.
- Sushil Kumar (2003), **Anuvad da Samvaad**, Udaan Publication, Mansa.

***(Note: Teachers are free to recommend additional related standard resource books, if required so.)**

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

AEC - Hindi D
विदेशी विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
AEC - Hindi D (विदेशी विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम)	**2**	**2**	**--**	**--**	**विदेशी विद्यार्थियों के लिए**	**विदेशी विद्यार्थियों के लिए**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives):

1. विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
2. हिंदी भाषा में व्यावहारिक कार्य को प्रोत्साहन देना

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes):

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, अनौपचारिक/औपचारिक लेखन का अभ्यास कराना
2. हिंदी भाषा में अभिव्यक्ति कौशल का विकास

सेमेस्टर III

इकाई 1: भारतीय संस्कृति एवं जन-जीवन (सामान्य परिचय)

- भारत के महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल (कोई पांच)
- भारतीय भोजन

- भारतीय पर्व, उत्सव और मेले
- पारंपरिक भारतीय वेशभूषा

इकाई 2: हिंदी लेखन अभ्यास

- संवाद लेखन (किसी नाटक अथवा फिल्म के माध्यम से)
- किसी घटना, दृश्य अथवा स्थल का वर्णन
- पत्र-लेखन (अनौपचारिक)
- अपठित गद्यांश

संदर्भ ग्रंथ:

1. स्वयं हिंदी सीखें : वी. आर. जगन्नाथन
2. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी : शब्द, अर्थ, प्रयोग - हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी का समसामयिक व्याकरण - यमुना काचरू, मैकमिलन, नई दिल्ली
5. Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, UP Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
6. English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
7. Fairbanks, G & Mishra, 8.G. Spoken and written Hindi Cornell University Press, New York
8. Fairbanks, G & Pandit, P.B.: A Spoken approach, Deccan College, Pune
9. McGregor, R.S. Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford, England
10. Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi

AEC - Hindi E

अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम - 2

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
AEC-Hindi E (अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम - 2)	**2**	**2**	**--**	**--**	उन भारतीय विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं तक हिंदी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है ।	उन भारतीय विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं तक हिंदी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives):

1. हिंदी भाषा-कौशल का संवर्धन
2. व्यावहारिक जीवन में हिंदी भाषा का सफलतापूर्वक प्रयोग

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes):

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, अनौपचारिक/औपचारिक लेखन का अभ्यास कराना
2. हिंदी भाषा में अभिव्यक्ति-कौशल का विकास

सेमेसटर IV/III

इकाई 1: देवनागरी लिपि का व्यावहारिक ज्ञान

(1-7 सप्ताह)

- अनुस्वार (बिंदु) और अनुनासिक (चंद्र बिंदु) के प्रयोग के नियम
- विदेशी ध्वनियों का देवनागरी लिप्यंतरण
- हिंदी विराम चिह्न

सेमेस्टर III व IV

AEC 2: व्यावहारिक हिंदी (हिंदी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
व्यावहारिक हिंदी	02	2	--	---	**हिंदी क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग की जानकारी
- हिंदी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल देना

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : व्यावहारिक हिंदी (1-7 सप्ताह)

- व्यावहारिक हिंदी के विविध रूप (सामान्य परिचय)
- बैंको में प्रयोग होने वाली हिंदी
- संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व
- बम्बईया हिंदी, कलकतिया हिंदी, हैदराबादी हिंदी

इकाई 2 : संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के विविध रूप (8-15 सप्ताह)

- सार्वजनिक स्थानों पर हिंदी का प्रयोग (अस्पताल, बाज़ार, मॉल, मंडी)

- बैंकों में प्रचलित पारिभाषिक शब्दावली
- कार्यालयों में प्रचलित हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
- बाज़ार / दर्शनीय स्थल / क्रिकेट मैच का अनुभव-लेखन

सहायक पुस्तकें:

1. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
3. मानक हिंदी का स्वरूप – भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
4. व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश, राजपाल एंड संस, संस्करण 2003
5. प्रायोगिक हिंदी – (सं) रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैकस्वान, प्रकाशन संस्करण 2013

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक

AEC 2 : जनसंचार और रचनात्मक लेखन (हिंदी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
जनसंचार और रचनात्मक लेखन	02	2	--	--	**हिंदी** ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objetive):

- विद्यार्थियों के अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन कार्य की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा में रचनात्मक लेखन की ओर प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता और रचनात्मक लेखन का विकास करना।
- रचनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों की कार्यशैली का अध्ययन।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों के मौखिक और लेखन कौशल को बढ़ाया जा सकेगा।
- विद्यार्थियों को प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक लेखन की ओर अग्रसर किया जा सकेगा।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित ह सकेगा।
- विद्यार्थियों को साहित्य लेखन की जानकारी का ज्ञान विकसित होगा।
- रचनात्मक लेखन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों से परिचित हो सकेंगे।

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन का स्वरूप (1-7 सप्ताह)

- रचनात्मक लेखन का अर्थ और महत्व
- रचनात्मक लेखन के विविध रूप
- जनसंचार माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन
- जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा

इकाई 2: विविध माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन (8-15 सप्ताह)

- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन (साक्षात्कार, यात्रा अनुभव लेखन)
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन (संवाद लेखन और गीत)
- विज्ञापन लेखन

सहायक पुस्तकें:

1. रचनात्मक लेखन – प्रो. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2016
2. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2006
3. पटकथा लेखन: एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
4. जनसंचार माध्यम: सम्प्रेषण और विकास – देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
5. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र – जवरीमल्ल पारिख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक

AEC 2 : हिन्दी भाषा और तकनीक (हिंदी ग)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
हिंदी भाषा और तकनीक	02	2	--	--	**हिंदी ग** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी ग** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत कराना
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषाई सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत कराना

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी (1-7 सप्ताह)

- ई-गवर्नेंस में हिंदी का प्रयोग
- राजभाषा के प्रचार-प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका
- हिंदी और वेब डिजाइनिंग
- हिंदी के संदर्भ में यूनिकोड का प्रयोग

इकाई 2 : तकनीक और हिंदी भाषा (8-15 सप्ताह)

- इंटरनेट पर हिंदी की प्रमुख पत्रिकाओं की सूची बनाना
- हिंदी की किसी एक प्रमुख वेबसाइट की भाषा का विश्लेषण करना

- कम्प्यूटर पर हिंदी में स्ववृत ,एस.एम.एस. और संदेश लेखन
- मशीनी अनुवाद से संबंधित प्रमुख सॉफ्टवेयर की सूची बनाना

सहायक पुस्तकें:

1. सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. व्यवहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग – ओमप्रकाश, राजपाल एंड संस, दिल्ली
3. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. रचनात्मक लेखन – (सं.) प्रो. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
5. तकनीकी सुलझने – बालेंदु शर्मा दधीचि, ईप्रकाशकडॉटकॉम
6. https://balendu.com/

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक

- हिंदी की वाक्य संरचना के सामान्य नियम

इकाई 2: हिंदी में लेखन अभ्यास

(8-15 सप्ताह)

- कहानी, निबंध लेखन
- यात्रा, दृश्य, घटना का वर्णन
- संवाद लेखन (किसी नाटक अथवा फिल्म के माध्यम से)
- अपठित गद्यांश

संदर्भ ग्रंथ:

1. स्वयं हिंदी सीखें : वी. आर. जगन्नाथन
2. हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी : शब्द, अर्थ, प्रयोग - हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी का समसामयिक व्याकरण - यमुना काचरू, मैकमिलन, नई दिल्ली
5. सामान्य हिंदी - डॉ. पृथ्वीनाथ पांडेय, नालंदा पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद
6. मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. नरेश मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. रचनात्मक लेखन - प्रो. रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन, दिल्ली
8. Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, UP Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
9. English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
10. Fairbanks, G & Mishra, 8.G. Spoken and written Hindi Cornell University Press, New York
11. Fairbanks, G & Pandit, P.B.: A Spoken approach, Deccan College, Pune
12. McGregor, R.S. Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford, England
13. Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi

AEC 1: Sanskrit A: Advance Neeti Literature in Sanskrit

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
	02	02	00	NA	12th Pass	Nil	Sanskrit

Learning Objectives

This course aims at making the students acquainted with general outline of Sanskrit literature. This course will help the learners be familiar with the tradition of Prose literature with some focus on individual contributors of Sanskrit prose writing.

Learning outcomes

- The students will learn the advance form of Sanskrit language
- The stories and verses prescribed in the course will help the learners develop an understanding of the moral and ethical values that will be useful in their day-to-day life.
- They will be familiar with the rich history of Sanskrit Literature.
- This course will enhance their skills of chaste Sanskrit pronunciation as well as competence and performance of the language.
- This will help them translate and explain the prescribed Sanskrit texts in their native language.

SYLLABUS OF AEC-1 (Sanskrit A)

Unit: I **Credits: 01**

Course Content/Prescribed Books

Origin and development of Nītikāvya: Kathāsaritsāgara, Paňcatantra, Hitopadeśa, Cāṇakyanīti.

Unit: II **Credits: 01**

Course Content/Prescribed Books

Pancatantra, First Story, Verses: 1-35

(Translation, Explanation and Grammar)

Essential/recommended readings

- Pancatantra, Subodh Publications, ISBN: 9788170780403, 8170780403, 2017
- Pancatantra, Prashant Acharya, Notion Press Media Pvt Ltd., ISBN: 9798885915229
- Pancatantra,

Suggested readings

1. शर्मा, उमाशंकर ऋषि: संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
2. उपाध्याय, बलदेव: संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी
3. प्रीतिप्रभा, गोयल: संस्कृत साहित्य का इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर
4. त्रिपाठी, राधावल्लभ: संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. Keith, A.B., History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi, हिन्दी अनुवाद सहित, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. M. Krishnamachariyar Shastri: History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi
7. Gaurinath Shastri: A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

Basic Structure of Question Paper & Division of Marks	**75**
Long Answer from each unit (2+2= 4)	04 x 12 = 48
Short Answer from each unit (2+2=4)	05x 04 = 20
Short Notes 2	02x3.5 = 07
Internal Assessment (Project/Discussion/Assignment/paper presentation/ Periodic tests etc.)	**25**
Total Marks: (I+II)	**(75+25) = 100**

AEC 1: Sanskrit B: Introductory Upanishad and Geeta

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
	02	02	00	NA	NA	Open to All	Sanskrit

Learning Objectives

This course aims at making

- the students acquainted with general outline of Sanskrit literature.
- the learners be familiar with the tradition of Indian Philosophical literature
- with some focus on individual contributors of Sanskrit prose writing.

Learning outcomes

The students will learn

- the teachings of Upanisads and Gita
- three major knowledge systems of Traditional Indian Philosophy
- the mantras and verses, prescribed in the course, will help the learners to develop an understanding of the moral and ethical values that will be useful in their day-to-day life.
- They will be familiar with the rich history of Sanskrit Literature.
- This course will enhance their skills of chaste Sanskrit pronunciation as well as competence and performance of the language also.
- This will help them translate and explain the prescribed Sanskrit texts in their native language.

SYLLABUS OF AEC-1

Unit: I **Credits: 01**

Course Content/Prescribed Books

General Introduction to Upanisads

Text Introduction to Ishavasyopanishad- Karma, Vidya-Avidya, Satya, Atman

Unit: II **Credits: 01**

Course Content/Prescribed Books

Introduction to Geeta: Background, Purpose,
Gyanyoga
Karmayoga
Bhaktiyoga

Essential/recommended readings

1. भगवद्गीता, शाङ्करभाष्य अनुवाद सहित, अनुवादक श्रीहरिकृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रैस, गोरखपुर
2. Valmiki Ramayana – Valmiki.iitk.ac.in
3. गीताभाष्यनवाम्बरा- डॉ० शिवनारायण शास्त्री
4. Ishavasyopnishad- Geeta Press, Gorakhpur, 1992
5. Ishavasyopnishad- Swami Sharvananda, Shri RamKrishna Math, Mylapur, Madras, 1943
6. Ishavasyopnishad, Dr. Shashi Tiwari, Bhartiya Vidya Prakashan, Delhi, 1997

Suggested readings

1. Bhagawadgita with the commentary of Shankaracharya – A.K. Warrior,
2. Bhagawadgita – Dr. S. Radhakrishnan
3. Śrimadbhagavadgītā, The Scripture of Mankind, text in Devanagari with transliteration in English and notes by Swami Tapasyananda, Sri Ramakrishna Math, 1984

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

	Basic Structure of Question Paper & Division of Marks	**75**
i.	Long Answer from each unit (2+2= 4)	04 x 12 = 48
ii.	Short Answer (from each unit (2+2=4)	05x 04 = 20
iii.	Short Notes 2	02x3.5=7
II	**Internal Assessment (Project/Discussion/Assignment/ paper presentation/ Periodic tests etc.)**	**25**
	Total Marks: (I+II)	**(75+25) = 100**

AEC 1: Sanskrit C: Introductory Introduction to Sanskrit Language

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
	02	02	00	NA	12th Pass	Nil	Sanskrit

Learning Objectives

This course aims at making the students acquainted with general outline of Sanskrit Grammar and Composition. This course will enhance their skills of chaste Sanskrit pronunciation as well as competence and performance of the language.

Learning outcomes

- The students will learn the basic Sanskrit language.
- They will learn to create and understand this Language independently.
- This course will enhance the ability to understand classical Sanskrit texts.
- Through the practice of this prescribed syllabus, students will be able to enhance their knowledge of structural patterns of Sanskrit.

SYLLABUS OF AEC-1 (Intermediate)

Unit: II **Credits: 01**

Basic Sanskrit Sentence Formation (Active Voice) using the following:

कारक एवं विभक्ति: कर्त्ता, कर्म एवं करण

वचन एवं लिङ्ग:

शब्दरूप: राम, बालक, लता, अस्मद्, युष्मद्, तत्, इदम्, किम्, सर्व, हरि, मति, जल, फल, पुष्प, ज्ञान, भोजन, धन, गुरु

क्रियारूप: निम्नलिखित धातुओं का केवल लट्, लृट् एवं लङ् लकार में रूप:

भू, पठ्, लिख्, खाद्, चल्, गम् (गच्छ्), हस्, वद्, पा (पिब्), अस्, गै (गाय), भ्रम्,

स्था (तिष्ठ्), दृश् (पश्य्), पच्, वर्ष्, दा (यच्छ्)

शब्दकोश: संस्कृत सामान्य शब्दों के लिए शब्दकोश

यत्र, तत्र, कुत्र, श्व, अद्य, कथम्, यथा, तथा, च, अथवा

Unit: II **Credits: 01**

व्यावहारिक वाक्य संरचना

Essential/recommended readings

- पाण्डेय, राधामोहन: संस्कृत सहचर, स्टूडेंट्स फ्रेंड्स पटना, बिहार
- नौटियाल, चक्रधर: बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- रूपचन्द्रिका, डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी , चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

Suggested readings

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

Basic Structure of Question Paper & Division of Marks	**75**
Long Answer from each unit (2+2= 4)	04 x 12 = 48
Short Answer (from each unit (2+2=4)	05x 04 = 20
Short Notes 2	02x3.5 = 07
Internal Assessment (Project/Discussion/Assignment/ paper presentation/ Periodic tests etc.)	**25**
Total Marks: (I+II)	**(75+25) = 100**

AEC 2: Course A: Advance Ancient Indian Economy

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
	02	02	00		12th Pass	Nil	Sanskrit

Learning Objectives

The aim of this course is to make the students acquainted with various aspects of economic thought and Indian economy as propounded in the ancient Sanskrit texts from Vedic Saṁhita to later texts in the Dharamśāstra and Arthaśāstra traditions.

Learning outcomes

This course will enable the students to appreciate the fundamental concepts of Indian economic thoughts discussed in ancient Sanskrit texts such as Vedic Saṁhita, Kauṭilya's Arthaśāstra, Manusmṛiti etc. This session deals with the economic model of ancient India and financial growth of the state's thought through Sanskrit literature. Students will be able to understand various aspects of the taxation model in ancient India and they should be able to compare ancient and contemporary models.

SYLLABUS OF AEC-2 Course A

Unit: 1
Introduction to Ancient Indian Economy **Credit: 1**

Early and Later Vedic Period
Buddhist Period
Centralized Economy of Mauryan Period
Post Mauryan Period
Gupta and Post Gupta Period

Unit: 2 **Credit: 1**
Readings in Indian Economy:

Manusmṛiti- Chapter 7, Verse No- 123-138, Arthaśāstra- Second Adhikaraṇa, Sannidhātṛnicayakarma and Samāhrtṛsamudayaprasthāpanam

Essential/recommended readings

1. R.P Kangle (ed.) Arthaśāstra of Kauṭilya, Motilal Banarsidas, Delhi, 1965
2. P. Olivelle (ed. & trans), Manu code of law: A Critical Edition & translation of the Manava- Dharmasastra, UUP, New Delhi, 2006
3. R. S. Sharma, Aspects of Political Ideas & Institutions in Ancient India, Delhi, 1996
4. A. S. Altekar, State and Government in Ancient India, Motilal Banarsidas, Delhi, 2011
5. कपिलदेव द्विवेदी, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, षष्ठ संस्करण, 2015
6. शर्मा, उमाशंकर ऋषि, संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी

Suggested readings

1. कैलाशचन्द्र जैन, प्राचीन भारतीय समाजिक और आर्थिक संस्थाएं, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1976
2. शशि तिवारी, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2013
3. सहाय, शिवस्वरूप, प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2012

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

Basic Structure of Question Paper & Division of Marks	
Questions - 03 (from Unit 1)	03 x 15 = 45
Explanations 03 (from unit-2)	03 x 08 = 24
Short Notes 02	02x3 = 06
Total Marks: (I+II)	**75**

AEC 2: Course B: Intermediate Administrative Structure in Kauṭilya's Arthaśāstra

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
	02	02	00	NA	12th Pass	Nil	Sanskrit

Learning Objectives

The government policies mentioned in Arthaśāstra indicate that the ruler of the kingdom or the country should follow the duties assigned to him for the welfare of the people. The aim of this course is to make the students acquainted with various aspects of Administrative parts and his responsibilities mentioned in Kauṭilya's Arthaśāstra.

Learning outcomes

After going through this course, students will know the most important aspect of Arthaśāstra was public welfare even in an autocratic agrarian state. In addition, they will know King was the head and the main function of him was military judicial legislative and executive which in the present is the function of the president.

SYLLABUS OF AEC-1

Unit: 1 **Credit: 1**

Introduction to Kauṭilya's Arthaśāstra: Author, Structure of the Text, Editions and Translations, Introduction to all Adhikaraṇas.

Unit: 2 **Credit: 1**

Saptānga Theory

Concept of Welfare State

Samāharta

Sannidhātā

Dharmasthīya

Kaṇṭakaśodhana

Sitādhyakṣa

Essential/recommended readings

1. R.P Kangle (ed.) Arthaśāstra of Kauṭilya, Motilal Banarsidas, Delhi, 1965
2. उदयवीर शास्त्री (अनुवाद) कौटिल्य अर्थशास्त्र, मेहरचंद्र लक्ष्मणदास, दिल्ली, 1968
3. कैलाशचन्द्र जैन, प्राचीन भारतीय समाजिक और आर्थिक संस्थाएं, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1976
4. A. S. Altekar, State and Government in Ancient India, Motilal Banarsidas, Delhi, 2011
5. वाचस्पति गैरोला, कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् (हिन्दीव्याख्योपेतम्), वारणसी, चौखम्भा विद्याभवन, संस्करण 2015

Suggested readings

1. Kautilya Arthshastra, translated by R Shyamshastri, Delhi, Choukhamba Sanskrit Pratisthan.
2. R. S. Sharma, Aspects of Political Ideas & Institutions in Ancient India, Delhi, 1996
3. शशि तिवारी, संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2013
4. U.N. Ghosal, A History of Indian Political Ideas, Bombay, 1956.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

Basic Structure of Question Paper & Division of Marks	**75**
Questions 03 (from Unit 1)	03 x 10 = 30
Questions 02 (from Unit 2)	03 x 10 = 30
Short Notes (from Unit 2)	03 x 05 = 15
Total Marks: (I+II)	**75**

AEC 2: Course C: (Introductory) Culture and Society संस्कृतिः समाजश्च

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
	02	02	00	NA	12th Pass	Nil	Sanskrit

Learning Objectives

To provide the fundamentals of Indian culture and society in Sanskrit Literature. This course is envisioning to help students learn the various aspects of Indian Culture and Society as depicted in Sanskrit Literature.

Learning outcomes

Students will learn and evaluate institution of marriage, status of women and Indian Social Institutions. They will be equipped with the primary resources to understand the essence of Indian Perspective of Sociology. They will be able to conduct independent research in the abovementioned areas. This course will also allow them to understand the society that framed India.

SYLLABUS OF AEC-1

Unit: I **Credit: 01**

Essence of Indian Culture-
Spirituality- Ishavasyopnishad (1st Mantra); Sthitapragya- Srimadbhagwadgita (2/ 54-59)
Life Style -Satya, Ahimsa, Asteya, Santosh, Tapas, Swadhayaya, Ishvara pranidhan (with special reference to Yogasutra);
Social Conduct and Harmony- Rigveda, SanjnanaSukta, 10. 191 (2-4)

Unit: II **Credit: 01**

Indian Social Thinkers- Fundamental thoughts of the following:
Manu, Gautam Buddha, Kautilya, Swami Vivekananda, Swami Dayanand Sarasvati, Mahatma Gandhi

Essential/recommended readings

1. Ishavasyopnishad- Geeta Press, Gorakhpur, 1992
2. Ishavasyopnishad- Swami Sharvananda, Shri RamKrishna Math, Mylapur, Madras, 1943
3. Ishavasyopnishad, Dr. Shashi Tiwari, Bhartiya Vidya Prakashan, Delhi, 1997
4. Kautilya Arthashastra, Vachaspati Gairola, Chaukhamba Vidya Bhawan, Varanasi, 2017
5. Kautilya Arthashastra, R.P. Kangle, Motillal Banarasidas publishers, Delhi, 1997
6. Manu's Code of law- (Ed. & Trans.) Olivelle, P. (A Critical Edition and Translation of the Manava- Dharmashastra, OUP, New Delhi, 2006.
7. Rigveda Samhita, (6 Vols)- Eng. Tr. H.H. Wilson, Bangalore Printing & Publishing Co., Bangalore, 1946
8. Vivekananda Sahitya, Vol.1-10, Advaita Ashram, 2014
9. ऋग्वेद संहिता, सायणाचार्य कृत भाष्य एवं हिन्दी व्याख्या सहित, राम गोविंद त्रिवेदी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
10. पातंजल योगदर्शन,व्याख्या – स्वामी श्री ब्रह्मलीन मुनि, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 2007
11. पातंजल योगदर्शन, डॉ सुरेशचंद्र श्रीवास्तव्, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2016
12. बौद्ध दर्शन, राहुल सांकृत्यायन, किताब महल, इलाहाबाद, 1944
13. श्रीमद्भगवद्गीता, जयदयाल गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर, संवत 2067
14. भगवद्गीता, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, हिन्द पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली, 2011
15. कौटिल्य अर्थशास्त्र, उदयवीर शास्त्री, मेहरचंद लक्ष्मणदास, दिल्ली, 1969-1970
16. गाँधी, महात्मा- सत्य के प्रयोग, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली, 1994
17. सरस्वती, दयानंद- सत्यार्थप्रकाश , राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा, रोहतक, हरियाणा, 2014
18. महाभारत (1-6 भाग)- हिन्दी अनुवाद सहित, (अनु) रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय, गीताप्रेस, गोरखपुर।
19. मनुस्मृति (1-13 भाग)- (संपादित एवं व्याख्या)- उर्मिला रुस्तगी, जे. पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2005

Suggested readings

1. Prabhu, P.H.- Hindu Social Organization, Popular Publication, Mumbai, 1998
2. The Rigvedic People, B.B. Lal, Aryan Books International, India, 2015
3. जैन, कैलाशचंद्र - प्राचीन भारतीय सामाजिक और आर्थिक संस्थाएँ, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1976
4. टंडन, किरण- भारतीय संस्कृति, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2017
5. पाण्डेय, राजबली – हिन्दू संस्कार (सामाजिक तथा धार्मिक अध्ययन), चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी, 1957
6. सहाय, शिवस्वरूप, प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली , 2014
7. काणे, पी. वी. – धर्मशास्त्र का इतिहास (1-4 भाग), अनुवाद अर्जुन चौबे काश्यप, हिन्दी समिति, लखनऊ, 1966-73

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

Basic Structure of Question Paper & Division of Marks		**75**
Long Questions 03 (from unit-1 and 2)	03 x 12	= 36
Short Answer Type Questions 3 (Unit 1 to 2)	03 x 08	= 24
Short Notes 03 (from 1-4 Units)	03 x 05	= 15
Total Marks : (I+II)		**75**

AEC-2 URDU A FOR III/IV SEM

ABILITY ENHANCEMENT COURSE-2 (AEC-2): URDU-A

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title &Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice			
Urdu-A, Ability Enhancement Course (AEC)	02	2	0	0	12th Pass	Studied AEC-1 Urdu A	URDU

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To give knowledge of contemporary society of India through UrduProse and Poetry.
- To give a glimpse of classical literature with special reference to Urdu Prose and Poetry.

Learning outcomes

The learning outcomes of this course are as follows:

- Knowledge of contemporary society of India through Urdu Prose and Poetry
- Understand classical literature with special reference to Urdu Prose and Poetry
- Explain and analyze the different text in Urdu.

SYLLABUS OF AEC-4

UNIT-I- (18-Hours) Hissa-e-Nasr

1. Toba Tek Singh (Manto) *(Matn ki Tadrees)*
2. Karman (Qurratul-ain-Haider) *(Matn ki Tadrees)*
3. AkhiriKoshish (Hayatullah Ansari) *(Matn ki Tadrees)*

UNIT-II- (8-Hours) Hissa-e-Shairi (Gazaliyaat)

4. Jigar Muradabadi

- Dil ko SukoonRooh ko Aaraam aa gaya *(Matn ki Tadrees)*
- Kabhi Shakh-o-Sabza-o-Barg par *(Matn ki Tadrees)*

5. FiraqGorakhpuri

- Narm Fiza ki Karwatein Dil ko Dukhake Rah Gayin *(Matn ki Tadrees)*
- Bahut Pahle se Un Kadmon ki AahatJaanLete Hain *(Matn ki Tadrees)*

6. Faiz Ahmad Faiz

- Rang Pairahan Ka, Khushboo ZulfLehrane Ka Naam *(Matn ki Tadrees)*
- Dil Mein Ab Yun TereBhoole Hue Gham Aate Hain *(Matn ki Tadrees)*

UNIT-III- (4-Hours) Hissa-e-Shairi (Manzoomat)

7. Lab-e-Saahil Aur Mauj (Akbar) *(Matn ki Tadrees)*

8. Ae IshqKahin Le Chal (Akhtar Sheerani) *(Matn ki Tadrees)*

(The total number of hours should add up to 15 only)

Practical component (if any) -

Essential/recommended readings

Suggested readings

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

ABILITY ENHANCEMENT COURSE-2 (AEC-2): URDU-B

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice			
Urdu-B, Ability Enhancement Course (AEC)	02	2	0	0	10th Pass	Studied AEC-1 Urdu B	URDU

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- To give knowledge of contemporary society of India through Urdu Prose and Poetry.
- To give a glimpse of modern literature with special reference to Urdu Prose and Poetry.

Learning outcomes

The learning outcomes of this course are as follows

- Understand the text and can explain and analyse the text.
- Appreciate the nuances behind the texts especially Urdu Ghazal.
- Express understanding, knowledge and critical thinking through writings.

SYLLABUS OF AEC-5

UNIT-I- (18-Hours) Hissa-e-Nasr

1.Qaul-e-Faisal (Abul Kalam Azad) *(Matn ki Tadrees)*

2.Diya Salai (Khwaja Hasan Nizami) *(Matn ki Tadrees)*

3.Nazara Darmiya Hain (Qurrat-ul Ain Haider) *(Matn ki Tadrees)*

UNIT-II- (8-Hours) Hissa-e-Shairi (Ghazaliyaat)

9. Dagh

- Khatir Se Ya Lihaz Se Main Maan To Gaya *(Matn ki Tadrees)*

10. Shaad

- Tamannaon Mein Uljhaya Gaya Hoon *(Matn ki Tadrees)*

11. Firaq

- Sar Mein Sauda Bhi Nahi *(Matn ki Tadrees)*

UNIT-III- (4-Hours) Hissa-e-Shairi (Manzoomat)

7. Mujh Se Pehli Si Muhabbat Mere Mehboob Na Maang (Faiz) *(Matn ki Tadrees)*

8. Akhiri Mulaqaat (Jaan Nisar Akhtar) *(Matn ki Tadrees)*

9. Parchhaiyan (SahirLudhyanvi) *(Matn ki Tadrees)*

Teaching Learning Process

Classroom Teaching, Lecture Method

Assessment Methods

Assignment, Internal Test

Keywords- Dagh, Shaad, Firaq, Faiz, Jaan Nisar, Sahir

Practical component (if any) –

Essential/recommended readings

Suggested readings

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

ABILITY ENHANCEMENT COURSE-2 (AEC-2): URDU-C

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
Urdu-C, Ability Enhancement Course (AEC)	02	2	0	0	Basic Knowledge of Urdu	Studied AEC-1 Urdu C	URDU

Learning Objectives:

- To give a simple taste of Urdu Poetry and Literature.
- To make them appreciate and understand the poetry of Urdu.

Learning Outcomes:

- Students read and understand the poetry of Urdu.
- Students express the meaning of couplets and stories in their own words.

SYLLABUS OF AEC-6

Unit-I(18 Hours)Hissa-e-Nasr

1. Sawere Jo Kal Ankh Meri Khuli (Pitras) *(Matn ki Tadrees)*
2. Ji Aaya Sahab (Manto) *(Matn ki Tadrees)*
3. Ghalib KeKhutoot (Ghalib) *(Matn ki Tadrees)*

Unit-II (8 Hours)Hissa-e-Shairi

4. Ye Na ThiHamariQismatKeWisal-e-YaarHota (Ghalib) *(Matn ki Tadrees)*
5. Sitaron Se Aage Jahan Aur Bhi Hain (Iqbal) *(Matn ki Tadrees)*
6. Gulon Mein Rang Bhare (Faiz) *(Matn ki Tadrees)*

Unit-III (4 Hours)

8. Ramayan Ka Ek Scene (Chakbast) *(Matn ki Tadrees)*
9. Sheeshe Ka Aadmi (Akhtar-ul-Iman)*(Matn ki Tadrees)*

Teaching Learning Process

Classroom Teaching, Lecture Method Assessment Methods

Assignment, Internal Test Keywords-

Practical component (if any) -

Essential/recommended readings:

1. **Urdu Ki Nai Kitaab Part-II** (Published by Educational Publishing House,New Delhi

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

AEC 1: Environmental Science: Theory into Practice –II

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
AEC 1: Environmental Science: Theory into Practice – II	02	01	–	01	All UG Courses	All UG Courses	Department of Environmental Studies/Sciences

Learning Objectives

The Ability Enhancement Course on Environmental Science: Theory into Practice (I & II) at Undergraduate level (AEC- I) aims to train students to cater to the need for ecological citizenship through development of a strong foundation on the critical linkages between ecology-society-economy.

The Learning Objectives of this course are as follows:

- **Disciplinary knowledge**
  Enable students to develop a comprehensive understanding of various facets of life forms, ecological processes, and the impacts on them by humans during the Anthropocene era.

- **Critical thinking**
  Build capabilities to identify relevant environmental issues, analyse the various underlying causes, evaluate the practices and policies, and develop framework to make informed decisions.
- **Moral and ethical awareness/reasoning**
  Develop empathy for all life forms, appreciation for the various ecological linkages within the web of life, awareness and responsibility towards environmental protection and nature preservation.

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows.

After the course the students will be empowered and able to:

- Analyse natural processes and resources that sustain life and govern economy.
- Predict the consequences of human actions on the web of life, global economy, and quality of human life.
- Think critically and develop appropriate strategies (scientific, social, economic, administrative, and legal) for environmental protection, conservation of biodiversity, environmental equity, and sustainable development.
- Demonstrate values and show compassionate attitudes towards complex environmental-economic-social challenges, and participate at national and international levels in solving current environmental problems and preventing the future ones.
- Adopt sustainability as a practice in life, society, and industry.

Teaching Learning process

The teaching–learning methodologies are designed to provide the undergraduate students a comprehensive understanding of the subject in a simplistic manner as well as evoke critical reasoning and analytical thinking among them. Some of the theoretical concepts related to practicals/outreach activities, etc. should be covered during practical sessions. The various approaches to teaching–learning process include classroom lectures, video presentations, and ICT enabled teaching tools. For enhancing practical understanding, field visits are encouraged to relevant places in Delhi like Biodiversity Parks, Protected areas, Wetlands, Sewage treatment plants, etc.

SYLLABUS OF AEC-1: Environmental Science: Theory into Practice – II (Year 2)

Unit V

Global Environmental Issues and Policies (5 lectures 8 practical/ outreach activities)

- Causes of Climate change, Global warming, Ozone layer depletion, and Acid rain; Impacts on human communities, biodiversity, global economy, and agriculture
- International agreements and programmes: Earth Summit, UNFCCC, Montreal and Kyoto protocols, Convention on Biological Diversity (CBD), Ramsar convention, The Chemical Weapons Convention (CWC), UNEP, CITES, etc.
- Sustainable Development Goals: India's National Action Plan on Climate Change and its major missions
- Environment legislation in India: Wildlife Protection Act, 1972; Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974; Forest (Conservation) Act 1980; Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981; Environment Protection Act, 1986; Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006

Unit VI

Biodiversity and Conservation (6 lectures and 7 practical/ outreach activities)

- Definition of Biodiversity; Levels of biological diversity: genetic, species and ecosystem diversity
- India as a mega-biodiversity nation; Biogeographic zones of India; Biodiversity hotspots; Endemic and endangered species of India; IUCN Red list criteria and categories
- Value of biodiversity: Ecological, economic, social, ethical, aesthetic, and informational values of biodiversity with examples; sacred groves and their importance with examples
- Threats to biodiversity: Habitat loss, degradation, and fragmentation; Poaching of wildlife; Man-wildlife conflicts; Biological invasion with emphasis on Indian biodiversity; Current mass extinction crisis
- Biodiversity conservation strategies: in-situ and ex-situ methods of conservation; National Parks, Wildlife Sanctuaries, and Biosphere reserves; Keystone, Flagship, Umbrella, and Indicator species; Species reintroduction and translocation
- *Case studies*: Contemporary Indian wildlife and biodiversity issues, movements, and projects (e.g., Project Tiger, Project Elephant, Vulture breeding program, Project GreatIndian Bustard, Crocodile conservation project, Silent Valley movement, Save Western Ghats movement, etc)

Unit VII

Human Communities and the Environment (4 lectures and 5 practical/ outreach activities)

- Human population growth: Impacts on environment, human health, and welfare; Carbon foot-print
- Resettlement and rehabilitation of developmental project affected persons and communities; relevant case studies
- Environmental movements: Chipko movement, Appiko movement, Silent valley movement, Bishnois of Rajasthan, Narmada Bachao Andolan, etc
- Environmental justice: National Green Tribunal and its importance
- Environmental philosophy: Environmental ethics; Role of various religions and cultural practices in environmental conservation
- Environmental communication and public awareness: case studies (e.g., CNG vehicles in Delhi, Swachh Bharat Abhiyan, National Environment Awareness Campaign (NEAC), National Green Corps (NGC) “Eco-club” programme, etc)

(The total number of weeks should add up to 15 only)

Practical component– (15 Weeks)

Unit V

Global Environmental Issues and Policies (8 practical/ outreach activities)

Practical/Exercises/Experiential activities/Outreach activities

(*College may choose as per requirement*)

- Depict temperature/precipitation trend of a given study area using online data
- Formulate questionnaire/online surveys for assessment of the impact of climate change on people
- Assess Nationally Determined Contributions (NDCs) of developed and developing countries
- Development and simulation of Model UNFCCC for inoculating negotiation skills at climate change summits
- Development and simulation of Moot Court for Mock Trials in Negotiation Green Tribunal
- Identify carbon footprint of your college/home/locality (refer wwf@envis.nic.in).
- Analyze the status of at least 3 sustainable development goals in your neighbourhood and write a proposal to help achieve them at global standard (identify environmental problems and its social and economic impact, define objectives, explain methodology, budgetary requirements, and suggest the expected outcomes). A PowerPoint presentation to be made based on the project proposal.

Unit VI

Biodiversity and Conservation (7 practical/ outreach activities)

Practical/Exercises/Experiential activities/Outreach activities

(*College may choose as per requirement*)

- Acquaintance with open-source databases of biodiversity
- Determine species location in a given study area
- Depict distribution of biodiversity across latitude and altitude
- Show species distribution across space and time
- Quantify species loss across different time periods
- Sampling of plant and animal biodiversity of the College campus
- Identification of the floral diversity of Delhi and other states.
    - Documentation of the plants by clicking pictures, finding out the scientific names/ local names through literature or mobile applications, identification of their conservation status (IUCN red book list), medicinal properties, water consumption status, and socio-economic-environmental importance. A short report to be submitted)
- Exercise to understand the socio-economic-environmental impact of wildlife conservation.

  (Students can choose any global animal species and identify the relevance of the species for the ecosystem/ society/ culture/ local economy, historic or present range of the species, emerging threats due to human activities, identification of documented events of natural disasters/ conflicts/ poaching of the species in the present range, conservation status (IUCN red book list), identification of protected areas/ programs of the government/ international organisation, and their opinion to further improve the conservations of the species. A short report to be submitted.

Unit 7

Human Communities and the Environment (5 practical/ outreach activities)

Practical/Exercises/Experiential activities/Outreach activities

(*College may choose as per requirement*)

- Assessment of carbon foot-print of different countries using online databases and mathematical tools
- Visit to marginalized localities and students for environmental education and environmental awareness
- Formulation of questionnaire/online surveys for assessment of the impact of environmental education
- Visit to any developmental project affected locality for assessing the impacts of economic development on human lives
- Correlation analysis of human population growth and impacts on the environment and human health

Essential/recommended readings

Unit V

Global Environmental Issues and Policies (5 lectures 8 practical/ outreach activities)

1. Divan, S. and Rosencranz, A. (2002). *Environmental Law and Policy in India: Cases, Material &Statutes*, 2nd Edition. Oxford University Press, India. **Chapter 2** (Pages: **23-39**); **Chapter 3** (Pages: **41-86**).
2. Raven, P.H, Hassenzahl, D.M., Hager, M.C, Gift, N.Y. and Berg, L.R. (2015). *Environment*, 9thEdition. Wiley Publishing, USA. **Chapter 19** (Pages: **370-376**); **Chapter 20** (Pages: **385-399**).
3. Singh, J.S., Singh, S.P. and Gupta, S.R. (2017). *Ecology, Environmental Science and Conservation*. S. Chand Publishing, New Delhi. **Chapter 23** (Pages: **555-598**); **Chapter 30** (Pages: **801-807**).

Unit VI

Biodiversity and Conservation (6 lectures and 7 practical/ outreach activities)

1. Primack, R.B. (2014). *Essentials of Conservation Biology*, Oxford University Press, USA. Page.1-536.
2. Raven, P.H, Hassenzahl, D.M., Hager, M.C, Gift, N.Y. and Berg, L.R. (2015). *Environment*, 9thEdition. Wiley Publishing, USA. **Chapter 5** (Pages: 97-99); **Chapter 16** (Pages: **299-318**).
3. Singh, J.S., Singh, S.P. and Gupta, S.R. (2017). *Ecology, Environmental Science and Conservation*. S. Chand Publishing, New Delhi. **Chapters 24** (Pages: **599-690**); **Chapter 26** (Pages: **664-714**).

Unit VII

Human Communities and the Environment (4 lectures and 5 practical/ outreach activities)

Suggested Readings

1. Divan, S. and Rosencranz, A. (2002). Environmental Law and Policy in India: Cases, Material & Statutes, 2nd Edition. Oxford University Press, India. **Chapter 10** (Pages: **416-473**).
2. Raven, P.H, Hassenzahl, D.M., Hager, M.C, Gift, N.Y. and Berg, L.R. (2015). Environment, 9thEdition. Wiley Publishing, USA. **Chapter 2** (Pages: **33-36**); **Chapter 8** (Pages: **148-162**).
3. Singh, J.S., Singh, S.P. and Gupta, S.R. (2017). Ecology, Environmental Science and Conservation. S. Chand Publishing, New Delhi. **Chapter 1** (Pages: **23-26**); **Chapter 31** (Pages:**826-842**).

Suggested readings

1. Brusseau, M.L., Pepper, I.L. and Gerba, C.P. (2019). *Environmental and Pollution Science*, 3rdEdition. Academic Press, USA.
2. Carson, R. (2002). Silent Spring. Houghton Mifflin Harcourt, USA.
3. Raven, P.H, Hassenzahl, D.M., Hager, M.C, Gift, N.Y. and Berg, L.R. (2015). Environment, 9thEdition. Wiley Publishing, USA.
4. van Wormer, K. and Besthorn, F. (2017). Human Behavior and the Social Environment, Macro Level Groups, Communities, and Organizations, Third Edition, Oxford University Press.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

Assessment methods

1. Written examinations (Semester exams) [(**Year 1:** 01 credit (1 hour); **Year 2:** 01 credit (1 hour)]
2. Project work and reports related to field visits, outreach activities, case study, project formulation, assignments, presentations and practical learning (Internal practical assessment) [(**Year 1:** 01 credit (2 hour); **Year 2:** 01 credit (2 hour)]

Year 1 (Sem-I/Sem-II): 01 Credit Theory+ 01 Credit practical exercises, etc.
= **Total 02 Credits (03 hours)**

Year 2 (Sem-I/Sem-II): 01 Credit Theory+ 01 Credit practical exercises, etc.
= **Total 02 Credits (03 hours)**

REGISTRAR